रामचरितमानस : उत्तरकाण्ड
तुलसीदास कृत ; अपूर्ण
असं० पत्रक ॥ ल० भ० १५ पं०प्र०पृ०

MSS. 776

Tulsi Ramayana Hindi Script
Ramchritar Mansa
Butiful Hand

~~Krit~~ Maha kawi Tulsi Das

13 x 10   Pages 614

P.P. S. JAURA
W. G. 395, Siraj Ganj, Jullundur City

776

...ब्रह्म... [illegible] ...समवि
...यथाहेर्भमार

बालकांड ॥१॥

ॐ स्वस्तिश्रीगणेशाय नमः श्रीपरमात्मने नमः ॥
श्लोक ॥ वर्णानामर्थसंघानां रसानां छंदसामपि
मंगलानां च कर्त्तारौ वंदे वाणीविनायकौ ॥१॥ भवा
नीशंकरौ वंदे श्रद्धाविश्वासरूपिणौ ॥ याभ्यां वि
नानपश्यंति सिद्धाः स्वांतस्थमीश्वरं ॥२॥ वंदे बोध
मयं नित्यं गुरुं शंकररूपिणं ॥ यमाश्रितो हि वक्रो
पि चन्द्रः सर्वत्र वंद्यते ॥३॥ विनाप्यर्थैः समर्थैर्हि दा
नमर्थं च तथापि यं ॥ मंगलायस्तनं तन्नेयं दालेराम
प्रापितं ॥४॥ सीतारामगुणग्रामपुण्यारण्यविहा
रिणौ ॥ वंदे विशुद्धविज्ञानौ कवीश्वरकपीश्वरौ ॥५॥
उद्भवस्थितिसंहारकारिणीं क्लेशहारिणीम् ॥ स

वश्रेयस्करींसीतांनतोहंरामवल्लभां॥५॥यन्मायावशवर्तिविश्वमखि
लंब्रह्मादिदेवासुरायत्सत्वादमृषैवभातिसकलंरज्जौयथाहेर्भ्रमः॥य
त्पादप्लवमेकमेवहिभवांभोधेस्तितीर्षावतांवंदेहंतमशेषकारणप
रंरामाख्यमीशंहरिं॥६॥नानापुराणनिगमागमसम्मतंयद्रामायणे
निगदितंक्वचिदन्यतोपि॥स्वांतःसुखायतुलसीरघुनाथगाथाभाषा
निबंधमतिमंजुलमातनोति॥७॥सोरठा॥जिहिसुमिरतसिधिहोयगण
नायककरिवरवदन॥करौअनुग्रहसोय॥बुधिरासिसुभगुनसदन
॥१॥मूकहोयवाचाल॥पंगुचढैगिरिवरगहन॥जासुकृपासोदयाल॥
द्रवौसकलकलिमलदहन॥२॥नीलसरोरुहस्यामतरुनअरुनवा
रिजनयन॥करौसोममउरधाम॥सदाछीरसागरसयन॥३॥कुंदइंदु
समदेह॥उमारवणकरुणायतन॥जाहिदीनपरनेह॥करौकृपाम
र्दनमयन॥४॥वंदौगुरुपदकंज॥कृपासिंधुनररूपहरि॥महामो
हतमपुंज॥जासुवचनरविकरनिकर॥५॥चौपई॥वंदौगुरुपदपदम
परागा॥सुरुचिसुवाससरसअनुरागा॥अमियमूरिमयचूरनचारू
समनसकलभवरुजपरिवारू॥सुकृतसंभुतनविमलविभूती॥मं
जुलमंगलमोदप्रसूती॥जनमनमंजुमुकुरमलहरनी॥किएँतिल
कगुनगनवसिकरनी॥श्रीगुरपदनखमनीगनजोती॥सुमिरत
दिव्यद्रिष्टिहियहोती॥दलनमोहतमसोसप्रकासू॥वडेभागउरआ
वैजासू॥उघरहिविमलविलोचनहीके॥मिटहिदोषदुखभवरज

॥तु॥रा॥ नीके॥ सूझहि राम चरित मनि मानिक॥ गुपत प्रगट जहं जो जेहि खानिक
॥बा॥ १॥ दोहरा॥ जथा सुअंजन अंजि दृग साधक सिधि सुजान॥ कौतुक देष
॥२॥ हि सैल बन भूतल भूरि नीधान॥२॥ चौपई॥ गुरपद रज मृदु मंजुल अं
जन॥ नयन अमिय दृग दोष विभंजन॥ तेहि करि विमल विवेक वि
लोचन॥ बरनौं राम चरित भौ मोचन॥ वंदौं प्रथम महीसुर चरना॥ मो
ह जनित संसय सब हरना॥ सज्जन समाज सकल गुन षानी॥ करौं प्र
नाम सप्रेम सुवानी॥ साधु चरित सुभ चरित कपासू॥ निरस विसद गुन
॥ष मय फल जासू॥ जो सहि दुष पर छिद्र दुरावा॥ वंदनीय जेहि जग जस पा
वा॥ मुद मंगलमय संत समाजू॥ जो जग जंगम तीरथराजू॥ राम भग
सरस्वती ति जहं सुरसरि धारा॥ सरसै ब्रह्म विचार प्रचारा॥ विधि निषेधमय क
लि मल हरनी॥ करम कथा रविनंदनि वरनी॥ हरि हर कथा विराजति वे जमनाजी
नी॥ सुनत सकल मुद मंगल देनी॥ वटु विस्वास अचल निज धर्मा॥
तीरथराज समाज सुकर्मा॥ सबहि सुलभ सब दिन सब देसा॥ सेवत
सादर समन कलेसा॥ अकथ अलौकिक तीरथराउ॥ देत सद्य फल
प्रगट प्रभाउ॥३॥ दोहरा॥ सुनि समुझहिं जन मुदित मन॥ मज्जहि अ
ति अनुराग॥ लहहि चारि फल अछत तन॥ साधु समाज प्रयाग॥४
चौपई॥ मज्जन फल पेषिय ततकाला॥ काक होहि पिक बकउ मराला॥
सुनि आचरज करै जनि कोई॥ सत संगति महिमा नहि गोई॥ वालमी
क नारद घटजोनी॥ निज निज मुषनि कही निज होनी॥ जलचर थ

लचरनभचरनाना॥ जेजडचेतनजीवजहाना॥ मतिसुकीरतिभूतिभ
लाई॥ जबजेहिजतनजहाजेहिपाई॥ सोजानबसतसंगप्रभाऊ॥ लोकहु
वेदनआनउपाऊ॥ विनुसतसंगविवेकनहोई॥ रामकृपाविनुसुलभन
सोई॥ सतसंगतिमुदमंगलमूला॥ सोईफलसिधिसवसाधनफूला॥
सठसुधरहिसतसंगतिपाई॥ पारसपरसकुधातसोहाई॥ विधिवस
सजनकुसंगतिपरही॥ फनिमनिसमनिजगुनअनुसरही॥ विधिह
रिहरकविकोविदवानी॥ कहतसाधुमहिमासकुचानी॥ सोमोसन
कहिजाइनकैसे॥ साकवनिकमनिगनगुनजैसे॥ ५॥ दोहरा॥ वंदो
संतसमानचितहितअनहितनहिकोउ॥ अंजुलिगतसुभसुमन।
जिमि॥ समसुगंधकरदोउ॥ ६॥ दोहरा॥ संतसरलचितजगतहित॥
जानिसुभाउसनेहु॥ वालविनयसुनिकरिकृपा॥ रामचरनरतिदेहु॥
७॥ चौपई॥ वहुरिवंदिषलगनसतभाए॥ जेविनुकाजदाहिनेवाए॥
परहितहानिलाभजिन्हकेरे॥ उजरेहरषविषादवसेरे॥ हरिहरजसरा
केसराहुसे॥ परअकाजभटसहसवाहुसे॥ जेपरदोषलषहिसहस
षी॥ परहितघृतजिन्हकेमनमाषी॥ तेजकृसानुरोषमहिषेसा॥ अ
घअवगुनधनधनीधनेसा॥ उदयकेतसमहितसवहीके॥ कुंभकर
नसमसोवतनीके॥ परअकाजलगितनुपरिहरही॥ जिमिहिमउ
पलकषीदलिगलही॥ वंदौषलजससेषसरोषा॥ सहसवदनवर

सरस्वती

सहसकेसद्रस

मोद

गति

लोहा

महिषासुरकीनाई

॥तु॥रा॥ नैपरदोषा॥ पुनिप्रनवौंपृथुराजसमांनां॥ परअघसुनैसहसदसकांना॥ व जिम
॥वा॥ हुरिसक्रसमविनवौंतेही॥ संततसुरानीकहितजेही॥ वचनवज्रसम
॥अ॥ सदापिआरा॥ सहसनयनपरदोषनिहारा॥८॥ दोहरा॥ उदासीनअ
रिमीतहितसुनतजरहिंखलरीति॥ जानिपानिजुगजोरिजन॥ विनती
मनाए करौंसप्रीति॥९॥ चौपई॥ मैंअपनीदिसिकीन्हनिहोरा॥ तिन्हनिज
कैठनहीम लागा ओरनलाउवभोरा॥ वायसपलिअहिंअतिअनुरागा॥ होहिंनिरामि
षकवहुकिकागा॥ वंदौंसंतअसज्जनचरना॥ दुखप्रदउभयवीचक
छुवरना॥ विछुरतएकप्रानहरिलेई॥ मिलतएकदुखदारुनदेई॥ उ
पजहिंएकसंगजगमांहीं॥ जलजजोंकजिमिगुनविलगाहीं॥ सुधा
सुरासमसाधुअसाधु॥ जनकएकजगजलधिअगाधु॥ भलअनभ
संततुन लनिजनिजकरतूती॥ लहतसुजसअपलोकविभूती॥ सुधासुधा नीच
करसुरसरिसाधु॥ गरलअनलकलिमलसरिव्याधु॥ गुनअवगुन
जानतसवकोई॥ जोजेहिभावनीकतेहिसोई॥१०॥ दोहरा॥ भलोभ
लाइहिपैलहै॥ लहैनिचाईनीचु॥ सुधासराहियअमरता॥ गरलस
राहिअमीचु॥११॥ चौपई॥ षलअघअगुनसाधुगुनगाहा॥ उभयअ
पारउदधिअवगाहा॥ तेहितेंकछुगुनदोषवखाने॥ संग्रहत्यागन
नीच विनपहिचाने॥ भलेउपोचसवविधिउपजाए॥ गनिगुनदोषवेद
विलगाए॥ कहहिंवेदइतिहासपुराना॥ विधिप्रपंचगुनअवगुन

माना॥ दुषसुषपापपुण्यदिनराती॥ साधुकुसाधुसुजातिकुजाती॥ दानव
देवऊंचअरुनीचू॥ अमीसजीवनमाहुरमीचू॥ मायाब्रह्मजीवजगदी
सा॥ लछिअलछिरंकअवनीसा॥ काशीमघसुरसरिक्रमनासा॥
मरुमारवमहीदेवगवासा॥ स्वर्गनर्कअनुरागविरागा॥ निगमा
अगमगुणदोषविभागा॥ दोहरा॥ जडचेतनगुणदोषमयविश्वकी
नकरतार॥ संतहंसगुणग्रहहिंपैपरहरिवारिविकार॥२२॥ चौपई।
असिविवेकजवदेइविधाता॥ तवतजिदोषगुणहिमनराता॥
कालसुभावकर्मवरिआई॥ भलेप्रकृतिवसचुकहिभलाई॥ सो नीचदे
सुधारहिहरिजनजिमलेही॥ दलिदुषदोषविमलजसुदेही॥ षल
उकरतभलपाइसुसंगू॥ मिटइनमलिनसुभावअभंगू॥ लषिसु ल
वेषजगवंचकजेऊ॥ वेषप्रतापपूजीयहितेऊ॥ उघरहिअंतनहो
यनिवाहू॥ कालनेमिजिमरावणराहू॥ कीयहुंकुवेषसाधसन
मानू॥ जिमजगजामवंतहनुमानू॥ हानिकुसंगसुसंगतिलाहू॥
लोकहुंवेदविदतिसवकाहू॥ गगनचढैरजपवनप्रसंगा॥ कीच
नीच तोते मैना
हिमिलैनीचजलसंगा॥ साधुअसाधुसदनसुकसारी॥ सुमरहि
रामदेहगनगारी॥ धूमकुसंगतिकारिषहोई॥ लिषयपुराणमंजु
जैल
मसिसोई॥ सोयअनलअनिलसंघाता॥ होइजलदजगजी
धूंआ

॥तु॥रा॥
॥वा॥
॥४॥

वनदाता॥दोहरा॥ग्रहभेषजजलपवनपटपाइकुयोगसुयोग॥हो
हिकुवस्तसुवस्तजगलषहिविचक्षणलोग॥२२॥दोहरा॥समप्रका
सतमपाषदुहुं॥नामभेदविधकीन्ह॥शसिसोषकपोषकसमझि
जगजसअपजसदीन्ह॥२३॥दोहरा॥जडचेतनजगजीवजित्त॥स जितते
कलराममयजानि॥वंदौसवकेपदकमल॥सदाजोरजुगपान
२४॥दोहरा॥देवदनुजनरनागषग॥प्रेतपितरगंधर्व॥वंदौकिंनर
रजनिचरकृपाकरहुअवसर्व॥२५॥चौपई॥आकरचारलाषचौरा॥ उद्भज॥जेरज अंडज॥स्वेदज
सी॥जातिजीवनभजलथलवासी॥सीयराममयसवजगजा॥
नी॥करौप्रनामजोरजुगपानी॥जानिकृपाकरिकिंकरमोहू॥स
वमिलकरहुछाडिछलछोहू॥निजवुधवलभरोसमुहिनाहीं॥
तातेंविनयकरौंसभपाहीं॥करणचहौंरघुपतिगुणगाहा॥लघु
मतिमोरचरितअवगाहा॥सूझनएकोअंगउपाऊ॥मनमतिरं
कमनोरथराऊ॥मतिअतिनीचऊचरुचिआछी॥चहियअमी॥
जगजुरैनछाछी॥छमिहहिसज्जनमोरढिठाई॥सुनहहिवाल
वचनमनलाई॥जोवालककहितोतरिवाता॥सुनहिमुदतम
नपितुअरुमाता॥हसहैंकूरकुटलकुविचारी॥जेपरदूषनभू
षनधारी॥निजकवित्ताकहिलागननीकी॥सरसहोइअथवा

॥५॥

अतिफीकी॥जेपरभनतिसुनतहरषाहीं॥तेवरपुरुषवहुतजग
नाहीं॥जगवहुनरसरसरिसमभाई॥जेनिजवाढिवढहिंजलपाई॥
सज्जनसकृतसिंधुसमकोई॥देषिपूरविधुवाढैजोई॥दोहरा॥
भागछोटअभिलाषवड॥करौंएकविश्वास॥पैहहिंसुषसुनिसु
जनसवषलकरहिहिंउपहास॥८॥चौपई॥षलपरिहासहोइहि
तमोरा॥काककहहिंकलकंठकठोरा॥हंसहिवकदादुरचातक
ही॥हंसहिंमलिनषलविमलवतकही॥कवतरसिकनहिंराम
सनेहू॥तिन्हकहसुषदहासरसएहू॥भाषाभनतिभोरमतिभो
री॥हंसवेयोगहसेनहिषोरी॥प्रभुपदप्रीतनसामझुकीनीकी॥
तिन्हहिंकथासुनिलागहिफीकी॥हरिहरपदरतिमतिनकुतर
की॥तिन्हकहुंमधुरकथारघुवरकी॥रामभगतिभूषतजियजा
नी॥सुनहहिंसुजनसराहिसुवानी॥कवनहोउंनहीचतुरप्रवी
नू॥सकलकलासवविद्याहीनू॥आषरअरथअलंकृतनाना
छंदप्रवंधअनेकविधाना॥भावभेदरसभेदअपारा॥कवितदो
षगुणविवधप्रकारा॥कवितविवेकएकनहिमोरे॥सत्यकहौंलि
षकागदकोरे॥दोहरा॥भनतिमोरसवगुनरहित॥विश्वविदतगु
णएक॥सोविचारसुनहहिसुमति॥जिन्हकेविमलविवेक॥९॥

॥तु॥रा॥ चौपई॥ इहमहुंरघुपतिनामउदारा॥ अतिपावनपुरानश्रुतिसा।
॥वा॥ रा॥ मंगलभवनअमंगलहारी॥ उमासहितजिहंजपतत्रिपुरारी॥
॥५॥ भनतिविचित्रसुकविकृतजोऊ॥ रामनामविनुसोहनसोऊ॥
विधुवदनीसवभांतसवारी॥ सोहनवसनविनावरनारी॥ सव
गुणरहितकुकविकृतवानी॥ रामनामजसअंकितजानी॥ सा
दरकहहिंसुनहिंवुधताही॥ मधुकरसरिससंतगुनग्राही॥ ज।
दिपकवितरसएकोनाही॥ रामप्रतापप्रगटइहमाही॥ सोभ।
रोसमोरेमनआवा॥ किंहनसुसंगवडप्पनुपावा॥ धूमौतजैस
[कडुतनै] हजकरुआई॥ अगुरप्रसंगसुगंधवसाई॥ भनतभदेसवस्तुभ मोटी
जग॰ लिवरनी॥ रामकथामंगलकरनी॥ छंद॥ मंगलकरणिकलि
मलहरणितुलसीकथारघुनाथकी॥ गतिकूरकवितासरित।
[गंगाजी] [पवित्र] कीज्योंसरितपावनपाथकी॥ प्रभुसुजससंगतिभनतिभलहो।
इहसुजनमनभावनी॥ भवअंगभूतिमसानकीसुमरनसुहा
वनपावनी॥ दोहरा॥ प्रियलागयअतिसवहिमम॥ भनतरा।
मजससंग॥ दारुविचारुकिकरैको॥ वंदियमलयप्रसंग॥ १०
स्यामसुरभिपयविशदअति॥ गुणदकरहिसवपान॥ गिराग्रा
मसीयरामजसु॥ गावहिसुनहिसुजान॥ ११॥ चौपई॥ मणिमाण
सु

करमुकत्ताछविजैसी॥ अहिगिरगजसिरसोहनतैसी॥ नृपकरी
टतरुणीतनपाई॥ लहहिंसकलशोभाअधिकाई॥ तैसेसुक।
विकवितवुधकहही॥ उपजहिअनतअनतछविलहही॥ भगति ८३
हेतुविधभवनविहाई॥ सुमरतिसारदआवतधाई॥ रामचरित
सरविनुअन्हवाए॥ सोश्रमजाइनकोटउपाए॥ कविकोविदअ
सहृदयविचारी॥ गावहिहरिजसुकलिमलहारी॥ कीन्हाप्राकृ
तजनगुणगाना॥ सिरधुनगिरालगतिपछिताना॥ हृदयसिं
धुमतिशीपसमाना॥ स्वातीसारदकहहिंसुजाना॥ जोवरषैवर
वारविचारू॥ होहिकवतिमुकतामणिचारू॥ दोहरा॥ युगतिवे
धपुनिपोईअहरामचरितवरताग॥ पहिरहिंसजनविमलउर॥ शो
भाअतिअनुराग॥ २०॥ चौपई॥ जेजनमेकलिकालकराला॥।
करतववायसवेषमराला॥ चलतकुपंथवेदमगछाडे॥ कपट
कलेवरकलिमलभांडे॥ वंचकभक्तकहाइरामके॥ किंकरकं। देखीए
चनकोहकामके॥ तिन्हमहिप्रथमरेखजगमोरी॥ धिंगधरमध्व
जधंधकधोरी॥ जोअपनेअवगुनसवकहऊं॥ वाढहिकथापा
रनहिलहिऊ॥ तातेमैअतिअल्पवषाने॥ थोरेमहुंवहुजानस
याने॥ समुझविविधविधविनतीमोरी॥ कोनकथासुनिदेइहि।

॥तु॥रा॥वा॥६॥

बोरी॥ एतेपरिकरहहिंजेअसंका॥ मुहितेअधिकजेजडमतिरंका॥
कबिनहोंउंनहिचतुरकहावौ॥ मतिअनुरूपरामगुणगावौ॥
कहंरघुपतिकेचरितअपारा॥ कहिमतिमोरनिरतसंसारा॥
जिहंमारुतगिरिमेरुउडाही॥ कहहुतूलकिहिलेखेमाही॥ स
मुझतिअमितरामप्रभुताई॥ करतकथामनअतिकदराई॥
॥दोहरा॥ सारदसेषमहेसविधि॥ आगमनिगमपुरान॥ नेति
नेतिकहिजासुगुण॥ करहिनिरंतरगान॥१२॥ चौपई॥ सबजा
नतप्रभुप्रभुतासोई॥ तदपिकहेबिनुरहानकोई॥ तहांबेद
असकारणराखा॥ भजनप्रभाउभांतिबहुभाषा॥ एकअनी
हअरूपअनामा॥ अजसचिदानंदपरधामा॥ व्यापकविश्वरूप।
भगवाना॥ तिनधरदेहचरितकृतिनाना॥ सोकेवलभगतनहि
तलागी॥ परमकृपालप्रणितअनुरागी॥ जिहिजनपरिममता
अतिछोहू॥ तिहिकरुणांकरिकीन्हनकोहू [क्रोध]॥ गईवहोरिगरी
बनिवाजू॥ सरलसबलसाहिबरघुराजू॥ बुधिबरनहिहरिजस
असजानी॥ करहिपुनीतसफलनिजबानी॥ तिहिबलमैरघु
पतिगुणगाथा॥ करिहोंनाइरामपदमाथा॥ मुनिन्हप्रथम
हरिकीरतिगाई॥ तिहिमगचलतिसुगममुहिभाई॥ दोहरा॥

अतिअपारजेसरितवरजौनृपसेतुकराहि॥चढिपपीलकउपरम
लघु॥विनुश्रमपारहिजाहि॥२२॥चौपई॥इहप्रकारवलुमनहि
दिषाई॥करिहौरघुपतिकथासुहाई॥व्यासआदिकविपुंगवना
ना॥जिन्हसादरहरिचरितवषाना॥चरणकमलवंदौतिन्हके
रे॥पुरवहुसकलमनोरथमोरे॥कलिकेकविन्हकरौपरनामा॥
जिन्हवरनेरघुपतिगुनग्रामा॥जेप्राकृतकविपरमसयाने॥भा
षाजिन्हहरिचरतवषाने॥भएजिअहहिजेहुइहहिआगे॥प्रणॅम बो० १
कलकपटछलत्यागे॥होहुप्रसंनदेहुवरदानू॥साधुसमाजुभ
नतसनमानू॥जोप्रवंधवुधनहिआदरही॥सोश्रमवादिवाल मूरष
कविकरही॥कीरतिभनतिभूतभलसोहोई॥सुरसरिसमसवक विभूति
मोटा
हहितहोई॥रामसुकीरतिभनतिभदेसा॥असमंजसअसमोहि
तपट
अदेसा॥तुमरीकृपासुलभसोमोरे॥सियनिसुहावनटाटपटोरे पीतांबर
करहुअनुग्रहअसजीयजानी॥विमलजसहिअनुहरयसुवानी
॥दोहरा॥सरलकवितकीरतिविमल॥सोआदरहिसुजान॥सह
जवयरविसराइरिपु॥जोसुनिकहिवषान॥२३॥दोहरा॥सोनहो
इविनुविमलमति॥मुहिमतिवलअतिथोरि॥करहुकृपाहरिज
सुकहौं॥पुनिपुनिकहौंनिहोरि॥२४॥दोहरा॥कविकोविदरघुप

तिचरित्त॥ मानससमंजुमराल॥ बालबिनयसुनिसुरुचिलषि॥मो
परहोहुकृपाल॥२५॥सोरठा॥बंदौमुनिपदकंज॥रामायणजिह्न
निर्मयो॥ सषरसकोमलमंजु॥ दोषरहितदूषणसहित॥२६॥
॥सोरठा॥बंदौचारयोवेद॥भववारिधबोहितसरिष॥जिन्हहि
नसपनिहुषेद॥ बरणतरघुवरविशदजस॥२७॥सोरठा॥बंदौ
विधिपदरेण॥ भववारदजिन्हकीन्हयहि॥ संतसुधाससधे
नु॥ प्रगटेषलविषुवारुणी॥२८॥दोहरा॥विवुधविप्रवुधग्र
हचरण॥ वंदिकहौकरजोर॥ हुइप्रसंनपुरवहुसकल॥ मंजुम
नोरथमोर॥२९॥चौपई॥पुनिवंदौसारदसुरसरता॥जुगलिपुनी
तमनोहरचरिता॥ मज्जनपानपापहरिएका॥ कहतसुनतइक
हरअविवेका॥ गुरपितमातमहेशभवानी॥ प्रणवोदीनवंधु
दिनदानी॥ सेवकस्वामिसखामियपीयके॥ हितुनिरुपधि
सबविधतुलसीके॥ कलिविलोकिजगहितहरिगिरजा॥ सा
वरमंत्रजालजिन्हसिरजा॥ अनमिलअषरअरथनजापू॥
प्रगटप्रभाउमहेसप्रतापू॥ सोमहेशमोपरअनुकूला॥ करौं
कथामुदमंगलमूला॥ सुमिरशिवाशिवपाइपसाऊ॥ वरणौं
रामचरितचितलाऊ॥ भनतिमोरशिवकृपाविभाती॥ ससि

समाजमिलमनहुसुराती॥ जेइहिकथहिसनेहसमेता॥ कहिह
हिसुनहहिसमकमचेता॥ हुइहहिरामचरणअनुरागी॥ कलि
मलरहितसुमंगलभागी॥ दोहरा॥ सपनिहुसाचिहुमोहिपर॥
२४ जौहरगौरपसाउ॥ तोफुरहोइजुकह्योसव॥ भाषाभनतिप्रभाउ
१०॥ चौपई॥ वंदौअवधपुरीअतिपावन॥ सरजूसरिकलिकलु
षनसावन॥ प्रणावौपुरनरनारिवहोरी॥ ममताजिनपरप्रभु
हिनथोरी॥ सियनिंदकअघओघनसाए॥ लोकविशोकवना
इवसाए॥ वंदौकौशल्यादिशिप्राची॥ कीरतिजासुसकलजल
माची॥ प्रगटेजहंरघुपतिशशिचारु॥ विश्वसुखदखलकमल
तुषारु॥ दसरथराउसहितसवरानी॥ सुकृतिमंगलमूरतिजा सु
नी॥ करौप्रनामकरममनवानी॥ करहुकृपासुतशेवकजानी
जिन्हहिविरचवडभयोविधाता॥ महिमाअवधिरामपितुमाता॥ मा१
॥सोरठा॥ वंदौअवधभुआल॥ सत्यप्रेमजिहिरामपद॥ विछु
रतदीनदयाल॥ प्रियतनुत्रिणइवपरिहर्यो॥ ११॥ चौपई॥ प्रण
वौपरिजनसहितविदेहू॥ जाहिरामपदगूढसनेहू॥ योगभो
गमहुराख्योगोई॥ रामविलोकितप्रगट्योसोई॥ वंदौप्रथमभ
रथकेचरना॥ जासुप्रेमव्रतजाइनवरना॥ रामचरनपंकजम
नजासु॥ लुब्धमधुपइवतजइनपासु॥ वंदौलछमनपदज

लजाता॥ प्रीतलखि भगत भगत सुषदाता॥ रघुपति कीरति बिम
लपताका॥ दंड समान भयो जस जाका॥ सेष सहस्र सीस जग का
रण॥ जो अवतरेउ भूमि भय टारण॥ सदा सो सानुकूल रहु मो प
र॥ कृपासिंधु सौमित्र गुणाकर॥ रिपुसूदन पद कमल नमामी॥
सूर सुशील भरत अनुगामी॥ महावीर बिनवौं हनुमाना॥ राम
जासु जस आपु बषाना॥ सोरठा॥ वंदौं पवन कुमारि॥ षल बन पा
वक ज्ञान घन॥ जासु हृदय आगार॥ बसहि राम सर चाप धर॥ १७
॥ चौपई॥ कपिपति रीछ निशाचर राजा॥ अंगदादि जे कीस स
माजा॥ वंदौं सबके चरण सुहाए॥ अधम सरीर राम जिन्ह पाए॥
रघुपति चरण उपासक जेते॥ षग मृग सुर नर असुर समेते॥ वंदौं
ब पद सरोज सब केरे॥ जे बिन्हु काम राम के चेरे॥ शुक सनकादि भ
क्ति मुनि नारद॥ जे मुनिवर विज्ञान विशारद॥ प्रणवौं सबहि
धरणि धर सीसा॥ करहु कृपा जन जानि मुनीसा॥ जनकसुता
जगजननि जानकी॥ अतिशै प्रिय करुणानिधान की॥ ताके
युगपद कमल मनावौं॥ जासु कृपा निर्मल मति पावौं॥ पुनि
मन वचन कर्म रघुनायक॥ चरण कमल वंदौं सब लायक॥
राजिवनयन धरे धनु सायक॥ भक्ति विपति भंजन सुषदाय
क॥ दोहा॥ गिरा अरथ जल वीचि सम॥ कहियत भिन्न न भिन्न

वंदोसीतारामपदजिन्हहिपरमप्रियषिंन॥३३॥चौपई॥वंदोनामरा
मरघुवरको॥हेतुकृसानभानुहिमकरको॥विधिहरिहरमयवेद
प्राणसो॥अगुणअनूपमगुणनिधानसो॥महामंत्रजेजपतमहे
सू॥कांशीमुक्तिहेतउपदेसू॥महिमाजासुजानगणराऊ॥प्रथ
मपूजियतनामप्रभाऊ॥जानिआदिकविनामप्रतापू॥भएशुद्ध
करिउलटाजापू॥सहसनामसमसुनिशिववानी॥जपतसदाशि
वसंगभवानी॥हरषेहेतुहेरिहरहीको॥कीयभूषणजीयभूषण
तीयको॥नामप्रभाउजानशिवनीको॥कालकूटफलदीन्हअ
मीको॥दोहरा॥वरषारितुरघुपतिभगत॥तुलसीसालिसुदास॥
रामनामवरवरणजुग॥सावणभादोमास॥३४॥चौपई॥आखर
मधुरमनोहरदोऊ॥वरनविलोचनजनजियसोऊ॥सुमिरतसु
लभसुषदसवकाहू॥लोकलाहुपरलोकनिवाहू॥कहतसुनत
समुझतसठनीके॥रामलषनसमप्रियतुलसीके॥वरणतवरणप्री
तिविलगाती॥ब्रह्मजीवइवसहजसंघाती॥नरनारायणसरिषसु
भ्राता॥जगपालकविशेषजनत्राता॥भगतसुतियकलकरणवि
भूषण॥जगहितहेतुविमलविधुपूषण॥स्वादतोषसमसुगति
सुधाके॥कमठसेषसमधरवसुधाके॥जनमनमंजुकंजमधुकर
से॥जीहजसोमतिहरिहलधरसे॥दोहरा॥एकछत्रइकमुकटम
णि॥सववरननपरजोउ॥तुलसीरघुवरनामके॥वरणविराजत

तु॥रा॥
॥वा॥
॥९॥

दोह॥२५॥चौपई॥समुझतसरिसनामअरुनामी॥प्रीतिपरसपरप्रभु
अनुगामी॥नामरूपदुइईसउपाधी॥अकथअनादिसुसामुझि
साधी॥कोवडछोटकहतअपराधू॥सुणिगुणभेदसमुझिहहिसा
धू॥देषियिरूपनामआधीना॥रूपज्ञाननहिनामविहीना॥रूप
विशेषनामविनुजाने॥करतलगतनपरहिपहिचाने॥सुमरि
यनामरूपविनदेषे॥आवतहृदयसनेहविशेषे॥नामरूपगुण
अकथकहानी॥समुझतसुषदनपरतिवषानी॥अगुणसगुण
विचनामसुसाषी॥उभयप्रवोधकचतुरदुभाषी॥दोहा॥रामनामम
णिदीपधरु॥जीहदेहरीद्वार॥तुलसीवाहरभीतरे॥जोचाहतउजि
यार॥२६॥चौपई॥नामजीहजपजागहिजोगी॥विरतिविरंचिप्र
पंचवियोगी॥ब्रह्मसुषहिअनुभवहिअनूपा॥अकथअनाम
यनामनरूपा॥जानीचहहिंगूढगतिजेऊ॥नामजीहजपजाग
हितेऊ॥साधकनामजपहिलयलाएं॥होहिंसिध्धअणिमादि
कपाएं॥जपहिनामजनआरतभारी॥मिटहिकुसंकटहोहिसु
षारी॥रामभगतिजगचारप्रकारा॥सुकृतीचारयोअनघउदारा॥
चहुचतुरकहंनामअधारा॥ज्ञानीप्रभुहिविशेषपियारा॥चहुं
जुगचहुंश्रुतिनामप्रभाऊ॥कलिविशेषनहिआनउपाऊ॥दो
सकलकामनाहीनजे॥रामभगतिरसलीन॥नामप्रेमपीयूष
हृद॥तिन्हहुकीनमनमीन॥२७॥चौपई॥अगुणसगुणदुइब्र। ॥९॥

समसुपा।। अकथअगाधअनादिअनूपा।। मोरेमतवडनामदुहूंते
कीयेजिहिजुगनिजवसहूंते।। प्रौढसुजनजनजानहिजनकी।। क
हिउप्रतीतिप्रीतिरुचिमनकी।। एकदारुगतदेखीयएकू।। पावकस
मयुगब्रह्मविवेकू।। उभयअगमयुगसुगमनामते।। कहौनामव
डब्रह्मरामते।। व्यापकिएकब्रह्मअविनाशी।। सतचेतनघनआ
नंदरासी।। असप्रभुहृदयअछतअविकारी।। सकलजीवजगदी
नदुषारी।। नामनिरूपननामजतनते।। सोप्रगटतजिममोलरत
नते।। दोहरा।। निर्गुणतेइहभांतिवड।। नामप्रभाउअपार।। कहउ
नामवडरामते।। निजविचारअनुसार।। २८।। चौपई।। रामभगतिहि
तनरतनधारी।। सहिसंकटकीयसाधसुषारी।। नामसप्रेमजपति
अनियासा।। भगतिहोहिंमदमंगलवासा।। रामएकतापसतीय
तारी।। रामकोटिषलकुमतिसुधारी।। रिषहितरामसुकेतसुताकी
सहितसेनसुतकीन्हविवाकी।। सहितदोषदुषदासदुरासा।। द
लयनामजिमरविनिशिनाशा।। भंज्योरामआपुभवचापू।। भव
भयभंजननामप्रतापू।। दंडकवनप्रभकीन्हसुहावन।। जनमन
अमितनामकीयेपावन।। निसचरनिकरदलेरघुनंदन।। ना
मसकलकलिकलुषनिकंदन।। दोहरा।। सवरीगीधसुशेवक
न्ह।। सुगतिदीन्हरघुनाथ।। नामउधारेअमितषल।। वेदविदित।

॥तु॥रा॥ गुणगाथ॥ ३९॥ चौपई॥ रामसुकंठविभीषणदोऊ॥ राषेशरणजान।
॥वा॥ सबकोऊ॥ नामगरीबअनेकनिवाजे॥ लोकवेदवरविरदविरा
॥१०॥ जे॥ रामभालुकपिकटकबटोरा॥ सेतुहेतुश्रमकीन्हनथोरा॥
नामलेतभवसिंधुसुषाही॥ करहुविचारसुजनमनमांही॥ रा
मसकुलरणरावणमारा॥ सीयसहितनिजपुरपगुधारा॥ राजा
रामअवधरजधानी॥ गावतगुणसुरमुनिवरवानी॥ सेवक
सुमरतनामसप्रीती॥ विनुश्रमप्रवलमोहदलजीती॥ फिरत
सनेहमगनसुषअपने॥ नामप्रतापसोचुनहिसुपने॥ दोहरा॥
ब्रह्मरामतेनामवड॥ वरदायकवरदान॥ रामचरितशतकोटिम
हि॥ लियमहेशजीयजान॥ ४०॥ चौपई॥ नामप्रसादशंभुअवि। द्र
नाशी॥ साजुअमंगलमंगलराशी॥ सुकसनकादिसिधमुनियो। सिट
गी॥ नामप्रतापब्रह्मसुषभोगी॥ नारदजानियोनामप्रतापू॥ ज
गप्रियहरिहरप्रियमअपू॥ नामजपतप्रभकीन्हप्रसादू॥ भ
गतशिरोमणिभेप्रहिलादू॥ ध्रुसगिलानिजपियोहरिनाऊ॥
पायियोअचलअनूपमठाऊ॥ सुमिरपवनसुतपावननामू॥
अपनेवसिकरिराषेरामू॥ अपरअजामलगजगणकाऊ॥ भ
एमुकतहरिनामप्रभाऊ॥ कहोकहालगिनामवडाई॥ रामु
नसकहिनामगुणिगाई॥ दोहरा॥ नामरामकोकल्पतरु॥ ॥१०॥

कलिकल्याणनिवास ॥ जोसिमरतभयौभांगते ॥ तुलसीतुलसीदा
स ॥४१॥ चौपई ॥ चहुजुगतीनकालतिहुंलोका ॥ भएनामजपजी
वविशोका ॥ वेदपुराणसंतमतिएहू ॥ सकलसुकृतफलरामस
नेहू ॥ ध्यानप्रथमजुगमखविधिदूजे ॥ द्वापरिपरतोषणप्रभपू
जे ॥ कलिकेवलमलमूलमलीना ॥ पापपयोनिधजनमनमी
ना ॥ नामकामतरुकालकराला ॥ सुमिरतशमनसकलजंजा
ला ॥ रामनामकलिअभिमतिदाता ॥ हितपरलोककलोकपित
माता ॥ नहिकलिकरमनभक्तिविवेकू ॥ रामनामअवलंबनएकू
कालनेमिकलिकपटनिधानू ॥ नामसुमतिसमरथहनुमानू ॥
दोहरा ॥ रामनामनरकेसरी ॥ कनककसपुकलिकाल ॥ जापक
जनप्रहिलादइव ॥ राखहिदलिसुरसाल ॥४२॥ चौपई ॥ भाइकुभा
इअनखआलसहूं ॥ नामजपतिमंगलदिसदसहूं ॥ सुमरिसुना
मरामगुणगाथा ॥ करौंनाइरघुपतिनाथहिमाथा ॥ मोरसुधार
हिसोसवभांती ॥ जासुकृपानहिकृपाअघाती ॥ रामसुस्वामिकुसे
वकुमोसे ॥ निजदिसदेखदयानिधपोषे ॥ लोकहुवेदसुसाहिवरी
ती ॥ विनयसुनतपहिचानतप्रीती ॥ गनीगरीवग्रामनरनागर ॥
पंडितमूढमलीनउजागर ॥ सककविकुकविनिजमतिअनुहारी

॥तु॥रा॥ नृपहिसराहितसबनरनारी॥ साधुसुजानसुशीलनृपाला॥ ईसअंस
॥बा॥ सभवपरमकृपाला॥ सुनसनमानहिंसबहिंसुबानी॥ भनतिभ
॥२१॥ गतिमतिगतिपहिचानी॥ यहिप्राकृतमहिपालसुभाऊ॥ जान(
शिरोमणिकोशलराऊ॥ रीझितरामसनेहनिसोते॥ कोजगमं
दमलिनमतमोते॥ दोहरा॥ सठसेवककीप्रीतिरुचि॥ रषिहहिं
रामकृपालु॥ उपलकीयेजलजानजिह॥ सचिवसुमतिकपिभा
व लु॥ ४३॥ दोहरा॥ होंहुकहावतसबकहति॥ रामसहतउपहास॥
साहिबसीतानाथसे॥ सेवकतुलसीदास॥ ४४॥ चौपई॥ अति
बडमोरिढिठाईषोरी॥ सुनअघनरकहुनाकसकोरी॥ समुझसह
ममहिअपडरअपने॥ सोसुधिरामकीन्हनहिसपने॥ स्रुतिक
वलोकिसुचितचषचाही॥ भगतिमोरमतिस्वामिसराही॥ कह
तनसाइहोइहियनीकी॥ रीझतरामजानिजनजीकी॥ रहतनप्र
भुचितचककीयेकी॥ करतसुरतिसयवारहियेकी॥ जिहिअघ
वधियोव्याधिजिमवाली॥ फिरसुकंठसोकीन्हिकुचाली॥ सोई
करततविभीषणकेरी॥ सपनेहुसोनरामहियहेरी॥ तेभरतहि
भेटतसनमाने॥ राजसभारघुवीरवषाने॥ दोहरा॥ प्रभुतरुतर
कपिडारपरतेकीयेआपुसमान॥ तुलसीकहूंनरामसे॥ साहि ॥२१॥

वशीलनिधान॥ ४५॥दोहरा॥रामनिकाईरावरीहैसवहीकहुंनी
क॥ जोयहसाचीहैसदा॥ तोनीकोतुलसीक॥४६॥दोहरा॥ इहविध
निजगुणदोषकहि॥ वहुरिसवहिसिरनाइ॥ वरनोरघुवरविसद
जससुनिकलिकलुषनसाइ॥४७॥चौपई॥ याज्ञवलकजोकथा
सुहाई॥ भारद्वाजमुनिवरहिसुनाई॥ कहिहोसोसंवादवषानी॥
सुनहुसकलसज्जनसुषमानी॥ शंभुकीन्हयहचरितसुहावा॥
वहुरिकृपाकरउमहिसुनावा॥ सोईशिवकागभुसुंडहिदीन्हा॥
रामभगतिअधिकारीचीन्हा॥ तिहिसनजागवलिकपुनपावा॥
तिन्हपुनिभारद्वाजप्रतिगावा॥ तेश्रोतावकतासमशीला॥ सम
दरशीजानहिहरिलीला॥ जानहितीनकालनिजज्ञाना॥ करत
लगतिआमलकसमाना॥ औरोंजेहरिभगतिसुजाना॥ कहहिं
सुनहिसमुझहिविधनाना॥दोहरा॥ मैपुनिनिजगुरुसनसुनी॥
कथासुसूकरषेत॥ समझीनहितसवालपन॥ तवअतिरहेोअ
चेत॥४८॥दोहरा॥ श्रोतावकताज्ञाननिधकथारामकेगूढ॥ कि
मसमझोमेजीवजड॥ कलिमलग्रसितविमूढ॥४९॥चौपई॥ त
दिपकहीगुरुवारहिवारा॥ समुझिपरीकछुमतिअनुसारा॥
भाषावंधकरवमैसोई॥ मोरेमनप्रबोधजिहिहोई॥ जसकछुवु

॥तु॥रा॥ धविवेकवलमेरे॥ तसकहिहौंहीयहरिकेप्रेरे॥ निजसंदेहमोह
॥बा॥ भ्रमहरनी॥ करोंकथाभवसरितातरनी॥ बुधविश्रामसकलज
॥२२॥ नरंजनि॥ रामकथाकलिकलुषविभंजन॥ रामकथाकलिपं
नगभरनी॥ पुनिविवेकपावककहंअरनी॥ रामकथाकलिका
मदगाई॥ सुजनसजीवनमूरिसुहाई॥ सोवसुधातलसुधातरं
गिनि॥ भयभंजनभ्रमभेकभुअंगिनि॥ असुरसेनसमनरकि
निकंदन॥ साधुविवुधकुलहितगिरनंदिनि॥ संतसमाजपयोध
रमासी॥ विश्वभारभरअचलछमासी॥ जमगणमुहिमसिजग।
जमुनासी॥ जीवनमुकतिहेतुजनकाशी॥ रामहिप्रियपावन।
तुलसीसी॥ तुलसीदासहितहियहुलसीसी॥ शिवप्रियमेकलसै।
लसुतासी॥ सकलसिद्धसुखसंपतिरासी॥ सदगुणसुरगणअं
वअदितसी॥ रघुवरभगतिप्रेमपरिमितसी॥ दोहरा॥ रामकथा
मंदाकिनी॥ चित्रकूटचितचारु॥ तुलसीसुभगसनेहवनु॥ सी
यरघुवीरविचारु॥ ५०॥ चोपई॥ रामचरितचिंतामणिचारु॥ सं
तसुमतितीयसभगसिंगारु॥ जगमंगलगुणग्रामरामके॥।
दानमुक्तिधनधरमधामके॥ सदगुरज्ञानविरागजोगके॥ विवु
धवेदभवभीमरोगके॥ जननिजनकसीयरामप्रेमके॥ वीज ॥२२॥

सकलव्रतधरम॥ समनपापसंतापसोकके॥ प्रयपालकपरलोक
लोकके॥ सचिवसुभटभूपतिविचारके॥ कुंभजलोभउदधिअपार
के॥ कामकोहकलिमलकरिगणके॥ केहरसावकजनमनवन
के॥ अतिथपूज्यप्रियतमपुरारिके॥ कामदघनदारिददवारिके॥
मंत्रमहामणिविषयव्यालके॥ मेटतकठनकुअंकभालके॥ ह
रणमोहतमदिनकरकरसे॥ सेवकसालिपालजलधरसे॥ अ
भिमितदानदेवतरवरसे॥ सेवतसुलभसुषदहरिहरसे॥ सुकवि
सरदनभमनउडगणसे॥ रामभगतजनजीवनधनसे॥ सकल
सुकृतफलभूरिभोगसे॥ जगहितनिरुपधिसाधुलोगसे॥ से
वकमनमानसमरालसे॥ पावनगंगतरंगमालसे॥ दोहरा॥
कुपथकुतर्ककुचालकलि॥ कपटदंभपाषंड॥ दहनरामगुण
ग्रामजिमइंधनअनलप्रचंड॥ ५१॥ दोहरा॥ रामचरितराकेसकर
सरिससुषदसवकाहु॥ सज्जनकुमुदचकोरजिम॥ हितविशेष
वडलाहु॥ ५२॥ चौपई॥ कीन्हप्रस्नजिहिभांतिभवानी॥ जिहिविधशं
करकहावषानी॥ सोसवहेतकहवमैगाई॥ कथाप्रवंधविचित्रव
नाई॥ जिहियहकथासुनीनहिहोई॥ जिनिआचर्जुकरहिसुनसो
ई॥ कथाअनेकसुनेजुग्यानी॥ नहिआचर्जुकरैअसजानी॥ रा

॥तु॥रा॥ मकथाकेमितजगनाही॥अमिप्रतीतितिन्हकेमनमाही॥नानाभां
॥वा॥ तिरामअवतारा॥रामायणशतकोटिअपारा॥कल्पभेदहरिचा
॥२३॥ रितसुहाए॥भांतिअनेकमुनीसन्हगाए॥करियनसंशयअसउ
रआनी॥सुनियकथासादररतिमानी॥दोहरा॥रामअनंतअनं
तगुण॥अमितकथाविस्तार॥सुनआचरजनमानहहि॥जिन्हके
विमलविचार॥५३॥चौपई॥इहविधसवसंशयकरिदूरी॥सिरध
रिगुरुपदपंकजधूरी॥सुनिसवहंहप्रणवोंकरजोरी॥करतकथाजि
हिलागनिषोरी॥सादरसिवहिनाइअवमाथा॥वरनौविशदरा
मगुणगाथा॥संवतसोरहसैइकतीसा॥करोंकथाहरिपदधरिसी
सा॥नौमीभोमवारमधुमासा॥अवधपुरीयहचरितप्रकाशा॥जि
हदिनरामजनमस्रुतिगावहि॥तीरथसकलतहांचलिआव
हि॥असुरनागखगनरमुनिदेवा॥आयकरहिरघुनायकसेवा
जन्ममहोत्सवरचितसुजाना॥करहिरामकलिंरतिगाना॥दोहा की५
मज्जहिसज्जनवृंदवहु॥पावनशरजूनीर॥जपहिरामधरिध्यानउर
सुंदरस्यामशरीर॥५४॥चौपई॥दरसपरसमज्जनअरुपाना॥हरै
पापकहिवेदपुराना॥नदीपुनीतअमितमहिमाअति॥कहिसअ
सकेसारदाविमलमति॥रामधामदापुरीसुहावनि॥लोकसम

स्तविदतिअतिपावन॥ चारषानजगजीवअपारा॥ अवधतजेतं
नुनहिंसंसारा॥ सबविधपुरीमनोहरजानी॥ सकलसिद्धप्रदमंग
लषानी॥ विमलकथाकरकीन्हअरंभा॥ सुनतनसाहिंकाममद
दंभा॥ रामचरितमानसइहनामा॥ सुनतश्रवनपाईयविश्रा
मा॥ मनकरविषैअनलवनजरई॥ होयसुषीजोइहसरपरई॥
रामचरितमानसमुनभावन॥ विर्च्योसंभुसुहावनपावन॥ त्रिवि
धदोषदुषदारिददावन॥ कलिकुचालिकलिकलुषनसावन॥
रचिमहेसनिजमानसराषा॥ पाइसुसमयशिवासनभाषा॥ ता
तेरामचरितमानसवर॥ धर्योनामहीयहेरिहरषहर॥ कहौंकथा
सोसुषदसुहाई॥ सादरसुनहुसुजनमनलाई॥ दोहरा॥ जसमान
सजिहिविधभयो॥ जगप्रचारजिहिहेतु॥ अवसोकहौंप्रसंगसव
सुमिरउमाबृषकेतु॥ ५५॥ चौपई॥ संभुप्रसादसुमतिहीयहुलसी
रामचरितमानसकवितुलसी॥ करौमनोहरमतिअनुहारी॥ सु
जनसुमतिसुनलेहुसुधारी॥ सुमतिभूमिथलिहृदयअगाध॥ वे
दपुराणउदधिघनसाध॥ वरषहिंरामसुजसवरवारी॥ मधुरमनो
हरमंगलकारी॥ लीलासगुणजेकहहिंवषानी॥ सोस्वछताक
रैमलहानी॥ प्रेमभगतिजोवरणिनजाई॥ सोमधुरतासुसीतल

ताई॥ जोजलसुकृतसालहितहोई॥ रामभगतिजनजीवनसोई
मेधामहिगतिसोजलपावन॥ सकलश्रवणमगचलिउसुहा
वन॥ भरिउसुमानससुथलथिराना॥ सुखदसीतरुचिचारुचि
राना॥ दोहरा॥ सुठिसुंदरसंवादवरि॥ विरचियोबुद्धविचार॥ ते
इहपावनशुभगसर॥ घाटमनोहरचारि॥ ३६॥ चौपई॥ सप्त
प्रबंधशुभगसोपाना॥ ज्ञाननयननिरखतमनुमाना॥ रघुप
तिमहिमाअगुणअबाधा॥ बरनबसोवरबारिअगाधा॥ राम
सीयजससलिलिशुधासम॥ उपमावीचविलासमनोरम॥
पुरइनसघनचारुचोपाई॥ जुगतिमंजमतिसीयसुहाई॥ छं
दसोरठासुंदरदोहा॥ सोवहुरंगकमलकुलसोहा॥ अरथअ
नूपसुभावसुभासा॥ सोपरागमकरंदसुवासा॥ सुकृतपुंजमं
जुलअलिमाला॥ ज्ञानविरागविचारमराला॥ धुनिअवरेव
कवित्तगुणजाती॥ मीनमनोहरतेवहुभांती॥ अरथधरमका
मादिकचारी॥ कहवज्ञानविज्ञानविचारी॥ नवरसजपतपयोग
विरागा॥ तेसवजलचरचारुतडागा॥ सुकृतीसाधुनामगुणगा
ना॥ तेविचित्रजलविहगसमाना॥ संतसभाचहुदिशाअवराई
श्रद्धारितुवसंतसमगाई॥ भक्तिनिरूपणविविधविधाना॥ छ

मादयादमलताविताना॥समयमनियमफूलफलनाना॥हरिप
दरतिरसवेदवषाना॥ओरौंकथाअनेकप्रसंगा॥तेसुकपिकवहु
वरणविहंगा॥दोहरा॥पुलकिवाटिकावागवन॥सुषसुविहंग
विहारु॥मालीसुमनसनेहजल॥सींचतलोचनचारु॥५७॥चौ॥
जेगावहियहचरितसंभारे॥तेइहतालचतुररषवारे॥सदासुन
हिसादरनरनारी॥तेसुरवरमानसअधिकारी॥अतिषलजेवि
षईवककागा॥इहसरनिकटनजाहिअभागा॥संवुकभेकसि
वारसमाना॥इहानविषयकथारसनाना॥तिहकारणआवत
हीयहारे॥कामीकाकवलाकविचारे॥आवतिइहसरअतिक
ठनाई॥रामकृपाविनुआइनजाई॥कठनकुसंगकुपंथकराला॥
तिन्हकेवचनवाघहरिब्याला॥ग्रहकारजनानाजंजाला॥तेअ
तिदुर्गमशैलविशाला॥वनवहुविषममोहमदमाना॥नदीकु
तर्कभयंकरनाना॥दोहरा॥जेसरधासंवलरहित॥नहिसंतन
करिसाथ॥तिन्हकहिमानसअगमअति॥जिन्हहिनप्रियरघु
नाथ॥५८॥चौपई॥जोकरिकष्टजाइपुनिकोई॥जातहिनीदजु
डाईहोई॥जडताजाडविषमउरलागा॥गयहुंनमजनपावअ
भागा॥करिनजाइसरमजनपाना॥फिरिआवेसमेतअभिमा

॥तु॥रा॥ ना॥ जौबहोरिकोउपूछनआवा॥ सरनिंदाकरिताहिबुझावा॥ सक
॥बा॥ लबिघ्नब्यापहिनहितेही॥ रामसुकृपाबिलोकहिजेही॥ सोसाद
॥१५॥ रमज्जनसरकरई॥ महाघोरत्रैतापनजरई॥ तेनरयहसरतजहि
नकाऊ॥ जिन्हकेरामचरणभलभाऊ॥ जोनहायचहयहसरभा
ई॥ सोसतसंगकरेमनलाई॥ असमानसमानसचखचाही॥ सो। बप
यहिबिबुद्धिबिमलअवगाही॥ भयोहृदैआनंदउछाहू॥ उमग्यो
प्रेमप्रमोदप्रबाहू॥ चलीसुभगकवितासरितासो॥ रामबिमल
जसजलभरितासो॥ शरजूनामसुमंगलमूला॥ लोकबेदमति
मंजुलकूला॥ नदीपुनीतसुमानसनंदिनि॥ कलिमलत्रिणत
रुमूलनिकंदनि॥ दोहरा॥ श्रोतात्रिबिधसमाजपुर॥ ग्रामनगर
दुहुकूल॥ संतसभाअनुपमअवध॥ सकलसुमंगलमूल॥ ५५ स
॥ चौपई॥ रामभगतिसुरसरितहिजाई॥ मिलीसुकीरतिशरजूसुहा शुद्ध
ई॥ सानुजरामसमरजसुपावन॥ मिल्योमहानदसोनसुहाव।
न॥ जुगबिचभगतिदेवधुनिधारा॥ सोहतिसहितसुबिरतिबि
चारा॥ त्रिविधतापत्रासकतमुहानी॥ रामसरूपसिंधुसमुहानी
मानसमूलमिलीसुरसरिही॥ सुनतसुजनमनपावनकरिही
बिचबिचकथाबिचित्रबिभागा॥ जनुसरितीरतीरबनबागा॥ उ ॥ ॥

मामहेशविवाहवराती॥तेजलचरअगनितवहुभांती॥रघुवरज
नमअनंदवधाई॥भवरतरंगमनोहरताई॥दोहरा॥बालचरित
चहूंवंधके॥वनजविपुलवहुरंग॥नृपरानीपरजनसुकृत॥मधु
करवारिविहंग॥६०॥चौपई॥सीयस्वयंवरकथासुहाई॥सरित
सुहावनसोछविछाई॥नदीनाववटुप्रस्नअनेका॥केवटकु
सलउत्तरसविवेका॥सुनिअनुकथनपरस्परहोई॥पथिक
समाजसोहसरसोई॥घोरिधारभृगुनाथरिसानी॥घाटिसुवंध
रामवरवानी॥सानुजरामविवाहउछाहू॥सोसुभउमगसुषदस
वकाहू॥कहतसुनतहरषहिंपुलकाही॥तेसुकृतीमनमुदित
नहाही॥रामतिलकहितमंगलसाजा॥परवयोगजनुजुरियो
समाजा॥काईकुमतिकैकईकेरी॥परिजासुफलविपतिघने
री॥दोहरा॥शमनअमितउतपातसव॥भरतचरितजपजाग॥
कलिषलअघअवगुणकथन॥तेजलमलवककाग॥६१॥चौ॥
कीरतिसरतिछहोरितरूरी॥समयसुहावनपावनभूरी॥हि
महिमशैलसुताशिवव्याहू॥शिशिरसुषदप्रभजनमउछाहू
वरणवरामविवाहसमाजू॥सोमुदमंगलमयरितुराजू॥ग्री
षमदुसहरामवनगवनू॥पंथकथाषरआतपपवनू॥वरषा

ग

तु । रा । घोरनिशाचररारी ॥ सुरकुलसालसुमूँलकारी ॥ रामराजसमबवि।
बा । नयविडाई ॥ विसदसुषदसोसरदसुहाई ॥ ससशिरोमणिसीय
२६ । गुणगाथा ॥ सोगुणअमलअनूपमपाथा ॥ भरतसुभावसुसी
तलताई ॥ सदाएकरसवरनिँजाई ॥ दोहरा ॥ अवलोकनिबो। न८
लनिमिलन ॥ प्रीतपरसपरहास ॥ भायपभलिवहुवंधुकी ॥।
जलमाधुरीसुवास ॥ ६२ ॥ चौपई ॥ आरतिविनयदीनतामोरी
लघुतालतितसिवारिनथोरी ॥ अदभुतसलिलसुनतगुण
८म । कारी ॥ आसपियासमनोमलहारी ॥ रामसप्रेमहीयोषतपा।
नी ॥ हरतसकलकलिकलुषगलानी ॥ भँव्रमशोषकतोष व९
कतोषा ॥ शमनिदुरतदुषदारिददोषा ॥ कामकोहमदमोहन
सावन ॥ विमलविवेकविरागवढावन ॥ सादरमजनपानकि
एते ॥ मिटहिपापपरितापहीयेते ॥ जिन्हइहवारनमानसधो
ए ॥ तेकायरकलिकालविगोए ॥ त्रिषितनिरषरविकरिभव
वारी ॥ फिरहहिंमृगजिमजीवदुषारी ॥ दोहरा ॥ मतिअनुहा
रिसुवारिगुण ॥ गणगुणमनुअन्हवाइ ॥ सिमरभवानीशंं।
करहि ॥ कहिकविकथासुहाइ ॥ ६३ ॥ दोहरा ॥ भारद्वाजजिमि
प्रश्नकिय ॥ जागवलिकमुनिपाई ॥ प्रथमसुष्यसंवादसोइ २६

कहिहौहेतुबुझाई॥चौपई॥भारद्वाजमुनिवसहिप्रयागा॥तिन्ह
हिरामपदअतिअनुरागा॥तापससमदमदयानिधाना॥पर
मारथपथपरमसुजाना॥माघमकरगतिरविजवहोई॥तीरथप
तिहिआवसवकोई॥देवदनुजकिंनरनरश्रेनी॥सादरमज्जहि
सकलत्रिवेनी॥पूजहिमाधवपदजलजाता॥परसिअषैवटु
हरषहिगाता॥भारद्वाजआश्रमअतिपावन॥परमरम्यमुनिव
रमनभावन॥तहाहोइमुनिरिषीयसमाजा॥जाहिजेमज्जन
तीरथराजा॥मज्जहिप्रातसमेतउछाहा॥कहहिपरसपरहरि
गुणगाहा॥दोहरा॥ब्रह्मनिरूपनधर्मविधि॥वरनहितत्ववि
भाग॥कहहिभक्तिभगवंतकै॥संयुतज्ञानविराग॥६४॥चौ
इहप्रकारभरिमाघनहाही॥पुनिसवनिजनिजआश्रमजाही
प्रतिसंवतअतिहोइअनंदा॥मकरमज्जगवनहिमुनिवृंदा
एकवारभरमकरनहाए॥सवमुनीसआश्रमन्हसिधाए॥।
याज्ञवलकमुनिपरमविवेकी॥भारद्वाजराषेपदटेकी॥सा
दरचरणसरोजपषारे॥अतिपुनीतआसनवैठारे॥करिपूजा
मुनिसुजसवषानी॥वोलेअतिपुनीतमृदुवानी॥नाथएक
संसयवडमोरे॥करगतिवेदतत्वसवतोरे॥कहतसुमोहि

॥तु॰रा॥ लागभयलाजा॥ जौनकहौबडहोइअकाजा॥ दोहरा॥ संतकहहिअसि
॥बा॥ नीतप्रभु॥ श्रुतिपुरानमुनगाव॥ होइनविमलविवेकउर॥ गुरु
॥१७॥ सनकीयेदुराव॥ ४५॥ चौपई॥ असिविचारप्रगटौंनिजमोहु॥ हरहु
नाथकरिजनपरछोहू॥ रामनामकरिअमितप्रभावा॥ संतपुराण
उपनिषदिहिगावा॥ संततजयतशंभुअविनाशी॥ शिवभगवान
ज्ञानगुणरासी॥ आकरचारजीवजगअहहीं॥ कांशीमरतपरम
पदलहहीं॥ सोपिराममहिमामुनिराया॥ शिवउपदेसकरतकरिदा
या॥ रामकवनप्रभपूछौंतोही॥ कहीयबुझाइकृपानिधिमोही॥ ए
करामअवधेशकुमारा॥ तिन्हकेचरितविदतसंसारा॥ नारिविरहि
दुषलह्योअपारा॥ भएरोषरणरावणमारा॥ दोहरा॥ प्रभुसोरामक
किअपरकों॥ जाहिजपतत्रिपुरारि॥ सत्यधामसर्वज्ञतुम्ह॥ कहहु
विवेकविचार॥ ४६॥ चौपई॥ जैसेमिटैमोहभ्रमभारी॥ करहुसुक
थानाथविस्तारी॥ याज्ञवल्लकवोलेमुसकाई॥ तुम्हहिविदतिर
घुपतिप्रभुताई॥ रामभक्तितुम्हमनक्रमवानी॥ चतुराईतुम्हारमे
जानी॥ चाहहुसुनेरामगुनगूढा॥ कीन्हप्रश्नमानहुअतिमूढा॥
तातसुनहुसादरमनलाई॥ कहौरामकैकथासुहाई॥ महामोहि
महिषेशविशाला॥ रामकथाकालिकाकराला॥ रामकथाशशि ॥१७॥

किरनसमाना ॥ संतिचकोरकरहितिहपाना ॥ ऐसेसंशयकीन्हभ।
वानी ॥ महादेवतवकहावषानी ॥ दोहरा ॥ कहौसुमितअनुहारिअ
व ॥ उमाशंभुसंवाद ॥ भयोसमयजहिहेतुअव ॥ सुनिमुनिमिटहिवि
षाद ॥ ६७ ॥ चौपई ॥ एकवारत्रेतायुगमांही ॥ शंभुगएकुंभजरिषपांही
संगसतीजगजननिभवानी ॥ पूजेरिषअषिलेश्वरजानी ॥ रामकथा
मुनिवरजुवषानी ॥ सुनीमहेसपरमसुषमानी ॥ रिषपूछीहरिभक्ति
सुहाई ॥ कहीशंभुअधिकारीपाई ॥ कहतसुनतरघुपतिगुणगाथा
कछुदिनतहांनिवसेगिरनाथा ॥ मुनसनविदामांगित्रिपुरारी ॥ च
लेभवनसंगदक्षकुमारी ॥ तिहअवसरभंजनमहीभारा ॥ हरिरघु
वंशलीन्हअवतारा ॥ पितावचनसुनराजउदासी ॥ दंडकवनविच
रतिअविनाशी ॥ दोहरा ॥ हृदयविचारतजाततहरि ॥ किहविधदरस
नहोइ ॥ गुप्तरूपअवतरेप्रभ ॥ गएजानसभकोइ ॥ ६८ ॥ सोरठा ॥ शंक
रउरअतिछोभ ॥ सतीनजानइमरमसो ॥ तुलसीदरसनलोभ ॥ मनु
डरलोचनलालची ॥ ६९ ॥ चौपई ॥ रावनमरणमनुजकरिजाचा ॥
प्रभुविधिवचनकीन्हहैसाचा ॥ जौनहिजांउरहैपछितावा ॥ करत
विचारनवनतवनावा ॥ इहविधभएशोचवसिईसा ॥ तिहीसम
यआयोदससीसा ॥ लीन्हनीचमारीचहिसंगा ॥ भयोतुरतसो।

॥तु॥रा॥ कपटकुरंगा॥ कविछलमृगहरी वैदेही॥ प्रभुप्रभाउतसविदतिन
॥बा॥ तेही॥ मृगवधबंधुसहितप्रभुआए॥ आश्रमदेषनयनजलछा
॥१८ ए॥ विरहविकलनरइवरघुराई॥ षोजतफिरतविपनदोउभाई॥
कवहूंयोगवियोगनजाके॥ देषाप्रगटदुसहदुषतांके॥ दोहा
अतिविचित्ररघुपतिचरत॥ जानहिपरमसुजान॥ जेमतिमंदवि
मोहवसि॥ हृदयधरहिकछुआन॥७०॥ चौपई॥ शंभुसमय
तिहरामहिंदेषा॥ उरउपजाआनंदविशेषा॥ भरिलोचनछविसिं
धुनिहारी॥ कुसमयजानिनकीन्हचिन्हारी॥ जयसच्चिदानंदज
गपावन॥ असकहिचलेमनोजनसावन॥ चलेजाततशिवसती
समेता॥ पुनिपुनिपुलकततिकृपानिकेता॥ सतीसुदशाशंभुकै
देषी॥ उरउपजासंदेहविशेषी॥ शंकरजगतवंद्यजगदीसा॥ सु
रनरमुनिसवनावहिसीसा॥ तिन्हनृपसुतहिकीन्हपरनामा॥
कहिसच्चिदानंदपरधामा॥ भएमगनछवितासुविलोकी॥ अ
जहुंप्रीतिउररहितनरोकी॥ दोहरा॥ ब्रह्मजव्यापकविरजअज
अकलअनीहअभेद॥ शोकिदेहधरिहोइनर॥ जाहिनजानत
वेद॥७१॥ चौपई॥ विष्णुजुसुरहितनरतनुधारी॥ सोसर्वज्ञयथा
त्रिपुरारी॥ षोजेशोकिअज्ञइवनारी॥ ज्ञानधामश्रीपतिअसुरा

री॥ शंभुगिरापुनमृषानहोई॥ शिवसर्वज्ञजानसवकोई॥ असि
संशयमनतिभयोअपारा॥ होइनहृदैप्रबोधप्रचारा॥ यद्यपिप्रग
टनकह्योभवानी॥ हरिअंतरजामीसवजानी॥ सुनहुसतीतव
नारिसुभाऊ॥ संशयअसिनधरियउरकाऊ॥ जासुकथाकुंभ
जरिखिगाई॥ भक्तिजासुमैंमुनिहिसुनाई॥ सोममइष्टदेवरघुवी
रा॥ सेवतजाहिसदामुनिधीरा॥ छंद॥ मुनिधीरयोगीसिद्धसंत
तविमलमनजिहध्यावहीं॥ कहनेतनिगमपुराणआगमजासु रा०
कीरतिगावहीं॥ सोईरामव्यापकिब्रह्मभुवननिकायपतिमा या
धनी॥ अवतरेअपनेभक्तिहितनिजतंत्रप्रभुरघुकुलमनी॥ सो
लागनउरउपदेश॥ यदपिकह्योशिववारवहु॥ वोलेविहसिम
हेस॥ हरिमायावलिजानजीय॥ ५२॥ चौपई॥ जौतुम्हरेमनअ
तिसंदेहू॥ तौकिनजाइपरीछालेहू॥ तवलगवैठअहौवटछाहीं॥
जवलगतुमऐहोमुहिपाहीं॥ जैसेजाइमोहभ्रमभारी॥ करहुसु
जतनविवेकविचारी॥ चलीसतीशिवआइसुपाई॥ करैविचार
करौकाभाई॥ इहांशंभुअसमनअनमाना॥ दक्षसुताकहनहि
कल्याना॥ मोरहुकहेनसंशयजाहीं॥ विधिविपरीतभलाईना
हीं॥ होइहसोजुरामरचिराखा॥ कोकरितर्कवढावइसाखा॥ असि

॥तु॥रा॥ कहिजपनलगेहरिनामा॥ गईसतीजहप्रभुसुषधामा॥ दोहरा॥
॥बा॥ पुनिपुनिहृदयविचारकरि॥ धरसीताकरिरूप॥ आगेह्वैचलिपंथ
॥२९॥ यतिह॥ जिहआवतनरभूप॥७३॥ चौपई॥ लछुमनदीषसतीकृ
तवेषा॥ चकिभएभ्रमहृदयविशेषा॥ कहनसकतिकछुअति
गंभीरा॥ प्रभुप्रभाउजानतिमतिधीरा॥ सतीकपटजानासुरस्वा
मी॥ समदरशीसवअंतरजामी॥ सुमरतिजाहिमिटैअज्ञाना॥
सोसरवज्ञरामभगवाना॥ सतीकीन्हचहतहामदुराऊ॥ देषहुना
रिदुराउप्रभाऊ॥ निजमायावलहृदयपछानी॥ वोलेविहसि
राममृदुवानी॥ जोरिपाणिप्रभकीन्हप्रनामू॥ पितासमेतलीनह
रिनामू॥ कह्योवहोरिकहांवृषकेतू॥ विपनिअकेलिफिरहुकि
हिहेतू॥ दोहरा॥ रामवचनमृदुगूढसुनि॥ उपजाअतिसंकोचु
सतीसभीतमहेसपहि॥ चलीहृदयअतिसोचु॥७४॥ चौपई॥
परक मैशंकरकहानमाना॥ निजअज्ञानरामपरिआना॥ जाइउत्त
जा८ रुअववैहोंकाहा॥ उरउपजअतिदारुणदाहा॥ जानारामसतीदु
षपावा॥ निजप्रभाउकछुप्रगटजनावा॥ सतीदीषकोतकम
गजाता॥ आगेरामुसहितत्रीयभ्राता॥ फिरचितवापाछेप्रभु
देषा॥ सहतवंधुसीयसुंदरवेषा॥ जहचितवहितहंप्रभुआ। ॥२९॥

सीना॥सेवहिंसिद्धमुनीसप्रवीना॥देषेशिवविधिविस्नुअनेका
अमितप्रभाउएकतेएका॥वंदतचरणकरतप्रभुसेवा॥विवधवे
षदेषेसभदेवा॥दोहरा॥सतीविधात्रीयइंदिरा॥देषीअमितअ
नूप॥जिहंजिहंवेषअजादसुर॥तिहंतिहंतनअनुरूप॥७५॥
चौपई॥देषेजहंतहंरघुपतिजेते॥शक्तिन्हसहितसकलसुरतेते
जीवचराचरजेसंसारा॥देषेसकलअनेकप्रकारा॥पूजहिंप्रभ
हिंदेववहुवेषा॥रामरूपदूसरिनहिंदेषा॥अवलोकेरघुपति
वहुतेरे॥सीतासहितनवेषघनेरे॥सोरघुवरसोईलछमनसीता
देषसतीअतिभईसभीता॥हृदयकंपतनसुधिकछुनांही॥न
यनमूंदवैठीमगमांही॥वहुरिविलोकेयोनयनउघारी॥कछु
नदीषततहंदछकुमारी॥पुनिपुनिनाइरामपदसीसा॥चलीत
हांजहांरहेगिरीशा॥दोहरा॥गईसमीपमहेसतव॥हसिपूछी
कुशलात॥लीन्हपरीछाकवनविध॥कहहुसससवबात॥॥
७६॥चौपई॥सतीसमुझिरघुवीरप्रभाऊ॥भयवससप्रभुमनकी
न्हदुराऊ॥कछुनपरीछ्यालीन्हगुसांई॥कीन्हप्रनामतुम्हार।
हिनांई॥जोतुम्हकहासोमृषानहोई॥मोरेमनप्रतीतिअति
सोई॥तवशंकरदेषाधरध्याना॥सतीजुकीन्हचरितसवजाना

वहुरिराममायहिसिरुनावा॥ प्रेरिसतीजिहझूठकहावा॥ हरि
इछाभावीवलवाना॥ हृदयविचारतशंभुसुजाना॥ सतीकी
न्हसीताकरिवेषा॥ शिवउरभयोविषादविशेषा॥ जोअवकरौ
सतीसनप्रीती॥ मिटैभक्तिपथहोइअनीती॥ दोहा॥ परमप्रे
मततजिजाइनहि॥ कीयेप्रेमवडपाप॥ प्रगटनकहतमहेशक
छु॥ हृदयअधिकसंताप॥ ११॥ चौपई॥ तवशंकरप्रभुपदसिरु
नावा॥ सिमरतरामहृदयअसआवा॥ इहतनसतिहिभेटमहि
नांही॥ शिवसंकल्पकीन्हमनमांही॥ असविचारशंकरम
तिधीरा॥ चलेभवनसुमिरतरघुवीरा॥ चलतगगनभैइगिरा
सुहाई॥ जयमहेसभलिभक्तिदिढाई॥ असपनुतुमविनुकरै
कोआना॥ रामभगतसमरथभगवाना॥ सुननभगिरासती
उरसोचा॥ पूछाशिवहिसमेतसकोचा॥ कीन्हकवनप्रणकह
हुकपाला॥ सत्यधामप्रभदीनदयाला॥ यदपिसतीपूछ्यौबहुभांती जावृष
तदपिनकह्योत्रिपुरआराती॥ दोहा॥ सतीहृदेअनुमानकी
यसवजान्योसरवज्ञ॥ कीन्हकपटमैशंभुसन॥ नारिसहजजड
अज्ञ॥ १८॥ सोरठा॥ जलपयसरिसविकाइ॥ देखहुप्रीतिकि
रीतिभलि॥ विलगविलगहोइजाइ॥ कपटखटाईपरतही॥

चौपई॥हृदयसोचुसमुझतनिजकरनी॥चिंताअमितजाइँवरनी बदि
कृपासिंधशिवपरमअगाधा॥प्रगटँनकह्योमोरअपराधा॥शंक ८२
ररुषअविलोकभवानी॥प्रभुमुहितज्योहृदयअकुलानी॥नि
जअघसमुझिनकछुकहिजाई॥तपैअवाइवउरअधिकाई॥
सतिहिससोचुजानिवृषकेतू॥कहीकथासुंदरसुषहेतू॥वर
णतपंथविविधइतहासा॥विश्वनाथपहुचेकैलासा॥तिहि
पुनशंभुसमुझमनआपन॥वैठेवटतरकरिकमलासन॥शं
करसहजसरूपसंभारा॥लागिसमाधिअषंडअपारा॥दो॥
सतीवसहिकैलासतव॥अधकशोचमनमाहि॥मरमनको
ऊजानकछु॥जुगसमदिवससिराहि॥८०॥चौपई॥नितनव
शोचसतीउरभारा॥कवजैहोदुषसागरपारा॥मैजुकीन्हरघु
पतिअपमाना॥पुनिपतिवचनमृषाकरिजाना॥सोफलमो
हिविधातादीन्हा॥जोकछुउचतरहासोकीन्हा॥अवविधअ
सवूझीयनहितोही॥शंकरविमुषजियावसिमोही॥कहनजा
इकछुहृदेगलानी॥मनमहिरामहिसुमिरसयानी॥जोप्रभु
दीनदयालकहावा॥आरतहरणवेदजसुगावा॥तौमैविनय
करौंकरजोरी॥छूटैवेगदेहयहमोरी॥जौमेरोशिवचरणसने

॥सु॥रा॥ हू॥मनवचकर्ममसत्यप्रणएहू॥दोहरा॥तौसमदरशीसुनयप्रभ
॥वा॥ करोसुवेगउपाइ॥होइमरनुजिहश्रमविना॥दुहसहिविपति।
॥२१॥ विहाइ॥८१॥चौपई॥इहविधदुषितप्रजेसकुमारी॥अकथ
नीयदारुणदुषभारी॥वीतेसंवतसहससतासी॥तजीसमा
धिशंभुअविनाशी॥रामनामशिवसुमरनलागे॥जानास।
तीजगतपतिजागे॥जाइशंभुपदवंदनकीन्हा॥सनमुखशं
करआसनदीन्हा॥लगेकहनहरिकथारशाला॥दक्षप्रजे
सभएतिहकाला॥देषाविधविचारसवलायक॥दक्षहिकी
न्हप्रजापतिनायक॥वडअधिकारदक्षजवपावा॥अतिअभि
मानहृदयतवआवा॥नहिकोअसजनमाजगमांही॥प्रभता
पाइजाइमदनाही॥दोहरा॥दक्षलीयेसुनवोलसव॥करन।
लगेवडजाग॥निवतेसादरसकलसुर॥जेपावतमषभाग॥८२
चौपई॥किंनरनागसिद्धगंधरवा॥वधुनसमेतचलेसुरसरवा
विष्णुविरंचमहेसविहाई॥चलेसकलसुरजानुवनाई॥सती
विलोकेव्योमविवाना॥जातचलेसुरविवधविधाना॥सुरसुं
दरीकरहिकलिगाना॥सुनतश्रवनछूटहिमुनिध्याना॥।
पूछेउतवशिवकहावषानी॥पितायज्ञसुनकछुहरषानी॥ ॥२१॥

जौमहेशमुहिआयसुदेही॥ कछुदिनजाइरहौंमिसएही॥ पति
परित्यागहृदयदुखभारी॥ कहइननिजअपराधविचारी॥ बो
लीसतीमनोहरवानी॥ भयसंकोचप्रेमरससानी॥ दोहरा॥ पि
ताभवनउत्सवपरम॥ जौप्रभुआयसुहोइ॥ तौमैजांउकृपाय
तन॥ सादरदेषनसोइ॥ ८३॥ चौपई॥ कह्योनीकमोरहिमन
भावा॥ यहअनुचितनहिनिवतपठावा॥ दक्षसकलनिजसु
ताबुलाई॥ हमरेवयरतुमहिविसराई॥ ब्रह्मसभाहमसनदुष
माना॥ तिहतेअजहुंकरैअपमाना॥ जोविनबोलेजाहुभवा
नी॥ रहैनसीलसनेहुनकानी॥ यदपिमित्रप्रभुपितगुरुग्रेहा
जाईयेविनबोलेनसंदेहा॥ तदपिविरोधमानजहकोई॥ तहां
गएकल्याननहोई॥ भांतिअनेकशंभुसमुझावा॥ भावीबस
नज्ञानउरआवा॥ कहप्रभुजाहुविनयबुलाए॥ नहिभलिवा॥ नु६
तहमारेभाए॥ दोहरा॥ कहिदेषहरजतनवहु॥ रहैनदक्षकु
मार॥ दियेमुष्यगनसंगतव॥ विदाकीन्हत्रिपुरारि॥ ८४॥ चौपई॥
पिताभवनजवगईभवानी॥ दक्षत्रासकाहुनसनमानी॥ सादर
भलहिमिलीएकमाता॥ भगनीमिलीबहुतमुसिकाता॥ दक्षन
कछुपूछीकुसलाता॥ सतहिविलोकिजरेसवगाता॥ सतीजाइ

॥तु॥रा॥ देषेउसवजागा॥कतहुंनदीषसंभुकरभागा॥तवचितचढेउजो
॥बा॥ संकरकहेउ॥प्रभुअपमानसमुझिउरदहेउ॥पाछिलदुषनहृ
॥२२॥ दयअसव्यापा॥जसयहभएउमहापरितापा॥जद्यपिजगदा
रुनदुषनाना॥सवतेकठिनजातिअपमाना॥समुझिसोस
तिहिभएउअतिक्रोधा॥वहुविधिजननीकीन्हप्रवोधा॥दो
शिवअपमाननजाइसहि॥हृदयनहोइप्रवोध॥सकलस
भहिहठिहटकितव॥वोलीवचनसक्रोध॥८५॥चौपई॥सु
नहुसभासदसकलमुनिंदा॥कहीसुनीजिनशंकरनिंदा
सोफलतुरतलहवसवकाहू॥भलीभांतिपछितावपिताहू
संतशंभुश्रीपतिअपवादा॥सुनीयजहांतहांअसिमरजादा
काटियतासुजीहजुवसाई॥श्रवनमूंदनतुचलियपराई॥ज
गदातमामहेसपुरारी॥जगतजनकसवकेहितकारी॥पिता
मंदमतिनिंदकतेही॥दछसुक्रसंभवयहदेही॥तजिहौदे
हतुरततिहिहेतू॥उरधरिचंद्रमौलिवृषकेतू॥असिकहियो
गअगनितनुजारा॥भयोसकलमषहाहाकारा॥दोहरा॥
सतीमरणसुनिशंभुगण॥लगेकरणमषषीस॥यज्ञविध्वं
सविलोकभृगु॥रछाकीन्हमुनीस॥८६॥चौपई॥समाचार ॥२२॥

सवसंकरपाए॥ वीरभद्रकरिकोपपठाए॥ यज्ञविध्वंसजाइति
न्हकीना॥ सकलसुरन्हविधिवतफलदीन्हा॥ भैजगविदितद
क्षगतिसोई॥ जसकछुशंभुविमुषकेहोई॥ इहिइतिहाससस
कलजगजानी॥ तांतेमैसंक्षेपवषानी॥ सतीमरतहरिसनव।
रुमांगा॥ जन्मजन्मशिवपदअनुरागा॥ तिहिकारणहिमगि
रिगृहजाई॥ जनमीपारवतीतनुपाई॥ जवतेंउमाशैलगृहजा
ई॥ सकलसिद्धसंपतितहँछाई॥ जहँतहँमुनिन्हसुआश्रमकी
न्हे॥ उचितवासहिमभूधरदीन्हे॥ दोहरा॥ सदासुमनफलस
हितसव॥ द्रुमनवनानाजाति॥ प्रगटीसुंदरशैलपरि॥ मणि
आकरवहुभांति॥ ६५॥ चौपई॥ सरितासवपुनीतजलवहहीं
षगमृगमधुपसुषीसवरहहीं॥ सहजवयरुसभजीवन्हत्या
गा॥ गिरिपरिसकलकरहिअनुरागा॥ सोहशैलगिरजागृहआ
आए॥ जिमजनरामभक्तिकेपाए॥ नितनूतनमंगलगृहतासू॥
व्रह्मादिकगावहिगुणजासू॥ नारदसमाचारसभपाए॥ कौतकहि
तगिरिगेहसिधाए॥ शैलराजवडआदरकीन्हा॥ पदपषारिवरि।
आसनदीन्हा॥ नारिसहितमुनिपदसिरुनावा॥ चरणसलिलस
वभवनसिंचावा॥ निजसौभागवहुतगिरिवरना॥ सुताबोलिमे।

॥तु॥रा लीमुनिवरना॥दोहरा॥त्रिकालज्ञसरवज्ञतुम्ह॥गतिसरवत्रतुम्हा
॥वा॥ रि॥कहहुसुताकेदोषगुण॥मुनिवरहृदयविचारि॥८८॥चौपई
॥२३॥ कहमुनिविहसिगूढमृदुवानी॥सुतातुम्हारिसकलगुणषानी
सुंदरसहजसुशीलसयानी॥नामउमाअंबिकाभवानी॥सवल
क्षणसंपंन्नकुमारी॥हुययहसंततिपीयहप्यारी॥सदाअचल
इहिकरअहवाता॥इहतेजसुपैहैपितुमाता॥व्हैहैपूजसकल
जगमांही॥इहसेवतकछुदुर्लभनांही॥इहकरनामसुमिरसं
सारा॥त्रियचढिहहिपतिव्रतअसिधारा॥सैलसुलक्षणसुता
तुम्हारी॥सुनहुजुअवअवगुणदुइचारी॥अगुणअमानिमा
तिपितुहीना॥उदासीनसवसंशयछीना॥दोहरा॥योगीजटि
लअकामसमन॥नगनअमंगलवेष॥असस्वामीइहिकहुंमिले
परीहस्तअसरेष॥८९॥चौपई॥सुनिमुनिगिरासत्यजीयजांनी
दुषदंपतिहिउमाहरषांनी॥नारदहूंयहभेदुनजाना॥दशाएक
समुझवविलगाना॥सकलसषीगिरजागिरमैना॥पुलकस
रीरभरेजलनयना॥होइनमृषादेवरिषिभाषा॥उमासुवचन
हृदयधरिराषा॥उपजाशिवपदकमलसनेहू॥मिलनकठन
भामनसंदेहू॥जानिसुअवसरप्रीतदुराई॥सषीउछंगवैठिपु ॥२३॥

निजाई॥ कहि विधि होइ देवरिषि वानी॥ सोच हिदं पति सषी सियानी॥
उरधरि धीर कहै गिरराऊ॥ कहहु नाथ का करिय उपाऊ॥ दोहरा॥
कह मुनीस हिमवंत सुन॥ जो विधि लिषा ललार॥ देव दनुज न
र नाग मुनि॥ कोऊ न मेटनहार॥ ६०॥ चौपई॥ तदपि एक मै क
हौ उपाई॥ होइ करै जो ईस सहाई॥ जस वर मै वरन्यों तुम पाहीं॥
मिलहि उमहि तस संशय नाहीं॥ जे जे वर के दोष बषाने॥ ते ते
शिव पहि मैं अनुमाने॥ जो विवाह शंकर सन होई॥ दोषो गुण
सम कह सब कोई॥ जो अहि सेज सयन हरि करही॥ बुधि कछु
तिन्ह कर दोष न धरई॥ भानु कृशानु सर्व रस षाही॥ तिह कह क
हित मंद कोउ नाही॥ शुभ अरु अशुभ सलिल सब बहही॥ सुर
सरि कोउ अपुनीत न कहही॥ समरथ कहु नहि दोष गुसाई॥ रवि
पावक सुरसरि की नाई॥ दोहरा॥ जो एनिहि इसका करहि॥ जड
विवेक अभिमान॥ परहि नरक महु कलप भर॥ जीव कि ईस स
मान॥ ६१॥ चौपई॥ सुरसरि जल कृत वारुनि जाना॥ कवहु न
संत करहि तेहि पाना॥ सुरसरि मिले सो पावन जैसे॥ ईस अनी
सहि अंतर तैसे॥ शंभु सहज समरथ भगवाना॥ एहि विवाह स
व विधि कल्याना॥ दुराराध्य पै अहहि महेसू॥ आसुतोष पुनि

कीएकलेस॥जोतपकरैतुम्हारिकुमारी॥भाविउमेटसकहिंत्रि
पुरारी॥यद्यपिवरअनेकजगमांही॥इन्हकहिंशिवतजिदूस
रिनांही॥वरदायकप्रणतारतिभंजन॥कृपासिंधुशेवकमनरं
जन॥इछतफलविनशिवविनुआराधे॥लहियनकोटियोगतपा
साधे॥दोहरा॥असकहिनारदसुमरिहरि॥गिरजहिदीन्हअ
सीस॥होइहियहिकल्यानअवसंशयतजहुगिरीस॥७२॥चौ॥
कहिअसब्रह्मभवनमुनिगायो॥आगिलचरितसुनहुजसभ
यो॥पतिहिइकांतपाइकहिमैना॥नाथनमैबूझेमुनिवैना॥
जौघरुवरुकुलहोइअनूपा॥करियविवाहसुताअनुरूपा॥न
तकंन्यावरुरहउकुमारी॥कंतउमामममप्राणपियारी॥जौनमिल
हिवरुगिरजहिजोगू॥गिरजडसहजिकहहिसबलोगू॥सोवि
चारपतिकरहुविवाहू॥जिहिनवहोरिहोइउरदाहू॥असकहि
परीचरणधरिसीसा॥बोलेसहितसनेहगिरीसा॥वरुपावकप्र
गटैससिमांही॥नारदवचनअन्यथानांही॥दोहरा॥प्रियासो
चपरिहरहुसब॥सुमिरहुश्रीभगवान॥पारवतीनिरमयोजिहं
सोइकरहिकल्यान॥७३॥चौपई॥जोअवतुम्हहिसुतापरिनेहू
तौअसजाइसिषावनदेहू॥करैसुतपजिहंमिलैमहेसू॥आन

उपाइनमिटहिकलेस॥ नारदवचनससगर्भसदेस॥ सुंदरसवगुण
निधवृषकेत॥ असविचारतुम्हतागहुशंका॥ सवहिभांतशंक
रअकलंका॥ सुनपतवचनहरषमनमांही॥ गईतुरतउठिगि
रजापांही॥ उमहिविलोकनयनभरिवारी॥ सहतिसनेहगोदवै
ठारी॥ वारहिवारलेतउरलाई॥ गदगदकंठनकछुकहिजाई॥ ज
गतमातसर्वज्ञभवानी॥ मातुसुषदवोलीमृदुवानी॥ दोहरा॥ सु
नहुमातमैदीषअस॥ सपनसुनावोंतोहि॥ सुंदरगौरसुविप्रवर
असिउपदेसियोमोहि॥ ९४॥ चौपई॥ करवजाइतपुशैलकुमा
री॥ नारदकहासुससविचारी॥ मातुपितहिसुनयहसतभावा॥
तपसुषप्रदुषदोषनसावा॥ तपवलरचैप्रपंचविधाता॥ तप
वलविस्नुसकलजगत्राता॥ तपवलशंभुकरैसंहारा॥ तपवल
सेषधरहिमहिभारा॥ तपअधारसवसृष्टभवानी॥ करहिजाइ
तपअसजियजानी॥ सुनतवचनविसमतमहितारी॥ सुपनसु
नाइयोगिरहिहंकारी॥ मातपितहिवहुविधसमुझाई॥ चलीउ
मांतपहितहरषाई॥ प्रियपरवारपिताअरुमाता॥ भएविकलमु
षआवनवाता॥ दोहरा॥ वेदशिरामुनिआइतव॥ सवहिकहा
समुझाइ॥ पारवतीमहिमासुनतरहेप्रवोधहिपाइ॥ ९५॥ चौपई॥

॥तु॥रा॥ उरधरउमांप्रांनपतिचरना॥जाइबिपनलागीतपुकरना॥अति
॥बा॥ सुकुमारनतनतपयोगू॥पतिपदसुमिरतजेयोसबभोगू॥नि
॥२५॥ तनवचरणउपजअनुरागा॥बिसरीदेहतपहिमनुलागा॥सं
बतसहससमूलफलषाए॥साकषाइशतबरषगवाए॥कछुदि
नभोजनबारिबतासा॥कीयेकठनकछुदिनउपवासा॥बेलप
त्रमहिपरहिसुषाई॥तीनसहससंबतसोपाई॥पुनिपरिहरेसु
षानेपरना॥उमहिनामतबभयोअपर्ना॥देषिउमहितपषी
नशरीरा॥ब्रह्मगिराभैगगनगंभीरा॥दोहरा॥भयोमनोरथसु
फलतव॥सुनिगिरराजकुमारि॥परिहरुदुसहकलेससब॥
अबमिलहहित्रिपुरारि॥७६॥चौपई॥असतपकाहुनकीन्ह
भवानी॥भयेअनेकधीरमुनिज्ञानी॥अबउरधरहुब्रह्मबरबा
नी॥सतसदासंततसुचिजानी॥आवैपिताबुलावनजबही॥
हठपरिहरघरजाइहुतबही॥मिलहितुमहिजबसपतरिषीसा
जानहुतबप्रमाणबागीसा॥सुनतगिराबिधगगनबषानी॥
पुलकगातगिरजाहरषानी॥उमाचरितसुंदरमेगावा॥सुनहु
संभुकरचरितसुहावा॥जबतेसतीजाइतनुत्यागा॥तबतेशिव
मनभयोबिरागा॥जपहिसदारघुनायकनामा॥जहतहसुने।

रामगुणग्रामा॥ दोहरा॥ चिदानंदसुषधामशिव॥ विगतमोहमद
मांन॥ विचरहिमहिधरिहृदयहरि॥ सकललोककल्यांन॥ ९७॥
चौपई॥ कतहुमुनन्हिउपदेसहिज्ञाना॥ कतहुरामगुणकरहिंव
षाना॥ यदपिअकामतदपिभगवाना॥ भक्तविरहदुषदुषित
सुजाना॥ इहविधगयोकालवहुवीती॥ नितनईहोइरामपद
प्रीती॥ नेमप्रेमशंकरकरिदेषा॥ अविचलहृदयभगतकैरेषा॥
प्रगटेरामकृतज्ञकृपाला॥ रूपशीलनिधतेजविशाला॥ वहुप्र
कारशंकरहिंसराहा॥ तुमविनअसव्रतकोनिरवाहा॥ वहुविध
रामशिवहिसमुझावा॥ पारवतीकरजनमसुनावा॥ अतिपुनी
तगिरजाकैकरनी॥ विस्तरसहितकृपानिधवरनी॥ दोहरा॥ अ
वविनतीममसुनहुशिव॥ जोमोपरअतिनेहु॥ जाइविवाहहु
शैलजहि॥ यहमुहिमांगेदेहु॥ ९८॥ चौपई॥ कहिशिवयदपि
उचतइहनांही॥ नाथवचनपुनमेटिनजांही॥ सिरधरिआयसु
करियतुम्हारा॥ परमधर्मयहनाथहमारा॥ मातपितागुरुप्रभ
भुकैवानी॥ विनहिविचारकरियहितजानी॥ तुम्हसबभांतिप
रमहितकारी॥ आज्ञासिरपरनाथतुम्हारी॥ हरितोषेसुनशंकर
वचना॥ भक्तिविवेकधर्मजुतरचना॥ कहिप्रभुहरतुमारप्रणर

॥तु॥रा॥ हियो॥ अवउराषिह्नजोहमकहियो॥ अंतरध्यानभएअसि।
॥वा॥ भाषी॥ शंकरसोमूरतिउरराषी॥ तवहिंसप्तरिषशिवपहिंआए
॥२६॥ वोलेप्रभुअतिवचनसुहाए॥ दोहरा॥ पारवतीपहिंजाइतुम्ह
प्रेमपरीछालेहु॥ गिरहिप्रेरपठवहुभवन॥ दूरिकरहुसंदेहु॥
९९॥ चौपई॥ तवरिषतुरतगौरपहिंगये॥ देषदशामुनविस्मै
भए॥ रिषिन्हगौरिदेषीतहकैसी॥ मूरतिवंततपस्याजैसी॥
वोलेमुनिसुनिशैलकुमारी॥ करहुकवनकारनतपभारी॥
किहिअवराधहुकातुम्हचहहू॥ हमसनसत्यवचनसवक
हहू॥ सुनतरिषन्हकेवचनभवानी॥ वोलीगूढमनोहरवा
नी॥ कहतमरममनअतिसकुचाई॥ हसिहहुसुनिहमारि
जडताई॥ मनहठपरानसुनइसिषावा॥ चहतवारिपरभी
तउठावा॥ नारदकहासत्यसोजाना॥ विनुपंषन्हहमचहहुं
उडाना॥ देषहुमुनिअववेकहमारा॥ चहिहौंसदाशिवहि
भरतारा॥ दोहरा॥ सुनतवचनविहसेरिषी॥ गिरसंभवतवदे
ह॥ नारदकरउपदेससुनि॥ कहहुवस्योकिसुगेह॥ १००॥ चौ
दक्षसुतन्हउपदेश्योजाई॥ तिन्हपुनभवनुनदेषाआई॥
चित्रकेतकरघरुउनघाला॥ कनककसिपुकरिपुनिअस ॥२६॥

हाला॥ नारदसिषजुसुनैनरुनारी॥ अवसहोइतजिभवनभिषा
री॥ मनकपटीतनसज्जनचीन्हा॥ आपुसरिषसबहीचहकी
न्हा॥ तिन्हकेवचनमानविस्वासा॥ तुम्हचाहहुपतिसहजउदा
सा॥ निर्गुणनिलजकुवेषकपाली॥ अकुलअगेहदिगंबरब्या
ली॥ कहहुकवनसुषअसवरुपाए॥ भलभूलिहुठगकेबौ
राए॥ पंचकहेशिवसतीविवाही॥ पुनिअवडेरिमराइयोताही
दोहरा॥ अवसुषसोवतसोचुनहि॥ भीषमांगभवषाहि॥ स
हजइकाकिन्हकेभवन॥ कवहुकिनारिषटाहि॥ १०२॥ चौपई
अजहूंमांनहुकहाहमारा॥ हमतुम्हकहुवरुनीकविचारा॥
अतिसुंदरसुचिसुषदसुशीला॥ गावहिवेदजासुजसलीला
दूषणरहितसकलगुणरासी॥ श्रीपतिपुरवैकुंठनिवासी॥
असवरतुम्हेमिलाइवआनी॥ सुनतवचनकहिविहसिभवा
नी॥ सत्यकहिहुगिरभवतनुएका॥ हठुनछूटिछूटैवरुदेहा॥
कनकोपुनपषानतेहोई॥ जारिहुसहजनपरिहरसोई॥ नार
दवचननमैपरिहरऊं॥ वसैभवनउजरैनहिडरऊं॥ गुरुकेव
चनप्रतीतिनजेही॥ सपनिहुसुगमनसुषसिधितेही॥ दोहरा
महादेवअवगुणभवन॥ विस्नुसकलगुणधाम॥ जिन्हकरम

॥तु॥रा॥ नरसमजानिसिवन॥तिन्हिताहीमनकाम॥१०२॥चौपई॥जौतुम्हमि
॥बा॥ लतेहुप्रथममुनीसा॥सुनतिउंसीषतुम्हहिधरिसीसा॥अव
॥२७॥ मैजनमसंभुहितहारा॥कोगुणदुषसुषकरैविचारा॥जौतुम्ह
रेहठहृदैविशेषी॥रहिनजाइविनुकीयेवरेषी॥तौकौतुकि।
यन्हआलसनांही॥वरकंन्याअनेकजगमांही॥जन्मको।
टिलगिरगरहमारी॥वरौंशंभुनतुरहौंकुमारी॥तजौंननार
दकरउपदेसू॥आपुकहहिंशतवारमहेसू॥मैपगपरौकहै
जगदंवा॥तुमगृहगवनहुभयोविलंवा॥देषप्रेमवोलेमुनि
ज्ञानी॥जयजयजगदंवकेभवानी॥दोहरा॥तुम्हमायाभग
वानशिवसकलजगतपितुमात॥नाइचरणसिरमुनिचले
पुनिपुनिहरषतगात॥१०३॥चौपई॥जाइमुनन्हहिंमवंतप
ठाए॥करिविनतीगिरजहिगृहल्याए॥वहुरिसप्तरिषिशिव।
पहिजाई॥कथाउमाकैसकलसुनाई॥भएमगनशिवसुन
तसनेहा॥हरिषिसप्तरिषगवनेगेहा॥मनुथिरकरितवशं
भुसुजाना॥लगेकरनरघुनायकध्याना॥तारकअसुरभ।
योतिहंकाला॥भुजप्रतापवलतेजविशाला॥तिन्हिसवलो।
कलोकपतिजीते॥भएदेवसुषसंपतिरीते॥अजरअमर।

सोजीतिनजाई॥हारेसुरकरिविविधलराई॥तवविरंचसनजाइपु
कारे॥देषेविधसवदेवदुषारे॥दोहरा॥सवसनकहावुझाइवि
ध॥दनुजनिधनतवहोइ॥शंभुसुक्रसंभूतसुत॥इहजीतैरण
सोइ॥१०४॥चौपई॥मोरिकहासुनिकरहुउपाई॥होइहिईश्व
रकरैसहाई॥सतीजोतजीदक्षमषदेहा॥जनमीजाइहिमाच
लगेहा॥तिहतपुकीन्हशंभुपतिलागी॥शिवसमाधिवैठेस
वसागी॥यदपिअहैअसमंजसभारी॥तदपिवातइकसुनहु
हमारी॥पठवहुकामजाइशिवपाही॥करैछोभशंकरमनमां
ही॥तवहमजाइशिवहिसिरुनाई॥करवावैविवाहुवरियाई
इहविधभलेदेवहितहोई॥मतिअतिनीककहैसवकोई॥
अस्तुतिसुरन्हिकीनअतिहेतू॥प्रगटाविषमवानझषकेतू॥
दोहरा॥सुरन्हकहीनिजविपतिसव॥सुनमनकीन्हविचार
शंभुविरोधनकुसलमुहि॥सममुझकह्योअसिमार॥१०५॥चौ
तदपिकरवमैकाजतुह्मारा॥श्रुतिकहिपरमधरमउपकारा
परहितलागितजहिजेदेही॥संततसंतप्रसंसैतेही॥असिक
हिचल्योसवहिसिरुनाई॥सुमनधनुषकरसहितसहाई॥
चलतमारअसिहृदयविचारा॥शिवविरोधध्रुवनाससहमारा॥

॥तु॥रा॥ तवआपनप्रभावविस्तारा॥ निजवसिकीन्हसकलसंसारा॥ को
॥वा॥ पेउजवहिवारिचरकेतू॥ छनमहुंमिटेसकलश्रुतिसेतू॥ ब्र
॥२८॥ ह्मचर्यव्रतसंजमनाना॥ धीरजधर्मज्ञानविज्ञाना॥ सदाचारजप
योगविरागा॥ सभयविवेककटकसवभागा॥ छंद॥ भागेउवि
वेकसहाइसहितसुसुभटसंयुगमहिमुरे॥ सदग्रंथपर्वतकंद
रन्हिमहुजाइतिहिअवसरदुरे॥ हुनिहारकाकरतारकोरख
वारजगषरभरपरा॥ दुइमाथकिहिरतिनाथजिहिकहुकोपिक
रधनुसरधरा॥ दोहा॥ जेसजीवजगअचरचर॥ नारिपुरुषअस
नाम॥ तेनिजनिजमरजादतजि॥ भएसकलवसिकाम॥ ८४॥
चौपई॥ सवकेहृदयमदनअभिलाषा॥ लतानिहारिनवहि
तरुसाषा॥ नदीउमगिअंभुधिकोधाई॥ संगमकरहितला
वतलाई॥ जहयहदशाजडनकैवरनी॥ कोकहिसकैसचेत
न्हकरनी॥ पशुपंछीनभजलथलचारी॥ भएकामवसि
ल समयविसारी॥ मदनअंधव्याकुलसवलोका॥ निशादिनन
हिअवलोकहिकोका॥ देवदनुजनरकिंनरव्याला॥ प्रेत
पिशाचभूतवेताला॥ इन्हकेदशानकहियोवषानी॥ सदा
कामकेचेरेजानी॥ सिद्धविरक्तमहामुनियोगी॥ तेपिकामव ॥२८॥

सिभएवियोगी॥छंद॥भैकामवसियोगीसतापसपावरन्हि
कीकोकहै॥देषहिचराचरनारिमयजेब्रह्ममयदेषतरहे॥अ
वलांविलोकहिपुरुषमयजगपुरुषसबअवलामयं॥दुइ
दंडभरिब्रह्मंडभीतरकामकृतकौतुकअयं॥सोरठा॥धरी
नकाहूधीर॥सबकेमनमनसिजहरे॥जेराषेरघुवीर॥तेउबरे
तिहिकालमहुं॥८५॥चौपई॥उभयघरीअसकौतुकभयो॥
तवलगकामसंभुपहिगयो॥शिवहिविलोकिससंकेउमा
रू॥भयोजथाथितिसवसंसारू॥भएतुरतजगजीवसुषारे
जिउमदउतरिगएमतवारे॥रुद्रहिदेषमदनभयमाना॥दु
राधर्षदुर्गमभगवाना॥फिरतलाजकछुकरिनहिजाई॥
मरनठानमनरचसिउपाई॥प्रगटातुरतरुचिररितुराजा॥
कुसमितनवतरुराजविराजा॥वनउपवनवाटिकातडागा॥
परमसुभगसवदिशाविभागा॥जहंतहंजनुउमगतअनुरा
गा॥देषिमुएमनमनसिजजागा॥छंद॥जागेमनोभवमुयहु
मनवनसुभगतानपरैकही॥सीतलसुगंधसुमंदमारुतमद
२२ नअनलसषासही॥विकसेसरनवहुकंजगुंजतपुंजमंजुलम
धुकरा॥कलहंसपिकशुकसरसरवकरगाननाचैअपसरा

॥तु॥रा॥ दोहरा॥सकलकलाकरकोटिविध॥हारौसेनसमेत॥चलीन
॥बा॥ अचलसमाधशिव॥कोप्योरिदेनिकेत॥१०८॥चौपई॥देषर
॥२९॥ सालविटपवरशाषा॥तिहपरचडौमदनमनमाषा॥सुमन
चापनिजसरसंधाने॥अतिरिसताकश्रवणलगताने॥छाडे
म५ विषमविषउरलागे॥छुटसमाधशंभुतवजागे॥भैओईसम
नछोभविशेषी॥नयनउघारसकलदिशदेषी॥सोरभपल्ल
वमदनविलोका॥भयोकोपकंपैत्रैलोका॥तवशिवतीसर
नैनउघारा॥चितवतकामभयोजरछारा॥हाहाकारभयोज
गभारी॥डरपेसुरभैअसुरसुषारी॥समुझकामसुषसोचैभो
गी॥भएअकंटकसाधकजोगी॥छंद॥योगीअकंटकभए।
पतिगतिसुनतरतिमुरछतभई॥रोदतकरतवहुभांतिकर
णाकरतिशंकरपहिगई॥अतिप्रेमकरिविनतीविविधवि
धजोरकरसनमुषरही॥प्रभआसतोषकृपालशिवअव।
लानिरषिवोलेसही॥दोहरा॥अवतेरतितवनाथकर॥हो।
इहनामअनंग॥विनवपुव्यापहिसवहिपुन॥सुननिजमि
लनप्रसंग॥१०९॥चौपई॥जवयदुवंसकृष्णअवतारा॥होइ
हिहरणमहामहिभारा॥कृष्णतनयहोइहिपतितोरा॥वच। ॥२९॥

नअन्यथाहोइनमोरा॥ रतिगवनीसुमिरिशंकरस्वानी॥ कथाअ
परअबकहौंवषानी॥ देवन्हसमाचारसबपाए॥ ब्रह्मादिक
वैकुंठसिधाए॥ सबसुरविस्नुविरंचिसमेता॥ गएजहांशिवकृ
पानिकेता॥ पृथकपृथकतिन्हकीन्हप्रसंसा॥ भएप्रसंनचं
द्रअवतंसा॥ वोलेकृपासिंधवृषकेतू॥ कहहुअमरआएकि
हिहेतू॥ कहविधितुम्हप्रभअंतरजामी॥ तदपिभगतिवसि
विनवौंस्वामी॥ दोहा॥ सकलसुरन्हकेहृदयअस॥ शंकर
परमउछाह॥ निजनयनन्हिदेषाचहहि॥ नाथतुम्हारवि
वाह॥ ९०॥ चौपई॥ यहउतसवदेषीयभरिलोचन॥ सोकछु
करहुमदनमदमोचन॥ कामजारिरतिकहुवरदीन्हा॥ कृपा
सिंधुयहअतिभलकीन्हा॥ सासतिकरिपुनिकरहिप
साऊ॥ नाथप्रभनकरसहजसुभाऊ॥ पारवतीतपकीन्ह
अपारा॥ करहुतासुअबअंगीकारा॥ सुनिविधिविनयस
मुझिप्रभुवानी॥ ऐसेहोउकहासुषमानी॥ तवदेवनदुंदभी
वजाई॥ वरषिसुमनजयजयसुरसाई॥ अवसरजानिसप्त
रिषिआए॥ तुरतहिविधिगिरिभवनपठाए॥ प्रथमगएज
हरहीभवानी॥ वोलेमधुरवचनछलसानी॥ दोहा॥ राम

॥तु॥रा॥ कह्यहमारनसुनहुतब॥ नारदकेउपदेस॥ अबभाझूठतुमार
॥बा॥ प्रण॥ जारियोकाममहेस॥ २२१॥ चौपई॥ सुनबोलीमुसका॥
॥३०॥ इभवानी॥ उचितकह्योमुनिवरविज्ञानी॥ तुह्मरेजानकामअ
बजारा॥ अबलगसंभुरहेसविकारा॥ हमरेजानसदाशिवयो २
गी॥ अजअनवंद्यअकामअभोगी॥ जौमैशिवसेवेअसजा
नी॥ प्रीतसमेतकर्ममनवानी॥ तौहमारप्रणसुनहुमुनीसा
करहहिसत्यकृपानिधईशा॥ तुह्मजुकह्योहरजारियोमारा
सोअतिवडअबवेकतुम्हारा॥ तातअनलकरसहजसुभाऊ
हिमतिहनिकटजाइनहकाऊ॥ गएसमीपसुअवसिनसा
ई॥ असमनमथमहेसकीनाई॥ दोहरा॥ हियहरषेमुनिबा
चनसुनि॥ देषिप्रीतविस्वास॥ चलेभवानिहिनाइसिरुगए
हिमाचलपास॥ २२२॥ चौपई॥ सबप्रसंगगिरिपतिहिसुना॥
वा॥ मदनदहनसुनिअतिदुषपावा॥ वहुरिकह्योरतिकर
बरदाना॥ सुनिहिमवंतवहुतसुषमाना॥ हृदयविचारसं
भुप्रभताई॥ सादरमुनिवरलीयेवुलाई॥ सुदिनसुनषतसु
घरीसुधाई॥ वेगवेदविधिलगनधराई॥ पत्रीसप्तरिषनसो
दीन्ही॥ गहिपदविनयहिमाचलकीन्ही॥ जाइविधिसोदी ॥३०

न्हीपाती॥ बांचतप्रीतनहृदयसमाती॥ लगनवाचिअजसव
हिसुनाई॥ हरषेमुनिसवसुरसमुदाई॥ सुमनवृष्टिनभवाज
नवाजे॥ मंगलसवदसहुदिसिसाजे॥ दोहरा॥ लगेसवारनस
कलसुर॥ वाहनविविधविवान॥ होंहिसगुणमंगलसुषद॥।
करहिंअपसरागान॥ ९३॥ चौपई॥ शिवहिंशंभुगणकरहिंसि
संगारा॥ जटामुकटअहिमोरसवारा॥ कुंडलकंकनपहि
रेव्याला॥ तनविभूतपटकेहरछाला॥ शशिललाटसुंदर
शिरगंगा॥ नयनतीनउपवीतभुयंगा॥ गरलकंठउरनर।
सिरमाला॥ अशुभवेषशिवधामकृपाला॥ करत्रिशूलअ
रुडमरुविराजा॥ चलेवसवचढिवाजहिंवाजा॥ देषिशिवहि
सुरत्रीयमुसकांही॥ वरलायकदुलहिनजगनांही॥ विष्णु
विरंचिआदिसुरव्राता॥ चढिचढिवाहनचलेवराता॥ सुरस
माजसवभांतअनूपा॥ नहिवरातदूलहिअनुरूपा॥ दोहा
विष्णुकहाअसविहसतव॥ वोलसकलदिसराज॥ विलग
विलगहुइचलहुसव॥ निजनिजसहितसमाज॥ ९४॥ चौ॥
वरअनुहारवरातनभाई॥ हसीकरेहहुपरपुरजाई॥ विष्णुव
चनसुनसुरमुसकाने॥ निजनिजसेनिसहतविलगाने॥।

॥तु॰रा॥ मनहींमनमहेसमुसकांहीं॥ हरिकेबिंगबचननहिजांहीं॥ अ
॥बा॥ तिप्रियबचनसुनतप्रियकेरे॥ भृंगीप्रेरिसकलगणटेरे॥ शिव।
॥३१॥ अनुशासनसुनिसबआए॥ प्रभुपदकमलसीसतिन्हनाए॥।
नानावाहननानावेषा॥ बिहसेशिवसमाजनिजदेषा॥ कोउमु
षहीनबिपुलमुषकाहू॥ बिनकरपदकोवहुपदवाहू॥ बिपु
लनयनकोनैनबिहीना॥ हष्टपुष्टकोअतितनछीना॥ छंद।
तनछीनकोअतिपीनपावनकोउअपावनतनधरे॥ भूष।
णकरालकपालकरसबसद्यश्रोनिततनभरे॥ षरस्वानअ
सुरसृगालमुषगनवेषअगनितकोगनै॥ बहुजिनसप्रेत
पिशाचयोगनिजमातबर्णतनहिबनै॥ सोरठा॥ नाचतगा।
वहिगीत॥ परमतरंगीभूतसब॥ देषन्हिअतिबिपरीति॥ बो
लहिबचनबिचित्रबिधि॥ ९५॥ चौपई॥ जसदूलहितसबा।
नीवराता॥ कौतकबिबधहोहमगजाता॥ उहांहिमाचलबि
रचिबिताना॥ अतिबिचित्रनहिजाइवषाना॥ सैलसकलज
हलगजगमांहीं॥ लघुबिशालनहिबरणसिराहीं॥ बनसा
गरसबनदीतलावा॥ हिमगिरिसबकहंनिवतपठावा॥ का
मरूपसुंदरतनधारी॥ सकलसमाजसहितवरनारी॥ गए ॥३१

सकलतुहिनाचलगेहा॥ गावहिंमंगलसहितसनेहा॥ प्रथ
महिगिरिबहुगृहसवारा॥ जथायोगजहतहसवछाए॥ पु
रसोभाअवलोकसुहाई॥ लागेलघुविरंचिनिपुनाई॥ छंद
लघुलागिविधकीनिपुनताअवलोकपुरसोभासही॥ व
नवागकूपतडागसरितासुभगसवसककोकही॥ मंगल
विपुलतोरणपताकाकेतुगृहगृहसोहहीं॥ वनितापुरुष
सुंदरचतुरछविदेषमुनिमनमोहहीं॥ दोहरा॥ जगदंवाजह
अवतरी॥ सोपुरवरणकिजाइ॥ रिधसिधसंपतसकल
नितनूतनअधिकाइ॥ २२६॥ चौपई॥ नगरनिकटवरातसु
नआई॥ पुरुषरभरसोभाअधिकाई॥ करिविवानसमिवा
हननाना॥ चलेलेनसादरअगवाना॥ हीयहरषेसुरसेनति
हारी॥ हरिहिदेषअतिभयेसुषारी॥ शिवसमाजजवदेषन
लागे॥ विडरिचलेवाहनसवभागे॥ धरिधीरजतहंरहेसिया
ने॥ वालकसवलैजीवपराने॥ गएभवनपूछहिपितुमाता॥
कहहिवचनभयकंपितगाता॥ कहीयकाहिकहिजाइन
वाता॥ जमकेधारिकिधोवरआता॥ वरुवौराहवरदअसवा
रा॥ व्यालकपालविभूषणछारा॥ छंद॥ तनछारव्यालकपा

॥तु॥रा॥ लभूषणनगनजटलभयंकरा॥संगभूतप्रेतपिशाचयोगि
॥वा॥ निविकटमुषरजनीचरा॥जोजियतरहिहिवरातदेषतपुण्य
॥३२॥ वडतिहकरसही॥देषिहिसुउमांविवाहघरघरवातअसिल
रकन्हकही॥दोहरा॥समुझमहेससमाजसव॥जननिजन
कमुसकाहि॥वालवुझाएविवधविध॥निडरहोहडरनाहि
९७॥चौपई॥लेअगवानवरातहिआए॥दीयेसवहिजन
वाससुहाए॥मैंनांसुभआरतीसवारी॥संगसुमंगलगाव
हिनारी॥कंचनथालसोहवरपानी॥परछनचलीहरहिह
रषानी॥विकटवेषरुद्रहिजवदेषा॥अवलनउरभयभ
योविशेषा॥भागभवनपैठीअतित्रासा॥गएमहेसजहां
जनवासा॥मैंनांहृदयभयोदुषभारी॥लीन्हीवोलगिरीश॥
कुमारी॥अधिकसनेहगोदवैठारी॥स्यामसरोजनयनभ
रिवारी॥जिहविधतुम्हहिरूपअसिदीन्हा॥तिहजडवरुवा
उरकसकीन्हा॥छंद॥कसकीन्हवरुवोराहजिहविधतुम्ह
हिसुंदरतादई॥जोफलचहियसुरतरुहिसोवरवसिववूर
हिलागई॥तुमसहितगिरितेगिरोंपावकजरोंजलनिधि॥
महुपरो॥घरुजाउअपजसुहोयजगजीवतविवाहनहों॥ ॥३२

करैं ॥ दोहरा ॥ भई विकल अवला सकल ॥ दुषित देव गिर।
नार ॥ करि विलाप रोदति वदति ॥ सुता सनेह संभार ॥ ११८ ॥
चौपई ॥ नारद कर मैं काह विगारा ॥ भवन मोर जिन वसत उ।
जारा ॥ अस उपदेस उमहि जिन्ह दीन्हा ॥ वौरे वरहि लागि त।
पु कीन्हा ॥ सांच हु उन्ह के मोह न माया ॥ उदासीन धनु धामु
न जाया ॥ पर घर घालक लाज न भीरा ॥ वांझ कि जान प्रसव।
कै पीरा ॥ जननिहि विकल विलोकि भवांनी ॥ वोली युत वि
वेक मृदु वांनी ॥ अस विचारि सोच हु जिन माता ॥ सो न टरै।
जो रचै विधाता ॥ कर्म लिषा जो वौरो नाहु ॥ तौ कत दोष लगा
यव काहु ॥ तुम सन मिटहि कि विध के अंका ॥ मातु व्यर्थ जि
न लेहु कलंका ॥ छंद ॥ जनि लेहु मातु कलंक करना परह
रहु अवसरु नही ॥ दुष सुष जु लिषा ललाट हमरे जाव जह
पाउव तही ॥ सुनि उमा वचन विनीत कोमल सकल अवला
सोचही ॥ वहु भांति विधहि लगाइ दूषण नयन वारि विमो
चही ॥ दोहरा ॥ तिहि अवसर नारद सहित ॥ अरु ऋषि सप्त।
समेत ॥ समाचार सुनि तुहिन गरि ॥ गवने तुरत निकेत ॥ ११९
चौपई ॥ तव नारद सवही समुझावा ॥ पूर्व कथा प्रसंग सुना वा ॥

॥तु॥रा॥ मैंनासत्यसुनहुममवांनी॥ जगदंवातवसुताभवांनी॥ अजअ
॥वा॥ नादिशक्तिअविनाशिन॥ सदासंभुअरधंगनिवासिन॥ जग
॥३३॥ संभवपालनिलयकारिनि॥ निजइछालीलावपुधारिनि॥
जन्मीप्रथमदछगृहजाई॥ नामसतीसुंदरतनुपाई॥ तहहु
सतीशंकरहिविवाही॥ कथाप्रसिद्धसकलजगमांही॥ एक
वारआवतशिवसंगा॥ देषेरघुकुलकवलपतंगा॥ भयोमो
हशिवकहानकीन्हा॥ भ्रमवससवेषसीयाकरिलीन्हा॥ छंद॥
सीयवेषसतीजुकीन्हतिहअपराधशंकरपरिहरी॥ हरवि
रहजाइवहोरिपितुकेयज्ञयोगानलजरी॥ अवजन्मितुम
रेभवननिजपतिलागिदारुणतपुकीया॥ असजानिसं
शायतजहुगिरजासर्वदाशंकरप्रिया॥ दोहरा॥ सुननारद
केवचनअस॥ सवकरमिटाविषाद॥ छणमहिव्यापोस
कलपुर॥ घरघरयहसंवाद॥ १२०॥ चौपई॥ तवमेनाहिमवं
तअनंदे॥ पुनिपुनपारवतीपदवंदे॥ नारिपुरुषसिसुजुवा
सियाने॥ नगरलोगसवअतिहरषाने॥ लगेहोनपुरमंग
लगाना॥ सजेसवहिहाटकघटनाना॥ भांतिअनेकभई
जिवनारा॥ सूपशास्त्रजसकछुव्यवहारा॥ सोजिवनारिकि ॥३३॥

जाइवषानी॥ बसैभुवनजिह्नमातभवानी॥ सादरबोलेसक
लबराती॥ बिस्नुविरंचदेवसबजाती॥ विवधपांतिवैठीजिव
नारा॥ लगेपरोसननिपुनसुआरा॥ नारिवृंदसुरजेवतजानी
लगींदेनगारीम्रदुवानी॥ छंद॥ गारीमधुरसुरदेहसुंदरव्यंग।
वचनसुनावही॥ भोजनकरहिसुरअतविलंवविनोदसुनि
॥ज सचुपावही॥ जेवतजोबढ्योअनंदसोमुषकोटिहूंनपरैकह्यो
अचवाइदीन्हेपांनगवनेवासजहंजाकोरह्यो॥ दोहा॥ वहु
रिमुनिन्हहिंमवंतकहं॥ लगनसुनायोआइ॥ समयविलो
कविवाहकरि॥ पठएदेवबुलाइ॥९९॥ चोपई॥ बोलसकल
सुरसादरलीन्हे॥ सवहियथोचितआसनदीन्हे॥ वेदीवेद
विधानसवारी॥ सुभगसुमंगलगावहिनारी॥ सिंहासनअ
तिदिव्यसुहावा॥ जाइनवरणविरंचवनावा॥ वैठेशिवविप्र
न्हसिरुनाई॥ हृदयसुमरनिजप्रभरघुराई॥ बहुरिमुनीसन्ह
उमांवुलाई॥ करसिंगारसषीलैआई॥ देषिहिरूपसकलसु
रमोहे॥ वरणैछविअसजगकविकोहै॥ जगदंविकाजानि
भवभावा॥ सुरन्हमनहिमनकीन्हप्रणामा॥ सुंदरतामर
जादभवानी॥ जाइनकोटिहुवदनवषानी॥ छंद॥ श्रीगम

त१

॥तु॥रा॥ कोटिहूबदननहिबनैबरणाँजगजननिशोभामहा॥सकु।
॥बा॥ चहिकहतश्रुतिशेषसारदमंदमतितुलसीकहा॥छबि।
॥३४॥ धाममातुभवानिगवनीमध्यमंडपशिवजहा॥अवलोकि
सकहिनसकुचपतिपदकमलमनुमधुकरतहा॥दोहरा
मुनअनुसासनगणपतिहि॥पूज्योशंभुभवानि॥कोअस
संशयकरैजनि॥सुरअनादिजीयजानि॥१२२॥चौपई॥ज
सविवाहकेविधश्रुतिगाई॥महामुनन्हिसोसँकरवाई॥ ॥भग॥
गहिगिरीशकुशकंन्यापांनी॥भवहिंसमरपीजानिभवा
नी॥पाणिगृहणजवकीन्हमहेसा॥हीयहरषेतवसकल
सुरेसा॥वेदमंत्रमुनिवरउच्चरही॥जैजैजैशंकरसुरकरही
वाजहिवाजनविविधविधाना॥सुमनवृष्टिनभभैविधना।
ना॥हरगिरजाकरभयोविवाहा॥सकलभवनभरिरहाउ
छाहा॥दासीदासतुरंगरथनागा॥धेनवसनमणिवस्तुवि
४नक भागा॥अंन्नकंभांजनभरिजाना॥दाइजदीन्हनजाइव।
षाना॥छंद॥दाइजदीयोवहुभांतिपुनकरजोरहिमभूध
रकह्यो॥कादेउंपूरणकामशंकरचरणपंकजगहिरह्यो॥
शिवकृपासागरससुरकरसंतोषसवभांतिहिकियो॥पु ॥३४॥

नगहेपदपाथोजमैंनाप्रेमपरिहरणाहियो॥दोहरा॥नायउ मांमसप्राणसम॥गृहकिंकरीकरेहु॥छमिहुंसकलअपराधअवव्हैप्रसंन्नवरदेहु॥२२३॥चौपई॥वहुविधशंभुसाम समुकाई॥गवनीभवनचरणसिरुनाई॥जननीउमहिवोल तवलीन्ही॥लैउछंगसुंदरसिषदीन्ही॥करहुसदाशंकरपदपूजा॥नारिधर्मपतिदेवनदूजा॥वचनकहत्तभरिलोचनवारी॥वहुरिलाइउरलीन्हिकुमारी॥कतिविधसृजीनारि जगमांहीं॥पराधीनसपनिहुसुषनांही॥भैअतिप्रेमविकलमहितारी॥धीरजकीन्हकुसमयविचारी॥पुनिपुनिमिलतिपरतिगहिचरणा॥परमप्रेमकछुजाइनवरणा॥सव नारिन्हमिलिभेटिभवानी॥जाइजननिउरपुनलपटानी॥ छंद॥जननिहुवहुरमिलिचलीउचितअसीससवकाहूदई॥ फिरफिरविलोकतमातुतनतवसषीलैशिवपहिगई॥जाचकसकलसंतोषशंकरउमासहितभवनचले॥सवअमर हरषेसुमनवरषिनीशाननभवाजेभले॥दोहरा॥चलेसंग हिमवंततव॥पहुंचावनअतिहेत॥विवधभांतिपरितोषकरि॥विदाकीन्हवृषकेत॥२२४॥चौपई॥तुरतभवनआए

॥तु॥रा॥ गिरराई॥सकलसैलसरलीऐबलाई॥आदरदानविनयब
॥बा॥ हुमाना॥सवकरविदाकीन्हहिमवाना॥जवहिशंभुकैला
॥३५॥ सहिआए॥सुरसवनिजनिजलोगसिधाए॥जगतमातुपि
तुशंभुभवानी॥तिहिसिंगारनकहौंवषानी॥करहिविव
धविधभोगविलासा॥गणन्हसमेतवसहिकैलासा॥हर
गिरजाविहारनितनयो॥इहविधविपुलकालचलिगयो॥
तवजनमेषटवदनकुमारा॥तारकअसुरसमरजिन्हमा
रा॥आगमनिगमप्रसिद्धपुराना॥षटमुषजन्मसकलज
गजाना॥छंद॥जगजानषटमुषजन्मकर्मप्रतापपुरषार
थमहा॥तिहिहेतमैंवृषकेतुसुतवरचरितसंछेपहंकहा॥
यहउमाशंभुविवाहजेनरनारिसुनहिजुगावही॥कल्या
नकाजविवाहमंगलसर्वदासुषपावही॥दोहरा॥चरित
सिंधुगिरिजारमण॥वेदनपावहिपार॥वरणैतुलसीदास
किम॥अतिमतिमंदगुवार॥१२५॥चौपई॥शंभुचरितसु
निसकलसुहावा॥भारद्वाजमुनिअतिसुषपावा॥वहुला
लसाकथापरिवाढी॥नयनन्हिनीररुमावलिठाढी॥प्रेम
विवसमुषआवनवानी॥दशादेषहरषेमुनिज्ञानी॥अ॥ ॥३५॥

होयधन्यतवजन्ममुनीसा॥ तुम्हहिप्राणसमप्रियगोरीसा॥ शि
वपदकमलजिन्हहिरतिनाही॥ रामहितेसुपनेहुनसुहा
ही॥ विनुछलविश्वनाथपदनेहु॥ रामभक्तकरलछनएहु
शिवसमकोरघुपतिव्रतधारी॥ विनअघतजीसतीअसना
री॥ प्रनकररघुपतिभगतदिषाई॥ कोशिवसमरामहिप्रिय
भाई॥ दोहरा॥ प्रथमहिकहिमैंशिवचरित॥ बूझामरमतुम्हा
र॥ सुचिशेवकतुमरामके॥ रहितसमस्तविकार॥११२६॥ चौ
मैजानातुम्हरागुणशीला॥ कहोसुनहुअवरघुपतिलीला
सुनमुनिआजुसमागमतोरे॥ कहिनजाइजससुषमनमो
रे॥ रामचरितअतिअमितमुनीसा॥ कहिनसकहिशतको
टिअहीसा॥ तदपिजथाश्रुतिकहोंवषानी॥ सुमिरगिराप
तप्रभुधनुपानी॥ सारददारुनारिसमस्वामी॥ रामसूत्रधरि
अंतरजामी॥ जिहिपरिकृपाकरहिजनजानी॥ कविउरअ
जरनचावहिवानी॥ प्रणवोंसोकृपालरघुनाथा॥ वरणोंवि
सदतासुगुणगाथा॥ परमरम्यगिरिवरकेलासू॥ सदाजहां
शिवउमानिवासू॥ दोहरा॥ वसहितहांसुकृतीसकल॥ से
वहिशिवसुषकंद॥ सिद्धतपोधनयोगिजन॥ सुरकिंनरमु

॥ रा॥ निर्वेद ॥१२६॥ चौपई ॥ हरिहरविमुषधर्मरतिनांही ॥ तेनरत
वा॥ हिसुपनिहुनहिजांही ॥ तिहगिरिपरिवहुविटपविशाला
३६॥ नितनूतनसुंदरसवकाला ॥ त्रिविधसमीरसुशीतलछाया
शिवविश्रामविटपश्रुतिगाया ॥ एकवारतिहतरप्रभुगयो
तरुविलोकउरअतिसुषभयो ॥ निजकरडासिनागरिपु
छाला ॥ वैठेसहजहिशंभुकृपाला ॥ कुंददंडुदरगोरशरीरा
भुजप्रलंबपरिधनमुनि ॥ तरुणारुणअंभुजसमचरणा
नषदुतिभगत्तहृदयतमहरणा ॥ भुजंगभूतिभूषणत्रिपु
रारी ॥ आननसरदचंदछविहारी ॥ दोहरा ॥ जटामुकटसु
रसरितसिर ॥ लोचननललितविशाल ॥ नीलकंठलावण्य
निधि ॥ सोहवालविधुभाल ॥१२७॥ चौपई ॥ वैठेसोहकामरि
पुकैसे ॥ धरेशरीरशांतिरसजैसे ॥ पारवतीभलअवसर
जानी ॥ गईशंभुपहिमातुभवानी ॥ जानिप्रियाआदरअ
तिकीन्हा ॥ वामभागआसनुहरदीन्हा ॥ वैठीशिवसमीपहर
षाई ॥ पूर्वजन्मकथाचितआई ॥ पतिहियहेतुअधिकअ
नुमांनी ॥ विहसिउमांवोलीप्रियवांनी ॥ कथाजुसकललो
कहितकारी ॥ सोपूछनचहशैलकुमारी ॥ विश्वनाथमम ॥३६॥

नाथपुरारी॥ त्रिभुवनुमहिमांविदतितुह्मारी॥ चरअरुअचरना
गअरुदेवा॥ सकलकरहिपदपंकजसेवा॥ दोहरा॥ प्रभुसम
र्थसर्वज्ञतुह्म॥ सकलकलागुणधाम॥ योगज्ञानवैरागनिधि
प्रणतकलपतरुनाम॥ १२८॥ चौपई॥ जौमोपरप्रसंन्नसुषरा
सी॥ जानीयसत्यमोहिनिजदासी॥ तौप्रभुहरहुमोरअज्ञाना॥
कहिरघुनाथकथाविधनाना॥ जासुभवनसुरतरुजोहोई॥
सहकिदरिद्रजनितदुषसोई॥ शशिभूषणअसिहृदयविचा
री॥ हरहुनाथममसतिभ्रमभारी॥ प्रभुजेमुनिपरमारथवादी
कहहिरामकहुंब्रह्मअनादी॥ शेषसारदावेदपुराना॥ सक
लकरहिरघुपतिगुणगाना॥ तुह्मपुनिरामरामदिनराती॥
सादरजपहुअनंगाराती॥ रामसुअवधनृपतसुतसोई॥ की
अजअगुणअलषगतिकोई॥ दोहरा॥ जोनृपतनयतब्रह्म
किम॥ नारिविरहिमतिभोरि॥ देषचरितमहिमांसुनत॥ भ्रम
तिवुद्धिअतिमोर॥ १२९॥ चौपई॥ जौअनीहव्यापकविभुको
ऊ॥ कहहुवुझाइनाथमहिसोऊ॥ अज्ञजानिरिसउरजनिध
रहु॥ जिहंविधमोहमिटैसोकरहु॥ मैंवनदीषरामप्रभुताई॥
अतिभयविकलनतुह्महिसुनाई॥ तदपिमलिनमनवो।

॥ तु ॥ रा ॥ निवंद्द ॥ १२६ ॥ चौपई ॥ हरिहरविमुखधर्मरतिनांही ॥ तेनरत
॥ बा ॥ हिसुपनिहुनहिजांही ॥ तिहगिरिपरिवटुविटपविशाला
॥ ३६ ॥ नितनूतनसुंदरसवकाला ॥ त्रिविधसमीरसुशीतलछाया
शिवविश्रामविटपश्रुतिगाया ॥ एकवारतिहतरप्रभुगयो
तरुविलोकउरअतिसुषभयो ॥ निजकरडासिनागरिपु
छाला ॥ वैठेसहजहिशंभुकृपाला ॥ कुंदइंदुदरगोरशरीरा
भुजप्रलंवपरिधनमुनि ॥ तरुणारुणांबुजसमचरणा
नषदुतिभगतहृदयतमहरणा ॥ भुजंगभूतिभूषणत्रिपु
रारी ॥ आननसरदचंदछविहारी ॥ दोहरा ॥ जटामुकटसु
रसरितसिर ॥ लोचनललितविशाल ॥ नीलकंठलावण्य
निधि ॥ सोहवालविधुभाल ॥ १२७ ॥ चौपई ॥ वैठेसोहकाम
रिपुकैसे ॥ धरेशरीरशांतिरसजैसे ॥ पारवतीभलअवसर
जानी ॥ गईशंभुपहिमातुभवानी ॥ जानिप्रियाआदरअ
तिकीन्हा ॥ वामभागआसनुहरदीन्हा ॥ वैठीशिवसमीपह
रषाई ॥ पूर्वजन्मकथाचितआई ॥ पतिहियहेतुअधिकअ
नुमांनी ॥ विहसिउमांवोलीप्रियवांनी ॥ कथाजुसकललो
कहितकारी ॥ सोपूछनचहशैलकुमारी ॥ विश्वनाथमम ॥ ३६

नाथपुरारी॥ त्रिभुवनुमहिमांबिदततुह्मारी॥ चरअरुअचरना
गअरुदेवा॥ सकलकरहिपदपंकजसेवा॥ दोहरा॥ प्रभुसम
र्थसर्वज्ञसिव॥ सकलकलागुणधाम॥ योगज्ञानवैराग्यनिधि
प्रणतकल्पतरुनाम॥ १२८॥ चौपई॥ जौमोपरप्रसंन्नसुषरा
सी॥ जानीयसत्यमोहिनिजदासी॥ तौप्रभुहरहमोरअज्ञाना
कहिरघुनाथकथाविधनाना॥ जासुभवनसुरतरुजोहोई॥
सहकिदरिद्रजनितदुषसोई॥ शशिभूषणअसिहृदयविचा
री॥ हरहुनाथममसतिभ्रमभारी॥ प्रभुजेमुनिपरमारथवादी
कहहिरामकहुंब्रह्मअनादी॥ शेषसारदावेदपुराना॥ सक
लकरहिरघुपतिगुणगाना॥ तुह्मपुनिरामरामदिनराती॥
सादरजपहुअनंगआराती॥ रामसुअवधनृपतसुतसोई॥ की
अजअगुणअलषगतिकोई॥ दोहरा॥ जोनृपतनयतब्रह्म
किम॥ नारिविरहमतिभोरि॥ देषचरितमहिमासुनत॥ भ्रम
तिबुद्धिअतिमोर॥ १२९॥ चौपई॥ जोअनीहव्यापकविभुको
ऊ॥ कहहुबुझाइनाथमुहिसोऊ॥ अज्ञजानरिसउरजनिध
रहु॥ जिहविधमोहमिटैसोकरहु॥ मैंवनदीषरामप्रभुताई
अतिभयविकलनतुह्महिसुनाई॥ तदपिमलिननमनबो।

॥तु॥रा॥ धन्नन्यावा॥ सोफलभलीभांतिहमपावा॥ अजहूंकछुक॥
॥वा॥ संसयमनमोरे॥ करहुकृपाविनवौकरजोरे॥ प्रभुतवमोहि
॥३७॥ वहुभांतिप्रवोधा॥ नाथसुसमझिकरहुजिनक्रोधा॥ तवक
रअसविमोहअवनांही॥ रामकथापररुचिमनमांही॥ क
हहुपुनीतरामगुणगाथा॥ भुजंगनाथभूषणसुरनाथा॥
दोहरा॥ वंदौपदधरिधरणिसिर॥ विनयकरौंकरजोर॥ व
रनोंरघुपतिविशदजस॥ श्रुतिसिद्धांतनिचोर॥ ३०॥ चौपई॥
यदपियोषितानहिंअधिकारी॥ दासीमनक्रमवचनतु
म्हारी॥ गूढौतत्वनसाधदुरावहि॥ आरतिअधिकारीजह
पावहि॥ अतिआरतिपूछौंसुरराया॥ रघुपतिकथाकह
हुकरिदाया॥ प्रथमसुकारनकहहुपुरारी॥ निर्गुणब्रह्म
सगुणवपुधारी॥ पुनिप्रभकहहुरामअवतारा॥ वालच
रितपुनकहहुउदारा॥ कहहुजथाजानुकीविवाही॥ रा
जतजाकोरणकाही॥ वनवसिकीन्हेचरितअपारा॥ कह
जिम हुनाथंमरावणमारा॥ राजवैठकीन्हीवहुलीला॥ सकल
कहहुसंकरसुषशीला॥ दोहरा॥ वहुरिकहहुकरुनाय
तनकीन्हजुअचरजराम॥ प्रजासहितरघुवंशमणि॥ कि ॥३७॥

भगवंतनिजधाम॥१३१॥ चौपई॥ मुनिसबकहहुसुतत्तबषा
नी॥ जिन्हबिज्ञानमगनमुनिज्ञानी॥ भगतिज्ञानबिज्ञानबिरा
गा॥ पुनिसबबरनौसहितबिभागा॥ औरौरामरहस्यअनेका॥
कहहुनाथअतिबिमलबिबेका॥ जोप्रभमैंपूछानहिंहोई॥
सोदयालराषहुजिनगोई॥ तुम्हत्रिभुवनगुरुबेदबषाना॥
आनजीवपांवरकाजाना॥ प्रस्नउमाकेसहजसुहाए॥ छल
बिहीनसुनिशिवमनभाए॥ हरहीयरामचरित्तसबआए॥
प्रेमपुलकलोचनजलछाए॥ श्रीरघुनाथरूपउरआवा॥ प
रमानंदपरमसुषपावा॥ दोहरा॥ मगँध्यानरसदंडजुग॥ पु रा५
निमनुबाहरकीन्ह॥ रघुपतिचरितमहेसतब॥ सादरबरनै
लीन्ह॥१३२॥ चौपई॥ झूठेसत्यजाहिबिनुजाने॥ जिमभुयंग
बिनुरजुपहिचाने॥ जिहजानेजगुजाइहिराई॥ जागेजथास
पनभ्रमिजाई॥ बंदौबालरूपसोरामू॥ सबसिद्धसुलभजप
तजिसुनामू॥ मंगलभवनअमंगलहारी॥ द्रवहुसुदसरथ
अजिरबिहारी॥ करिप्रणामरामहित्रिपुरारी॥ हरषसुधा॥
समगिराउचारी॥ धन्यधन्यगिरराजकुमारी॥ तुम्हसमान॥
नहिंकोहितकारी॥ पूछेहुरघुपतिकथाप्रसंगा॥ सकल॥

॥तु॥रा॥ लोकजसपावनगंगा॥ तुम्हरघुवीरचरणअनुरागी॥ कीन्हा।
॥बा॥ वप्रस्नजगतहितलागी॥ दोहरा॥ रामकृपातेपारवति॥ सप
॥३८॥ निहुतवमनमांहि॥ शोकमोहसंदेहभ्रम॥ ममविचारकछु
नांहि॥१३३॥ चौपई॥ तदपिअशंकाकीन्हेउसोई॥ कहतसुन
तसबकरहितहोई॥ जिन्हहरिकथासुनीनहिकांना॥ श्रव
णरंध्रअहिभवनसमाना॥ नयनन्हसंतदरसनहिदेषा॥
लोचनमोरपंषकरिलेषा॥ तेसिरकटतुंवरसमतूला॥ जे
ननिमतहरिगुरुपदमूला॥ जिन्हहरिभगतहृदैनहिआं
नी॥ जीवतसवसमानतेप्रांनी॥ जोनहिकरहिरामगुणगा
ना॥ जीहसुदादरजीहसमाना॥ कुलिशकठोरनिठुरसोछा
ती॥ सुनहरिचरतनजोहरषाती॥ गिरजासुनहुरामकैली
ला॥ सुरहितदनुजविमोहनशीला॥ दोहरा॥ रामकथासुर
धेनुसम॥ सेवतसवसुषदांन॥ संतसभासुरलोकसम॥ को
नसुनैअसजांन॥१३४॥ चौपई॥ रामकथासुंदरकरतारी॥ सं
शयविहगउडावनहारी॥ रामकथाकलिविटपकुठारी॥
सादरसुनगिरराजकुमारी॥ रामनांमगुनचरितसुहाए॥ ज
नमकरमअगनितश्रुतिगाए॥ जथाअनंतरामभगवाना॥ ॥३८॥

तथा कथा कीरति गुण ग्राना॥ तदपि जथा स्रुति जसि मति मो
री॥ कहिहौ देखि प्रीति अति तोरी॥ उमा प्रस्न तव सहज सुहाए
सुषद संत संमत मुहि भाए॥ एक बात नहि मोहि सुहानी॥ य
दपि मोह बस कहिहु भवानी॥ तुम्ह जो कहा राम कोउ आना॥
जिहि स्रुति गाव धरहि मुनि ध्याना॥ दोहरा॥ कहहि सुनहि
अस अधम नर॥ ग्रसे जु मोहि पिसाच॥ पाषंडी हरि पद विमुष
जान्हहि झूठ न साच॥ १३५॥ चौपई॥ अज्ञ अकोविद अंध अ
भागी॥ काई विषय मुकर मन लागी॥ लंपट कपटी कुटिल
विशेषी॥ सपनिहु संत सभा नहि देषी॥ कहहि ते वेद असंम
त वानी॥ जिन्ह के सूझ लाभ नहि हानी॥ मुकर मलिन अरु न
यन विहीना॥ राम रूप देषहि किमि दीना॥ जिन्ह के अगुण
न सगुण विवेका॥ जल्पहि कल्पित वचन अनेका॥ हरिमाया
वस जगत भ्रमांही॥ तिन्हे कहत कछु अघटत नांही॥ वातु
ल भूत विवस मतवारे॥ ते नहि वोलहि वचन विचारे॥ जिन्ह
कृत महा मोह मद पानां॥ तिन्ह कर कहा करिय नहि कानां॥
सोरठा॥ अस निज हृदय विचारि॥ तजि संशय भजु राम पद
सुन गिरराज कुमारि॥ भ्रम तम रवि कर वचन मम॥ १३६॥ चौ

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥३९॥

सगुणहिअगुणहिनहिकछुभेदा॥गावहिमुनिपुराणबुध
वेदा॥अगुणअरूपअलषअजजोई॥भक्तप्रेमवसिसगण
सुहोई॥जोगुणरहितसगुणसोकैसे॥जलहिमउपलविल
गनहिजैसे॥जासुनामभ्रमतिमिरपतंगा॥तिहिकिमिक
हियविमोहप्रसंगा॥रामसच्चिदानंददिनेसा॥नहितहंमो
हनिशालवलेसा॥सहजप्रकासरूपभगवाना॥नहितहि
पुनविज्ञानविहाना॥हरषविषादज्ञानअज्ञाना॥जीवधर
मअहमितिअभिमाना॥रामब्रह्मव्यापकजगजाना॥पर
मानंदपरेसपुराना॥दोहरा॥पुरुषप्रसिद्धप्रकाशनिधि॥
प्रगटपरावरनाथ॥रघुकुलमणिममस्वामिसो॥कहिशि
वनायोमाथ॥१२७॥चौपई॥निजभ्रमनहिसमुझैअज्ञानी
प्रभुपरमोहधरहिजडप्रानी॥यथागगनघनपटलनिहा
री॥ढापियोभानुकहयकुविचारी॥चितवजुलोचनअंगु
लिलाए॥प्रगटयुगलशशितिहकेभाए॥उमारामविषइ
कअसमोहा॥नभतमधूमधूरिजिमसोहा॥विषयकरनसु
रजीवसमेता॥सकलएकतेएकसचेता॥सवकरपँमप्रका र
शकजोई॥रामअनादिअवधपतिजोई॥जगतप्रकास्यप्र ॥३९॥

काशिकरामं॥ मायाधीसज्ञानगुणधामं॥ जासुसत्यतातेज
डमाया॥ भाससत्यइवमोहसहाया॥ दोहरा॥ रजतसीपम
हभासजिमि॥ जथाभानुकरवार॥ यदपिमृषातिहुंकालसो
भ्रमनसकैकोटार॥ ३८॥ चौपई॥ इहविधिजगहरिआश्रि
तरहई॥ तदपिअसत्यदेतदुखअहई॥ जौसपनेसिरकाटैको
ई॥ बिनजागेनदूरिदुखहोई॥ जासुकृपाअसभ्रममिटजाई
गिरिजासोकृपालरघुराई॥ आदिअंतकोजासुनपावा॥ म
तिअनुमाननिगमअसगावा॥ बिनुपदचलैसुनैबिनुका
नां॥ करबिनकर्मकरैबिधनांनां॥ आननरहितसकलरस
भोगी॥ बिनुबांनीवकतावरयोगी॥ तनबिनपरसनयनबि
नुदेखा॥ ग्रहैघ्राणबिनुवासुविशेषा॥ अससबभांतिअलौ
किककरनी॥ महिमांजासुजाइनहिवरनी॥ दोहरा॥ जिह
इमगावहिवेदबुध॥ जाहिधरैमुनिध्यान॥ सोदसरथसुत
भगतहित॥ कोशलपतिभगवान॥ ३९॥ चौपई॥ राम
कांशीमरतजंतअवलोकी॥ जासुनामबलकरोंविशोकी॥
सोप्रभमोरचराचरस्वामी॥ रघुवरसवउरअंतरजांमी॥ विव
सहुंजासुनामनरकहही॥ जन्मअनेकरचतअघदहही

सादरसुमिरनजेनरकरहीं॥ भववारिधगोपदइवतरहीं॥ राम
सुपरमात्मभवानी॥ तहंभ्रमअतिअविहततववानी॥ अस
संशयआनतउरमांहीं॥ ज्ञानविरागसकलगुणजांहीं॥ सुन
शिवकेभ्रमभंजनवचना॥ मिटगौसवकुतर्ककैरचना॥ भैई
रघुपतिपदप्रीतिप्रतीती॥ दारुणअसंभावनावीती॥ दोहरा
पुनपुनप्रभुपदकमलगहि॥ जोरिपंकरुहपाणि॥ वोली।
गिरजावचनवर॥ मनहुप्रेमरससानि॥ १४०॥ चौपई॥ ससि
करसमसुनिगिरातुह्मारी॥ मिटामोहसरदातपभारी॥ तुह्म
कृपालसवसंशयहरियो॥ रामस्वरूपजानमुहिपरियो॥
नाथकृपाअवगयोविषादा॥ सुखीभईप्रभुचरणप्रसादा॥
अवमुहिआपनिकिंकरिजानी॥ जदपिसहजजडहिनारि
अयानी॥ प्रथमहिमैपूछासोकहहू॥ जोमोपरप्रसंन्नप्रभु
अहहू॥ रामब्रह्मचिन्मयअविनाशी॥ सर्वरहितसवउरपु
रवासी॥ नाथधरियोनरतनकिहहेतू॥ मुहिसमझाइक
होवृषकेतू॥ उमावचनसुनपरमविनीता॥ रामकथापर
प्रीतिप्रतीता॥ दोहरा॥ हीयहरषकामारितव॥ शंकरसह
जसुजान॥ वहुविधिउमहिप्रसंसपुनि॥ वोलेकृपानिधान॥

सुनसुभकथाभवानि॥रामचरितमानसविमल॥कहाभुसुंड
वषांन॥सुनविहंगनायकगरुड॥१४१॥सोरठा॥सोसंवादउदा
र॥जिहविधभाआगेकहव॥सुनहुरामअवतार॥चरितपरम
सुंदरअनघ॥१४२॥सोरठा॥हरिगुणनामअपार॥कथारूप
अगणितअमित॥मैंनिजमतिअनुहार॥कहौंउमासादरसु
नहु॥१४३॥चौपई॥सुनगिरजाहरिचरितसुहाए॥विपुलवि
सदनिगमागमगाए॥हरिअवतारहेतुजिहहोई॥इदमित्थं
कहिजाइनसोई॥रामअतर्कबुधिमनवांनी॥मतिहमारिअ
ससुनहुसयानी॥तदपिसंतमुनिवेदपुराना॥जसकछुकहै
सुमतिअनुमाना॥तसमैंसुमुषसुनावौंतोही॥समुझिपरैज
सकारनमोही॥जवजवहोइधरमकेहानी॥वाढहिअसुरअ
धमअभिमानी॥करहिअनीतिजाइनहिवरनी॥सीदहिविप्र
धेनुसुरधरिनी॥तवतवधरिप्रभविविधशरीरा॥हरहिकृपानि
धसज्जनपीरा॥दोहरा॥असुरमारथापहिसुरन्ह॥राषहिनि
जश्रुतिसेत॥जगविस्तारहिविसदजस॥रामजनमकरिहेतु
१४४॥चौपई॥सोजसगाइभगतभवतरहीं॥कृपासिंधुजनहि
ततनुधरहीं॥रामजनमकेहेतुअनेका॥परमविचित्रएकतेएका॥

॥तु॥ रा॥ जन्म एक दुइ कहौं बषानी॥ सावधान सुन सुमति भवानी॥ द्वार
॥वा॥ पाल हरि के प्रिय दोई॥ जय अरु विजय जांन सब कोई॥ विप्र
॥४१॥ श्राप तें दोनों भाई॥ तामस असुर देह तिन्ह पाई॥ कनककसिपु
अरु हाटकलोचन॥ जगत विदित सुरपति मद मोचन॥ विजई
समर वीर विष्याता॥ धरि वराह वपु एक निपाता॥ ह्वै नरहर दूस
र पुन मारा॥ जन प्रहिलाद सुजस विस्तारा॥ दोहरा॥ भए निशा
चर जाय तव॥ महावीर वलवान॥ कुंभकरण रावण सुभट॥
सुर विजई जग जांन॥१४५॥ चौपई॥ मुक्ति न भए हते भगवाना॥
तीन जन्म द्विज वचन प्रमाना॥ एक वार तिन्ह के हित लागी॥
धरियो शरीर भक्ति अनुरागी॥ कश्यप अदिति तहां पितु माता
दशरथ कौशल्या विष्याता॥ एक कल्प इह विधि अवतारा॥ च
रित विचित्र कीए संसारा॥ एक कल्प सुर देष दुषारे॥ समर जलं
धर सन सव हारे॥ शंभु कीन संग्राम अपारा॥ दनुज महावल
४मु मरे न मारा॥ परम सती असुराधिप नारी॥ तिह वल ताहि न जित्त
हि पुरारी॥ दोहरा॥ छल करि टार्यो तासु व्रत॥ प्रभ सुर कारज
कीन्ह॥ जव तिह जान्यो मरम तव॥ श्राप कोप करि दीन्ह॥१४६॥
चौपई॥ तासु श्राप हरि कीन्ह प्रमाना॥ कौतकनिधि कृपाल ॥४१॥

भगवाना॥ तहां जलंधर रावण भयो॥ रण हति राम परम पद द्द।
यो॥ एक जन्म कर कारण एहा॥ जिहि लगि राम धरी नर देहा॥ प्र
ति अवतार कथा प्रभु केरी॥ सुनु मुनि बरनी कबिन घनेरी॥ ना
रद श्राप दीन्ह एक बारा॥ कल्प एक तिहि लगि अवतारा॥ गिरि
जा चकित भई सुनि बानी॥ नारद बिस्नु भगत पुन ज्ञानी॥ कार
ण कवन श्राप मुनि दीनां॥ का अपराध रमापति कीनां॥ यह
प्रसंग मुहि कहहु पुरारी॥ मुनि मन मोह आचरज भारी॥ दोहा॥
बोले बिहसि महेस तब॥ ज्ञानी मूढ न कोइ॥ जब जिहि रघुबर क
रहि जस सो तस तिहि छिण होइ॥ १४७॥ सोरठा॥ कहों राम गुण
गाथ॥ भारद्वाज सादर सुनहु॥ भव भंजन रघुनाथ॥ भजु तुलसी
मद मान तजि॥ १४८॥ चौपई॥ हिमगिरि गुहा एक अति पावन
बह समीप सुरसरित सुहावन॥ आश्रम परम पुनीत सुहावा।
देखि देवरिषि मन अति भावा॥ निरखि सैल सरि बिपिन बिभागा
भयो रमापति पद अनुरागा॥ सुमिरत हरहि श्राप गति बाधी।
॥ ज सहज बिमल मन लागि समाधी॥ मुनि गति देखि सुरेस डराना।
कामहि बोल कीन्ह सनमाना॥ सहित सहाइ जाहु मम हेतू
चल्यो हरषि हिय जलचर केतू॥ सुनहु उमा सुरपति मनि त्रासा

॥तु॥रा॥ बहुतदेवरिषममसुरवासा॥जेकामीलोलपजगमांही॥कुटि।
॥बा॥ लकाकइवसवहिडरांही॥दोहरा॥सूषहाडलेभागसठस्वान
॥४२॥ निरषमगराज॥छीनलेइजनजानजड॥तिमसुरपतिहिन।
लाज॥१४८॥चौपई॥तिहआश्रमहिमदनजवगयो॥निज।
मायावसंतनिर्मयो॥कुसुमितविवधविटपवहुरंगा॥कूज।
हिकोलिलगुंजतभृंगा॥वलीसुहावनीत्रिविधवयारी॥
कामकृसानुवढावनिहारी॥रंभादिकसुरनारिनवीना॥स।
कलगानसुरकलाप्रवीना॥करहिगानवहुतानतरंगा॥व
हुविधक्रीडहिपाणिपतंगा॥देषसहायमदनहरषाना॥।
कीन्हिसिप्रनप्रपंचविधिनाना॥कामकलाकछुमुनहिन
वियापी॥निजभयडरियोमनोभवपापी॥सीमकिचापिस
केकोतास॥वडरषवाररमापतिजास॥दोहरा॥सहितसहा
इसभीतअति॥मानिहारिमनमेन॥गहिसिजाइपुनिमुनि
चरन॥कहिसुठिआतरवेन॥१४९॥चौपई॥भयोननारदन
मनकछुरोषा॥कहिप्रियवचनकामपरितोषा॥नाइचर।
णसिरुआयसुपाई॥गयोमदनतवसहितसहाई॥मुनि।
सुशीलताआपनिकरनी॥सुरपतिसभाजाइसववरनी॥। ॥४२

सुनिसवकेमनअचरजआवा॥मुनहिप्रसंसिहरिहिसिरना
वा॥तवनारदगवनेशिवपाही॥जिताकामअहमितमनमा
ही॥मारचरितशंकरहिसुनाए॥अतिप्रियजानमहेससिषाए
वारवारमुनविनवौंतोही॥जिमयहकथासुनाइहुमोही॥ति
मिजिनिहरहिसुनाइहुकवहू॥चलिहुप्रसंगदुराइहुतवहू॥
दोहरा॥शंभुदीन्हउपदेसहित॥नहिनारदहिसुहान॥भारा
द्वाजकौतकसुनहु॥हरिइछावलवान॥१५०॥चौपई॥रामकी
न्हचाहहिसोहोई॥करैअन्यथाअसनहिकोई॥शंभुवचन॥
मुनिमननहिभाए॥तवविरंचकेलोकसिधाए॥एकवारकर
तलकरवीना॥गावतहरिगुणगांनप्रवीना॥छीरसिंधुगवने
मुनिनाथा॥जहवस श्रीनिवासस्रुतिनाथा॥हरषमिलेउ॥
ठरमांनिकेता॥वैठेआसनरिषहिसमेता॥वोलेविहसिचरा
चरराया॥वहुदिवसन्हकीनन्हमुनिदाया॥कामचरितनार
दसवभाषे॥यद्यपिप्रथमवरजिशिवराषे॥अतिप्रचंडरघुप
तिकेमाया॥जिहनमोहअसकोजगजाया॥दोहरा॥रूषव
दनकरिमृदुवचन॥वोले श्रीभगवान॥तुह्मरेसिमरणतेमि
टहि॥मोहमारमदमान॥१५१॥चौपई॥सुनमुनिमोहहोइम

नत्ताके॥ज्ञानवैराग्तहृदेनहिंजाके॥ब्रह्मचर्यब्रतरतिमतधीरा
तुम्हकिकरैमनोभवपीरा॥नारदकह्योसहितअभिमाना॥
कृपातुम्हारिसकलभगवाना॥करुणानिधिमनदीषविचा
री॥उरअंकुरेगर्वतरुभारी॥वेगसुमैडारिहौंउखारी॥प्रनुह
मारसेवकहितकारी॥मुनकरहितमुहकौतकहोई॥अव
सउपाइकरवमैसोई॥तवनारदहरिपदसिरनाई॥चलेहृदे
अहिमितिअधिकाई।श्रीपतिनिजमायातवप्रेरी॥सुनहु
कठनकरनीतिहकेरी॥दोहरा॥विरचिहुमगमहिनगरतित
हि॥शतयोजनविस्तार।श्रीनिवासपुरतेअधिक॥रचिना
विवधप्रकार॥१५२॥चौपई॥वसहिनगरसुंदरनरनारी॥जनु
वहुमनसिजरतितनुधारी॥तिहपुरवसैशीलनिधराजा॥।
अगणितहयगयसेनसमाजा॥सतसुरेसशमविभवविला
सा॥रूपतेजवलनीतिनिवासा॥विश्वमोहनीतासुकुमारी
श्रीविमोहजिसुरूपनिहारी॥सोहरिमायासवगुणखानी
शोभातासुकिजाइवषानी॥करैस्वयंवरसोनृपवाला॥आ
एतहअगणितमहीपाला॥मुनिकौतुकीनगरतिहगयो
पुरवासिन्हसनपूछतभयो॥सुनसभचरितभूपगृहआए ॥४३

करिपूजानृपमुनिवैठारा॥दोहरा॥आनदिषाईनारदहि॥भू
पतिराजकुमारि॥कहहुनाथगुणदोषसव॥इहकेहृदयवि।
चारि॥१५३॥चौपई॥वडीवारलगिरहिनिहारी॥देषरूपमु
निविरतिविसारी॥लछणतासुविलोकिभुलाने॥हृदयहरष
नहिप्रगटवषाने॥जोइहवरैअमरसोहोई॥समरभूमितिह
जीतनकोई॥सेवहिसकलचराचरताही॥वरैशीलनिधिकं
न्याजाही॥लछणसवविचारउरराषे॥कछुकवनाइभूपस।
नभाषे॥सुतासुलछणकहिनृपपाही॥नारदचलेसोचमन
माही॥करोंजाइसोजतनविचारी॥जिहप्रकारमुहिवरैकु।
मारी॥जपतपकछुनहोइइहकाला॥हेविधिमिलैकवनवि
धवाला॥दोहरा॥इहअवसरचाहियपरम॥सोभारूपवि।
शाल॥जोविलोकरीझैकुअर॥तवमेलैजयमाल॥१५४॥चौ
हरिसनमांगोसुंदरताई॥होइहिजातगरुअतिभाई॥मोरे हप
८हि हितहरिसमनकोऊ॥इहअवसरसहाइसोहोऊ॥वहुवि।
धविनैकीन्हतिहकाला॥प्रगटेप्रभकौतुकीकृपाला॥प्र।
भुविलोकमुनिनयनजुडाने॥होइहकाजहृदेहरषाने॥
अतिआरतिकहिवचनसुनाए॥करहुकृपाकरिहोइसहाए॥

॥तु॥रा॥ आपनरूपदेहुहरिमोही॥आनभांतनहिपावौंओही॥जिहि
॥बा॥ विधिनाथहोइहितमोरा॥करहुवेगदासुमैंतोरा॥निजमा
॥४८॥ यावलदेषिविशाला॥हियहसवोलेदीनदयाला॥दोहरा॥
जिहिविधिहोइहिपरमहित॥नारदसुनहुतुह्मार॥सोहम
करवनआनकछु॥वचननमृषाहमार॥१५५॥चौपई॥कु
पथमांगरुजव्याकुलरोगी॥वैदनदेइसुनहुमुनियोगी॥इ
हिविधिहितुतुह्मारमैंठयो॥कहिअसअंतरहितप्रभभयो॥
मायाविवसभएमुनिमूढा॥समुझीनहिहरिगिरानिगूढा॥
गवनेतहांतुरतमुनिराई॥जहांस्वयंवरभूमिवनाई॥निज
निजआसनवैठेराजा॥वहुवनावकरिसहितसमाजा॥मुनि
मनहरषरूपअतिमोरे॥मुहितजिआनहिवरहिनभोरे॥
मुनिहितकारणकृपानिधाना॥दीन्हकुरूपनजाइवषाना॥
सोचरित्रलषकाहुनपावा॥नारदजानसवहिसिरुनावा॥
दोहरा॥रहेतहांदुइशंभुगण॥तेजानहिसभभेउ॥विप्रवेषदे
षतफिरहि॥परमकौतुकीतेउ॥१५६॥चौपई॥तिहसमाज
वैठेमुनिजाई॥हृदेरूपअहमितिअधिकाई॥तहवैठेमहे
सगणदोऊ॥विप्रवेषगतिलषैनकोऊ॥करहिकूटनारद ॥४८॥

हिसुनाई॥ नीकदीन्हहरिसुंदरताई॥ रीझहिराजकुअरिछबिवि
देषी॥ इन्हहिवरहिहरिजानविसेषी॥ मुनिहिमोहमनहाथप
राए॥ हसहिसंभुगणअतिसचुपाए॥ जदपिसुनहिमुनिअ
टपटवानी॥ समुझनपरैबुद्धिभ्रमसानी॥ काहुनलषासुचरि
तविसेषा॥ सोसरूपनृपकंन्यादेषा॥ मर्कटवदनभयंकरदे
ही॥ देषतहृदयक्रोधभातेही॥ दोहरा॥ सषीसंगलैकुअरितव
चलिजनुराजमराल॥ देषतिफिरैमहीपसव॥ करसरोजजैमा
ल॥१५१॥ चौपई॥ जिहदिसिवैठेनारदफूली॥ सोदिसितिहन
विलोकेभूली॥ पुनपुनमुनिउकसहिअकुलाही॥ देषदसा
हरगणमुसकाही॥ धरिनृपतनुतहगएकृपाला॥ कुअरह
रषिमेलीजयमाला॥ दुलहनिलैगेलछिनिवासा॥ नृपस
माजसवभयोनिरासा॥ मुनिअतिविकलमोहमतिनाठी॥
मणिगिरगईछूटिजनुगाठी॥ तवहरगणवोलेमुसकाई॥
निजमुषमुकरविलोकहुजाई॥ असकहिदोउभागेभयभा
री॥ वदनदेषिमुनिवारिनिहारी॥ वेषविलोकिक्रोधअतिवा
ढा॥ तिन्हहिश्रापदीन्हाअतिगाढा॥ दोहरा॥ होहुनिशाच
रजाइतुम्ह॥ कपटीपापीदोउ॥ हसिहुहमहिसोलेहुफल।

॥तु॥रा॥ बहुरिहसहुमुनिकोउ॥१५८॥चौपई॥पुनिजलदीखरूपनि
॥बा॥ जपावा॥तदपिहृदयसंतोषनआवा॥फरकतअधरकोपमु
॥५५॥ नमांही॥सपदिचलेकमलापतिपांही॥देहौंश्रापकिमरिहौं
जाई॥जगतमोरउपहासकराई॥बीचहिंपंथमिलेदनुजारी
संगरमासोराजकुमारी॥बोलेमधुरवचनसुरसांई॥मुनिक
हंचलेबिकलकीनांई॥सुनतवचनउपजाअतिक्रोधा॥मा
याबसिनरहामनबोधा॥परसंपदासकहुनहिंदेषी॥तुमरे
इरषाकपटबिसेषी॥मथतसिंधुरुद्रहिबौरायहु॥सुरन्हप्रे
रिबिषपांनकरायहु॥दोहरा॥असुरसुराबिषसंकरहि॥आ
परमांमणिचारु॥स्वारथसाधककुटिलतुम्ह॥सदाकपटब्य
वहारु॥१५९॥चौपई॥परमस्वतंत्रनसिरपरकोई॥भावै
मनहिकरहुतुम्हसोई॥भलेहिमंदमंदहिभलकरिहू॥बि
समयहरषनकछुउरधरहू॥डहकिडहकिपरचिहुसबा
काहू॥अतिअसंकमनसदाउछाहू॥कर्मसुभासुभतुम्ह
हिनबाधा॥अबलगतुम्हेनकाहूसाधा॥भलेभवनअब
बाइनदीन्हा॥पावहुगेफलआपनकीन्हा॥बंचिहुमोहि
जवनिधरिदेहा॥सोतनुधरहुश्रापममएहा॥कपिआकृ ॥५५॥

तिनुसरिकीन्हहमारी॥ करहहिकीमसहाइतुम्हारी॥ ममअप
कारकीन्हतुमभारी॥ नारिबिरहतुम्हहोबदुखारी॥ दोहरा॥
श्रापसीसधरिहरषिहीय॥ प्रभबहुबिनतीकीन्ह॥ निजमाया
कैप्रबलता॥ करषिकृपानिधलीन्ह॥ १३७॥ चौपई॥ जबहरि
मायादूरिनिवारी॥ नहितहरमांनराजकुमारी॥ बोलेमधुरब
चनसुरसाई॥ भलीकीन्हतुम्हआइगुसाई॥ तबमुनिअति
सभीतहरिचरना॥ गहेपाहिप्रणतारतिहरणा॥ मृषाहोइ
ममश्रापकृपाला॥ ममइछाकहदीनदयाला॥ मैदुर्वचनक
हेबहुतेरे॥ कहमुनिपापमिटहिकिमिमेरे॥ जपहुजाइशंक
रसतनामा॥ होइहिहृदयतुरतविश्रामा॥ कोनहिशिवसमां
नप्रियमोरे॥ असिपरतीततजहुजनभोरे॥ जिहपरकृपानक
रहिपुरारी॥ सोनपावमुनभक्तिहमारी॥ असउरधरिमहिवि
चरहुजाई॥ अबनतुम्हहिमायानियराई॥ दोहरा॥ बहुवि
धमुनहिप्रबोधप्रभ॥ तबभैअंतरध्यांन॥ सत्यलोकनारद
चले॥ कहतरामगुणगान॥ १३८॥ चौपई॥ हरगणमुनहिजा
तपथदेखी॥ विगतमोहमनहरखविशेखी॥ अतिसभीतना
रदपहिआए॥ गहिपदआरतवचनसुनाए॥ हरगणहमन

तु॥रा॥
॥वा॥
॥४६॥
श्री

विप्रमुनराया॥बडअपराधकीन्हफलपाया॥श्रापअनुग्र
हकरहुकृपाला॥वोलेनारददीनदयाला॥निशाचरजाइहो
हुतुमदोऊ॥वैभवविपुलतेजवलहोऊ॥भुजवलविश्वजि
तवतुम्हजवही॥धरिहहिविस्नुमनुजतनुतवही॥समरम
रणहरिहाथतुम्हारा॥होइहहुमुक्तिनपुनसंसारा॥चलेजु
गलमुनिपदसिरुनाई॥भएनिशाचरकालहिपाई॥दोहा
एककल्पइहहेतुप्रभ॥लीन्हमनुजअवतार॥सुररंजनस
ज्जनसुषद॥हरिभंजनभूंभार॥१३९॥चौपई॥इहिविधिज
नमकरमहरिकेरे॥सुंदरसुषदविचित्रघनेरे॥कल्पकल्पप्र
तिप्रभुअवतरही॥चारुचरितनानाविधकरही॥तवतवक
थामुनीसन्हगाई॥परमपुनीतिप्रवंधवनाई॥विविधप्रसं
गअनेकवषाने॥करहिनसुनिआचरजसयाने॥हरिअनंत
हरिकथाअनंता॥कहहिसुनहिवहुविधसवसंता॥राम
चंद्रकेचरितसुहाए॥कल्पकोटिलगिजाहिनगाए॥यहप्र
संगमैकहाभवानी॥हरिमायामोहेमुनिज्ञानी॥प्रभकौतु
कीप्रणतहितकारी॥सेवतसुलभसकलदुषहारी॥सोरठा
सुरनरमुनिकोऊनाहि॥जिहनमोहमायाप्रवल॥असि। ॥४६

विचारिमनमहि॥ भजियमहामायापतिहि॥१६३॥ चौपई॥
अपरहेतुसुनसैलकुमारी॥ कहौविचित्रकथाविस्तारी॥ जि
हकारनअजअगुनअनूपा॥ ब्रह्मभयोकोसलपुरभूपा॥ जो
प्रभुविपनफिरततुमदेषा॥ वंधुसमेतधरेमुनिवेषा॥ जासु
चरितअवलोकिभवानी॥ सतीसरीररहिहुबौरानी॥ अजहु
नछायामिटीतुह्मारी॥ तासुचरितसुनभ्रमरुजहारी॥ लीला
कीन्हजतिहिंअवतारा॥ सोसवकहिहूंमतिअनुसारा॥ भार
द्वाजसुनिशंकरवानी॥ सकुचिसप्रेमउमामुसकानी॥ लगे
वर वहुरिनैवृषकेतू॥ सोअवतारभयोजिन्हहेतू॥ दोहरा॥ सोमै
तुह्मसनकहोसव॥ सुनमुनीसमनुलाइ॥ रामकथाकलि
मलिहरनिमंगलकरनिसुहाइ॥१६४॥ चौपई॥ स्वयंभूम
नअरुसतरूपा॥ जिन्हतेभैनरसृष्टिअनूपा॥ दंपतिध
रमआचरननीका॥ अजहंगावतश्रुतितिन्हलीका॥ नृप
उत्तानपादसुतजासू॥ ध्रुवहरिभगतभएसुततासू॥ लघुसु
तनामप्रयाव्रततहि॥ वेदपुराणप्रसंसहिजाही॥ देवहूती
पुनतासुकुमारी॥ जोमुनिकर्दमकीप्रियनारी॥ आदिदेव
प्रभदीनदयाला॥ जठरधस्योजिन्हकपिलकृपाला॥ सांष

॥तु॥रा॥ शास्त्रजिनप्रगटवषाना॥तत्वविचारिनिपुनभगवाना॥तिन्ह
॥बा॥ मनुराज्यकीन्हवहुकाला॥प्रभआयसवहुविधप्रतिपाला॥
॥४७॥ सोरठा॥होइनविषयविराग॥भौनववसतभाचौथपन॥।
हृदयवहुतदुषलाग॥जनमगएहरिभक्तिविन॥१४५॥चौ॥
वरवसराजसुतहिनपदीन्हा॥नारिसमेतगवनवनकीन्हा॥
तीरथवरनैमिषविष्याता॥अतिपुनीतसाधकसिधदाता॥व
सहितहांमुनिसिधसमाजा॥तहहीयहरषचलेमनुराजा॥पं
थजातसोहहिमतिधीरा॥ज्ञानभक्तिजनुधरेशरीरा॥पहुचे
जाइधेनमतितीरा॥हरषनहानेनिर्मलनीरा॥आएमिल।
निसिधमुनिज्ञानी॥धर्मधुरंधरनृपरिषज्ञानी॥जहंजहंतीर
थरहेसुहाए॥मुनिन्हसकलसादरकरवाए॥कृशशरीरमु।
निपटपरिधाना॥संतसभानितसुनहिपुराना॥दोहरा॥
द्वादशाक्षरमंत्रपुन॥जपहिसहतअनुराग॥वासुदेवप
दपंकरुह॥दंपतिमनुअतिलाग॥१४६॥चौपई॥करहि
अहारुशाकफलकंदा॥सुमिरहिब्रह्मसच्चिदानंदा॥पुन
हरिहितकरन्हतपलागे॥वारिअधारमूलफलत्यागे॥उर
अभिलाषनिरंतरहोई॥देषियनयनपरमप्रभुसोई॥अ ॥४७

गुणअखंडअनंतअनादी॥ जिहचितवहिपरमारथवादी॥ ने
तनेतजिहवेदनिरूपा॥ निजानंदनिरुपाधअनूपा॥ शंभुवि
रंचिविष्नभगवाना॥ उपजहिजासुअंससुतेनाना॥ ऐसेप्रभुसे
वकवसिअहही॥ भक्तिहेतलीलातनुधरही॥ जोयहवचन
सत्यश्रुतिभाषा॥ तौहमारपूजहिअभिलाषा॥ दोहरा॥ इह
विधवीतेवरषषटसहसवारिआहारि॥ संवतसप्तसहस्रपु
नरहेसमीरअधार॥ १६७॥ चौपई॥ वरषसहससदससागियो
सोऊ॥ ठाढेरहेएकपददोऊ॥ विधिहरिहरतपदेषिअपारा॥
मनुसमीपआएबहुवारा॥ मांगहुवरवहुभांतिलुभाए॥ पर
मधीरनहिचलहिचलाए॥ अस्थिमात्रह्वैरहेशरीरा॥ तदपि
मनागमनहिकछुपीरा॥ प्रभुसर्वज्ञदासनिजजानी॥ गति
अनन्यतापसन्रपरानी॥ मांगुमांगुवरभैनभवानी॥ परम
गंभीरकृपामृतसानी॥ मृतकजियावनगिरासुहाई॥ श्रव
नरंध्रह्वैउरजवआई॥ हृष्टपुष्टतनभएसुहाए॥ मानहुअव
हिभवनतेआए॥ दोहरा॥ श्रवणसुधासमवचनसुन॥ पुल
किप्रफुल्लितगात॥ वोलेमनुकरिदंडवत॥ प्रेमनहृदयसमा
त॥ १६८॥ चौपई॥ सुनसेवकसुरतरुसुरधेनू॥ विधिहरिहर

वंदत्तपदरेनू ॥ सेवतसुलभसकलसुषदायक ॥ प्रणतपाल
सचराचरनायक ॥ जौअनाथहितहमपरनेहू ॥ तौप्रसंन्नहै
यहवरदेहू ॥ जोसरूपवसिशिवमनमांही ॥ जिहकारणमु
निजतनकरांही ॥ जोभसुंडमनमानसहंसा ॥ सगुणअगु
णजिहनिगमप्रसंसा ॥ देषहिहमसरूपभरिलोचन ॥ कृपा
करहुप्रणतारनमोचन ॥ दंपतिवचनपरमप्रियलागे ॥ मृ
दुलविनीतिप्रेमरसपागे ॥ भगतवछलप्रभकृपानिधाना
विश्ववासप्रगटेभगवाना ॥ दोहरा ॥ नीलसरोरुहनीलम
णि ॥ नीलनीरधरस्याम ॥ लाजहितनशोभानिरषकोटिको
टिशतकाम ॥ १६९ ॥ चौपई ॥ सरदमयंकवदनछविसींवा ।
चारुकपोलचिबुकदरग्रीवा ॥ अधरअरुणअतसुंदरना ।
सा ॥ विधुकरनिकरविनिंदकहासा ॥ नवअंवुजअंवुकछ
विनीकी ॥ चितवनललितभावतीजीकी ॥ भृगुटिमनोज ।
५२४ चापछविहारी ॥ तिलकललिलाटपटलदुतिकारी ॥ कुंडलम ।
करमुकटसिरभ्राजा ॥ कुटिलकेसजनुमधुपसमाजा ॥ उर
श्रीवत्सरुचिरवनमाला ॥ पदिकहारभूषणमणिजाला ॥
केहरकंधरचारुजनेऊ ॥ वाहुविभूषणसुंदरतेऊ ॥ करिक । ॥४८

रिमरिबस्नुभगभुजदंडा॥ कटिनिषंगकरसरकोदंडा॥दोहरा
तडितविनिंदकपीतपट॥उदररेखवरतीन॥नाभिमनोहरलेत
मनु॥जमुनभवरछविछीन॥२०॥चौपई॥पदराजीववरण
नहिजाहीं॥मुनिमनमधुपवसहिजिन्हमाहीं॥वामभाग
सोहतिअनुकूला॥आदशक्तिछविनिधिजगमूला॥जासु
अंसुतेउपजहिषानी॥अगणितलछुमीब्रह्माणी॥भ्रकुटि ९६
विलासजासुजगहोई॥रामवामदिशिसीतासोई॥छविसाग
रहरिरूपविलोकी॥इकटककरहेनयनपटरोकी॥चितवहि
सादररूपअनूपा॥त्रिप्तनमानहिमनुसतरूपा॥हर्षविवा
सतनदसाभुलानी॥परेदंडइवगहिपदपानी॥सिरपसप्रभ
विवकरकंजा॥तुरतउठाएकरुनापुंजा॥दोहरा॥वोलेकृपा
निधानपुनि॥अतिप्रसंन्नमोहिजान॥मांगहुवरजोभावमन
महादानअनुमानि॥२१॥चौपई॥सुनप्रभवचनजोरजुग
पानी॥धरिधीरजवोलेमृदुवानी॥नाथदेषपदकमलतुमा
रे॥अवपूरेसवकामहमारे॥एकलालसावडिउरमाहीं॥सु
गमअगमकहिजातिसुनाहीं॥तुम्हहिदेतअतिसुगमगु
साईं॥अगमलागमोहिनिजकृपनाईं॥जथादरिद्रविवुधरु

॥तु॥रा॥ तरुपाई॥ वहुसंपतिमांगतसकुचाई॥ तासुप्रभावजाननहि।
॥चा॥ सोई॥ तथाहृदयममसंशयहोई॥ सोतुम्हजानहुअंतरजामी
॥४९॥ पुरवहुमोरमनोरथस्वामी॥ सकुचविहाइमांगुनृपमोही॥।
मोरेनहिअदेइकछुतोही॥ दोहरा॥ दानशिरोमणिकृपानि
धिनाथकहोंसतिभाउ॥ चाहोंतुम्हहिसमानसुत॥ प्रभुसन
कवनदुराउ॥१७२॥ चौपई॥ देषिप्रीतिसुनिवचनअमोले॥।
एवमस्तुकरुनानिधिवोले॥ आपसरिसषोजोंकहांजाई॥।
नृपतवतनयहोवमैंआई॥ सतरूपहिविलोककरजोरे॥।
ग देविमांवरजोरुचितोरे॥ जोवरनाथचतुरनृपमांगा॥ सोकृपा
लमुहिअतिप्रियलागा॥ प्रभुपरंतुसुठहोतढिठाई॥ यदपि
भक्तिहितुतुम्हहिसुहाई॥ तुम्हब्रह्मादिजनकजगस्वामी॥।
ब्रह्मसकलउरअंतरजामी॥ अससमुझतमनसंशयहोई
कहाजुप्रभुप्रमाणपुनसोई॥ जेनिजभक्तनाथतवअहई
जोसुषपावतिजोगतिलहई॥ दोहरा॥ सोसुषसोगतिसोभ
गति॥ सोनिजचरणसनेहु॥ सोविवेकसोरहणिप्रभहम
हिकृपाकरिदेहु॥१७३॥ चौपई॥ सुनिमृदुगूढरुचिरवरच
ना॥ कृपासिंधवोलमृदुवचना॥ जोकछुरुचितुम्हरेमनमां ॥४९

ही॥ मैसुनिदीन्हसबसंशयनांही॥ मातुविवेकअलौकिकतेरे।
कबहुनमिटहिअनुग्रहमेरे॥ बंदचरणमनिकह्योबहोरी॥
अबसुनएकविनतीप्रभमोरी॥ सुतविवेकतवपदरतिहोऊ
मुहिवडमूढकहौकिनकोऊ॥ मणिविनुफणिजिमजलवि
नमीना॥ ममजीवनतिमतुह्महिअधीना॥ असवरमांगवर
णगहिरहियो॥ एवमस्तुकरुनानिधिकहियो॥ अवतुमम
मअनुसासनमांनी॥ वसहुजाइसुरपतिरजधानी॥ सोरठा
तहकरिभोगविलास॥ तातगएकछुकालपुन॥ होइहहुअ
वधभुआल॥ तवमैहोवतुह्मारसुत॥१२४॥ चौपई॥ इछामय
नरवेषसवारे॥ होइहोप्रगटनिकेततुह्मारे॥ अंसन्हसहितदे
हधरिताता॥ करिहोचरितभक्तसुषदाता॥ जेसुनसादरनर
वडभागी॥ भवतरहहिममतामदत्यागी॥ आदिशक्तिजि
हजगउपजाया॥ सोअवतरहिमोहियहमाया॥ पुरइवमै
अभिलाषतुह्मारा॥ सत्यसत्यप्रणसत्यहमारा॥ पुनिपुनिअ
सकहिकृपानिधाना॥ अंतरध्यानभएभगवाना॥ दंपति
उरधरिभक्तिकृपाला॥ तिहआश्रमनवसेकछुकाला॥ स
मेयाइतनतजअनआसा॥ जाइकीन्हअमरावतवासा॥।

॥तु॥रा॥ दोहा॥ यहइतिहासपुनीतअति॥ उमहिकहावृषकेतु॥ भ
॥वा॥ रद्वाजमुनिअपरसुन॥ रामजन्मकरहेतु॥१७५॥ चौपई॥ सु
॥५०॥ निमुनीकथापुनीतपुरानी॥ जोगिरिजाप्रतिशंभुवषानी॥
विश्वविदितइककैकयदेसू॥ सत्यकेतुतहँवसैनरेसू॥ धर्म
धुरंधरनीतिनिधाना॥ तेजप्रतापशीलवलवाना॥ तिहकेभ
एयुगलसुतवीरा॥ सवगुणधामममहारणधीरा॥ राजधनी
जेजेसुतआही॥ नामप्रतापभानुअसताही॥ अपरसुतहि
अरमर्दननामा॥ भुजवलअतुलअचलसंग्रामा॥ भाइ
हिभाइहिपरमसप्रीती॥ सकलदोषछलवर्जितप्रीती॥ जेठे
सुतहिराजनृपदीन्हा॥ हरिहितआपगवनवनकीन्हा॥ दो
जवप्रतापरविभयोनृप॥ फेरिदुहाईदेस॥ प्रजापालअति
वेदविधिकतहुनहीअघलेस॥१७६॥ चौपई॥ नृपहित
कारकसचिवसयाना॥ नामधर्मरुचिसुक्रिसमाना॥ सचि
वसयानवंधुवलवीरा॥ आपुप्रतापपुंजरणधीरा॥ सेनसं
गचतुरंगअपारा॥ अमितसुभसवसमरजुझारा॥ सेनवि
लोकिराउहरषाना॥ अरुवाजेगहगहेनिशाना॥ विजय
हेतवहुकटकवनाई॥ सुदिनसाधिनृपचलउवजाई॥ ज ॥५०

हतहयपरीक्षअनेकलराई॥ जीतेसकलभूपवरिआई॥ सप्तदीप
भुजवलवसिकीने॥ लैलैदंडछाडिनृपदीने॥ सकलअवनि
मंडलतिहकाला॥ एकप्रतापभानुमहिपाला॥ दोहरा॥ स्वा
वसुविस्वकरिवाहुवल॥ निजपुरकीन्हप्रवेश॥ अर्थधर्मका
मादिसुष॥ सेवैसमैनरेस॥ १७१॥ चौपई॥ भूपप्रतापभानुव
लपाई॥ कामधेनुभैभूमिसुहाई॥ सवदुषवर्जितप्रजासुषा
री॥ धर्मशीलसुंदरनरनारी॥ सचिवधर्मरुचिप्रभुपदप्रीती॥
नृपहितहेतुसिषावनिनीती॥ गुरुसुरसंतपितरमहिदेवा॥
करैसदानृपसवकैसेवा॥ भूपधर्मजेवेदवषाने॥ सकलकरै
सादरसुषमाने॥ दिनप्रतिदेइविविधिविधदाना॥ सुनैशास्त्र
वरवेदपुराना॥ नानावापीकूपतडागा॥ सुमनवाटिकासुं
दरवागा॥ विप्रभवनसुरभवनसुहाए॥ सवतीर्थन्हविचित्र
वनाए॥ दोहरा॥ जहलगकहेपुराणश्रुति॥ एकएकसवजा
ग॥ वारसहस्रसहस्रनृप॥ कीएसहितअनुराग॥ १७८॥ चौ॥
हृदैनकछुफलअनुसंधाना॥ भूपविवेकीपरमसुजाना॥
करैजुधर्मकर्ममनवानी॥ वासुदेवअर्पितनृपज्ञानी॥ चढि
वरिवाजवारइकराजा॥ मृगयाकरसवसाजिसमाजा॥ विंध्या

॥तु॥ रा॥ चलतगंभीरवनगयो॥ मृगपुनीतवहुमारतभयो॥ फिरतविपन
॥बा॥ नृपदीषवराहू॥ जनुवनदुरेउससिहिग्रसिराहू॥ वडविधुन
॥५१॥ हिसमातमुषमांहीं॥ मनहुक्रोधवसउगिलतनांहीं॥ कोल
करालदसनछविगाई॥ तनविशालपीवरअधिकाई॥ घुर्घु
रातहयआरौपाए॥ चकितविलोकतकानउठाए॥ दोहरा॥
नीलमहीधरशिषरसम॥ देषिविशालवराहु॥ चपरिचल्यो
हयसुटकिनृप॥ हाकनहोइनिवाहु॥ १२५॥ चौपई॥ आव
तदेषअधिकरववाजी॥ चल्योवराहमरुतगतिभाजी॥ तुर
तकीन्हनृपसरसंधाना॥ महिमिलिगयोविलोकितवाना॥
तकितकितीरमहीपचलावा॥ करिछलसुअरसरीरवचा
वा॥ प्रगटतदुरतजाइमृगभागा॥ रिसवसिभूपचाल्योसंग
लागा॥ गयोदूरघनवनहिवराहू॥ जहिनाहिनगजिवाजि
निवाहू॥ अतिअकेलवनविपुलकलेस॥ तदपिनमृगम
गतजैनरेस॥ कोलिविलोकिभूपवडधीरा॥ भागिपैठिगि
रगुहागंभीरा॥ अगमदेषनृपमोपछितांई॥ फिरयोमहाव
नपरयोभुलाई॥ दोहरा॥ षेदषिन्नछुद्धिततृषित॥ राजावा
जिसमेत॥ षोजतब्याकुलसरितसर॥ जलविनभयोअचे ॥५१॥

त॥१८०॥चौपई॥फिरतविपनआश्रमइकदेषा॥तहंवसनृप
तिकपटमुनिवेषा॥जासुदेसनृपलीन्हछडाई॥समरसेनतजि
गयोपराई॥समयप्रतापभानकरजानी॥आपनअसमयउर।
अनुमानी॥गयोनग्रहमनवहुतगिलानी॥मिलानराजहि
अतिअभिमानी॥रिसउरमारिरंकजिमराजा॥विपनवसैता।
पसिकेसाजा॥तासुसमीपगवनुनृपकीन्हा॥यहप्रतापरवि।
तिहतवचीन्हा॥राउत्रिषतनहिसोपहिचाना॥देषसुवेषमहा
मुनिजाना॥उतरतुरंगतेकीन्हप्रनामा॥परमचतुरनृपकह्यो
नमानां॥दोहरा॥भूपतत्रिषितविलोकतिहि॥सरवरदीन्ह।
दिषाई॥मज्जनपानसमेतहय॥कीन्हनृपतिहरषाइ॥१८१॥
चौपई॥गैश्रमसकलसुषीनृपभइयो॥निजआश्रमताप।
सलैगइयो॥आसनदीन्हअस्तरविजानी॥पुनितापसिवो।
लेमृदुवानी॥कोतुम्हकसवनफिरहुअकेले॥सुंदरजुवाजी
वपरिषेले॥चक्रवर्तिकेलछनतोरे॥देषतदयालागिअतिमो
रे॥नामप्रतापभानअवनीसा॥तासुसचिवमैसुनहुमुनीसा
फिरतअहेरेपरयोभुलाई॥वडेभागदेष्योपदआई॥हमकहु
दुर्लभदरसतुमारा॥जानतहोंकछुभलहुनहारा॥कहिमुनि

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥५२॥

तातभयोअंधियारा॥ योजनसत्तरनगरतहआरा॥दोहरा॥नि
शाघोरगंभीरवन॥ पंथनसकसुजांन॥ वसहुआजमसजा
नतुम्ह॥ जाइहुहोतविहांन॥१८२॥तुलसीजसभवतमता॥
तैसियमिलैसहाय॥ आपुनआवैताहिपहि॥ताहितहांलै
जाय॥१८३॥चौपई॥भलेनाथआयसुधरिसीसा॥ वांधितुरंग
तरवैठमहीसा॥ नृपवहुभांतिप्रसंसियोतांही॥ चरणवंदिनि
जभागसरांही॥ पुनिवोलेमृदुगिरासुहाई॥ जानिपिताप्रभुक
रौंढिठाई॥ मुहिमुनीससुतसेवकजांनी॥ नाथनामनिजक
होवषांनी॥ तिन्हनजाननृपनृपहिसोजाना॥ भूपसुहृदसो
कपटसयाना॥ वैरीपुनिछत्रीपुनराजा॥ छलवलकीन्हच
हैनिजकाजा॥ समुझराजसुषदुषितआराती॥ अवाअनल
इवसुलगैछाती॥ सरलवचननृपकेसुनकाना॥ वैरसंभार
हृदयहर्षाना॥दोहरा॥कपटवोरिवानीमृदुल॥ वोल्योमृदु
युक्तिसमेत॥ नामहमारभिषारिअव॥ निर्धनरहतनिकेत॥
१८३॥चौपई॥कहनृपजेविज्ञाननिधाना॥ तुम्हसारषेगलित
अभिमाना॥ सदारहेअपनेपोदुराए॥ सवविधकुशलकुवे
षवनाए॥ तिन्हतेकहहिंसंतश्रुतिटेरे॥ परमअकिंचिनप्रय ॥५२

हरिकेरे॥ तुम्हसमअमधनभिषारिअगेहा॥ होतविरंचिशिवहि
मंदेहा॥ जोमिसिमोमितवचरणनमामी॥ मोपरकृपाकरियअब
स्वामी॥ सहजप्रीतिभूपतिकैदेषी॥ आपुविषैविस्वासविसेषी
सबप्रकारराजहितअपनाई॥ बोसोअधिकसनेहजनाई॥ सु
नसतभाउकहोमहीपाला॥ इहांवसतवीतेवहुकाला॥ दोहा॥
अवलगमोहिनमिलेउकोउ॥ मैनजनावौकाहु॥ लोकमानता
अनलसम॥ करतपकाननदाहु॥१६४॥ सोरठा॥ तुलसीदेषि
सुवेषु॥ भूलहिंमूढनचतुरनर॥ सुंदरकेकिहिपेषु॥ वचनसु
धासमअसनअहि॥१६५॥ चौपई॥ तांतेगुप्तरहौंजगमांही॥
हरितजिकिमपिप्रयोजननांही॥ प्रभुजानतसबविनहिंजना
ए॥ कहहुकवनसिधलोगरिझाए॥ तुम्हसुचिसुमतपरम
प्रियमोरे॥ प्रीतिप्रतीतिमोहिपरतोरे॥ अवजौतातदुरावौतो
ही॥ दारुणदोषवढैअतिमोही॥ जिमजिमतापसकथैउदा॥
सा॥ तिमतिमनृपतिउपजविस्वासा॥ देषास्ववसकर्मसनवा
नी॥ तववोलातापसवगध्यांनी॥ नामहमारएकतनुभाई॥

॥तु॰रा॥ ॥बा॥ ॥५३॥

सुनन्रपबोलेउपुनसिरुनाई॥कहहुनामकरअ्रर्थबषानी॥मु
हिसेवकअ्रतिआपनजानी॥दोहरा॥आदिसृष्टउपजीजबहि
तबउतपतभइमोर॥नामएकततनुहेतुतिह॥देहनधरीबहोरि
१८६॥चौपई॥जनिआचरजकरहुमनमांही॥सुततपतेदुर्ल
भकछुनांही॥तपबलतेजगसृजैविधाता॥तपबलविस्नुभ
येपरित्राता॥तपबलशंभुकरहिसंघारा॥तपबलशेशधरैम
हीभारा॥तपअधारसभसृष्टभूआरा॥तपतेअगमनकछु
संसारा॥भयोन्रपहिसुनअतिअनुरागा॥कथापुरातनकहै
सोलागा॥करमधरमइतिहासअनेका॥करैनिरूपनविरति
विवेका॥उदभवपालनप्रलयकहानी॥कहहिअमितआ
चरनबषानी॥सुनमहीसतापसबसिभइयो॥आपनना।
मकहनतबलयो॥कहतापसन्रपजानौतोही॥कीन्हिहुक
पटलागभलमोही॥सोरठा॥सुनमहीसअसनीति॥जहंतहं
नामनकहहिन्रप॥मुहितुहिपरअतिप्रीति॥सोचतुरताबि
चारतव॥१८७॥चौपई॥नांमतुम्हारप्रतापदिनेसा॥सतकेतु ॥५३॥

तवपितनरेसा॥ गुरुप्रसादसवजानियराजा॥ कहीयनआप
नजानिअकाजा॥ देषितातत्तवसहजसुधाई॥ प्रीतिप्रतीतिनिती।
तिनिपुनाई॥ उपजिपरीममतामनमोरे॥ कहौकथानिजपूछे
तोरे॥ अवप्रसंनमैसंशयनांही॥ मागुजुभूपभावमनमांही॥।
सुनसुवचनभूपतिहरषाना॥ गहिपदविनयकीन्हविधिना।
ना॥ कृपासिंधमुनिदरसनतोरे॥ चारपदारथकरतलमोरे॥।
प्रभहितथापप्रसंनविलोकी॥ मांगअगमवरहोऊविशोकी
दोहरा॥ जरामरणदुषरहिततन॥ समरजितैजिनकोइ॥ एक।
छत्ररिपुहीनमहि॥ राजकल्पशतहोइ॥ १८८॥ चौपई॥ कहता
पसनृपऐसेहोऊ॥ कारणकठनएकसुनसोऊ॥ कालोतवप
दनाइहिसीसा॥ एकविप्रकुलछाडिमहीसा॥ तपवलविप्र।
सदावरिआरा॥ तिन्हकेकोपनकोरषवारा॥ जौविप्रन्हवसिक
रहुनरेसा॥ तौतुववसिविधविस्नमहेसा॥ चलनब्रह्मकुलस
नवरिआई॥ ससकहौहैभुजाउठाई॥ विप्रश्रापविनसुनमहि
पाला॥ तोरनासनहिकवनिहुकाला॥ हरष्योराउवचनसुनि
तासू॥ नाथनहोइमोरअवनासू॥ तवप्रसादप्रभकृपानिधा
ना॥ मोकहुसकलकालकल्याना॥ दोहरा॥ एवमस्तुकहकक

॥तु॰ रा॰॥ ॥बा॰॥ ॥५८॥

परमुनि॥ बोलाकुटिलबहोर॥ मिलबहमारभुलावनिज्ज॥
कहहुतहमहिनखोर॥१८५॥ चौपई॥ तातेतुहिबरजोअबराजा
कहेकथातवपरमअकाजा॥ छठेश्रवणयहपरतकहानी॥
नासतुम्हारसत्यममबानी॥ यहप्रगटेअथवाद्विजश्रापा॥ ना
सुतोरसुनभानुप्रतापा॥ आनउपाइनिधनतवनांही॥ जोहरि
हरकोपहिमनमांही॥ सत्यनाथगहिपदनृपभाषा॥ गुरुद्वि
जकोपकहहुकोराषा॥ राषैगुरुजोकोपविधाता॥ गुरुविरो
धनहिकोजगत्राता॥ जोनचलबहमकहेतुम्हारे॥ होइनासन
हिसोचहमारे॥ एकहिडरडरपतमनमोरा॥ प्रभुमहिदेवश्रा
पअतिघोरा॥ दोहरा॥ होहिविप्रबसकवनविधि॥ कहहुकृपा
करसोउ॥ तुम्हतजिदीनदयालनिज॥ हितूनदेखोकोउ॥१९०
चौपई॥ सुननृपविविधजतनजगमांही॥ कष्टसाध्यपुनहोहि
किनांही॥ अहैएकअतिसुगमउपाई॥ तहांपरंतुएककठना
ई॥ ममआधीनयुक्तिनृपसोई॥ मोरजावतवनगरनहोई॥
आजुलगेअरुजबतेभयो॥ काहुकेगृहग्रामनगयो॥ जोनि
जांउतोहोइअकाज॥ बनाआइअसमंजसआज॥ सुनमही
सबोलोमृदुबानी॥ नाथनिगमअसनीतिबषानी॥ बडेसने ॥५८॥

हलघुनपरकरही॥ गिरनिजसिरन्हसदातृणधरही॥ जलधिअगा
धमौलिवहफेनू॥ संततधरणिधरत्तसिररेनू॥ दोहरा॥ अस।
कहिगहेनरेसपद॥ स्वामीहोहुकृपाल॥ मोहिलागिदुषसहि
यप्रभु॥ सज्जनदीनदयाल॥ १६१॥ चौपई॥ जानिनृपहिआप
नआधीना॥ बोलातापसिकपटप्रवीना॥ सत्यकहोभूपतिसु
नितोही॥ जगिनाहिनदुर्लभकछुमोही॥ अवसिकाजमैक।
रिहौतोरा॥ मनक्रमवचनभक्ततैमोरा॥ योगजुगतितपमंत्रप्र
भाऊ॥ फलैतवहिजवकरियदुराऊ॥ जोनरेसमैकरौरसोई॥।
तुम्हपरसोममजाननकोई॥ अंनसुजोजोभोजनकरई॥ सोसो
तवआयसअनुसरई॥ पुनतिन्हकेघरजेवैजोऊ॥ तववसहो।
इभूपसुनसोऊ॥ जाइउपाइरचहुनृपएहू॥ संवतभरसंकल्प
करेहू॥ दोहरा॥ नितनूतनद्विजसहसशत॥ वरिहुसहितपर
वार॥ मैतुम्हरेसंकल्पलगि॥ दिनहिकरवजिवनार॥ १६२॥ चौ
इहविधभूपकष्टदिनथोरे॥ ह्वइहहिसकलविप्रवसितोरे॥।
करिहहिविप्रहोममखसेवा॥ तिहप्रसंगसहजहिवसिदेवा
औरएकतुहिकहौलषाई॥ मैइहवेषनआउवकाई॥ तुम्हरेउ
परोहतकोराया॥ हरिआनवमैकरिनिजमाया॥ तपवलति

हकरिस्रापसमाना॥रषिहोंइहावषेपरिमाना॥सेधरित्तासुवे।
षसुनराजा॥सवविधतोरसवारवकाजा॥गैनिसिवहुत्तसयन
स्रवकीजै॥सुहितुहिभूपभेटिदिनतीजे॥सेतपवलतवतुरग
समेता॥पहुचैहौसोवत्तेनिकेता॥दोहरा॥मैस्राउवसोवेषध
रि॥पहिचानहुत्तवमोहि॥जवएकांतवुलाइसव॥कथासुना।
वोंतोहि॥१५३॥चौपई॥सयनकीन्हनृपस्रायसुमानी॥स्रास
नवैठजाइछलज्ञानी॥श्रमतिभूपनिंद्रास्रतिस्राई॥सोकिमि
सोवसोचिस्रधिकाई॥कालकेतुनिशिचरतहस्रावा॥जिहिसू
करह्वैनृपतिभुलावा॥परमसित्रतापसिनृपकेरा॥जानैसोस्र
तिकपटघनेरा॥तिहकेसतसुतस्ररुदसभाई॥षलस्रतिस्र।
जयदेवदुषदाई॥प्रथमहिभूपसमरसवमारे॥विप्रसंतसुर।
देषदुषारे॥तिहिवलपाछलवैरुसंभारा॥तापसनृपमिलमं
त्रविचारा॥जिहरिपुछयसोरचिन्हिउपाऊ॥भावीवसनजान।
कछुराऊ॥दोहरा॥रिपुतेजसीस्रकेलिस्रपि॥लघुकरिगनी
यनताहु॥स्रजहुदेतदुषरविससिहि॥शिरस्रविशेषतराहु॥।
१५४॥चौपई॥तापसिनृपनिजसषहिनिहारी॥हरिषमिल्यो
उठिभयोसुषारी॥मित्रहिकहिसवकथासुनाई॥जातुधानुवो ॥५५॥

लासुबचाई॥ अबसाधोनृपसुनहुनरेसा॥ जौतुम्हकीनमोरउ।
पदेसा॥ परिहरिसोचरहहुतुम्हसोई॥ विनुऔषधीव्याधिविधि
षोई॥ कुलसमेतरिपुमूलबहाई॥ चौथेदिवसमिलबमैंआई
तापसनृपहिबहुतपरितोषी॥ चलामहाकपटीअतिरोषी॥।
भानुप्रतापहिबाजिसमेता॥ पहुचाइसिछिणमांहिनिकेता॥
नृपहिनारिपहिसयनकराई॥ हयगृहबांधिसिबाजिबनाई॥।
दोहरा॥ राजाकेउपरोहितहि॥ हरिलेगयोबहोरि॥ लैराषिसि
गिरिषोहमह॥ करिमायामतिभोरि॥ १७५॥ चौपई॥ आपुबि
रचिउपरोहितरूपा॥ परयोजाइतिहसेजअनूपा॥ जाग्योनृप।
अनभएबिहाना॥ देषभवनअतिअचरजमाना॥ मुनिमहि।
मामनमहिअनुमानी॥ उठ्योगवहिजिहजाननरानी॥ कानन
गयोबाजिचढितेही॥ पुरनरनारिनजान्योकेही॥ गएजामयुग
भूपतिआवा॥ घरघरउत्सवबाजबधावा॥ उपरोहितहिदेषजब
राजा॥ चकितबिलोकिचितवसोकाजा॥ युगसमगएनृपति।
दिनतीनी॥ कपटीमुनिपदरहिमतलीनी॥ समयजानिउपरो
हितआवा॥ नृपहिमतेसभकहिसमुझावा॥ दोहरा॥ नृप।
हरिष्योपहिचानिगुरु॥ भ्रमबसरहानचेत॥ बरेतुरतसतसहस

॥तु॥ रा॥ सवरविप्रकुटंबसमेत॥१६६॥चौपई॥उपरोहितजिविनारिव
॥वा॥ नाई॥छुरसचारविधिजसफ्रतिगाई॥मायामयतिन्हकीन्हा
॥५६॥ रसोई॥विंजनवहुगणसकैनकोई॥विवधमृगनकरिआमि
षराधा॥तिहिमहिविप्रमासुषलसाधा॥भोजनकरसववि
प्र
वुलाए॥पदपषारसादरवैठाए॥परुसनलागजवहिमहिपा
ला॥भैआकासवांनीतिहिकाला॥विप्रवृंदउठिकैगृहजाहू
हैवडिहानिअंनजिनषाहू॥भयोरसोईभूसुरमासू॥सवदि
जउठेमांनविस्वासू॥भूपविकलमतिमोहभुलानी॥भावी।
वसनआवमुषवानी॥दोहरा॥वोलेविप्रसकोपतव॥नहि
कछुकीन्हविचार॥जाइनिशाचरहोहृतृसमूढसहितपरवा
र॥१६७॥चौपई॥छत्रवंधतैविप्रवुलाई॥घालैलीयहिसहित
समुदाई॥ईश्वरराषाधर्मुहमारा॥जैहसितैसमेतपरवारा॥सं
वतमध्यनासुतवह्होऊ॥जलदातानरहहिकुलकोऊ॥नृप
सुनिश्रापविकलअतित्रासा॥भैवह्होरिवरगिराअकाशा॥।
विप्रहुश्रापविचारनदीन्हा॥नहिअपराधभूपकछुकीन्हा॥।
चकीतविप्रसवसुननभवानीं॥भूपगयोजहभोजनषानी॥
तहंनअसनहिविप्रसुआरा॥फिरोराउमनशोचअपारा॥ ॥५६॥

सवप्रसंगुमहिसुरन्हसुनाई॥ त्रासितपरेयोधरनअकुलाई॥ दो
भूपतिभावीमिटैनहि॥ यद्यपिदोषनतोर॥ कीयेअन्यथाहोंन ६॥
हि॥ विप्रश्रापअतिघोर॥ १८८॥ चौपई॥ असिकहिंसवमहिदेव
सिधाए॥ समाचारपुरलोगन्हपाए॥ सोचहिदूषणदेवहिदेही
विरचितहंसकागकियजेही॥ उपरोहितहिभवनपहुचाई॥ अ
सुरतापसहिषवरजनाई॥ तिहषलजहंतहंपत्रपठाए॥ सजि
सजिसेनभूपसवआए॥ घेरन्हिनगरूनिशानवजाई॥ विव
धभांतनितहोतलराई॥ जूझेसकलवीरकरकरनी॥ वंधुसमेत
परेउनृपधरिनी॥ सत्यकेतुकुलकोऊनवाचा॥ विप्रश्रापकि
महोईअसाचा॥ रिपुहिजीतनृपनगरवसाई॥ निजपुरगवने
जयजसुपाई॥ दोहरा॥ भारद्वाजसुनजाहिजव॥ होइविधाता
वांम॥ धूरमेरुसमजनकजम॥ ताहिव्यालसमदाम॥ १८९॥ चौ
कालपाइमुनिसुनसोराजा॥ भयोनिशाचरसहतसमाजा॥
दससिरताहिवीसभुजदंडा॥ रावणनांमवीरवरवंडा॥ भूपअ
नुजअरिमर्दननांमां॥ भयोसुकुंभकरणवलधांमां॥ सचिव
जुरहाधर्मरुचिजासु॥ भयोविमातवंधुलघुतासु॥ नामविभी
षणसवजगजाना॥ विस्नुभक्तिविज्ञाननिधाना॥ रहेजुसुत

॥तु॥रा॥ शेवकनृपकेरे॥भएनिशाचरघोरघनेरे॥कामरूपषलजिन।
॥बा॥ सअनेका॥कुटिलभयंकरिविगतविवेका॥कृपारहितहिंस
॥५१॥ कसबपापी॥बरणिनजाहिविश्वपरितापी॥दोहरा॥उपजेज
दपिपुलस्तकुल॥पावनअमलअनूप॥तदपिमहीसुरश्रा
पते॥भएसकलअघरूप॥२००॥चोपई॥कीन्हविविधतप।
तीनिहुभाई॥परमउग्रसोवरणिनजाई॥गएनिकटतपुदेष
विधाता॥मांगहुवरप्रसंन्नमैताता॥करिविनतीपदगहिद।
ससीसा॥वोलावचनसुनहुजगदीसा॥नाथकृपाकरकरहु
पसाऊ॥समरपराभवहोयनकाहू॥हमकाहूकेमरिहनमा
रे॥वानरमनुजजातिदुइवारे॥एवमस्तुतुह्मवडतपकीन्हा
मैब्रह्मामिलतिहवरुदीन्हा॥पुनिप्रभकुंभकरणहिगआ।
रा॥तिहविलोकमनविस्मैपारा॥जोइहषलनितकरैअहा
रा॥होइहिसवउजारसंसारा॥सारदप्रेरितासुमतिफेरी॥मां
गसिनींदमासषटकेरी॥दोहरा॥गयोविभीषणपासपुन।
कह्योपुत्रवरमांगु॥तिन्हिमांग्योभगवंतपद॥कमलअमल
अनुराग॥२०१॥चोपई॥तिन्हहिदेइवरब्रह्मसिधारा॥हरषि
ततेअपुनेग्रहआए॥मयतनियामंदोदरीनामा॥परमसुंद

रीनारिललामा॥ सोमैंदीन्हरावनैअांनी॥ होइहिजातुधानप
तिरांनी॥ हरषितभयोनारिभलिपाई॥ पुनिदोउबंधुबियाह
सिजाई॥ गिरत्रिकूटइकसिंधुमंझारी॥ विधनिर्मतदुर्गमअ
तिभारी॥ सोमयदानवबहुरिसवारा॥ कनकरचितमणिभवन
अपारा॥ भोगवतीजसअहिकुलवासा॥ अमरावतिजसश
क्रनिवासा॥ तिन्हतेअधिकरम्यअतिबंका॥ जगविष्यातनां
मतिहलंका॥ दोहरा॥ षाईसिंधुगंभीरअति॥ चारिहुदिसि
फिरआव॥ कनककोटिमणिषचितद्रिढ॥ वरनिनजाइवना म
व॥२॥ दोहरा॥ हरिप्रेरतिजिहंकल्पजो॥ जातुधानपतिहोइ
सूरप्रतापीअतुलबल॥ दलसमेतवससोइ॥३॥ चौपई॥
रहेतहांनिशचरभटभारे॥ तेसवसुरनसमरसंघारे॥ आव
तिरहतसक्रकेप्रेरे॥ रक्षककोटयक्षपतिकेरे॥ दससुषकत
हुषवरअसपाई॥ सेनसाजिगढघेरसिजाई॥ देषविकटभ
टवडकटकाई॥ यक्षजीवलैगएपराई॥ फिरसभनगरुद
सानननेंदेषा॥ गयोसोचुसुषभयोविसेषा॥ सुंदरसहजअग

॥तु॥रा॥ मञ्रनुमांनी॥कीन्हतहांरावणरजधांनी॥जिह्नजसयोगवांट
॥वा॥ तससदीन्हे॥सुषीसकलरजनीचरकीन्हे॥एकवारकुवेरपरधा
॥५५॥ वा॥पुष्पकजानुजीतलेआवा॥दोहरा॥देवजक्षगंधर्वनर
किंनरनागकुमारि॥जीतिवरीनिवाहुवल॥कोऊनसमर
जुझारि॥४॥कौंतकिहतकैलासपुनि॥लीन्हसिजाइउठाइ
मनहुंतोलनिजवाहुवल॥चल्लावहुतसुषपाइ॥४॥चौपई
सुषसंपतिसुतसेनसहाई॥जयप्रतापवलवुधिवडाई॥नि
तनूतनसववाढतजाई॥जिमप्रतिलाभलोभअधिकाई॥
अतिवलिकुंभकरणअसभ्राता॥जिह्नकहनहिप्रतिभटा
जगजाता॥करैपानसोवैषटमासा॥जागतहोइतिहूंपुर
त्रासा॥जोदिनप्रतिअहारिसोकरई॥विश्ववेगसवचौपट
होई॥समरधीरनहिजाइवषाना॥तिहंसमअमितवीरव
लवाना॥वारिदनादजेठसुततासु॥भटमहप्रथमलीक
जगजासु॥जिह्नहोइरणसनमुषकोई॥सुरपुरनितहिप
रावनहोई॥दोहरा॥कुमुषअकंपनकुलिशरद॥धूमके ॥५८॥

तुम्हलिकाइ॥ एकएकजगजीतसक॥ ऐसेसुभटनिकाइ॥५॥
चौपई॥ कामरूपजानहिसबमाया॥ सपनिहुजिन्हकेधर्म।
नदाया॥ दसमुषवैठसभाइकवारा॥ देषिअमितआपनपर
वारा॥ सुतसमूहजनपरजननाती॥ गनौकुपरेनिशाचरजा
ती॥ सेनविलोकसहजअभिमानी॥ वोलावचनक्रोधमद
सानी॥ सुनहुसकलरजनीचरजूथा॥ हमरेवैरीविवुधवरू
था॥ तेसनमुषनहिकरैलराई॥ देषसकलरिपुजांहपराई॥
तिन्हकरमरणएकविधहोई॥ कहोंवुझाइसुनहुअवसोई॥
द्विजभोजनमषहोमसिराधा॥ सवकैजाइकरौतुमवाधा॥।
दोहरा॥ छुधाछीणवलहीनसुर॥ सहजहिमिलहहिआइ॥
तवमारिहौंकिछाडिहौं॥ भलीभांतअपनाइ॥६॥ चौपई॥
मेघनादकहुपुनिहकरावा॥ दीन्हसीषवलवैरवढावा॥ जे
सुरसमरधीरवलवाना॥ जिन्हकेलरवेकरअभिमाना॥ ति
न्हहिजीतरणआनिसुवाधा॥ उठपितसुतअनुसासनका
धा॥ इहविधसवकहिआज्ञादीनी॥ आपुनवलोगदाकर
लीनी॥ चलतदसाननडोलतिअवनी॥ गर्जितगर्भश्रव
हिसुररवनी॥ रावणआवतसुन्योसकोहा॥ देवन्हतकेमे

॥तु॥रा॥ रुकेबोद्धा॥ दिगपालनकेलोकसुहाए॥ संनेंसकलदसान।
॥वा॥ नपाए॥ पुनपुनसिंघनादकरभारी॥ देईदेवतन्हिगारप्रचा।
॥५९॥ री॥ रणमदमत्तफिरैजगधावा॥ प्रतिभटषोजतकतहुनपा
वा॥ नारदमिलेकहिहुमुसकाई॥ देवकहांमुनिदेहुदिषाई
सुनतअनषनारदहिनभावा॥ श्वेतदीपतिन्हतुरतपठावा॥
सागरउत्तरपारसोगयो॥ नारदहंदतहंदेषतभयो॥ तिन्हस।
निकहिसिषतिन्हपहिजाहू॥ कहहुकिआयोनिशचरना
हू॥ तवमैतिन्हिहिजीतसंग्रामा॥ लैजैहोतुमकहिनिजधा
मा॥ सुनतवचनतवजरगिरिमानी॥ धाइचरनगहिगगन
उडानी॥ गईदूरधरधरिफककोरा॥ डारसिसिंधुमध्यअति
जोरा॥ दोहरा॥ गयोपतालअचेतव्है॥ मरैनविप्रप्रसाद॥ सा
वधानउठिगर्जेपुन॥ हदैनहरषविषाद॥७॥ चौपई॥ जीत।
सिनागनगरसवकारी॥ गयोवहुरिवलिलोकसुरारी॥ वा
वनरावनआवतजाना॥ कीदेवरिषमनिअभिमाना॥ षेल
तरहैनगरसिसुनाना॥ निजवलतिन्हहिदीन्हभगवाना।
धाइधरातिन्हपुरलआए॥ नगरनारिनरदेषनधाए॥ वीस
भुवाहुदसकंधरजाही॥ विधियदगढनिकहाकेआही॥। ॥५९॥

राषिन्हवांधषिकावहिभारी॥ नामनकहैसहैवहुमारी॥ वाम
नदीषवहुतसकुचाना॥ तवछडाइदीयकृपानिधाना॥ चलि
योतुरतनिशाचरनाह्य॥ लाजशंककछुनहिमननमाह्य॥ दो
अतिनिरलज्जदयारहित॥ हिंसापरअतिप्रीति॥ रामविमुष
दसकंधसठ॥ तापरवाहतजीत॥ ८॥ दो॥ भारद्वाजसुनजांहि
जव॥ होइविधातावांम॥ कनककाचहोइजायतव॥ लदेनकै
डीदाम॥ ९॥ चौपई॥ जेकहूंफिरतदेवद्विजपावै॥ दंडलेइव
हुत्रासदिषावै॥ इहअचरनफिरैदिनराती॥ महाघोरमयष
लउतपाती॥ तवतुरंतपंपासरआवा॥ वालिनामकपपति॥
जिहठावा॥ दीषजाइसरवरसोभा॥ जहमनुमहामुनिन्हक
रिलोभा॥ तहांकपीसकरैनिजध्याना॥ आदरसेसंध्यासन
माना॥ जाइठाहतहभारजनीसा॥ ठोकेवाहुगर्जदससीसा॥
तवकपीसचितवासुसकाई॥ ध्यानसुअवसररिसविसराई॥
ई॥ तवरावनवोलाकरिक्रोधा॥ वकध्यानीकूपसुनसठवो
धा॥ दोहरा॥ मोहिसमरजीतेविना॥ करहिंध्यानकपीस॥
अंजलिदेननयावहु॥ सपथकरोंअजईस॥ १०॥ चौपई॥
तवैवालवोलासुसकाई॥ वलुतमाररणेसहैभाई॥ रविअं

कस

॥तु॥रा॥ जलिमैंदेउमसप्रीती॥ ठाढरहहुमुहिजायबहुजीती॥ तवनिषा
॥वा॥ चरपतिउगारिमाई॥ देकपिघुहछ्छाडकदराई॥ तवकपपति
॥६०॥ निजमनहिविचारा॥ शिववरदीन्हमरहिनहीमारा॥ दस
कंधरघरजाइविचारी॥ अजयतझारवीसभुजभारी॥ वहु
तिहभांतिवालसमुझावा॥ कवनिहुभांतिवोधनहिआवा॥
॥स तवकोपहुइउठाकपीसा॥ धस्योकांपचाप्योदससीसा॥ अं
जलिदीन्हरवहिमनजानी॥ अचवासातउदधकरपानी॥
जपेअदिसकर्ममनवानी॥ तिहथिनसंध्यावंदिसरानी॥
दोहरा॥ आवाघरहिकपीसतव॥ कांपरहालंकेस॥ इह
विधवीतेमासषट॥ पावैवहुतकलेस॥ ११॥ चौपई॥ तेक
लेषावसकरेउपाई॥ तहनचलेकछुआतुरताई॥ वहुप्रसे
दकाघरिमहजामा॥ अतिकुवासताकहुभयधामा॥ क
लमलाइरिसदसनकाटा॥ कचकरजीवमनहुअम
छाटा॥ एकदिवसरविअंजलसाजा॥ कांपतेनिकसम
हाधुनिगाजा॥ तालगेकिसनमसभागहा॥ देषतिता
हिक्रोधअतिवाढा॥ सोपुनिधरिकपीसतववाधा॥ ले
आयोअंगदकेराधा॥ वीसभुजादससीससवाग॥ चरन ॥६०॥

दुओपुनधरउरमारा॥धरसमेटऊमरसमकीन्हा॥वांधसेजप
रसोमारदीन्हा॥अंगदषेललातसिरमारा॥किलकिलाइकि
लकैकिलकारा॥इहविधिअंगदकीन्हविधुंसा॥वहुविन
तीकरिकैरप्रसंसा॥दोहरा॥ताराचीन्होरावणहि॥तिहछोए
दीयोछुडाइ॥जाहुतरतलंकेशगृह॥वहुरिधरहिकपिराइ॥
२२॥चोपई॥पुनिरावणआवातिहठाई॥सहसवाहुजहांरा
सवनाई॥जलक्रीडाकरसंगसवनारी॥विविधितासुशोभा
अतिभारी॥आइरवामंडलजहसेवा॥सुरनरनागकरहिसव
सेवा॥जाइदीषरावणसुषथाना॥हरषसमेतहृदयमचु
माना॥तहलंकेशजाइशिवदेषा॥मनहुविरंचरचावहुभे
षा॥तुलसीकमलपत्रपुनिआना॥वेलपत्रअमिपुष्पप्रमा
ना॥जायकेजलछोभ्योदससीसी॥घ्यामेहामंत्रसिमरगोरी॥
शा॥दोहरा॥जलप्रचंडजलछोभियो॥वूडोसकलसमा॥
ज॥सहंसवाहुमनशंकअति॥सकलत्रियन्हउरलाज॥२३॥
चौपई॥तवराजासनवोलहिनारी॥अतिसुंदरसवराजकु॥
मारी॥सुनहुनृपतिआवाकोगाढा॥आकसमातमहानद
वाढा॥सुनराजनहिभाक्रोधअपारा॥जसत्रेनयनत्रिपुरकहु

॥तु॥ रा॥
॥वा॥
॥६२॥

मारा॥ जाइदीषरावणतव्हगाढा॥ जासुमंत्रजनुजलनिधवा।
ढा॥ मायाप्रवलमहाबलभारी॥ लंकेसुरकह्यधरमिसुवारी
लैपुनिवांधगयोत्रीयपासा॥ गाढिनिदेषसवपरमहुलासा
करिइमनांनधूजिगोरीसा॥ ह्यशालावांधिसदससीसा॥।
लज्जतदुष्टमष्टकररहई॥ रिसउरमारकष्टवहुसहई॥ दो
मुनिगिरजापावनपरम॥ अवइहकथारिसाल॥ लैहय।
मालावांधसो॥ वीसभुजादसनाल॥ १४॥ चौपई॥ सकल
आइदेषहिनरनारी॥ मारहिलाततहसहिदेतारी॥ वहुवि
धिरछोहिनृपतिसुजाना॥ नांमनकहैरहैसकुचाना॥ नृ
सकरहिंभांतिकनारी॥ दसहुमाथदसदीपकवारी॥ क
छुकदिवसइहभांतिगवावा॥ सोपुलस्तमुनिजाइछुडा
वा॥ चलासोतुरतमहांअभमानी॥ नलकेआपआयनि
यरानी॥ अतिअनूपमादरवरनारी॥ मारगजाततदीषविवि
धारी॥ चंदनपहुपपत्रकरधारी॥ पूजनचलीजाततिपुरा
री॥ देषिउवंसीसमनमसकुचानी॥ तवरावनवोल्लामृदुवानी
कोतुमकहांगवनत्रीयकीन्हा॥ लज्जावसउनउतरनदीन्हा
दोहरा॥ निकटजाइदससीसतिह॥ गहिसअंकभरलीन्ह ॥६२॥

पुत्रवधूयहधनदकै॥ नहिविचारकछुकीन्ह॥ ५५॥ चौपई॥ ची
न्हत्रियामनसंकाआई॥ पापकरमकीन्हेपछताई॥ मनपछ
तातसोचमनभयो॥ लंकेश्वरलंकाकहगयो॥ चलतविउरव
सिआईतहवा॥ अलिकापुरिनलकूवरजहवा॥ समाचार।
सवपतिहिसुनावा॥ सुनतकथामनमेंहिदुषपावा॥ दीन्हश्रा
पकरिक्रोधअपारा॥ रावणवंशहोइक्षयकारा॥ वलीआपलं।
कामहिआई॥ दसकंधरकेगाजिहठांई॥ आगेआइठाढभैश्रा।
पा॥ तवलंकेश्वरअतिभयतापा॥ सडरसकोपचितववहुंश्र
रा॥ नलकूवरकेश्रापअतिघोरा॥ दोहरा॥ श्रापहिअंगीकार
कर॥ मनमहिकीन्हविचार॥ अषन्हदंडनहिदीन्हयो॥ रोषो।
लंकभूआर॥ ५६॥ चौहरा॥ इतचारतहपठैभवानी॥ जागव
लकमुनिकथावषानी॥ आएइतरिषन्हकेगेहा॥ देषतस।
भहिभयोसंदेहा॥ पूछैरिषीकहांपगुधारा॥ कहहुकुशलं।
केशभुवारा॥ तातकुशलअवभैविपरीती॥ तुम्हसनमांग्यो।
दंडअनीती॥ देहुदंडअसिकहिनृरिसाई॥ केगिरकंदरजा।
हुपराई॥ सुनअसवचनसवहिदुषपावा॥ तुरतसुदिहटइक।
पात्रमंगावा॥ सवमिलकरविचारइकठाए॥ भरघटरुधिर।

॥तु॥ रा॥ रिषीलैआए॥ इतनकरसौंयामनजांनी॥ हुइमकोपवोलेमु
॥वा॥ डवांनी॥ दोहरा॥ घटउघरतछुयहोहिसो॥ सकुलसहितपर
॥६२॥ वार॥ लेआएतिहिइतसवजहंरहलेकभुवार॥ ७॥ चौपई॥।
जिहदरवारनीतनहिभाई॥ वलमंडिलीजरीतिहआई॥ आ

एदीषइतजवरावन॥ परमहुलासभयोमनभावन॥ आगे
॥ल आनघटघराउतारी॥ देषकॅशलंकापतिभारी॥ वोलावचन
कहाइहभाई॥ सकलकथातिन्हन्रपहिसुनाई॥ इहिघटते
लंकापतिनासा॥ सभइतनन्रसवचनप्रकासा॥ यहघटलै
उत्तरदिशजाहु॥ जतनसमेतधरहुलैकाहु॥ सुनन्रपवचन।
चलेसोतैसे॥ जनकराजकेदेसहिपैसे॥ करहिविचारकरी।
यन्त्रवसोई॥ उत्तमथलघटराषीयेजोई॥ दोहरा॥ अतउत्तम
उत्तरदिसा॥ जनकरायकरदेस॥ इतनकरहिविचारमन॥।
कीन्हैसुथलप्रवेस॥ ८॥ चौपई॥ छेत्रमांहिधरचलेविचा
री॥ थानपुनीतहेतविवुधारी॥ जनकजग्गतहांकीन्हअ
रंभा॥ रचेकनककदलीकेषंभा॥ कीउंभेषल्लामणिमय।
९री॥ भूमसुहावणपावनभूरी॥ सतानंदअनुसासनपाई
चामीकरहलरचावनाई॥ हाटकलांगुलगहउसुधारी॥। ॥६२॥

तहांप्रगटभईरिषिकुमारी॥ भूज्ञानांमकहिनिकटबुलाऐ॥दे
वअदेवसवैतहआए॥ जगजननहिकोपावैपारा॥राजाजन
कतहांपगुधारा॥ कंन्यांदेषअनूपभवानी॥सुताभांतिराजा
यहआनी॥ नामजानकीपरमपुनीता॥नारदआनकहो
तवमीता॥ ० ॥छंद॥ ० ॥कहिपुनसीतापरमपुनीताआद
जोतकीशकतसही॥नृपनीतनिधानापरमसुजानाआदम
ध्यिअवसानयही॥भवउदभवकरनीपालनहरनीनेतने
तकहवेदकहे॥तुमभक्तितपरकासीभुजाविलासीतीनलोकम
हिरररहे॥दोहरा॥सकलकथानृपजनकसों॥नारदक
हीवषान॥सर्वसुलछणलछगुण॥जगदंवामनजानि॥२०॥
चोपई॥जनकसुविनैकहीकरजोरे॥नाथमनोरथपूजेमोरे
चरनपषारसुथलवैगारी॥विनैकीन्हअस्तुतिअनुसारी॥प
रमहुलासवचनसुभभाषा॥चरनोदकलेमस्तकराषा॥धंम
धन्यकहिसुताप्रभाऊ॥मुनअसप्रीतकीन्हनहिकाऊ॥जो।
तुमकृपाकीन्हपगुधारे॥मिटेअमंगलदोषहमारे॥अवमु
हिभाभरोसमुनिनाथा॥भेउधंन्यमैगुनगनगाथा॥साधु।
विदेहराजश्रीजांनकी॥उपमांकोरकहोनृपकांकी॥तुमउप

॥तु॥रा॥ ॥वा॥ ॥६३॥

मांउपमेवश्रोरसभ ॥ जहांप्रगटभईभुजाआयस्रव ॥ दोहरा ॥
जोगभोगमैगोयमन ॥ कीऊनप्रगटप्रभाउ ॥ भरोविदेहवदे।
हिमुन ॥ विदाभयेमुनराउ ॥ २१ ॥ चौपई ॥ कहीकथारिषरा
उमिधारो ॥ वहुरइतलंकापुरआरो ॥ कहहुजायआयेहम।
राषी ॥ मोशंकरगिरिजामनभाषी ॥ जागवलककहिक।
थारिसाला ॥ साधुसाधुमुनिपरमकृपाला ॥ पुनमुनिकही
कथाउपदेसा ॥ जगुजीसोसवलंकनरेसा ॥ चारठायद्दासो
भयत्रासा ॥ सकलदेवकीन्हेनिजदासा ॥ रविशशिपवन
वरुणधनधारी ॥ अग्निकालयमसवअधिकारी ॥ किंन्नर
सिद्धमनुजसुरनागा ॥ हठिसवहीकेपंथहिलागा ॥ ब्रह्मस
ष्टिजहलगितनुधारी ॥ दसमुषवससवहीनरनारी ॥ आयसु
करहिसकलभयभीता ॥ निवहिआइनितचरणविनीता ॥
दोहरा ॥ भुजवलविश्ववसकीनसभ ॥ राषिसकोनसुतंत्रि
मंडलीकमुनरावणो ॥ राजकरैनिजमंत्रि ॥ २२ ॥ देवजछगं
धर्वनर ॥ किंन्नरनागकुमार ॥ जीतवरीनिजवाहुवल ॥ वहु
सुंदरवरनारि ॥ २२ ॥ चौपई ॥ इंद्रजीतसनजोकछुकह्यो ॥।
सोसवजनुपहिलहिकरिरह्यो ॥ प्रथमहिजिन्हकहुआ ॥६३॥

यसुदीन्हा॥ तिन्हकरचरितसुनहुजोकीन्हा॥ देषतभीमरूप
सवपापी॥ निशाचरनिकरदेवपरितापी॥ करहिउपद्रवअ
सुरनिकाया॥ नानारूपधरहिकरिमाया॥ जिहविधिहोइ
धरमनिर्मूला॥ सोसभकरहिवेदप्रतिकूला॥ जिहंजिहं
देसधेनुद्विजपावहि॥ नगरगांउपुरआगिलगावहि॥ सु
भआचरनकतहुनहिहोई॥ देवविप्रगुरुमाननिकोई॥ न
हिहरिभक्तियज्ञजपदाना॥ सपनिहुसुनियनवेदपुराना॥
महाअनीतवरनिनहिजाई॥ मारहिब्राह्मणवेदहिगाई॥
दोहरा॥ महाउपद्रवकीन्हजव॥ पीडितभासंसार॥ हाहा
करिमुनिदेवसव॥ लागेकरणपुकारि॥ छंद॥ जपयोग
विरागातपमषभागाश्रवणसुनेदससीसा॥ आपुनुउठि
धावैरहैनपावैधरसवघालैषीसा॥ असभ्रष्टअचाराभा
संसाराधर्मसुनितनहीकाना॥ तिहिदेसनिकासैवहुवि
धित्रासैजोकहवेदपुराना॥ सोरठा॥ वरणिनजाइअनीति
घोरनिशाचरजोकरहि॥ हिंसापरिअतिप्रीति॥ तिन्हके
पापहिकवनमित॥ २३॥ चौपई॥ वाढेषलअतिचोरजुआ
रा॥ जेलंपटपरधनपरदारा॥ मानहिमातुपितानहिदेवा॥

॥रा॥तु॥ साधुन्हसनकरवावहिसेवा॥जिन्हकेयहआचरणभवानी
॥बा॥ तेजानहुनिसचरसमप्रानी॥अतिशैदेषिधरमकेहानी॥।
॥६५॥ परमसभीतिधराअकुलानी॥गिरिसरसिंधुभारुनहिमो
ही॥जसअतिगरुयएकपरद्रोही॥सकलधरमदेषैविप
रीता॥कहिनसकैरावणभयभीता॥धेनुरूपधरिहृदैवि
चारी॥गईतहांजहांसुरमुनिझारी॥निजसंतापसुनाइ
सुरोई॥काहूतेकछुकाजुनहोई॥छंद॥सुरमुनगंधर्बामि
लिकरिसर्बागेविरंचकेलोकं॥संगगोतनधारीभूमिवि।
चारीपरमविकलभयशोकं॥ब्रह्मासबजानामनअनुमा
नामोरकछूनबसाई॥जाकरितैदासीसोअविनाशीहम
रोतोरसहाई॥सोरठा॥धरणिधरहिमनधीर॥कहिविरंच
हरिपदसुमिरु॥जानतजनकीपीर॥प्रभभंजिहिदारुण
विपति॥२८॥चौपई॥वैठेसुरसबकरहिविचारा॥कहिपा
ईयप्रभुकरियपुकारा॥पुरवैकुंठजानकहुकोई॥कोक
हपयनिधवसप्रभसोई॥तिहसमाजगिरजामैरहियो॥।
अवसरपाइवचनइककहियो॥जाकेहृदयभगतजस।
प्रीती॥प्रभुतहप्रगटसदाइहिरीती॥हरिब्यापकसर्वत्र ॥६८॥

समाना॥ प्रेमतेप्रगटहोहिमैंजाना॥ देसकालदिसिविदिसि
हूंमाही॥ कहहुसुकहांप्रगटप्रभुनाही॥ अगजगमहिसवर
हितविरागी॥ प्रेमतेप्रगटकहैजिमआगी॥ मोरवचनसवके
मनमाना॥ साधुसाधुकहिब्रह्मवषाना॥ योगासनसवकर
दिढवैसे॥ परमवेदमंत्रन्हिपढिजैसे॥ दोहरा॥ सुरविरंचमा
नहर्षतन॥ पुलकनयनवहनीर॥ अस्तुतिकरतवजोरकर
सावधानमतधीर॥ २५॥ छंद॥ जयजैसुरनायकजनसुषदा
यकप्रणतपालभगवंता॥ गोद्विजहितकारीजयअसुरारी
सिंधुसुताप्रियकंता॥ पालनसुरधरिणीअदभुतकरणी।
मरमुनजानैकोई॥ जोसहजकृपालादीनदियालाकरहुअ
नुग्रहसोई॥ जैजैअविनाशीसवघटवासीव्यापकपरमानंदा
अवगतिगोतीतंचरितपुनीतंमायारहतमुकंदा॥ जिहंला
गिविरागीअतिअनुरागीविगतमोहमुनिवृंदा॥ निशि।
वासरध्यावहिगुणगणगावहिजयतिसच्चिदानंदा॥ जि।
हंसृष्टिउपाईत्रिविधवनाईसंगसहाइनदूजा॥ सोकरो।
अघारीचिंतहमारीजानीयभक्तिनपूजा॥ जोभवभयभं।
जनमुनिमनरंजनगंजनविपतिवरूथा॥ मनवचक्रम

॥सु॥रा॥ वानीछाडिसयानीशरणसकलसुरयूथा॥सारदश्रुतिसेषा
॥वा॥ रिषिन्हविसेषाजोकहंकोनहिजाना॥जिह्दीनपियारेवेद
॥६५॥ पुकारेद्रवोसुश्रीभगवाना॥भववारिधिमंदरसवविधसुंदर
गुणमंदिरसुषपुंजा॥मुनिसिद्धसकलसुरपरमभयातुरन
मतनाथपदकंजा॥दोहरा॥जानिसभयसुरभूमसुन॥वा
चनसमेतसनेह॥गगनगिरागंभीरभै॥हरणिशोकसंदे
ह॥२६॥चौपई॥जनिडरपहुमुनिसिद्धिसुरेशा॥तुम्हहिला
गिधरिहोनरवेसा॥अंसन्हसहितमनुजअवतारा॥लेहो
दिनकरवंशउदारा॥कश्यपअदितिमहातपकीन्हा॥ति
न्हकहमैपूरववरदीन्हा॥तेदशरथकौशल्यारूपा॥कोश
लपुरीप्रगटनरभूपा॥तिन्हकेगृहअवतरिहोजाई॥रघुकु
लतिलकसुचारियोभाई॥नारदवचनसत्यसवकरिहो॥प
रमशक्तिसमेतअवतरिहो॥हरिहोसकलभूमिगरुआ
ई॥निरभयहोहुदेवसमुदाई॥गगनब्रह्मवानीसुनिका
ना॥तुरतफिरेसुरहृदयजुडाना॥तवब्रह्माधरणीसमुझा
वा॥अभयभईभरोसजीयआवा॥दोहरा॥निजलोकहि
विरंचिगे॥देवन्हइहइसिषाइ॥वानरतनुधरिधरिमही॥ ॥६५॥

हरिपदसेवहुजाइ॥१७॥चौपई॥गएदेवसवनिजनिजधामा॥
भूमिसहितमनकहंविश्रामा॥जोकछुआयसुब्रह्मैदीन्हा॥ह
रषेदेवविलंवनकीन्हा॥वनचरदेहधरीछितिमाही॥अतुलि
तवलप्रतापतिन्हपाही॥गिरितरुनषआयुधसववीरा॥हरि
मारगचितवतमतिधीरा॥गिरिकाननजहंतहंभरिपूरी॥रहि
निजनिजअनीकरचिरूरी॥यहसवरुचिरचरितमैभाषा॥अ
वसोसुनहुजुवीचहिराषा॥अवधपुरीरघुकुलमणिराऊ॥वे
दविदिततिहंदशरथनाऊ॥धर्मधुरंधरगुणनिधज्ञानी॥हृद
यभक्तिमतिसारंगपानी॥दोहरा॥कोशल्यादिकनारिप्रिय॥
सवआचरणपुनीत॥पतिअनुकूलसुप्रेमदृढ॥हरिपदकम
लविनीत॥१८॥चौपई॥एकसमयभूपतिमनमाही॥भैगि
लानमोरेसुतनाही॥गुरुग्रहगएतुरतमहिपाला॥चरणला
गिकरिविनयविशाला॥निजदुषसुषसवगुरुहिसुनाए॥
कहिवसिष्टवहुविधिसमुझाए॥धरहुधीरहुइहहिसुतचारी
त्रिभुवनविदितभगतभयहारी॥सिंगीरिषहिवशिष्टवुला
वा॥पुत्रकामशुभयज्ञकरावा॥भक्तिसहितमुनिआहुतिदी
न्हे॥प्रगटेअग्निचरुकरलीन्हे॥वोलेअगनप्रेमजुतवानी

अतिप्रसंन्नमनपरेनवषानी॥जोवशिष्टकछुहृदयविचारा
सकलकाजुभासिद्धतुम्हारा॥यहहविवांटदेहुनृपजाई॥यथा
योगजिहभागवनाई॥दोहरा॥तवअदृश्यभेपावकह॥सक
लसभहिसमुझाइ॥परमानंदमगननृपत॥हरषनहृदयस
माइ॥२९॥चौपई॥तवहिराइप्रियनारवुलाई॥कौशल्यादित
हांचलिआई॥अर्द्धभागकौशल्यहिदीन्हा॥उभयभागआधा
करकीन्हा॥कैकेईकहंसोनृपदीन्हा॥रह्योसुउभयभागपुन
कीन्हा॥कौशल्याकेकेईहाथधरि॥दीन्हसुमित्रहिमनप्रसं
न्नकरि॥इहविधिगर्भसहितसवनारी॥भईहृदेहरषतसुष
भारी॥जादिनतेहरिगर्भहिआए॥सकललोकसुषसंपति
छाए॥मंदरमहिसवराजहिरानी॥शोभाशीलतेजकैषानी
सुषयुतिकछुककालचलिगयो॥जिहंप्रभप्रगटसुअवस
रभयो॥दोहरा॥योगलगनग्रहवारतिथ॥सकलभएअनु
कूल॥चरअचरसवहर्षयुत॥रामजनमसुषमूल॥३०॥
चौपई॥नोमीतिथमधुमासपुनीता॥सुकलपक्षअभिजि
तहरिप्रीता॥मध्यदिवसअतिशीतनघामा॥पावनकाल
लोकविश्रामा॥सीतलमंदसुरभवहवाऊ॥हरषितसुरसं ॥६६॥

तन्हमनचाऊ॥ नवकुसुमितगिरिगणमणिआरा॥ श्रवहिं।
सकलसरितामृतधारा॥ सोअवसरविरंचिजवजाना॥ चले
सकलसुरसाजिविवाना॥ गगनसकलसंकुलसुरयूथा॥।
गावहिगुणगंधर्ववरूथा॥ वरषिसुमनसुरअंजलिसाजी॥।
गहगहिगगनडुंदभीवाजी॥ अस्तुतिकरहिनागमुनिदेवा।
वहुविधलावहिनिजनिजसेवा॥ दोहरा॥ सुरसमूहविनती
करी॥ पहुचेनिजनिजधाम॥ जगनिवासप्रभुप्रगटेअ।
षिललोगविश्राम॥ ३॥ छंद॥ भेप्रगटकृपालादीनदया।
लाकोशल्याहितकारी॥ हरिषितमहितारीमुनिमनुहारी।
अद्भुतरूपविचारी॥ लोचनअभिरामंतनुघनस्यामंनिज
आयुधभुजचारी॥ भूषणवनमालानयनविशालाशोभा
सिंधुषरारी॥ कहदुइकरजोरीअस्तुतितोरीकिहविधक
रोंअनंता॥ मायागुणज्ञानातीतअमानावेदपुरानभनंता
करुनासुषसागरसवगुणआगरजिहगावहिसुरसंता
सोममहितलागीजनअनुरागीभएप्रगटश्रीकंता॥ ब्रह्मं
डनिकायानिर्मतमायारोमरोमप्रतिवेदकहै॥ सोममउ
रवासीयहउपहासीसुनतधीरमतिथिरनरहै॥ उपजा

॥तु॥रा॥ ॥वा॥ ॥६७॥

जवजानाप्रभमुसकानाचरितवहुतविधकीन्हचहै॥कहिक
थासुहाईमातवुझाईजिहप्रकारसुतप्रेमलहै॥मातापुनवो
लीसोमतिडोलीतजहुतातयहरूपं॥कीजैसिसुलीलाअ
तिप्रयशीलायहसुषपरमअनूपं॥सुनवचनसुजानारोद
नठानाहुइवालकसुरभूपं॥यहचरतजुगावहिहरिपदपा
वहितेनपरहिभवकूपं॥दोहरा॥विप्रधेनुसुरसंतहित॥
लीन्हमनुजअवतार॥निजइछतिनिर्मितसुतनुमायागुण।
गोपार॥३२॥चौपई॥सुनसिसुरूदनपरमप्रियवानी॥संभ्र
मचलिआईसवरानी॥हरषितजहँतहँधाईदासी॥आनंद
मगनसकलपुरवासी॥दसरथपुत्रजनमसुनकाना॥मान
हुब्रह्मानंदसमाना॥परमप्रेमनपुलकिशरीरा॥चाहतउ
वसकतमतधीरा॥जांकरनामसुनहुशुभहोई॥मोरेग्रह।
आवाप्रभुसोई॥परमानंदपूरिमनराजा॥कहावुलाइवजा
वहुवाजा॥गुरुवशिष्टकहँगएहँकारा॥आएद्विजन्हसहत
नृपद्वारा॥अनुपमवालकदेषउजाई॥रूपरासिगुणकह
नसिराई॥दोहरा॥नंदीमुषसराधकर॥जातकरमसभकी
न्ह॥हाटकधेनुवसनमणी॥नृपविप्रन्हकहंदीन्ह॥३३॥ ॥६७॥

चौपई॥धुजपताकतोरणपुरछावा॥कहनजाइजिह्भांतवना
वा॥सुमनवृष्टिआकाशतेहोई॥परमानंदमगनसवकोई॥वृं
दवृंदमिलचलीलुगाई॥सहजसृंगारकीयेसवधाई॥कनक
कलशमंगलभरिथारा॥गावतिपैठहिभूपदुआरा॥करिआर
तीनिछावरिकरहीं॥वारवारसिसुचरननपरहीं॥मागधसूतवं
दिगुणगायक॥पावनगुणगावहिरघुनाइक॥सर्वसुदानदी
न्हसवकाहू॥जिह्पावाराषानहितहू॥मृगमदचंदनकुंकम
कीचा॥मचीसकलवीथिनविचवीचा॥दोहरा॥गृहगृहवाज
वधावशुभ॥प्रगटभएसुषकंद॥हर्षवंतसवजहंतहां नगर
नारिनरवृंद॥३८॥चौपई॥कैकयसुतासुमित्रादोऊ॥सुंदरसु
तजनमतभएओऊ॥वहुसुषसंपतिसमयसमाजा॥कहनस
कहिसारदअहिराजा॥अवधपुरीसोहैइहिभांती॥प्रभुहिमि
लनआईजनुराती॥देषभानुजनुमनसकुचानी॥तदपिवा
नीसंध्याअनुमानी॥अगरधूपवहुजनुअंधिआरी॥उडतअ
वीरमनहुअरुनारी॥मंदरमणिसमूहजनुतारा॥नृपगृहक
लसमुइंदुउदारा॥भवनवेदधुनिअतिमृदुवानी॥जनुषगमु
षरसमयसरसानी॥कौतकदेषपतंगभुलाना॥एकमास

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥६८॥

तिन्हजातनजाना॥दोहरा॥मासदिवसकरिदिवसभा॥मरम
नजानैकोइ॥रथसमेतरविथाकियो॥निशाकवनविधिहो।
इ॥३५॥चौपई॥यहरहस्यकाहूनहिंजाना॥दिनमणिचले।
करतगुणगाना॥देषमहोत्सवसुरमुनिनागा॥चलेभवनव
रनतनिजभागा॥औरौएककहौनिजचोरी॥सुनगिरजाअ।
तिदिढमतितोरी॥कागभसुंडसंगहमदोऊ॥मनुजरूपजा
नैनहिंकोऊ॥परमानंदप्रेमसुषफूले॥वीथिन्हफिरहिंम
गनमनभूले॥यहशुभचरतजानपैसोई॥कृपारामकीजाप
रिहोई॥तिहअवसरजोजिहविधिआवा॥दीन्हभूपजोजि।
हिमनुभावा॥गजरथतुरगहेमगोहीरा॥दीन्हेनृपनानावि
धचीरा॥दोहरा॥मनसंतोषेसबन्हके॥जहंतहंदेहिंअसीस
सकलतनयचिरजीवहू॥तुलसीदासकेईस॥३६॥चौपई।
कछुकदिवसवीतेइहभाती॥जातनजानेदिनअरुनाती॥।
नामकरनकरअवसरजानी॥भूपवोलपठएमुनिज्ञानी॥।
करिपूजाभूपतिअसभाषा॥धरयनामजोमुनिगुनराषा॥।
इन्हकेनामअनेकअनूपा॥मैनृपकहवरचमतिअनुरूपा
जोआनंदसिंधुसुषरासी॥सीकरतेत्रैलोकप्रकासी॥सोसुष ॥६९॥

धामरामअसनामा॥ अषिललोकदायकविश्रामा॥ विश्वभर
णपोषणकरजोई॥ ताकरनामभरतअसहोई॥ जाकेसिमरण
तेरिपुनासा॥ नामशत्रुहनवेदप्रगासा॥ दोहा॥ लक्षणधामज्
रामप्रिय॥ सकलजगतआधार॥ गुरुवशिष्टतेहराषियो॥ ल
छमननामउदार॥ ३२॥ चौपई॥ धरेनामगुरुहृदयविचारी॥ दे
वदसनृपतवसुतचारी॥ मुनिधनजनसरवसुशिवप्राना॥ बा
लकेलिरसितिंषमाना॥ बारहितेहितनिजपतिजानी॥ लछु
मनरामचरणरतिमानी॥ भरतशत्रुहनदोनोभाई॥ प्रभुशेव
कजसिप्रीतिवढाई॥ श्यामगोरसुंदरदोजोरी॥ निरषहिछवि
जननीतृणतोरी॥ चारयोशीलरूपगुणधामा॥ तदपिअधिक
सुषसागररामा॥ हृदयअनुग्रहइंदुप्रगासा॥ सूचतिकिरण
मनोहरहासा॥ कबहुउछंगकबहूवरपलना॥ मातदुलारे
कहिप्रियललना॥ दोहरा॥ व्यापकब्रह्मनिरंजनं॥ निर्गुणवि
गतविनोद॥ सोअजप्रेमाभक्तिवस॥ कौशल्याकेगोद॥ ३८॥ चौ
कामकोटिछविस्यामशरीरा॥ नीलकंजवारिदगंभीरा॥ अरु
णचरणपंकजनषजोती॥ कमलदलन्हवैठेजनुमोती॥ रेष
कुलिशध्वजअंकुशसोहे॥ नूपरधुनसुनिमुनिमनमोहे॥ क

हसु॥

तु रा टिकिंकनीउदरत्रैरेषा॥ नाभिगंभीरजान्हजिन्हदेषा॥ भुजवि
वा शाँलभूषणजुत्तिभूरी॥ हीयहरिनखअतिशोभारूरी॥ उरमणिहार
७६ पदिककीशोभा॥ विप्रचरणदेषतमनलोभा॥ कंबुकंठअति
चिवुकसुहाई॥ आननअमितमदनछविछाई॥ दुइदुइदस
नअधरअरुनारे॥ नासातिलककोवरनैपारे॥ सुंदरश्रव
णसुचारुकपोला॥ अतिप्रियमधुरतोतरेवोला॥ नीलजलज
दोनैनविशाला॥ विकटभ्रकुटिलटकनपरिभाला॥ चिक्कन
कचकुंचितगभुआरे॥ वहुप्रकाररचिमातसवारे॥ पीतझगु
लीआतनपहिराई॥ जानुपाणिविचरणिमहिभाई॥ रूपस
कहिनहिकहिश्रुतिशेषा॥ सोजानैसपनिहुजिनदेषा॥ दो
सुषसंदोहिमोहिपरि॥ गियानगिरागोतीत॥ सोदंपतिअ
तिप्रेमवसि॥ करिसिसुचरितपुनीत॥ ७६॥ चौपई॥ इहविधरा
मजगतपितमाता॥ कोशलपुरवासिनसुषदाता॥ जिन्हर
घुनाथचरणरतिमानी॥ तिन्हकीयहगतिप्रगटभवानी॥
रघुपतिविमुषजतनकरकोरी॥ कोनसकैभववंधनछोरी॥
जीवचराचरवसकरिराषे॥ सोमायाप्रभशोभयभाषे॥ भ्रगु
टिविलासनचावैताही॥ असप्रभछाडिभजियकहुकाही॥ ७७

मनक्रमवचनछाडिचतुराई॥ भजतकृपाकरिहैरघुराई॥ इदवि
धसिसुविनोदवहुकीन्हा॥ सकलनगरवासिनसुषदीन्हा॥ लै
उछंगकवहुकहुलरावै॥ कवहुपालनेघालिझुलावै॥ दोहरा
प्रेममगनकौशलिया॥ निशदिनजाततनजान॥ सुषसनेहव
विमाततव॥ वालचरितकरिगान॥ ४०॥ चौपई॥ एकवारजन
नीअन्हवाए॥ करिसिंगारपलनेपौढाए॥ निजकुलइष्टदेव
भगवाना॥ पूजाहेतुकीन्हइसनाना॥ करिश्जानैवेद्यचढावा॥
आपगईजहपाकवनावा॥ वहुरिमाततहवाचलिआई॥ भो
जनकरततदेषसुतजाई॥ गैजननीसिसुपहिभयभीता॥ देषा
वालतहांपुनिसूता॥ वहुरिआइदेषासुतसोई॥ हृदयकंपम॥ ८॥
नधीरनहोई॥ इहांउहांदुइवालकदेषी॥ मतिभ्रममोरिकि॥
आनविशेषी॥ देषरामजननीअकुलानी॥ प्रभुहसिदीन्ह॥
मधुरमुसकानी॥ दोहरा॥ दिषरायानिजमातिको॥ अदभुत
रूपअषंड॥ रोमरोमप्रतिलागऐ॥ कोटिकोटिब्रह्मंड॥ ४१॥ चौ
अगनितरविशशिशिववतुरानन॥ वहुगिरसरितसिंधुमु
न्हिकानन॥ कालकर्मगुणज्ञानसुभाऊ॥ सोदेषाजोसुनानि
काऊ॥ देषीमायासवविधगाढी॥ अतिसभीतजोरकरठाढी

॥तु॥रा॥ देषाजीवनचावैजाही॥ देषीभगततजछोरैताही॥ तनपुलकेमु
॥बा॥ षवचननआवा॥ नयननमूंदिचरननसिरुनावा॥ विसमयवं
॥७०॥ तदेषमहतारी॥ भएवहुरिसिसुरूपषरारी॥ अस्तुतिकरिन
जाइभयमाना॥ जगतपितामैसुतकरिजाना॥ हरिजननीव
हुविधसमुझाई॥ यहजनकतहुकहसिसुनमाई॥ दोहरा॥
वारवारकौशल्यािविनैकरैकरजोर॥ अवजनिकवहूंव्याप
ई॥ प्रभुमुहिमायातोर॥४२॥ चोपई॥ वालचरितप्रभवहुवि
धिकीन्हे॥ अतिअनंददासन्हकहदीन्हे॥ कछुककालवी
तेसवभाई॥ वडेभएपरजनसुषदाई॥ चूडाकर्मकीन्हगुरु।
जाई॥ विप्रन्हवहुतदछनापाई॥ परममनोहरिचरितअपा
रा॥ करतफिरहिचारहिसुकुमारा॥ मनक्रमवचनअगोचर
जोई॥ दसरथअजिरविचरप्रभसोई॥ भोजनकरतवोलजव
राजा॥ नहिआवततजिवालसमाजा॥ कौशल्याजववोलन।
जाई॥ ठुमकठुमकप्रभचलैपराई॥ निगमनेतशिवध्यानन
पावा॥ ताहिधरैजननीहठिधावा॥ धूसरधूरभरेतनआए॥।
भूपतिविहसिगोदवैठाए॥ दोहरा॥ भोजनकरतहूंचपलचि
त॥ इतउतअवसरपाइ॥ भाजिचलेकिलकाततमुषदधिउ। ॥७०॥

दनलपटाइ॥४३॥चौपई॥बालचरितअतिसरलसुहाए॥सारद
शेषशंभुश्रुतिगाए॥जिन्हकरमनइन्हसननहिराता॥तेजग
वंचितकीयेविधाता॥भएकुमारजवहिसवभ्राता॥दीन्हजनेऊ
गुरुपितमाता॥गुरुगृहगएपठनरघुराई॥अलपकालविद्या
सवआई॥जाकीसहजस्वासश्रुतिचारी॥सोहरिपठयहकौत
कभारी॥विद्याविनयनिपुणगुणशीला॥षेलहिषेलसक
लनृपलीला॥करतलवानधनुषअतिसोहा॥देषतरूपचरा
चरमोहा॥जिन्हवीथिन्हविहरहिंसवभाई॥थकितहोहिस
वलोगलुगाई॥दोहा॥कौशलपुरवासीजेनर॥नारिवृद्धअ
रुवाल॥प्राणहुतेअतिलगहिप्रिय॥सवकहंरामकृपाल॥
४४॥चौपई॥वंधुसषासवलेहवुलाई॥वनमृगयानितषेलि
हिजाई॥पावनमृगमारहिजीयजानी॥दिनप्रतिनृपहिदि
षावेआनी॥जेमृगरामवानकेमारे॥तेतनतजिसुरलोगसि
धारे॥अनुजसषन्हसंगभोजनकरहीं॥मातपिताआज्ञाअ
नुसरहीं॥जिहविधसुषीहोहिंसवलोगा॥करहिकृपानिधसो
संजोगा॥वेदपुराणसुनहिमनुलाई॥आपुकहहिअनुजन
समझाई॥प्रातकालउठकैरघुनाथा॥मातपितागुरुनावहि

॥तु॥ रा॥ माया॥ आयसुमांगिकरहिपुरकाजा॥ देषचरितमनहर्षतराजा
॥बा॥ दोहरा॥ व्यापकअकलअनीहअज॥ निरगुणनामनरूप॥
॥७१॥ भक्तिहेतनानाकरत॥ चरितसुतनअनरूप॥४५॥ चौपई॥ य
हसवचरितकहामैगाई॥ आगिलकथासुनहुमनलाई॥ वि
श्वामित्रमहामुनिज्ञानी॥ वसहिविपनशुभआश्रमजानी॥
तहजपजागयोगमुनिकरहीं॥ अतिमारीचसुवाहुहिडरहीं
देषतयज्ञनिशाचरधावहि॥ करहिउपद्रवमुनदुषपावहि॥
गाधतनयमनचिंताव्यापी॥ हरिविनुमरहिननिशिचरपापी
तवमुनवरमनकीन्हविचारा॥ प्रभुअवतरेहरणमहिभारा
इहमिसदेषोहरिपदजाई॥ करिविनतीआनोदोभाई॥ ज्ञान
म वैरागसकलगुनअयना॥ सोप्रभदेषवभरनयना॥ दोहरा॥
वहुविधिकरतमनोरथहि॥ जातनलागीवार॥ करमज्जनसर
जूजलै॥ गएभूपदरवार॥४६॥ चौपई॥ मुनिआगमनसुना
जवराजा॥ मिलनगएलैविप्रसमाजा॥ करिदंडवतमुनहि
सनमानी॥ निजआसनवैठारेआनी॥ चर्णपषारकीन्हवहु
पूजा॥ मोसमधंन्यआजुनहिदूजा॥ विवधभांतभोजनकर
वाए॥ मुनिवरहृदयहरषअतिपाए॥ पुनिचर्णन्हमेलेसुत ॥७१॥

चारी॥ रामदेषमुनिदेहविसारी॥ भएमगनदेषतमुषशोभा॥
जनुचकोरपूरणशशिलोभा॥ तवमनहरषवचनकह्योराऊ॥
मुनिअसकृपाकीन्हिनहिकाऊ॥ किंहकारणआगमनतुमा
रा॥ कहहुसुकरतनलावोवारा॥ असुरसमूहसंतावहिमोही
मैंजाचनआयोनृपतोही॥ अनुजसमेतदेहुरघुनाथा॥ निस
चरवधमैहोवसथा॥ दोहा॥ देहुभूपमनहरषजुत॥ तजहुमो
हअज्ञान॥ धर्मसुजसुतुम्हकहप्रभो॥ इन्हकहअतिकल्यान
५१॥ चौपई॥ सुनिराजाअतिअप्रियवानी॥ हृदयकंपमुषदु
तिकमलानी॥ चौथेपनपाएसुतचारी॥ विप्रवचननहिक।
हिहुविचारी॥ मांगहुभूमिधेनधनकोसा॥ सर्वसुदेउँआजुस
हरोसा॥ देहप्राणतेप्रियकछुनाही॥ सोमुनिदेहुंनिमषइक
माही॥ सवसुतप्रियप्राणहुकीनाई॥ रामदेतनहिवनेगुसा
ई॥ कहिनिशिचरअतिघोरकठोरा॥ कहसुंदरसुतपरमकि।
सोरा॥ सुनिनृपगिराप्रेमरससानी॥ हृदयहरषमानामुनि।
ज्ञानी॥ तवविसिष्टवहुविधसमुझावा॥ नृपसंदेहनासकहु
पावा॥ अतिआदरदोउतनयवोलाए॥ हृदयलाईवहुभांति
सिषाए॥ मेरेप्राननाथसुतदोऊ॥ तुम्हमुनिपिताआननहिकोऊ॥

॥दोहरा॥ सोंपेभूपतिरिषहिंसुत ॥ वहुविधिदेइअसीसु ॥ जननी
भवनगएप्रभु ॥ चलेनाइपदसीस ॥ ४८ ॥ सोरठा ॥ पुरुषसिंघ।
दोवीर ॥ अषिलविश्वकारणकरण ॥ कृपासिंधुमतिधीर ॥ हर
षचलेमुनिभयहरण ॥ ४९ ॥ चौपई ॥ अरुणनयनउरवाहुवि
शाला ॥ नीलजलजततनुश्यामतमाला ॥ कटिपटपीतकसेव
रभाथा ॥ रुचिरचापसायकदुहुंहाथा ॥ श्यामगौरसुंदरहैभाई
विश्वामित्रमहानिधिपाई ॥ प्रभुव्रह्मण्यदेवमेजाना ॥ पितमु
हिनिमिततज्योभगवाना ॥ चलेजातमुनिदीन्हदिषाई ॥ सु
नताडिकाक्रोधकरिधाई ॥ एकहिवाणप्राणहरिलीन्हयो ॥ ॥
दीनजानितिहनिजपददीन्हयो ॥ तवरिषनिजनाथहिजी
यचीन्हा ॥ विद्यानिधकहिविद्यादीन्हा ॥ जातेलागिनछुधा
पियासा ॥ अतुलितवलतनतेजप्रकासा ॥ दोहरा ॥ आयुध
सकलसमार्पिकै ॥ प्रभुनिजआश्रमआनि ॥ कंदमूलफल
भोजनै ॥ दीयेभक्तहितजान ॥ ५० ॥ चौपई ॥ प्रातकहामुनि।
सनरघुराई ॥ निरभययज्ञकरहुतुमजाई ॥ होमकरणलागे
मुनिझारी ॥ आपरहेमषकीरषवारी ॥ सुनिमारीचनिशाच
रकोही ॥ लेसहाइधावामुनिद्रोही ॥ विनुफरवाणरामवानतिहं ॥७२॥

मारा॥ शतयोजनगासागरपारा॥ पावकसरसुबाहुपुनिजारा॥
अनुजनिशाचरकटकसंघारा॥ मारअसुरद्विजनिर्भयकारी॥
अस्तुतिकरहिंदेवमुनिझारी॥ तहँपुनकछुकदिवसरघुराया॥
रहेकीन्हविप्रनपरदाया॥ भक्तहेतवहुकथापुराना॥ कहे
हिविप्रयद्यपिप्रभुजाना॥ तबमुनिसादरकहाबुझाई॥ चरित
एकप्रभदेखियजाई॥ धनुषयज्ञमुनिरघुकुलनाथा॥ हर्षच
लेमुनिवरकेसाथा॥ आश्रमएकदीषमगमाही॥ षगमृग
जीवजंततहनाही॥ पूछामुनिहिशिलाप्रभदेषी॥ सकलक
थामुनिकहीविसेषी॥ दोहरा॥ गौतमनारीश्रापवसि॥ उपल
देहधरिधीर॥ चरणकमलरजचाहती॥ कृपाकरहुरघुवीर॥ ।
५१॥ छंद॥ परसतपदपावनशोकनशावनप्रगटभई
तपपुंजसही॥ देषतरघुनायकजनसुषदायकसनमुषहुइ
करजोररही॥ अतिप्रेमअधीरापुलकशरीरामुषनहिंआवे
वचनकही॥ अतिशयवडभागीचरनन्हलागीजुगलनय
नजलधारवही॥ धीरजुमनकीन्हाप्रभकहचीन्हारघुपति।
कृपाभगतिपाई॥ अतिनिर्मलवानीअस्तुतिठानीज्ञानग
म्यजयरघुराई॥ मैनारिअपावणप्रभुजगपावणरावणरि

॥तु॥रा॥ ॥बा॥ ॥७३॥

भजनसुषदाई॥ राजीवविलोचनभवभयमोचनपाहिपाहि
शरणहिंआई॥ मुनिश्रापजुदीन्हाअतिभलकीन्हापरमअनु
ग्रहमैमाना॥ देषेभरिलोचनहरिभयमोचनइहैलाभशंक
रजाना॥ विनतीप्रभमोरीमैमतिभोरीनाथनवरमांगौआना॥
पदकमलपरागारसअनुरागाममममनमधुपकरैपाना॥।
जिहंपदसुरसरितापरमपुनीताप्रगटभईशिवसीसधरी॥।
सोईपदपंकजजिहपूजतअजममसिरधरेउकृपालहरी॥
इहभांतसिधारीगोतमनारीवांवारहरिचरणपरी॥ जोअति
मनभावासोवरुपावागेपतिलोकअनंदभरी॥ दोहरा॥ अस
प्रभुदीनावंधुहरि॥ कारणरहितदयाल॥ तुलसिदाससठ।
ताहिभजु॥ छाडिकपटजंजाल॥ पर॥ चौपई॥ चलेरामलछ
मनमुनिसंगा॥ गएजहांजगपावनगंगा॥ अनुजसहतप्र
भकीन्हप्रणामा॥ बहुप्रकारसुषपायोरामा॥ पुनिसुरसरउ
तपतिरघुराई॥ कौशिककहपूछासिरुनाई॥ कहमुनिप्रभ
तुहिकुलइकराजा॥ नामसगरतिहलोगविराजा॥ तिहंनृ
पकेनृगतियसुकुमारी॥ प्रथमकेसिनीसुमतिलघुप्यारी
सवप्रकारसंपतिगुणआजा॥ सुतविहीनमनविसमेराजा॥ ॥७३॥

एकसमैभामिनदोसाथा॥ नृपतपहेतगएरघुनाथा॥ सघन।
सकलतरुसुंदरनाना॥ तहंभएमुनितपतेजनिधाना॥ दोहरा
सहसरानिनृपमस्तमन॥ तहावरषशतएक॥ कीन्हातपभ
लदेषभरगु॥ अस्तुतिकीन्हअनेक॥ ५३॥ चौपई॥ कहिनिजदु।
षप्रणामनृपकीन्हा॥ दैअसीसतवमुनिवरदीन्हा॥ नृपरानी
सनमुनअसभाषा॥ लेहुसुवरजोजिहंअभिलाषा॥ सुनमुन
ववनसीसतिन्हनावा॥ देहुनाथतुमकहुजीयभावा॥ एक।
हिएककह्योसुतहोना॥ दूसरिसहससागिगुणलोना॥ हरि।
षितभएप्रभुभगवरपाई॥ हाथजोरचरननिसिरुनाई॥ सहस
भामिनिन्हअवधहिआए॥ हर्षसहतकछुकालविताए॥।
जानघरीसुंदरसुषदाई॥ तवकेसिनअसमंजसजाई॥ सुमत
प्रसवतुवरीइकसोई॥ भैसुतप्रगटकहेमनिजोई॥ हरषसहस
दीयेदाननरेस॥ पुनिविप्रगुरुगौरगनेस॥ घतघटसुंदरविव
धमंगाए॥ तेसभसुतनृपतिन्हमहुपाए॥ दोहरा॥ इहिविधि
भैतवसगरसुत॥ पूजेमनसवकाम॥ जाहिदिवसनिसहरष
युत॥ सुनहुरामघनस्याम॥ ५४॥ चौपई॥ परजनसवघरघर।
निनरेस॥ अतिआनंदसभमिटाअंदेस॥ वालकेलकरभए

॥तु॥रा॥ कुमारा॥लीलाकैरैअगमसंसारा॥होइसुजं[का]सकलमनचीते॥इ
॥बा॥ हसुषवसतवहुतदिनवीते॥शरजूनदीअवधजोअहई॥विम
॥७८॥ लसलिलउत्तरदिशिवहई॥प्रजालोककेवालकनाना॥मित्त
उवितहीकरहिइसनाना॥अससंजनसतहततरनीआनी॥ति
न्हहिचढाइवोरनिजपानी॥भएप्रजासवपरमदुषारी॥वाल
कवधसुनिसुनहुषरारी॥सकलगएजहंवैठनृपाला॥वोले
वचननाइपदभाला॥तुम्हनृपचहहुप्रजाप्रतिपाला॥सुततु
म्हारभासवकरकाला॥तजवदेसवरसुनहुनरेसा॥विनातजे
नदिमिटहिकलेसा॥दोहरा॥तवसुतकीन्हयापवहु॥मारे।
वालकवृंद॥तुम्हकहप्राणसमानसुत॥सकलप्रजनकेमंद
पप॥चौपई॥प्रजागिरासुनिधीरजुदीन्हा॥सुतहिदेसतेवाह
रिकीन्हा॥तासुतनयजगविदतिप्रभाऊ॥गुणनिधिअंसु।
मानतिहंनाऊ॥वसतहृदयनृपकेसोकेसे॥फणिमणिमी
नसलल्लरहजैसे॥गएप्रजासवनिजनिजधामा॥भैनिशो।
कमनकहिविश्रामा॥वहुरनृपतिमनकीन्हविचारा॥आइ
भयोपनचौथदमारा॥द्विजमंत्रिन्हगुरुसुतनिवुलाए॥हि
मगिरिविंध्यमध्यतवधाए॥रुचिरवेदकाएकवनाई॥वेव ॥७४॥

तवनैवरणिनहिजाई॥मखनमिन्नछाडोतवतुरगा॥वेगवंत
देषियजिमउरगा॥दोहरा॥सुरपतिसुनमखदारुणहि॥मन।
महिकरिअनुमान॥आइतुरगतवलीन्हियो॥मरमनकोऊ
जान॥५६॥चौपई॥राषिसआनिकपिलमुनिपाही॥कोन
जानकाहुकगमनाही॥जुगवतरहेजुशुभटसयाने॥लेत।
तुरगतिनहूंनहिजाने॥तिन्हसवआइकहीनृपपाही॥महा
राजहमकहतडराही॥लीन्हतुरगतिहजाननकोऊ॥कहि
करियजसआयसहोऊ॥सुनतवचननृपविसमैपाए॥स।
कलसुतन्हकहतुरतवुलाए॥तुरततुरंगमहेरहुजाई॥सक
लचलेचरणंन्हसिरुनाई॥सुरपतिसमदेषियसववीरा॥।
सकलधनुर्द्धरअतिरणधीरा॥तिन्हहिचलततधरिनीअकु।
लाई॥वलपशुजीवभएसवजाई॥सुमनवाटिकाउपवन
वागा॥सरितकूपवापिकातडागा॥नगरगांउमुनिअस्थल
नाना॥गिरकाननकंदरास्थाना॥सोरठा॥इहविधसोध्यो
जाइ॥आरामसवमिलभूपपहि॥चरनन्हमाथेनाइवोलेप्रभु
कोअश्वनहि॥५७॥चौपई॥षोदहुमहिसुतफेरपठाए॥चले
सकलपूर्वदिसआए॥तिन्हकेकरजिमकुलिशसमाना॥

॥तु॥रा॥ जोजनभरिषोदहिवलवाना ॥ देषञ्जतलवलविद्रुघडराने ॥ म
॥वा॥ रिहहिकिमविरंचसंकाने ॥ सोधतिमहिपतालसभन्ग्राऐ ॥ ।
॥७५॥ दिग्गजरोकदेवसिरनाऐ ॥ तहहिएछ्छासभकथासुनाऐ ॥ वहु
रसकलदछ्छनदिसन्ग्राऐ ॥ इहिविधिपुनइसरगजदेषा ॥ अ
तिउतंगगुणविमलविशेषा ॥ ताहूकदंप्रणामतिन्हकीन्हे ॥
वलेसकलपश्चिमचितदीन्हे ॥ तीसरिदेवप्रदत्तनकीन्हा ॥
पुनिउत्तरदिशिसोधेलीन्हा ॥ दिग्गजखेतनिरषिसुषपाए ॥ ।
सकलकपिलमुनियहिपुनिन्ग्राए ॥ षोदिन्हमहिकोपाक
नपावा ॥ शोभावहुदिशजलधिसुहावा ॥ दोहरा ॥ देषिन्हि ।
न्ग्राइतुरंगतव ॥ वांधामुनिवरपास ॥ वोलेवचनसक्रोधतव
भावहुसवकरनास ॥ ५८ ॥ चौपई ॥ षोदामहिहमचारियो ।
कोधा ॥ रेरेदुष्टवहुततुहिसोधा ॥ कोकहचोरदीषवहुहोइ
इहसमछ्छलीन्ग्राननहकोई ॥ सुनतवचनमुनिचितवाज
वही ॥ भएभसममछिरणमहिसवतवही ॥ उमावचनजिन ।
ममकनवोला ॥ सुधाहोयविबतिहकिमडोला ॥ पावक
जानधरहिकरपानी ॥ जरहिनकाहेतेन्ग्रभिमानी ॥ ज्ञान
गरलजेमंग्रहकरही ॥ सुनहुरामतेकाहिनमरही ॥ क्रोध ॥७५॥

कीन्हविनकीयेविचारा॥ भएसकलतिहतेजरिछारा॥ इहान
पतिअंसुमानबुलाए॥ नहिंआएसुवतिन्हहिपठाए॥ दोहरा
दीन्हीनृपतिअसीसतव॥ अतिहिवारहिवार॥ वेगफिरिहुल्ले
तुरगसुत॥ मेरेप्राणअधार॥ ५५॥ चौपई॥ चलेसानाइपदसीस।
कुमारा॥ विस्मभगततिहुपुरउजियारा॥ जहंकहूंनिरषिमुनि
न्हकेधामा॥ एहुषवरकरिदंडप्रनामा॥ पन्नगउरगान्हदीन्हि
असीसा॥ चहुदिसिदिगजनाइपदसीसा॥ इहविधिसोधत।
मगमहिजाता॥ मिलागरुडसुमतिकरआता॥ चरणपरति।
तिहंआशिषदयो॥ जेरेसकलजिहंविधिसोकह्यो॥ सुनत।
हिवचनसोचभाभारी॥ लेषगेशदिषावथलवारी॥ अंशुमा।
नतहमज्जनकीन्हा॥ क्रमक्रमसवहितिलांजलिदीन्हा॥ व
हुरगरुडवोलेसुनताता॥ मैतुहिकहोकरेइकवाता॥ सोरठा
करसुतसोइउपाइ॥ गंगाआवहिअवनिमहु॥ दरससनतेअ।
घजाइ॥ मज्जनकीन्हेपरमसुष॥ ५६॥ चौपई॥ षष्टिसहसउधर
हिसवइहिविधि॥ गंगाआइपरमपावन्हिनिधि॥ सुनअस
वचनहृदयअतिभाए॥ सहितगरुडमुनिवरपहिआए॥ त
वषगेशनिचरनहिनाए॥ एवंकथाप्रसंगसुनाए॥ आशिष

सु

॥तु॥रा॥ देहतुरगमुनिदीन्हा॥ हरषतहृदयगवनुतवकीन्हा॥नगर
॥बा॥ समीपगरुडपहुचाई॥ गयोभवननिजततुवरघुराई॥तुरगलेइ
॥७६॥ नृपतिहिसिरुनावा॥ षष्टिसहसकरिमनसुनावा॥विस्मैह
र्षविवसनृपभयो॥कीन्हायज्ञदानवहुदयो॥वहुविधिनृप
तिराजतवकीन्हा॥प्रजालोककहुअतिसुषदीन्हा॥दोहरा॥
मनुकहराजुसमर्थनृप॥आपगएसुरधाम॥सुरसरिमहि
आएविना॥मननलहैविश्राम॥६॥चौपई॥तासुतनयदि
लीपनृपभयो॥मनतपहेतउत्तरदिशगयो॥अतिहिअग।
मतपकीन्हनृपाला॥भयोकालवीतेकछुकाला॥किहवि
धकहौदलिपप्रभुताई॥सेवहिसकलनृपतिजिहताई॥जु
गवतरूपनितसुरपतिरहई॥महमातासुकवनविधकहई
भएभगीरथअसमुततासु॥पितसमनीतिअधिकउरजा।
सु॥तिन्हहिवोलिनृपदीन्होराजू॥आपचलेउठितपके
काजू॥मनमहिकरतयंथअनुमाना॥सुरसरिआवंतजो।
नतप्राना॥जिममनुतनुदीन्हियोतिमिदेऊ॥फिरनिजन
गरनामनहिलेऊं॥सोरठा॥थंसयकरतभुआल॥जाइकी
नवनप्रवलतप॥वीतेकछुइककाल॥देहतजीकोप्रगट। ॥७६॥

नहि ॥ ६२ ॥ चौपई ॥ जिहसुरसरिलगतजिततनभूपा ॥ सोतजिमृ
ढपीयतजलकूपा ॥ इहाभगीरथमनअसभइयो ॥ पितनआ
ववहुदिनचलिगयो ॥ काकुस्थनामतनयइकुरहियो ॥ दीन्हा
राजनीतवहुकहयो ॥ कहिसवपूर्वकथासुतपाहा ॥ दीन्हअ
सीसचलेनरनाहा ॥ निकसतनगरसगुणभलिपाए ॥ अत
हिनिवडवनतहंनृपआए ॥ देषभगीरथवनसुषपावा ॥ सु
रसरिहेतुतपहिमनुलावा ॥ एकचरणठोभुजाउठाए ॥ रविस
नमुषचितवहिमनलाए ॥ वरषसहसवीतेइहभांती ॥ जात
नजानेदिनअरुराती ॥ देषउग्रतपअजचलिआए ॥ बोलेनृ
पसनवचनसुहाए ॥ चहहिनृपतिसुलेहिवरदाना ॥ बोले
नृपकरिअजहिप्रनामा ॥ जोमांगोंसोजानतअहहू ॥ सोस
नमांगनप्रभुकिमकहहू ॥ दोहरा ॥ तदपिकहौप्रभदेहुवर
सवसंतानकीरहि ॥ दूसरमांगोजोरकर ॥ गंगापावैपरमतिह
६२ ॥ चौपई ॥ एवमस्तुकहिपुनिविधिकहई ॥ गंगादेउराषिकोस
सकई ॥ छुटैजाइपुनतुरतिरसातल ॥ फिरनहिवाहुरिनृप
तिमुनभूतलि ॥ तिहतेकहोएकनहियांही ॥ अतिदयाल
शंकरजगमांही ॥ सोसकराविदेवसरिआजू ॥ तिनहिजपे

॥तु॥रा॥ तवहोइहिकाज॥ असिकहिविधिअंतरहितभयो॥वहुरभ
॥वा॥ गीरथशिवपहिगयो॥विवधवर्षअंगुष्टअधारा॥वारवारशि
॥७७॥ वनामउचारा॥शिवदयालप्रगटेतवआई॥हाथजोरनृपवि
नयसुनाई॥मैराघवसुरसरिकहआसा॥वहुरिउमापतिगे
कैलासा॥दोहरा॥उह्नांदेवसरिशिववचन॥सुनमनकीन्ह
विचार॥जाउंरसातलशिवसहत॥जातनलावोंवार॥६०॥
चौपई॥अंतरिक्षशिवरचाउपाई॥निजसिरजटासुअगमवा
नाई॥इहांभगीरथअस्तुतिकीन्ही॥सुनिसुरइगिराछाडिवि
धिदीन्ही॥छुटेसोरभइउअतिभारी॥चकतदेवअहिदिग्ग
जवारी॥आइसुरसरीजटासमानी॥एकवर्षतहरहीभुला
नी॥कौतकदेखिसकलसुरहरषे॥कहजयजयतिसुमनव
रुवरषे॥वहुरिभगीरथसुमिरनकीन्हा॥जटाझारशिववुंद
कदीन्हा॥तिहतेभईतीनतवधारा॥गईनभएकएकपाता
रा॥गईनभसोभईअघकीडाकन॥देवन्हधरयोनाममंदा
किन॥दोहरा॥सोरठा॥इकमहिगईपतार॥नामप्रभावतिहर
क२ णिदुष॥मध्यलोकभईगंग॥सवसंतन्हकहंकलिकरणिसु
ष॥६५॥चौपई॥आइभगीरथजवसिरुनारा॥वोलीसुरसर ॥७७॥

वचनसुहाए॥ वेगवंततनृपरथतैंआन॥ तुरगमरुत्तसुभ्रजिम
भान॥ तिहरथचढिचलननृपममआगे॥ चलिहोमेतवपाछे
लागे॥ सुननृपतुरततदिमरथआना॥ चलेहृदयसुमरतिभ
गवाना॥ चलीअग्रकरनृपहिसुरसुरी॥ देवन्हमुदितसुमन
झरकरी॥ चलेतेजकछुवरणिनजाई॥ टूटहितरुगिरसिला
सुहाई॥ करहिकुलाहलजीववहुभाती॥ कमठनक्रझष
ब्यालवहुजाती॥ मज्जनकरहिदेवतहआई॥ मुनगणमि
हूहेतहछाई॥ सोरठा॥ करैजापमनलाइ॥ हरषहृदेनहिज
इकहि॥ दरसनतेअघजाइ॥ तरहिसकलजगमुनिकहै॥
दोहरा॥ तयेणकरैविवधविध॥ हरषनहिरदैसमाइ॥ दरस
नतेवहुजननमकर॥ अघसमभ्हूरनिसाइ॥ ६६॥ चौपई॥ कर
हिजुमज्जनजपमनलाई॥ तिन्हकेमहिमाकहिनसिराई॥
स्पंदनपरनृपसोहतिकैसे॥ तेजवंतरविदेखियजैसे॥ नांघ
हा तशैलसुवनदेसा॥ पाछेसुरसरिआगनरेसा॥ हरिद्वारस
मीपजवआए॥ तीर्थदेखिसुरसरिमनभाए॥ तीर्थहूंमनभा
सुषभारी॥ आइप्रियागपहुचिअघहारी॥ जहमज्जनकी
न्हेउपजाई॥ वहुरिदेवसरिकांशीआई॥ सोसिवपुरीसद

॥तु॥रा॥ जिसुषदाई॥ वरननिजाइमनोहरताई॥ औरोंतीर्थविविधवि
॥बा॥ धजानी॥ गईतहांकिसकहोंवषानी॥ सगलोगन्हकोकर
॥२८॥ तमसनाथा॥ जाइचलीइहविधिरघुनाथा॥ दोहरा॥ मिलीवहो
रिसमुद्रकहं॥ उदधहृदयहरषान॥ लगीसराहनभगीरथ
हि॥ तुमसमधन्यनआन॥ ६०॥ चौपई॥ कीन्हतुम्हअसजस
करैनकोई॥ तपमहिमावलकानहहोई॥ सगरतनयतारे
ततकाला॥ हर्षवंततवभएभुआला॥ औरोरहेजुकुलम
हकोऊ॥ तिन्हकेसंगतेरसभसोऊ॥ सकलसुरन्हसंगत
होविधाता॥ नृपसनआइकहीअसिवाता॥ धन्यभगीर
थनृपजसुलइयो॥ तुमसमाननृपअवरनभयो॥ अपुनी
सकलप्रतिज्ञाकीयो॥ संवतवेदजीवनसुषदीयो॥ गंगा
सागरसवकोकहहिं॥ अघउलूकदेषतरविदहहिं॥ भागी
रथीसकलनरकहहिं॥ सुरमुनसिद्धनागजसुगेहहिं॥ अ
सिकहिविधिनिजलोकसिधाए॥ इहांभगीरथवहुसुष
पाए॥ छंद॥ पाएअमितसुषवहुरिरथजासुरसरहिमनुला
इके॥ तवदीन्हिआशिषमुदतगंगाभवनगेसुषपाइके
इहभांतिसुनगंगाकथातवरामरिषिचरनन्हनए॥ कह ॥२८

दासतुलसीरामलषनहिंमहामुनिआसिवदरा॥दोहरा॥कौ
शिकआशिषअमियसम॥पाइहरषरघुराज॥प्रभुसंशय
सभमिटिगए॥लवाझपटजिमिवाज॥६८॥चौपई॥रामना
मतेसंशयजाई॥देहधरेकरयहफलभाई॥गाधितनयसव
कथासुनाई॥जिहप्रकारसुरसरमहिआई॥तवप्रभुरिषन
समेतनहाए॥विवधदानमहिदेवन्हपाए॥हरषिचलेमुनि
वृंदसुहाया॥वेगविदेहनगरनियराया॥पुरम्यतिरंम्यरा
मजवदेखा॥हरषेअनुजसमेतविशेषा॥वापीकूपसरित
सरनाना॥सलिलसुधासममणिसोपाना॥गुंजतमंजुम
त्तरसभृंगा॥कूजतकलवहुवरणविहंगा॥वरणवरणवि
कसेवनजाता॥त्रिविधसमीरसदासुषदाता॥दोहरा॥सुम
नवाटिकावागवन॥विपुलविहंगनिवास॥फूलितफलि
तसुपल्लवत॥सोहतिपुरचहुंपास॥६९॥चौपई॥वनेनवर
नतनगरनिकाई॥जहांजाइमनतहांलुभाई॥चारुवजार
विचित्रअंबारी॥मणिमयजनुविधस्वकरसवारी॥धणिक
वणिकवरधनदसमाना॥वैठेसकलवस्तुलेनाना॥चारि
योवरणचारिआश्रमजस॥करहिनेमसवधर्मप्रेमवस॥

॥तु॥रा॥ चौहटसुंदरगलीसुहाई॥संततरहैंसुगंधसिंचाई॥मंगल
॥बा॥ मयमंदरसबकेरे॥चित्रतिजनुरतिनाथचितेरे॥पुरिनरना
॥७९॥ रिसुभगसुचिसंता॥धर्मशीलज्ञानीगुणवंता॥अतिअनू
पजहंजनकनिवासू॥बिथकहिंबिबुधबिलोकबिलासू
होतचकृतचितकोटबिलोकी॥सकलभुवनशोभाजनुरो
की॥दोहरा॥धवलधाममणिपुरटपट॥सुघटितनानाभा
ति॥सीयनिवाससुंदरसदन॥शोभाकिमकहिजात॥७०
चौपई॥सुभगद्वारसबकुलिशकपाटा॥भूपभीरनटमा
गधभाटा॥बनीविशालबाजिगजशाला॥हयगयरथसं
कुलसबकाला॥सूरसचिवसेनपबहुतेरे॥नृपगृहसरि
सदनसबकेरे॥पुरबाहरसुरसरितसमीपा॥उतरेजहंतह
बिपुलमहीपा॥देखअनूपबागअवराई॥सबसुपाससब
भांतसुहाई॥कौशिककहोमोरमनमाना॥इहांरहिय
रघुवीरसुजाना॥भलहिंनाथकहिकृपानिकेता॥उतरेत
हंमुनिवृंदसमेता॥विश्वामित्रमहामुनिआए॥समाचार
मिथिलापतिपाए॥दोहरा॥संगसचिवसुचिभूरिभट॥भू
सुरवरगुरुज्ञाति॥चलेमिलनमुनिनायकहिं॥मुदितरा ॥७९॥

यहहिभांत्त॥७१॥चौपई॥पहुचेनिकटदरसरिवदेषा॥जा
न्मसुफलआपनकरिलेषा॥कीन्हप्रणामचरणधरिमा
था॥दीन्हअसीसमुदतिमुनिनाथा॥विप्रबृंदमुनिसाद
रवंदे॥जानभागवडराइअनंदे॥कुशलप्रस्नकहिवारहि
वारा॥विश्वामित्रन्रपहिवैठारा॥तिहअवसरआएदोभा
ई॥गएरहेदेषनफुलवाई॥श्यामगौरमृदुवयसिकिशो
रा॥लोचनसुषदविश्वचितचोरा॥उठेसकलजवरघुपति
आए॥विश्वामित्रनिकटवैठाए॥भैसवसुषीदेषदोभ्राता
वारिविलोचनपुलिकितगाता॥मूरतमधुरमनोहरदेषी
भएविदेहविदेहविशेषी॥दोहरा॥प्रेममगनमनुजानिन्र
प॥करिविवेकधरिधीर॥वोलेमुनिपदनाइसिरु॥गदग
दगिरागंभीर॥७२॥चौपई॥कहहुनाथसुंदरदोवालक॥
मुनिकुलतिलककिन्रपकुलपालक॥व्रह्मजुनिगमने
तकरिगावा॥उभयवेषधरिकेसोआवा॥सहजविरागरू
पमनुमोरा॥थकितहोतजिमचंदचकोरा॥तातेप्रभुपूछो
सतिभाऊ॥कहहुनाथजनिकरहुदुराऊ॥इन्हहिविलो
कितअतिअनुरागा॥वरवसव्रह्मसुषहिमनुत्यागा॥कह

॥तु॥रा॥ मुनिविहसकहिहुनृपनीका॥वचनतुम्हारनहोइअलीका।
॥वा॥ यहप्रियसवहिजहांलगिप्रानी॥मनमुसकाहिरामसुनि
॥८०॥ वानी॥रघुकुलमनिदसरथकेजाए॥ममहितलागिनरे
सपठाए॥दोहरा॥रामलषणदोउवंधुवर॥रूपशीलवलधा
म॥मषराष्योसवसाषिजगुजीतिअसुरसंग्राम॥२३॥चौपई
मुनितवचरणदेषिकहराऊ॥कहनसकौनिजपुंण्यप्रभा
ऊ॥सुंदरस्यामगौरदोउभ्राता॥आनंदहूकेआनंददाता॥इ
न्हकेप्रीतिपरस्परपावनि॥कहनजाइमनभावसुहावनि
सुनहुनाथकहमुदितविदेहू॥ब्रह्मजीवइवसहजसनेहू
पुनपुनप्रभुचितवतनरनाहू॥पुलकगातउरअधिकउछा
हू॥मुनहिप्रसंसनाइपदसीसा॥चल्योलवाइनगरअव
नीसा॥सुंदरसदनसुषदसवकाला॥तहांवासुलेदीन्हभु
आला॥करिपूजासवविधिसेवकाई॥गएराउगृहविदाक
राई॥दोहरा॥रिषयसंगरघुवंशमणि॥करिभोजनविश्रा
म॥वैठेप्रभुभ्रातासहित॥दिवसरहाभरिजाम॥२४॥चौपई
लषनहृदेलालसाविशेषी॥जाइजनकपुरआइयदेषी॥
प्रभुभयवहुरिमुनहिसकुचाही॥प्रगटनकहहिमनहि॥ ॥८०

मुसकाहीं॥ रामअनुजमनकीगतिजानी॥ भक्तवछलता
हीयहुलसानी॥ परमविनीतसकुचिमुसकाई॥ वोलेगुर
अनुसासनपाई॥ नाथलखनपुरदेषनचहहीं॥ प्रभुस।
कोचडरप्रगटनकहहीं॥ जौराउरआयसुमैपावौ॥ नगर
दिषाइतुरतलैआवौ॥ सुनिमुनीसकहवचनसप्रीती॥।
कसनरामतुमराषहुनीती॥ धर्मसेतुपालकतुमताता॥
प्रेमविवसशेवकसुषदाता॥ दोहरा॥ जाइदेषिआवहुन
गरु॥ सुषनिधानदोभाइ॥ करहुसुफलसवकेनयन॥ सुं ल
दरवदनदिषाइ॥ १५॥ चौपई॥ मुनिपदकमलवंदिदोभ्रा।
ता॥ चलेलोकलोचनसुषदाता॥ वालकव्रंददेषअति।
शोभा॥ चलेसंगलोचनमनलोभा॥ पीतवसनपरिकर
कटिभाथा॥ चारुचापसरसोहतहाथा॥ तनअनुहरत
सुचंदनषोरी॥ स्यामलगौरमनोहरजोरी॥ केहरकंधर
वाहुविशाला॥ उरअतिरुचिरनागमणिमाला॥ सुभग
श्रवणसरसीरुहलोचन॥ वदनमयंकतापत्रैमोचन॥
कानन्हकरणफूलछविदेही॥ चितवतिचितहिचोरज
नुलेही॥ चितवनुचारुभृकुटिवरवाकी॥ तिलकरेषशो।

॥तु॥रा॥ भाजनुचापी॥दोहरा॥रुचिरचौतनीसुभगसिर॥मेचककुं
॥बा॥ चतकेस॥नृषसिषसुंदरवंधुदौ॥शोभासकलसुदेस॥७६
॥८१॥ चौपई॥देषँनगरभूपसुतआए॥समाचारपुरवासिन्हिपा
ए॥धाएकामधामसवत्यागे॥मनहुरंकनिधिलूटनला
गे॥निरषसहजसुंदरदौभाई॥होहिसुषीलोचनफल।
पाई॥जुवतीभवनझरोषनलागी॥निरषहिरामरूप।
अनुरागी॥कहहिंपरसपरवचनसप्रीती॥सषिइन्हिको
टिकामछविजीती॥सुरनरअसुरनागमुनिमाही॥शो
भाअसिसुनीयतकहूनाही॥विस्नुचारिभुजविधिमुष
चारी॥विकटवेषमुषपंचपुरारी॥अवरदेवअसकोउ
नाही॥यहछविसषिपटतरीयेजाही॥दोहरा॥वयकि
शोरसुषमासदन॥स्यामगौरसुषधाम॥अंगअंगपरि
वारीअहि॥कोटकोटशतकाम॥७७॥चौपई॥कहहुस
षीअसकोतनुधारी॥जोनमोहयहरूपनिहारी॥कोउस
प्रेमवोलीमृदुवानी॥जोमैसुनासोसुनहुसयानी॥एदौ
नृपदसरथकेढोटा॥वालमरालन्हकेकलजोटा॥।
मुनिकौशिकमषकेरषवारे॥जिन्हरणअजिरनिशा। ॥८१॥

चरमोरे ॥ श्यामगातकलकंजविलोचन ॥ जोमारीचसुभुजा
मदमोचन ॥ कौशल्यासुतसोसुषषानी ॥ नामरामधनुसा
यकपानी ॥ गौरकिशोरवेषवरकाछे ॥ करसरचापरामके
पाछे ॥ लछुमननामरामलघुभ्राता ॥ सुनसषितासुसुमि
त्रामाता ॥ दोहरा ॥ विप्रकाजकरिवंधुद्वौ ॥ मगमुनिवधूउ
धारि ॥ आएदेषनचापमष ॥ सुनहरषीसवनारि ॥ १८ ॥ चौ
देषरामछविकोइककहई ॥ योगजानकीयहुवरअहई ॥
जौसषिइन्हहिदेषिनरनाहु ॥ पनपरिहरिहठिकरैविवाहु
कोकहएभूपतियहिचाने ॥ मुनिसमेतसादरसनमाने ॥
सषिपरंतुपनुराउनतजई ॥ विधिवसहठअविवेकहिभज
ई ॥ कोकहजौभलअहइविधाता ॥ सवकहसुनियउचित
फलदाता ॥ तौजानकिहिमिलहिवरुएहु ॥ नाहनआलि
इहांसंदेहु ॥ जौविधिवसअसवनैसंयोगू ॥ तौकृतकृत्यहो
हसवलोगू ॥ सषिहमरेआतिआरतिताते ॥ कवहुकयेआ
वहिइहिनाते ॥ दोहरा ॥ नाहितहमकहिसुनहुसषि ॥ इन्ह
करदरसनदूर ॥ यहसंघटतवहोइजव ॥ पुंन्यपुराकृतिभू
रि ॥ १९ ॥ चौपई ॥ वोलीअपरकहिहुसषिनीका ॥ इहविवा

हअतिहितसवहीका॥ कौकहशंकरचापकठोरा॥ येश्या
मलमृदुगात्तिकिशोरा॥ असमंजसअसअहइसयानी।
यहसुनिअपरकहिहमृदुवानी॥ सषिइन्हकहकौको।
असकहही॥ वडप्रभावदेषतलघुअहही॥ परसिजासु
पदपंकजधूरी॥ तरीअहिल्याकृतअघभूरी॥ सोकिरह
हिविनुशिवधनुतोरे॥ यहप्रतीतिपरिहरीयनभोरे॥ जि
हंविरंचिरचिसीयसवारी॥ तिहंसावरवरुरचेउविचारी॥
तासुवचनसुनसवहरषानी॥ ऐसेहोउकहैमृदुवानी॥
दोहा॥ हीयहरषहिवरषहिसुमन॥ सुमुषिसुलोचनवृं
द॥ जांहिजहांजहवंधुदो॥ तहंतहंपरमानंद॥८०॥ चौपई
पुनपूरवदिशिगेदोभाई॥ जहांधनुषहितभूमिवनाई॥
अतिविस्तारचारुगचकारी॥ विमलवेदिकारुचिरसवा
री॥ चहुदिशाकंचनमंचविशाला॥ रचेजहांवैठहिमहि।
पाला॥ तिहपाछेसमीपचहुपासा॥ अपरमंचमंडलीवि
लासा॥ कछुकऊंचसवभांतिसुहाई॥ वैठहिनगरलोग।
के२ जहजाई॥ तिन्हंनिकटविशालसुहाए॥ धवलधामवहु
वरणवनाए॥ जहवैठेदेषहिसवनारी॥ जथाजोगनिज। ॥८२॥

कलिमलहारी॥ पुरबालककहिकहिमृदुवचना॥ सादरप्र
भुहिदिषावहिरचना॥ दोहरा॥ सबसिसुइहमिसप्रेमबस॥
परसमनोहरिगात॥ तनपुलकहिअतिहरषहीय॥ देषि
देषिदोभ्रात॥ ८२॥ चौपई॥ सिसुसबरामप्रेमबसिजाने॥
प्रीतिसमेतनिकेतबषाने॥ निजनिजरुचिसबलेहिबुला
ई॥ सहितसनेहजांहिदोभाई॥ रामदिषावहिअनुजहिर
चना॥ कहिमृदुमधुरमनोहरबचना॥ लवनिमेषमहि
भुवननिकाया॥ रचैजासुअनुसासनमाया॥ भक्तहेतसो
दीनदयाला॥ चितवतचकतधनुषमषशाला॥ कौतक
देषचलेगुरुपाही॥ जानिविलंबत्रासमनमाही॥ जासुत्रा
सडरकहंडरहोई॥ भजनप्रभावदिषावतसोई॥ कहिबा
तेमृदुमधुरसुहाई॥ विदाकीयेबालकसमुदाई॥ दोहरा॥
सभयसप्रेमविनीतिअति॥ सकुचसहितदोभाइ॥ गुरुप
दपंकजनाइसिर॥ बैठेआयसुपाइ॥ ८२॥ चौपई॥ निशि
प्रवेसमुनिआयसुदीन्हा॥ तवहीसंध्यावंदनकीन्हा॥ क
हतकथाइतिहासपुरानी॥ रुचिररजनिजुगजामसिरा
नी॥ मुनिवरसयनकीन्हतवजाई॥ लगेचरनचापनदो॥

।तु।रा।
।बा।
।८३।

भाई॥ जिन्हकेचरणसरोरुहलागी॥ करतविविधविधयो।
गविरागी॥ तेदोउवंधप्रेमजनुजीते॥ गुरुपदकमलपलोट
तप्रीते॥ वारवारमुनिआज्ञादीन्ही॥ रघुवरजाइशयनतव
वकीन्ही॥ चांपतचरणलषनउरलाए॥ सभयसप्रेमपर
मसुषपाए॥ पुनपुनप्रभुकहसोवहुताता॥ पोढेउरधरि
पदजलजाता॥ दोहरा॥ उठेलषननिशिविगतसुनि॥ अ
रुणशिषाधुनिकान॥ गुरुतेपहिलेजगतपति॥ जागे
रामसुजान॥८३॥ चौपई॥ सकलशौचकरिजाइनहाए॥
नित्यनिवाहमुनहिंसिरनाए॥ समयजानगुरुआयसुपा
ई॥ लेनप्रसूनचलेदोभाई॥ भूपवागवरदेष्योजाई॥ जह
वसंतरितुरहीलुभाई॥ लागेविटपमनोहरनाना॥ वरण
वरणवरवेलवितांना॥ नवपल्लवफलफूलसुहाए॥ नि
जसंपतिसुररूषलजाए॥ चातककोकिलकीरचकोरा॥
कूजतविहगनटतकलमोरा॥ मध्यवागसरसोहसुहावा
मणिसोपानविचित्रवनावा॥ विमलसलिलसरसिजव
हुरंगा॥ जलषगकूजतगुंजतिभृंगा॥ दोहरा॥ वागतडा
गविलोकप्रभु॥ हरषेवंधुसमेत॥ परमरंम्यआरामयह ।८३

मोराममहिमुबदेत ॥ ८४ ॥ चौपई ॥ चहूंदिशिचितवपूछिमाली
गन ॥ लगेलेनदलफूलमुदतमन ॥ तिहंअवसरसीता।
तहंआई ॥ गिरिजापूजनजननिपठाई ॥ संगसखीसवसु।
भगसियानी ॥ गावहिगीतमनोहरवानी ॥ सरसमीपगि
रिजागृहसोहा ॥ वरणिनजाइदेखमनमोहा ॥ मज्जनक।
रिसरसखिन्हसमेता ॥ गईमुदितमनगौरनिकेता ॥ पूजा
कीन्हिअधिकअनरागा ॥ निजअनुरूपसुभगवरुमा।
गा ॥ एकसखीसीयसंगुविहाई ॥ गईरहीदेखनफुलवाई
तिहंदोवंधुविलोकेजाई ॥ प्रेमविवससीतापहिआई ॥।
दोहरा ॥ तासुदशादेखीसखिन्ह ॥ पुलकिगातजलनयन
कहुकारणनिजहर्षकर ॥ पूछहिसवमृदुवयन ॥ ८५ ॥ चौ
देखनवागकुअरदुइआए ॥ वयकिशोरसभभांतसुहाए
श्यामगौरकिमकहौवखानी ॥ गिराअनयननयनवि।
नुवानी ॥ सुनहरखीसवसखीसयानी ॥ सीयहीयअति।
उतकंठाजानी ॥ एककहैनृपसुततेआली ॥ सुनजेमुनि
संगआएकाली ॥ तिन्हनिजरूपमोहनीडारी ॥ कीन्हेस्व
वसनगरनरनारी ॥ वर्णतछविजहंतहंसवलोगू ॥ अव

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥८४॥

सिदेषिअहिदेवनियोगू॥ तासुवचनअतिसीयहिसुहाने
ट्रसलागिलोचनअकुलाने॥चलीअग्रकरिप्रियसषि
सोई॥ प्रीतपुरातनलषैनकोई॥दोहरा॥सुमिरसीयनार
दवचन॥ उपजीप्रीतिपुनीति॥ चकतिविलोकतिसकल
दिशि॥ जिमसिसुमृगीसभीति॥८८॥चौपई॥कंकणकिं
कनिनूपरधुनिसुन॥ कहतलषनसनरामहृदयगुन॥
मानहुमदनदुंदभीदीन्ही॥मनसाविश्वविजयकहकी
न्ही॥ असकहिफिरचितएतहिओरा॥सीयमुषससि
भएनैनचकोरा॥ भराविलोचनचारुअचंचल॥मनहु
सकुचिनिमितजेद्रगंचल॥देषसीयशोभासुषपावा॥।
हृदयसराहतवचननआवा॥जनुविरंचिसभनिजनिपु
नाई॥ विरचिविश्वकहंप्रगटदिषाई॥सुंदरताकहंसुंदर
करई॥ छविगृहदीपशिषाजनुवरई॥सवउपमाकविर
हेजुठारी॥ किहिपटतरुंदेउजनककुमारी॥दोहरा॥सी
यसोभाहीयवरणिप्रभु॥आपनिदशाविसारि॥वोले।
सुचिमनअनुजसन॥ वचनसीयअनुहारि॥८१॥चौ॥
तातजनककतनयायहसोई॥धनषयज्ञजिहंकारनहोई॥ ॥८४॥

पूजनगौरसषीलैआई॥करतप्रकाशफिरहिफुलवाई॥
तासुविलोकिअलौकिकशोभा॥सहजपुनीतमोरमनछो
भा॥सोसबकारणजानविधाता॥फरकहिंसुभगअंगसु
नभ्राता॥रघुवंसिन्हकरसहजसुभाऊ॥मनकुपंथपगु
धरइनकाऊ॥मुहिअतिशयप्रतीतिमनकेरी॥जिहंसप
नहुपरिनारिनहेरी॥जिन्हकीलहेनरिपुरणपीठी॥नहि
पावहिपरतीयमनडीठी॥मंगणलहहिंनजिन्हकेनाही
तेनरवरथोरेजगमाही॥दोहरा॥करतबातकहीअनुज
सन॥मनुसीयरूपलुभान॥मुषसरोजमकरंदछवि॥
करैमधुपइवपान॥८८॥चौपई॥चितवतचकितचहूंदि
शिसीता॥कहंगएनृपकिशोरमनचीता॥जहविलोकि
मृगसावकनयनी॥जनुतहवरषकमलसितश्रेनी॥
लताओटतंसषिन्हदिषाए॥स्यामलगौरकिशोरसुहाए॥
देषरूपलोचनललचाने॥हरषेजनुनिजनिजपहिचा
ने॥थकेनयनरघुपतिछविदेषे॥पलकनहूपरिहरी॥
निमेषे॥अधिकसनेहदेहभईभोरी॥सरदशशिहिज
नुचितवचकोरी॥लोचनमगरामहिउरआनी॥दीन्हेप

॥तु॥रा॥ लकुकपाटसयानी॥जवसीयसषिनप्रेमवसिजानी॥क
॥बा॥ हिनसकहिंकछुमनसकुचानी॥दोहरा॥लताभवँतेप्रा
॥८५॥ गटभो॥तिहंअवसरदोभाई॥निकसेजनुजुगविमलवि
धु॥जलदपटलविलगाइ॥८९॥चौपई॥शोभासीमसुभ
गदोवीरा॥नीलपीतजलजातशरीरा॥काकपंषसिरसो
हतनीके॥गुंछाविचविचकुसुमकलीके॥भालतिलकश्र
मविंदसुहाए॥श्रवणसुभगभूषणछविछाए॥विकटा
भकुटिकचघूंघरवारे॥नवसरोजलोचनरतनारे॥चारु
चिवुकनाशिकाकपोला॥हासविलाससेतमनुमोला
मषछविकहिनजाइमुहिपाही॥जोविलोकवहुकाम।
लजाही॥उरमणिमालकंवुकलग्रीवा॥कामकरिभक
रभुजवलसीवा॥सुमनसमेतवामकरदोना॥सांवरकु।
वरसषीसुठिलोना॥दोहरा॥केहरिकटिपटपीतधरि
सुषमाशीलनिधान॥देषभानकुलँषनहि॥विसरासा। भ
षिन्हअपान॥९०॥चौपई॥धरिधीरजइकसषीसयानी
सीतासनवोलीगहिपानी॥वहुरिगौरकरध्यानकरेहू
भूपकिशोरदेषिकिन्हलेहू॥सुकुचिसीयतवनैनउघारे ॥८५

सनमुषछोरघुसिंघनिहारे॥नषसिषदेषिरामकैशोभा॥।
सुमिरिपितापनुमनुअतिमनछोभा॥परवससषिन्हलषीज
वसीता॥भइउगहिरसवकहिहिसभीता॥पुनिआउवइहि
विरीयाकाली॥असकहिमनविहसीइकआली॥गूढ़इ
गिरासुनसीयसकुचानी॥भयोविलंवमातुभयमानी॥ध
रिवडधीररामउरआने॥फिरअपनयोपितुवसिजाने॥।
दोहरा॥देषनमिसिमृगविहगतरु॥फिरहिवहोरिवहो
रि॥निरषिनिरषिरघुवीरछवि॥वाढैप्रीतिनथोरि॥४१॥चौ
जानकठनशिववापविसूरति॥चलीराषिउरस्यामलमू
रति॥प्रभुजवजातजानुकीजानी॥सुषसनैंशोभागुण। ह
षानी॥परमप्रेममयमृदुमसिकीन्ही॥चारुचित्तभीतर
लिषलीन्ही॥गईभवानीभवनवहोरी॥वंदचरणवोली
करजोरी॥जैजैगिरवरराजकिशोरी॥जयमहेसमुषचंद
चकोरी॥जयगजवदनषटाननमाता॥जगतजननि।
दामिनिदुतिगाता॥नहितवआदिमधअवसाना॥।
अमितप्रभाववेदनहिजाना॥भवभवविभवपराभव
कारणि॥विश्वविमोहिनिस्ववसविहारणि॥दोहरा॥।

॥तु॰॥रा॥ पतिदेवतासुतीयमहं॥मातप्रथमतवरेष॥महिमाअमि
॥बा॥ तनसकहिकहि॥सहिससारदासेष॥५२॥चौपई॥सेवत
॥८६॥ तोहिसुलभफलचारी॥वरदायिनीपुरारिपियारी॥देवपू
जिपदकमलतुमारे॥सुरनरमुनिसवहोहिसुषारे॥मोर
मनोरथजानहुनीके॥वसहुसदाउरपुरसवहीके॥कीन्हे
प्रगटनकारणतेही॥असिकहिचरणगहेवैदेही॥विन
यप्रेमवसिभईभवानी॥षिसीमालमूरतिमुसकानी॥सा
दरसीयप्रसादसिरधरियो॥वोलीगौरिहरषिउरभरयो॥
सुनसीयसत्यअसीसहमारी॥पूजहिमनकामनातुमा
री॥नारदवचनसदासुचिसाचा॥सोवरुमिलहिजाहिम
नुराचा॥छंद॥मनुजाहिराच्योमिलहिसोवरुसहज
सुंदरसांवरो॥करुनानिधानसुजानसीलसनेहजानत
रावरो॥इहभांतिगौरअसीससुनिसीयसहितहीयहर
षितअली॥तुलसीभवानिहिपूजिपुनिपुनिमुदितम
नमंदिरचली॥सोरठा॥जानिगौरिअनुकूल॥सीयहीय
हरषुनजाइकहि॥मंजुलमंगलमूल॥वामअंगफरक
नलगे॥५३॥चौपई॥हृदयसराहतसीयलुनाई॥गुरुस ॥८६॥

मीपगवनेद्वौभाई॥ रामकह्यासवकोशिकपाही॥ सरलसु
भाउछुअतछलनाही॥ सुमनपाइमुनिपूजाकीन्ही॥ पुन
असीसदुहुभाइनदीन्ही॥ सफलमनोरथहोहितुम्हारे॥
रामलषनसुनिभएसुषारे॥ करिभोजनमुनिवरविज्ञानी
लगेकहनकछुकथापुरानी॥ विगतदिवसगुरुआय
सुपाई॥ संध्याकरनचलेद्वौभाई॥ प्राचीदिशिशशिउदयो
सुहावा॥ सीयमुषसरिसदेषसुषपावा॥ वहुरिविचारकी
न्हमनमाही॥ सीयवदनसमहिंमकरनाही॥ दोहरा॥ ज
नमसिंधुपुनिवंधुविष॥ दिनमलीनसकलंक॥ सीयमु
षसमतापावकिम॥ चंदवापुरोरंक॥ ५८॥ चौपई॥ घटेवढे
विरहिनदुषदाई॥ ग्रसैराहुनिजसंधहिपाई॥ कोकशो
कप्रदपंकजद्रोही॥ अवगुणवहुतचंद्रमातोही॥ वैदेही
मुषपटतरदीन्हे॥ होइदोषवडअनुचितकीन्हे॥ सीय
मुषछविविधुव्याजवषानी॥ गुरुपहिचलेनिशावडजा
नी॥ करिमुनिचरणसरोजप्रणामा॥ आयसुपाइकीन्ह
विश्रामा॥ विगतनिशारघुनायकजागे॥ वंधुविलोककक
हनअसलागे॥ उदयअरुणअविलोकहुताता॥ पंकज

कोकसोकसुषदाता॥बोलेलषनजोरजुगपानी॥प्रभुप्र।
भावसूचकमृदुवानी॥दोहा॥अरुणउदैसकुचेकुमुद॥
उडगनजोतिमलीन॥त्युंतुह्मारआगमनसुनि॥भएनृप
तिवलहीन॥२३८॥चौपई॥नृपसवनषतकरहिउजियारी
टारिनसकहिचापतमभारी॥कमलकोकमधुकरषग
नाना॥हरषेसकलनिशाअवसाना॥ऐसेसभप्रभभ।
क्तुह्मारे॥होइहहिंटूटेधनुषसुषारे॥उदयभानुविनुश्र।
मतमनासा॥दुरेनषतजगतेजप्रकासा॥रविनिजउदय।
व्याजरघुराया॥प्रभुप्रतापसभनृपन्हदिषाया॥तवभुज।
बलमहिमाउदघाटी॥प्रगटीधनुविघटनपरिपाटी॥वंधुव
चनसुनप्रभमुसकाने॥व्हैसुचिसहजपुनीतनहाने॥नि
गुरु त्यक्रियाकरिपहिआए॥चरनसरोजसुभगसिरनाए॥
शतानंदतवजनकवुलाए॥कौशकिमुनिपहितुरतप।
ठाए॥जनकविनयतिन्हआइसुनाई॥हरषेवोललीय
दोऊभाई॥दोहा॥शतानंदपदवंदिप्रभ॥वैठेगुरुपहि
जाइ॥चलहुतातमुनिकह्योतव॥पठएजनकवुलाइ।
२३९॥चौपई॥सीयस्वयंवरुदेषहिजाई॥ईशकाहिधोंदे

इवढाई॥ लषणकह्योजसभाजनसोई॥ नाथकृपातवजाप
रहोई॥ हरषेमुनिसबसुनिवरवानी॥ दीन्हअसीससबहि
सुषमानी॥ पुनमुनिवृंदसमेतकृपाला॥ देषनचलेधनु
षमषशाला॥ रंगभूमिआएदोभाई॥ असिसुधसबपुरवा
सनपाई॥ चलेसकलगृहकाजविसारी॥ वालजुवानज
रठनरनारी॥ देषीजनकभीरभैभारी॥ सुचिशेवकसब
लीयेहंकारी॥ तुरतसकललोगन्हपहिजाहू॥ आसन
उचितदेहुसबकाहू॥ दोहरा॥ कहिमृदुवचनविनीतति
न्ह॥ बैठाएनरनारि॥ उत्तममध्यमनीचलघु॥ निजनिज
थलअनुहारि॥ २१॥ चौपई॥ राजकुअरतिहिअवसरआ
ए॥ मनहुमनोहरतातनछाए॥ गुणसागरनागरवरवी
रा॥ सुंदरश्यामलगौरसरीरा॥ राजसमाजविराजतरूरे॥
उडगणमहिजनजुगविधपूरे॥ जिन्हकेरहीभावनाजैसी
प्रभुमूरतितिन्हदेषीतैसी॥ देषहिभूपमहारणधीरा॥ म
नहुवीररसधरेसरीरा॥ डरेकुटलनृपप्रभहिनिहारी॥ म
नोभयानकमूरतिभारी॥ रहेअसुरछलजोनृपवेषा॥ ति
न्हप्रभुप्रगटकालसमदेषा॥ पुरुवासिन्हदेषेद्वैभाई॥

॥तु॥ रा॥ नरभषणलोचनसुषदाई॥दोहरा॥नारिबिलोकहिहरषि
॥बा॥ हीय॥निजनिजरुचिअनुरूप॥जनुसोहतिसिंगारधर॥
॥८८॥ मूरतिपरमअनूप॥५८॥चौपई॥बिदुषन्हप्रभुबिराटम
यदीषा॥बहुमुषकरपदलोचनसीसा॥जनकजातिअ
वलोकहिकैसे॥सगेस्वजनप्रियलागहिजैसे॥सहित
बिदेहबिलोकहिरानी॥सिसुसमप्रीतिनजाइबषानी॥
योगिन्हपरमतत्वमयभासा॥शांतशुद्धमयसहजप्रका
शा॥हरिभक्तन्हदेषेदोउभ्राता॥इष्टदेवइवसवसुषदाता॥
रामहिचितवभायजिहसीया॥सोसनेहसुषनहिकथ
नीया॥उरअनुभवतिनकहिसकसोऊ॥कवनप्रकार
कहैसवकोऊ॥जिहबिधिरहाजाहिजसभाऊ॥तिहतस
देषेकोशलराऊ॥दोहरा॥राजतराजसमाजमहि॥कोश
लराजकिशोर॥सुंदरश्यामलगौरतन॥बिश्वबिलोचन
चोर॥५९॥चौपई॥सहजमनोहरमूरतिदोऊ॥कोटिका
मउपमालघुसोऊ॥सरदचंदनिंदकमुषनीके॥नीरज
नैनभावतेजीके॥चितवनचारुमारमदहरनी॥भाव॥
तिहृदयजाततहिबरनी॥कलकपोलश्रुतिकुंडललो ॥८८॥

ला॥ चिबुकअधरसुंदरमृदुबोला॥ कुमदबंधुकरनिंदकहा
सा॥ भृकुटीबिकटमनोहरनासा॥ भालबिशालतिलक
झलकाही॥ कचबिलोकिअलिअवलिलजाही॥ पीतचौ
तनीसीसिसुहाई॥ कुसुमकलीबिचबीचबनाई॥ रेखैरुचि
रकंबुकलग्रीवा॥ जनुत्रिभुवनशोभाकैसीवा॥ दोहरा॥॥
कुंजरमणिकंठाकलित॥ उरसिततुलसिकामाल॥ वृषभ
कंधकेहरिठवन॥ बलनिधबाहुबिशाल॥ १००॥ चौपई॥
कटितूनीरपीतपटबांधे॥ करसरधनुषबामबरकांधे॥ पी
तयज्ञउपवीतसुहाए॥ नषसिषमंजुमहाछबिछाए॥ देष
लोगसबभएसुषारे॥ इकटकलोचनटरतनटारे॥ हरषे
जनकदेषछबिभाई॥ मुनिपदकमलगहेतबजाई॥ करबि
नतीनिजकथासुनाई॥ रंगअवनिसबमुनिहिदिषाई॥
जहंजहंजांहिकुवरबरदोऊ॥ तहंतहंचकृतचितवसबको
ऊ॥ निजनिजरुचरामहिसबदेषा॥ कोउनजानकछुमर
मबिशेषा॥ भलिरचनामुनिनृपसनकहियो॥ राजामु
दितमहासुषलहियो॥ दोहरा॥ सबमंचन्हतेमंचइक॥
सुंदरबिसदबिशाल॥ मुनिसमेतदोउबंधुतहं॥ बैठारेमहि

॥तु॥रा॥ पाल॥२॥चौपई॥प्रभहिदेषिसभनृपहियहारे॥जनुराकेसउ
॥बा॥ दैभैतारे॥असिप्रतीतिसबकेमनमाही॥रामचापतोरब
॥८९॥ सकनाही॥बिनुभंजेहुभवधनुषबिशाला॥मेलहिसी
यरामउरमाला॥असिबिचारिगवनहुघरभाई॥जसप्रता
पबलतेजगवाई॥बिहसेअपरभूपसुनबानी॥जेअबिबे
कअंधिअभिमानी॥तोरिहुधनुषब्याहअवगाहा॥बिनु
तोरेकोकुअरिबिआहा॥एकबारकालौकिनहोऊ॥सीय
हितसमरजितबहमसोऊ॥यहसुनअपरमहिपमुसका
ने॥धर्मशीलहरिभक्तसयाने॥सोरठा॥सीयबियाहबरा
म॥गर्वदूरिकरिनृपनको॥जीतकुसकसंग्राम॥दसरथ
केरणबाकुरे॥२॥चौपई॥ब्यर्थमरहुजनिगालबजाई॥
मनमोदकन्हकिभूषबिताई॥सिषहमारसुनपरमपुनी
ता॥जगदंबाजानहुजीयसीता॥जगतपितारघुपतहिबि
चारी॥भरिलोचनछबिलेहुनिहारी॥सुंदरसुषदसकल
गुणरासी॥एदोबंधुशंभउरबासी॥सुधासमुद्रसमीपबि
हाई॥मृगजलनिरषिमरहुकतधाई॥करहुजाइजोकहुं
जोभावा॥हमतोआजुजन्मफलपावा॥असकहिभले ॥८९॥

भूपअनुरागे॥ रूपअनूपविलोकनलागे॥ देषहिंसुरनभ
चढेविवाना॥ वरषहिंसुमनकरहिंकलगाना॥ दोहरा॥ जा
निसुअवसरसीयतव॥ पठईजनकवुलाइ॥ चतुरसषीसुं
दरसकल॥ सादरचलीलवाइ॥३॥ चौपई॥ सीयशोभान
हिंजाइवषानी॥ जगदंविकारूपगुणषानी॥ उपमासक
लमोहलघलागी॥ प्राकृतिनारिअंगअनरागी॥ सियवर
णियसोउपमादेई॥ कुकविकहाइअजसकोलेई॥ जौंप य
टतरीतीयसमसीया॥ जगअसिजुवतिकहांकमनीया।
गिरामुषरतनअरधभवानी॥ रतिअतिदुषितअतनुप।
तिजानी॥ विषवारुनीवंधुप्रियजेही॥ करीयरमासमकि
मवैदेही॥ जौछविसुधापयोनिधिहोई॥ परमरूपमय।
कछपसोई॥ सोभारजुमंदरुसिंगारू॥ मथैपाणिपंक।
जनिजमारू॥ दोहरा। इहविधउपजैलछजव॥ सुंदरता।
सुषमूल॥ तदपिसकोंसमेतकवि॥ कहहिंसीयसम। च
तूल॥४॥ चौपई॥ चलीसंगलेसषीसयानी॥ गावतिगी।
तमनोहरवानी॥ सोहनवलतनसुंदरसारी॥ जगतजन
निअतुलितछविभारी॥ भूषनसकलसुदेसवनारा॥।

॥तु॥रा॥ ॥बा॥ ॥९०॥

अंगअंगरचिसखन्हबनाए॥रंगभूमजबसीयपगुधारी॥
देषरूपमोहेनरनारी॥हरषिसुरन्हदुंदभीबजाई॥बरषि
प्रसूनअपसरागाई॥पानसरोजसोहजयमाला॥उवक
तचितएसकलभुआला॥सीयचकितचितरामहिचाहा
भएमोहवससवनरनाहा॥मुनिसमीपदेषेदोभाई॥ल
गेललकिलोचननिधिपाई॥दोहा॥गुरजनलाजसमा
जवड॥देषसीयसकुचान॥लागिविलोकनसषिन्हत
न॥रघुवीरहिउरआन॥५॥चौपई॥रामरूपअरुसीयछ
विदेषे॥नरनारन्हपरिहरीनमेषे॥सोचहिसकलकहत
सकुचाही॥विधिसनविनयकरैमनमाही॥हरविधिवे
गजनकजडताई॥मतहमारिअसिदेहुसुहाई॥विनवि
चारपणतजिनरनाहू॥सीयरामकरकरैविवाहू॥जगु
भलकहहिभावसवकाहू॥हठकीन्हेअंतहुउरदाहू॥इह
लालसामगनसवलोगू॥वरुसांवरोजानकिहजोगू॥
तववंदीजनजनकबुलाए॥विरदावलीकहतचलिआ
ए॥कहनृपजाइकहहुप्रणमोरा॥चलेभाटमनहरषन
थोरा॥दोहा॥बोलेवंदीवचनवर॥सुनहुसकलमहि। ॥९०

पाल॥ प्रणविदेहकिकरकहहिंहम॥ भुजाउठाइविशाल॥ ६॥
चौपई॥ नृपभुजवलविधुशिवधनुराहू॥ गरुयकठोरविदित
सवकाहू॥ रावणवाणमहाभटभारे॥ देषसरासनगवहिसि
धारे॥ सोउपुरारिकोदंडकठोरा॥ राजसमाजआजुजोतोरा॥ त्रि
भुवनजयसमेतवैदेही॥ विनहिविचारवरैहठितेही॥ सुन।
प्रणसकलभूपअभिलाषे॥ भटमानीअतिशयमनमाषे
परिकरिवांधउठेअकुलाई॥ चलेइष्टदेवन्हसिरनाई॥ तम
किताकितकिशिवधनधरही॥ उठयनकोटिभांतिवलुक
रही॥ जिन्हकेकछुविचारमनमाही॥ चापसमीपमहीपन
जाही॥ दोहरा॥ तमकिधरहिधनमूढनृप॥ उठैनचलहिलजा
इ॥ मनहुपाइभटवाहुवल॥ अधकअधकगरुआइ॥ ७॥
चौपई॥ भूपसहसदसएकहिवारा॥ लगेउठावनटरैनटारा॥
उठैनशंभुसरासनकैसे॥ कामीवचनसतीमनुजैसे॥ सव
नृपभएयोगउपहासी॥ जैसेविनुविरागसंन्यासी॥ कीर
तिविजयवीरताभारी॥ चलेचापकरिवलसवहारी॥ श्रीह
तभएहारहीयराजा॥ वैठनिजनिजजाइसमाजा॥ नृपन्ह
विलोकजनकअकुलाने॥ वोलेवचनरोषजनुसाने॥

॥तु॥रा॥ दीपदीपकेभूपतिनाना॥ आएसुनहमजोपनुठाना॥देवद।
॥बा॥ नुजधरिमनुजशरीरा॥ विपुलवीरआएरणधीरा॥दोहरा॥।
॥९१॥ कुवरिमनोहरविजयवड॥ कीरतिअतिकमनीय॥पावन।
हारविरंचिजनुरच्योनधनुदमनीय॥८॥चौपई॥कहहुकाहि
यहिलाभुनभावा॥ काहुनशंकरचापचढावा॥रह्योचढाउब
तोरबभाई॥ तिलभरिभूमनसकेछुडाई॥ अबजनकोमाषैभ
टमानी॥ वीरविहीनमहीमैजानी॥तजहुआसनिजनिज
ग्रहजाहू॥ लिषानविधिवैदेहिविवाहू॥सुकृतजाइजोप।
णपरिहरऊं॥ कुअरिकुआरिरहोकाकरऊं॥ जोजानतिभ
टविनभुवभाई॥ तोपणिकरिहुनाहिहसाई॥जनकवच
नसुनसवनरनारी॥ देषिजानकिहिभएदुषारी॥माषेल।
षनकुटिलभैभोहैं॥ रदपटफरकितनैनरिसोहैं॥दोहरा॥।
कहिनसकतरघुवीरडर॥ लगेवचनजनुवान॥नाइराम।
पदकमलसिरु॥ बोलेवचनप्रमान॥९॥चौपई॥रघुवंसिह्न
महुजहकोहोई॥ तिहसमाजअसकहैनकोई॥कहीजन।
कजसअनुचितवानी॥ विद्यमानरघुकुलमणिजानी॥।
सुनहुभानुकुलपंकजभानू॥ कहोसुभाउनकछुअभि। ॥९१

मानू॥जौंतुह्मारिअनुसासनपावौं॥कंदुकइवब्रह्मंडउठावौं॥
काचेघटजिमडारौंफोरी॥सकौंमेरुमूलकजिमतोरी॥तव
प्रतापमहिमाभगवाना॥कोबापुरेपिनाकपुराना॥नाथ
जानिअसआयसुहोई॥कौतुककरौंविलोकियसोई॥क
वलनालिजिमचापचढावौं॥योजनशतप्रमाणलेधावौं
दोहरा॥तोरौंछत्रकदंडजिम॥तवप्रतापवलनाथ॥जौ
नकरौंप्रभुपदसपथ॥करनधरौंधनभाथ॥२०॥चौपई॥
लछमनवचनकोपजववोले॥डगमगानिमहिदिग्गज।
डोले॥सकललोकसवभूपडराने॥सियहीयहरषिजन
कमकुचाने॥गुररघुपतिसवमुनिमनमाही॥मुदितभए
पुनपुनपुलकाही॥सयनहिरघुपतिलषननिवारे॥प्रेम
समेतनिकटवैठारे॥विश्वामित्रसमयशुभजानी॥वोले
अतिसनेहमयवानी॥उठहुरामभंजहुभवचापा॥मेटहु
तातजनककपरतापा॥सुनगुरुवचनचरनसिरुनावा॥हर
षविषादनकछुउरआवा॥ठाढभएउठसहसुभाए॥ठवनि
युवामृगराजलजाए॥दोहरा॥उदतउदयगिरमंचपरि॥र
घुवरवालपतंग॥विगसेसंतसरोजसव॥हरषेलोचनभृंग॥

॥ तु ॥ रा ॥ ११ ॥ चौपई ॥ नृपन्हि केरि आसा निसि नासी ॥ वचन नषत अ
॥ वा ॥ वली न प्रकासी ॥ मानी महिप कुमद सकुचाने ॥ कपटी भू
॥ ९२ ॥ प उलूक लुकाने ॥ भए विशोक कोक मुनि देवा ॥ वरषहि सु
मन जनावहि सेवा ॥ गुरु पद वंद सहित अनरागा ॥ राम मु
॥ ज नन्ह सन आयसु मांगा ॥ सहजहि चले सकल जग स्वामी ॥
मत्त मंजु वर कुंजर गामी ॥ चलत राम सव पुर नर नारी ॥ पुल
क पूरि तन भए सुषारी ॥ वंदि पितर सुर सुकृत संभारे ॥ जौ क
छु पुन्य प्रभाव हमारे ॥ तौ शिवधनु मृनाल कि न्याई ॥ तोर
हु राम गनेस गुसाई ॥ दोहरा ॥ रामहि प्रेम समेत लषि ॥ सषि
न्ह समीप वुलाइ ॥ सीता मातु सनेह वसि ॥ वचन कह्या विल
षाइ ॥ १२ ॥ चौपई ॥ सषि सभ कौतक देषनिहारे ॥ जेऊ क
हावति हितु हमारे ॥ कोउ न वुझाइ कहत नृप पांही ॥ ए वा
लक असहठ भल नाही ॥ रावण वाण छुआ नहि चापा ॥
हारे सकल भूप करि दापा ॥ सो धनु राजकुअर कर देही ॥
वाल मराल कि मंदर लेही ॥ भूप सयानप सकल सिरानी
सषि विधि गति कछु जाइ न जानी ॥ वोली सषी चतुर मृदु
वानी ॥ तेजवंत लघु गनिय न रानी ॥ कहं कुंभज कहं सिं ॥ ९२

धुअपारा॥ सोषोसुजसुसकलसंसारा॥ रविमंडलदेषतल
घुलागा॥ उदयतासुत्रिभुअनतमभागा॥ दोहरा॥ मंत्रपरम
लघुजासुवस॥ विधहरिहरसुरसर्व॥ महामत्तगजराजकहु
वसकरिअंकुसषर्व॥ २३॥ चौपई॥ कामकुसमधनुसायक
लीन्हे॥ सकलभुअनअपुनेवसिकीन्हे॥ देवीतजिसंशय
असजानी॥ भंजवधनुषरामसुनरानी॥ सषीवचनसु
नभईप्रतीती॥ मिटाविषादवाढिअतिप्रीती॥ तवरामहि
विलोकवैदेही॥ सभयहृदेविनवतिजिहितेही॥ मनहीम
नमनावअकुलानी॥ होहुप्रसंन्नमहेसभवानी॥ करहुस
फलआपनशिवकाई॥ करहितहरहुचापगरुआई॥ गण
नायकवरदायकदेवा॥ आजुलागकीन्हीतुवसेवा॥ वार
वारविनतीसुनिमोरी॥ करहुचापगुंताअतिथोरी॥ दोहा
देषदेषरघुवीरतन॥ सुरमनावधरिधीर॥ भरेविलोचनप्रे
मजल॥ पुलकावलीसरीर॥ २४॥ चौपई॥ नीकेनिरषनय
नभरिशोभा॥ पितुपनसमझिवहुरिमनछोभा॥ अहह
तातदारुणपनठानी॥ समुझतनहिकछुलाभनहानी॥
सचिवसभयसिषदेइनकोई॥ वुधसमाजवडअनुचित॥

होई॥ कहंधनुकुलिशहुचाहिकठोरा॥ कहंश्यामलमृदुगा
तकिशोरा॥ विधिकिहिभांतधरौउरधीरा॥ सिरसुसुमनकि
मवेधीयहीरा॥ सकलसभाकेमतिभैभोरी॥ अवमुहिशंभु
भुचापगतितोरी॥ निजजडतालोगन्हपरिडारी॥ होहिह
रुअरघुपतिहिनिहारी॥ अ परतापसीयमनमाही॥ ल ॥ति॥
वनिमेषयुगसतसमजाही॥ दोहरा॥ प्रभुहिचितैपुनिचि
तवमहि॥ राजतलोचनलोल॥ षेलतमनसिजमीनयु
ग॥ जनुविधुमंडलडोल॥ ५॥ चौपई॥ गिराअलिनिमु
षपंकजरोकी॥ प्रगटनलाजनिशाअवलोकी॥ लोचन
जलरहलोचनकोना॥ जैसेपरमकृपनकरसोना॥ सकु
चीव्याकुलतावडजानी॥ धरिधीरजप्रतीतिउरआनी॥ तन
मनवचनमोरिपनुसांचा॥ रघुपतिपदसरोजचितुराचा॥
तौभगवानसकलउरवासी॥ करहहिमहिरघुवरकेदा
सी॥ जिहंकेजिहंपरसत्यसनेहू॥ सोतिहिमिलेनकछुसं
देहू॥ प्रभुतनचितैप्रेमपनठाना॥ कृपानिधानरामसवु
जाना॥ सीयहिविलोकितकेउधनुकैसे॥ चितवगरुड
लघुव्यालहिजैसे॥ दोहरा॥ लषनलष्योरघुवंशमणि॥

ताकोह्नरकेाेदंडु॥ पुलकगाततवोल्लेवचन॥ चरणचापप्रचं
ड॥२६॥ चौपई॥ दिशिकुंजरहुकमठअहिकोला॥ धरहुधा
रिणधरधीरनडोला॥ रामचहहिशंकरधनतोरा॥ होहुस
जगसुनआयसुमोरा॥ चापसमीपरामजवआए॥ नरना
रिन्हसुरसुकृतमनाए॥ सवकरसंशयअरुअज्ञानू॥ मंद
महीपन्हकरअभिमानू॥ भृगुपतिकेरिगरवगरुआई॥
सुरमुनवरन्हकेरिकदराई॥ सीयकरसोचजनकपछिता
वा॥ रानिन्हकरदारुणदुषदावा॥ शंभुचापवडवोहितपा
ई॥ चढेजाइसवसंगुवजाई॥ रामवाहुवलसिंधुअपारु॥
चहतपारुनहिकोकंठारु॥ दोहरा॥ रामविलोकेलोगस
व॥ चित्रलिषेसेदेषि॥ चितएसीयकृपायतन॥ जानीवि
कलविशेष॥२७॥ चौपई॥ देषीविपुलविकलवैदेही॥ नि
मपविहाततकलपसमतेही॥ तृषितवारविनजोतनुसा
गा॥ मृएकहाकरसुधातडागा॥ कावरषासवकृषीसुषाने
समयचुकिपुनकापछताने॥ असजीयजानजानकीदे
षी॥ प्रभुपुलकेलषिप्रीतिविशेषी॥ गुरहिप्रणामसमनहि
महिकीन्हा॥ अतिलाघवउगाइधनुलीन्हा॥ दमकेउदा

॥तु॥रा॥ ॥बा॥ ॥९८॥

मिनजिमजनवलयो॥ पुनधनुनभमंडलसमभयो॥ लेतचा
ढावतषैचतगाढे॥ काहूनलषादेषसवठाढे॥ तिहछिनरा
ममध्यधनुतोरा॥ भरेभुवनधुनिघोरकठोरा॥ छंद॥ भरे
भुवनघोरकठोरवरविवाजतजिमारगचले॥ चकिरहेदि
ग्गजडोलमहिअहिकोलकूरमकलमले॥ सुरअसुरमु
निकरकानदीन्हेसकलविकलविचारही॥ कोदंडषंडेउ
रामतुलसीजयतवचनउचारही॥ सोरठा॥ शंकरचापजहा
ज॥ सागररघुपतिवाहुवल॥ वूडासकलसमाज॥ चढाजुप्र
थममहिमोहवसि॥ २८॥ चौपई॥ प्रभदोचापषंडमहिडारे॥
देषलोगसवभएसुषारे॥ कौशिकरूपपयोनिधिपावन॥
प्रेमवारिअवगाहसुहावन॥ रामरूपराकेसनिहारी॥ व
ढतवीचपुलकावलभारी॥ वाजेनभगहगहेनिशाना॥ दे
ववधूनाचहिकरिगाना॥ ब्रह्मादिकसुरसिद्धमुनीसा॥ प्र
भहिप्रसंसहिदेहिअसीसा॥ वरषहिसुमनरंगवहुमाला॥
गावहिकिंनरगीतरिसाला॥ रहीभुवनभरिजयजयवानी॥
धनुषभंजधुनिजाइनजानी॥ मदितकहहिजहंतहंनर
नारी॥ भंज्योरामशंभुधनभारी॥ दोहरा॥ वंदीमागधसूत ॥९८॥

गण॥बिरदबदहिंमतिधीर॥करहिंनिछावरलोगसब॥हय
गयधनमणिचीर॥२९॥चौपई॥।झांझमृदंगशंषसहनाई॥।
ढोलभेरडुंडुभीसुहाई॥बाजहिंबहुबाजनेसुहाए॥जहंतहं
जुवतिन्हमंगलगाए॥सषिनसहितहरषीअतिरानी॥सू
षतधानपराजनुपानी॥जनकलह्योसुषसोचबिहाई॥पै
रतथकेथाहजनुपाई॥श्रीहतभएभूपधनुटूटे॥जैसेंदिव
सदीपछबिछूटे॥सीयहीयसुषबरणियकिंभाती॥जनुचा हि
तकीपाइजलस्वाती॥रामहिलषनविलोकतकैसे॥सस
हिचकोरकिशोरकजैसे॥शतानंदतबआयसुदीन्हा॥सी
तांगवनरामपहिंकीन्हा॥दोहरा॥संगसषीसुंदरचतुर॥।
गावहिंमंगलचार॥गवनीबालमरालिगति॥सुषमाअं
गअपार॥३०॥चौपई॥सषिनमध्यसीयसोहतिकैसी॥।
छबिगणमध्यमहाछबिजैसी॥करसरोजजयमालसुहा
ई॥बिश्वबिजैशोभाजिहंछाई॥तनसकोचमनपरमउछा
हू॥गूढप्रेमलषपरैनकाहू॥जाइसमीपरामछबिदेषी॥।
रहिजनुकुअरिचित्रअवरेषी॥चतुरसषीलषिकहाबुझा
ई॥पहिरावहुजयमालसुहाई॥सुनतजुगलकरमालउठाई

प्रेमविवसपहिराइनजाई॥सोहतजनुजुगजलजसनाला॥
ससिहिसभीतदेतजयमाला॥गावहिछविअवलोकसहे
ली॥सीयजयमालरामउरमेली॥सोरठा॥रघुवरउरजयमा
ल॥देषिदेववरषेसुमन॥सकुचेसकलभुआल॥जनुविलो
किरविकुमदगन॥२१॥चौपई॥पुरअरुव्योमवाजनेवाजे
षलभेमलिनसाधुसवराजे॥सुरकिंनरनरनागमुनीसा॥
जयजयजयकहिदेहिअसीसा॥नाचहिगावहिविवधवधू
टी॥वारवारकुसुमंजलिछूटी॥जहंतहंविप्रवेदधुनिकर
ही॥वंदीविरदावलिउच्चरही॥महिपतालनाकजसुव्याप
रामवरीसीयभंज्योचापा॥करहिआरतीपुरनरनारी॥देह
निछावरवित्तविसारी॥सोहतिसीयरामकेजोरी॥छविसिं
गारमनहुइकठोरी॥सषीकहहिप्रभपदगहुसीता॥कर
तनचरनपरसअतिभीता॥दोहरा॥गोतमतीयगतिसुर
तिकरि॥नहपरसतपदपान॥मनविहसेरघुवंशमणि॥
प्रीतिअलौकिकजान॥२२॥चौपई॥तवसीयदेषिभूपअ
भिलाषे॥कूरकपूतमूढमनमाषे॥उठिउठिपहरिसनाह
अभागे॥जहंजहंगालवजावनलागे॥लेहुछडाइसीय

कहहुकोऊ॥धरिबांधहुनृपवालकदोऊ॥तोरेधनषचाहिनहि
सरई॥जीवतहमहिंकुवरिकोवरई॥जौविदेहिकछुकरैसहा
ई॥जीतहुसमरसहितदौभाई॥साधुभूपवोलेसुनवानी॥रा
जसमाजहिलाजलजानी॥वलप्रतापवीरतावडाई॥नाक
पिनाकहिसंगसिधाई॥सोसूरताकिअवकहुपाई॥असिवु
धितौविधिमुहमसिलाई॥दोहरा॥देषहुरामहिनयनभरि
तजिईरषामदमोहु॥लषनरोषपावकप्रवल॥जानिसल
भजनिहोहु॥२३॥चौपई॥वैनतेयवलिजिमिचहकागू॥जि
मससचहैनागअरिभागू॥जिमचहकुसलअकारणकोही
सुषसंपदाचहैशिवद्रोही॥लोभीलोलुपकीरतिचहई॥अ
कलंकिताकिकामीलहई॥हरपदविमुषपरमगतिचाहा
तसतुमारलालचनरनाहा॥कोलाहलसुनिसीयसकानी
सषीलवाइगईजहरानी॥रामसुभाइचलेगुरुपाही॥सीय
सनेहवरनतमनमाही॥रानिन्हसहितसोचिवससीया॥
अवधौविधिहिकाहिकरनीया॥भूपवचनसुनइतउततक
ही॥लषनरामडरवोलिनसकही॥दोहरा॥अरुणनया
नभृगुटीकुटिल॥चितवतनृपन्हसकोप॥मनहुमतगज

॥तु॥रा॥ गणनिरषि॥ सिंघकिशोरहिचोप॥ २४॥ चौपई॥ षरिभरिदेषि
॥बा॥ विकलनरनारी॥ सबमिलिदेहिमहीपन्हगारी॥ तिहअवस
॥९६॥ रसुनिशिवधनुभंगा॥ आएभृगुकुलकमलपतंगा॥ देषि
महीपसकलसकुचाने॥ बाजझपटजनुलवालुकाने॥ गौ
रशरीरभूतिभलभ्राजा॥ भालविशालत्रिपुंडविराजा॥ सीस
जटाशशिवदनसुहावा॥ रिसवसकछुकअरुणहोइआवा॥
भृगुटीकुटिलनयनरिसराते॥ सहजहुंचितवनमनहु
रिसाते॥ वृषभकंधउरबाहुविशाला॥ चारुजनेऊमालमृग
छाला॥ कटिमुनिवसनतूणदुइबांधे॥ धनुसरकरकुठार
करबांधे॥ दोहरा॥ शांतवेषकरनीकठिन॥ वरननिजाइसरु
प॥ धरमुनितनुजनवीररसुआयोजहंसवभूप॥ २५॥ चौ
देषतभृगुपतिरूपकराला॥ उठेसकलभयविकलभुआ
ला॥ पितसमेतकहिकहिनिजनामा॥ लगेकरनसवदंड
प्रनामा॥ जिहसुभाइचितवहिहितुजानी॥ सोजानैजनुआ
युघटानी॥ जनकवहोरिआइसिरुनावा॥ सीयाबुलाइप्र
णामकरावा॥ आशिषदीन्हसषीहरषानी॥ निजसमाज
लयगईसयानी॥ विश्वामित्रमिलेपुनिआई॥ पदसरोज॥ ॥९६॥

मेलेहोभाई॥ रामलषनदशरथकेढोटा॥ दीन्हअसीसदेषभ
लजोटा॥ रामहिनिरखरहेथकिलोचन॥ रूपअपारमारमद
मोचन॥ दोहरा॥ वहुरिविलोकविदेहसन॥ कहहुकाहअ
तिभीर॥ पूछतजानअजानजिम॥ व्यापेउकोपशरीर॥ २६॥
चौपई॥ समाचारकहिजनकसुनाए॥ जिहकारणमहीपस
वआए॥ सुनतवचनफिरअनतनिहारे॥ देषेचापषंडमहि
डारे॥ अतिरिसवोलेवचनकठोरा॥ कहुजडजनकधनुषकि
नतोरा॥ वेगदिषाउमूढनतिआजु॥ उलटौमहिजहं लगि
तवराजू॥ अतिडरउतरदेतनृपनाही॥ कुटिलभूपहरषेम
नमाही॥ सुरमुनिनागनगरनरनारी॥ सोचहिसकलत्रासु
उरभारी॥ मनपछितातसीयमहतारी॥ विधिअवसवरीवा
तविगारी॥ भृगुपतिकरसुभावसुनसीता॥ अर्धनिमेषकल
पसमवीता॥ दोहरा॥ सभयविलोकेलोगसभ॥ देषिजान
कीभीर॥ हृदयनहरषविषादकछु॥ वोलेश्रीरघुवीर॥ २७॥ चौ
नाथशंभुधनुभंजनिहारा॥ होइहैकोऊइकदासतुम्हारा॥
आयसुकाहिकहियकिनमोही॥ सुनरिसाइवोलेमुनिको
ही॥ शेवकसोजुकरेषेवकाई॥ अरिकरनीकरियेलराई॥

॥तु॥रा॥ सुनहुरामजिनशिवधनुतोरा॥सहसवाहुसमसोरिपुमोरा॥
॥वा॥ सोविलगाइविहाइसमाजा॥नतुमारेजइहहिंसवराजा॥सु
॥९१॥ निमुनिवचनलषनमुसिकाने॥वोलेपरशुधरहिअभमा
ने॥वहुधनहमतोरिवलरिकाई॥कवहुंनअसिरिसकीन्ह
गुसाई॥इहधनुपरममताकिहहेतू॥सुनरिसाइकहिभृगु
कुलकेतू॥दोहा॥रेन्रपवालककालवसि॥वोलततुहिन
संभार॥धनुहीसमत्रिपुरारिधनु॥विदितसकलसंसार॥२८
चौपई॥लषनकहाहसिहमेनजाना॥सुनहुदेवसवधनु
षसमाना॥काछितिलाभजूनधनुतोरे॥देषारामनएके
भोरे॥छुअतटूटरघुपतहिनदोष॥मुनिविनुकाजकरिय
अतिरोष॥वोलेचितैपरशुकीओरा॥रेसठसुनिहसुभाव
नमोरा॥वालकजानवधोंनहितोही॥केवलमुनिजडजा
नसिमोही॥वालब्रह्मचारीअतकोही॥विश्वविदतछत्रीकु
लद्रोही॥भुजवलभूमिभूपविनकीन्ही॥विपुलवारिम
हिदेवन्हदीन्ही॥सहसवाहुभुजछेदनहारा॥परशुविलो
कमहीपकुमारा॥दोहा॥मातपितहिजनिसोचवसि॥क
रसिमहीसकिशोर॥गर्वनिकेअर्भकदलन॥परशुमोर। ॥९१॥

अतिघोर॥ २९॥ चौपई॥ बिहसलषनबोलेमृदुवानी॥ अहो।
मुनीशमहाभटमानी॥ पुनिपुनिमोहिदिषावकुठारू॥ चह
तउडावनफूंकिपहारू॥ इहांकुमडिवतीआकोनाही॥ जे
तजेनदेषतमरजांही॥ देषकुठारसरासनवाना॥ मैकछुक
हासहतअभिमाना॥ भृगुकुलसमुझिजनेउविलोको॥ जो।
कछुकहहुसहोंरिसरोकी॥ सुरमहिसुरहरिजनअरुगाई॥।
हमरेकुलइन्हपरनसुराई॥ वधेपापअपकीरतिहारे॥ मा
रतहूंपगपरियतुम्हारे॥ कोटिकुलिशसमवचनतुम्हारा॥।
ब्यर्थधरहुधनुवानकुठारा॥ दोहरा॥ जोविलोकिअनुचित
कहेउ॥ छमहुमहामुनधीर॥ सुनसरोषभृगुवंशमणि॥ वो
लेगिरागंभीर॥ ३०॥ चौपई॥ कौशिकसुनहुमंदयहवालक
कुटिलकालवसनिजकुलघालक॥ भानुवंशराकेशक।
लंकू॥ निपटनिरंकुशअबुधिअशंकू॥ कालकवलहोईह
छिनमाही॥ कहोंपुकारषोरिमुहिनाही॥ तुमहटकहुजो
चहहुउवारा॥ कहप्रतापवलरोषहमारा॥ लषनकहेउमु
निसुजसुतुम्हारा॥ तुमहिअछतकोवरणेपारा॥ अपनेमु।
षतुम्हआपनिकरनी॥ वारअनेकभांतिबहुवरनी॥ नहि।

॥तु॥ रा॥ संतोषतउनिकछुकहहू॥ जनिरिसरोकिदुशहदुषसहहू॥
॥बा॥ वीरव्रतीतुमधीरअछोभा॥ गारीदेतनपावहुसोभा॥ दोहा॥
॥९८॥ सूरसमरकरनीकरहि॥ कहनजनावहिआपु॥ विद्यमान
रणपाइरिपु॥ कायरकरहिकलापु॥ ३१॥ चौपई॥ तुह्मतो॥
कालहांकजनुलावा॥ वारवारमुहिलागबुलावा॥ सुनत
तु लषनकेवचनकठोरा॥ परशुँधारधरियोकरघोरा॥ अव॥
जनिदेइदोषमुहिलोगू॥ कटुवादीवालकवधयोगू॥ वा
लविलोकवहुतमैवांचा॥ अवयहमरणहारभासाचा॥ ३
कौशिककहाछमियअपराधू॥ वालदोषगुणगणयन
साधू॥ करकुठारमैअकारणकोही॥ आगेअपराधीगुरु
द्रोही॥ उतरदेतछाडौविनुमारे॥ केवलकौशिकशीलतु।
म्हारे॥ नतइहकाटिकुठारकठोरे॥ गुरहिअरणहोसोश्र
मथोरे॥ दोहरा॥ गाधिसूनकहिहृदयहसि॥ मुनिमुनिह।
रियनसूझ॥ अयमयषांडनऊषरव॥ अजहुनवूझअवू
झ॥ ३२॥ चौपई॥ कह्योलषनमुनिसीलतुमारा॥ कोनहि
जानविदतसंसारा॥ मातहिपितहिअरणभेनीके॥ गुरु
रिणरहासोचवडजीके॥ सोजनुहमरहिमाथेकाढा॥ दि ॥९८॥

नचलिगएआजुबहुबाढा॥ अबआनीयबवहरियोबोली
तुरतदेउमैथैलीषोली॥ सुनिकटुबचनकुठारसंभारा॥ हाइ
हाइसबलोगपुकारा॥ भृगुबरपरसुदिषावहुमोही॥ बिप्र।
बिचारबचोनृपद्रोही॥ मिलेनकबहुसुभटरणगाढे॥ द्विज
देवताघरहिकेबाढे॥ अनुचितकहिसबलोगपुकारे॥ रघु
पतिसयनहिलषननिवारे॥ दोहरा॥ लषनउतरआहुति
सरिष॥ भृगुबरकोपकृशानु॥ बढतदेषजलसमबचन॥।
बोलेरघुकुलभानु॥ ३३॥ चौपई॥ नाथकरहुबालकपरछो
हू॥ सूधदूधमुषकरयनकोहू॥ जोपैप्रभुप्रभाउकछुजाना
तोकिबराबरिकरअपमाना॥ जोलरिकाकछुअनुचितक
रही॥ गुरुपितमातमोदमनभरही॥ करियकृपासिसुशेव
कजानी॥ तुमसमसुशीलधीरमुनिज्ञानी॥ रामबचनसुनिकछु
कजुडाने॥ कहकछुलषनबहुरिमुसकाने॥ हसतदेषनष
सिषरिसब्यापी॥ रामतोरभ्राताबडपापी॥ गोरशरीरस्याममन
माही॥ कालकूटमुषपयमुषनाही॥ सहजटेढअनुसरैन।
तोही॥ नीचमीचसमदेषनमोही॥ दोहरा॥ लषनकह्योहस।
सिसुनहुमुनि॥ क्रोधपापकरिमूल॥ जिहबसिजनअनु।

॥तु॥रा॥ चितकरहि॥ चरहिविस्वप्रतिकूल॥३८॥ चौपई॥ मेतहमारअ
॥वा॥ नुचरमुनिराया॥ परिहरकोपकरियअवदाया॥ टूटाचापन
॥९९॥ जुरहिरिसाने॥ वैगियहोइहिपाइपिराने॥ जोअतिप्रियतो
करियउपाई॥ जोरियकोवडिगुनीउलाई॥ वोलतलषनहि
जनकडराही॥ मष्टकरहुअनुचितभलिनाही॥ थरथरको
पहिपुरनरनारी॥ छोटकुमारषोटअतिभारी॥ भृगुपतिसु
निसुननिरभयवानी॥ रिसतनुजरैहोइवलहानी॥ वोला
रामहिदेइनिहोरा॥ वचौविचारवंधुलघुतोरा॥ मनुमलीन
तनुसुंदरकैसे॥ विषरसभराकनकघटजैसे॥ दोहरा॥ सुन
लछमनविहसेवहुरि॥ नयनतरेरेराम॥ गुरुसमीपगवने
सकुचि॥ परिहरिवानीवाम॥३९॥ चौपई॥ अतिविनीतम
दुसीतलवानी॥ वोलेरामजोरजुगपानी॥ सुनहुनाथतुम
सहजसुजाना॥ वालकवचनकरीयनहीकाना॥ वररैवा
लकएकसुभाऊ॥ इन्हहिनविदुषविदूषहिकाहू॥ तिंह
नाहीकछुकाजविगारा॥ अपराधीमैनाथतुम्हारा॥ कृपा
कोपवधवंधगुसाई॥ मोपरकरयदासकीनाई॥ कहीय
वेगजिहविधरिसिजाई॥ मुनिनायकसोकरियउपाई॥ ॥९९॥

कहमुनिरामजाइरिसकैसे॥अजहूंअनुजतवचितवअनैसे
इहकेकंठकुठारुनदीन्हा॥तौमैकाहकोपकरिकीन्हा॥२॥
गर्भश्रवहिंअवनिपघरनि॥मुनिकुठारगतिघोर॥परसुअ
छतदेखोंजियत॥वैरीभूपकिसोर॥२६॥चौपई॥वहैनहाथद
हैरिसछाती॥भाकुठारकुंठितनृपघाती॥भयेवामविधिफि
रासुभाई॥मोरेहृदयकृपाकसिकाई॥आजुदयीदुखदुसहस
हावा॥सुनसोमित्रविहसिसिरुनावा॥आपकृपामूरतिअनु ह
कूला॥वोलतवचनझरतजनुफूला॥जोपैकृपाजरैमुनिगा
ता॥क्रोधभएतनुराखविधाता॥देखुजनककहुवालकएहू॥
कीनवहतजडुजमपुरगेहू॥वेगकरहुकिनआंखिन्हओटा
देखतछोटखोटनृपढोटा॥विहसेलखनकहामुनिपाही॥मूं
देनयनकतहुंकोनाही॥दोहरा॥परसुरामतवरामसन॥
वोलेवचनसक्रोध॥शंभसरासनतोरसठ॥करिसिहमारप्र
वोध॥२७॥चौपई॥वंधुकहेकटुसंमततोरे॥तूंछलविनयक
रसिकरजोरे॥करपरितोषमोरसंग्रामा॥नाहितछाडुकहा
वनरामा॥छलतजिकरहिसमरशिवद्रोही॥वंधुसहततन
तमारोतोही॥भृगुपतितवहिकुठारउठाए॥मननुसकानि

॥तु॥रा॥ रामसिरुनाए॥गुनहुलषनकरहमपररोष॥कतहुसुधाइहु
॥वा॥ तेवडदोष॥टेढजानिसंकासभकाहू॥वक्रचंद्रमाग्रसैनराहू।
॥१००॥ रामकहेउरिसतजियमुनीसा॥करकुठारआगेयहसीसा॥।
जिहंरिसजाइकरयसोस्वामी॥मोहिजानआपनअनुगा
मी॥दोहरा॥प्रभहिशेवकहिसमरुकस॥तजहुविप्रववर
रोषु॥वेषुविलोकेंकहसिकछु॥वालकहूंनहिदोसु॥२८।
चौपई॥देषकुठावानधनुधारी॥भैलरिकहिरिसवीरुविचा
री॥नामुजानपैतुम्हनहिचीन्हा॥वंससुभायउत्तरुतिहिदी।
न्हा॥जौतुमआवतमुनिकीनाई॥पदरजसिरसिसुधरतगु।
साई॥छमहुचूकअनजानतकेरी॥चहियविप्रउरकृपाघने
री॥हमहितुमहिसरिवरिकसिनाथा॥कहहुनकहाचरण
कहमाथा॥राममात्रलघुनामहमारा॥परसुसहितवडना
मतुम्हारा॥देवएकगुणधनुषहमारे॥नवगुणपरमपुनीत
तुम्हारे॥श्लोक॥रिजुस्तपस्वीसंतुष्टःसुचिर्दांतोजितेंद्रियः॥।
दाताविद्वांश्चशूरश्चब्राह्मणोनवभिर्गुणाः॥सवप्रकारहमतु।
मसनहारे॥छमहुविप्रअपराधहमारे॥दोहरा॥वारवारमु
नविप्रवर॥कहारामसनराम॥वोलेभृगुपतिसरुषहसि। ॥१००

तजहुवंधुसमवाम॥२९॥चौपई॥निपटहिद्विजकरिजानसिमो
ही॥मैजसविप्रसुनावौतोही॥चापश्रुवासरआहुतिजानू॥को
पमोरअतिघोरकृसानू॥समिधसेनचतुरंगसुहाई॥महाम
हीपभएपशुआई॥मैइहपर्शुकाटवलदीन्हे॥समरयज्ञज
पकोटिन्हकीन्हे॥मोरप्रभावविदितनहितोरे॥वोलसिनिद
रिविप्रकेभोरे॥भंज्योचापदापवडवाढा॥अहमितिमनहु
जीतिजगुठाढा॥रामकहामुनिकहहुविचारी॥रिसअतिव
डिलघुचूकहमारी॥छुअतहिटूटपिनाकपुराना॥मैकिहि
हेतकरौअभिमाना॥दोहरा॥जोहमनिंदहिविप्रवर॥सत्य
सुनहुभृगुनाथ॥तौअसिकोजगसुभटजिह॥भयवसिना
वहिमाथ॥४०॥चौपई॥देवदनुजभूपतिभटनाना॥समवल
अधिकहोउवलवाना॥जोरणहमहिप्रचारैकोई॥लरहिसु
षेनकालकिनहोई॥क्षत्रीतनधरिसमरसकाना॥कुलक
लंककहिपावरआना॥कहौसुभाउनकुलहिप्रसंसी॥काल
हुडरहिनरणरघुवंसी॥विप्रवंसकेअसिप्रभताई॥अभयहो
हिजेतुम्हहिडराई॥सुनमृदुगूढवचनरघुवरके॥उघरेपट
लपरसुधरमतिके॥रामरमापतिकरधनुलेहू॥षैचहुमिटै।

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥२०२॥

मोरसंदेह॥ देतचापआपुहिचलिगयो॥ परसुराममनविस।
मैभयो॥दोहरा॥ जानारामप्रभाउतव॥ पुलकप्रफुल्लितगात
जोरपाणिबोलेवचन॥ प्रेमनहृदयसमात॥४१॥चौपई॥जय
रघुवंशवनजवनभानु॥ गहनदनुजकुलदहनकृशानु॥ज
यसुरधेनविप्रहितकारी॥ जयमदमोहकोहभ्रमहारी॥विन
यशीलकरुणागुणसागर॥ जयतिवचनरचनाअतिनागर
शेवकसुषदसुभगसवअंगा॥ जयशरीरछविकोटिअनंगा
करौकाहिमुषएकप्रसंसा॥ जयमहेसमनमानसहंसा॥अ
नुचितवहुतकह्योअज्ञाता॥ छमहुछमामंदरिदोउभ्राता॥क
हिजयजयजयरघुकुलकेतु॥ भृगुपतिगएवनहितपहेतु
अपभयकुटिलमहीपडराने॥ जहंतहंकायरगवहिपराने
॥दोहरा॥देवनदीन्हीदुंदभीप्रैंपरवरषहिफूल॥हरषेपुर
नरनारिसव॥ मिटेमोहभयसूल॥४२॥चौपई॥अतिगहग
हेवाजनेबाजे॥ सवहिमनोहरमंगलसाजे॥जूथजूथमिल
सुमुषसुनयनी॥ करहिगानकलकोकिलवयनी॥सुषवि
देहकरासिनजाई॥ जनमदरिद्रमनहुनिधिपाई॥विगतत्रा
सभैसीयसुषारी॥ जनुविधउदयचकोरकुमारी॥जनककी ॥२०२॥

न्हकौशिकहिप्रणामा॥प्रभप्रसादधनुभंजेउरामा॥मुहिकृत
कृसकीन्हदुहुभाई॥अवजोउचितसोकहियगुसाईं॥कहमु
निसुननरनाथप्रवीना॥रहाविवाहुचापआधीना॥टूटतही
धनुभयोविवाहू॥सुरनरनागविदितसवकाहू॥दोहरा॥तद
पिजाइतुम्हकरहुअव॥जथावंसव्यवहार॥वूझविप्रकुल
वृद्धगुरु॥वेदविदितआचारु॥४३॥चौपई॥दूतअवधपुरप
ठवहुजाई॥आनहिनृपदसरथहिवुलाई॥मुदितराउकहि
भलहिकृपाला॥पठएदूतवोलतिहकाला॥वहुरिमहाज
नसकलवुलाए॥आइसवन्हसादरसिरुनाए॥हाटवाट
मंदरसुरवासा॥नगरसवारहुचारहुपासा॥हरषचलेनिज
निजग्रहआए॥पुनपरचारकवोलिपठाए॥रचहुविचित्र
वितानवनाई॥सिरधरिवचनचलेसचुपाई॥पठएवोलगु
नीतिन्हनाना॥जेवितानविधिकुशलसुजाना॥विधिहिवं
दितिन्हकीन्हअरंभा॥विरचेकनककदलिकेथंभा॥दो॥
हरितमणिन्हकेपत्रफल॥पद्मरागकेफूल॥रचनादेखि
विचित्रअति॥मनुविरंचिकरभूल॥४४॥चौपई॥वेणुहरि
तमणिमयसभकीन्हे॥सरलसपरवपरहिनहिचीन्हे॥क

॥तु॥रा॥ नककलितअहिवेलवनाई॥ लषिनहियरैसपरनासुहाई॥ति
॥वा॥ हंकेरचिपचिवंधवनाए॥विचविचमुकतादामसुहाए॥माणि
॥१०२॥ कमरिकतकुलिसपरोजा॥चीरकोरिपचिरचेसरोजा॥कीये
भृंगवहुरंगविहंगा॥ गुंजहिंकूजहिंपवनप्रसंगा॥सुरप्रति
माषंभनगढिकाढी॥मंगलदर्भलीयेसवठाढी॥चौकेभांति
अनेकपुराई॥सिंधुरमणिमहिसहिजसुहाई॥दोहरा॥सोर
भपल्लवसुभगसुठ॥कीयेनीलमणिकोरि॥हेमवोरमरक
तधवरि॥लसतपाटमयडोरि॥४५॥चौपई॥रचेरुचिरवरवं
दनवारे॥मनहुमनोभवफंदसवारे॥मंगलकलसअनेक
वनाए॥धुजपताकपटचवरसुहाए॥दीपमनोहरमणमय
नाना॥जाइनवरनविचित्रविताना॥जिहंमंडपदुलहनवैदे
ही॥सो वरनैअसिमतिकविकेही॥दूलहिरामरूपगुनसा
नेसागर॥सोवितानतिहुलोकउजागर॥जनकभवनकेसो
भाजेसी॥ गृहगृहप्रतिपुरदेषीयेतैसी॥जिहंतिरहुतितिहस
मयनिहारी॥तिहलघुलागिभवनदसचारी॥जोसंपदानी
चगृहसोहा॥ सोविलोकसुरनायकमोहा॥दोहरा॥वसहिन
गरजिहंलछिकरिकपटनारिवरवेषु॥तिहपुरकेशोभाक ॥१०२॥

हत॥ सकुचहिसारदसेषु॥४६॥ चौपई॥ पहुचेदूतरामपुरपाव
न॥ हरषेनगरविलोकसुहावन॥ भूपद्वारतिन्हषवरजनाई
दसरथन्रपसुनलीयेबुलाई॥ करिप्रनामतिन्हपातीदीन्ही
मुदितमहीपआपउठिलीनी॥ वारिविलोचनवाचतपाती॥
पुलकिगातआईभरिछाती॥ रामलखनउरवरकरचीठी॥ रहि प।
गेकहतनषाटीमीठी॥ पुनिधरिधीरपत्रिकावाची॥ हरषीस
भावातसुनसाची॥ षेलतरहेतहासुधिपाई॥ आएभरतस
हितदोऊभाई॥ पूछतिअतिसनेहसकुचाई॥ तातकहांते
पातीआई॥ दोहरा॥ कुशलप्राणप्रियवंधदो॥ अहहिंकह
हुकिहंदेस॥ सुनसनेहैंसानेवचनवाचीवहुरिनरेस॥४७॥ चौ॥ द।
सुनपातीपुलकेदोऊभ्राता॥ अधिकसनेहसमातनगाता॥
प्रीतपुनीतभरतकैदेषी॥ सभासकलसुषलहोविशेषी॥
तवन्रपदूतनिकटवैठारे॥ मधुरमनोहरवचनउचारे॥ भैया
कहहुकुशलदोवारे॥ तुम्हनीकेनिजनयननिहारे॥ श्यामस
लगौरधरेधनुभाथा॥ वयकिशोरकौशिकमुनिसाथा॥ प
हिचानहुतुमकहहुसुभाऊ॥ प्रेमविवसपुनिपुनिकहराऊ॥
ऊ॥ जादिनतेमुनिगएलवाई॥ तवतेआजुसाचसुधिआई

॥तु॥रा॥ कहहुविदेहकवनविधजाने॥ सुनिप्रियवचनइतमुसिकाने
॥वा॥ ॥दोहरा॥ सुनहुमहीपतिमुकुटमणि॥ तुम्हसमधन्यनकोउ
॥१०३॥ रामलषनजिन्हकेतनय॥ विश्वविभूषणदोउ॥४८॥चौपई॥
पूछुनजोगनतनयतुम्हारे॥ पुरषसिंघतिहुपुरउजियारे॥ जि
न्हकेजसप्रतापकेआगे॥ शशिमलीनरविसीतललागे॥ ति
न्हकहंकहीयनाथकिमचीन्हे॥ देषीयेरविकिदीपकरलीन्हे
सीयस्वयंवरभूपअनेका॥ सिमिटेसुभटएकतेएका॥ शंभुस २
रासनकाहुनटारा॥ हारेसकलवीरवरियारा॥ तीनलोकमहि
जेभटमानी॥ सभकैसकतिशंभुधनुभानी॥ सकैउठाइसुरअसु
रमेरू॥ सोहीयहारिगएकरिफेरू॥ जिन्हकौतुकशिवसैलउ
ठावा॥ सोतिन्हसभापराभवपावा॥दोहरा॥ तहांरामरघुवंश
मणि॥ सुनियमहामहिपाल॥ भंज्योचापप्रियासविनु॥ जि
ग मंजपंकजनाल॥४९॥चौपई॥ सुनसरोषभृगुनायकआए
वहुतभांततिन्हआषिदिषाए॥ देषरामवलनिजधनुदीना
करिवहुविनयगवनवनकीना॥ राजतरामअतुलवलजै
से॥ तेजनिधानलषणपुनतैसे॥ कांपहिभूपविलोकतजा
के॥ जिमगजहरिकिशोरकेताके॥ देवदेषतववालकदोऊ ॥१०३॥

अवरअंग्राषित्तरआवनकोऊ॥दूतवचनरचनाप्रियलागी॥प्रे।
मप्रतापवीररसपागी॥सभासमेतराउअनुरागे॥दूतन्हदेननि
छावरवरलागे॥कहअनीततेमूंदहिकाना॥धर्मविचारसव
हिसुषमाना॥दोहरा॥तवउठिभूपवसिष्टकहि॥दीन्हपत्रका
जाइ॥कथासुनाईगुरहिसव॥सादरदूतवुलाइ॥५०॥चौपई।
सुनवोलेगुरुअतिसुषपाई॥पुन्यपुरुषकहिमहिसुषछाई
जिमसरितासागरमहुंजाही॥यद्यपितासुकामनानाही॥।
तिमसुषसंपतिविनहिवुलाए॥धर्मशीलपहिजाहसुभाए
तुमगुरुविप्रधेनुसुरसेवी॥तसपुनीतकौशल्यादेवी॥सुकृ।
तीतुम्हसमानजगमाही॥भयोनहैकोहोनियोनाही॥तुम्ह
तेअधिकपुन्यवडकाके॥राजनराममरिषसुतजाके॥वीरवि।
नीतधर्मव्रतधारी॥गुणसागरवरवालकचारी॥तुम्हकहसर्व
कालकल्याना॥सजहुवरातवजाइनिशाना॥दोहरा॥चलेवे।
गसुनिगुरुवचन॥भलहिनाथसिरुनाइ॥भूपतिगवनेभ।
वनतव॥इतन्हवासदिवाइ॥५१॥चौपई॥राजासवरनिवास
वुलाई॥जनकपत्रिकावाचिसुनाई॥सुनसंदेससकलहर।
षानी॥अवरकथासवभूपवषानी॥प्रेमप्रफुल्लितराजहिरानी॥

मनहुंशिषिनिमुनिबारदवानी ॥ मुदितिअसीसदेहिगुरुनारी
अतिआनंदमगनमहतारी ॥ लेहिपरसपरअतिप्रियपाती ॥ ह
दयलगाइजुडावहिछाती ॥ रामलषनकैरतिकरनी ॥ बारहि की
बारभूपवरहूवरनी ॥ मुनिप्रसादकहिद्वारसिधाए ॥ रानिन्हत
बमहिदेवबुलाए ॥ दीयेदानआनंदसमेता ॥ चलेविप्रवरआ
शिषदेता ॥ सोरठा ॥ जाचकलीयेहंकार ॥ दीन्हनिछावरकोट
विध ॥ चिरजीवहुसुतचारि ॥ चक्रवर्तिदसरथके ॥ ५२ ॥ चौपई ॥
धनइतनन्हहिनिछावरदीन्ही ॥ देतसकुचकाहूनहिलीनी ॥
कहितचलेपहिरेपटनाना ॥ हरषगहनैगहगहेनिशाना ॥
समाचारसभलोगन्हपाए ॥ लागेघरघरहोनवधाए ॥ भुवन
चारदसभराउछाहू ॥ जनकसुतारघुवीरविवाहू ॥ सुनसुभ
कथालोगअनुरागे ॥ मगगृहगलीसवारनलागे ॥ यद्यपि
अवधिसदैवसुहावनि ॥ रामपुरीमंगलमयपावन ॥ तदपि
प्रीतकैरीतिसुहाई ॥ मंगलरचनारचीवनाई ॥ धुजपताकपट
चामरचारू ॥ छावापरमविचित्रवजारू ॥ कनककलसतोर
णमणिजाला ॥ हरददूबदधिअछतमाला ॥ दोहरा ॥ मंगलम
यनिजनिजभवन ॥ लोगन्हरचेवनाइ ॥ वीथीसीचसुगंधिम ॥ १०४

व॥चौकेचारुपुराइ॥५३॥चौपई॥जहतहजूथजूथमिलभामन
सजिनवसातसकलदुतिदामिन॥विधुवदनीमृगसावकलो
चन॥निजसरूपरतिमानविमोचन॥गावहिमंगलमंजुलवा
नी॥सुनिकलरवकलकंठलजानी॥भूपभवनकिमिजाइव
षाना॥विश्वविमोहनरचेविताना॥मंगलद्रव्यमनोहरनाना
राजतबाजतविपुलनिशाना॥कतहुंविरदवंदीउच्चरही॥कत
हुवेदधुनभूसुरकरही॥गावहिसुंदरमंगलगीता॥लैलैनाम
रामअरुसीता॥बहुतउछाहभवनअतिथोरा॥मानहुउमगि
चलाचहुओरा॥दोहरा॥शोभादसरथभौनकै॥कोकविवरनैपा
र॥जहासकलसुरसीसमणि॥रामलीन्हअवतार॥५४॥चौ॥
भूपभरतपुनलीयेबुलाई॥हयगयस्यंदनसाजहुजाई॥चल
हुवेगरघुवीरवराता॥सुनतपुलकपूरेदोभ्राता॥भरतसकल
साहनीबुलाए॥आयसुदीन्हमुदितउठधाए॥रचिरुचिजीन
तुरंगतिन्हसाजे॥वरणवरणवरवाजिविराजे॥शुभगसकल
सुठिचंचलकरनी॥अगइवजरतधरतपगधरनी॥नानाजा
तिनजाहिवषाने॥निदरिपवनजनचहतउडाने॥तिन्हपर
छयलभएअसवारा॥भरतसरिसवयराजकुवारा॥सवसुं।

दरसबभूषणाधारी॥ करिसरचापतूंनकटिभारी॥दोहरा॥छोरे।
छवीलेछैलसभ॥ सूरसुजाननवीन॥जुगपदचरअसवारप्र।
ति॥ जेअसिकलाप्रवीन॥५५॥चौपई। वाधेविरदवीररणगाढे
निकसभएपुरवाहरठाढे॥ फेरहिचतुरतुरगगतिनाना॥हर
षहिसुनधुनपनवनिशाना॥ रथसारथिन्हविचित्रवनाए॥।
ध्वजपताकमणिभूषणलाए॥चवरचारुकिंकिनधुनकर
ही॥ भानुजानुशोभाअपहरही॥सावकरणअगणितहैय
होते॥ तेतिन्हरथनसाथतिन्हजोते॥सुंदरसकलअलंकृ
तसोहे॥ जिन्हैविलोकितमुनिमनमोहे॥जेजलचलहिथल
हकीन्याई॥ पगनहिवूडवेगअधिकाई॥अस्त्रशस्त्रसवसाज
वनाई॥ रथीस्वारथनलीयेवुलाई॥दोहरा॥चढिचढिरथवा
हरनगर॥लागीजुरनिवरात॥होतसगुणसुंदरसवहि॥जो
जिहकारजजात॥५६॥चौपई॥कलितकरिवरिन्हपरीअं।
वारी॥ कहनजाहिजिहभांतिसवारी॥चलतमत्तगजघंट।
विराजे॥ मनहुसुभगसावनघनगाजे॥वाहनअपरअने
कविधाना॥शिवकासुभगसुषासनजाना॥तिन्हचढिच।
लेविप्रवरव्रंदा॥ जनुतनुधरेसकलश्रुतिछंदा॥मागधस

तवंदिगुणगायक॥ चलेजानचढिजोजिहलायक॥ वेसरऊंटव
षभवहुजाती॥ चलेवस्तभरिअगणितभाती॥ कोटिककांवरि।
चलेकहारा॥ विविधवस्तुकोवरणैपारा॥ चलेसकलशेवकस
मुदाई॥ निजनिजसभयसमाजवनाई॥ दोहरा॥ सवकेउरनि।
रभरहरषपूरितपुलकसरीर॥ कवहंसदेषववैनैनभरि॥ रामल
षणहौवीर॥५७॥ चौपई॥ गजेहिगजघंटाध्वनिघोरा॥ रथरववा।
जहिसविचहुंओरा॥ निदरघनहिघुमरहेनिशाना॥ निजप
राइकछुसुनीयनकाना॥ महाभीरभूपतिकेद्वारे॥ रजहुइजा
हिपषानपवारे॥ चढीअटारन्हिदेषहिनारी॥ लीयेआरतीमं
गलथारी॥ गावहिगीतमनोहरनाना॥ अतिआनंदनहिजा
इवषाना॥ तवसुमंत्रदुइस्पंदनसाजी॥ जोरेरविहयनिंदकवा।
जी॥ दोउरथरुचिरभूपपहिआने॥ नहिसारदपहिजाहिवषा।
ने॥ राजसमाजएकरथसाजा॥ दूसरतेजपुंजअतिभ्राजा॥ दो॥
तिहरथरुचिरवशिष्टकह॥ हरषचढाइनरेस॥ आपचढेस्पंद।
नसुमिर। हरगुरुगौरिगणेश॥५८॥ चौपई॥ सहितवशिष्टसो
हनृपकेसे॥ सुरगुरुसहितपुरंदरजैसे॥ करकुलरीतवेदवि।
धराऊ॥ देषसवहिसवभांतिवनाऊ॥ सुमिररामगुरआयसु।

॥तु॰ रा॰॥ पाई॥ चलेमहीपतिसंषवजाई॥ हरषेविबुधविलोकबराता॥ बर
॥बा॰॥ षहिंसुमनसुमंगलदाता॥ भयोकुलाहलहयगयगाजा॥ ब्यो।
॥१०६॥ मबरातबाजनेबाजा॥ सुरनरनारिसुमंगलगाई॥ सरसरागबा।
जहिंसहनाई॥ घंटघंटधुनबरनिनजाही॥ सरवकरहिंपताक
फहराही॥ करहिंविदूषककौतकनाना॥ हासकुशलजुतगा।
वनसुजाना॥ दोहरा॥ तुरगनचावहिंकुञ्जरवर॥ अकनिमृदंग
निशान॥ नागरनटचितवहिंचकित॥ डगहिंनतालबंधान॥
चौपई॥ बनैनवरणतबनीबराता॥ होहिंसगुणसुंदरसुषदाता
चाराचाषुवामदिशलेई॥ मनहुंसकलमंगलकहिदेई॥ दाहि
नकागसुषेतसुहावा॥ नकुलदरससबकाहूपावा॥ सानकू।
लबहत्रिविधबयारी॥ सघटसबालआवबरनारी॥ लोंवांफि
रफिरदरसुदिषावा॥ सुरभीसनमुषसुतहिंपियावा॥ मृगमा
लाफिरदाहिनआई॥ मंगलगणजनुदीन्हदिषाई॥ छेमकरी
कहछेमविशेषी॥ श्यामावामसुतरुपरदेषी॥ सनमुषआए
दधिअरुमीना॥ करपुस्तकदुइविप्रप्रवीना॥ दोहरा॥ मंग।
लमयकल्यानमय॥ अभिमतफलदातार॥ जनुसबसांचेहो
नहित॥ भएसगुणइकबार॥ ६०॥ चौपई॥ मंगलसगुणसुमंग ॥१०६॥

लताके॥सगुणप्रसूनसुंदरसुतजाके॥रामसरिषवरुदुलहनि।
सीता॥समधीदसरथुजनकपुनीता॥सुनिअसब्याहसगुणस
वनाचे॥अवकीन्हेविरंचिहमसाचे॥इहविधकीन्हवरातपया। न
ना॥हयगयगाजेहनहिनिशाना॥आवतजानभानुकुलके
तु॥सरितन्हजनकवंधाएसेतु॥वीचवीचवरवासवनाए॥सुर
पुरसरिषसंपदाछाये॥असनसेनवरवसनसुहाए॥पाव। य
हिनिजनिजमनजेभाए॥नितनूतनसुषलषिअनुकूले॥
सकलवरातिन्हमंदरभूले॥दोहा॥आवतजानवरातवर॥सु
निगहगहेनिशान॥सजिरथगजपदचरतुरग॥चलेलेनअ
गवान॥६२॥चौपई॥कनककलसभरिकोपरथारा॥भाजनल
लितअनेकप्रकारा॥भरेसुधासमसवपकवाने॥भांतिभांति
नहिजांहिवषाने॥फलअनेकवरवस्तसुहाई॥हरषिभेटहि
तभूपपठाई॥भूषनवसनमहामणिनाना॥षगमृगहयग
यवहुविधिजाना॥मंगलसगुणसुगंधसुहाए॥वहुतभांति
महिपालपठाए॥दधिचिरवाउपहारअपारा॥भरिभरिकांवरि
चलेकहारा॥अगवाननजवदेषिवराता॥उरआनंदपुलक।
भरिगाता॥देषिवनावसहितअगवाना॥मुदितवरातिन्हह

॥तु॥रा॥ नेनिशाना॥दोहरा॥हरिषिपरस्परमिलनहित॥कछुकचलेव
॥बा॥ गमेल॥जनुआनंदसमुद्रदुइ॥मिलतविहायसुवेल॥६२॥चौ
॥१०१॥ वरषसुमनसुंदरसुरगावहि॥मुदितदेवदुंदभीवजावहि॥वसु
सकलराषीनृपआगे॥विनयकीन्हतिन्हअतिअनुरागे॥।
प्रेमसमेतरायसवलीन्ही॥भैवकसीसजाचकन्हदीन्ही॥क
रिपूजामाननावडाई॥जनवासेकहचलेलवाई॥वसनविचि
त्रपांवडेपरही॥नृपदसरथसुतापरपगधरही॥देषधनदधन।
मदपरिहरही॥उपमाकहुतकहाकवकरही॥अतिसुंदरदी
न्हेजनवासा॥जहसवकहसवभांतिसुपासा॥जानीसीयव
रातपुरआई॥निजमहिमाकछुप्रगटजनाई॥हृदयसुमिर
सवसिधवुलाई॥भूपतिपहुनईकरणपठाई॥दोहरा॥सवसि
धसीयआयसुअकन॥गईजहांजनवास॥लीयेसंपदासक
लसुष॥सुरपुरभोगविलास॥६३॥चौपई॥निजनिजवासवि
लोकवराती॥सुरसुषसकलसुलभसवभांती॥विभवभेदक
छुकोऊनजाना॥सकलजनककरकहैवषाना॥सीयमहि
मारघनायकजानी॥हरषेहृदयहेतुपहिचानी॥पितुआ।
गमनसुनतहोभाई॥अतिआनंदनहृदयसमाई॥सकुच ॥१०

न्हकछुककहतगरयाही॥पितदरसनलालचमनमाही॥वि।
श्वामित्रविनयवडदेषी॥उरउपजासंतोषविशेषी॥हरषवंधुदो
हृदयलगाए॥पुलकअंगअंवकजलछाए॥चलेजहांदसरथ
जनवासे॥मनहुसरोवरतकेपियासे॥दोहरा॥भूपविलोके
जवहिमुनि॥आवतसुतन्हसमेत॥उठेहरषिसुषसिंधुमहु॥च
लेथाहसीलेत॥६४॥चौपई॥मुनहिदंडवतकीन्हमहीसा॥वा
रवारपदरजधरिसीसा॥कौशिकराउलीयेउरलाई॥पुनदंडव
तकरतदोभाई॥देषनृपतिउरसुषनसमाई॥सुतहीयलाइदु
सहदुषमेटे॥मृतकशरीरप्राणजनुभेटे॥पुनिवशिष्टपदसि
रतिन्हनाए॥प्रेममुदितमुनिवरउरलाए॥विप्रवृंदवंदेदुहुभा
ई॥मनभावतीअसीसैपाई॥भरतसहानुजकीन्हप्रनामा॥।
लीयेउठाइलाइउररामा॥हरषेलषनदेषदोभ्राता॥मिलेप्रेम
परिपूरणगाता॥६५॥दोहरा॥पुरजनपरिजनजातजन॥जाच
कमंत्रीमीत॥मिलेजथोचितसवहिप्रभु॥परमकृपालविनी
त॥६६॥चौपई॥रामहिदेषिवरातजुडानी॥प्रीतिकिरीतिनजा
इवषानी॥नृपसमीपसोहहिसुतचारी॥जनुधर्मादिप्रगटत
नुधारी॥सुतनसमेतदसरथहिदेषी॥मुदितनगरनरनारि

॥तु॥रा॥ विशेषी॥ सुमनवरषिसुरहनहिनिशाना॥ नाकनटीनाचहिक
॥बा॥ रिगाना॥ शतानंदअरुविप्रसचिवगण॥ मागधसूतविदुषवं।
॥१०८॥ दीजन॥ सहितवरातराउसनमाने॥ आयसुमानफिरेअगवा।
ने॥ प्रथमवरातलगनतेंआई॥ तातेंपुरप्रमोदअधिकाई॥ ब्रह्मा
नंदलोगसव लहहि॥ वढैदिवसनिशिविधिसनकहहि॥ दो॥
रामसीयशोभाअवधि॥ सुकृतअवधिदोउराज॥ जहंतहंपुरज
नकहहिअस॥ मिलनरनारिसमाज॥ ६७॥ चोपई॥ जनकसु।
कृतिमूरतिवैदेही॥ दशरथसुकृतरामधरिदेही॥ इनसमका।
हुनशिवअवराधे॥ काहुनइनसमानफललाधे॥ इन्हसम
कोउनभयोजगमाही॥ हैनहिकतहुंहोनियोनाही॥ हमसव।
सकलसुकृतकेरासी॥ भेजगजनमजनकपुरवासी॥ जिन्ह
जानकीरामछविदेखी॥ कोसुकृतीहमसरिषविसेषी॥ पुनदे
षवरघुवीरविवाहू॥ लेवभलीविधलोचनलाहू॥ कहैपरस्पर
कोकिलवैनी॥ इहविवाहवडलाभसुनैनी॥ वडेभागविधि।
वातवनाई॥ नैनअतीथहोहिहोभाई॥ दोहरा॥ वारहिवारस
नेहवसि॥ जनकवुलाइवसीय॥ लेनआइहहिवंधुदो॥ कोट
कामकमनीय॥ ६८॥ चोपई॥ विविधभांतहोइहिपहुनाई॥ प्रि ॥१०८॥

यनकाहिअससमासुरमाई॥तवतविरामलषनहिनिहारी॥हृदः
हर्हिसवउरलोगसुषारी॥सषिजसरामलषनकरजोटा॥तैसैभू
पसंगदुइढोटा॥स्यामगौरसवअंगसुहाए॥तेसवकहहिदेषजे
आए॥एककहामेआजुनिहारे॥जनुविरंचिनिजहाथसवारे
भरतरामहीकैअनुहारी॥सहसालषनसकहिनरनारी॥लष
नशत्रुसूदनइकरूपा॥नषसिषतेसवअंगअनूपा॥मनभा
वहिमुषवरणिनजाही॥उपमाकहनिभुअनकोनाही॥छंद॥
उपमानकोकहदासतुलसीकतहकविकोविधकहे॥वलवि
नयविद्याशीलसोभासिंधइनसमयेअहै॥पुरिनारिसकल॥
पसारिअंचलविधिहिवचनसुनावहीं॥व्याहहिचारौभाइइह
पुरहमसहिमंगलगावहीं॥सोरठा॥कहहिपरस्परनारि॥वारिवि
लोचनपुलकतन॥सषिसवकरवपुरारि॥पुन्यपयोनिधिभू
पदो॥३१५॥चौपई॥इहविधिसकलमनोरथकरही॥आनंदउ
मगिउमगिउरभरही॥जेनृपसीयस्वयंवरआए॥देषवंधुसभ
तिन्हसुषपाए॥कहतरामजसुविशदविशाला॥निजनिजभ
वनगएमहिपाला॥गएवीतकछुदिनइहभांती॥प्रमुदितपुर
जनसकलवराती॥मंगलमूललगनदिनआवा॥हिमरितु

॥तु॥रा॥ अगहनमाससुहावा॥ ग्रहतिथिनषतजोगवरवारू॥ लग्नसो
॥वा॥ धिविधिकीन्हविचारू॥ पठैदीन्हनारदसनसोई॥ गुनीजनक।
॥२०४॥ केगणकन्हजोई॥ सुनीसकललोगन्हयहवाता॥ कहहिजो
तिषीअपरविधाता॥ दोहा॥ धेनधूरवेलाविमल॥ सकलसु
मंगलमूल॥ विप्रन्हकह्योविदेहसन॥ जानिसमयअनुकू
ल॥ ७०॥ चौपई॥ उपरोहितहिकह्योनरनाहा॥ अवविलंवक
रकारणकाहा॥ शतानंदतवसचिवबुलाए॥ मंगलसकलस
साजसवल्याए॥ शंखनिशानपनववहुवाजे॥ मंगलसक
लसगुणसभसाजे॥ सुभगसुआसिनिगावहिगीता॥ करहि
वेदधुनविप्रपुनीता॥ लेनचलेसादरइहभांती॥ गएजहांज
नवासवराती॥ कोशलपतिकरदेषिसमाजू॥ अतिलघुला
गतिन्हहिसुरराजू॥ भयोसमोअवधारियपाऊ॥ यहसुनि
परानिशानहिघाऊ॥ गुरुहिपूछिकरकुलविधराजा॥ चले
संगमुनिसाधुसमाजा॥ दोहा॥ भागविभवअवधेसकर॥ दे
षदेवब्रह्मादि॥ लगेसराहनसहसमुख॥ जानजनमनिज।
वादि॥ ७१॥ चौपई॥ सुरन्हसुमंगलअवसरजाना॥ वरषहिसु
सुमनवजाइनिशाना॥ शिवब्रह्मादिकविवुधवरूथा॥ चढे ॥२०४॥

विवानन्हनानायूथा॥ प्रेमपुलकतनहृदयउछाहू॥ चलेवि-
लोकनरामविवाहू॥ देषजनकपुरसुरअनुरागे॥ निजनिज-
लोकसबैलघुलागे॥ चितवहिचकितविचित्रविताना॥ रचना
सकलअलौकिकनाना॥ नगरनारिनररूपनिधाना॥ सुघर
सुधरमसुशीलसुजाना॥ तिन्हहिदेषसबसुरपुरनारी॥ भएनष
तजनुविधुउजियारी॥ विधहिभयोआचरजविशेषी॥ निजक
रनीकछुकतहुनदेषी॥ दोहरा॥ शिवसमुझाएदेवसब॥ जन
आचरजभुलाहु॥ हृदयविचारहुधीरधर॥ सीयरघुवीरविवा-
हु॥ ७२॥ चौपई॥ जिन्हकरनामलेतजगमांही॥ सकलअमंग
लमूलनसाही॥ करतलहोहिपदारथचारी॥ सोसीयरामक-
होकामारी॥ यहकहिशंभसुरन्हसमझावा॥ पुनिआगेवरव
सहिचलावा॥ देवन्हदेषेदसरथजाता॥ महामोदतनपुलकि
तगाता॥ साधुसमाजसंगमहिदेवा॥ जनुतनुधरेकरहिसुरसे
वा॥ सोहतवारशुभगसुतचारी॥ जनुअपवर्गसकलतनुधा
री॥ मरकतकनकवरणवरजोरी॥ देषसुरन्हभैप्रीतिनथोरी॥
पुनिरामहिविलोकिहीयहरषे॥ नृपहिसराहिसुमनवहुव
रषे॥ दोहरा॥ रामरूपनषसिषशुभग॥ वारहिवारनिहारि॥

॥तु॥रा॥ पुलकगात्तलोचनसजल॥उमासमेतपुरारि॥७३॥चौपई॥केकि
॥वा॥ कंठदुतिश्यामलअंगा॥तडितिविनिंदकवसनसुरंगा॥ब्याह।
॥२२०॥ विभूषणविविधवनाए॥मंगलमयसवभांतिसुहाए॥सरद
विमलविधुवदनसुहावननैननवलराजीवलजावन॥सक
लअलौकिकसुंदरताई॥कहनजाइमनहीमनभाई॥वंधुम
नोहरसोहहिसंगा॥जातनचावतचपलतुरंगा॥राजकुअर
वरवाजदिषावहि॥वंसप्रसंसकविरदसुनावहि॥जिहतुरंग
परिरामविराजे॥गतिविलोकषगनायकलाजे॥कहिनजाइस
वभांतिसुहावा॥वाजिवेषजनुकामवनावा॥छंद॥जनुवाजि।
वेषवनाइमनसिजरामहितअतिसोहई॥अपनेवयुषवल।
रूपगुणगतिसकलभुवनविमोहई॥जगमगतजीनजराइ
जोतिसुमोतिमणिमाणकलगे॥किंकणिललामलगाम।
ललितविलोकसुरनरमुनिठगे॥दोहरा॥प्रभुमनमहिलय
लीनमनु॥चलतवाजिछविपाव॥भूषितउडगनतडितपट
धनुवरवरहिनचाव॥७४॥चौपई॥जिहवरवाजरामअसवा
रा॥तिहकविकोनहिवरणैपारा॥शंकररामरूपअनुरागे॥।
नैनपंचदसअतिप्रियलागे॥हरहितसहितरामजवजोहे॥। ॥२२॥

रमासमेतरमापतिमोहे॥निरषेरामछववविधहरषीने॥आठैनेन
जानिपछताने॥सुरसेनपउरवहुतउछाहू॥विधतेडिवढसुलो
चनलाहू॥रामहिचितवसुरेससुजाना॥गौतमस्रापपरमहित
माना॥देवसकलसुरपतहिसराहीं॥आजुपुरंदरसमकोना।
हीं॥मुदितदेवगणरामहिदेषी॥नृपसमाजदुंहुहरषविशेषी
छंद॥अतिहरषराजसमाजदुंहिदिसदुंधवीवाजैघनी॥वरषैंसु
मनसुरहरषेकहिजैजैतिजैरघुकुलमणी॥इहिभांतजानवरा।
तआवतवाजनेवहुवाजहीं॥राणीसुआसिनवोलपरछनदे
तमंगलसाजहीं॥दोहरा॥आरतिसाजअनेकविध॥मंगलस
कलसवार॥चलीमुदितपरछनकरनि॥गजगामनवरनार॥
चोपई॥विधुवदनीसभहीमृगलोचन॥सभनिजतनछविर
तिमदमोचन॥पहिरेवरनवरनवरचीरा॥सकलविभूषणस
चेसरीरा॥सकलसुमंगलअंगवनाई॥करहिगानकलिकं।
ठलजाई॥किंकिनिकंकनिनूपरवाजहि॥चालिविलोकि।
कामगजलाजहि॥वाजहिवाजनविविधप्रकारा॥नभअरु।
नगरसुमंगलचारा॥सचीसारदारमाभवानी॥जेसुरतियसु।
चिसहिजसिआनी॥कपटिनारिवेषवनाई॥मिलीसकलर

णवासेंजाई॥करैगानकलमंगलवानी॥हर्षविवससभकाहुन
जानी॥छंद॥कोजानसकिआनंदवससवब्रह्मवरपरिछनचली
कलिगानमधुरनिशानवरषहिसुमनसुरसोभाभली॥आनं
दकंदविलोकदूलहसकलहीयहरषतभई॥अंभोजअंबुक
अंबुउमगिसुअंगपुलकावलछई॥दोहरा॥जोसुषभासीयमा
तुमन॥देषरामवरवेष॥सोनसकहिकहिकलपशत॥सहस
सारदासेष॥७५॥चौपई॥नैननीरहटिमंगलजानी॥परिछन
करहिमुदितमनरानी॥वेदविहितअरुकुलआचारू॥कीह्न
भलीविधसभविवहारू॥पंचसवदधुनिमंगलगाना॥पटपां
वडेपरहिविधिनाना॥करिआरतीअरघतिन्हदीन्हा॥रामग
वनुमंडपतवकीन्हा॥दसरथसहितसमाजविराजे॥विभवा
विलोकलोकपतिलाजे॥समयसमयसुरवरषहिफूला॥
शांतपढहिमहिसुरअनुकूला॥नभअरुनगरकुलाहलहो
ई॥आपनिपरकछुसुनइनकोई॥इहविधिराममंडपहिआ
ए॥अर्घदीनआसनवैठाए॥छंद॥वैठाइआसनआरतीकर
निरषवरुसचुपावही॥मनिवसनभूषणभूरिवारहिनारि
मंगलगावही॥ब्रह्मादिसुरवरविप्रवेषवनाइकौतकदेषही ॥२२२॥

अविलोकिरविकुलकमलरविछविसुफलजीवनलेषही॥दोहा॥
नाऊवारीभाटनट॥रामनिछावरपाइ॥मुदितअसीसहनाइसिर
हरषनहृदयसमाइ॥७६॥चौपई॥मिलेजनकदसरथअतिप्री
ती॥करवैदिकलौकिकसवरीती॥मिलतमहादोउराजविराजे॥
उपमाषोजिषोजिकविलाजे॥लहीनकतहुहारहीयमानी॥इ
न्हसमएउपमाउरआनी॥समधीदेषदेवअनुरागे॥सुमनवर
षिजसुगावनलागे॥जगुविरंचउपजावाजवते॥देषेसुनेब्याहव
हुतवते॥सकलभांतिसवसाजसमाजू॥समसमधीदेषेहमआ
जू॥देवगिरासुनसुंदरसांची॥प्रीतिअलौकिकदुहदिशमाची॥
देतपांवडेअर्घसुहाए॥सादरजनकमंडपहिल्याए॥छंद॥मंड
पविलोकिविचित्ररचनारुचिरतामुनिमनहरे॥निजपानजनक
सुजानसवकहआनसिंघासनधरे॥कुलइष्टसरिसवशिष्टपूजे
विनयकहिआशिषलही॥कौशिकहिपूजतपरमप्रीतिकिरी।
तितौनपरैकही॥दोहरा॥वामदेवआदिकरिषी॥पूजेमुदितम।
हीस॥दीनेदिव्यासनसवहि॥सवसनलहीअसीस॥११॥चौ॥
वहुरिकीन्हकौशलपतिपूजा॥जानईससमभाउनदूजा॥कीन्ह
जोरकरविनैवडाई॥कहिनिजभागविभववहुताई॥पूजेभूप।

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥११२॥

तिसकलवराती॥ससधीससमादरसबभाती॥आसनउचितदीये
सबकाहू॥कहौंकाहसुषएकउछाहू॥सकलवरातजनकसन
मानी॥दानमानविनतीवरवानी॥विधिहरहरिदिसपतिदिन
राऊ॥जेजानहिरघुवीरप्रभाऊ॥कपटविप्रवरवेषवनाए॥कौं
तककदेषहिंअतिसचुपाए॥पूजेजनकदेवसमजाने॥दीयेसुइ
आसनविनपहचाने॥छंद॥पहिचानकोकिहिजानसबहिंअ
पानसुधिभोरीभई॥आनंदकंदविलोकिदूलहुउभयदिशिआ
नंदमई॥सुरलषेरामसुजानपूजेमानसिकआसनदए॥अवि
धर्ह लोकशीलसुभावप्रभकोविबुधमनप्रमुदितभए॥दोहरा॥रामचं
द्रमुषचंद्रछवि॥लोचनचारुचकोर॥करतपानसादरसकल॥
प्रेमप्रमोदनथोर॥७८॥चौपई॥समोविलोकवशिष्टबुलाए॥सा
दरशतानंदतवआए॥वेगकुवरअवआनहुजाई॥चलेमुदित
मुनिआयसुपाई॥रानीसुनउपरोहितवानी॥प्रमुदितसषिनस
मेतसियानी॥विप्रवधूकुलवृद्धबुलाई॥करिकुलरीतसुमंगल
गाई॥नारिवेषजेसुरवरवामा॥सकलसुभायसुंदरीश्यामा॥ति
न्हहिदेषसुषपावहिनारी॥विनुपहिचानप्राणतेप्यारी॥वारा
वारसनमानहिरानी॥उमारमासारदसमजानी॥सीयसवारसु ॥११२॥

समाजवनाई॥ मुदितमंडपहिचलीलवाई॥ छंद॥ चलिल्याइसीत
हिसषीसादरसजिसुमंगलभावनी॥ नवसप्तसाजेसुंदरीसवम
त्तकुंजरगामिनी॥ कलगानसुनमुनिध्यानत्यागहिकामकोकि
ललाजही॥ मंजीरनूपुरकालतिकिंकिणितालगतिवरवाज
ही॥ दोहरा॥ सोहतिवनताबृंदमहि॥ सहजसुहावनिसीय॥
छविललनागणमध्यजनु॥ सुषमातीयकमनीय॥ ७९॥ चौ॥
सीयसुंदरतावरणिनजाई॥ लघुमतिवहुतमनोहरताई॥ आ
वतदेषवरातिन्हसीता॥ रूपराशिसवभांतपुनीता॥ सवहिम
नहिमनकीन्हप्रनामा॥ देषरामभेपूरणकामा॥ हरषेदसरथ
सुतन्हसमेता॥ कहनजाइउरआनंदजेता॥ सुरप्रणामकरिव
रषहिफूला॥ मुनिअसीसधुनिमंगलमूला॥ गाननिशानको
लाहलभारी॥ प्रेमप्रमोदमगननरनारी॥ इहविधिसीयमंडप
हिआई॥ प्रमुदितशांतिपढहिमुनिराई॥ तिहअवसरकरविधिव
धिविहारु॥ दुहकुलगुरसवकीन्हअचारु॥ छंद॥ आचारकरि
गुरुगौरगणपतिमुदितविप्रपुजावही॥ सुरप्रगटपूजालेहिदे
हिअसीसअतिसुषपावही॥ मधुपर्कमंगलद्रव्यजोजिहसमय
मुनिमनमहुचहै॥ भरिकनककोपरिकलससोसवलीयेपरि

॥तु॥रा॥ चारकरहै॥कुलरीतप्रीतसमेतविधकहिदेतसभसादरकीये॥इह
॥बा॥ भांतदेवपुजाइसीतहिसुभगसिंघासनदीये॥सीयरामअवलो
॥२२३॥ कणिपरस्परप्रेमकाहुनलषिपरै॥मनबुद्धवरबानीअगोचरप्रग
टकविकैसेकरै॥दोहरा॥होमसमयतनुधरिअनल॥अतिहित
आहुतिलेहि॥विप्रवेषधरिवेदसव॥कहिविवाहविधिदेहि॥८०
चौपई॥जनकपाटमहिषीजगजानी॥सीयमातकिमजाइवषा
नी॥सुजनसुकृतसुषसुंदरताई॥सवसमेटविधरचीवनाई॥स
मयजानमुनवरन्हवुलाई॥सुनतसुआसनसादरल्याई॥जनक
वामदिससोहसुनैना॥हिमगिरसंगवनीजनुमैना॥कनकक
लशमणिकोपररूरे॥सुचिसुगंधमंगलजलपूरे॥निजकरमुदि
तराउअरुरानी॥धरेरामकेआगेआनी॥पढहिंवेदमुनिमंगल
वानी॥गगनसुमनझरअवसरजानी॥वरविलोकदंपतअनु
रागे॥पायपुनीतपषारनलागे॥छंद॥लागेपषारनपायपंकज।
प्रेमतनपुलकावली॥नभनगरगाननिशानजयधुनिउमगि
जनुचहुदिशिचली॥जेपदसरोजमनोजअरिउरसरसदैवविरा। स२॥
जही॥जेसकृतसुमिरतविमलतामनसकलकलिमलिभाज।
ही॥जेपरसिमुनिवनितालहीगतिरहीजोपातकमई॥सकरं ॥२२३॥

दजिन्हकौशंभुशिरसुचिताअवधसुरवरनई॥करिमधुपमनमु।
नियोगिजनजेसेईअभिमतगतिलहै॥तेपदपषारतभागभाजन
जनकजैजैसबकहै॥करकुंअरकरतलजोरिसाषोचारदोउकुलगुर।
करै॥भैपाणिग्रहणविलोकविधसुरमनुजमुनिआनंदभरै॥सुष
मूलदूलहदेषदंपतिपुलकतनहुलस्योहीयो॥करिलोकवेदवि
धानकंन्यादाननृपभूषणदीयो॥हिमवंतजिमगिरजामहेस।
हिहरिहिश्रीसागरदई॥तिमजनकरामहिसीयसमर्पीविस्वक
लकीरतिनई॥क्योंकरैविनयविदेहकियोविदेहमूरतिसांवरी॥
करिहोमविधिवतिगांठजोरीहोनलागीभांवरी॥दोहरा॥जयधु।
नवंदीवेदधुन॥मंगलगाननिशान॥सुनहरषहिवरषहिविबुध
सुरतरसुमनसुजान॥८२॥चौपई॥कुअंरिकुअरकलभांवरिदेही
नयनलाभसबसादरलेही॥जाइनवर्णमनोहरजोरी॥जोउपमा
कछुकहौसुथोरी॥रामसीयसुंदरपरिछाही॥जगमगातिमणि
षंभहिमाही॥मनहुमदनरतिधरिवहुरूपा॥देषतरामविवाह
अनूपा॥दरसलालसासकुचनथोरी॥प्रगटतदुरतिवहोरिवा।
होरी॥भएमगनसबदेषनहारे॥जनकसमानअपानविसारे
प्रमुदितमुनिन्हभांवरीफेरी॥नेगसहितसबनीतिनिबेरी॥राम।

॥तु॥रा॥ सीयसिरसेंदुरदेही॥ शोभाकहिनजातविधकेही॥ अरुणपरागज।
॥वा॥ लजभरिनीके॥ ससिहिभूषअहिलोभअमीके॥ बहुरिवशिष्टदी।
॥२२५॥ नअनुशासन॥ वरदुलहनिवैठेइकआसन॥ छंद॥ वैठेवरासन।
न रामजांकिमुदितमनदसरथभए॥ तनपुलकिपुनपुनदेषअपने
सुकृतसुरतरफलनए॥ भरभुवनरह्यउछाहरामविवाहभासवही
कह्या॥ किहिभांतिवरणसिरातरसनाएकयहमंगलमह्या॥ तव
जनकपाइवशिष्टआयसुव्याहसाजसवारिकै॥ मांडवीश्रुतिकी
रतिउर्मिलाकुअरिलेईहंकारिकै॥ कुसकेतुकंन्याप्रथमजोगुण
शीलसुषसोभामई॥ सवरीतिभांतिसमेतकरिसोव्याहन्रपभरत
हिदई॥ जानकीलघुभगिनिसकलसुंदरशिरोमणिजानिकै॥
न्ही सोजनकदीँव्याहलषणहिसकलविधिसनमानकै॥ जिहिनाम
श्रुतिकीरतिसुलोचनिसुमुषिसवगुणआगरी॥ सोदईरिपुसूद
नहिभूपतिरूपशीलउजागरी॥ अनुरूपवरदुलिहनिपरस्पर।
च लषिसकुंहीयहरषही॥ सवमुदितसुंदरतासराहहिसुमनसुर
गणवरषही॥ सुंदरीसुंदरवरनसहसवएकमंडपराजही॥ जनु
जीवधरचारियोअवस्थाविभुन्हसहितविराजही॥ दोहरा॥ मु
दितअवधपतिसकलसुतवधुनसमेतनिहार॥ जनुपाएमहि। ॥२२५॥

पालमणि॥रूपन्हसहितफलचार॥८२॥चौपई॥जसरघुवीरव्या
हविधिवरनी॥सकलसुतन्हव्याहेतिहकरनी॥कहँजाइकछुदा न२
इजभूरी॥रहाकनकमणिमंडपपूरी॥कंचनवसनविचित्रपटो
रे॥भांतिभांतिवहुमोलनथोरे॥वस्तुअनेककरीयकिमलेषा॥।
कहिनजाइजिन्हहिजिहिदेषा॥गजरथतुरगदासअरुदासी॥धे
नुअलंक्रितकामदुहासी॥लोकपालअवलोकिसिहाने॥लीन्ह
व अवधपतिसँसुषमाने॥दीन्हजाचकन्हजोजिहभावा॥उवरासो।
जनवासहिंआवा॥तवकरजोरिजनकमृदुवानी॥वोलेसववरा।
तसनमानी॥छंद॥सनमानिसकलवरातिआदरदानविनयव
डाइकै॥प्रमुदितमहामुनिवृंदवंदेपूजिप्रेमलडाइकै॥सिरुनाइ
देवमनाइसवसनकहतकरसंपुटकीये॥सुरसाधुचाहतभाव।
सिंधुकितोषजलअंजलदीये॥करजोरजनकवहोरिवंधुसमेत
कोसलरायसों॥वोलेमनोहरवैनसानिसनेहशीलसुभाइसो॥।
संवंधराजनरावरेहमवंवडेअववसविधभये॥यहराजसाजसमे
तशेवकजानियेविनुगथलये॥इहदारिकापरिचारिकाकरपा
लिवीकरुनानामई॥अपराधछमिवेवोलिपठयेवहुतहउढीठोद
ई॥पुनिभानुकुलभूषणसकलसनमानविधिसमधीकीये॥का

द्विजातनहिविनतीपरस्परप्रेमपरि[illegible]शरणाहीये॥वृंदारकागण।
सुमनवरषैराउज्जनवासहिचले॥दुंदुभीजयधुनवेदधुनिनभन।
गरकौतहलभले॥तवसषीमंगलगांनकरतमुनीसआयसुपा
इकै॥दूलहदुलहिनिन्हसहितसुंदरचलीकअरलवाइकै॥दो॥
पुनपुनरामहिचितवसीय॥सकुचितमनसकुचैन॥हरतमनो।
हरमीनछवि॥प्रेमपियासेनैन॥८३॥चौपई॥श्यामशरीरसुभा।
इसुहावन॥शोभाकोटमनोजलजावन॥जावकयुत्तपदकम
लसुहाए॥मुनिमनमधुपरहतजहछाए॥पीतपुनीतमनोहर
धोती॥हरतिवालरविदामनजोती॥कलिकिंकिणिकटिसूत्र
मनोहर॥वाहुविशालविभूषणसुंदर॥पीतजनेउमहाछविदे।
ई॥करमुद्रिकाचोरचितुलेई॥सोहतव्याहसाजसवसाजे॥उरआ
यतसवभूषणराजे॥पीयरउपरनाकाषासोती॥दुहआचरन्हल।
गेमणिमोती॥नयनकमलकलकुंडलकाना॥वदनसकल।
सौंदर्य्यनिधाना॥सुंदरभृकुटिमनोहरनासा॥भालतिलकरु
नर चिरतानिवासा॥सोहतमौरमनोहरमाथे॥मंगलमयमुकता
मणिगाथे॥छंद॥गाथेमहामणिमौरमंजुलअंगसवचित
चोरई॥पुरनारिसुरसुंदरीवरहिविलोकसवतृणतोरई॥मणि ॥२२५॥

वसनभूषणवारिआरतिकरहिंमंगलगावही॥सुरसुमनवरषहिं।
सूतमागधवंदिसुजससुनावही॥कोवरहिआनेकुअरकुअरसु
आसनिन्हसुषपाइकै॥अतिप्रीतिलोकिकरीतिलागीकरणमंग
लगाइकै॥लेहकौरिगौरिसिषाउरामहिसीयसनमारदकहै॥र
णवासहासविलाससरसवसजन्मकोफलकोफलसवलहै॥नि
जपाणिमनमहुदेषप्रतिमूरतसरूपनिधानकी॥चलतीनभुज
वल्लीविलोकनिविरहभैवसजानकी॥कौतुकविनोदप्रमोद।
प्रेमनजाइकहिजानहिअली॥वरकुअरिसुंदरसकलसषील।
वाइजनवासहिचली॥तिहिसमयसुनीयअसीसजहंतहंनग
रनभआनंदमहा॥चिरजीवजोरीचारुचारौमुदितमनसवही।
कहा॥योगींद्रसिद्धमुनीसदेवविलोकप्रभुदुंधविहनी॥चलेह
रषवरषिप्रसूननिजनिजलोकजैजैजैभनी॥दोहरा॥सहतव।
धूटिनकुअरसव॥तवआएपितपास॥शोभामंगलमोदभरि॥
उमग्योजनुजनवास॥८४॥चौपई॥पुनजिवनारभईवहुभांती
पठएजनकवुलाइवराती॥परतपांवडेवसनअनूपा॥सुतन्ह
समेतगवनकीयभूपा॥सादरसवकेपाइपषारे॥यथायोगपी
ढनवैठारे॥धोएजनकअवधपतिचरना॥शीलसनेहजाइन

॥तु॥रा॥ हीवरना॥वहुरिरामपदपंकजधोऐ॥जेहरहृदयकमलमहुगोऐ
॥बा॥ तीन्योभाइरामसमजानी॥धोऐचरनकमलनिजपानी॥आस
॥२२६॥ नउचितसभहिनृपदीन्हे॥वोलसूपकारीसवलीन्हे॥सादरल
गेपरणपनवारे॥कनककीलमणपानसवारे॥दोहरा॥सूपोद
नसुरभीसरपिसुंदरस्वादपुनीत॥छणमहिसवकेपरसगे॥चत
रसुआरविनीत॥८५॥चौपई॥पंचकवलिकरिजेवनलागे॥गा
रिगानसुनिअतिअनुरागे॥भांतिअनेकपरेपकवाने॥सुधास
रिषनहिजाहिवषाने॥परुसनलगेसुआरसुजाना॥विंजनअ
मितनामकोजाना॥चारभांतिभोजनविधिगाई॥एकएकवि।
धिवरणनजाई॥छरसरुचिरविंजनवहुभांती॥एकएकरसअ
गणितजाती॥जेवतदेहमधुरधुनिगारी॥लेलेनामपुरुषअ।
रुनारी॥समयसुहावणिगारिविराजा॥हसतिराउसुनसहित
समाजा॥इहविधसवहीभोजनुकीन्हा॥आदरसहतआचम
नदीन्हा॥दोहरा॥देइपानपूजेजनक॥दसरथसहितसमाज
जनवासहिगवनेमुदित॥सकलभूपसिरताज॥८६॥चौपई॥
नितनूतनमंगलपुरमाही॥निमिषसरिषदिनजामिनिजा।
ही॥वडेभोरभूपतिमणिजागे॥जाचकगुणिगणगावनलागे ॥२२६॥

देषकुअरवरवधुनसमेता॥किमकहिजातमोदमनजेता॥प्रात।
कृयाकरिगेगुरपाही॥महाप्रमोदप्रेममनमाही॥करप्रणामराजा
करजोरी॥वोलेगिराअमियजनुवोरी॥तुह्मरीकृपासुनहुमुँराजा न२
भयोआजुमैपूरणकाजा॥अवसववित्रवुलाइगुसाई॥देहुधेनुस
वभांतसुहाई॥सुनगुरुकरिमहिपालवडाई॥पुनिपठएमुनिवृं
दवुलाई॥दोहरा॥वामदेवअरुदेवरिष॥वालमीकजावालि॥।
आएमुनिवरनिकरतव॥कोशिकादितपशाल॥८७॥चौपई॥
दंडप्रनामसवहिन्रपकीन्हे॥पूजसप्रेवरासनदीन्हे॥चारलछवर
धेनुमंगाई॥कामसुरभिसमशीलसुहाई॥सवविधसकलअलं
कृतकीन्ही॥मुदितमहिपमहिदेवनदीन्ही॥करतविनयवहु।
विधिनरनाहू॥लहोआजुजगजीवनलाहू॥पाइअसीसमही
सअनंदा॥लीयेवोलपुनिजाचकवृंदा॥कनकवसनमणिहय
गयस्पंदन॥दीयवूझरुचिरविकुलनंदन॥चलेपठतगावतगु
णगाथा॥जयजयजयदिनकरकुलनाथा॥इहविधरामविवा
हउछाहू॥सकहिनवरणिसहससुषजाहू॥दोहरा॥वारवारकौ
शिकचरण॥सीसनाइकहराउ॥यहसवसुषमुनिराजतव॥कृ
पाकटाक्षप्रभाउ॥८८॥चौपई॥जनकसनेहशीलकरतूती॥।॥

नृपसवभांतिसराहविभूती॥दिनप्रतिविदाअवधपतिमागा॥।
राषहिजनकसहितअनुरागा॥नितनूतनआदरअधिकाई॥दि
नप्रतिसहसभांतिपहुनाई॥नितनवनगरआनंदउछाहू॥दश
रथगवनसुहाइनकाहू॥वहुतदिवसवीतेइहभांती॥जनुसने
हरजुवंधवराती॥कौशिकशतानंदतवजाई॥कहाविदेहनृपहि
समुझाई॥अवदशरथकहिआयसुदेहू॥यद्यपिछाडिनसक
हुसनेहू॥भलेनाथकहिसचिववुलाए॥कहिजयदेवसीसति।
न्हनाए॥दोहरा॥अवधनाथचाहतचलन॥भीतरकरहुजनाउ॥
भएप्रेमवसिसचिवसुनि॥विप्रसभासदराउ॥८५॥चौपई॥पुरवा
सीसुनिचलहिवराता॥वूझतविकलपरस्परवाता॥सत्यगवनसु
निसवविलषाने॥मनहुसांझसरसिजसकुचाने॥जहंजहंआ
वतवसेवराती॥तहंतहंसीधचलावहुभाती॥विवधभांतमेवा।
पकवाना॥भोजनसाजुनजाइवषाना॥भरिभरिसवहिअपार
कहारा॥पठईजनकअनेकसुआरा॥तुरगलाषरथसहसपची
सा॥सकलसवारेनषअरुसीसा॥मत्तसहसदससिंधुरसाजे॥।
जिन्हहिदेषदिसकुंजरलाजे॥कनकवसनमणिभरभरजाना
महिषीधेनुवस्तविधिनाना॥दोहरा॥दाइजअमितनसकी।

यकहि॥ दीन्ह विदेह वहोरि॥ जो अवलोकत लोकपति लोक संं।
पदा थोर॥ ३०॥ चौपई॥ सव समाज इह भांत वनाई॥ जनक अवध
पुर दीन्ह पठाई॥ चलहि वरात सुनत सव रानी॥ विकल मीन गण
जनु लघु पानी॥ पुन पुन सीय हि गोद कर लेंही॥ देइ असीस सि
षावन देही॥ होइहु संतत पीय हि पियारी॥ चिरु अहिवात असी
स हमारी॥ सासु ससुर गुर सेवा करहू॥ पति रुष लषि आयसु अनु
सरहू॥ अति सनेह वस सिष सयानी॥ नारि धर्म सिषवहि मृदु।
वानी॥ सादर सकल कुअंरि समझाई॥ रानिन्ह वारवार उर लाई॥
वहुरि वहुर भेटहि महितारी॥ कहहि विरंच रची कत नारी॥ दोहा
तिह अवसर भायन्ह सहित॥ राम भानु कुल केतु॥ चले जनक
मंदर मुदित॥ विदा कराावन हेतु॥ ३१॥ चौपई॥ चारियो भाय सुभा
व सुहाए॥ नगर नारि नर देषन धाए॥ कोऊ कहहि चलन चहत हहिं।
आजु॥ कीन्ह विदेह विदा कर साजू॥ लेहु नयन भरि रूप निहा।
ही॥ प्रिय पाहुने भूप सुत चारी॥ को जानै किहि सुकृत सयानी॥।
नयन अथित कीन्हे विधि आनी॥ मरत सल्लहित पाउ पियू
षा॥ सुरत रुल हेजनम करि भूषा॥ पावनार कीहरि पद जैसे॥।
इन्हकर दरसन हय कहुते से॥ निरषराम शोभा उर धरहू॥ निज

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥२२८॥

मनफणिमनरतिमणिकरह्न॥इहविधसबहिनयनफँदेता॥गए
कुअरसबराजनिकेता॥दोहरा॥रूपसिंधुसबबंधुलषि॥हरषि
उठ्योरनिवासु॥करहिनिछावरआरती॥महामुदितमनसासु
९२॥चौपई॥देषरामछविअतिअनुरागी॥प्रेमविवसपुनिपु
निपदलागी॥रहीनलाजप्रीतउरछाई॥सहजसनेहवरणिकि
मजाई॥भायन्हसहितउवटअन्हवाए॥छरसअसनअतिहे
तुजिवाए॥वोलिरामसुअवसरजानी॥शीलसनेहसकुचुमय
वानी॥राउअवधपुरचहततसिधाए॥विदाहोनहमइहांपठाए
मातमुदितमनआयसुदेह्न॥वालकजानितजहुजिननेह्न॥
सुनतवचनविलषेरनिवासू॥वोलनसकहिप्रेमवसिसा।
सू॥हृदयलगाइकुअरिसबलीन्ही॥पतिन्हसोपविनतीअ
तिकीन्ही॥छंद॥करविनयसीयरामहिसमर्पीजोरिकरपुन
पुनिकहै॥वलिजाउतातसुजानतुमकहिविदतगतिसवकी
अहै॥परिवारपुरजनमोहिराजहिप्रानप्रयसीयजानवी॥तु
लसीसुशीलसनेहलषिनिजकिंकरीकरमानवी॥सोरठा
तुह्मपरिपूरणकाम॥ज्ञानशिरोमणिभावप्रिय॥जनुगुणग्रा
हकराम॥दोषदलनकरुणायतन॥९३॥चौपई॥असिक। ॥२२८॥

हिरहीचरणगहिरानी॥प्रेमपंजनुगिरासमानी॥सुनसनेहसानीव
रवानी॥वहुविधरामसासुसनमानी॥रामविदामांगतकरजोरी॥की
न्हप्रणामवहोरिवहोरी॥पायअसीसवहुरिसिरुनाई॥भाइन्हस
हितचलेरघुराई॥मंजुमधुरमूरतिउरआनी॥भईसनेहसिथिल
सवरानी॥पुनिधीरजुधरिकुअरिहंकारी॥वारवारभेटहिमहता
री॥पहुचावहिफिरमिलहिवहोरी॥वढीपरसपरप्रीतनथोरी॥पु
नपुनमिलतसखिन्हविलगाई॥वालवछजिमधेनुलवाई॥दो॰
प्रेमविवसनरनारिसव॥सखिन्हसहितरणवासु॥मानहुँविदेह कीन्ह
पुर॥करुनाविरहनिवासु॥५४॥चौपई॥सुकसारिकाजानकी।
ज्याए॥कनकपिंजरन्हराखपढाए॥व्याकुलकहहिकहांवैदेही
सुनधीरजुपरिहरहिनकेही॥भएविकलखगमृगइहभांती॥म
नुजदशाकैसेकहिजाती॥वंधुसमेतजनकतवआए॥प्रेमउमगि
लोचनजलछाए॥सीयविलोकधीरताभागी॥रहेकहावतपरम
विरागी॥लीन्हरायउरलायजानकी॥मिटीमहामरजादज्ञान।
की॥समुझावतसवसचिवसयाने॥कीन्हविचारअनअवसर।
जाने॥वारहिवारसुताउरलाई॥सजिसुंदरपालकीमंगाई॥दो॰
प्रेमविवसपरिवारसव॥जानसुलगणनरेस॥कुअरिचढाईपा

॥तु॥रा॥ लकिन्ह॥ सुमिरेसिद्धगणेश॥५५॥ चौपई॥ वहुविधिभूपसुतास
॥बा॥ मुझाई॥ नारिधर्मकुलरीतसिषाई॥ दासीदासदीयेवहुतेरे॥ सुचि
॥२१५॥ शेवकजेप्रियसीयकेरे॥ सीयचलतव्याकुलपुरवासी॥ होहिसगु
णसुभमंगलरासी॥ भूसुरसचिवसमेतसमाजा॥ संगचलेपहु।
चावनराजा॥ समयविलोकवाजनेवाजे॥ रथगजवाजवराति।
न्हसाजे॥ दसरथविप्रवोलसवलीन्हे॥ दानमानपरिपूरणकी
न्हे॥ चरणसरोजधूरधरिसीसा॥ मुदितमहीपतिपाइअसीसा।
सुमिरगजाननकीन्हपयाना॥ मंगलमूलसगुणभेनाना॥।
दोहरा॥ सुरप्रसूनवरषितहरषि॥ करहिअपसरागान॥ चले।
अवधपतिअवधपुर॥ मुदितवजाइनिसान॥५६॥ चौपई॥ नृप
करिविनयमहाजनफेरे॥ सादरसकलमांगनेटेरे॥ भूषनवस
नवाजगजदीन्हे॥ प्रेमपोषठाढेसवकीन्हे॥ वारवारविरदावलि
भाषी॥ फिरेसकलरामहिउरराषी॥ वहुरिवहुरिकोशलपति।
कहही॥ जनकप्रेमवसिफिरेनचहही॥ पुनकहभूपतिवचन
सुहाए॥ फिरियमहीसदूरवडिआए॥ राउवहोरिउतरिभेठाढे॥
प्रेमप्रवाहविलोचनवाढे॥ तवविदेहवोलेकरजोरी॥ वचनस।
नेहसुधाजनवोरे॥ करौंकवनविधविनयवनाई॥ महाराजमु। ॥२१५॥

हिदीन्हवडाई॥दोहरा॥कोशलपतिसमधीसजन॥सनिमानेसव
भांति॥मिलतपरस्परविनयअति॥प्रीतिनहृदयसमाति॥९७चौ
मुनिमंडलहिजनकसिरुनावा॥आशिरवादसवहिसनपावा॥
सादरपुनिभेटेजामाता॥रूपशीलगुणनिधसवभ्राता॥जोरपंक
रुहपाणसुहाए॥वोलेवचनप्रेमजनुजाए॥रामकरौकिहिभांति
प्रसंसा॥मुनमहेसमनमानसहंसा॥करहियोगयोगीजहिला
गी॥कोहमोहममतामदत्यागी॥व्यापकब्रह्मअलषअविनाइ
शी॥चिदानंदनिर्गुणगुणराशी॥मनसमेतजिहिजाननवानी
तर्किनसकहिसकलअनुमानी॥महिमानिगमनेतकहिक
हई॥जोतिहुकालएकरसरहई॥दोहरा॥नयनविषयमोकहु
भयो॥सोसमस्तसुषमूल॥सवइसुलभजगजीवकहु॥भयोई
शअनकूल॥९८॥चोपई॥सवहिभांतिमुहिदीन्हवडाई॥निज
न जनजांलीन्हअपनाई॥होहिसहसदससारदसेषा॥करहिक
लपकोटिन्हभरिलेषा॥मोरभागराउरगुणगाथा॥कहिनसिरा
हिसुनहुरघुनाथा॥मैकछुकहौएकवलमोरे॥तुम्हरीझहुसने
हसुठथोरे॥वारवारमांगोकरजोरे॥मनपरिहरैचरणजिनभोरे २२
सुनवरवचनप्रेमजनुपोषे॥पूरणकामरामपरितोषे॥करिव।

रविनयससुरसनमाने॥ पितुकौशिकवशिष्टसमजाने॥ विन।
तीवहुतभरतसनकीन्ही॥ मिलसप्रेमपुनिआशिषदीन्ही॥ दो॥
मिलेलषनरिपुसूदनहि॥ दीन्हअसीससमहीस॥ भएपरस्परप्रे
मवस॥ फिरफिरनावहिसीस॥ ९९॥ चौपई॥ वारवारकरिविनय
वडाई॥ रघुपतिचलेसंगसवभाई॥ जनकगहेकौशिकपदजाई
चरणरेणसिरनैनन्हलाई॥ सुनमुनीसवर्दसनतोरे॥ अगमनक
छुप्रतीतमनमोरे॥ जोसुषसुजसुलोकपतिचहही॥ करतमनो
रथसकुचतअहही॥ सोसुषसुजसुसुलभमुहिस्वामी॥ सवसि
धितवदरसनअनुगामी॥ कीन्हिविनयपुनपुनसिरुनाई॥ फि
रेमहीसआशिषापाई॥ चलीवरातिनिशानवजाई॥ मुदितछो
टवडसवसमुदाई॥ रामहिनिरषिग्रामनरनारी॥ पाइनयन।
फलहोहिसुषारी॥ दोहरा॥ वीचवीचवरवासकरि॥ मगलोग।
न्हसुषदेत॥ अवधसमीपपुनीत।दिन॥ पहुचीआइजनेत॥
१००॥ चौपई॥ हनेनिशानपनववरवाजे॥ भेरिशंषधुनिहयग।
यगाजे॥ झांझभेरडिमडिमीयसुहाई॥ सरसरागवाजहिसहना
ई॥ पुरजनआवतनिकटवराता॥ मुदितसकलपुलकावलि।
गाता॥ निजनिजसुंदरसदनसवारे॥ हाटवाटचौहटपुरद्वारे॥। ॥१२०॥

गलीसकलअरगजासिंचाई॥ जहंतहंचौकेचांपुराई॥ वनावजारुन
जाइवषाना॥ तोरणकेतपताकवितानां॥ सफलपुंगफलकदलि
रिसाला॥ रोपेवकुलकदंवतमाला॥ लगेसुमनतरुपरसतधरनी
मनमयआलवालकलकरनी॥ दोहरा॥ विवधभांतमंगलकल
स॥ ग्रहग्रहरचेसवारि॥ सुरब्रह्मादिसराहिसव॥ रघुवरपुरीनिहा
र॥१०१॥ चौपई॥ भूपभवनतिहअवसरसोहा॥ रचनादेषिमदन
मनमोहा॥ मंगलसगुणमनोहरताई॥ रिद्धसिद्धसुषसंपदासुहा
ई॥ जनुउछाहसभसहिजसुहाए॥ तनुधरिधरिदसरथग्रहआए॥
देषनहेतरामवैदेही॥ कहहुलालसाहोइनकेही॥ जूथजूथमि
लीसुवासनि॥ निजछविनिदरहिमदनविलासनि॥ सकलसु
मंगलसजेंआरत्ती॥ गावहिजनुवहुवेषभारत्ती॥ भूपतिभवन
कुलाहलहोई॥ जाइनवरणसमेसुषसोई॥ कौशल्यादिराममम
हतारी॥ प्रेमविवसतनदशाविसारी॥ दोहरा॥ दीयेदानविप्रन
विपुल॥ पूजगणेशपुरारि॥ प्रमुदितपरमदरिद्रजनु॥ पाइप।
दारथचार॥१०२॥ चौपई॥ मोदप्रमोदविवससवमाता॥ चलहि
नचरणसिथिलभेगाता॥ रामदरसहितअतिअनुरागी॥ पर।
छनसाजसजनसवलागी॥ विवधविधानवाजनेवाजे॥ मंग।

॥तु॥रा॥
॥बा॥
॥२२१॥

लमुदितसुमित्रासाजे॥ हरददूबदधिपल्लवफूला॥ पानपुंगफल।
मंगलमूला॥ अछतअंकररोचनसाजा॥ मंगलमंजिरतुलसि।
विराजा॥ छुहेपुरटघटसहजसुहाए॥ मदनशकुनजनुनीउव।
नाये॥ सगुणसुगंधनजाइवषानी॥ मंगलसँलसाजसभरानी
रचीआरतीवहुतविधाना॥ मुदतसकलकलमंगलगाना॥ अ
र्घसुगंधनजाइवषानी॥ कुलनारीमिलचलीसियानी॥ दोहरा
कनकथारभरिमंगलन्ह॥ कमलकरनलीयेमात॥ चलीमुद
तपरछनकरन॥ पुलकप्रफुल्लतगात॥ १२॥ चौपई॥ धूपधूंम।
नभमेचकभयो॥ सावणघनघुमंडजनुठयो॥ सुरतरुसुमनमा
लसुरवरषहि॥ मनहुवलाकअवलिमनुकरषहि॥ मंजुलम
णिमयवंदनवारे॥ मनहुपाकरिपुचापसवारे॥ प्रगटहिदुरहि
अटन्हपरभामिनि॥ चारुचपलजनुदमकहिदामिनि॥ दुंदु
भिधनघनगरजहिघोरा॥ जाचकदादुरचातकमोरा॥ सुरसुगं
धसुचिवरषहिवारी॥ सुषीसकलशशिपुरनरनारी॥ समोजा
नगुरुआयसुदीन्हा॥ पुरप्रवेशरघुकुलमणिकीन्हा॥ सुमिर
शंभुगिरजागणराजा॥ मुदितमहीपतिसहतसमाजा॥ दोहरा
होहिसगुणवरषहिसुमनसुरदुंदुभीवजाइ॥ विवधवधूनाचह ॥२२१॥

मुदित॥ मंजुलमंगलगाइ॥ २०४॥ चौपई॥ मागधसूतवंदिनट।
नागर॥ गावहिजसतिहुलोकउजागर॥ जयधुनिविमलवेद
वरवानी॥ दसदिशिसुनीयसुमंगलसानी॥ विपुलवाजनेवा
जनलागे॥ नभसुरनगरलोगअनुरागे॥ वनेवरातीवरणिन
जाहीं॥ महामुदितमनसुषनसमाहीं॥ पुरवासन्हतवराउजु
हारे॥ देषतरामभयेसुषारे॥ करहिंनिछावरमणिगणचीरा क
वारिविलोचनपुलकसरीरा॥ आरतिकरहिमुदितपुरनारी॥
हरषहिनिरषकुअरिवरचारी॥ शिवकासुघरउघारउघारी॥।
देषदुलहन्हिहोहिसुषारी॥ दोहरा॥ इहविधसवहीदेतसुष
आएराजदुआर॥ मुदितमातपरिछणकरहि॥ वधुन्हसमेतकु
मार॥ २०५॥ चौपई॥ करहिआरतीवारहिवारा॥ प्रेमप्रमोद।
कहैकोपारा॥ भूषणमणिपटनानाजाती॥ करहिनिछावर
अगनितभांती॥ वधुनसमेतदेषसुतचारी॥ परमानंदमगन
महितारी॥ पुनिपुनिसीयरामछविदेषी॥ मुदितसफलजग
जीवनलेषी॥ सषीसीयमुषपुनपुनचाहीं॥ गानकरहिनि।
जसुकृतिसराही॥ वरषहिसुमनछणहिछणदेवा॥ नाचहि
गावहिलावहिसेवा॥ देषमनोहरचार्योजोरी॥ सारदउपमा

॥तु॥रा॥ सकलवटोरी॥देतनवनेनिपटलघलागी॥इकटकरहीरूपअ
॥वा॥ नुरागी॥दोहरा॥निगमनीतिकुलरीतिकरि॥अरघपांवडेदेत
॥२२२॥ वधुनिसहितसुतपरछिसव॥चलीलवाइनिकेत॥२०६॥चौपई
चारसिंघासनसहजसुहाए॥जनुमनोजनिजहाथवनाए॥ति
न्हपरकुअंरिकुअंरवैगारे॥सादरपाइउनीतपषारे॥धूपदीप
नैवेदवेदविध॥पूजेवरदुलहनिमंगलनिधि॥वारहिवारअ
रतीकरही॥व्यजनचारुचामरसिरढरही॥वस्तुअनेकनिछा
वरकरही॥भरीप्रमोदमातसवफिरही॥पावापरमतत्वजनु।
योगी॥अमृतलहेउजनुसंततरोगी॥जन्मरंकजनुपारसुपा
वा॥अंधहिलोचनलाभसुहावा॥मूकवचनजनुसारदछा।
ई॥~~मानहु~~ मानहुसमरसूरजयपाई॥दोहरा॥इहिसुषतेसत
कोटगुन॥पावहिमातअनंद॥भाइन्हसहितविवाहघरआ
एरघुकुलचंद॥२०७॥दोहरा॥लोकरीतिजननीकरहि॥वरदु
लहिनिसकुचाहि॥मोदविनोदविलोकवड॥राममनहिमुस
काहि॥२०७॥चौपई॥देवपितरपूजेविधनीकी॥पूजीसकल।
वासनाजीकी॥सवहिवंदिमांगहिवरदाना॥भाइन्हसहित
रामकल्याना॥अंतरहितसुरआसिषदेही॥मुदितमातअंचल ॥२२२॥

लभरिलेही॥ भूपतिवोलवरातीलीन्हे॥ जानवसनमणिभूषण।
दीन्हे॥ आयसुपाइराषिहीयरामहि॥ मुदितगऐसवनिजनिज।
धामहि॥ पुरनरनारिसकलपहिराऐ॥ घरघरवाजनलगेवधा।
ऐ॥ जाचकजनजाचहिजोईजोई॥ प्रमुदितराउदेहिसोईसोई॥
सेवकसकलवजनियांनाना॥ पूरणकीऐदानसनमाना॥ दो॥
देहिअसीसिजुहारिसव॥ गावहिगुणगणगाथ॥ तवगुरुभूसु
रसहितगृह॥ गवनकीन्हरघुनाथ॥ १०८॥ चौपई॥ जोविशिष्टअ
नुसासनदीन्ही॥ लोकवेदविधसादरकीन्ही॥ भूसुरभीरदेषिस
वरानी॥ सादरउठीभागवडजानी॥ पाइपषारसवैअन्हवाऐ॥ पू
जिभलीविधिभूपजिवाऐ॥ आदरदानप्रेमसंतोषे॥ देतअसीस
चलेमनपोषे॥ वहुविधकरीगाधसुतपूजा॥ नाथमोहिसमधं
नइजा॥ कीन्हप्रसंसाभूपतिभूरी॥ रानिन्हसहितलीन्हपग
धूरी॥ भीतरभवनदीन्हवरवासू॥ मनजुगवतरहनृपरणवासू॥
पूजेगुरुपदकमलवहोरी॥ कीन्हविनयउरप्रीतिनथोरी॥ दोहा
वधुनसमेतकुमारसव॥ रानिन्हसहितमहीस॥ पुनपुनवंद।
हिगुरुचरण॥ देहअसीसमुनीस॥ १०९॥ चौपई॥ विनयकीन्ह
उरअतिअनुरागे॥ सुतसंपदाराषसवआगे॥ नेगमांगमुनि।

॥तु॥रा॥
॥वा॥
॥२२३॥

नायकलीन्हा॥ आशिखादवहुतविधिदीन्हा॥ उरधररामैसीयस
मेता॥ हरिषकीन्हगरुगवननिकेता॥ पुनतिन्हिविप्रवधूसुवला
ई॥ चैलचारुभूषनपहिराई॥ वहुरिखिलाइसुआमिन्हलीन्ही॥।
रुचविचारपहिराउनदीन्ही॥ रुचिअनुरूपभूपमणिदेही॥ ने
गीनेगलोगसवलेही॥ भूपतिभलीभांतमनमाने॥ प्रियपाहु।
नेएजपजेजाने॥ देवादेषिरघुवीरविवाहू॥ वरषिप्रसूनप्रसंसिउ
छाहू॥ दोहरा॥ चलेनिशानवजाइसुर॥ निजनिजपुरसुषपाइ
कहतपरस्पररामजस॥ प्रेमनहृदयसमाइ॥ ३१०॥ चौपई॥ सवबि
धिसवहदिनन्हनरनाहू॥ रहाहृदैभरिपूरिउछाहू॥ जहंरणवा
सुतहांपगुधारे॥ सहितवधूटनिकुवरहंकारे॥ लीयेगोदकर
मोदमोदसमेता॥ कोकहिसकैभयोसुषजेता॥ वधूसप्रेमगो।
दवैठारी॥ वारवारहीयहरषिदुलारी॥ देषसमाजमुदितरण।
वासू॥ सवकेउरआनंदकीयवासू॥ कहोभूपजिमभयोविवा
हू॥ सुनसुनहरषहोतसवकाहू॥ जनकराजगुणशीलवडा
ई॥ प्रीतिरीतिसंपदासुहाई॥ वहुविधिभूपभाटजिमवरनी॥।
रानीसवप्रमुदितसुनकरनी॥ दोहरा॥ सुतन्हसमेतनहाय।
नृपवोल्लविप्रगुरज्ञाति॥ भोजनकीन्हअनेकविधि॥ घरीपांच। ॥२२३॥

गैरात॥२२१॥चौपई॥मंगलगानकरहिवरभामनि॥भैसुषमूलम
नोहरजामिनि॥अचैपानसवकाहूकराए॥स्रकसुगंधभूषन।
छविछाए॥रामहिदेषिरजायसुपाई॥निजनिजभवनचलेसि
रुनाई॥प्रेमप्रमोदविनोदवडाई॥ससैसमाजमनोहरताई॥।
कहिनसकहिशतसारदसेस॥वेदविरंचमहेसगनेस॥सोमे
कहोकवनविधिवरनी॥भूमिनागसिरधरैकिधरनी॥नृपसव
भांतसवहिसनमानी॥कहिमृदुवचनवुलाईरानी॥वधूलरि
किनीपरघरिआई॥राषहुनयनपलककीन्याई॥दोहरा॥ल
रिकेश्रमितउनीदवसशयनकरावहुजाई॥असिकहिगेविश्रा
मगृह॥रामचरणचितलाई॥२२२॥चौपई॥भूपवचनसुनिसह
जसुहाए॥जरितकनकमणिपलगडसाए॥सुभगसुरभिपय
फेनसमाना॥कोमलकलितसुपेदीनाना॥उपवरहनवरवर
ननजाही॥मृगसुगंधमणिमंदिरमाही॥रतनदीपसुठिचारु
चंदोवा॥कहतनवनैजाननजिहजोवा॥सेजरुचिररचिरामउ।
ठाए॥प्रेमसमेतपलंघपोढाए॥आज्ञापुनिपुनभाइअनदी।
न्ही॥निजनिजसेजसयनतिन्हकीन्ही॥देषस्यामसमृदुमंजु।
लगाता॥कहहिसप्रेमसगनसवमाता॥मारगजातभयावनि

॥तु॥रा॥ भारी॥ किहिविधितातताडकामारी॥ दोहरा॥ घोरनिशाचरविकट।
॥बा॥ भट॥ समरगनैनहीकाहु॥ मारेसहितसहाईकिम॥ षलमारीचसु
॥१२४॥ बाहु॥ ११३॥ चौपई॥ मुनिप्रसादवलतातत्तुम्हारी॥ ईशअनेककर
वैरैटारी॥ मषरषवारकीन्हदुहुभाई॥ गुरुप्रसादसवविद्यापाई॥
मुनितीयतरीलगतपगधूरी॥ कीरतिरहीभुवनभरपूरी॥ कमठ
पीठपविकठिनकठोरा॥ नृपसमाजमहुशिवधनुतोरा॥ विश्व
विजयजसुजानकीपाई॥ आएभवनव्याहिसवभाई॥ सकलअ
मानुषकरमतुम्हारे॥ केवलकौशककृपासुधारे॥ आजसुफल
जगजन्महमारा॥ देषतातविधुवदनतुम्हारा॥ जादिनगएतुम्ह
न हिविनुदेषे॥ तेविरंचिजिँपायहलेषे॥ दोहरा॥ रामप्रतोषीमातु
सव॥ कहिविनीतवरवैन॥ सुमिरशंभुगुरुविप्रपद॥ कीयेनीद
वसिसयन॥ ११४॥ चौपई॥ नींदयोवदनसोहसुठलोना॥ मनहु
सांझसरसीरुहसोना॥ घरघरकरहिजागरननारी॥ देहिपरस्प
रमंगलगारी॥ पुरीविराजतिराजतिरजनी॥ रानीकहहिविलो
कहुसजनी॥ सुंदरवधुसासुलैसोई॥ फणिकहजनुसिरमणि
उरगोई॥ प्रातपुनीतकालप्रभजागे॥ अरुणचूडवरबोलनला
गे॥ वंदिमागधनिगुणगणगाए॥ पुरजनद्वारजुहारणआए॥ ॥१२४॥

वंदिविप्रसुरगुरुपितुमाता॥ पाइअसीसमुदितसवभ्राता॥ जन।
निन्हसादरवदननिहारे॥ भूपतिसंगद्वारपगधारे॥ दोहरा॥ की
न्हसौचसवसहजसुचि॥ सरितपुनीतनहाइ॥ प्रातक्रियाकरि।
तातपहि॥ आएचारिउभाइ॥३२५॥ चौपई॥ भूपविलोकलियेउ
रलाई॥ वैठेहरषरजायसुपाई॥ देषरामसवसभाजुडानी॥ लो
चनलाभअवधअनुमानी॥ पुनिवशिष्टमुनिकौशकआए।
सुभगआसनन्हिमुनिवैठाए॥ सुतन्हिसमेतपूजपदलागे॥।
निरषरामदोउगुरुअनुरागे॥ कहहिवशिष्टधर्मइतिहासा॥।
सुनहिमहीपसहितरणवासा॥ मुनिमनअगमगाधसुतक
रणी॥ मुदितवशिष्टविपुलविधवरणी॥ वोलेवामदेवरिषसा
ची॥ कीरतिकलितलोकतिहुमाची॥ सुनआनंदभयोसव।
काहू॥ रामलषनउरअतिहिउछाहू॥ दोहरा॥ मंगलमोदउछा
हनित॥ जाहिदिवसइहभात॥ उमगीअवधअनंदभरि॥ अ।
धिकअधकअधिकात॥३२६॥ चौपई॥ सुदिनसाधिकरकंक।
णछोरे॥ मंगलमोदविनोदनथोरे॥ नितनवसुषसुरदेषसिरा
हीं॥ अवधजनमजाचहिविधिपाही॥ विस्वामित्रचलननित।
चहही॥ रामसप्रेमविनयवसिरहही॥ दिनदिनसयगुणभूपतभाऊ॥

॥तु॥रा॥ देषिसराहिमहामुनिराऊ॥ मांगतविदाराउअनुरागे॥ सुतनसमे
॥बा॥ तठाढभएआगे॥ नाथसकलसंपदातुम्हारी॥ मैशेवकसमेत।
॥१२५॥ सुतनारी॥ करवसदालरिकन्हपरछोहू॥ दरसनदेतरहवमुनि
मोहू॥ असकहिराउसहितसुतरानी॥ परेचरनमुषआवनवा।
नी॥ दीन्हअसीसविप्रवहुभांती॥ चलेनप्रीतिरीतिकहिजाती
रामसप्रेमसंगसवभाई॥ आयसुपाइफिरेपहुचाई॥ दोहरा॥ रा
मरूपभूपतिभगत॥ व्याहुउछाहअनंद॥ जातसँहतमनहिम रा
न॥ मुदितगाधकुलचंद॥ १२७॥ चौपई॥ वामदेवरघुकुलगुरु।
ज्ञानी॥ वहुरिगाधसुतकथावषानी॥ सुनमुनसुजसमनहिम
नराऊ॥ वरणतआपनपुन्यप्रभाऊ॥ वहुरेलोगरजायसुभयो।
सुतन्हसमेतनृपतग्रहगयो॥ जहंतहंरामव्याहसवगावा॥ सु
जसुपुनीतलोकतिहुछावा॥ आएव्याहरामघरजवते॥ वसेआ
नंदअवधसवतवते॥ प्रभुविवाहजसभयोउछाहू॥ सकहिन
वरणगिराअहिनाहू॥ कवकुलजीवनुपावनजानी॥ रामसी
यजसुमंगलषानी॥ तिहतेमैकछुकहावषानी॥ करणपुनीत
हेतनिजवानी॥ छंद॥ निजगिरापावनकरणकारणरामजसु
तुलसीकह्यो॥ रघुवीरचरतअपारवारिधपारकविकोनेलह्यो। ॥१२५॥

उपवीतव्याहउछाहमंगलसुनहिसादरगावहीं॥ वैदेहिरामप्रसा
दतेजनसर्वदासुषपावहीं॥ सुनगाइकहौगिरीशकंन्याधन्यअ
धिकारीसही॥ नितप्रीतितिन्हतनसुनतहरिगुणभक्तिअनुपमतै
लही॥ रघुवीरपदअनुरागजललोभागिवेगवुझावई॥ यहजा
नतुलसीदाससमनक्रमवचनहरिगुणगावही॥ सोरठा॥ वाल
चरितसदभाव॥ वरन्योतुलसीदासहित॥ कहैसुनैसुषपाव॥ प
रमपुनीतपवित्रअति॥ ११८॥ दोहरा॥ कठनकालजगग्रसतत
न॥ साधनकछुनहोइ॥ यहविचारविस्रामसकरि॥ हरिसुमिरेवु
धिसोइ॥ ११९॥ सोरठा॥ मनहरिपदअनुराग॥ करहुत्यागनाना
कपट॥ महामोहनिशिजाग॥ सोवतवीतकालवहु॥ १२०॥ सो
सीयरघुवीरविवाह॥ जेसप्रेमगावहिसुनहि॥ तिन्हकेसदाउ
छाहु॥ मंगलायतनरामजस॥ १२१॥ इतिश्रीरामचरितमानसे
सकलकलषविध्वंसनेअविरलभक्तिसंपादनीनामप्रथमसो
सोपानःसमाप्तः॥ १॥ श्रीमंसीतारामंनत्वागंगागणपतिगुरुं॥ ।
पुस्तकंरामगीतस्यकाषृयांवैलिषतंमया॥ १॥ नाम्नागौरिदासेन
वरुकालस्यसन्निधौ॥ पुस्तंरचयामासरामयशतुलसीकृतः॥ २
याद्रसंपुस्तकंदृष्ट्वातादृसंलिषितंमया॥ यदिशुद्धंवसुद्धंवाममदोसोनदीयते॥ ३

॥तु॥रा॥ ॐस्वस्तिश्रीगणेशायनमः॥श्लोक॥वामांगेचविभातिभूधरसुता
॥अयो॥ देवापगामस्तके॥भालेवालविधुर्गलेचगरलंयस्योरसिव्यालरा
॥२२५॥ ट्॥सोयंभूतविभूषणःसुरवरःसर्वाधिपःसर्वदा॥सर्वःसर्वगतः
शिवःशशिनिभःश्रीशंकरःपातुमां॥१॥प्रसन्नतांयानगताभिषेक
तःतथानवास्तेवनवासदुःषितः॥मुषांबुजाश्रीरघुनंदनस्य ॥सा
मे दास्तुमंजुलमंगलप्रदा॥२॥नीलांबुजश्यामलकोमलांगंसीता
समारोपितवामभागं॥पाणौमहासायकचारुचापंनमामिरामं
रघुवंशनाथं॥३॥दोहरा॥श्रीगुरुचरणसरोजरज॥निजमनमुकर
सुधार॥वरणोरघुपतिविमलजसु॥जोदायकफलचार॥१॥चौपई
जवतेरामव्याहिघरआए॥नितनवमंगलमोदवधाए॥भुवनचार
दसभूधरभारी॥सुकृतमेघवरषहिसुषवारी॥रिधसिधसंपतनदी
सुहाई॥उमगिअवधिअंबुधिकहुआई॥मणिगणपुरनरनारसु
जाती॥सुचिअमेलसुंदरसवभांती॥कहनजाइकछुनगरविभूती
जनुइतनियविरंचकरतूती॥सवविधसवपुरलोगसुषारी॥राम
चंद्रमुषचंद्रनिहारी॥मुदितमातसवसषीसहेली॥फलतवि
लोकमनोरथवेली॥रामरूपगुणसीलसुभाऊ॥प्रमुदितहोइ
देषिसुनिराऊ॥दोहरा॥सवकेमनअभिलाषअस॥कहहि ॥२२६॥

मन्नाइमहेस॥ आउन्अछतयुवराजपद॥ रामहिदेहुनरेस॥२॥ चौपई
एकवारज्ञानकीसमेता॥ वैठेप्रभुनिजरुचिरनिकेता॥ भुजप्रलंवउ
रनयनविशाला॥ पीतवसनतनश्यामतमाला॥ कोटमनोजदे
षिछविमोहा॥ सीताकरवरचामरसोहा॥ तिहंअवसरमुनिनारद
आए॥ सुरहितलागविरंचिपठाए॥ तेजपुंजतनकरतलवीना॥
हरिगुणगणगावतलयलीना॥ देषराममहमाउठिधाए॥ करदं
डवतरिदैमुनिलाए॥ सादरनिजआसनवैठारे॥ जनकसुतातव
चरणपषारे॥ तिहचरणोदकभवनसिचावा॥ जगपावनहरिसीस
चढावा॥ सुनिसुनिविषयनिरतजेप्रानी॥ हमसारषेदेहअभिमा
नी॥ तिन्हकहसतसंगतितवहोई॥ करैकृपाजाकहंप्रभुसोई॥
ताकोसुनिनाहिनभवआगे॥ जिहविनुहेतसंतप्रियलागे॥ दोहा
सुनहरिकेवरवचनप्रिय॥ कहिविचारमुनधीर॥ परमकृपालसो
लोकहित॥ कसनकहहुरघुवीर॥३॥ चौपई॥ कहिमुनितवमहिमा
रघुराया॥ मैजानौकछुसमरीयदाया॥ वचनकहहुप्राकृतिकीनाई
तातेनहिकछुघटेगुसाई॥ प्रभुइहतुमेसदावनआई॥ निजल
घुताजनकेरिवडाई॥ सहजसुभावप्रणितअनुरागी॥ नरतनध
रयादासहितलागी॥ मायागुणगोज्ञानअतीता॥ अजितनामसो

दासन्हजीता॥ जिन्हसमप्रभुअतिसयकोनाही॥ आपकअजसमा
नसवमांही॥ उदरचराचरमेलजुसोवा॥ अस्तनपानलागसोरोवा
नामरूपवपुवर्णनभेदा॥ अवगतिअकलनेतकहिवेदा॥ निर्म
लमुक्तनिरामयजोई॥ दसरथसुतकहिगाईयेसोई॥ तपजपय
ज्ञयोगव्रतदाना॥ विमलविरागज्ञानविज्ञाना॥ करहिजतननमु
नपावतकोऊ॥ देषाप्रगटभक्तिवससोऊ॥ हठवसिसठसाधन
वहुकरही॥ भगतहीनभवसिंधुनतरही॥ दोहरा॥ जानसकहु
तेजानहू॥ निर्गुणसगुणसरूप॥ ममहीयपंकजभृंगइव॥ वस
हुरामनररूप॥४॥ चौपई॥ ब्रह्मभुवनमैंरह्योकृपाला॥ गावतता
वगुणदीनदियाला॥ असइछाउपजीमनमाही॥ देषोंचरणव
हुतदिनपाही॥ यद्यपिप्रभुसर्वत्रसमाना॥ सगुणरूपमोरेमन
माना॥ अवधचलतविरंचिमुहजाना॥ कीनीविनयलागिमम
काना॥ प्रभुजानतसवअंतरजामी॥ भगतपछविनतीयहस्वा
मी॥ जिन्हहितलीन्हमनुजअवतारा॥ नाथवेगसोकरीयसंभा
रा॥ सुनतवचनरघुपतिमुसकाने॥ मुनिअजहविरंचभयमाने
कहहुतातव्रह्महिसमुझाई॥ कछुदिनवीतेदेषहुआई॥ वारवा
रचरनन्हसिरुनाई॥ व्रह्मानंदनहृदयसमाई॥ रामरूपउरधरि ॥१२७॥

मुनिनारद॥ चलेकहतगुणगानविशारद॥ तवरघुपतिसीतहि
समुझावा॥ चाहतकरनसुचरितवनावा॥ सुरहितलागिकरय
सोउपाई॥ जाईयेवनपरिहरहुकुराई॥ दोहरा॥ जगसंभवक्षय
स्थितिलय॥ जाकीभृकुटिविलास॥ सोप्रभजनतनविचारकहिकि
हविधिनिशाचरनास॥ ५॥ चौपई॥ एकसमयसवसहितसमाजा
राजसभारघुराजविराजा॥ सकलसुकृतमूरतनरनाहू॥ रामसु
जसुसुनिअतिहिउछाहू॥ नृपसभरहहिकृपाअभिलाषे॥ लोक
पकरहिप्रीतिरुषराषे॥ त्रिभुवनतीनकालजगमाही॥ भूरभाग
दसरथसमनाही॥ मंगलमूलरामसुतजासू॥ जोकछुकहीयेथो
रसवतासू॥ रायसुभायमुकरलीकरलीन्हा॥ वदनविलोकमु
कुटसमकीन्हा॥ श्रवणसमीपभएसितकेशा॥ मनहुजरठपन
असउपदेसा॥ लागिश्रवनजनकहतवुझाई॥ रामहिराजदेहु
किनजाई॥ नृपयुवराजरामकहुदेहू॥ जीवनजन्मलाभकिन
लेहू॥ दोहरा॥ यहविचारउरआननृप॥ सुदिनसुअवसरुपाई
प्रेमपुलकतनमुदितमन॥ गुरहिसुनायोजाइ॥ ६॥ चौपई॥ कहै
भूआलसुनहुमुनिनायक॥ भएरामसवविधिसवलायक॥।
शेवकसचिवसकलपुरवासी॥ जेहमरेअरिमित्रउदासी॥ सवहि।

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥२८॥

रामप्रियजिन्हविधिमोही॥ प्रभुअसीसजनुतनधरिसोही॥ विप्रस
हितपरवारगुसाई॥ करहिंछोहसबरौरेहिनाई॥ जेगुरचरनरेनु
सिरधरही॥ तेनरसकलविभववसिकरही॥ मुहिसमहोवनभ
योनदूजे॥ सबपायेरजपायनपूजे॥ गुनसागरनागरअतिगा।
ए॥ बडेभागमोरेग्रहआए॥ जेठेरामजगतहितकारी॥ सकल
सराहतपुरनरनारी॥ अबअभिलाषएकमनमोरे॥ पूजहनाथ
अनुग्रहतोरे॥ मुनिप्रसन्नलषिसहजसनेह॥ कहेउनरेससरजा
यसुदेह॥ दोहरा॥ राजनराउरनामजसु॥ सबअभिमतदातार॥
फलअनुगामीमहिपमन॥ मनअभिलाषतुसार॥७॥ चौपई
सबविधिगुरुप्रसन्नजीयजानी॥ बोलेराउरहिसमृदुबानी॥ ना
थरामकरीयहियुवराज॥ कहीयकृपाकरिकरिअसमाज॥ मो
हअछतयहहोइउछाह॥ लहहिलोगसबलोचनलाह॥ प्रभ
प्रसादशिवसभयनिवाही॥ यहलालसाएकमनमाही॥ पुनन
सोचतनरहेकिजाऊ॥ जिहनहोहिपाछेपछताऊ॥ भरथरामस।
मनआइसमागी॥ पछिमगेमातुलहितलागी॥ करहुविचार
नलावहवारा॥ अबपुनभापनचोथहमारा॥ सुनमुनदसर।
थबचनसुहाए॥ मंगलमोदमूलमनभाए॥ सुननृपजासुवि ॥२८॥

सबपछिताही॥ जासुभजनविनुजरनिनजाही॥ भयोतुम्हारतन
यसोस्वामी॥ रामपुनीतप्रेमअनुगामी॥ दोहरा॥ वेगविलंवनक
रीयनृप॥ साजीयसवैसमाज॥ सुदिनसुमंगलतवहिजव॥ रा
महोहियुवराज॥ ८॥ चौपई॥ मुदितमहीपतिमंदरआए॥ शेवक
सचिवसुमंत्रवुलाए॥ कहिजयजीवसीसतिन्हनाए॥ भूपसुमं
गलवचनसुनाए॥ प्रमुदितमोहिकह्योगुरुआजू॥ रामहिराज
देहियुवराजू॥ जौपंचहिमतिलागेनीका॥ करहुहरषिहीयराम
हिटीका॥ मंत्रीमुदितसुनीप्रियवानी॥ अभिमतिविरवपरेजोज
नुपानी॥ विनतीसचवकरहिकरजोरी॥ जीयहुजगतपतिवरि
सकरोरी॥ जगमंगलभलकाजुविचारी॥ वेगयनाथनलाइय
वारी॥ नृपहिमोदसुनिसचिवसुभाषा॥ वढतदुमनजनुलही
सुसाषा॥ दोहरा॥ कह्योभूपमुनिराजकरिजोईजोईआयसुहो
इ॥ रामराजअभिषेकहित॥ वेगकरहुसोसोई॥ ९॥ चौपई॥
हरिषिमुनीसकह्योमृदुवानी॥ आनहुसकलसुतीरथपानी॥
औषधमूलफूलफलपाना॥ कहेनामगनिमंगलनाना॥ चा
मरचमरवसनवहुभांती॥ रोमपाटपटअगनितजाती॥ मनि
गनमंगलवस्तुअनेका॥ जोजगयोग्यभूपअभिषेका॥ वेद

॥तु॥रा॥ विहतकहिसकलविधाना॥कह्योरचहुपुरविविधविताना॥सफ
॥अयो॥ लरसालफूलफलकेरा॥रोपहुवीथिन्हपुरचहुफेरा॥रचहुमंजु
॥२२९॥ मनिचौकेचारू॥कह्योवनावनवेगवजारू॥पूजहुगणपतिगु
रुकुलदेवा॥सवविधकरहुभूमिसुरसेवा॥दोहरा॥ध्वजपता
कतोरनकलस॥सजहुतुरंगमनाग॥सिरधरमुनिवरवचन
सव॥निजनिजकाजहिलाग॥१०॥चौपई॥सुनसुमंत्रमनअ
नदहरषाना॥जीवनजन्मसफलकरिजाना॥जहंतहंधावनके
टपठाए॥मंगलद्रव्यसकललैआए॥कनककलससजिध
रेहुआरे॥गजरथतुरगअनेकसवारे॥वहुविधवांधेवंदनवा
रा॥ध्वजपताकमनिवसनअपारा॥वनानगरनहिवरना
जाई॥सकललोगशोभापुरछाई॥जोसुनीसजिहंआयसुदी
न्हा॥सोतिहंकाजप्रथमजनकीन्हा॥मुनिमनइछाकरैनपा
वा॥सोसुमंत्रपहिलेलैआवा॥विप्रसाधुसुरपूजतराजा॥कर
तरामहितमंगलकाजा॥सुनतरामअभिषेकसुहावा॥वाजे
गहगहअवधवधावा॥रामसीयतनसगुनजनाए॥फरकहि
मंगलअंगसुहाए॥पुलकससप्रेमपरस्परकहहीं॥भरतआग
मनसूचकअहहीं॥भएवहुतदिनअतिअवसेरी॥सगुनप्र ॥२२९॥

तीतिभेहिप्रियकेरी॥ भरतसरिसप्रियकोजगमाही॥ इहैसगुणफ
लहूसरनाही॥ रामहिंवंधुसोचदिनराती॥ अंडन्हकमठहृदयजि
ह्भांती॥ दोहरा॥ इहुअवसरमंगलपरम॥ सुनिरहसोरनवासु
शोभतलषविधुवढतजनु॥ वारधिवीचविलास॥ २१॥ चौपई॥ ❀
प्रथमजाइजिन्हवचनसुनाए॥ भूषनवसनभूरतिन्हपाए॥ प्रेम
पुलकितनमनअनुरागी॥ मंगलकलससजनसभलागी॥ चौं
केचारसुमित्रापूरी॥ मनमयविविधभांतिसवरूरी॥ आनंदमगन
राममहतारी॥ दीयेदानवहुविप्रहंकारी॥ पूजीग्रामदेविसुरना
गा॥ कहेवहोरिदेनवलिभागा॥ वारवारगणपतिहिनिहोरा॥
कीजैसुफलमनोरथमोरा॥ भूपहदैप्रभुप्रेरहुजाई॥ मतिदृढ
देहुजोजीयमहिआई॥ जोकछुइछारहीमनमाही॥ सोपरिहोई
आनकछुनाही॥ जिहविधिहोइरामकल्यानु॥ देहुदयाकरिसो
वरदानु॥ गावहिमंगलकोकिलवयनी॥ विधुबदनीमृगसाव
कनयनी॥ दोहरा॥ रामराजअभिषेकसुन॥ हीयहरखेनरनारि
लगेसुमंगलसजनसभ॥ विधअनुकूलविचार॥ २२॥ चौपई॥ ❀
तवनरनाहिवशिष्ठबुलाए॥ रामधामसिषदेनपठाए॥ गुरुआग
मनसुनतरघुनाथा॥ द्वारआइपदनाएमाथा॥ सादरअर्घदेइघ

॥तु॥रा॥
॥अय॥
॥१३०॥

रस्त्राने॥ सोरहिभांतपूजसनमाने॥ गहेचरनसीयसहितवहोरी॥
वोलेरामकमलकरजोरी॥ शेवकसदनस्वामिआगमनू॥ मंगल
मूलअमंगलदमनू॥ तदपिउचितजनुवोलसप्रीती॥ पठैअका
जनाथअसिनीती॥ प्रभुतातजिप्रभकीन्हसनेहू॥ भयापुनीत
आजममगेहू॥ आइसुहोइसोकरोंगुसाई॥ शेवकलहैस्वामिशे
वकाई॥ दोहरा॥ सुनसनेहसानेवचन॥ मुनिरघुवरहिप्रसंस॥
रामकसनतुमकहहुअस॥ हंसवंसअवतंस॥१३॥ चौपई॥ वरन
रामगुनशीलसुभाऊ॥ वोलेप्रेमपुलकिमुनिराऊ॥ भूपसज्योअ
भिषेकसमाजू॥ चाहतदेनतुम्हहियुवराजू॥ रामकरहुसवसंय
मआजू॥ जोविधिकुशलनिवाहैकाजू॥ गुरुसिषदेइरायपहि
गयो॥ रामहृदयअसविसमयभयो॥ जनमेएकसंगसवभाई॥
भोजनशयनकेललरकाई॥ करणवेधउपवीतविवाहा॥ संगसं
गसवभयोउछाहा॥ विमलवंसयहअनुचितएकू॥ वंधुविहाइ
वडेअभिषेकू॥ प्रभुसप्रेमपछितानसुहाई॥ हरैभगतमनकेकु
टलाई॥ दोहरा॥ तिहअवसरआएलषन॥ मगनप्रेमआनंद॥
सनमानेप्रियवचनकहि॥ रघुकुलकेरविचंद॥१४॥ चौपई॥ वा
जहिवाजनविवधविधाना॥ पुरप्रमोदनहिजाइवषाना॥ भरत ॥१३०॥

आगमनसकलमनाबहि॥ आवहिबेगनयनफलपावहि॥ हाटबाट
घरगलीअथाई॥ कहहिपरसपरलोगलगाई॥ काल्हलगनभलकेत
कवारा॥ पूजहिविधिअभिलाषहमारा॥ कनकसिंघासनसीयसमे।
ता॥ बैठहिरामहोइचितचेता॥ सकलकहहिकबहोइहकाली॥ वि।
घ्नविनावहिदेवकुचाली॥ तिन्हहिसुहाइनअवधबधावा॥ चोरहिचां
दनिरातिनभावा॥ सारदबोलविनयसुरकरही॥ बारहिबारपाइलेप
रही॥ दोहरा॥ विपतहमारिविलोकिबड॥ मातुकरीयसोआज॥ रामजा
हिवनराजतजि॥ होइसकलसुरकाज॥ १५॥ चौपई॥ सुनसुरविनयठा
ढिपछिताती॥ भयोसरोजबिपनहिमराती॥ देषदेवपुनिकहहिनि।
होरी॥ मातुतोहिनहिथोरीषोरी॥ विसमेहरषरहतरघुराउ॥ तुम्हजानहु
सबरामप्रभाउ॥ जीवकर्मबसदुषसुषभागी॥ जाईयेअवधदेवहित
लागी॥ बारबारगहिचरणसकोची॥ चलीविचारविबुधमतिपोची॥ ऊच पो॥
निवासुनीचकरतूती॥ देषनसकहिपराइविभूती॥ आगिलकाजुवि
चारिबहोरी॥ करिहहिचाहकुसलकविमोरी॥ हरषहृदयदसरथपुर
आई॥ जनुग्रहदशादुसहदुषदाई॥ दोहरा॥ नाममंथरामंदमति॥ चे
रीकेकेईकेरि॥ अजसपिटारीताहिकर॥ गईगिरामतिफेरि॥ १६॥ चौ॥
दीषमंथरानगरबनावा॥ मंजुलमंगलबाजबधावा॥ पूछसिलोग

॥तु॥रा॥ नकाहिउछाहू॥रामतिलकसुनभाउरदाहू॥करैविचारकुवुठिकजाती
॥अयु॥ होईअकाजकवनविधिराती॥देषलागिमधुकुटलिकिराती॥जिमग
॥२३१॥ वतकेलेउकिहिभाती॥भरतमातपहिगैबिलषानी॥कान्प्रतमनी।
रुहाहसिरानी॥उत्तरुदेइनहिलेइउसासू॥नारिचरितकरिडारैआंसू
हसिकहिरानिगालवडतोरे॥दीन्हलषनसिषअसमनमोरे॥तवहु।
नवोलिचेरिवडपायनि॥छाडैस्वासकारिजनुमायनि॥दोहरा॥सभय
रानिकहकहसिकिन॥कुशलराममहिपाल॥लषनभरतरिपदम
नसुन॥भाकुवरीउरमाल॥२७॥चौपई॥कासोवहिसुहागअभिमा।
नी॥निकटमहाभयदेनडरानी॥कतिसिषदेइहमहिकोऊमाई॥।
गालुकरविकिहकरवलुपाई॥रामहिछाडिकुडिसलकिहआज॥
जिन्हहिजनेसुदेइजुवराज॥भयोकोशल्लहिविधिअतिदाहिन॥।
देषतगरवुरहतउरनाहिन॥देषहुकसनजाइसवशोभा॥जोअव।
लोकिमोरमनछोभा॥पूतविदेसनसोचतुह्मारे॥जानतहहुवसना
हहमारे॥नीदवहुतप्रियसेजतुराई॥लषहुनभूपकपटचतुराई॥।
सुनिप्रियवचनमलिनमनजानी॥झुकीरानिअवरहुअरगानी॥पु
नअसकवहुकहसिघरुफोरी॥तवधरजीभकटावोतोरी॥दोहरा॥
कानोषोरेकुवरहि॥कुटिलकचालीचानि॥तीयविशेषपुनिचेरिक ॥२३१॥

हि॥ भरतमातमुसकानि॥२८॥ चौपई॥ प्रियबादिनिसिषदीन्हीतोही॥
सपनेहुतोपरकोपनमोही॥ सुदिनसुमंगलदायकसोई॥ तोरकहा।
फुरजिह्नदिनहोई॥ जेठस्वामसेवकलघुभाई॥ यहदिनकरकुलरीत
सुहाई॥ रामतिलकजोसाचेहुकाली॥ देउंमांगमनभावतआली॥
कौशल्यासमसबमहतारी॥ रामहिसहजसुभाइपियारी॥ मोपरक।
रहिसनेहविशेषी॥ मैकरिप्रीतपरीछादेषी॥ जोविधिजन्मदेइकरि।
छोहु॥ होहुरामसीयपूतपुतोहु॥ प्रानतेअधिकरामप्रियमोरे॥ तिन
केतिलकछोभकिसतोरे॥ अतिप्रियबचनसुनाएमोही॥ कहुमंथ।
रादेउंकातोही॥ दोहरा॥ भरथसपथतेहिसपकहु॥ परिहरिकपटदु
राउ॥ हरषसमैविसमैकरस॥ कारनमोहिसुनाउ॥२९॥ चौपई॥ सुन
सुनतबचनमंथरारिसानी॥ बोलीबचनकपटछलसानी॥ एकहिबा
रआसससबपूजी॥ अबकछुकहबजीभकरदूजी॥ फोरैजोगकपारुअ
भागा॥ भलेसोकहतदुषरौरेहिलागा॥ कहहुंझूठफिरबातबनाई॥ ते
प्रियतुम्हहिकरबमैमाई॥ हमहुकहबअबठकुरसुहाती॥ नाहितमौ
नरहबदिनराती॥ करिकुरूपविधिपरबस कीन्हा॥ बाबासोलुहम
हिविधिदीन्हा॥ कोउनृपहोहुहमहिकहारानी॥ चेरिछाडिअबहो।
बिकिरानी॥ जारइजोगसुभाइहमारा॥ अनभलदेषिनजाइतुम्हारा॥

॥तु॥रा॥ तातेकछुकवातअनुसारी॥ छमीयदेविवडचूककहमारी॥दोहरा॥गूढ
॥अय॥ कपटप्रियवचनसुनि॥ तीयअधीरबुधिवानि॥सुरमायावसिवैरिनि
॥१३२॥ हि॥ सुहृदजानपतियान॥२०॥चौपई॥सादरपुनपुनपूछतिओही॥स
वरीगानमृगीजनुमोही॥ तसमतिफिरैहिअहइजसभावी॥रहसी।
चेरघातजनुफावी॥ तुह्मपूछहुमैकहततडराऊं॥धरिहुमोरघरफोरीना
ऊं॥ सजिप्रतीतिवहुविधिगढिछोली॥अवधेसाढसतीतववोली॥
प्रियसीयरामकहातुह्मरानी॥रामहिप्रियतुमसोफुरवानी॥रहाप्र।
थमअववतेदिनवीते॥ समयाफिरेरिपुहोहिपरीते॥भानुकमलकुलपो
खनिहारा॥ विनुजलजारकरैसोछारा॥जरितुह्मारचहसवतउषारी
रुधहुकरिउपाउवावारी॥दोहरा॥तुह्महिनसोचसुहागवलि॥निज
वसजानहुराउ॥ मनमलीनमुखमीठनृप॥राउरसरलसुभाउ॥२१॥चौ।
चतुरगंभीररामसहितारी॥ वीचुपाइनिजवातसवारी॥पठएभरतभूप
ननियौरे॥ राममातुमतजानवरौरे॥सेवहिसकलसवतमुहिनीके॥
गरवतभरतमातुवलपीके॥ सालतुह्मारकौशल्लहिमाई॥कपटचतु
रनहिहोइजनाई॥ राजहतु स्यपरप्रेमविशेषी॥सवितिस्वभावसकै।
नहिदेषी॥ रचप्रपंचभूपहअपनाई॥रामतिलककहितलगनधराई
यहकुलउचितरामकहंटीका॥सवहिसुहाइमोहिसुठिनीका॥आ ॥१३२॥

गिलवातममकिडरमोही॥ देवदेउफिरसोफलओही॥ दोहरा॥ रचिपचिको
टिककुटिलपन॥ कीन्हसकपटप्रबोध॥ कहिसिकथासतसवतिके॥ जे
हिविधिवाढविरोध॥ २२॥ चौपाई॥ भावीवसप्रतीतिउरआई॥ पूछरानि
फिरसपथदिवाई॥ कापूछहुतुम्हअजहुनजाना॥ निजहितअनहित
पशुपहिचाना॥ भयोपाषदिनसजतसमाजू॥ तुम्हपाईसुधिमोहिसन
आजू॥ षाईयपहिरीयराजतुम्हारे॥ सत्यकहेनहिदोषहमारे॥ जोअ
सत्यकछुकहवबनाई॥ तौविधिदेइहिहमहिसजाई॥ रामहितिलक
कालजवभयो॥ तुम्हकोविपतिबीजविधिवयो॥ रेषषंचाइकहौव
लिभाषी॥ भामिनिभयउदूधकैमाषी॥ जोसुतसहितकरहुशिवका
ई॥ तौघररहुनआनउपाई॥ दोहरा॥ कद्रुविनितहिदीन्हदुष॥ तुम्हहि
कौशल्यादेव॥ भरतवंदिगृहसेइहहि॥ लषनरामकेनेव॥ २३॥ चौपाई
कैकयसुतासुनतकटुवानी॥ कहनसकततकछुसहमिसुषानी॥ तन
प्रसेवकदलीजिमकांपी॥ कुवरीदसनजीभतवचांपी॥ कहिकहिको
टककपटकहानी॥ धीरजुधरहुप्रबोधसिरानी॥ कीन्हसिकठनपढा
इकुपाठु॥ जिमननिवैफिरउकठाकाठु॥ वचनसुनतअतिशयभय
मानी॥ दुष्टसंगतेमतिबौरानी॥ धर्मनिर्हेगुणज्ञानगंभीरा॥ दुष्टसंग
मतिरहेनधीरा॥ फिराकर्मप्रियालागिकुचाली॥ वकहिसराहहहिमा

नमराली॥ सुनमंथरावातफुरतोरी॥ दहिनआँनितफरकैमोरी॥ दिन
प्रतिदेषौरातिकुसपने॥ कहौनतोहिमोहवसअपने॥ काहकरौस
षिसुधसुभाऊ॥ दाहिनवामनजानौकाऊ॥ दोहरा॥ अपुनेचलतन
आजुलगि॥ अनभलकाहूककीन॥ किहअघएकहिवारमुहि॥ दैई
दुसहदुषदीन॥२४॥ चौपई॥ नैहरजन्मभरववरजाई॥ जीयतनकरव
सवतसेवकाई॥ अरिवससैवजिवावतजाही॥ मरनुनीकतिहजीव
नवाही॥ दीनवचनकहवहुविधिरानी॥ सुनकुवरीयहमायाठानी
अमककहकहुमानमनऊना॥ सुषसुहागतुम्हकहुनितदूना॥ जि
हराउरअतिअनभलताका॥ सोपायहैयहुफलपरियाका॥ जवतेकुम
तिसुनामैस्वामिनि॥ भषनवासरनीदनजामिनि॥ एछौगुनन्हिरेषति
न्हपाची॥ भरतभुआलहोइयहसाची॥ स्वामिनकरहुतकहोउपाऊ॥
हैतस्हारीसेवावसिराऊ॥ दोहरा॥ परीकूपतुअवचनपर॥ सकौपूतपतित्या
ग॥ कहिसिमोरदुषदेषिवड॥ कसनकरवहितलाग॥२५॥ चौपई॥
कुवरिकहाकवोलिकैकेई॥ कपटछुरीउरपाहनदेई॥ लषैनरानिनिकट
दुषकैसे॥ चरैहरिततृणवलिपसुजैसे॥ सुनतवातमृदुअंतकठोरी॥
देतमनहुमधुमाहुरघोरी॥ कहैचेरिसुधिअहैकिनाही॥ स्वामिनकहि
हुकथामोपाही॥ दुइवरदानभूपसनथाती॥ मागहुआजुजुडावहुछाती ॥१३३॥

ती॥ सुतहिराजरामहिवनवास॥ देहुलेहुसवसवतिहुलास॥ भूपतिरा
मसपथजवकरई॥ तवमागहुजिहवचननटरई॥ होइअकाजुआजु
निशिवीते॥ वचनमोरिप्रियमानहुजीते॥ दोहरा॥ वडकुघातकरियात
किन॥ कहिसिकोपगृहजाहु॥ काजसवारेहुसजगसव॥ सहसाजनन
पतिआहु॥ २६॥ चौपई॥ कुवरिहिरानिप्रानप्रियजानी॥ वारवारवड
वुद्धिवषानी॥ तुहिसमहितूनमोरसंसारा॥ वहेजातकेभयसिअधारा॥
जोविधिपुरवमनोरथकाली॥ करोंतोहिचषपूतरिआली॥ वहुविधि
चेरहिआदरुदेई॥ कोपभवनगवनीकेकेई॥ विपतिवीजुवरषारित
चेरी॥ भुइभईकुमतिकेकेईकेरी॥ पाइकपटजलअंकुरजामा॥ वर॥
दोऊदलदुषफलपरिनामा॥ कोपसमाजसाजसवसोई॥ राजकरति
निजकुमतिविगोई॥ रावरिनगरकुलाहलहोई॥ यहकुचालकछुजा
ननिकोई॥ दोहरा॥ प्रमुदितपुरनरनारसव॥ सजहिसुमंगलचार॥ इ
कप्रविसहिइकनिर्गमहि॥ भिरहिभूपदरवार॥ २७॥ चौपई॥ वालसषा
सुनहीयहरषाही॥ मिलहसपांचरामपहिजाही॥ प्रभुआदरहिप्रेमप
हिचानी॥ पूछहिकुशलषेममृदुवानी॥ फिरहिभवनप्रियआयसुपाई॥
करतपरस्पररामवडाई॥ कोरघुवीरसरिषसंसारा॥ सीलसनेह
निवाहनहारा॥ जिहजिहजोनकरमवसिभ्रमही॥ तिहतिहईशदेउ

यहहमही॥शेवकहमस्वामीसीयनानू॥होउनाथयहओरनिवाहू॥अ
मअभिलाषनगरसभकाहू॥केकेयसुताहिदेअतिदाहू॥कोनकुसं
गतिपाइनसाई॥रहेननीचमतेचतुराई॥अतियसुशीलकैकेईरानी
दुष्टसंगतेमतवोरानी॥तातेतजियकुसंगहिजानी॥साधुसंगकीजि
यरुचिमानी॥दोहरा॥सांकसमयसानंदनृप॥गयोकैकेईगेह॥ग
वननिठरतानिकटकीय॥जनुधरिदेहसनेह॥२८॥चौपई॥कोपभ
वनसुनिसकुच्योराऊ॥भयवसअगहुपरैनहिपाऊ॥सुरपतिवसइ
वाहवलजाके॥नरपतिसकलरहहिरुषताके॥सोसुनितीयरिसगयो।
सुकाई॥देषहुकामप्रतापवडाई॥सूलकुलिसअसअंगनिदारे॥ते
तिनाथसुमनसरमारे॥सभयनरेसप्रियापहिगयो॥देषदशादुषदा।
रुणभयो॥भूमसयनपटमोटपुराना॥दीयेडारजनभूषननाना॥कु
मतिहिकसकुवेषताफावी॥अनहितवातसूचजनुभावी॥जाइनि
कटनृपकहिमृदुवानी॥प्रानप्रियाकिहहेतुरिसानी॥छंद॥किहि।
हेतरानिरिसानपरसततपानपतहिनिवारई॥मानहुसरोषभुअंगभा
मिनविषमभातिनिहारई॥दोऊवासनारसनादसनवरमरमठाहुर
देषई॥तुलसीनृपततभवतभ्रतावसकामकौतुकलेषई॥सोरठा॥॥
वारवारकहराउ॥सुमुषिसुलोचनपिकवचनि॥कारणमोहसुनाउ ॥२३८॥

गजगामिनिनिजकोपकर॥२९॥चौपई॥अनहिततोरप्रियाकिहकी
न्हा॥किहदुइसिरकिहजमुचहलीन्हा॥कहुकिहरंकहिकरौनरेसू॥
कहुकिहनृपहिनिकासहुदेसू॥सकौतोरिअरिअमरौमारी॥काहा
कीटबपुरेनरनारी॥जानसिमोरसुभाउबरोरू॥मनतवआननचंद
चकोरू॥प्रियाप्रानसुतसरबसमोरे॥परजनप्रियासकलबसतोरे॥।
जौकछुकहौंकपटकरतोही॥भामनरामसपथशतमोही॥बिहसि
मागुमनभावतबाता॥भूखनसजहिमनोहरगाता॥घरीकुघरीसमु
झितीयदेखू॥वेगत्रियापरिहरहुकुवेखू॥दोहरा॥यहसुनिमनगुन
सपथबड॥बिहसिउठीमतिमंद॥भूखनसजतिबिलोकमृग॥मन
हुकिरातनिफंद॥३०॥चौपई॥पुनकहराउसुहृदजीयजानी॥प्रेमपु
लकमृदुमंजुलबानी॥भामिनभयोतोरमनभावा॥घरघरनगरअ
नंदबधावा॥रामहिदेउंकाल्हजुबराजु॥सजहिसुलोचनमंगलसा
जु॥दलकिउठोसुनिहृदयकठोरू॥जनुछुइगयोपाकबरतोरू॥ऐ
सियोपीरबिहसतिहगोई॥चोरनारजिमप्रगटनरोई॥लखीनभूप।
कपटचतुराई॥कोटिकपटमतिगुरूपढाई॥यद्यपिनीतनिपुनन
रनाहू॥नारिचरितजलनिधिअवगाहू॥कपटसनेहबढाइबहोरी
बोलिबिहसनैननमुहमोरी॥दोहरा॥मांगुमांगुपयकहहुपीय॥

॥ तु ॥ रा ॥ कवहुनदेहुनलेहू ॥ देनकहेहुवरदानदुइ ॥ तेपावतसंदेहु ॥ ३१ ॥ चौ ॥
॥ अयु ॥ देहतजीउँतजौंनतप्राना ॥ वचनसुनतभूपतमुसकाना ॥ जानेउम
॥ १३५ ॥ रमुराउहसिकहई ॥ तुम्हहिसुभावपरमप्रियअहई ॥ थातीराखिन
मागिहुकाई ॥ विसरगयोमोहिभोरसुभाई ॥ झूठेहुहमहिदोसजन
निदेहू ॥ दुइकेचारिमांगिकिनलेहू ॥ रघुकुलरीतसदाचलिआई
प्रानजाहुवरुवचननजाई ॥ नहिअसत्यसमपातकपुंजा ॥ गिरिस
महोहिककोटिकगुंजा ॥ सत्यमूलसवसुकृतसुहाए ॥ वेदपुरान
विदितमुनगाए ॥ तिहंपरिरामसपतिकरिआई ॥ सुकृतसनेहअ
वधरघुराई ॥ वातदृढाइकुमतिहसिवोली ॥ कुमतिविहंगकुलह
जनुखोल्ही ॥ दोहरा ॥ भूपमनोरथसुभगवन ॥ सुखसुविहंगसमा
ज ॥ भिल्लनिजिमछाडनचहति ॥ वचनभयंकरवाज ॥ ३२ ॥ चौपई ॥
सुनहुप्रानप्रियभावतजीका ॥ देहुएकवरुभरतहिटीका ॥ मांगहुंदू
सरवरकरजोरी ॥ पुरवहुनाथमनोरथमोरी ॥ तापसवेषविशेषउ
दासी ॥ चौदहवरषरामवनवासी ॥ सुनमृदुवचनभूपहियसोकू ॥
ससिकरछुअतविकलजिमकोकू ॥ संभ्रमसरछिपरानृपकेसें ॥
कांटेपंथवपरसोषगजैसें ॥ गयोसहमनहिकछुकहिआवा ॥ जनु
सिचानवनझपटोलावा ॥ विवरनभयोनिपटनरपाला ॥ दामि ॥ ॥ १३५ ॥

नहसोमनहुतरुताल॥ अतिआकुलतनविगलितकेसा॥ धरधीर।
जपुनिउठोनरेसा॥ आगेसोवाघनजिमगाढी॥ पुनिपुनिस्वासुले।
तअतिगाढी॥ माथेहाथमूंददोऊलोचन॥ तनधरिसोचलागिज।
नुसोचन॥ मोरमनोरथसुरतरुफूला॥ फरतकरिनजिमहसोसमू
ला॥ गयोसहिमसुनवचनकठोरा॥ दाहदेषजनुमृगचहुंओरा॥।
अवधउजारकीन्हकैकेई॥ दीन्हीअचलविपत्तकेनेई॥ दोहरा॥
कवनेअवसरकाभयो॥ गयोनारिविसवास॥ योगसिद्धफलसम
यजिम॥ तजहिअविद्यानास॥ ३३॥ चौपई॥ इहविधिराउमनहिमा।
हझांषा॥ देषिकुभांतिकुमतिमनमाषा॥ भरथकिराउपूतनहहो
ही॥ आनेहुमोलविसाहिकिमोही॥ जोसुनिसरुमनअसलागितु
म्हारे॥ काहिनबोलहुवचनसंभारे॥ देहुउतरुअरुकरहुकिना।
ही॥ सत्यसंधतमरघुकुलमाही॥ देनकहिहुअवजनिवरदेहू॥ त
जहुसत्यजगअपजसलेहू॥ सत्यसराहिकहहुवरदेना॥ जानिहु।
लेइहमांगचवेना॥ शिवदधीचवलिजोकछुभाषा॥ तनुधनतज्यो
वचनपनराषा॥ अतिकटुवचनकहतकैकेई॥ मानहुलोननजरे
परदेई॥ दोहरा॥ धर्मधुरंधरधीरधर॥ नयनउघारेराइ॥ सिरधुनि।

॥तु॥रा॥ लीन्ह उसास स्वास मि॥ मारसि मोहि कुदाइ॥३४॥चौपई॥आगे दीष जरत
॥अयो॥ रिस भारी॥ मनहु रोष तरवारु घारी॥ मूढ कुवुहु धारि निठराई॥ धारा
॥१३६॥ कुवरष रसान वनाई॥ लषी महीप कराल कठोरा॥ सस कि जीवन ले
इहि मोरा॥ वोले राउ कठन कर छाती॥ वानी विनय न तासु मोहाती॥।
प्रिया वचन कस कहि कुभांती॥ भीर प्रतीति प्रीति करि हाती॥ अव कि
सी कुमति वँजीय तेतोरे॥ अव लगि कहु मिराम प्रीय मोरे॥ मोरे भरत राम।
दुइ आंषी॥ सस कहहु करि शंकर साषी॥ अवस दूत मै पठउव प्राता॥
ऐहहि वेग सुनत दोउ भ्राता॥ सुदिन सोधि सव साज सजाई॥ देउं भर
तकं हराज वडाई॥ तव सुत राजु करहु सुनरानी॥ राम रहहु गृह कहु।
यह वानी॥दोहरा॥ लोभन राम हि राज कर॥ वहुत भरत पर प्रीत॥।
मै वड छोट विचार जीय॥ करत रहो न्रप रीत॥३५॥चौपई॥ विनु रघु।
पति मम जीवनु नाही॥ प्रिया विचार देषहु मन माही॥ राम सपथ श
त कहहु सुभाऊ॥ राम मात कछु कहो न काऊ॥ मै सव कीन्ह तोहि।
विनु पूछे॥ तिहते परे मनोरथ छूंछे॥ रिस परिहरु अव मंगल साज
कछु दिन गए भरथ जुवराज॥ एक हि वात मोहि दुष लागा॥ वरु।
इ सर अस मम मं जस मांगा॥ अजहूं हृदय जरत अस मन्मांचा॥ रिस परि। ॥१३६॥

हासिकिसाचेहुसाचा॥ कहुतोकहाराम अपराधू॥ सवकोउकहइ।
रामसुठिसाधू॥ तुम्हहूसराहहुकरहुसनेहू॥ अवसुनमोहिभयो।
संदेहू॥ जासुसुभाउअरिहिअनकूला॥ सोकिमकरहिमातुप्रतिकू
ला॥ दोहरा॥ प्रियाहासरिसपरिहरहु॥ मागुविचारविवेक॥ जिहदे
षोअवननभरि॥ भरतराजअभिषेक॥ ३६॥ चौपई॥ जीयैमीनव
रुवारिविहीना॥ मनविनुफनिकुजीयैदुषदीना॥ कहौंसुभाइन
छलमनमाही॥ जीवनमोररामविनुनाही॥ समझदेषिजियप्रि
याप्रवीना॥ जीवनदसरथरामअधीना॥ यद्यपिनृपतिअतिकी
न्हनिहोरा॥ मानेनहिअतिहृदयकठोरा॥ सुनमृदुवचनकुम
तिअतिजरई॥ मनहुअनलआहुतिघृतपरई॥ कहैकरहुकिन
कोटिउपाया॥ इहानिलागहिराउरमाया॥ देहुकिलेहुअजसक
रिनाही॥ मोहिनवहुतप्रपंचसुहाही॥ रामसाधुतमसाधसिया।
म ने॥ रामातुभलिसवपहिचाने॥ जसकौशलामोरभलताका॥ त
सफलउन्हहिदेउकरसाका॥ दोहरा॥ होतप्रातमुनिवेषधरि॥ जौ
नरामवनजाहि॥ मोरमरनराउरुअजस॥ नृपसमझीयमनमा
हि॥ ३७॥ चौपई॥ असिकहिकुटिलभईउठिठाढी॥ मानहुरोष।

॥त॥रा॥ तरंगनिवाही॥ पापपहारप्रगटभईसोई॥ भरीक्रोधजलजाइनजोई
॥अयो॥ दोउवरकूलकठिनहठधारा॥ भवरकूवरीवचनप्रचारा॥ ढाहततभू
॥२३२॥ परूपतरुमूला॥ चलीविपतवारिधअनुकूला॥ लषीनरेससवात
सवसाची॥ तीयमिससीचसीसपरिनाची॥ गहिपदविनयकीन्ह।
वैठारी॥ जनिदिनकरकुलहोसिकुठारी॥ मांगुमाथअवहीदेउंतो
ही॥ रामविरह:जनिमारसिमोही॥ राषरामकहुजिहतिहभांती॥
नाहितजरहिजनमभरिछाती॥ दोहरा॥ देषीव्याधिअसाधनृप॥
पर्योधरनधुनमाथ॥ कहतपरमआरतवचन॥ रामरामरघुनाथ
३८॥ चौपई॥ व्याकुलराउसिथलसवगाता॥ करनिकलपतरुमन
हुनिपाता॥ कंठसूषमुषआवनवानी॥ जनुपाठीनदीनविनुपा
नी॥ पुनिकहकटुकठोरकैकेई॥ मनहुघाउमहिमाहुरदेई॥ जौअं
तहुअसकरनवरहेउ॥ मांगुमांगतुमकिहिंवलकहेउ॥ दुइकिहो
हिइकसमयभुवाला॥ हसवठठाउफुलाउवगाला॥ दानिकहा
उवअरुकृपनाई॥ होइकिषेमकुसलरौताई॥ छाडहुवचनकि
धीरजधरहू॥ जनुअवलाजिमकरुनाकरहू॥ तनतीयतनयधा
मधनधरनी॥ ससंधकहुतृनसमवरनी॥ दीन्हदानिफिरमां ॥२३२॥

गमिराजा॥ परिहरवैरलोककैलाजा॥ होतप्रातसुतवनहिनजाई॥
चौथेपनन्नपसुजसुनसाई॥ दोहरा॥ मरमवचनसुनराउकह॥ कछु
दोषनतोर॥ लाग्योतोहिपिशाचजिम॥ कालकहावतमोर॥ ३९ चौ
वहत्तनभरतभूपतहभोरे॥ विधिवसिकुमतिवसीजीयतोरे॥ सो।
सवमोहिपापपरिनाम॥ भयोकुठाहरजेहविधिवाम॥ सुवसव
सहिफिरअवधिसहाई॥ सवगुणधामरामप्रभुताई॥ करहहिभा
इसकलशिवकाई॥ होइहैतिहुपररामवडाई॥ तोरकलंकमोरप।
छितारू॥ मुरोहनमिटहिनजायहिकारू॥ अवतोहिनीकलाग।
करुसोई॥ लोचनओटवैठमुहगोई॥ जवलगिजीयोकहौकरजोरी॥
तवलगिजनकछुकहसिवहोरी॥ फिरपछितैहैअंतअभागी॥ मा
रसिगाइगुहारुलागी॥ दोहरा॥ परयोराउकहिकोटिविधि॥ काहेक
रसिनिदान॥ कपटसियाननकहसिकछु॥ जागतिमनहुमसान
४०॥ चौपई॥ राभरामरटविकलभुआला॥ जनुविनुपंषविहंगविहा
ला॥ हृदयमनावभोरजनहोई॥ रामहिजाइकहैजनिकोई॥ उदैक
रहजनिरविरघुकुलगुरु॥ अवधिविलोकसूलहोइहरुरु॥ भूप
प्रीतकैकेईकठनाई॥ उभयअवधिविधरचीवनाई॥ विलषतन्नप

॥रा॰रा॥ हिभयोभिनुसारा॥ बीनावेनुशंषधुनिद्वारा॥ पढहिंभाटगुनगावहि
॥अयो॥ गायक॥ सुनतनृपहिजनुलागहिंसायक॥ मंगलसकलसुहाहि
॥२३८॥ नकैसे॥ सहगामिनहिविभूषनजैसे॥ तिहनिशिनीदपरीनहीका
हू॥ रामदरसलालसाउछाहू॥ कवहिंउदेरविहोइविहाना॥ देषीयनै
नन्हकृपानिधाना॥ गजअरूढअनुजश्रीसंगा॥ शोभातनशात।
कोटिअनंगा॥ करतमनोरथनिशामिरॉ॥ प्रातप्रगटजागेमुनिज्ञा नीद।
नी॥ दोहरा॥ द्वारभीरसेवकसचिव॥ कहहिंउदितरविदेषि॥ जागेअ
जहुंनअवधपति॥ कारनकवनविशेष॥ ४७॥ चौपई॥ तवहिव।
शिष्टसुमंत्रवुलाए॥ हदेहरपअतुरचलिआए॥ पाछलिपहिर
भूपनिशजागा॥ आजुहमहिवडअचरजुलागा॥ जाहुसुमंत्रज
गावहुजाई॥ कीजीयेकाजरजाइसुपाई॥ गयसुमंत्रतवभूपतपा
ही॥ देषभयावनजातडराही॥ धाइषाइजनुजाइनहेरा॥ मानहु
विपदविषादवसेरा॥ पूछेकोऊनउत्तरुदेई॥ गएजिहभवनभूपकै
केई॥ कहिजयजीवबैठसिरनाई॥ देषभूपगतगयोसुषाई॥ शो
कविकलविवरनमहिपरयो॥ मानहुकमलमूलपरिहरयो॥ स
चिवसभीतसकैनहिपूछी॥ वोलीअशुभभरीशुभछूछी॥ दो॥ ॥२३८॥

परीनराजहिनींदनिशि॥ हेतुजानजगदीस॥ रामरामरटभोरकीय॥
कहैनमरममहीस॥ ४२॥ चौपई॥ आनहुरामहिवेगबुलाई॥ समा
चारतवपूछेहुआई॥ चलेसुमंत्ररायरुषजानी॥ लषीकुचालकीन्ह
कछुरानी॥ सोचविकलमगपरैनपाऊ॥ रामहिवोलकहहिका॥
राऊ॥ उरधरधीरजुगयोदुआरे॥ पूछहिसकलदेषमनमारे॥ समा
धानकरसोसवहीका॥ गयोजहादिनकरकुलटीका॥ रामसुमं
त्रहिआवतदेषा॥ आदरकीन्हपितासमलेषा॥ निरषवदनक॥
हिभूपरजाई॥ रघुकुलदीपहिचलेलवाई॥ रामकुभांतसचिव॥
संगजाही॥ देषलोगजहंतहंविलषाही॥ दोहरा॥ आइदीषरघुवं
शमणि॥ नरपतिनिपटकुसाज॥ सहमपरयोलषिसिंघनहि॥ म
नहुंवृद्धिगज॥ ४३॥ चौपई॥ सूकहिअधरजरहिसवअंगू॥ मनो
दीनमनहीनभुयंगू॥ सरुषसमीपदेषिकेकेई॥ मानहुमीचघ॥
रीगनिलेई॥ करुनामयमृदुरामसुभाऊ॥ प्रथमदीषदुषसुनव
नकाऊ॥ तदपिधीरधरसमयविचारी॥ पूछीमधुरवचनमहिता
री॥ चरननाइसिरुहोकरजोरी॥ वोलेवचनसुधाजिमवोरी॥ सुहे
कहुमाततातदुषकारण॥ करीयजतनजिहहोइनिवारण॥ सु

तु॰ रा॰ नहुरामसबकारनएहू॥ राजहितुम्हपरिबहुतसनेहू॥ देनकहेसु
अय॰ हिदुइबरदाना॥ मागेउजोकछुमोहिसुहाना॥ सोसुनिभयोभूप
१३९ उरसोचू॥ छाडिनसकहितुम्हारसकोचू॥ दोहा॥ सुतसनेहइत॥
बचनउत॥ संकटपर्योनरेस॥ सकहुतोआयसुधरहु॥ मेटहु
कठिनकलेस॥ ४८॥ चौपई॥ निधरकबैठिकहैकटुबानी॥ सुन
तकठिनताअतिअकुलानी॥ जीभकमानबचसरनाना॥ मन
हुमहीपमृदुलछसमाना॥ जनुकठोरपनुधरेसरीरू॥ सिषत्त
धनुषबिद्याबरबीरू॥ सबप्रसंगरघुपतिहिसुनाई॥ बैठिमनहु
तनुधरिनिठुराई॥ मनमुसकाहिभानुकुलभानू॥ रामसहज
आनंदनिधानू॥ बोलेबचनबिगतसबदूषन॥ मृदुमंजुलज
नुबागबिभूषन॥ सुनजननीसोईसुतबडभागी॥ जोपितुमा
तबचनअनुरागी॥ तनयमातपितुतोषनिहारा॥ दुरलभज
ननसकलसंसारा॥ दोहा॥ मुनिगनमिलनविशेषवन॥ स
बहिभातहितमोर॥ तिहपरपितुआयसुबहुरि॥ संमतजन
नीतोर॥ ४९॥ चौपई॥ भरतप्रानप्रियपावैराजू॥ विधसबवि
धिमोहिसनमुषआजू॥ जोनजाउबनऐसेहुकाजू॥ प्रथम १३९

गनीयमुहिमृहसमाज॥ सेवहिंअरंडकलपतरुत्यागी॥ परिहरि
अमृतलेहिंविषमांगी॥ तेउनपाइअससमउचुकाहीं॥ देखविचा-
रमातमनमाहीं॥ अवएकदुखमोहिविशेषी॥ निपटविक-
लनरनायकदेषी॥ थोरीयवातपितहदुखभारी॥ होतप्रतीति
नमुहमहितारी॥ राउधीरगुनउदधिअगाधू॥ भामुहितेकछु
वडअपराधू॥ तातेमुहिनकहतकछुराऊ॥ मोरसपथतुहिकह
सतभाऊ॥ दोहरा॥ सहजसरलरघुवरवचन॥ कुमतिकुटिलक-
रिमान॥ चलैजोकजलवक्रगति॥ यद्यपिसलिलसमान॥ ४६
चौपई॥ रहसीरानिरामरुषपाई॥ वोलीकपटसनेहजनाई॥
सपथतुह्मारभरथकैआना॥ हेतुनदूसरमैकछुजाना॥ तुह्म
अपराधजोगनहिंताता॥ जननीजनकबंधुसुषदाता॥ राम
सत्यसवजोकछुकहहूं॥ तुह्मपितमातवचनरतिअहहूं॥ पि
तहिवुझाइकहहुवलिसोई॥ चौथेपनजिहंअजसुनहोई॥
तुह्मसमसुअनसुकृतजिनदीन्हा॥ उचतिनतासुनिरादरुकी-
न्हा॥ लागहिकुमुषवचनशुभकैसे॥ मगहिंगयादिकतीर-
थजैसे॥ राममहिंतवचनसवभाए॥ जिमसुरसरिगतिसलिल

मा

॥तु॥रा॥ सुहाए॥दोहरा॥गैमुर्छोरामहिसुमिर॥नृपफिरकरवटलीन्ह॥स
॥अयु॥ चिवरामआगमनकहि॥विनयसमयसमकीन्ह॥४७॥चौपई॥
॥२८०॥ अवनृपभवनरामपगुधारे॥धरधीरजुतवनयनउघारे॥सचि
वसंभारराउवैठारे॥चरनपरतन्नपरामनिहारे॥लीयेसनेहवि॥
वसउरलाई॥गैमनमनहुफनकफिरपाई॥रामहिचितवरहेउ
नरनाहू॥चलाविलोचनवारप्रवाहू॥सोचविवसकछुकहइ
नपारा॥हृदयलगावतवारहिवारा॥विधिहिमनावराउमन
माही॥जिहरघुनाथनकाननजाही॥सुमिरमहेसहिकहेनि
होरी॥विनतीसुनहुसदाशिवमोरी॥आसतोषतुसवढवर॥
दानी॥आरतहरहुदीनजनुजानी॥दोहरा॥तुसप्रेरकसवके
हृदय॥सोमतिरामहिदेहु॥ववनुमोरतजिरहहिघर॥परिह॥
रिशीलसनेहु॥४८॥चौपई॥अजसुहोइजगसुजसनसाऊ॥न
रकपरोंवरसुरपुरजाऊ॥सवदुखदुसहसहावहुमोही॥लोच
नउटरामजिनिहोही॥असमनगुनैराउनहिवोला॥पीयरा॥
पातसरसमनुडोला॥रघुपतिपितहिप्रेमवसजानी॥पुनिक
छुकहहिमातुअनुमानी॥देसकालअवसरअनुसारी॥वो॥ ॥२८०॥

लेवचनविनीतिविचारी॥ तातकहौंकछुकरौंढिगाई॥ अनुचित
छमवजानिलरकाई॥ अतिलघुवाततलागिदुषपावा॥ किमन
मोहिकहिप्रथमजनावा॥ देषिगुसाईंपूछेमोमाता॥ सुनिप्रसं
गभएसीतलगाता॥ दोहरा॥ मंगलसमयसनेहवस॥ सोचिप
रिहरीएतात॥ आयसुदेईयैहरषहीय॥ कहपुलकेप्रभुगात॥
४९॥ चौपई॥ धनजनमजगतीतलतासू॥ पितहिप्रमोदचरत
सुनजासू॥ चारपदारथकरतलतांके॥ प्रियपितमातप्रानसम
जांके॥ आयसुपालजन्मफलपाई॥ ऐहोवेगिहिहोउरजाई॥
विदामातसनआवौमांगी॥ चलिहोवनहिवहुरिपगलागी॥
असकहिरामगवनुतवकीन्हा॥ भूपशोकवसउत्तरुनदीन्हा।
नगरव्यापगईवातसुतीछी॥ छुवतिचढीजनुसवतनुवीछी॥
सुनभएविकलसकलनरनारी॥ वेलविटपजिमदेषिदिवारी
जोजहसुनैधुनैसिरसोई॥ वडविषादनहीधीरजुहोई॥ दोहरा॥
मुषसुषहिलोचनश्रवहि॥ शोकनहृदयसमाइ॥ मानहुकरु।
नारसकटकउत्तरिअवधतवजाइ॥ ५०॥ चौपई॥ मलेमोऊविध

॥तु॰॥रा॰॥ वात्तविगारी॥ जहंतहंदेहिकैकेईगारी॥ इहपापिनहिवूझिका।
॥अयो॥ परेउ॥ छायभवनपरपावकधरेउ॥ निजकरनयनकाढिचहि
॥२५१॥ दीषा॥ डारसुधाविषुचाहतचीषा॥ कुटिलकठोरकुबुद्धिअभा
गी॥ भेईरघुवंशवेनुवनआगी॥ पालववैठपेडुइहकाटा॥ सु
ग षमहुमेोकुँदुधरिठाटा॥ सदारामइहप्रानसमाना॥ कारनक
वनकुटिलपनठाना॥ ससकहहिकविनारिसुभाऊ॥ सव।
विधिअगमअगाधदुराऊ॥ निजप्रतिविंवुवरुकरगहिजाई॥
जानननजायनारिगतिभाई॥ दोहरा॥ काहिनपावकजारिस।
क॥ कानसमुंद्रसमाइ॥ कानकरैअवलाप्रवल॥ किहजग।
कालनषाइ॥ ५१॥ चौपई॥ कासुनाइविधिकाहसुनावा॥ कादि
षाइचहकाहदिषावा॥ एककहहिभलभूपनकीन्हा॥ वरुवि
चारनहिकुमतहिदीन्हा॥ जोहठिभयोसकलदुषभांजन॥ अ
वलाविवसज्ञानगुनगांजन॥ एकधर्मपरिमितपहिचाने॥।
नृपहिदोषनहिदेहिसियाने॥ शिवदधीचहरीचंदकहांनी॥।
एकएकमनकहहिवषानी॥ एकभरतकरसंमतकहहीं॥। ॥२५१॥

एकउदासभाइसुनिरहही॥ कानमूंदकररदगहिजीहा॥ एकक।
हीयहवातअलीहा॥ सुकृतजाहिअसकहततुह्मारे॥ रामभरत
कहप्रानपियारे॥ दोहरा॥ चंदचुवैवरअनलकन॥ सुधाहोइवि
षतूल॥ सपनेकवहुंनकरहिकछु॥ भरतरामप्रतिकूल॥५२॥
चौपई॥ एकविधातहिदूषनदेही॥ सुधादिषाइदीन्हविषजेही॥
षरभरनगरसोचसवकाहू॥ दुसहदाहुउरमिटाउछाहू॥ विप्रव
धूकुलमान्यजठेरी॥ जेप्रियपरमकैकेईकेरी॥ लगीदेनसिषसी
लसराही॥ वचनवानसमलागेताही॥ भरतनमोहिप्रियराम।
समाना॥ सदाकहहुयहसवजगजाना॥ करहुरामपरसहज।
सनेहू॥ किहअपराधआजवनदेहू॥ कवहुनकिएहुसवति।
आरेसू॥ प्रीतिप्रतीतिजानसवदेसू॥ कौशल्याअवकाहविगा
रा॥ तुमजिहलागवज्रपुरमारा॥ दोहरा॥ सीयकिपीयसंगपरिह
रहि॥ लषनकिरहिहहिधाम॥ राजकिभूंजवभरतपुर॥ नृपकि
जीयहिविनुराम॥५३॥ चौपई॥ असविचारिउरछाडहुकोहू॥ शो
ककलंककोठिजनहोहू॥ भरतहिअवसिदेहुयुवराजू॥ कान।

नकाहिरामकरिकाजू॥ नाहिनरामराजकेभूषे॥ धर्मधुरीनविष।
यरसरूषे॥ गुरुगृहवसहिरामतजिगेहू॥ नृपसनअसवरुदूसर
लेहू॥ जौनलागिहहिकहेहमारे॥ नहिलागहिकछुहाथतुम्हारे
जौपरिहासकीन्हकछुहोई॥ तौकहिप्रगटजनावहुसोई॥ राम
सरिससुतकाननयोगू॥ काहिकहहिसुनितुम्हकहलोगू॥ उठ
हिवेगिसोकरहुउपाई॥ जिहविधिशोककलंकनसाई॥ छंद॥
जिहभांतशोककलंकजाइउपाइकरिकुलपालही॥ हठिफेरि।
रामहिजातवनजनिवातदूसरिचालही॥ जिमभानुविनुदिनु।
प्रानविनुतनचंदविनुजिमिजामनी॥ तिमअवधतुलसीदास
प्रभविनुसमझिधौजियभामनी॥ सोरठा॥ सखिन्हसिषावनदी
न॥ सुनतमधुरपरनामहित॥ तिहिकछुकाननकीन्ह॥ कुटि
लप्रवोधीकूवरी॥ ५४॥ चौपई॥ उतरनदेईदुसहरिसरूषी॥ मृ
गिन्हचितवजनुवाघिनभूषी॥ व्याधिअसाधजानतिनस्यागी
चलीकहतमतिमंदअभागी॥ राजकरतयहदैवविगोई॥ की
न्हसअससजमकरैनकोई॥ इहविधिविलपहिपुरनरनारी॥।

देहिकचालहहिकोटिन्हगारी॥ जरहिविषमजरलेहिउसासा॥ क।
वनरामविनुजीवनआसा॥ विपुलवियोगप्रजाअकुलानी॥ ज
नुजलचरगनसूषतपानी॥ अतिविषादवसलोगलुगाई॥ गऐ
मातपहिरामगुसाई॥ मुषप्रसन्नचितचोगुनचाऊ॥ इहैसोचज
निराषैराऊ॥ दोहरा॥ नवगयंदरघुवीरमनु॥ राजुअलीनसमा।
न॥ छूटजानवनगवनसुन॥ उरअनंदअधिकान॥ ५५॥ चौपई
रघुकुलतिलकजोरदोऊहाथा॥ मुदतमातपदनायोमाथा॥ दी
न्हअसीसलाइउरलीन्हे॥ भूषनवसननिछावरकीन्हे॥ वारवा
रमुषचुंवतमाता॥ नयननेहजलपुलकतगाता॥ गोदराषपुनि
हृदयलगाए॥ श्रवतप्रेमरसपयदसुहाए॥ प्रेमप्रमोदनकछु।
कहिजाई॥ रंकधनदपदवीजनुपाई॥ सादरसुंदरवदननिहा।
री॥ वोलीमधुरवचनमहितारी॥ कहोतातजननीवलिहारी॥
कववसुलगनमुदमंगलकारी॥ सुकृतशीलसुषसीवसुहाई॥।
जनमलाभकैअवधअघाई॥ दोहरा॥ जिहचाहततनरनारसव।
अतिआरतइहभाते॥ जिमचातकिचातकतृषत॥ वृष्टिसरद।

॥तु॥रा॥ रितुखात ॥५६॥ चौपई ॥ मोअवसरकिहसमेसुहावन ॥ देषोरामचं
॥अयु॥ द्रजगपावन ॥ तातजांउवलिवेगनहाहू ॥ जौमनभावमधुरक
॥२८३॥ छुषाहू ॥ पितसमीपतवजाइयहुभैया ॥ भईवडवारजाइवलि
मैया ॥ मातवचनसुनिअतिअनुकूला ॥ जनसनेहसुरतरके
फूला ॥ सुषमकरंदभरेश्रियमूला ॥ निरषराममनुभवरनभू
ला ॥ धरमधुरीनधरमगतिजानी ॥ कह्योमातसनअतमृदुवा
मुदि नी ॥ पितादीन्हॅंकाननराजू ॥ जहसवभांतिमोरवडकाजू ॥ आ
यसुदेहुमुदतमनमाता ॥ जिहमुदमंगलकाननजाता ॥ जनि
सनेहवसिडरपसिभोरे ॥ आनंदअंवअनुग्रहतोरे ॥ दोहा ॥
वरषचारदसविपनवसि ॥ करिपितुवचनप्रमान ॥ आइपांइ
पुनिदेषिहोंमनजनिकरसिमलान ॥५७॥ चौपई ॥ वचनविनी
तमधुररघुवरके ॥ सरसमलगेमातउरकरके ॥ सहमसूषिसुनि
शीतलवानी ॥ जिमजवासपरियावसपानी ॥ कहिनजाइक
छुहृदयविषादू ॥ मनहुमृगीसुनिकेहरनादू ॥ नैनसजलतन
थरथरकांपी ॥ मांजहिषाइमीनजनुमापी ॥ धरधीरजसुतव ॥२८३॥

रननिहारी॥ गदगदवचनकहितमहितारी॥ तातपितहितम्ह
प्रानपिआरे॥ देषमुदितनितचरिततुम्हारे॥ राजदेनकोसुभदिन
साधा॥ कहेउजानवनकिहिअपराधा॥ तातसुनावहुमोहिनि
दानू॥ कोदिनकरकुलभयोकृशानू॥ दोहरा॥ निरषराममुषम
विवसुत॥ कारनकहेउवुझाइ॥ सुनप्रसंगरहिमूकजिमदशाव
रननहिजाइ॥ ५८॥ चौपई॥ राषिनसकैनकहिसकजाहू॥ दुहूं
भांतिउरदारुणदाहू॥ लिषतसुधाकरलिषगाराहू॥ विधिगति
वाममदासवकाहू॥ धर्मसनेहउभयमतिघेरी॥ भईगतिसांप
छछुंधरकेरी॥ राषहुसुतहिकरोंअनुरोधू॥ धर्मजाइअरुवंधु
विरोधू॥ कहोंजानवनतौवडहानी॥ संकटसोचविवसभैरानी
वहुरिसमझितियधर्मसयानी॥ रामभरतदोउसुतसमजानी॥
सरलसुभाउराममहतारी॥ वोलीवचनधीरधरभारी॥ तातजाउ
वलिकीन्हहुनीका॥ पितुआयसुसवधर्मकटीका॥ दोहरा॥ रा
जदेनकहिदीन्हवन॥ मुहिनसोचदुषलेस॥ तुम्हविनुभरतहि
भूपतिहि॥ प्रजहिप्रचंडकलेस॥ ५९॥ चौपई॥ जोकेवलपितुआ

॥तु॥रा॥ यसुताता॥ तौजनिजाहुमानिबडमाता॥ जौपितुमातुकह्योबन
॥अयो॥ जाना॥ तौकाननशतअवधसमाना॥ पितुबनदेवमातुबनदे
॥२९४॥ वी॥ षगम्रगचरनसरोरुहसेवी॥ अंतहिउचितन्रपहिबनबास
वयविलोकहीहोतहिरास॥ वडभागीवनअवधअभागी॥ जो
रघुवंशतिलकतुम्हत्यागी॥ जौसुतकहौंमोहिसंगलेहू॥ तुम्हरे
हृदैहोइसंदेहू॥ पूतपरमप्रियतुम्हसवहीके॥ प्रानप्रानकेजी
वनजीके॥ तेतुम्हकहहुमातुवनजाऊं॥ मैसुनिवचनवैठिप
छिताऊं॥ दोहा॥ यहविचारनहिकरौहठि॥ झूठसनेहवढाइ॥
मानिमातुकरनातवलि॥ सुरतिविसरजिनजाइ॥ ६०॥ चौपई॥
देवपितरसवतुम्हहिगुसाई॥ राषहुपलकनयनकीनाई॥ अ
वधिअंबुप्रियपरजनमीना॥ तुम्हकरुनाकरधर्मधुरीना॥ अ
सविचारसोईकरहुउपाई॥ सवहियतजिमेटहुआई॥ जाहुसु जी॥
षेनवनहिवलिजाऊं॥ करिअनाथजनपरजनगाऊं॥ सवक
॥जी रिआजुसुकृतफलवीता॥ भयोकरालकालविपरीता॥ वहुवि
धविलपचरनलपटानी॥ परमअभागिनिआपहिजानी॥ ॥२९४

दारुनदुसहदाहुउरब्यापा॥ वरननिजाहिविलापकलापा॥ रामउठा
इमातउरलाई॥ कहिमृदुवचनवहुरिसमुझाई॥ दोहरा॥ समाचार
तिहिसमयसुनि॥ सीयउठीअकुलाइ॥ जाइसासुपदकमलयुग॥
वंदिवैठसिरुनाइ॥ ६२॥ चौपई॥ दीन्हअसीससासुमृदुवानी॥ अ
तिसुकुमारिदेषिअकुलानी॥ वैठिनिमितमुषसोचतसीता॥ रू
परासिपतिप्रेमपुनीता॥ चलनचहतवनजीवननाथू॥ किहिसु
कृतसनहोयहसाथू॥ कैतनुप्रानकिकेवलप्राना॥ विधकरतव
कछुजाइनजाना॥ चारुचरननषलेषतधरनी॥ नूपरमुषरमधु
रकविवरनी॥ मनहुप्रेमवसिविनतीकरहहि॥ हमहिसीयपदज
निपरिहरिहहि॥ मंजुविलोचनमोचतवारी॥ वोलीदेषराममहि
तारी॥ तातसुनहुसीयअतिसुकुमारी॥ सासुससुरपरिजनहिपि
यारी॥ दोहरा॥ पिताजनकभूपालमणि॥ ससुरभानुकुलभानु॥
पतिरविकुकेरविविपनविधुगुनरूपनिधानु॥ ६३॥ चौपई॥ मैपुन रू
पुत्रिवधूप्रियपाई॥ रूपराशिगुनशीलसुहाई॥ नैनपुतरिकरि
प्रीतवढाई॥ राषेप्रानजानकिहिलाई॥ कलपवेलजिमवहुवि

॥तु॥रा॥ धिलाली॥ सीचसनेहसलिलप्रतपाली॥ फूलतफलतभएविधिवा
॥अयो॥ मा॥ जाननिजाइकाहिपरनामा॥ पलंगपीठतजिगोदहिंडोरा॥ सी
॥२८५॥ यनदीन्हपगुअवनिकठोरा॥ जीअनमूरजिमजुगवतरहऊ॥ दी
पवातनहिटारनिकहऊ॥ सोइसीयचलनचहतवनसाथा॥ आ
यसुकाहहोइरघुनाथा॥ चंदुकिरनरसरसिकचकोरी॥ रविरुखनय
नसकैकिमजोरी॥ दोहा॥ करिकेहरिनिशचरचरहिं॥ दुष्टजंतुवन
भूर॥ विषमवाटकासोहसुत॥ सुभगसुजीवनमूरि॥ ६३॥ चौपई॥
वनहितकोलकिरातकिशोरी॥ रचीविरंचविषयसुखभोरी॥ पाहन
कृमजिमकठनसुभाऊ॥ तिन्हहिकलेसुनकाननकाऊ॥ केताप
सितीयकाननयोगू॥ जिन्हतपहेततजासभभोगू॥ सीयवनव
सहितातकिंहभाती॥ चित्रलिषेकपदेषडराती॥ सुरसरसुभग।
वनजवनचारी॥ डाबरयोगनहीसकुमारी॥ असिविचारजसआ
यसहोई॥ मशिषदेउजानकहिसोई॥ जोसीयभवनरहैकहअं।
वा॥ मुहिकहिहोइवहुतअवलंवा॥ सुनरघुवीरमातप्रयवानी॥
शीलसनेहसुधाजनुमानी॥ दोहा॥ कहिप्रियवचनविवेकम ॥२८५॥

य॥ कीन्हमातपरतोष॥ लगेप्रबोधनजानकिहि॥ प्रगटविपनगुनदो
ष॥ ६४॥ चौपई॥ मातुसमीपकहतसकुचाही॥ वोलेसमयसमुझि
मनमाही॥ राजकुमारिसिषावनसुनहू॥ आनभांतजीयजनिक
छुगुनहू॥ आपनमोरनीकजौचहहू॥ वचनहमारमानुग्रहरह।
हू॥ आयसुमोरसासुशिवकाई॥ सवविधिभामिनभवनभलाई॥
इहतेअधिकधरमनहीदूजा॥ सादरसासुससुरपदपूजा॥ जवज
वमातकरहिसुधिमोरी॥ होइहिप्रेमविकलमतिभोरी॥ तवतव
तुसकहकथाउरानी॥ सुंदरसमझायहुमृदुवानी॥ कहौंसुभा
इसपथशतमोही॥ सुमुषमातहितराषहुतोही॥ दोहरा॥ गुरुश्रु
तिसंमतधरमफल॥ पाईयहिविनहिकलेस॥ हठवससवसंक।
टसहे॥ गालवनहुषनरेस॥ ६५॥ चौपई॥ मैपुनिकरिप्रमानपि
तुवानी॥ वेगफिरवसुनसुमुषसयानी॥ दिवसजातनहिलागे
वारा॥ सुमुषिसिषावनसुनहुहमारा॥ जौहठकरहुप्रेमवसिवा।
मा॥ तौतुम्हदुषपाउवपरिनामा॥ काननकठनभयंकरभारी॥
घोरघामहिमवारिवयारी॥ कुशकांटेमगकांकरनाना॥ चलव

॥तु॰रा॰॥
॥अय॥
॥२८६॥

पयादेहिबिनुपदत्राना॥ चरनकमलमृदुमंजुतुह्मारे॥ मारगअगम
भूमिधरभारे॥ कंदरखोहनदीनदनारे॥ अगमअगाधनजाहिनिहा
रे॥ भीलवाघवृककेहरिनागा॥ करहिनादसुनिधीरजुभागा॥ दो॥
भूमिसयनवलकलवसन॥ असनकंदफलमूल॥ तेकिसदासव
दिनमिलहि॥ समयसमयअनुकूल॥ ६६॥ चौपई॥ नरअहारर
जनीचरचरही॥ कपटवेषविधिकोटककरही॥ लागैअतिपहार
करिपानी॥ विपनविपतनहीजाइवखानी॥ व्यालकरालविहंग
वनघोरा॥ निसचरनिकरनारिनरचोरा॥ डरपहिधीरगहनसु
धिआए॥ मृगलोचनितुह्मभीरुसुभाए॥ हंसगवनितुह्मनहि
वनजोगू॥ सुनिअपजससमुहिदेइहिलोगू॥ मानससलिलसुधा
प्रतिपाली॥ जीएइकिलवनपयोधमराली॥ नवरसालवनवि
हरनशीला॥ सोहकिकोकिलविपनकरीला॥ रहहुभवनअस
हृदयविचारी॥ चंद्रवदनिदुषकाननभारी॥ दोहरा॥ सहजसुहृ
दगुरुस्वामिसिष॥ जोनकरयप्रियमान॥ सोपछिताइअघाइउ
र॥ अवसिहोइहितहानि॥ ६७॥ चौपई॥ सुनिमृदुवचनमनोहर ॥२८६॥

पियके॥ लोचनललितभरेजलसीयके॥सीतलसिषदाहकभए
कैसे॥ चकईसरदचंदनिसजैसे॥उतरनआववकलवैदेही॥त
जनचहतसुचस्वामिसनेही॥वरवसरोकविलोचनवारी॥धरधी
रजुउरअवनिकुमारी॥ लागिसासुपगकहिकरजोरी॥छमवि
देविवडअविनियमोरी॥दीन्हप्रानपतिमुहिसिषसोई॥जिहं
विधिमोरपरमहितहोई॥मैपुनिसमुझिदीषमनमाही॥पिय
वियोगसमदुषजगनाही॥दोहा॥प्राननाथकरुनायन॥सुंद
रसुषदसुजान॥तुह्मविनुरघुकुलकुमदविधु॥सुरपुरनरकस
मान॥६८॥चौपई॥मातपिताभगनीप्रियभाई॥प्रियपरवारसु
हृदसमुदाई॥सासुससुरगुरुसजनसहाई॥सुतसुंदरसुशील
सुषदाई॥जहलगिनाथनेहअरुनाते॥पियविनुतीयहितर
नितेताते॥तनुधनुधामधरनिपुरराजु॥पतिविहीनसवशो
कसमाजु॥भोगरोगसमभूषनभारु॥जमुजातनासरिससं
सारु॥प्राननाथतुह्मविनुजगमाही॥मोकहुसुषदकतहुक
छुनाही॥जीयविनुदेहनदीविनुवारी॥तैसेनाथपुरुषविनु।

तु॰ रा॰ नारी॥ नाथसकलसुषसाथतुह्मारे॥ सरदविमलविधुवदनुनिहा
अयो॰ रे॥ दोहरा॥ षगमृगपरिजननगरुवन॥ वलकलविमलदुकूल
१५७ नाथसाथसुरसदनसम॥ परनशालसुषमूल॥ ६९॥ चौपई॥
वनदेवीवनदेवउदारा॥ करहहिसासुससुरसमसारा॥ कुशकि
शलयसाथरीसुहाई॥ प्रभुसंगमंजुमनोजतराई॥ कंदमूलफा
लअमीयअहारु॥ अवधसुषदशतसरसपहारु॥ छिनछिन
प्रभुपदकमलविलोकी॥ रहिहौमुदितदिवसजनुकोकी॥ वन
दुषनाथकहेवहुतेरे॥ भयविषादअतितापघनेरे॥ प्रभवियो
गलवलेससममाना॥ सवमिलहोहिनकृपानिधाना॥ असजी
यजानसुजानशिरोमनि॥ लइयेसंगमोहिछाडीयजनि॥ वि
नतीवहुतकरोंकास्वामी॥ करुनामयउरअंतरजामी॥ दोहरा॥
राषियअवधजोअवधिलगि॥ रहहिजानीयहिप्रान॥ दीनवं
धुसुंदरसुषद॥ शीलसनेहनिधान॥ ७०॥ चौपई॥ मोहिचल
तमगहोयनहारी॥ छिनुछिनुचरनसरोजनिहारी॥ सवहि
भांतपीयसेवाकरिहो॥ मारगजनितसकलश्रमहरिहो॥ ॥ १५७

पायपषारिबैठितरुछाही॥ करिहौबाउमुदितमनमाही॥ श्रम।
कनसहितस्यामतनुदेषे॥ कहदुषसमौप्रानपतिपेषे॥ सम।
महितृनतरुपल्लवडासी॥ पांउपलोटिहिसबनिसिदासी॥ बार
बारमृदुमूरतिजोही॥ लागहितातिबयारनमोही॥ कोप्रभसं
गमोहिचितवनिहारा॥ सिंघबधुहिंससकसियारा॥ मैसुकमा जिम
रनाथबनजोगू॥ तुम्हहिउचिततपमोकहुभोगू॥ दोहरा॥ ऐसे
उबचनकठोरसुनि॥ जौनहृदयबिलगान॥ तौप्रभबिषमबियो
गदुष॥ सहहहिपावरप्रान॥ ७२॥ चौपई॥ असकहिसीयबि
कलभैभारी॥ बचनबियोगनसकीसंभारी॥ देषदशारघुप।
तिजीयजाना॥ हठिराषेनहिराषहिप्राना॥ कह्योकृपालभा
नुकुलनाथा॥ परिहरुसोचचलहुबनसाथा॥ नहिबिषाद।
करअवसरआजू॥ बेगकरहुबनगवनसमाजू॥ कहिप्रि।
यबचनप्रियासमुझाई॥ लगेमातपदआशिषपाई॥ बेगप्र
जादुषमेटबआई॥ जननीनिठुरबिसरिजनिजाई॥ फिरहि
दशाबिधबहुरिकिमोरी॥ देषिहौनयनमनोहरजोरी॥ सु।

दिनसुघरीतातकविहोइहि॥जननीजीयत्तिवदनविधुजोइहै
॥दोहरा॥वहुरिवछकहिलालकहिरघुपतिरघुवरतात॥कव
हिवुलाइलगाइहिय॥हरखनिरखहोंगात॥७२॥चौपई॥लषि
सनेहकातुरमहितारी॥वचननआवविकलभईभारी॥राम
प्रवोधकीन्हविधिनाना॥समोसनेहनजाइवषाना॥तवजा
नकीसासुपगलागी॥सुनियमाइमैंपरमअभागी॥सेवास
मयदैववनुदीन्हा॥मोरमनोरथसफलनकीन्हा॥तजवछोभज
टी निछाडियछोह॥करमकठनकछुदोसुनमोह॥सुनसीयवच
नसासुअकुलानी॥दशाकवनविधिकहोंवषानी॥वारहि
वारलाइउरलीन्ही॥धरधीरजुसिषआसिषदीन्ही॥अचल
अहि होइवातत्तुह्मारा॥जवलगगंगजमुनजलधारा॥दोहरा॥
सीतहिसासुअसीसअसिषदीन्हअनेकप्रकार॥चलीनाइपद
कमलसिर॥अतिहितवारहिवार॥७३॥चौपई॥समाचारजव
लछमनपाए॥व्याकलविलषवदनउठिधाए॥कंपपुलकतन
नयनसनीरा॥गहेचरनअतिप्रेमअधीरा॥कहिनसकत

कछुचितवतगाढे॥मीनदीनजनुजलतेकाढे॥सोचहृदयविधि
काहहुनिहारा॥सवसुषसुकृतसिरानहमारा॥मोकोकाहक
हवरघुनाथा॥रषिहहिभवनकिलेहहिसाथा॥रामविलो।
किवंधुकरजोरे॥देहगेहसवतिनसमतोरे॥वोलेवचनराम।
नयनागर॥सीलसनेहसरलसुषसागर॥तातप्रेमवसजनि
कदराहू॥समुझिहृदयपरिनामउछाहू॥दोहा॥मातपिता।
गुरुस्वामिसिष॥सिरधरकरहिसुभाय॥लह्योलाभतिनजनम
कर॥नतरजनमजगजाइ॥७४॥चोपई॥असजीयजानसुन।
हुसिषभाई॥करहुमातपितपदसेवकाई॥भवनभरतरिपु।
सूदननाही॥राउवृद्धममदुषमनमाही॥मेवनजाउतमहिले
साथा॥होइसवहिविधिअवधअनाथा॥गुरुपितमातप्र।
जापरिवारू॥सवकहुपरैदुसहदुषभारू॥रहहुकरहुसवक
रपरितोषू॥नातरतातहोहिवडदोषू॥जासुराजप्रियप्रजादुषा
री॥सोनृपअवसनरकअधिकारी॥रहहुतातअसिनीतवि।
चारी॥सुनतलषनभयेव्याकुलभारी॥सीयरेवचनसूषमुष

॥तु॥रा॥ केसै॥ परमतत्तु हिन तामरस जैसे॥ दोहरा॥ उतरन आवत प्रेमव
॥अयु॥ सि॥ गहे चरन अकुलाइ॥ नाथ दास मै स्वामि तुम॥ तजहु त का
॥२८५॥ हबसाइ॥ ७५॥ चौपई॥ दीन्हि मोहि सिख नीक गुसाई॥ लागि अ
गम अपुनी कदराई॥ नरवर धीर धरम धुर धारी॥ निगम नीत क
हु ते अधिकारी॥ मै सिसु प्रभ सनेह प्रतिपाला॥ मंदरु मेरु कि
लेहि मराला॥ गुरु पितु मात न जानउ काहू॥ कहौ सुभाउ ना
थ पतियाहू॥ जहलगि जगत सनेह सगाई॥ प्रीति प्रतीति नि
गम निजु गाई॥ मोरे सवै एक तुम्ह स्वामी॥ दीनबंधु उर अंतर।
जामी॥ धरम नीति उपदेसीय ताही॥ कीरति भूति सुगति प्रिय
जाही॥ मन क्रम वचन चरन रत जोई॥ कृपासिंधु परिहरिय कि
सोई॥ दोहरा॥ करुनासिंधु सुवंधु के॥ सुनि मृदु वचन विनीत
समुझाइ उउर लाइ प्रभु॥ जानि सनेह सभीत॥ ७६॥ चौपई॥
मागहु विदा मात सन जाई॥ आवहु वेग चलहु वन भाई॥ मुदि
त भए सुन रघुवर वानी॥ भयो लाभ वड गै वड हानी॥ हरषत।
हृदय मात पहि आए॥ मनहु अंधि फिर लोचन पाए॥ जाइ। ॥२८५

जननिपदनायोमाथा॥मनुरघुनंदनजानिकिसाथा॥पूछत
मातमलिनमनदेषी॥लषनकहीसवकथाविशेषी॥गईस
हिमसुनवचनकठोरा॥मृगीदेषदवजनुचहुंओरा॥लषन
लषेउभाअनरथआजू॥इहसनेहवसकरवअकाजू॥मांग
तविदासभयसकुचाही॥जाउहिसंगविधिकहैकिनाही॥।
दोहरा॥समुझिसुमित्रारामसीय॥रूपसुशीलसुभाउ॥नृपस
नेहलखिधुन्योसिरु॥पापनिकीन्हिकुदाउ॥७७॥चौपई॥।
धीरजुधरयोकुअवसरजानी॥सहजसुहृदवोलीमृदुवानी॥ता
ततुम्हारमातवैदेही॥पितारामसवभांतिसनेही॥अवधतहा
जहारामनिवास॥तहईदिवसजहभानुप्रकास॥जौपैरामसी
यावनजाही॥अवधतुम्हारकाजकछुनाही॥गुरुपितु।
मातवंधुसुरसाई॥सेईयहिसकलप्रानकीनाई॥रामप्रान।
प्रियजीवनजीके॥स्वारथरहितसषासवहीके॥पूजनीयप्रि
यपरमजहाते॥सवमानीअहिरामकेनाते॥असमनजान
संगवनजाहू॥लेहुतातजगजीवनलाहू॥दोहरा॥भूरभाग

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥१५०॥

भांजनभयो॥ सुहिममेतवलिजाउ॥ जौतुह्मरेमनछाडिछलु
कीन्हरामपदठाउ॥७८॥ चौपई॥ पुत्रवतीजुवतीजगसोई॥ र
घुपतिभगतजासुसुतहोई॥ नतरबांझभलिबादबियानी॥
रामबिमुषसुततेहितहानी॥ तुह्मरेहिभागरामबनजाही॥
दूसरहेतुतातकछुनाही॥ सकलसुकृतकरफलसुतएहू॥
रामसीयपदसहजसनेहू॥ रागद्वेषईरषामदमोहू॥ जनि
सपनेहुइन्हकेवसिहोहू॥ सकलप्रकारविकारविहाई॥ म
नक्रमवचनकरेहुसेवकाई॥ तुह्मकोवनसवभांतसुवासू॥
संगपितमातरामसीयजासू॥ जिहनरामवनलहहिकले
सू॥ सुतसोईकरेहुइहैउपदेसू॥ छंद॥ उपदेसदीयोहुजेता॥
ततुह्मरेराममसीयसुषपावही॥ पितमातप्रियपरिवारुपुर
सुषसुरतिवनविसरावही॥ तुलसीसुतहिसिषदेइआयसु
दीन्हपुनआशिषदई॥ रतिहोउअविरलअमलसीयरघु
वीरपदनितनितनई॥ सोरठा॥ मातचरनसिरुनाइ॥ चलेतु
रतसंकितहृदे॥ बांगुरविषमतुराइ॥ मनहुभागम्रगभागव ॥१५०॥

स॥ ७९॥ चौपई॥ गए लषन जहं जानकि नाथा॥ भे मन मुदित पा
इ प्रिय साथा॥ वंदि राम सीय चरन सुहाए॥ चले संग नृप मंदिर आ
ए॥ कहैं परस्पर पुर नर नारी॥ भलि वनाइ विधि वात विगारी॥ तन
कृश मन दुष वदन मलीने॥ विकल मनहुं माषी मधु छीने॥ क
र मीजहिं सिर धुनि पछुताही॥ जनु विनु पंष विहंग अकुलाही॥
भई वडि भीर भूप दरवारा॥ वरनि न जाइ विषाद अपारा॥ सचि
व उठाइ राउ वैठारे॥ कहि प्रिय वचन राम पगु धारे॥ राउ धीर धरि नै
न उघारे॥ देषि दसा मन माहिं विचारे॥ सीय समेत दोउ तनय
निहारी॥ आकुल भयो भूमिपति भारी॥ दोहरा॥ सीय सहित
सुत सुभग दोउ॥ देषि देषि अकुलाइ॥ वारहिं वार सनेह वस॥
राउ लेइ उर लाइ॥ ८०॥ चौपई॥ सकै न वोलि विकल नरनाहू॥
सोक जनित उर दारुन दाहू॥ नाइ सीस पद अति अनुरागा॥ उ
ठि रघुवीर विदा तव मागा॥ पितु असीस आइसु मोहि दीजे॥ हर
ष समै विसमय कत कीजे॥ तात कीये प्रिय प्रेम प्रमादू॥ जसु ज
ग जाइ होइ अपवादू॥ सुनि सनेह वस उठि नरनाहा॥ वैठारे॥

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥१५१॥

रघुपतिगहिवांहा॥ सुनहुताततुह्मकोमुनिकहही॥ रामचरा
चरनायकअहही॥ शुभअरुअशुभकरमअनुहारी॥ ईसुदेइ
फलहृदयविचारी॥ करैजोकरमुपायफलसोई॥ निगमनीत
असकहसवकोई॥ दोहरा॥ औरकरैअपराधकोउ॥ औरपाव
फलभोग॥ अतिविचित्रभगवंतगति॥ कोजगजानैइजोग॥ ८
चौपई॥ राउरामराषनहितलागी॥ वहुतउपाइकीयेछलुत्या
गी॥ लषारामरुषरहतनजाने॥ धर्मधुरंधरधीरसयाने॥ तव
नृपसीयलाइउरलीन्ही॥ अतिहितवहुतभांतिसिषदीन्ही॥ क
हिवनकेदुषदुसहसुनाए॥ सासुससुरपितसुषसमुझाए॥
सीयमनरामचरनअनुरागा॥ घरुनसुगमवनविषमनला
गा॥ औरौसवहिसीयसमुझाई॥ कहिकहिविपनविपतिअ
धिकाई॥ सचिवनारगुरुनारसयानी॥ सहितसनेहकहहिम्रि
दुवानी॥ तुह्मकहुतौनदीन्हवनवासू॥ करहुजोकहहिससु
रगुरुसासू॥ दोहरा॥ सिषसीतलहितमधुरमृदु॥ सुनसीतहि
नसुहानि॥ सरदचंदचांदनिलगति॥ जनुचकईअकुलानि॥ १५१

८२ ॥चौपई॥ सीयसकुचवसउतरुनदेई ॥ सोसुनितमकिउठीके
केई ॥ मुनपटभूषनभाजनआनी ॥ आगेधरिवोलीमृदुवानी
नृपहिप्रानप्रियतुह्मरघुवीरा ॥ सीलसनेहनछाडेहिभीरा ॥
सुकृतसुजससुपरलोगनसाऊ ॥ तुह्महिजानवनकहहिनका
ऊ ॥ असविचारसोकरहुजुभावा ॥ रामजननिसिखसुनसुखपा
वा ॥ भूपतिवचनवानसमलागे ॥ करहिनप्रानपयानअभा
गे ॥ लोकविकलमुरछितनरनाहू ॥ काहिकरियकछुसूझन
काहू ॥ रामतुरतमुनवेसुवनाई ॥ चलेजनकजननीसिरुना
ई ॥दोहा॥ सजिवनसाजुसमाजुसव ॥ वनितावंधुसमेत ॥ वंद
विप्रगुरुचरनप्रभ ॥ चलेकरिसवहिअचेत ॥ ८३ ॥चौपई॥ नि
कसवसिष्टद्वारभएठाढे ॥ देषेलोगविरहदवदाढे ॥ कहिप्रियव
चनसकलसमुझाए ॥ विप्रवृंदरघुवीरवुलाए ॥ गुरुसनकहिव
रषासनदीन्हे ॥ आदरदानविनयवसिकीन्हे ॥ जाचकदानमा
नसंतोषे ॥ मीतपुनीतप्रेमपरितोषे ॥ दासीदासवुलाइवहोरी
गुरुहिसौपवोलेकरजोरी ॥ सवकैसारसंभारगुसाईं ॥ करवजन

कजननीकीन्पाई॥ वारहिवारजोरजुगपानी॥ कहततरामसवस
नमृदुवानी॥ सोईसवभांतमोरहितकारी॥ जिहतेरहैभुआल
सुषारी॥ दोहरा॥ मातसकलमोरेविरहि॥ जिहंनहोहिदुषदीन
सोईउपायतुह्मकरवसव॥ पुरजनपरमप्रवीन॥ ८४॥ चौपई॥
इहिविधरामसवहिसमुझावा॥ गुरपदपद्महरषसिरुनावा
गणपतिगौरिगिरीसमनाई॥ चलेअसीसपाइरघुराई॥ राम
चलतअतिभयोविषादू॥ सुनिनजाइपुरआरतनादू॥ कुसग
नलंकअवधअतिसोगू॥ हरषविषादविवससुरलोगू॥ गैमु
रछातवभूपतिजागे॥ वोलसुमंत्रकहनअसलागे॥ रामचले
वनप्राननजाही॥ किहसुषलागिरहततनमाही॥ इहतेकव
नव्यथावलवाना॥ जोदुषपाइतजहितनुप्राना॥ पुनिधरिधी
रकहैनरनाहू॥ लैरथसंगसषातुमजाहू॥ दोहरा॥ सुठसुक
मारकुमारदोऊ॥ जनकसुतासुकमार॥ रथचढाइदिषराइव
न॥ फिरहुगएदिनचार॥ ८५॥ चौपई॥ जौनहिफिरहिधीरदो
ऊभाई॥ सत्यसंधद्रिढव्रतरघुराई॥ तौतुमविनयकरहुकरजो २५२

री॥फिरयैप्रभुमिथुलेसकिसोरी॥जवसीयकाननदेषिडराई
कहेउमोरसिषअवसरुपाई॥सासुससुरअसकहेउसंदेसू॥
पुत्रिफिरीयवनवहुतकलेसू॥पितुगृहकवहुकवहुससुरारी
रहेउजहांरुचिहोइतुमारी॥इहविधिकरहुउपाइकदंवा॥फि
रैतहोइप्रानअवलंवा॥नाहितमोरमरनपरनामा॥कछुन।
वसाइभएविधवामा॥असकहिमुरछिपरामहिराऊ॥राम।
लषनसीयआनदिषाऊ॥दोहरा॥पायरजाइसुनाइसिरु॥र
थअतिवेगवनाइ॥गयेजहांवाहरनगर॥सीयसहितदोऊ
भाइ॥८२॥चौपई॥तवसुमंत्रनृपवचनसुनाए॥करिविनती
रथरामचढाए॥चढिरथसीयसहतदोऊभाई॥चलेहृदेअव
धहिसिरुनाई॥चलतरामलषिअवधअनाथा॥विकललो
गसवलागेसाथा॥कृपासिंधुवहुविधसमुझावहि॥फिरहि
प्रेमवसिपुनफिरआवहि॥लागतअवधभयावनभारी॥।
मानहुकालरात्रिअंधियारी॥घोरजंतसमपुरनरनारी॥डर
पहिएकहिएकनिहारी॥घरमसानपरिजनजनुभूता॥सु

॥तु॰रा॥ ॥अय॥ ॥१५३॥ तहितमीतमनहुजमदूता॥ वागनविटपवेलकुमिलाही॥ सरि
तसरोवरदेषिनजाही॥ दोहरा॥ हयगयकोटिन्हकेलिमृग॥
पुरपसुचातकमोर॥ पिकरथांगसुकसारिका॥ सारसहंससचको
र॥८७॥ चौपई॥ रामवियोगविकलसवठाढे॥ जहतहमनहु
चित्रलिषकाढे॥ नगरसफलवनगहिवरभारी॥ षगमृगवि
पुलसकलनरनारी॥ विधिकैकेईकिरातिनकीन्ही॥ जिहि
दवदुसहदसहुदिसदीन्ही॥ सहनसकेरघुवरविरहागी॥ च
लेलोगसवव्याकुलभागी॥ सवहिविचारकीन्हमनमाही॥
रामलषनसीयविनुसुषनाही॥ जहारामतहासकलसमाजू
विनुरघुवीरअवधनहिकाजू॥ चलेसाथअसमंत्रदृढाई॥ सु
रदुर्लभसुषसदनविहाई॥ रामचरनपंकजप्रियजिन्हही॥ वि
षयभोगवसिकरहिकितिन्हही॥ दोहरा॥ वालकवृद्धविहाय
गृह॥ लगेलोगसवसाथ॥ तमसातीरनिवासुकीय॥ प्रथम
दिवसरघुनाथ॥८८॥ चौपई॥ रघुपतिप्रजाप्रेमवसिदेषी॥
सभहिहृदयदुषभयोविशेषी॥ करुनामयरघुनाथगुसाई॥ १५३

वेगपाइयहिपीरपराई॥ कहिसप्रेममृदुवचनसुहाए॥ वहुविध
रामलोगसमुझाए॥ कीयेधरमउपदेसघनेरे॥ लोगप्रेमवसफिर।
रहिनफेरे॥ सीलसनेहछाडिनहिजाई॥ असमंजसवसभेरघु।
राई॥ लोगसोगश्रमवससैगेसोई॥ कछुकदेवमायामतिगोई॥।
जवहिजामयुगजामिनिवीती॥ रामसचिवसनकहेउसप्रीती॥
षोजमारिरथहांकहुताता॥ आनउपाइवनैनहिवाता॥ दोहरा
रामलषनसीयजानचढि॥ शंभुचरननसिरुनाइ॥ सचिवचला
योतुरतरथ॥ इतउतषोजदुराइ॥ ८५॥ चौपई॥ जागेसकललो
गभयभोरू॥ गैरघुनाथभयाअतिसोरू॥ रथकरषोजकतहुन
हिपावहि॥ रामरामकहिचहुदिशिधावहि॥ मनहुवारिनिधिवू
डिजहाजू॥ भयोविकलवडवनकसमाजू॥ एककहिएकदेहिउ
पदेसू॥ तजेरामहमजानकलेसू॥ निंदहिआपसराहहिमीना॥
धृगुजीवनरघुनाथविहीना॥ जौपैप्रियवियोगविधिकीन्हा॥
तौकसमरननमागेदीन्हा॥ इहविधकरतविलापकलापा॥।
आएअवधभरेपरितापा॥ विषमवियोगनजाइवषाना॥ अव

॥तु॥रा॥ धर्म्मधाम सव राषहि प्राना॥ दोहरा॥ रामदरस हित नेम व्रत॥ लगे क
॥अयो॥ रन नर नारि॥ मनहु कोक कोकी कमल दीन विहीन तमारि॥८०॥
॥२५४॥ चौपई॥ सीता सचिव सहित दोऊ भाई॥ स्रिंगवेरपुर पहुचे जाई॥
उतरे राम देवसरि देषी॥ कीन्ह दंडवत हरष विशेषी॥ लषन स
चिव सीय कीये प्रनामा॥ सवहि सहित सुष पायो रामा॥ गंग स
कल मुद मंगल मूला॥ सव सुष करनि हरनि सव सूला॥ कहि
कहि कोटक कथा प्रसंगा॥ राम विलोकहि गंग तरंगा॥ सचि
वहि अनुजहि प्रयहि सुनाई॥ विवुधि नदी महिमा अधिकाई॥
मज्जन कीन्ह पंथ श्रम गयो॥ सुचि जल पीयत मुदित मन भ
यो॥ सुमिरत जांहि मिटहि श्रम भारू॥ तिह श्रम एहि लौकिक
व्यवहारू॥ दोहरा॥ शुद्धि सच्चिदानंदमय कंद भानुकुल केतु॥
चरत करत नर अनुहरत॥ संसृत सागर सेतु॥८॥ चौपई॥ इह
सुधि गुह निषाद जव पाई॥ मुदित लीये प्रिय वंधु वुलाई॥ लेय फ
ल मूल भेट भर भारा॥ मिलन चल्यो हीये हरष अपारा॥ कर दं
डवत भेट धरि आगे॥ प्रभुहि विलोकत अति अनुरागे॥ सहज ॥२५४

सनेहुबिबसरघुराई॥ पूछीकुशलनिकटबैठाई॥ नाथकुशलप
दपंकजदेषे॥ भयेभागभाजनजनुलेषे॥ देवधरनधनधामतु
म्हारा॥ मैजननीचसहितपरवारा॥ कृपाकरीयेपुरधारीयपां
ऊ॥ थापीयजनुसबलोकसहांऊ॥ कहिहुसत्यसबसषासु
जाना॥ मोहिदीन्हपितआयसुआना॥ दोहरा॥ बरषचारदस
बासुबन॥ मुनिब्रतवेषअहारु॥ ग्रामबासनहीउचितसुनगु
हहिभयोदुषभारु॥ ८८॥ चौपई॥ रामलषनसीयरूपनिहारी
कहहिसप्रेमग्रामनरनारी॥ तेपितुमातकहहुसषिकैसे॥ जि
न्हपठएबनबालकऐसे॥ एककहहिभलभूपतिकीन्हा॥
लोचनलाहुहमहिविधिदीन्हा॥ तबनिषादपतिउरअनुमा
ना॥ तरसिंसुपामनोहरजाना॥ लैरघुनाथहिठावदिषावा॥
कह्योरामसबभांतिसुहावा॥ पुरजनकरिजुहारघरिआए॥ र
घुवरसंध्याकरनसिधाए॥ गुहसवारसाथरीडसाई॥ कुशकि
शलयमयमृदुलसुहाई॥ सुचिफलमूलमधुरमृदुजानी॥ दो
नाभरिभरिराषसिआनी॥ दोहरा॥ सीयसुमंत्रभ्रातासहित॥

॥तु॥रा॥ कंदमूलफलषाइ॥ शयनकीन्हरघुवंशमणि॥ पाइपलोटतभा
॥अय॥ इ॥ ८३॥ चौपई॥ उठेलषनप्रभुसोवतजानी॥ कहिसचिवहिसोव
॥२५५॥ नमृदुवानी॥ कछुकदूरसजवानसरासन॥ जागनलगेवैठवी
रासन॥ गुहवुलाइपाहरूप्रतीती॥ ठांवठांवराषेअतिप्रीती॥
आपलषनपहिवैठेउजाई॥ कटिभाथासरचापचढाई॥ सोवा
तप्रभहिनिहारनिषादू॥ भयोप्रेमवससिहृदयविषादू॥ तनपु
लकितजललोचनवहई॥ वचनसप्रेमलषनसनकहई॥ भू
पतिभवनसुभाइसुहावा॥ सुरपतिसदननिपटतरपावा॥ म
णिमयरचितरुचिरचौवारे॥ जनुरतिपतिनिजहाथसवारे॥
दोहरा॥ सुचिसुविचित्रसुभोगमयसुमनसुगंधसुवास॥ पलं
गमंजुमनिदीपजहं॥ सवविधिसकलसुपास॥ ८४॥ चौपई॥
विविधवसनउपधानतुराई॥ छीरफेनमृदुविसदसुहाई॥ तहंसी
यरामशयननिशकरहीं॥ निजछवरतिमनोजमदहरहीं॥ ते
सीयरामसाथरीसोए॥ श्रमतवसनविनुजाहिनजोए॥ मातपि
तापरिजनपुरवासी॥ सषासुशीलदाससअरुदासी॥ जुगवहि २५५

जिन्हहिप्रानकीनाईं॥ महिसोवततेरामगुसाईं॥ पिताजनकज
गविदितप्रभाऊ॥ ससुरसुरेससषारघुराऊ॥ रामचंद्रपतिसोवै॥
देही॥ सोवतमहिविधिवामनिकेही॥ सीयरघुवीरकिकानन
योगू॥ करमप्रधानसत्यकहिलोगू॥ दोहा॥ कैकयनंदनिमं
दमति॥ कठनकुटिलपनकीन्ह॥ जिहिरघुनंदनजानकिहि॥
सुषअवसरदुषदीन्ह॥ ९१॥ चौपई॥ भैदिनकरकुलविटपकु
ठारी॥ कुमतिकीन्हसवविश्वदुषारी॥ भयोविषादनिषादहि
भारी॥ रामसीयमहिसयननिहारी॥ वोलेलषनमधुरमृदुवा
नी॥ ज्ञानवैरागभगतिरससानी॥ काहुनकोसुषदुषकरदाता॥
निजकृतकरमभोगसुनभ्राता॥ जोगवियोगभोगभलमंदा॥
हितअनहितमध्यमभ्रमफंदा॥ जन्ममरनजहलगजगजा॥
लू॥ संपतविपतिकरमअरुकालू॥ स्वरगनरकजहलगव्य
वहारू॥ धरनिधामधनपुरपरवारू॥ देषियसुनियगुनियम
नमाही॥ मोहमूलपरमारथनाही॥ दोहा॥ सपनेहोइभिषा
रनृप॥ रंकनाकपतिहोइ॥ जागेलाभनहानकछु॥ तिमप्रपं

॥तु॥रा॥
॥अयो॥
॥२५६॥

चजीयजोइ॥९२॥चौपई॥असिबिचारनहिकीजीयैरोसू॥काहु
हिबादिनदेईयेदोसू॥मोहनिशासबसोवनहारा॥देषयसप।
नअनेकप्रकारा॥इहजगजामिनजागहियोगी॥परमारथी।
परपंचवियोगी॥जानीयतवहजीवजगजागा॥जवसववविष
यविलासविरागा॥होइविवेकमोहभ्रमभागा॥तवरघुनाथ
चरनअनुरागा॥सषापरमपरमारथएहू॥मनक्रमवचनरा।
मपदनेहू॥रामब्रह्मपरमारथरूपा॥अविगतअलषअना।
दिअनूपा॥सकलविकाररहतगतभेदा॥कहिनितनेतनि
रूपहिवेदा॥दोहा॥भगतभूमिभूसुरसुरभिसुरहितलागि
कृपाल॥करतचरितधरमनुजतन॥सुनतमिटहिजगजाल
९३॥चौपई॥सषासमझिअसपरिहरमोहू॥सीयरघुवीरचर।
नरतिहोहू॥कहतरामगुनभाभिनसारा॥जागेजगमंगलदा
तारा॥सकलसौचकरिरामनहावा॥सुचसुजानवटछीरमगावा
अनुजसहितसिरजटावनाए॥देषिसुमंत्रनयनजलछाए॥
हृदयदाहुअतिवदनमलीना॥कहकरजोरवचनअतिदीना। ॥२५६॥

ना॥ नाथ कहेउ अस कोशलनाथा॥ लै रथ जाहु राम के साथा॥ व
न दिखाइ सुरसरि अन्हवाई॥ आनेहु फेर वेग दोउ भाई॥ लषन
राम सीय आनेहु फेरी॥ संसय सकल सकोच निवेरी॥ दोहरा॥
नृप अस कहेउ गुसाई जस कहै करो वलि सोइ॥ कर विनती पा
यन परेउ॥ दीन्ह वाल जिम रोइ॥ ९४॥ चोपई॥ तात कृपा करि की
जीयै सोई॥ जाते अवध अनाथ न होई॥ मंत्रहि राम उठाइ प्रवोधा॥
तात धरम मग तुम सव सोधा॥ शिव दधीच हरीचंद नरेसा॥ सहे
धरम हित कोटि कलेसा॥ रंतदेव वलि भूप सुजाना॥ धरम धरेउ
सहि संकट नाना॥ धरम न दूसर सत्य समाना॥ आगम निगम
पुराण वषाना॥ मै सोई धरम सुलभ कर पावा॥ तजे तिहु पुर ज
ग अपजस छावा॥ संभावति को अपजस लाहू॥ मरन कोटि
सम दारुण दाहू॥ तुम सन तात वहुत का कहो॥ दीये उतर फि
र पातक लहो॥ दोहरा॥ पितु पद गहि कहि कोटि विध॥ विनय
कर व कर जोर॥ चिंता कवनिहु वात के॥ तात करिय जन मोर॥॥
९५॥ चोपई॥ तुम पुन पितु सम अति हित मोरे॥ विनती करो।

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥१५७॥

तातकरजोरे॥ सबबिधिसोइकरतबतुह्मारे॥ दुषनपावपितुसोच
हमारे॥ सुनरघुनाथसचिवसंवादू॥ भयोसपरजनविकलनि
षादू॥ पुनकछुलषनकहीकटुवानी॥ प्रभवरजेवडअनुचि
तजानी॥ सकुचरामनिजसपथदिवाई॥ लषनसंदेसकहियज
निजाई॥ कहसुमंत्रपुनभूपसंदेसू॥ सहिनसकहिसीयवि
पनकलेसू॥ जिहविधअवधआवफिरसीया॥ सोइरघुवरहि
तुम्हहिकरनीया॥ नतरुनिपटअवलंवविहीना॥ मैनजी
यवजिमजलविनमीना॥ दोहरा॥ पितकेससुरेसकलसुष॥
जवहिजहामनमान॥ तहंतवरहहिसुषेनसीय॥ जवलगि
विपतिविहान॥१००॥ चौपई॥ विनतीभूपकीन्हजिहभाती॥
आरतप्रीतिनसोकहिजाती॥ पितसंदेससुनिकृपानिधाना॥
सीयहिदीन्हसिषकोटविधाना॥ सासुससुरगुरुप्रियपरवा
रू॥ फिरहुतसभकरमिटहुषभारू॥ सुनपतिवचनकहति
वैदेही॥ सुनहुप्रानपतिपरमसनेही॥ प्रभुकरुणामयपरम
विवेकी॥ तजतनरहतछाहजिमछेकी॥ प्रभाजाइकहभानु ॥१५७॥

विहाई। कहंचंद्रिकाचंदतजिजाई॥ पतहिप्रेममयविनयसुना
ई॥ कहतिसचिवसनगिरासुहाई॥ तुह्मपितससुरसरिसहित
कारी॥ उतरुदेउफिरिअनुचितभारी॥ दोहरा॥ आरतिवससन।
मुषभयी॥ विलगनमानवतात॥ आरजसुतपदकमलविनु
वादजहांलगिनात॥१॥ चौपई। पितवैभवविलाससमैडीठा॥
नृपमनिमुकटमिलतपदपीठा॥ सुषनिधानअसपितगृहमो
रे॥ पीयविहीनमनभावनभोरे॥ ससुरचक्रवइकोशलराऊ॥
भुवनचारदसप्रगटप्रभाऊ॥ आगेहोइजिहंसुरपतिलेई॥ अ
र्धसिंघासनआसनदेई॥ ससुरएतादृशअवधनिवासू॥ प्रि
यपरिवारमातसमसासू॥ विनुरघुपतिपदपदमपरागा॥ मो
हिकोसपनेहुसुषदनलागा॥ अगमपंथवनभूमिपहारा॥
करिकेहरिसरसरितअपारा॥ कोलकिरातविहंगकुरंगा॥ मो
हिसवसुषदप्रानप्रियसंगा॥ दोहरा॥ सासससुरसनमोरिहे
ति॥ विनयकरवपरिपाय॥ मोरसोचजनिकरियकछु॥ मैवन
सुषीसुभाय॥२॥ चौपई॥ प्राननाथप्रियदेवरसाथा॥ वीरधु।

॥रा॰ रा॥ रीनधरैधनुभाथा॥ नहिमगश्रमभ्रमदुषमनमोरे॥ मुहिला
॥अयो॥ मोचकरियजनिभोरे॥ सुनसुमंत्रसीयसीतलवानी॥ भयो
॥१५८॥ विकलजनुफणिमणिहानी॥ नयनसूझनहिसुनियन।
काना॥ कहिनसकैकछुअतिअकुलाना॥ रामप्रबोधकी
न्हबहुभाती॥ तदपिहोतनहिसीतलछाती॥ जतनअनेक
कसाथहितकीन्हे॥ उचितउतररघुनंदनदीन्हे॥ मेटिजा
इनहिरामरजाई॥ कठनकरमगतिकछुनबसाई॥ रामल
षनसीयपदसिरुनाई॥ फिरयौबनकजनुमूरगवाई॥ दो॥
रथहांकेउहयरामतन॥ हेरहेरहिहिनाहि॥ देषनिषादवि
षवस॥ धुनहिसीसपछताहि॥ ३॥ चौपई॥ जाँवियोगविक सु
लपसुअैसे॥ प्रजामातुपितजीवहिकैसे॥ वरवसरामसुमंत्र
पठाए॥ सुरसरितीरआपतवआए॥ मांगीनावनकेवटआ
ना॥ कहैतुम्हारमरममैजाना॥ मा॥ नुषकरनमूरिकछुअ
हई॥ चरनकमलरजकहुसवकहही॥ छुअतसिलाभ
ईनारसुहाई॥ पाहनतेनकाठकठिनाई॥ तरनीमुनिघर। ॥१५८॥

नी होइ जाई॥ बाट परे मम नाव उड़ाई॥ जौ प्रभु पार अवस गा च-
हहू॥ मुहि पद पदम पषारन कहहू॥ छंद॥ पद कमल धोइ च-
ढाइ नाव न नाथ उतराई चहौ॥ मुहि राम राउरि आन दसरथ स-
पथ सब साची कहौ॥ बरु तीर मारहु लषन पै जब लग न पाइ
पषारहौ॥ तब लग न तुलसीदास नाथ कृपाल पार उतारहौं॥
सोरठा॥ सुन केवट के बैन॥ प्रेम लपेटे अटपटे॥ बिहसे करु-
नाऐन॥ चितै जानकी लषन तन॥ ४॥ चौपई॥ कृपासिंधु बो-
ले मुसकाई॥ सोइ करु जिह तव नाव न जाई॥ बेग आनु जल
पांय पषारू॥ होत बिलंब उतारहु पारू॥ जासु नाम सुमिरत इ-
क बारा॥ उतरहि नर भव सिंधु अपारा॥ सोई कृपाल केवट-
हि निहोरा॥ जिह जगु कीय तिहु पग ते थोरा॥ पद नष निरष
देवसरि हरषी॥ सुन प्रभु बचन मोह मति करषी॥ केवट राम र- न
जायसु पावा॥ पान कठवता भर लै आवा॥ अति आनंद उम-
गि अनुरागा॥ चरन सरोज पषारन लागा॥ ~~चरन सरोज पषारन ला~~
र॥ बरष सुमन सुर सकल सिहाही॥ यह सम पुंन पुंज कोउ नाही॥

॥तु॥रा॥ ॥दोहरा॥ पदपषारजलपानकरि ॥ आपुसहितपरवार ॥ पितर
॥अयु॥ पारकरप्रभहिपुन ॥ मुदितगयोलैपार ॥ ५ ॥ चौपई ॥ उतरिठा
॥१५५॥ ढभएसुरसरिरेता ॥ रामसीयगुहलषनसमेता ॥ केवटउत
रदंडवतकीन्हा ॥ प्रभुहिसकुचइहनहिकछुदीन्हा ॥ पिय
हीयकीसीयजाननहारी ॥ मनिमुंदरिमनमुदितउतारी ॥
कह्योकृपाललेहुउतराई ॥ केवटचरनगहेअकुलाई ॥ ना
थआजुमैकहानपावा ॥ मिटेदोषदुषदारिददावा ॥ बहुत
कालमैकीन्हमजूरी ॥ आजुदीन्हविधिसभभलिभूरी ॥ अ
वकछुनाथनचाहीयेमोरे ॥ दीनदयालअनुग्रहतोरे ॥ फि
रतीवारमोहिजोईदेवा ॥ सोप्रसादुमैसिरधरलेवा ॥ दोहरा ॥
बहुतकीन्हप्रभलषनसीय ॥ नहिकछुकेवटलेइ ॥ विदीकीन
करुनायतन ॥ भगतविमलवरुदेई ॥ ६ ॥ चौपई ॥ तवमज्जन
करिरघुकुलनाथा ॥ पूजपारथिवनायोमाथा ॥ सीयसुरस
रहिकह्योकरजोरी ॥ मातमनोरथपुरवोमोरी ॥ पतिदेवरसं
गकुशलवहोरी ॥ आइकरोजिहंपूजातोरी ॥ सुनसीयविन ॥१५५

यप्रेमरससानी॥ भइतवविमलवारिवरवानी॥ सुनरघुवीरप्रि
यावैदेही॥ तवप्रभावजगविदितनकेही॥ लोकपहोहिविलो
कतितोरे॥ तुहिसेवहिसिधविधकरजोरे॥ तुह्मजहमहिवडवि
नयसुनाई॥ कृपाकीन्हमोहिदीन्हवडाई॥ तदपिदेविमैंदेव
असीसा॥ सफलहोनहितनिजवागीसा॥ दोहा॥ प्राननाथ
देवरसहितकुशलकोशलाआइ॥ पूजहिसवमनकामना॥
सुजसरहहिजगछाइ॥७॥ चौपई॥ गंगवचनसुनमंगलमूला
मुदितसीयसुरसरिअनुकूला॥ तवप्रभगुहहिकह्योघरजाहू
सुनतसूषमुषभाउरदाहू॥ दीनवचनगुहकहकरजोरी॥ वि
नयसुनहुरघुकुलमणिमोरी॥ नाथसाथरहिपंथिदेषाई॥
करदिनचारचरनशेवकाई॥ जिहवनजाइरहवरघुराई॥ प
रनकुटीमैंकरवसुहाई॥ तवमोहिकरजसदेवरजाई॥ सोइ
करिहौरघुवीरदुहाई॥ सहजसनेहरामलषतासू॥ संगली
न्हगुहहृदयहुलासू॥ पुनिगुहज्ञातवोलसवलीन्हे॥ क
रिपरितोषविदासवकीन्हे॥ चलेसकलतवकरतवषाना॥

॥तु॥रा॥ ॥अय॥ ॥२६०॥

सीलवंतगुनिज्ञाननिधाना ॥दोहरा॥ तवगनपतिशिवसुमर
प्रभु ॥ नाइसुरसरिहिमाथ ॥ सषाअनुजसीयसहिततव ॥ गवन
कीन्हरघुनाथ ॥ ८ ॥चोपई॥ तेहिदिनभयोविटपतरवास ॥ ल
षनसषासवकीन्हसुपास ॥ प्रातक्रयाकरिरघुकुलराई ॥ ती
रथराजुदीषप्रभताई ॥ सचिवसंतश्रद्धाप्रियनारी ॥ माधवस।
रिसमीतहितकारी ॥ चारपदारथभराभंडारू ॥ पुन्यप्रदेसदेस
अतिचारु ॥ छेत्रअगमगढगाढसुहावा ॥ सपनेहुनहिप्रति
पछन्हपावा ॥ सेनसकलतीरथवलवीरा ॥ कलुषअनीक
दलनरनधीरा ॥ संगमसिंहासनसुठिसोहा ॥ छत्रअषयव
टमुनिमनमोहा ॥ चवरजमनअरगंगतरंगा ॥ देषहोहिदुष
दारदभंगा ॥दोहरा॥ सेवहिसुकृतीसाधसुचि ॥ पावहिसवम
नकाम ॥ वंदीवेदपुरानगन ॥ कहहिविमलगुनग्राम ॥ ९ ॥
चोपई॥ कोकहिसकैप्रयागप्रभाऊ ॥ कलुषपुंजकुंजरमृग
राऊ ॥ असतीरथपतिदेषसुहावा ॥ सुषसागररघुपतिसुष
पावा ॥ कहिसीयलषनहिसषहिसुनाई ॥ श्रीमुषतीरथरा ॥ २६०

जवडाई॥ करिप्रनामदेषतवनवागा॥ कहतमहातमअति
अनुरागा॥ इहिविधिआइविलोकीवेनी॥ सिमरतिसकल
सुमंगलदेनी॥ मुदितनहाइकीन्हशिवसेवा॥ पूजिजथावि
धितीरथदेवा॥ तवप्रभभारद्वाजपहिआए॥ करतदंडवततमु
निउरलाए॥ मुनिमनमोदनकछुकहिजाई॥ ब्रह्मानंदरा
सिजनुपाई॥ दोहा॥ दीन्हअसीसमुनीसउर॥ अतिअनंद
असजान॥ लोचनगोचरसुकृतफल॥ मनहुकीयेविधिआ
न॥ १०॥ चौपई॥ कुशलप्रस्नकरिआसनदीन्हे॥ पूजिप्रेमप
रिपूरनकीन्हे॥ कंदमूलफलअंकुरनीके॥ दीयेआनमुनि
मनहुअमीके॥ सीयलषनजनसहितसुहाए॥ अतिरुचिरा
मलषनफलषाए॥ भयोविगतश्रमरामसुषारे॥ भारद्वाज
मुनिवचनउचारे॥ आजसुफलतपतीरथत्यागू॥ आजसुफ
लजपजोगविरागू॥ सफलसकलशुभसाधनसाजू॥ राम
तुम्हहिअवलोकतआजू॥ लाभअवधसुषअवधनदूजी
तुम्हरेदरसआससवपूजी॥ अवकरिकृपादेहुवरुएहू॥

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥१९६॥

निजपदसरसिजसदनसनेह्र॥दोहरा॥करमवचनछाडिछ
ल॥जवलगजनुनतुम्हार॥तवलगसुषसुपनेहुनहीं॥की
ऐकोटिउपचार॥११॥चौपई॥सुनिमुनिवचनरामसुमकाने
भावभगतिआनंदअघाने॥तवरघुपतिमुनसुजसुसुहावा
कोटिभांतकहिसवहिसुनावा॥सोवडसोसवगुनगनगे।
हू॥जिहिमुनीसतुम्हआदरदेहू॥मुनिरघुवीरपरस्परनिव
हीं॥वचनअगोचरसुखअनभवहीं॥इहसुधपाइप्रयागनि
वासी॥वटुतापसमुनिसिधउदासी॥भारद्वाजआश्रमसभ
आए॥देषनदसरथसुअनसुहाए॥रामप्रनामकीन्हसव
काहू॥मुदितभएलहिलोचनलाहू॥देहआसीसपरमसु।
षपाई॥फिरेसराहतसुंदरताई॥दोहरा॥रामकीन्हविश्रा
मनिश॥प्रातप्रयागनहाइ॥चलेसहितसीयलषनजन॥
मुदितमुनहिसिरनाइ॥१२॥चौपई॥रामसप्रेमकह्योमुने
पाहीं॥नाथकहियहमकिहंमगजाहीं॥मुनमनविहस
रामसनकहहीं॥सुगमसकलमगतुमकोअहहीं॥मा। ॥१९६॥

यल्लागिमुनशिष्यवुलाए॥ सुनमनमुदितपचासकआए॥।
सभनरामपर प्रेमअपारा॥ सकलकहहिमगदिषहिहमा।
रा॥ मुनवटुचारसंगतवदीन्हे॥ जिन्हवहुजन्मसुकृतसवकी
न्हे॥ करिप्रणामरिषआयआयसुपाई॥ प्रमुदितहृदयचले
रघुराई॥ ग्रामनिकटनिकसहिजवजाई॥ देषहिदरशनारि
नरधाई॥ होहिसनाथजनमफलपाई॥ फिरहिदुषितमन
संगपठाई॥ दोहरा॥ विदाकीयेवटुविनयकरि॥ फिरेपाइ।
मनकाम॥ उतरनहाएजमुनजल॥ जोशरीरसमस्याम॥ २३
चौपई॥ सुनततीरवासीनरनारी॥ धाएनिजनिजकामवि
सारी॥ लषनरामसीयसुंदरताई॥ देषकरहिनिजभागव।
डाई॥ अतिलालसासवहिमनमाही॥ नांउगांउवूझतिसकु
चाही॥ जेतिन्हमहुंवयरहसयाने॥ तिन्हकरिजुगतराम।
पहिचाने॥ सकलकथातिन्हसवहिसुनाई॥ वनहिचले
पितआयसुपाई॥ सुनिसविषादसकलपछिताही॥ रा।
नीरायकीनभलनाही॥ तिहंअवसरइकतापसआवा॥।

॥त॥रा तेजपुंजलघुवयसिसुहावा॥कविअलषितगतवेषविरागी
॥अयु मनक्रमवचनरामअनुरागी॥दोहा॥सजलनयनतनपुल
॥१६२ कनिजइष्टदेवपहिचान॥परेउदंडजिमधरनितल॥दशा
नजायवषान॥१४॥चौपई॥रामसप्रेमपुलकिउरलावा॥प
रमरंकजनुपारसुपावा॥मनहुंप्रेमपरमारथदोऊ॥मिलत
धरेतनुकहिसबकोऊ॥बहुरिलषनपायनसोइलागा॥ली
न्हउठाइउमगिअनुरागा॥पुनसीयचरनधूरधरसीसा॥ज
ननिजानसिसुदीन्हअसीसा॥कीन्हनिषाददंडवततेही
मिलेउमुदितलषरामसनेही॥पीयतनयनपुटरूपपि
यूषा॥मुदितसुअसनपाइजनुभूषा॥पुनप्रभपदसरोज
सिरनावा॥जानप्रीतवरप्रभमनभावा॥उरधरध्यानरजा
इसुपाई॥चलेमुदितमनअतिहरषाई॥तेपितमातक
हहुसषीकैसे॥जिन्हपठएवनवालककैसे॥रामलषन
सीयरूपनिहारी॥सोचसनेहविकलनरनारी॥चौपई॥दे
तवरघुवीरअनेकविध॥सषद्दसिषावनदीन्ह॥रामरजा ॥१६२॥

इसुमीसधर॥ भवनगवनतिन्हकीन्ह॥१५॥ चौपई॥ पुनसीय
रामलषनकरजोरी॥ जमुनहिकीन्हप्रनामुबहोरी॥ चलेस
सीयसहितमुदितदोऊभाई॥ रवितनुजाकैकरतवडाई॥ प
थिकअनेकमिलहिमगजाता॥ कहहिसप्रेमदेषिदोऊभ्रा
ता॥ राजलषनसवअंगतुम्हारे॥ देषसोचअतिहृदयहमा
रे॥ मारगचलहुपयादेहिपाए॥ जोतिकझूठहमारेभाए॥ अ
गमपंथगिरकाननभारी॥ तिहमहिसाथनारसुकमारी॥।
करिकेहरवनजाइनजोई॥ हमसंगचलहिजोआयसुहोई
जावजहालगतहंपहुचाई॥ फिरववहोहितम्हहिसिरुनाई
दोहरा॥ इहविधिपूछहिप्रेमवसि॥ पुलकगातजलनैन॥ कृ
पासिंधुफेरहितिन्हहि॥ कहविनतीमृदुवैन॥१६॥ चौपई॥
जेपुरगाउवसहिमगमाही॥ तिन्हहिनागसुरनगरसिहाही॥
किहसुकृतीकिहघरीवसाए॥ धंन्यपुंन्यमयपरमसुहाए॥।
जहतहरामचरनचलिजाही॥ तिन्हसमानअमरावतीना।
ही॥ पुंन्यपुंजमगनिकटनिवासी॥ तिन्हहिसराहहिसुरपुर।

॥तु॥रा॥ वासी॥ जोभरिनयनविलोकहिरामहि॥ सीतालषनसहि
॥अयु॥ तघनस्यामहि॥ जेसररसरितरामअवगाहहि॥ तिन्हहिदे
॥२९३॥ वसरसरतसराहहि॥ जिन्हतरुतरिप्रभुवैठहिजाई॥ करहि
कलपतरुतासुवडाई॥ परसरामपदपदमपरागा॥ मान
तभूमिभूरिनिजभागा॥ दोहरा॥ छांहकरहिघनविवुधगा
न॥ वरषहिसुमनसिहाहि॥ देषतगिरवनविहंगमृग॥ रा
मचलेमगजाहि॥१७॥ चौपई॥ सीतालषनसहितरघुराई
गांमनिकटजवनिकसहिजाई॥ सुनसववालवृद्धनरा
नारी॥ चलहितुरतग्रहकाजविसारी॥ रामलषनसीयरू
पनिहारी॥ पायनयनफलहोहिसुषारी॥ सजलविलो
चनपुलकसरीरा॥ सवभएमगनदेषदोउवीरा॥ वरनन
जाइदशातिन्हकेरी॥ लहिजनरंकन्हसुरमनटेरी॥ एक
न्हएकवोलिसिषकाहही॥ लोचनलाहुलेहुछिनमाही
रामहिदेषएकअनुरागे॥ चितवतचलेजाहिसंगलागे॥
एकनयनमगछविउरआनी॥ होहिसिथलतनमनवर ॥२९३॥

बानी॥ एककहहिंहीयकौनमलोने॥ बहुरिककदिआ
वहिइहुगौने॥ दोहरा॥ एकदेषबटछांहिंभल॥ डासि
मृदुलतृणपात॥ कहहिंगवाइयैछिनकश्रम॥ गवनक
अवहिकिप्रात॥ ९८॥ चौपई॥ एककलसभरिआनहिंपा
नी॥ अचियहिनाथकहहिंमृदुबानी॥ सुनिप्रियबचन
प्रीतिअतिदेषी॥ रामकृपालसुशीललषिशेषी॥ जानीश्रमि वि॥
तसीयमनमाही॥ घरीकविलमकीन्हबटछाही॥ मुदि
तनारिनरदेषहिंशोभा॥ रूपअनूपनयनमनुलोभा॥
इकटकसभजोहहिंचहुंओरा॥ रामचंद्रमुषचंदचकोरा॥
तरुनतमालवरनतनमोहा॥ देषतकोटमदनमनमोहा॥
दामिनवरनलषनसुठनीके॥ नषसिषसुभगभावते
जीके॥ मुनिपटकटिनकसेतूनीरा॥ सोहहिंकरकमल
नधनुतीरा॥ दोहरा॥ जटामुकटसीसनसुभग॥ उरभुजन
यनविशाल॥ सरदपरवविधुवदनपर॥ लसतस्वेदकन
जाल॥ ९९॥ चौपई॥ वरननजाइमनोहरजोरी॥ शोभाव।

॥नु॥रा॥ हुतथोरिमतिमोरी॥रामलषनसीयसुंदरताई॥सवचितव
॥अयु॥ हिचितवनमतिलाई॥थकेनारनरप्रेमप्रियासे॥मनहु
॥१६४॥ मृगीमृगदेषदिआसे॥शीयसमीपग्रामतीयजाही॥पू
छतअतिसनेहसकुचाही॥वारवारसवलागहिपाए॥
कहहिवचनमृदुसरलसुभाए॥राजकुमारविनयहम
करही॥तीयसुभावकछुपूछतडरही॥स्वामिनविन
यछमवहमारी॥विलगनमानवजानगवारी॥राजकुवरदो
उसहजसलोने॥इन्हतेलहीदुतिमरकतिसोने॥दोहा
स्यामलगौरकिशोरवर॥सुंदरसुषमाअयन॥सरदश
र्वरीनाथमुष॥सरदसरोरुहनयन॥२०॥चौपई॥कोटम
नोजलजावनिहारे॥सुमुषकहोकोआहितुम्हारे॥सुन
सनेहमयमंजुलवानी॥सकुचिसीयमनुमहुमुसिका
नी॥तिन्हहिविलोकिविलोकितधरनी॥दुहुसकोचस
कुचितवरवरनी॥सकुचसप्रेमवालमृगनयनी॥वोली
मधुरवचनपिकवैनी॥सहजसुभाईसुभगतनगोरे॥ना ॥१६४॥

मलषनलघुदेवरमोरे॥ वहुरिवदनुविधुअंचलढाकी॥ पीय।
तनचितइभौंहकरिवाकी॥ पृयामवरनविशालभुजनैना॥ अ
तिसुंदरवोलतमृदुवैना॥ षंजनमंजुतरीछेनयननि॥ निज
पतिकह्योतिन्हहिसीयसैयननि॥ भईमुदितसवग्रामव।
धूटी॥ रंकन्हरायराशिजनलूटी॥ दोहरा॥ अतिसप्रेमसीय
पांयपरि॥ वहुविधदेहिअसीस॥ सदासुहागनिहोहुतुम्ह।
जवलगिमहिअहिसीस॥ २१॥ चौपई॥ पारवतीसमप्रियप।
तिहोहू॥ देविनहमपरछाडवछोहू॥ पुनिपुनिविनयकरैं
करजोरी॥ जोएहमारगफिरीयेवहोरी॥ दरसनदेवजाननि
जदासी॥ लषीसीयसवप्रेमपियासी॥ मधुरवचनकहिक
हिपरितोषी॥ जनुकुमदनीकोमदीयोपोषी॥ तवहिलष।
नरघुवररुषजानी॥ पुछोमगलोगन्हमृदुवानी॥ सुनत।
नारिनरभएदुषारी॥ पुलकेगातविलोचनवारी॥ मिटामो।
दमनभएमलीने॥ विधिनिधिदीन्हलेतजनुछीने॥ समझि
करमगतिधीरजकीन्हा॥ सोधिसुगममगतिन्हकहिदीन्ह।

॥तु॥रा ॥ऋय॥ ॥२६५॥

दोहरा॥ लषनजानकीसहितितव॥गवनुकीन्हरघुनाथ॥फेरे
सवप्रियवचनकहि॥लीयेलायमनसाथ॥२२॥चौपई॥फि
रतिनारिनरऋतिपछिताही॥दैवहिदोषुदेहिमनमाही॥
सहितविषादपरसिरकहही॥विधकरतवउलटेसवअहही
निपटनिरंकुशनिठुरनिशंकू॥जिहंससिकीन्हसरुजसक
लंकू॥रुषकलपतरुसागरखारा॥तेहिपठएवनराजकुमा
रा॥जौपैइन्हहिदीन्हवनवासू॥कीन्हवादविधभोगवि
लासू॥एविचरहिमहीविनुपगत्राना॥रचेवादविधिवाह
ननाना॥एमहिपरहिडासकुशपाता॥सुभगसेजकतिसृ
जतविधाता॥तरवरवासइन्हहिविधदीन्हा॥धवलधामर
चिरचिश्रमुकीन्हा॥दोहरा॥जौएहमुटिपटधरजटल॥सुंदर
सुठिसुकुमार॥विवधभांतभूषनवसन॥वादकीयेकरतार
२३॥चौपई॥जौएकंदमूलमूलफलषाही॥वादिशुधादि
अशनजगमाही॥एककहहिएहसहजसुहाये॥आपप्र
गटभएविधिनवनाये॥जहलगवेदकहीविधिकरनी॥ ॥२६५॥

श्रवननयननमनगोचरवरनी॥ देषहुयोजभवनदसचारी॥ क
हहुसुरूपकहांअसनारी॥ इन्हहिदेषविधिमनअनुरागा॥
पटतरजोगवनावइलागा॥ कीन्हअमितश्रमएकनआए
तिहिइरषावनआनउराए॥ एककहहिहमवहुतनजानहि
आपुहिपरमधन्यकरिमानहि॥ तेपुनिपुन्यपुंजहमलेषे॥
जेदेषैदेषहिजिन्हदेषे॥ दोहरा॥ एहिविधिकहिकहिवच
नप्रिय॥ लेहिनयनभिरनीर॥ किमिचलिहहिमारगअग
म॥ सुठिसुकुमारसरीर॥ २८॥ चौपई॥ नारिसनेहविकलस
वहोही॥ चकईसांझसमैजनुमोही॥ मृदुपदकमलकठि
नमगजानी॥ गहवरहृदयकहहिवरवानी॥ परसतमृदुल
चरनअरुनारे॥ सकुचितमहिजिमिहृदयहमारे॥ जोज
गदीसइन्हहिवनदीन्हा॥ कसनसुमनमयमारगकीन्हा॥
जोमांगापाइयेविधिपांही॥ एराखीयसषीआंषन्हमांही॥
जेनरनारिनअवसरआए॥ तिन्हसीयरामनदेषनपाए॥
सुनसुरूपपछहिअकुलाई॥ अवलगगएकहांलगिभाई॥

॥तु॥रा॥ समरथधाइविलोकहिजाई॥प्रमुदितफिरहिजनमफलपाई
॥अयु॥ दोहरा॥अबलबालकवृद्धजन॥करमीजहिपछुताहि॥होहि
॥१६६॥ प्रेमवसलोकइमराममजहांजहंजाहि॥२५॥चौपई॥गांवगांव
असहोइअनंदू॥देषभानुकुलकैरवचंदू॥जेकछुसमाचार
सुनिपावहि॥तेनृपरानिहिदोसुलगावहि॥कहहिएकअ
तिभलनरनाहू॥दीन्हहमहिजिहिलोचनलाहू॥कहहि।
परसपरलोगलुगाई॥बातैंसरलसनेहसुहाई॥तेपितुमातध
न्यजिन्हजाए॥धन्यसोनगरुजहांतेआए॥धन्यसोदेसशैल
वनगांऊं॥जहंजहंजाहिधन्यसोगांऊं॥सुखपायोविरंचरचि
तेही॥एहजिन्हकेसबभांतसनेही॥रामलषनपथिककथा
सुहाई॥रहीसकलमगकाननछाई॥दोहरा॥इहविधिरघु
कुलकमलरवि॥मगलोगन्हसुखदेत॥जाहिचलेदेषतवि
पनसीयसोमित्रसमेत॥२६॥चौपई॥आगेरामलषनवने।
पाछे॥तापसभेषविराजतकाछे॥उभयवीचसीयसोहति
कैसे॥ब्रह्मजीवविचमायाजैसे॥वहुरिकहोंछविजससमन १६६॥

वसई॥जनुमधुमदनमध्यरतिलसई॥उपमांवहुरिकहौंजी
यजोही॥जनुवुधविधुविचरोहनिसोही॥प्रभुपदरेषवीचवि
चसीता॥धरतचरनमगचलतसभीता॥सीयरामपदअंक
वराए॥लषनचलहिमगदाहिनलाए॥रामलषनसीयप्री
तिसुहाई॥वचनअगोचरकिमिकहिजाई॥षगमृगदेषि
मगनछविहोही॥लीयेचोरचित्तरामवटोही॥दोहरा॥जि
न्हजिन्हदेषेपथिकप्रिय॥सीयसमेतदोऊभाइ॥भवमग
अगमअनंदतें॥विनुश्रमरहेसिरुनाई॥२७॥चौपई॥अ
जहुंजासुउरसपनेहुंकाऊ॥वसहिलषनसीयरामवटाऊ
रामधामपथपाइहिसोई॥जोपथपावकवहुमुनिकोई॥
तवरघुवीरश्रमितसीयजानी॥देषनिकटवटसीतलपा
नी॥तहवसिकंदमूलफलषाई॥प्रातनहाइचलेरघुराई॥
देषतवनसरसैलसुहाए॥वालमीकआश्रमप्रभुआए॥रा
मदेषमुनिवासुसुहावन॥सुंदरगिरकाननजलपावन॥
सरनसरोजविटपवनफूले॥गुंजतमंजुमधुपरसभूले॥

॥तु॥रा षगम्रगविपुलकलाहलकरही॥हरितमेवैरुमुदितमन
॥अयु चरही॥दोहरा॥सुचिसुंदरआश्रमनिरष॥हरषेराजीवन।
॥१६७ यन॥सुनरघुवरआगमनमुन॥आगेआयोलैन॥१२४॥चौ
मुनकहुरामदंडवतकीन्हा॥आशिरवादविप्रवरदीन्हा॥
देषरामछविनयनजुडाने॥करसनमानआश्रमहिआने
मुनिवरअतिथप्रानप्रियपाए॥कंदमूलफलमधुरमगा।
ए॥सीयसोमित्ररामफलषाए॥तवमुनिआसनदीयेसुहा।
ए॥वालमीकमनआनंदभारी॥मंगलमूरतिनयननि।
हारी॥तवकरकमलजोररघुराई॥बोलेवचनश्रवनसुष।
दाई॥तुह्मत्रिकालदरशीमुनिनाथा॥विश्ववद्रफलजिम
तवहाथा॥असकहिप्रभसवकथावषानी॥जिहजिह
भांतदीन्हवनरानी॥दोहरा॥तातवचनपुनमातहित॥
भाइभरतअसराउ॥मोकहुदरसतुह्मारप्रभ॥सबमम।
पुन्यप्रभाउ॥१२५॥चौपई॥देषपांयमुनिराईतुह्मारे॥भए
सुकृतसवसफलहमारे॥अवजहंराउरआइसुहोई॥। १६७॥

मुनि उद्वेग न पावै कोई॥ मुनि तापस जिन्ह ते दुष लहही॥
ते नरेस विनु पावक दहही॥ मंगल मूल विप्र परितोषू॥ दह
ई कोटि कुल भूसुर रोषू॥ अस जीय जानि कहीय सो ठाऊं॥
सीय सोमित्र सहित जह जाऊं॥ तहं रचि रुचिर परन तृण
शाला॥ वासु करौं कछु काल कृपाला॥ सहज सरल सुने
रघुवर वानी॥ साधु साधु वोला मुनि ज्ञानी॥ कस न कहहु
अस रघुकुलकेतू॥ तुम्ह पालक संतत श्रुति सेतू॥ छंद
श्रुति सेतु पाल राम तुम्ह जगदीस माया जानकी॥ जो सृ
जति जग पालति हरति रुष पाइ कृपानिधान की॥ जो सह
ससीस अहीस महिधर लषन सचराचर धनी॥ सुर का
ज धर नरराज तनु चले दलन षल निसिचर अनी॥ सोरठा॥
राम सरूप तुम्हार॥ वचन अगोचर वुद्धि पर॥ अविगत अ
कथ अपार॥ नेत नेत नित निगम कहि॥ ३०॥ चोपई॥ ज
गु पेषन तुम्ह देषनहारे॥ विधि हरि शंभु नचावनहारे॥ ते
ऊ न जानहि मरम तुम्हारा॥ और तुम्हहि को जाननहारा॥

॥रा॥रा
॥अयु
॥१६८

सोइजानेजिह्देहुजनाई॥जानततुम्हहितुम्हहोइजाई॥
तुम्हरीकृपातुम्हहिरघुनंदन॥जानहिभक्तभक्तउरचंदन॥
चिदानंदमयदेहतुम्हारी॥विगतिविकारजानअधिका
री॥नरतनधरेहुसंतसुरकाजा॥कहहुकरहुजसप्राकृत
राजा॥रामदेषसुनिचरिततुम्हारे॥जडमोहहिबुधहोहि
सुषारे॥तुम्हजोकहहुकरहुसवसांचा॥जसकांछीयत
सचाहीयनाचा॥दोहरा॥पूछहुमुहिकिरहोंकहा॥मैं
पूछतसकुचाउं॥जहनहोहुतहदेहुकहि॥तुम्हहिदिषा
वोठाउं॥३२॥चौपई॥सुनिमुनिवचनप्रेमरससाने॥सकु
चिराममनमहुमुसकाने॥वालमीकहसिकहहिबहोरी
वानीमधुरअमीयरसवोरी॥सुनहुरामअवकहोनिके
ता॥जहांवसहुसीयलषनसमेता॥जिन्हकेश्रवणस
मुद्रसमाना॥कथातुम्हारिसुभगसरिनाना॥भरहिनिरं
तरहोहिनपूरे॥तिन्हकेहियतुम्हकहुंगृहरूरे॥लोचनचा
तकजिन्हकरिराषे॥रहहिदरसजलधरअभिलाषे॥। १६६॥

निदरहिमरितसिंधुसरभारी ॥ रूपविंदुजलहोहिसुषारी ॥
तिन्हकेहृदयसदनसुषदायक ॥ वसहुवंधुसीयसहरिघ
नायक ॥ दोहरा ॥ जसतसारमानसविमलहंसिनिजीहा
जासु ॥ मुकताहलगुनगनचुगै ॥ रामवसहुमनतासु ॥ ३२
चौपई ॥ प्रभुप्रसादसुचिशुभगसुवासा ॥ सादरजासुलहै
नितनासा ॥ तुम्हहिनिवेदतभोजनकरहीं ॥ प्रभुप्रसाद
पटभूषनधरहीं ॥ सीसनवहिसुरगुरहिजदेषी ॥ प्रीतसह
तकरिविनयविशेषी ॥ करनितकरहिरामपदपूजा ॥ रा
मभरोससहृदैनहिदूजा ॥ चरनरामतीरथचलजाहीं ॥ राम
वसहुतिन्हकेमनमाहीं ॥ मंत्रराजनितजपहितसारा ॥
पूजहितुसहितपरवारा ॥ तरपनहोंमकरहिविधनाना ॥
विप्रजेंवाइदेहिवहुदाना ॥ तुसतेअधिकगुरहिजीयजा
नी ॥ सकलभायसेवहिसनमानी ॥ दोहरा ॥ सवकरिमां
गहिएकफल ॥ रामचरनरतिहोउ ॥ तिन्हकेमनमंदरवा ॥
सहुसीयरघुनंदनदोउ ॥ ३३ ॥ चौपई ॥ कामकोहमदमा ॥

॥चु॥रा॥ न न मोहा॥ लोभ न छोभ न राग न द्रोहा॥ जिन्ह के कपट दंभ
॥अयु॥ नहि माया॥ तिन्ह के हृदय बसहु रघुराया॥ सब के प्रिय सब
॥२६५॥ के हितकारी॥ सुष दुष सरिस प्रसंसा गारी॥ कहहि सत्य प्रि
य बचन बिचारी॥ जागत सोवत शरण तुम्हारी॥ तुम्हहि छा
डि गति दूसर नाही॥ राम बसहु तिन्ह के मन माही॥ जन
नी सम जानहि परनारी॥ धनु पराव बिष ते बिष भारी॥ जे
हरषहि पर संपति देषी॥ दुषित होहि पर बिपति बिशेषी॥
जिन्हहि राम तुम्ह परम पियारे॥ तिन्ह के मन शुभ सदन तु
म्हारे॥ दोहा॥ स्वामि सषा पितु मातु गुरु॥ जिन्ह के सब तु
म्ह तात॥ मन मंदिर तिन्ह के बसहु॥ सीय सहित दोऊ भ्रात
३८॥ चौपई॥ अवगुन तजि सब के गुन गहही॥ बिप्र धेनु हि
त संकट सहही॥ नीति निपुन जिन्ह क जग लीका॥ घर तु
म्हार तिन्ह कर मन नीका॥ गुन तुम्हार समुझै निज दोसा
जिहि सब भांति तुम्हार भरोसा॥ राम भगत प्रिय लागे जेही
तिहि उर बसहु सहित बैदेही॥ जाति पाति धनु धर्म बडाई ॥२६५॥

प्रियपरवारसदनसुषदाई॥समतजितुम्हहिरहैंलिवला
ई॥तिन्हकेहृदयरहहुरघुराई॥स्वर्गनर्कअपवर्गसमाना
जिन्हतन्हदेषधरेधनुवाना॥कर्मवचनमनराउरचेरा॥रा
मकरहुतिन्हकेउरडेरा॥दोहरा॥जाहिनचाहियकवहु
नस कछुतुम्हसँसहजसनेहु॥वसहुनिरंतरतासुमनसोराउर
निजगेहु॥३५॥चौपई॥इहिविधिमुनिवरभवनदिषा
ए॥वचनसप्रेमराममनभाए॥कहिमुनिसुनहुभानुकु
लनायक॥आश्रमकहौसमयसुषदायक॥चित्रकूटगि
रकरहुनिवासू॥जहितुम्हारसवभांतसुपासू॥शैलँहा सु
वनकाननचारू॥करिकेहरमृगविहंगविहारू॥नदी
पुनीतपुराणवषानी॥अत्रप्रियानिजतपवलआनी॥
सुरसरिधारनाउमंदाकिन॥जोसवपातकपोतकडाकि
न॥अत्रआदिमुनवरवहुवसही॥करहिजोगजपतप
तनकसही॥चलहुसफलश्रमसवकरकरहू॥राम
देहुगौरवगिरवरहू॥दोहरा॥चित्रकूटमहिमाअमित

॥तु॥रा
॥अय
॥१२०

कहीमहामुनिगाइ॥ आयनहोएसरितवरसीयसमेतदोउ
भाइ॥३६॥ चौपई॥ रघुवरकह्योलषनभलघाटू॥ करहुकत
हुअवठाहरठाटू॥ लषनदीषपयउतरकरारा॥ चहुदिसि
फिर्योधनुषजिमिनारा॥ नदीपनचसरसमदमदाना॥ स
कलकलुषकलिसाउजनाना॥ चित्रकूटजनुअचलअहे
री॥ चुकेनघातमारमुठभेरी॥ असकहिलषनठांउदिषरा
वा॥ थलविलोकरघुवरसुषपावा॥ रम्योराममनदेवन्ह
जाना॥ चलेसहितसुरपतिपरधाना॥ कोलकिरातवेषव
नआए॥ रचेपरनतृनसदनसुहाए॥ वरनिनजाहिमंजुदु
इशाला॥ एकललितलघुएकविशाला॥ दोहरा॥ लषन
जानकीसहितप्रभ॥ राजतरुचिरनिकेत॥ सोहिमदन।
मुनिवेषजनुरतिरितराजसमेत॥३७॥ चौपई॥ अमरना
गकिंनरदिसपाला॥ चित्रकूटआएतिहकाला॥ रामप्र
नामकीन्हसभकाहू॥ मुदितदेवलहिलोचनलाहू॥ वर
षसुमनकहदेवसमाजू॥ नाथसनाथभएहमआजू॥ ॥ १२०॥

करिबिनतीदुषदुसहसुनाए॥हरषितनिजनिजसदनसि
धाए॥चित्रकूटरघुनंदनछाए॥समाचारसुनिसुनिमुनि
आए॥आवतदेषमुदितमुनिबृंदा॥कीन्हदंडवतरघुकु
लचंदा॥मुनिरघुबरहिलाइउरलेही॥सुफलहोनहित
आशिषदेही॥सीयसौमित्ररामछबिदेषहि॥साधनसक
लसुफलकरिलेषहि॥दोहरा॥यथायोगसनमानप्रभु॥
बिदाकीयेमुनिबृंद॥करहियोगजपयज्ञतप॥निजआश्रमस
न्हिसुछंद॥२८॥चौपई॥इहसुधकोलकिरातनिपाई॥ह
रषेजनुनवनिधघरिआई॥कंदमूलफलभरिभरिदोना॥
चलेरंकजनुलूटनसोना॥तिन्हमहिजिन्हदेषेदोऊभ्रा
ता॥अपरतिन्हपूछहिमगजाता॥कहतसुनतरघुबीरनि
काई॥आइसबन्हदेषेरघुराई॥करहिजुहारिभेटधरिआ
आ गे॥प्रभुहिबिलोकैंअतिअनुरागे॥चित्रलिषेजनुजहितहि
ठाढे॥पुलकसरीरनयनजलबाढे॥रामसनेहमगनसब
जाने॥कहिप्रियवचनसकलसनमाने॥प्रभुहिजुहा

॥अयु॥ खदोरिवहोरी॥ वचनविनीतसकलकहहिकरजोरी॥
॥नु॥ रा दोहरा॥ अवहमनाथसनाथसवभएदेषप्रभुपाय॥ मा
॥२१ गहमारेआगमनु॥ राउरकौशलराय॥ ३९॥ चौपई॥ धर्म
भूमिवनपंथपहारा॥ जहिजहिनाथपाउतुसधारा॥ ध
न्यविहंगमगकाननचारी॥ सफलजन्मभएतुसहिनि
हारी॥ हमसवधन्यसहितपरवारा॥ देषदर्शभरिनयन
तुम्हारा॥ कीन्हवासुभलठांउविचारी॥ इहासकलरितु
रहवसुषारी॥ हमसवभांतकरवशेवकाई॥ करिकेहरि
अहिवाघवराई॥ वनवेहडगिरकंदरषोहा॥ सवहमा
रप्रभुपगपगजोहा॥ जहंतहंतुसहिअहेरषिलावह॥
सरनिरझरभलठाउंदिषावह॥ हमशेवकपरिवारसमे
ता॥ नाथनसकचवआयसुदेता॥ दोहरा॥ वेदवचनः
मुनिमनअगम॥ तेप्रभुकरुनाअयन॥ वचनकिरा
तन्हकेसुनत॥ जिमपितुवालकवयन॥ ४०॥ चौपई॥
रामहिकेवलप्रेमपियारा॥ जानलेहुजोजाननहारा॥ ॥२१

रामसकलवनचरतवपोषे॥कहिमृदुवचनप्रेमपरितो
षे॥विदाकीयसिरुनाइसिधाए॥प्रभगुनकहतसुनत
घरिआए॥इहिविधिसीयसमेतदोउभाई॥वसहिविप
नसुरमुनिसुषदाई॥जवतेंआइरहेरघुनायक॥तवते
भावनमंगलदायक॥फूलहिफलहिविटपविधि।
नाना॥मंजुललितवरवेलविताना॥सुरतरुसरिस।
सुभायसुहाए॥मनहुविवुधवनपरिहरिआए॥गुंजा।
मंजुतरुमधुकरश्रेनी॥त्रिविधवयारवहैसुषदेनी॥दो
हा॥नीलकंठकलकंठिसुकचातकचक्रचकोर॥भां।
तभांतवोलहिविहंग॥श्रवनसुषदचितचोर॥४२॥चौ
पई॥करिकेहरकपकोलकुरंगा॥विगतवैरविचरहि
सवसंगा॥फिरतअहेररामछविदेषी॥होहिमुदित
मृगवृंदविशेषी॥विविधविपनजहिलगजगमाही
देषरामवनसकलसिहाही॥सुरसरसरसयदिनक
रकंन्या॥मेकलसुतागोदावरिधंन्या॥सवसरसिंधुन

।।तु।।रा दीनदनाना।।मंदाकिनकरकरहिवषाना।।उदयअस्तगि
।।अयो रिअरुकैलासू।।मंदरमेरुसकलसुरवासू।।शैलहिमा
।।१७२ चलआदिकजेते।।चित्रकूटजसुगावहितेते।।विंधमु
दितमनसुषनसमाई।।श्रमविनुविपुलवडाईपाई।दो
चित्रकूटकेविहंगमृग।।वेलविटपतृणजात।।पुंन्यपुं
जसवधन्यअसकहहिदेवदिनरात।।४२।।चौपई।।नय
नवंतरघुवरहिविलोकी।।पायजन्मफलहोहिविशो
की।।परशचरनरजअचरसुषारी।।भएपरमपदकेअ
धिकारी।।सोवनशैलसुभाइसुहावन।।मंगलयअति म।।
पावनपावन।।महिमाकहीयकवनविधितासू।।सु
षसागरजहकीन्हनिवासू।।पयपयोधितजिअवधवि
हाई।।जहसीयलषनरामरहिआई।।कहनसकहि
सुषमाजसकानन।।जोशतसहसहोइसहसानन
सोमैवरनकहोविधिकेही।।डावरकमठकिमंदरा
हीं।सेवहिलषनकरममनवानी।।जाइनशीलसने ।।१७२।।

हवषानी॥दोहरा॥छिनछिनलषिसीयरामपद॥जान
आपपरनेह॥करतनसपनेहुलषनसुधि॥वंधुमात
पितगेह॥४३॥चौपई॥रामसंगसीयरहतिसुषारी॥पुर
परिजनगृहसुरतविसारी॥छिनछिनपीयविधुवद
ननिहारी॥प्रमुदितमनहुचकारकुमारी॥नाहनेहु
नितवढतविलोकी॥हरषितरहतदिवसजिमकोकी
सीयमनरामचरणअनरागा॥अवधसहससमवन
प्रियलागा॥परनकुटीप्रियप्रीतमसंगा॥प्रियपरवा
रकुरंगविहंगा॥सासुससुरसममनितीयमनिवर॥
असनअमीयसमकंदमूलफर॥नाथसाथसाथरी
सुहाई॥मयनसयनसीयसमसुषदाई॥लोकपहो
हिविलोकतजासु॥तिहिकिमोहिसकविषयविला
सु॥दोहरा॥सुमिरतरामहित्तजहिजन॥तनसमवि
षयविलासु॥रामप्रियाजगजननिसिय॥कछुआ
चरजुनतासु॥४४॥चौपई॥सीयलषनजिहविधसुष

॥तु॥रा लहही॥ सोइरघुनायककरहिंसोकहही॥ कहहिपुरान
॥अर नकथापुरानी॥ सुनहिलषनसीयअतिसुषमानी॥
॥२७३॥ जवजवरामअवधसुधिकरही॥ तवतववारिविलो
चनभरही॥ सुमिरमातपितपरिजनभाई॥ भरथस
नेहशीलसेवकाई॥ कृपासिंधुप्रभहोहिदुषारी॥ धी
रजुधरहिकुसमसोविचारी॥ लषसीयलषनविकलहो
इजाही॥ जिमपुरुषहिअनसरपरिछाही॥ प्रियावं
धुगतिलषरघुनंदन॥ धीरकृपालभगतउरचंदन॥
लगेंकहनकछुकथापुनीता॥ सुनसुषलहैलष
नअरुसीता॥ दोहरा॥ रामलषनसीतासहित॥ सोह
तपरननिकेत॥ जिमवासववसिअमरपुर॥ सचीज
यंतसमेत॥ ४५॥ चौपई॥ जुगवहिप्रभसीयलषनहि
केसे॥ पलकविलोचनगोलकजैसे॥ सेवहिलषन
सीयरघुवीरहि॥ जिमअविवेकीपुरुषसरीरहि॥ इ
हविधप्रभवनवसहिसुषारी॥ षगमृगसुरतापसि। ॥२७३॥

हितकारी॥ कह्योरामवनगवनसुहावा॥ सुनहुसुमंत्रअ
वधजिमआवा॥ फिर्योनिषादप्रभुहिपहुचाई॥ सचिव
सहितरथदेषिसिआई॥ पर्योसुमंत्रभूमिभरछारा॥ सि
थलसरीरनैननिरफारा॥ मंत्रीविकलविलोकनिषाद॥
कहनजाइजसभयोविषाद॥ रामरामसीयनपुकारी॥ लष॥
पर्योधरनितलव्याकुलभारी॥ देषदषनदिशहयहि
हेनाही॥ जनुविनपंषविहंगअकुलाही॥ दोहा॥ ना
हितृनचरहिनपियहिजल॥ मोचहिलोचनवारि॥ व्या
कुलभयेनिषादसव॥ रघुवरवाजिनिहारि॥ ९६॥ चौपई
धरधीरजतवकहेनिषाद॥ अवसुमंत्रपरिहरहुविषाद॥
तुमपंडितपरमारथज्ञाता॥ धरहुधीरलषविमुषविधा
ता॥ विविधकथाकहिकहिमृदुवानी॥ रथवैठार्योवर
वसआनी॥ शोकसिथलरथसकेनहांकी॥ रघुवरवि
रहपीरउरवांकी॥ तरफराहिमगचलहिनघोरे॥ वनमृ
गमनहुआनरथजोरे॥ अटकिपरहिफिरहेरहिपीछे

॥तु॥रा रामवियोगविकलदुषतीछे ॥ जोकहिरामलषनवैदेही
॥अयो हिंकरकरिहितहेरहितेही ॥ बाजिविरहगतिकहिकि
॥२७४ मजाती ॥ विनुमनिफनिकविकलजिहंभाती ॥ दोहा ॥
भयोनिषादविषादबस ॥ देषतसचिवतुरंग ॥ बोलिसुसे
वकचारितव ॥ दीयेसारथीसंग ॥ ८० ॥ चौपई ॥ गुहसारथि
हिफिरेउपहुचाई ॥ विरहविषादबरननहीजाई ॥ चले
अवधरथसहितनिषादा ॥ होहिछिनहिछिनमगन
विषादा ॥ सोचसमंत्रविकलदुषदीना ॥ धृगुजीवनरघु
वीरविहीना ॥ रहहिनअंततहुअधमशरीरू ॥ जसुनल
ह्योविछुरतरघुवीरू ॥ भयोअजसअघभाजनप्राना ॥
कवनहेतुनहिकरतपयाना ॥ अहहमंदमनअवस
रचूका ॥ अजहुनहृदयहोइहैदूका ॥ मीजहाथसिर।
धुनिपछिताई ॥ मनहुकृपनधनराशिगवाई ॥ विरदवां
धवरवीरुविहाई ॥ चल्योसमरजनुसुभटपराई ॥ दोहा
विप्रविवेकीवेदविदसंमतसाधसुजाति ॥ जिमधोषे। २७४॥

मद्यपानकरि॥सचवसोचतितेहंभांति॥४८॥चोपई॥जिम
कुलीनतीयसाधुसयानी॥पतिदेवताकरममनवानी॥
रहैकरमवसपरिहरिनाहू॥सचिवहृदयतिमदारुण।
दाहू॥लोचनसजलडीठभइथोरी॥सुनैनश्रवनविक
लमतिभोरी॥सूषहिअधरलागमुहिलाटी॥जंउनजा
इउरअवधिकपाटी॥विवरनभयोनजाइनिहारी॥मा
रिसिमनहुपितामहितारी॥हानिगिलानविपुलमनु
व्यापी॥जमपुरपंथसोचजिमपापी॥वचननआवहृ
दयपछुताई॥अवधकहामैंदेषवजाई॥रामरहितरथ
देषहिजोई॥सकुचहिमोहिविलोकतसोई॥दोहरा॥
धाइपूछिहैमोहिजव॥विकलनगरनरनारि॥उतरदे
वमैसवहितव॥हृदैवज्रवैठारि॥४९॥चोपई॥पूछहि
दीनदुषतसवमाता॥कहौंकाहमैंतिन्हहिविधाता॥
पूछहिजवहिलषनमहितारी॥कहौंकवनसंदेससु
षारी॥रामजननिजवआइहिधाई॥सुमरवछुजिम।

॥तु॥रा धेनुलवाई॥ पूछतउतरदेवमैतेही॥ गमनरामलषमन
॥अयु वैदेही॥ जोइपूछहितिन्हउत्तरदेवा॥ जाइअवधअवड
॥२७५ हजसुलेवा॥ पूछहिजवहिराउदुषदीना॥ जीयनजासु
रघुनाथअधीना॥ देहोंउतरकौनमुहिलाई॥ आयोकु
सलकअरपहुचाई॥ सुनततपनसीयरामसंदेसू॥ तृन
जिमतनपरिहरैनरेसू॥ दोहरा॥ हृदयनविदरोपंक
जिम॥ विछुरतप्रीतमनीर॥ जानतहोमुहिदीन्हविध
जमुजातनामसरीर॥ ५०॥ चौपई॥ इहविधकरततपंथपछ।
छितावा॥ तमसातीरतुरतरथआवा॥ विदाकीयेकर।
विनयनिषादा॥ फिरेपांइपरविकलविषादा॥ पैठत।
नगरसचिवसकुचाई॥ जनुमारिसगुरुब्राम्हनगाई॥।
बैठविटपतरुदिवसगवावा॥ सांझसमयततकिअव।
सरुपावा॥ अवधप्रवेसुकीन्हअंधिआरे॥ पैठभवनर
थराषदुआरे॥ जिन्हजिन्हसमाचारसुनपाए॥ भूपद्वा
ररथदेषनआए॥ रथपहिचानविकललषिघोरे॥ गा ॥२७५॥

रहिगातजिमआतपडोरे॥नगरनारनरब्याकुलकैसे॥
निघटतनीरमीनगनजैसे॥दोहरा॥सचिवआगमनसु
नतसब॥विकलभयोरनवासु॥भवनभयंकरलागतै
हि॥मानहुप्रेतनिवासु॥५१॥चौपई॥अतिआरतिसव
पूछहिरानी॥उतरुनआवविकलभईवानी॥सुनीय
नश्रवननैननहिसूझा॥कहहुकहानृपजिहंतिहं
वूझा॥दासिन्हदीषसचिवविकलाई॥कौशल्यागृह
गईलवाई॥जाइसुमंत्रदीषकमराजा॥अमीरहतजि
मचंदुविराजा॥आसननसयनविभूषणहीना॥प
र्योभूमितलनिपटमलीना॥लहितउसाससोचइ
हभांती॥सुरपुरतेजनुषसेउजजाती॥लेतसोचभरि
छिनछिनछाती॥जनुजरिपंषपर्योसंपाती॥राम
रामकहरामसनेही॥पुनिकहिरामलषनवैदेही॥दो
देषिसचिवजयजीवकहि॥कीन्होदंडप्रनाम॥सुन
तउठ्योब्याकुलनृपति॥कहुसुमंत्रकहराम॥५२॥चौ

॥नु॥रा भूपसुमंत्रलीन्हउरलाई॥बूडतकछुअधारजनुपाई॥स
॥अयु॥ हितसनेहनिकटबैठारी॥पूछतराउनयनभरिबारी॥
॥१२६ रामकुशलकहुसखासनेही॥कहंरघुनाथलषनवैदेही॥
आनेफेरकिवनहिसिधाए॥सुनतसचिवलोचनजल
छाए॥शोकविकलपुनिपूछनरेसू॥कहुसीयरामल
षनसंदेसू॥रामरूपगुनशीलसुभाऊ॥सुमिरसुमिर
उरसोचितराऊ॥राजसुनाइदीन्हवनवासू॥सुनमन
भयोनहरषहरासू॥सोसुतविछुरतगएनप्राना॥को
पापीवडमोहिसमाना॥दोहा॥सषारामसीयलषन
जहं॥तहांमोहिपहुचाउ॥नाहितचाहितचलनअवप्रा
नकहौंसतिभाउ॥५३॥चौपई॥पुनिपुनिपूछिसुमंत्रहि
राऊ॥प्रथमसुअनसंदेससुनाऊ॥करहुसषासोइवे
गाऊ॥रामलषनसीयनयनदिषाऊ॥सचिवधीरधरिक
हिमृदुवानी॥महाराजतुमपंडितज्ञानी॥वीरसुधीर
धुरंधरदेवा॥साधुसमाजसदातुमसेवा॥जन्ममरनस १२६

वदुषसुषभोगा॥ हानिलाभप्रियमिलनवियोगा॥ काल।
करमवसिहोहिंगुसाई॥ वरवसिरातिदिवसकीनाई॥ सुष
हिहरषजडदुषविलषाही॥ दोउसमधीरधरहिमनमा
ही॥ धीरजधरहुविवेकविचारी॥ छाडीयेसोचसकलहि।
तकारी॥ दोहा॥ प्रथमवासतमसाभयो॥ दूसरसुरसरि।
६ तीर॥ न्हाँरहेजलपानकरिसीयसमेतदोऊवीर॥ ५८॥ चौ
केवटकीन्हवहुतशेवकाई॥ सोजामिनश्रृंगवेरगवाई
होतप्रातवटछीरमंगावा॥ जटामुकटनिजसीसवनावा
रहासोलषनमांगउनलीना॥ प्रभअनुहारमुकटसिरकीना॥
पल्लवपोछवालमृगनैनी॥ सकलकचनकीनीइकवेनी
रामसषातवनावमंगाई॥ प्रियाचढाइचडेरघुराई॥ लषा
नवानधनधरेवनाई॥ आपचडेप्रभआयसुपाई॥ विक
लविलोकमोहिरघुवीरा॥ वोलेमधुरवचनधरिधीरा॥।
तातप्रनामतातसनकहिहु॥ वारवारपदपंकजगहिहु
करवपायपरिविनयवहोरी॥ तातकरीयजिनचिंता।

॥तु॥रा मोरी॥ बनमगमंगलकुशलहमारे॥कृपाअनुग्रहपुंन
॥अयु॥ तुम्हारे॥**छंद**॥तुम्हरेअनुग्रहतातकाननजातसवसुख
॥२७७॥ पाइहौ॥ प्रतिपालिआयसुकुशलदेषनपायपुनफिर।
आइहौ॥ जननीसकलपरितोषकरपरिपायकरिविन
तीघनी॥ तुलसीकरहुसोइजतनजिहिविधकुशलर
हकोशलधनी॥**सोरठा**॥गुरसनकहवसंदेस॥वारवा
रपदपदमगहि॥करवसोईउपदेस॥जिहनसोचसुहि
अवधिपति॥५५॥**चौपई**॥पुरजनपरिजनसकलनि।
होरी॥ तातसुनायहुविनतीमोरी॥सोइसवभांतमोर
हितकारी॥ जातेरहैनरनाहुसुषारी॥सोसवविधकर
तअनुसारे॥ दुषनपावनृपसोचहमारे॥कहवसंदेस
भरथकेआए॥नीतनतजीयराजपदपाए॥पालेहुप्र
जहिकरमसनवानी॥सेवहुमातसकलसमजानी॥
ओरनिवाहहुभायपभाई॥करिपितमातसजनसेव।
काई॥ तातभांतितिहरायववराऊ॥सोचसोहजिहकैरन ॥२७७

काऊ॥ लषनकहेकछुवचनकठोरा॥ वरजिरामपुनिमो
हिनिहोरा॥ वारवारनिजसपथदिवाई॥ कहवनता
तलषनलरकाई॥ **दोहरा**॥ कहिप्रनामकछुकहनल
गासीयभईसिथलसनेह॥ थकितवचनलोचनसज
लपुलकपल्लवितदेह॥ ९६॥ **चोपई**॥ तिहंअवसररघु
वररुषपाई॥ केवटपारहिनावचलाई॥ रघुकुलति
लकचलेइहभांती॥ देषोठाढकुलिशधरिछाती॥ मे
आपनकिमकहौकलेस॥ जीयतफिरयोलेरामसंदे
स॥ असकहिवचनवचनरहिगयो॥ हानिगलानि
सोचवसिभयो॥ सूतवचनसुनतहिनरनाहू॥ परयो
धरनिउरदारुणदाहू॥ तलफतविकलमोहमनमा
पा॥ मांजामनहुमीनकहुव्यापा॥ करविलापसवरो
वहिरानी॥ महाविपतकिमजाइवषानी॥ सुनविला
पदुषकहिदुषलागा॥ धीरजहूंकरधीरजभागा॥ **दो**
भयोकुलाहलअवधअति॥ सुनिनृपमंदरसोर॥ ॥

॥तु॥रा॥ विपुलविहगवनपरेउनिसि॥ मानहुंकुलिशकठोर॥
॥अयो॥ ५७॥ चौपई॥ प्रानकंठगतिभयोभुआलु॥ मनिविही
॥१२८॥ नजनुब्याकुलव्यालु॥ इंद्रीसकलविकलभइभारी॥
जनुसरसरसिजवनुविनुवारी॥ कौशल्यांनृपदीखम
लीना॥ रविकुलरविअथयोजीयजाना॥ उरधरधीर
राममहितारी॥ वोलीवचनसमयअनुसारी॥ नाथ
समुझमनकरियविचारू॥ रामवियोगपयोधिअपा
रू॥ करनधारतुम्हअवधजहाजू॥ चढेउसकलप्रिय
पथिकसमाजू॥ धीरजुधरीयतपाईयेपारू॥ नाहित
वूडहिसवपरवारू॥ जौजीयधरीयविनयपियामोरी
रामलषनसीयमिलहिवहोरी॥ दोहरा॥ प्यावचन
मृदुसुनतनृप॥ चितयोआंखिउघारि॥ तरफतमीनम
लीनजनु॥ सींचासीतलवारि॥ ५८॥ चौपई॥ धरधीर
जुउठिवैठभुआलु॥ कहुसुमंत्रकहंरामकृपालु॥ क
हांलषनकहांराममनेही॥ कहांप्रियपुत्रवधूवैदेही॥ ॥१२८॥

विलपतराउविकलवहुभांती॥ भईजुगसरिसमिरातन
राती॥ तापसअंधश्रापसुधिआई॥ कौशल्यहिसवकथा
सुनाई॥ भयोविकलवरनतइतिहासा॥ रामरहितधृग
जीवनआसा॥ सोतनुराषिकरवमैकाहा॥ जिहनप्रेम
पनमोरनिवाहा॥ हारघुनंदनप्रानपरीते॥ तुह्मविनु
जीयतवहुतदिनवीते॥ हाजानकीलषनहारघुवर॥
हापितुहितचितचातकजलधर॥ दोहरा॥ रामरामकहि
रामकहिरामरामकहिराम॥ तनुपरिहरिरघुवरविरह
राउगयोसुरधाम॥ ५५॥ चौपई॥ जीयनमरनफलदस
रथपावा॥ अंडअनेकअमलजसछावा॥ जीयतरामवि
विधुवदननिहारा॥ रामविरहकरमरनसवारा॥ शो
कविकलसवरोवहिरानी॥ रूपशीलवलतेजवषानी॥
करहिंलापअनेकप्रकारा॥ परहिभूमितलवारहिवा
रा॥ विलपहिसकलदासअरुदासी॥ घरघररुदनक
रहिपुरवासी॥ अथयोआजुभानुकुलभानू॥ धर्मअ

॥नु॥रा वधिगुनरूपनिधानू॥ नारीसकलकैकेईदेही॥नयनवि
॥अ॥यु हीनकीन्हजगजेही॥इहविधविलपतिरैनविहानी॥
॥२७५ आएसकलमहामुनिज्ञानी॥दोहरा॥तववशिष्टमुनि
समयसम॥कहिअनेकइतिहास॥शोकनिवारेउसव
हिकर॥निजविज्ञानप्रकाश॥६०॥चौपई॥नृपतनरा
षनहेतउपाई॥विरचेउगुरविचारउरलाई॥तेलनावभरि
नृपतनुराषा॥इतवुलाइवहुरअसभाषा॥धावहुवेगभ
रतपहिजाहू॥नृपसुधिकतहुकहहुजनिकाहू॥इत
निककहेउभरतसनजाई॥गुरुवुलाइपठएदोऊभाई
सुनमुनिआयसुधावनधाए॥चलेवेगवरवाजलजाए
अनरथअवधअरंभ्योजवते॥कुसगुनहोहिभरतक
हुतवते॥देषहिरातिभयानकसुपना॥जागिकरहिक
टुकोटिकलपना॥विप्रजिवायदेहिदिनदाना॥शिव
अभिषेककरहिविधिनाना॥मांगहिहृदयमहेशमना
ई॥कुशलमाततपितपरिजनभाई॥दोहरा॥इहविधि॥ ॥२७५

सोचतभरतमन॥धावनपठ्ठयेआय॥गुरुअनुसासन।
श्रवनसुन॥चलेगनेशमनाइ॥१६१॥चौपई॥चलेसमी
रवेगहयहांके॥नांघतसरितशैलवनवांके॥हृदयसो
चवडकछुनसुहाई॥असजानेहिजीयजातउडाई॥ए
कनिमेषवर्षसमजाई॥इहविधभरतनगरनियराई॥
असगुणहोहिनगरपैठारा॥रटहिकुभांतकुषेतका
गारा॥षरसियालबोलतप्रतिकूला॥सुनसुनहोहि
भरतमनसूला॥श्रीहतसरसरतावनवागा॥नगरु
विशेषभयानकलागा॥षगमृगहयगयजाहिनजो
ए॥रामवियोगकुरोगविगोए॥नगरनारिनरनिपट
दुषारी॥मनहुसवन्हसवसंपतिहारी॥दोहरा॥पुर
जनमिलहिनकहहिकछु॥गवहिजुहारहिजाहि॥
भरतकुशलपूछनसकहि॥भयविषादमनमाहि॥
१६२॥चौपई॥हाटवाटनहिजाइनिहारी॥जनुपुरदहि
दिशलागदवारी॥आवतसुतसुनकैकयनंदनि॥

॥मु॥रा हरषीरविकुलजलरुहचंदनि॥सजिआरतीमुदितउठि
॥अयु धाई॥द्वारेभेटभवनलैआई॥भरतदुषतपरवारुनिहा
॥१८० रा॥मानहुतुहिनवनजवनुमारा॥कैकेईहरषउठीइ
हभांती॥मनहुमुदितदवलाइकिराती॥सुतअतसोच
देषिमनमारे॥पूछितनैहरकुशलतुमारे॥सकलकुस
लकहिभरतसुनाई॥पूछीनिजकुलकुशलभलाई॥
कहुकहंतातकहांसवमाता॥कहंसीयरामलषनप्रि
यभ्राता॥दोहरा॥सुनसुतवचनसनेहमय॥कपटनी
रभरनेन॥भरतश्रवनमनशूलसम॥पापिनवोलीवै
न॥६३॥चौपई॥तातवातमैसकलसवारी॥भइमंथरा
सहाइविचारी॥कछुककाजविधवीचविगारेउ॥भूप
तसुरपतिपुरपगधारेउ॥सुनतभरतभयेविवसविषा
दा॥जनुसहमेउकरिकेहरिनादा॥ताततातहातातपु
कारी॥परेभूमितलव्याकुलभारी॥चलतनदेषनपा
योतोही॥तातनरामहिसौंप्योमोही॥वहुरधीरधरउ ॥१८०

ठेसंभारी॥ कहुपितमरनहेतमहितारी॥ सुनसुतवच
नकहतकैकेई॥ मरमपाछिजनुमाहुरदेई॥ आदिहुते
सवआपनकरनी॥ कुटिलकठोरमुदितमनवरनी॥ रा
मसीयलछमनवनजाही॥ भरतराजकोशलपुरमाही
दोहरा॥ भरतहिविसरयोपितमरन॥ सुनतरामवनगो
न॥ हितअपनयोजानजिय॥ थकितरहेधरिमौन॥ १६४
चौपई॥ विकलविलोकिसुतहिसमुझावत॥ मनहुजरे
परलोनलगावत॥ तातराउनहिसोचयजोगू॥ वढेसु
कृतजसुकीन्हेउभोगू॥ जीवतसकलजन्मफलपाए॥
अंतअमरपतिसदनसिधाए॥ असअनुमानसोचपर
हरहु॥ सहितसमाजराजपुरकरहु॥ सुनसुठसहिम्यो
राजकुमारा॥ पाकेछतजनुलागअंगारा॥ धीरजुधरभ
रलेहिउसासा॥ पापिनसवहिभांतकुलनासा॥ जोपैकु
रुचिरहीअतितोही॥ जन्मतकाहिनमारिसमोही॥ पे
डकाटितैपलउसीचा॥ मीनकिजीयतवारिउलीचा

॥ मु ॥ रा ॥ दोहरा॥ हंसबंसदसरथजनक॥ रामलषनसेभाइ॥ जन
॥ अयु नीतूंजननीभई॥ विधिसोंकछुनवसाइ॥ १६५॥ चौपई॥ ज
॥ १८१ बतैंकुमतिकुमतिजियठयो॥ षंडषंडहोइहृदैनगयो॥
वरमांगतमनभईनपीरा॥ गरीनजीहमुहपरेनकीरा॥
भूपप्रतीतितोरिकिमकीनी॥ मरनकालविधमतिहर
लीनी॥ विधहुननारिहृदयगतिजानी॥ सकलकपट
अघअवगुनषानी॥ सरलसुशीलधरमरतिराऊ॥ सोइ
किमजानैतीयासुभाऊ॥ असकोजीवजंतजगमाही॥
जिहरघुनाथप्रानप्रियनाही॥ भेअतिअहितरामसीय
तोही॥ कोतूंअहसिसतकहुमोही॥ जोहसिसोहसिमु
हमसिलाई॥ आंषिओटउठबैठिजाई॥ दोहरा॥ रामवि
रोधीहृदयतें॥ प्रगटकीन्हविधिमोहि॥ मोसमानकोपा
तकी॥ वादिकहोंकछुतोहि॥ १६६॥ चौपई॥ सुनशत्रुघमा
तकुटिलाई॥ जरहिगातरिसकछुनवसाई॥ तिहअव
सरकुबरीतिहआई॥ बसनविभूषनविविधवनाई॥

लषिरिसभरयोलषनलघुभाई॥ वरतिअनलघृतआ
हुतिपाई॥ हुमगिलाततकिकूवरमारा॥ परिमुहिभरम
हिकरतपुकारा॥ कूवरटूट्योफूटकपारू॥ दलितदसन
मुषरुधिरप्रचारू॥ आहिदईमैकाहनसावा॥ करतनीक
फलअनहितपावा॥ सुनरिपुहनलषनषसिषषोटी॥
लागघसीटनधरिधरिझोटी॥ भरतदयानिधिदीन्हछु
डाई॥ कौशल्यापहिंगेदोऊभाई॥ दोहरा॥ मलिनवसन
नविवरनविकल॥ कृशशरीरदुषभार॥ कनककलपव
रवेलवन॥ मानहुहनीतुषार॥ १६३॥ चोपई॥ भरतहिदे
षिमातउठधाई॥ मुरिछितअवनिपरीझरझाई॥ देषत
भरतविकलभेईभारी॥ परेचरनतनदशाविसारी॥ मात
तातकहांदेहिदिषाई॥ कहांसीयरामलषनदोउभाई॥
कैकेईकतजनमीजगमांझा॥ जोजनमितभईकाहिन
वांझा॥ कुलकलंकजिहजनम्योमोही॥ अपजसभाज
नप्रियजनद्रोही॥ कोत्रिभुवनमोहिसरसअभागी॥

॥न॥रा गतअमितोरमातजिहलागी॥पितसुरपुरवनरघुकुलके
॥अयु तू॥मैकेवलसवअनरथहेतू॥धृगमोहिभयोवेनुवन।
॥१८२ आगी॥दुसहदाहदुषदूषनभागी॥दोहरा॥मातभरतके
वचनमृदुसुनिपुनिउठीसंभार॥लीयेउठाइलगाइउरलो।
चनमोचतवार॥६८॥चौपई॥सरलसुभायमायहीयलाए
अतिहितमनहुरामफिरआए॥भेटेउबहुरिलषनल
घुभाई॥शोकसनेहनहृदयसमाई॥देषिसुभाउकहत
सवकोई॥राममातअसकाहिनहोई॥माताभरतगोद
वैठारे॥आसुपोछमृदुवचनउचारे॥अजहुवछवलिधी
रजधरहू॥कुसमौसमझिशोकपरिहरहू॥जनमानहु
हीयहानिगलानी॥कालकरमगतिअघटतजानी॥का
हुहिदोसदेहुजनताता॥भामोहिसववधिवामविधाता
जोएतेदुषमोहिजीयावा॥अजहुकोजानैकातिहिभा
वा॥दोहरा॥पितआयसभूषनवसनतातततजेरघुवीर
विसमैहरषनहृदयकछु॥पहिरेवलकलचीर॥६९॥ ॥१८२

चौपई॥ सुषप्रसंन्नमनरंचनरोषू॥ सवकरिविविधवारिपरि
तोषू॥ चलेविपनसुनसीयसंगलागी॥ रहैनरामचरनअ
नुरागी॥ सुनतहिलषनचलेउठसाथा॥ रहहिनजतन
कीयेरघुनाथा॥ तवरघुपतिसवहीसिरुनाई॥ चलेसंग
सीयअरुलघुभाई॥ रामलषनसीयवनहिसिधाए॥ ग
योनसंगनप्रानपठाए॥ एहुसवभाइनअाषनआगे॥
तौनतजातनजीवअभागे॥ मोहिनलाजनिजनेहुनि
हारी॥ रामसरिससुतमैमहितारी॥ जीयनमरनभलभू
पतिजाना॥ मोरहृदयशतकुलससमाना॥ दोहरा॥ कौ
शल्याकेवचनसुनभरतसहितरनवास॥ व्याकुलविल
पतिराजग्रह॥ मानहुशोकनिवास॥ १०॥ चौपई॥ विल
पहिविकलभरतदोऊभाई॥ कौशल्यालीयेहृदयलगा
ई॥ भांतअनेकभरतसमझाए॥ कहविवेकमयवचन
सुनाए॥ भरतहुमातसकलसमझाई॥ कहिपुरानश्रु
तिकथासुनाई॥ छलविहीनसुचिसरलसुवानी॥ बो॥

॥उ॥रा लेभरतजोरजुगपानी॥जेअघमाततपितासुतमारे॥माइ॥
॥अयु कोटमहिंसुरपुरजारे॥जेअघतीयबालकहतकीन्हे॥मीत
॥१८३ महीपतिमाहुरदीन्हे॥जेपातकउपपातकअहही॥कर
मवचनमनभवकविकहही॥तेपातकमोहिहोहिवि
धाता॥जोएहुहोइमोरमतिमाता॥दोहरा॥जेपरिहरिह
रिहरिचरन॥भजहिभूतगणघोर॥तिनकैगतिमुहिदे
हिविधि॥जोजननीमतिमोर॥७२॥चौपई॥वेचहिवेद
धरमदुहिलेही॥पिशुनपरायपापकहिदेही॥कपटी
कुटलकलहिप्रियक्रोधी॥वेदविदूषकविश्वविरोधी॥
लोभीलंपटलोलपचारा॥जेताकहिपरिधनपरदारा॥
पावोमेतिनकैगतिघोरा॥जोजननजीएहुसंमतमोरा॥जे
नहिसाधुसंगअनुरागे॥परमारथपथविमुखअभागे॥
जेनभजहिहरिनरतनुपाई॥जिन्हहिनहरिहरसुजससु
हाई॥तजिश्रुतिपंथवाममपथचलही॥वंचकविरचिवे
षजगछलही॥तिन्हकैगतिमोहिशंकरदेऊ॥जननी १८३

जोएहुजानैसोभेऊ॥छंद॥मनवचनकरमक्रिपायत्तनुकर
रामसैसुनमात्तुरी॥उरवसत्तरामसुजानजानित्तप्रीतिअ
रुछलचात्तुरी॥अस्मकहित्तलोचनवहित्तजलत्तनुपुल
कनवलेषत्तमही॥हीएलाइलीएवहोरजननीजानप्र
भुपदरतिसही॥दोहरा॥मात्तभरत्तकेवचनसुन॥साचे
सरलभाइ॥कहत्तरामप्रियतात्ततुस॥सदावचनमन
काइ॥७२॥चौपई॥एमप्रानत्तेप्रानत्तुसारे॥तुमरघुवी
पत्तिप्राननत्तेप्यारे॥विधुविषचुवइश्रवइहिमुआगी॥
होइवारचरवारिविरागी॥भएज्ञानवरुमिटहिनमोह
तुसरामहिप्रतिकूलनहोह॥मतित्तसारएहुजोजगक
हही॥सपनेहुसुषसुभगतिनहिलहही॥अस्मकहि
मात्तभरत्तहीयलाए॥थनपयश्रवहिनयनजलछा
ए॥करत्तविलापवहुत्तएहभात्ती॥वैठेवीत्तगईसववरा
ती॥वामदेववशिष्टत्तवआ[ए]॥सचिवमहाजनसकल
वुलाए॥मनवहुभात्तभरत्तउपदेसे॥कहिपरँपरमवच

मा२१

नसुदेसे॥दोहरा॥तातहृदयधीरजुधरहु॥करहुजोअब
सरआजु॥उठेभरतगुरुवचनसुनि॥करनकहेउसबका
जु॥७३॥चौपई॥नृपतनुवेदविहितअन्हवावा॥परमवि
चित्रविवानबनावा॥सबरनवाससतीकरसाजू॥सजेपा
सकलजगराजनअकाजू॥गहिपदभरतमातसबराषी
रहीरानदरसनअभिलाषी॥चंदनअगरभारबहुआए॥
अमितअनेकसुगंधसुहाए॥सरजुतीररचिचितावनाई॥
जनुसुरपुरसोपानसुहाई॥इहविधदाहक्रियासभकीनी
विधिवतन्हाइतिलांजलिदीन्ही॥सोधसिमृतसबवेद
पुराना॥कीन्हभरतदसगात्रविधाना॥जहंजसमुनिवर
आइसदीन्हा॥तहंतससहसभांतसबकीन्हा॥भएविसु
द्धदियेवहुदाना॥धेनुवाजगजवाहननाना॥दोहरा॥सिं
घासनभूषनवसनअंन्नधरनिधनधाम॥दीयेभरतल
हिभूमिसुर॥भेपरिपूरनकाम॥चौपई॥पितुहितभरत
कीन्हजसकरनी॥सोमुखलाखजाइनहीवरनी॥सुदि

नसोधिमुनिवरतवआए॥सचिवमहाजनसकलवु।
लाए॥वैठेराजसभासवजाई॥पठएवोलभरतदोऊभा
ई॥भरतवशिष्टनिकटवैठारे॥नीतधरममयवचना।
उचारे॥प्रथमकथासवमुनिवरवरनी॥कैकेईकुटल
कीन्हजसकरनी॥भूपधरमव्रतसतसराहा॥जिन्हि।
तनुपरिहरप्रेमनिवाहा॥कहतरामगुनशीलसुभा
ऊ॥सजलनयनपुलकेमुनिराऊ॥वहुरलषनसी
यप्रीतवषानी॥शोकसनेहमगनमुनिज्ञानी॥दोहा
सुनहुभरतभावीप्रवल॥विलषकह्योमुनिनाथ॥हा
नलाभजीवनमरन॥जसुअपजसुविधिहाथ॥७५॥
चोपई॥असविचारकिहिदेइयेदोस॥व्यर्थकाहिपर।
कीजियेरोस॥तातविचारकरहुमनमाही॥सोचयो।
गदशरथनृपनाही॥सोचीयेविप्रजोवेदविहीना॥त
जनिजधर्मविषयलयलीना॥सोचियेनृपतिजोनी।
तिनजाना॥जिहनप्रजाप्रियप्रानसमाना॥सोचिये।

॥तु॥रा॥ शूद्रविप्रअपमानी॥ मुषरमानप्रियज्ञानगुमानी॥ सो।
॥अयु॥ चियेवैश्यकृपनधनवान॥ जोनअतिथिशिवभक्तिसु
॥२८५॥ जान॥ सोचियेपुनिपतिवंचकनारी॥ कुटलकलहि
प्रियइछाचारी॥ सोचियेवटनिजव्रतपरिहरई॥ जोन
हिगुरुआयसुअनुसरई॥ दोहा॥ सोचीयेगृहीजुमो।
हवसिकरैकरमपथत्याग॥ सोचियेजतीप्रपंचरति॥।
विगतविवेकविराग॥ ७६॥ चौपई॥ वैषानससोईसो।
॥जि चनयोग॥ तपविहायेजिहिभावैभोग॥ सोचियेपिसुन
अकारणक्रोधी॥ जननिजनकगुरवंधुविरोधी॥ सब
विधिसोचीयेपरअपकारी॥ निजतनपोषकनि
रदयभारी॥ सोचनीयसभहीविधसोई॥ जोनछाडछ
लहरजनहोई॥ सोचनीयनहीकोशलराऊ॥ भवन
चारदसप्रगटप्रभाऊ॥ भयोनहोयनहोवनहारा॥।
भरतभयाजसपितातुमारा॥ विधहरिहरसुरपतिदि
ननाथा॥ वरनैसभदसरथगुणगाथा॥ दोहा॥ ::॥ ॥२८५

कहोतातकिहभांतकोकरैवडाईतासु॥ रामलषनतु।
मशत्रुहन॥ सरससुवनसुचजासु॥७७॥ चौपई॥ सवप्र।
कारभूपतिवडभागी॥ वादिविषादकरयतिहलागी॥।
सुन४
इहैंसुसमुझिसोचपरिहरहू॥ सिरधरराजरजायसकरहू
रायराजपदतुम्हकहुदीन्हा॥ पितावचनफुरचाहीय।
कीन्हा॥ तजेरामजिहवचनहिलागी॥ तनपरिहरेउ
रामविरहागी॥ नृपहीवचनरामप्रयप्राना॥ करहुता
तपितुवचनप्रमाना॥ करहुसीधरिभूपरजाई॥ हैतु।
म्हकोसभभांतभलाई॥ परसुरामपितुआज्ञाराषी॥।
मारीमातुलोकसवसाषी॥ तनयजजातहिजोवनद।
यो॥ पितुआज्ञाअघअजसुनभयो॥ दोहरा॥ अनुचि।
तउचितविचारुतजि॥ जेपालहिपितुवयन॥ तेभाज
नसुषसुजके॥ वसहिअमरपतिअयन॥७८॥ चौपई
अवसिनरेसवचनफुरकरहू॥ पालहुप्रजाशोकपरि
हरहू॥ सुरपुरनृपपाइहपरतोषू॥ तुम्हकहिसुकृत।

॥ तु ॥ रा ॥ सुजसनहिदोषू॥ वेदविदितसंमतसवहीका॥ जिह।
॥ अय ॥ पितदेइसुपावैटीका॥ करहुराजपरिहरहुगलानी॥।
॥ २८६ ॥ मानहुमोरवचनहितजानी॥ सुनसुषलहवरामवै।
देही॥ अनुचितकहवनपंडितकेही॥ कौशल्यादिस
कलमहितारी॥ तेउप्रजासुनहोहिसुषारी॥ प्रेमतुह्मा
रराममसभजानहि॥ सोसवविधितुह्मसनभलमान।
हि॥ सौंपहुराजरामकेआए॥ सेवाकरिहुसनेहसुहा
ए॥ दोहा॥ कीजीयगुरआयसुअवसकहहिसचिव
करजोर॥ रघुपतिआएउचितजस॥ तसतवकरवव।
होर॥ ७५॥ चौपई॥ कौशल्याधरिधीरजुकहई॥ पूतप
थ्यागुरआयसुअहई॥ सोआदरयकरीयहितमानी॥
तजियविषादकालगतिजानी॥ वनरघुपतिसुरपुर
नरनाहू॥ तुह्मइहभांततातकदराहू॥ परिजनप्रजा
सचिवसवअंवा॥ तुह्महीसुतसवकहंअवलंवा॥ ल
षिविधवामकालकठिनाई॥ धीरजुधरहुमाततवलि ॥ २८६

जाई॥ सिरधरगुरुआयसुअनुसरहू॥ प्रजापालपुरजनदु
षहरहू॥ गुरकेवचनसचिवअभिनंदन॥ सुनेभरतहि
यहितउरचंदन॥ सुनीवहोरिमातमृदुवानी॥ शीलसने
हसरलरससानी॥ छंद॥ सानीसरलरसमातवानीसुन
भरतव्याकुलभए॥ लोचनसरोरुहश्रवतसींचतविरह
उरअंकुरनए॥ सोदशादेषतसमयतिहिविसरीसवैसुध
देहकी॥ तुलसीसराहतसवैसादरसीवसहजसनेहकी
सोरठा॥ भरतकमलकरजोर॥ धीरधुरंधरधीरधरि॥ वच
नअमीजनुवोरि॥ देतउचितउत्तरसवहि॥ ८०॥ चौपई॥
मोहिउपदेसदीन्हगुरुनीका॥ प्रजासचिवसंमतसवही
का॥ मातउचितअतआयसुदीन्हा॥ अवससीसधरिच
हीयेकीन्हा॥ गुरुपितमातस्वामिहितवानी॥ सुनिमन
मुदितकरीयभलिजानी॥ उचितकिअनुचितकीयेवि
चारू॥ धर्मजाइसिरपातकभारू॥ तसजोदेहसरलसि
षसोई॥ जोआचरनमोरभलहोई॥ यद्यपितिहसमुझत

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥१८७॥

हौनीके॥तदिपहोतपरितोषनजीके॥अवतसविनयमो
रसुनलेहू॥मुहिअनुहरतिसिषावनदेहू॥उतरदेउछमा
वहुअपराधू॥दुषितदोषगुननगनहिनसाधू॥दोहरा॥
पितुसुरपुरसीयरामवन॥करनकहहुमुहिराज॥इहते
जानहुमोरहितकैआपनहिकाज॥८१॥चौपई॥हितह
मारसीयपतिसेवकाई॥सोहरिलीन्हमातकुटिलाई॥
मैअनुमानदीषमनमाही॥आनउपाइमोरहितनाही॥
शोकसमाजराजकिहिलेषे॥लषनरामसीयपदविनुदे
षे॥वादवसनविनुभूषनभारू॥वादविरतिविनुब्रह्मवि
चारू॥सरुजसरीरवादिवहुभोगा॥विनुहरिभगतिवादिज
पजोगा॥जाइजीवविनुदेहसुहाई॥वादमोरसवविनुर
घुराई॥जाउरामपहिंआयसुदेहू॥एकहिआंकमोरहित
एहू॥मोहिनृपकरिभलिआपनचहहू॥सोउसनेहज
डतावसिकहहू॥दोहरा॥कैकेईसुअनकुटिलअति
रामविमुषगतिलाज॥तुम्हचाहतसुषमोहवस॥सह १८७

मेग्ब्रधमकिराज ॥ ८२ ॥ चौपई ॥ कहौमाचमवसुनिपतिया
हू ॥ चाहीयधरमशीलनरनाहू ॥ मोहिराजहठिदेवहूजव
ही ॥ धरारसातलजाइहितवही ॥ मुहिममानकोपापनि
वासू ॥ जिहलगिसीयरामवनवासू ॥ रायरामकहुंकान
नदीन्हा ॥ विछुरतगमनअमरपुरकीन्हा ॥ मैसठसवअ
नरथकरहेतू ॥ वैठवातमवसुनोमचेतू ॥ विनुरघुवीरवि
लोकेआवासू ॥ रहैप्रानसहिजगउपहासू ॥ रामपुनीत
विषयरसरूषे ॥ लोलुपभूमिभोगकेभूषे ॥ कहंलगिक
होंहृदयकठनाई ॥ निदरिकुलिशजिहलहीवडाई ॥ दो
कारनतेकारजकठिनदोसहोइनहिमोर ॥ कुलिशअस्थि
तेउपलतेलोहकरालकठोर ॥ ८३ ॥ चौपई ॥ कैकेईभवय
हतनुअनुरागे ॥ पावरप्रानअघाइअभागे ॥ जैाप्रियविर
हप्रानप्रियलागे ॥ देषवसुनववहुतअवआगे ॥ लषन
रामसीयकहुवनदीन्हा ॥ पठयअमरपुरपतिहितकीन्हा
लीन्हविधवपनअपजसुआपू ॥ दीन्हेउप्रजहिशोककसं

॥ त्तु ॥ रा ॥
॥ अयु ॥
॥ १८८ ॥

ताए॥ मोहिदीन्हसुखसुजससुराजू॥ कीन्हकैकेईसभकर
काजू॥ एहुतेमोरकाहअबनीका॥ तिहिपरदेनकहहुतुम
टीका॥ कैकेईजठरजनमजगमाही॥ एहमहिकहुकछु
अनुचितनाही॥ मोरबातसभबिधहिबनाई॥ प्रजापाँच
कतकरहुसहाई॥ दोहरा॥ गहगहीतपुनबातबसतिहु।
पुनबीछीमार॥ ताहिपिआइयेबारुनीकहहुकौनउपचा
र॥ ८४॥ चौपई कैकेइसुयनजोगजगमहोई॥ चतुरबिरंचि
दीन्हमहिमोई॥ दसरथतनयरामलघुभाई॥ दीन्हमोहि
बिधिबादबडाई॥ तुम्हसबकहहुकढावनटीका॥ राय
रजाइसभसबकहुनीका॥ उतरदेउकिहबिधकिहकेही॥
कहहुसुखेनजथारुचिजेही॥ मोहिकमातसमेतबिहाई॥
कहहोकबनहुकीन्हभलाई॥ मोबिनकोसचराचरमाही॥
जिहहीयरामप्रानप्रियनाही॥ परमहानिसबकहुबड।
लाहू॥ आदिमोरनिहिदूषनकाहू॥ संसयशीलप्रेमब।
सनुहहू॥ सबइउचितसबजोकछुकहहू॥ दोहरा॥ राम ॥ १८८

मातसुचिसरलचित्त॥ मोपरप्रेमविशेष॥ कहैसुभाइसने।
हवसिमोरदीनतादेष॥ ८५॥ चौपई॥ गुरुविवेकसागरज
गजाना॥ जिन्हहिविस्वकरवद्रसमाना॥ मोकहुतिलक
राजसजिसोऊ॥ भएविधविमुषविमुषसवकाऊ॥ परिहा।
रिरामसीयजगमाही॥ कोनहिकहहिमोरमतिनाही॥ सो
मैसुनवसहवसुषमानी॥ अंतहुकीचतहांजहांपानी॥।
डरनमोहिजगकहहिकिपोचू॥ परलोकहुकरनाहिन।
सोचू॥ एकैडरवडदुसहदवारी॥ मोहलगभैसीयरामदु।
षारी॥ जीवनलषनलाहुभलपावा॥ सवतजरामचरन
मनलावा॥ मोरजन्मरघुवरवनलागी॥ झूठकाहपछि।
ताउअभागी॥ दोहरा॥ आपुनिदारुनदीनता॥ कहोसव
हिमिरुनाइ॥ देषेविनुरघुनाथपद॥ जीयकेजरननजाइ
८६॥ चौपई॥ आनउपाउमोहिनहिसूझे॥ कोजीयकीरघु
वरविनुवूझे॥ एकहिआंकइहैमनमाही॥ प्रातकाल।
चलिहोंप्रभुपाही॥ यद्यपिमैअनभलअपराधी॥ भैमु।

॥ तु॰ ॥ रा॰ ॥ अयो ॥ २८४ ॥

हिकारनसकलउपाधी॥ तदपिसरनसनमुषमुहिदेषी॥
छमिसबकरहीकृपाविशेषी॥ शीलसकुचसुठसरलसु।
भाऊ॥ कृपासनेहसदनरघुराऊ॥ अरिहुकअनभलकी
न्हनरामा॥ मैसिसुशेवकयद्यपिवामा॥ तुह्मपैपंचमोर
भलमानी॥ आयसुआशिषदेहुसुवानी॥ जिहिसुनिवि
नयमोहिजनजानी॥ आवहिवहुररामरजधानी॥ दोहा
यद्यपिजन्मकुमातुतेमैसठसदासदोस॥ आपनजानन
सागहहि॥ मुहिरघुवीरभरोस॥ ८७ ॥ चौपई॥ भरतवचा
नसवकहिप्रियलागे॥ रामसनेहसुधाजनुपागे॥ लोग
वियोगविषमविषदागे॥ मंत्रसुजीवनसुनजनुजागे॥।
मातुसचिवगुरुपुरनरनारी॥ सकलसनेहविकलभये
भारी॥ भरतहिकहहिसराहिसराही॥ रामप्रेमसमूरततनु
आही॥ तातभरतअसकाहेनकहहू॥ प्रानसमानराम
प्रियअहहू॥ जोपावरुअपनीजडताई॥ तुह्महिलगाइ
मातुकुटिलाई॥ सोसठकोटिकपुरुषसमेता॥ वसहिक। २८४

स्र

लपशातनरकनिकेता॥ अहँघअवगाहनहिमनगरई।
हरइगरलदुषदारिददहई॥दोहा॥ अवसचलीयवनरा।
मजहं॥ भरतमंत्रभलकीन्ह॥ शोकसिंधुबूडतसवहि॥ तु
म्हअवलंवनदीन्ह॥८८॥चौपई॥ भासवकेमनमोदनथो
रा॥ जनुघनधुनिसुनिचातकमोरा॥ चलतप्रातलषिनिर
नौनीके॥ भरतप्रानप्रियभेसवहीके॥ मुनहिवंदिभर
तहिसिरुनाई॥ चलेसकलघरविदाकराई॥ धन्यभरत
जीवनजगमाही॥ सीलसनेहसराहतजाही॥ कहहिप
रसपरभावडकाजू॥ सकलचलैकरिसाजहिसाजू॥ जि
हराषहिरहुघररषवारी॥ सोजानैजनुगरदनमारी॥ को
उकहरहनकहीयनहिकाहू॥ कोनचहतजगजीवनला
हू॥ किछिनभावसीयलछमनराम॥ सवकेप्रयहीयस
दासकाम॥ प्रातगवनसुनसवैअनंदू॥ विसरगएदुषदा
रुनद्वंद्व॥दोहा॥ जरोसोसंपदसदनसुष॥ सुहृदमातपि
तुभाइ॥ सनमुषहोतजुरामपद॥ करैनसहजसहाइ॥८९

॥तु॥रा॥ चौपई॥घरघरसाजहिवाहननाना॥हरषहृदयपरभातपयाना॥भरतजाइघरकीन्हविचारू॥नगरवाजिगजभवनभंडारू॥संपतिसवरघुपतिकैआही॥जौविनजतनचलौंतजिताही॥तौपरिनामनमोरिभलाई॥पापशिरोमणिसांइदुहाई॥करैस्वामिहितशेवकसोई॥दूषनकोटदेइकिनकोई॥असिविचारसुचिशेवकबोले॥जेसपनेहुनिजधर्मनडोले॥कहिसवमरमधरमभलभाषा॥जोजिहिलायकसोतहराषा॥करसवजतनराषिरषवारे॥राममातपहिभरतसिधारे॥दोहरा॥आरतजननीजानसव॥भरतसनेहसुजान॥कहेउवनावनपालकी॥सजनसुषासनजान॥५०॥चौपई॥चकचकईजिमपुरनरनारी॥चहतप्रातउरआरतभारी॥जागतसवनिसिभयोविहाना॥भरतवुलाएसचिवसुजाना॥कहेउलेहुसवतिलकसमाज॥वनहिदेवमुनिरामहिराज॥वेगचलहुसुनिसचिवजुहारे॥तुरततुरगरथनागसवारे॥अरुंधतीअरु

अंगिनिनामसमाजू॥ रथचढिचलेप्रथममुनराजू॥ विप्रवृंदचढि
वाहननाना॥ चलेसकलतपतेजनिधाना॥ नगरलोगसव
सजिसजिजाना॥ चित्रकूटकहुकीन्हपयाना॥ शिवकासु
भगनजाहिवषानी॥ चढिचढिचलतभईसवरानी॥ दोहरा॥
सौंपिनगरसुचिशेवकन्ह॥ सादरसवहिचलाइ॥ सुमिररा
मसीयचरनतवचलेभरतदोऊभाई॥ १८१॥ चौपई॥ रामदरस
वससवनरनारी॥ जनुकरिकरनिचलेतकिवारी॥ वनसी
यरामसमुझमनमाही॥ सानुजभरतपयादेजाही॥ देषि
सनेहलोगअनुरागे॥ उत्तरचलेहयगयरथत्यागे॥ जाइ
समीपराषिनिजडोली॥ राममातुवानीमृदुवोली॥ तात
चढहुरथवलमहितारी॥ होइहप्रियपरवारदुषारी॥ तु
म्हरेचलतचलहिसभलोगू॥ सकलशोककृशनहिमग
जोगू॥ सिरधरवचनचरनसिरुनाई॥ रथचढिचलतभए
दोऊभाई॥ तमसाप्रथमदिवसकरवासू॥ दूसरगोमतती
रनिवासू॥ दोहरा॥ पयअहारफलअसनइकनिशिभो॥

॥त॥रा
॥अयो॥
॥१५१॥

जनइकालोग॥ करतरामहितनेमब्रत॥ परिहरिभूषनभोग
१९२॥ चौपई॥ सोतीरथवसचलेविहाने॥ शृंगवेरपुरसवनि
यराने॥ समाचारसवसुनेनिषादा॥ हृदयविचारकरैसवि
षादा॥ कारनकवनभरतवनजाही॥ हैकछुकपटभाव
मनमाही॥ जोपैजीयनहोतकुटिलाई॥ तोकतलीन्हसं
गकटकाई॥ जानहिसानुजरामहिमारी॥ करौंअकंटक
राजसुखारी॥ भरतनराजनीतउरआनी॥ तवकलंकअ
वजीवनहानी॥ सकलसुरासुरजुरहिजुझारा॥ रामहि
समरनजीतनहारा॥ काआचरजभरतअसकरही॥ न
हिविषवेलअमीफलफरही॥ दोहरा॥ असविचारगुह
ग्यातिसनकह्योसजगसवहोहु॥ हथवासहुबोरहुतरनि
कीजीयघाटारोहु॥ १९३॥ चौपई॥ होहुसंजोइलरोका
हुघाटा॥ ठाटउसकलमरनकेठाटा॥ सनमुखलोहभ
रतसनलेऊं॥ जीयतनसुरसरिउतरनदेऊं॥ समरमर
नपुनसुरसरितीरा॥ रामकाजछनभंगसरीरा॥ भरतभाइ १५१

नुपमैजननीचू॥वडेभागअसपाइयैमीचू॥स्वामिकाज
करिहौरनरारी॥जसुधुवलहौभअनदसचारी॥तजौंप्रा
नरघुनाथनिहोरे॥दुहूंहाथमदमोदकमोरे॥साधुसमा
जनजाकरलेषा॥रामभगतमहजासुनरेषा॥जायजियत
तजगसोमहिभारू॥जननीजोवनविटपकुठारू॥दोहा
विगतविषादनिषादपति॥सवहिवढायउछाहु॥सुमिर
राममागेयोतुरत॥तरकसधनुषसनाहु॥९४॥चोपई॥।
वेगभाईयहसजहुसंजोऊ॥रनहुंजाइकदराइनकोऊ
भलहिनाथसवकहिअसहरषा॥एकहिएकवढाईकर
षा॥चलेनिषादजुहारजुहारी॥सूरसकलरनरूचइरारी
सुमिरराम पदपंकजपनही॥भाथावाधिचढाउवधनही
अंगरीपहिरकूडिसिरधरही॥फरसावासमेलसमकर
ही॥एककुसलअतिओडनषांडे॥कूदहिगगनमनहु
छितछाडे॥निजनिजसाजुसमाजुवनाई॥गुहराउतहि
जुहारहिजाई॥देषसुभटसवलायकजाने॥लैलैनाम

सकलमनमाने॥दोहरा॥भाईहुलावहुधोषजनिआ
जकाजवडमोहि॥सुनसरोषवोलेसुभट॥वीरअधी
रनहोहि॥९५॥चौपई॥रामप्रतापनाथवलतोरे॥का
रहिकटकविनुभटविनुघोरे॥जीवतपाउनपाछेधरा
ही॥रुंडमुंडमयमेदनिकरही॥दीषनिषादनाथभ
लटोल॥कहोवजाउजुफाऊढोल॥इतनाकहतछी
कभईवाए॥कहोसगुनअन्हिषेतसुहाए॥वूढएक
कहसगुनविचारी॥भरतहिमिलयहोइनहिरारी॥
रामहिभरतमनावनजाही॥सगुनकहैअसिविग्रह
नाही॥सुनगुहकहैनीककहिवूढा॥सहसाकरिप
छितावहिमूढा॥भरतसुभाउशीलविनवूके॥वडिहि
तहानजानविनजूके॥दोहरा॥गहहुघाटसवसुभट
मि मिल॥लेहुमरमौलिजाइ॥वूफमित्रअरिमध्यगति॥
तवतसकरहुउपाउ॥९६॥चौपई॥लषवसनेहसुभाइ
सुहाए॥वैरुप्रीतिनहिदुरेदुराए॥असकहिभेटसंजो २९२

वनलागे॥ कंदमूलफलषगमृगमांगे॥ मीनपीनपाठी
नपुराने॥ भरिभरिभारकहारन्हआने॥ मिलनसाजुस
जिमिलनसिधाए॥ मंगलमूलसगुनसुभपाए॥ देषिदू
रतेकहिनिजनामू॥ कीन्हमुनीसहिदंडप्रनामू॥ जान
रामप्रियदीन्हअसीसा॥ भरतहिकहेउबुझाइमुनीसा॥
रामसषासुनिस्यंदनत्यागा॥ चलेउतरउमगतअनुरा
गा॥ गांउजातिगुहनाउंसुनाई॥ कीन्हजुहारमाथमहि
लाई॥ दोहा॥ करतदंडवतदेषितिहि॥ भरतलीन्हउरला
इ॥ मनहुलषनसनभेटभइ॥ प्रेमनहृदयसमाइ॥ ९७॥
चौपई॥ भेटतभरतताहिअतिप्रीती॥ लोगसिराहहिप्रेम
कैरीती॥ धन्यधन्यधुनिमंगलमूला॥ सुरसराहितिहि
वरसहिफूला॥ लोकवेदसवभांतहिनीचा॥ जासुछांह
लेऽ छुइलेइअसीचा॥ तिहिभरिअंकरामलघुभ्राता॥ मिलतपु
लिकपरिपूरितगाता॥ रामरामकहिजेजमुहाही॥ तिन्ह
हिनपापपुंजसमुहाही॥ यहतौरामलाइउरलीन्हा॥

॥तु॥रा
॥अयु॥
॥२९३

कुलसमेतजगपावनकीन्हा॥करमनासजलसुरसरि
परई॥तिन्हकोकहहुसीसनहिधराई॥उलटानामजप
तजगजाना॥वालमीकभएब्रह्मसमाना॥दोहरा॥स्वप
चसिवरषलजमनजड॥पावरकोलकिरात॥रामकह
तपावनपरमहोतभुवनविष्यात॥१९८॥चौपई॥नहिअ
चरजजुगजुगचलिआई॥किहिनदीन्हरघुवीरवडाई॥
रामनामममहिमासुरकहही॥सुनसुनअवधलोगसुष
लहहीं॥रामसषहिमिलभरतसप्रेमा॥पूछीकुशलसु
मंगलषेमा॥देषभरतकरसीलसनेहू॥भानिषादति
हिसमयविदेहू॥सकुचसनेहमोदमनवाढा॥भरतहि
चितवतइकटकगाढा॥धरधीरजुपदवंदवहोरी॥विन
यसप्रेमकरतकरजोरी॥कुशलमूलपदपंकजपेषी॥मै
तिहुकालकुशलनिजलेषी॥अवप्रभपरमअनुग्रहत
तोरे॥सहतकोटकुलमंगलमोरे॥दोहरा॥समुझिमोर
करततकुलप्रभमहिमाजीयजोई॥जोनभजैरघुवीरप २९३

२॥ जगविधिवंचितमोइ॥ ९९॥ चौपई॥ कपटीकायरु
कुमतिकुजाती॥ लोकवेदवाहेरसवभाती॥ रामकीन्ह
आपनजवहीते॥ भयोभुवनभूषनतवहीते॥ देषप्री
तिसुनिविनयसुहाई॥ मिलेउवहोरिभरतलघुभाई॥
कहिनिषादनिजनामसुवानी॥ सादरसकलजुहारी
रानी॥ जानलषनसमदेहिअसीसा॥ जीयहुसुषीसय
लाषवरीसा॥ निरषनिषादनगरनरनारी॥ भएसुषी
जनुलषननिहारी॥ कहहिलह्योइहजीवनलाहू॥ भे
टेयोरामभाइभरिवाहू॥ सुनिनिषादनिजभागवडाई
॥ प्रमुदितमनलैचलेउलवाई॥ दोहरा॥ सतकारेशेवकस
कलचलेस्वामिरुषपाइ॥ घरतरुतरसरवागवनवासु
वनाइन्हिजाइ॥ १००॥ चौपई॥ शृंगवेरपुरभरतदीषज
व॥ भेसनेहसवअंगसिथलतव॥ सोहतिदीयेनिषा
॥ लुध दहिलागा॥ जनुतनुधरेविनयअनुरागा॥ इहविधिभरतसे
नसँवसंगा॥ दीषजाइजगपावनगंगा॥ रामघाटकहु

॥तु॥रा कीन्हप्रनामू॥भामनमगनमिलेजनुरामू॥करहिंप्र
॥अयु॥नामनगरनरनारी॥मुदितब्रह्ममयबारिनिहारी॥क
॥२९८ रमज्जनमांगहिंकरजोरी॥रामचंद्रपदप्रीतिनथोरी॥
भरतकह्योसुरसरितवरेनू॥सकलसुषदसेवकसुरधे
नू॥जोरपानिवरमांगहुएहू॥सीयारामपदसहजसने
हू॥दोहा॥एहविधमज्जनभरतकरि॥गुरुअनुसासनपा
इ॥मातनहानीजानसव॥डेराचलेलवाइ॥२०२॥
चौपई॥जहंजहंलोगनडेराकीन्हा॥भरतसोधसवही
करलीन्हा॥गुरुसेवाकरिआयसुपाई॥राममातगृह
गेदोउभाई॥चरनचापकहिकहिमृदुवानी॥जननीस
कलभरतसनमानी॥भाइयहिसौपमातसेवकाई॥।
आपनिषादहिलीन्हबुलाई॥चलेसषाकरसोकरजो
रे॥सिथलसरीरसनेहनथोरे॥पूछतसषहिसोठाउदि
षाऊ॥नेकुनयनकीजरनजुडाऊ॥जहंसीयरामल
षनसिसोए॥कहतभरेजललोचनकोए॥भरतवच २९८

नसु भयो विषाद॥ भरत तहां लैगयो निषाद॥ दोहरा॥ जहा
सिसुपायपुनीततरुरघुवरकीयविश्राम॥ अतिसनेहसा
दरभरत॥ कीन्हेदंडप्रनाम॥२॥ चौपई॥ कुसशाथरीनि
हारिसुहाई॥ कीन्हप्रनामप्रदछिनजाई॥ चरनरेषरजआं
षन्हलाई॥ वनैनकहतप्रीतिअधिकाई॥ कनकविंदुदुइ
चारकदेषे॥ राषेसीससीयसमलेषे॥ सजलविलोचनहृ
दयगलानी॥ कहतसषासनवचनसुवानी॥ श्रीहतसी
यविरहदुतिहीना॥ जथाअवधनरनारमलीना॥ पिता
जनकदेउंपटतरकेही॥ करतलभोगयोगजगजेही॥
ससुरभानकुलभानुभुआलू॥ जिहिसिहातअमराव
तिपालू॥ प्राननाथरघुनाथगुसाई॥ जोवडहोतसोराम
वडाई॥ दोहरा॥ पतिदेवतासुतीयमनसीयसाथरीदेषि
विदरतहृदयनपंकजिम॥ पवितेकवनविशेष॥३॥ चौ
लालनयोगलषनलघुलोने॥ भैनभ्रातअसअहहिन
होने॥ पुरजनप्रियपितुमातदुलारे॥ सीयरघुवीरहिप्रा

॥तु॥रा नपियारे॥ मृदुमूर्तेरेसुकुमारसभाऊ॥ तातीवाततनलागा।
॥अयु नकाऊ॥ तेवनसहहिविपतिसभभांति॥ निदरेकोटिकु
॥२९५ लिशाइरूछाती॥ रामजनमजगकीन्हउजागर॥ रूपशी।
लसुषसवगुरसागर॥ पुरजनपरिजनगुरुपितुमाता॥।
रामसुभाउसवहिसुषदाता॥ वैरीयोरामवडाईकरही॥।
वोलनमिलनविनयमनहरही॥ सारदकोटिकोटिश
तसेषा॥ करिनसकहिप्रभुगुननगनलेषा॥ दोहरा॥ सुष।
सरूपरघुवंशमणि॥ मंगलमोदनिधान॥ तेसोवततकुश
डासमहि॥ विधिगतिअतिवलवान॥४॥ चौपई॥ रामसुना
दुषकाननकाऊ॥ जीवनतरुजिमजुगवतराऊ॥ पलक
नयनफणिमणिजिहभांती॥ जुगवहिजननीसवदिन
राती॥ तेअवफिरतविपनपदचारी॥ कंदमूलफलमूल फू॥
अहारी॥ धिगकैकेईअमंगलमूला॥ भैसिप्रानप्रीतमप्रा।
तिकूला॥ मैधिगधिगअघउदधिअभागी॥ सवउतपात
भयोजिहिलागी॥ कुलकलंककरिसृज्योविधाता॥ सा २९५

इहाँमहिकीन्हकमाता।।सुनतसप्रेमसमुझावनिषाद।।ना
यकरीयकतिवादविषाद।।रामतुम्हहिप्रियतुम्हप्रियरा।
महि।।इहेनिर्दोषदोसविधवामहि।। छंद ।। विध।
वामकीकरनीकठिनजिन्हिमातकीन्हीवावरी।।तिन्हिरा
तपुनतपुनकरहिप्रभसादरसहनरावरी।।तुलसीनतुम्ह
सोरामप्रीतिसुकहितहौंसोहेकीये।।परिनाममंगलजा
निअपुनेआनीयेधीरजुदीये।।सोरठा।।अंतरजामीराम।
सकुचसमेतकृपायतनु।।चलीयकरीयविश्राम।।यह।
विचारहृदआनमन।।५।।चौपई।।सषावचनसुनिउरघा।
रधीर।।वासचलेसुमिरतरघुवारी।।एहसुधपाइनगरन
रनारी।।चलेविलोकनआरतभारी।।परदषनाकरिका।
हि रिंप्रनामा।।देहिकैकेईषोरनिकामा।।भरिभरिवारिवि।
लोचनलेही।।वामविधातहिदूषनदेही।।एकसराहहि
भरतसनेहू।।कोकहेनृपहिनिवाहेउनेहू।।निंदहिआप
सरांहिनिषादहि।।कोकहिसकेविमोहविषादहि।।एह

॥नु॥रा विधिरातिलोकसबजागा॥भाभिनुसारउतारनलागा॥।
॥अयो गुरुहिसुनावचढाइसुहाई॥नईनावसबमातचढाई॥दंड
॥२९६ चामहिभैसभपारा॥उतरभरतसबँहिसंभारा॥दोहरा॥ क२
प्रातक्रियाकरिमातपदवंदगुरहिसिरुनाय॥आगेकीये
निषादगण॥दीन्हेकटकचलाइ॥९६॥चौपई॥कीयेनिषा
दनाथअगुआई॥मातपालकीसकलचलाई॥साथबु
लाइभाइलघुदीन्हा॥विप्रनसहितगवनगुरुकीन्हा॥
आपसुरसरिहिकीन्हप्रनामू॥सुमिरेलषनसहितसी
यरामू॥गवनेभरतपयादेहिपाये॥कोतलसंगजाहिडो
रियाए॥कहहिसुशेवकवारहिवारा॥होईयेनाथअश्व
असवारा॥रामपयादेपांउसिधाए॥हमकहुरथगजवा
जिवनाए॥सिरभरजाउउचतअसिमोरा॥सबतेशेवक
धर्मकठोरा॥देषभरतगतिसुनिमृदुवानी॥सबशेवक
मनकरहिगलानी॥दोहरा॥भरततीसरेपहरकहु॥की
न्हप्रवेसप्रयाग॥कहतरामसीयरामसीयउमगउमगअ २९६

नुराग ॥ ७ ॥ चौपई ॥ छलकाफलकतपायनकैसे ॥ पंक
जकोसओसकनजैसे ॥ भरतपयादेहिआयेआजू ॥ भ
योदुषितसुनिसकलसमाजू ॥ षवरलीन्हसवलोगन
हाए ॥ कीन्हप्रनामत्रिवेनिहिआए ॥ सविधिसितासित
नीरनहाने ॥ दीयेदानमहिसुरसनमाने ॥ देषतस्यामल
गौरहिलोरे ॥ पुलकसरीरभरतकरजोरे ॥ सकलकामप्रद
तीरथराऊ ॥ वेदविदितजगप्रगटप्रभाऊ ॥ मांगौभीषत्या
गनिजधरमू ॥ आरतकाहिनकरैकुकरमू ॥ असजीयजा
नसुजानसुदानी ॥ सफलकरहिजगजाचकवानी ॥ दोहा
अरथनधरमनकामरुचि ॥ पदनचहौंनिरवान ॥ जन्म
जन्मरतिरामपद ॥ यहवरदाननआन ॥ ८ ॥ चौपई ॥ जाने
उरामकुटिलकरिमोही ॥ लोककहैगुरुसाहवद्रोही ॥
सीतारामचरनरतमोरे ॥ अनुदिनवढौअनुग्रहतोरे ॥ ज
दपजनमभरिसुरतिविसारौ ॥ जावतजलपविपाहनडा
रौ ॥ चातकरटनघटेघटजाई ॥ वढेप्रेमसवभांतिभलाई

॥तु॥रा कनककहिवानचहैजिमदाहे॥ तिमप्रीतमपदनेमनिवा
॥अयु हे॥ भरतवचनसुनिमांझत्रिवैनी॥ भैमृदुवानिसुमंगलदे ग
॥१९७ नी॥ तातभरततुमसबविधसाधू॥ रामचरनअनुरागअ
गाधू॥ वादिगलानकरहुमनमाही॥ तुमसमरामहिकोउ
प्रियनाही॥ दोहरा॥ तनपुलकेउहीयहरषसुनिवेनिव
चनअनुकूल॥ भरतधन्यकहिधन्यसुरहरषितवरषहि
फूल॥ ॥ चौपई॥ प्रमुदिततीरथराजनिवासी॥ वैषानस
वटगृहीउदासी॥ कहहिपरसपरमिलदसपांचा॥ भर
तसनेहशीलसुचिसांचा॥ सुनतरामगुनग्रामसुहाए॥
भारद्वाजमुनिवरपहिआए॥ दंडप्रनामकरतमुनिदेषे
त मूरतिवंभाग्यनिजलेषे॥ धाइउठाइलाइउरलीन्हे॥ दीन्ह
असीसकृतार्थकीन्हे॥ आसनदीन्हनाइसिरुवैठे॥ चौर
सकुचगृहजनुभजिपैठे॥ मुनिपूछितकछुएहुवडसोचू
बोलेरिषिलषिशीलसंकोचू॥ सुनहुभरतहमसबसुधि
पाई॥ विधकरतबपरकछुनवसाई॥ दोहरा तुम्हगलान १९७

जीयजिनकरहुसमझुमातकरतूत॥तातकैकेईदोसन
नहि॥गईगिरामतिधूत॥२०॥चौपई॥यहौकहतभलक
हहिनकोऊ॥लोकवेदवुधसंमतदोऊ॥ताततुम्हारवि
मलजसुगाई॥पाइहिलोकौवेदवडाई॥लोकवेदसंम
तसवकहई॥जिहपितुदेइराजसोलहई॥राउसत्यव्रततु
म्हहिवुलाई॥देषराजुसुषधर्मवडाई॥रामगवनवनअ
नर्थमूला॥जोसुनिसकलविस्वभईसूला॥सोभावीव
सिरानिअयानी॥करिकुचालअंतहुपछितानी॥तहउ
तुम्हारअलपअपराधू॥कहैसोअधमअयानअसाधू॥
करतेहुराजुतौतुम्हहिनदोसू॥रामहिहोतसुनतसंतोसू॥
दोहरा॥अवअतिकीन्हेहुभरतभल॥तुम्हहिउचितमति
एहु॥सकलसुमंगलमूलजग॥रघुवरचरनसनेहु॥२१॥
चौपई॥सोतुम्हारधनजीवनप्राना॥भूरभागकोतुम्हहि
समाना॥यहतुम्हारआचरजनताता॥दसरथसुअनरा
मप्रियभ्राता॥सुनहुभरतरघुपतिमनमाही॥प्रेमपात्र॥

॥न॥रा तुह्मसमसमकोउनाही॥लषनरामसीतहिअतिप्रीती॥निश
॥अयु सवतुह्महिसराहतवीती॥जानामरमुनहातप्रियागा॥
॥२९८ मगनहोहितुह्मरेअनुरागा॥तुह्मपरअससनेहरघुवर
के॥सुषजीवनजगजसजडनरके॥यहनअधिकरघुवी
रवडाई॥प्रनतकुटंवपालरघुराई॥तुह्मतोभरतमोरमत
एह॥धरेदेहजनुरामसनेह॥दोहरा॥तुह्मकहभरतक
लंकयह॥हमसवकहउपदेस॥रामभगतरससिसिहहि
तभाययससौगनेस॥२२॥चौपई॥नवविधुविमलतातज
सतोरा॥रघुवरकिंकरकुमदचकोरा॥उदितसदाअथइ
हिकवहुना॥घटहिनजगनभदिनादिनदूना॥कोकलो
कप्रीतिअतिकरही॥प्रभुप्रतापरविछविहिनहरही॥
निशिदिनसुषदसदासवकाहू॥ग्रसहिनकैकेईकर
तवराहू॥पूरनरामसुप्रेमपियूषा॥गुरुअपमानदोष
नहिदूषा॥भूपभगीरथसुरसरिआनी॥सुमिरतसक
लसुमंगलषानी॥दसरथगुनगनवरनिनजाही॥अ २९८

धिक कहौं जिहि सम जग नाही॥ दोहा॥ जासु सनेह सको
च बस॥ राम प्रगट भए आइ॥ जे हर हीय नैनन कबहु निर
षे नहीं अघाइ॥ २३॥ चौपई॥ कीरति बिधु तुम कीन्ह अनूपा
जहँ बस राम प्रेम मृग रूपा॥ तात गलानि करहु जीय जाए॥
डरहु दरिद्रहि पारसु पाए॥ सुनहु भरत हम झूठ न कहहीं॥
उदासीन तापस बन रहहीं॥ सब साधन कर सुफल सुहा
वा॥ लषन राम सीय दरसन पावा॥ तिहि फल कर फल द
रस तुमारा॥ सहित प्रयाग सुभाग हमारा॥ भरत धन्य तु
म जग जस छयो॥ कहि अस प्रेम मगन मुनि भयो॥ सुनि
मुनि बचन सभासद हरषे॥ साधु सराहि सुमन सुर बरषे॥
धन्य धन्य धुनि गगन प्रयागा॥ सुन सुन भरत मगन अनु
रागा॥ दोहा॥ पुलक गात हीय राम सीय॥ सजल सरोरु
ह नयन॥ करि प्रनाम मुनि मंडलिहि॥ बोले गदगद बय
न॥ २४॥ चौपई॥ मुनि समाज अरु तीरथराजु॥ सांचिहु स
पथ अघाइ अकाजु॥ इह थल जो कछु कहिय बनाई॥

।।तु।। रा इहममअधिकनअघिअघिमाई।।नसमसर्वज्ञकहहुमत्त।
।।अयो भाऊ।।उरअंतरज्ञामीरघुराऊ।।मुहिनमानकरतवकरमो।
।।२५५ चू।।नहितुषजीयजगजानहियोचू।।नाहिनडरुविगरहि
परलोकू।।पितहिमरनकरिनाहिनसोकू।।सुकृतसुजसा
भरिभअनसुहाए।।लछमनरामसरिससुतपाए।।रामवि
रहतनुतजिछनभंगू।।भूपसोचकरकवनप्रसंगू।।रामल
षनसीयविनपगपनही।।करिमुनिवेषफिरहि वन
वनही।।दोहरा।।अजिनवसनफलअसनमहिसयन।
डासकुशपात।।वसततरुतरनितसहितहिमआतपवर।
षावात।।२५।।चौपई।।इहदुषदाहदहैदिनछाती।।भूषन
वासरनीदनराती।।इहकुरोगकरअवषधनाही।।सोधो
सकलविस्वमनमाही।।मातकुमातिवडीअघमूला।।।
तिहिहमारहितकीन्हविससला।।गटिककाठकरिकीन्ह
कुजंत्र।।गाडिअवधपटिकठनकुमंत्र।।मुहिलगिइह।
कुठाटजिहिठाटा।।घालिसिसबजगुबारहिवाटा।।मिट २५५

इहकरोगगरामफिरआए॥ वसेअवधनहिंआनउपाए॥ भर
तवचनसुनिमुनिसुषपाई॥ सबहिकीन्हबहुभांतवडाई
तातकरहुजिनसोचविशेषी॥ सवदुषमिटहिरामपददे
षी॥ दोहरा॥ करप्रवोधमुनिवरकह्यो॥ अतिथप्रेमप्रिय
होहु॥ कंदमूलफलफूलहमदेहलेहुकरिछोहु॥ २६॥ चौ
सुनमुनिवचनभरतहियसोच॥ भयोकअवसरकठन
सकोचु॥ जानिगुरुगुरिगिरावहोरी॥ चरनवंदिबोलेक
रजोरी॥ सिरधरआयसुकरीयतुह्मारा॥ परमधरमएहुना
थहमारा॥ भरतवचनमुनिवरमनभाए॥ सुचिशेवकसि
षनिकटवुलाए॥ चाहियकीन्हभरतपहुनाई॥ कंदमू
लफलआनहुजाई॥ भलहिनाथकहिंसिरुनाए॥ प्रमु
दितनिजनिजकाजसिधाए॥ मुनहिसोचपाहुनवडने
वता॥ तसपूजाचाहियजसदेवता॥ सुनिरिधिसिधिअणि
मादिकआई॥ आयसुहोइसोकरहिंगुसाई॥ दोहा॥ राम
विरहव्याकुलभरतसानजसहितसमाज॥ पहुनाईकर

[illegible] तिन्ह

तु रा
अयु
२००

हरहुश्रम॥कहामुदितमुनिराज॥२७॥चौपई॥रिधिसिधिसि
रधरिमनवरबानी॥बडभागिनआश्रमहिअनुमानी॥कहै
परसपरसिधिसमुदाई॥अतुलितअतिथिरामलघुभाई॥
मुनिपदबंदकरीयसोइआजु॥होइसुषीसबराजसमाजु॥
असिकहिरचेरुचिरग्रहनाना॥जोबिलोकिलषल
जहिं।
बिबाना॥भोगबिभूतिभूरिभरिराषे॥देबतजिन्हहिअम
रअभिलाषे॥दासीदाससाजसबलीन्हे॥जुगवतरहहिम
नहिमनदीन्हे॥सबसमाजसजिसिधपलमाही॥जेसुष
सुपनेहुसुरपुरनाही॥प्रथमहिवाससदीयसबकेही॥सुंद
रसुषदजथारुचिजेही॥दोहरा॥बहुरसपरजनभरतक।
हरिषिअसनुआयसदीन्ह॥बिधिबिसमैदायकभवनरि
षिवरतपबलकीन्ह॥२८॥चौपई॥मुनिप्रभावजबभरतबि
लोका॥सबलघुलगेलोकपतिलोका॥सुषसमाजुन।
हिजाइबषानी॥देबतबिरतबिसारहिज्ञानी॥आसन
शैनसुबसनबिताना॥बनबाटिकाबिहगमृगनाना॥। २००

सुरभिफलफलअमियसमाना॥विमलजलाशयविविध
विधाना॥असनपानसुचिअमितअमीसे॥देवलोकस
कुचातजिमीसे॥सुरसुरभीसरतरुसवहीके॥लषिअभि
लाषिसुरेससवीके॥रितुवसंतवहत्रिविधिवयारी॥सव
कहसुलभपदारथचारी॥श्रकचंदनवनितादिकभोगा॥
देषिहरषविसमयसवलोगा॥**दोहरा**॥संपतिचकईभर।
तचकमुनिआयसषिलवार॥तिहिनिसआश्रमपिंजरा
राषेभाभिनुसार॥२९॥**चौपई**॥कीन्हनिमज्जनतीरथराजा
नाइसुनहिसिरुसहतसमाजा॥रिषिआयसुअसीससिर
राषी॥करदंडवतविनयवहुभाषी॥पथगतकुशलसाथस
वलीन्हे॥चलेचित्रकूटहिचितदीन्हे॥रामसषाकरिदीन्हे
आगा॥चलतदेहधरजनुअनुरागा॥नहिपदत्राणसीसन
हिछाया॥प्रेमनेमव्रतरामअमाया॥लषनरामसीयपं।
थकहानी॥पूछतसषहिकहतमृदुवानी॥रामवासथल।
विटपविलोके॥उरअनुरागरहतनहिरोके॥देषिदशासु

॥रा॰॥ रा खरसरहिफूला॥ भैसइसहिमगमंगलमूला॥ दोहरा॥ की
॥अयो॥ येजासहिछायाजलद॥ सुषदवहैवरवात॥ तससमगभयोन
॥२०१॥ रामकहु॥ जसभाभरतहिजात॥२०॥ चौपई॥ जडचेतनम
गजीवघनेरे॥ जेचितयेप्रभुजिन्हप्रभहेरे॥ तेसभभएपर
मपदजोगू॥ भरतदरसमेटाभवरोगू॥ यहिवडिवातभर
तकैनाही॥ सुमिरतजिन्हहिरामसनमाही॥ वारिकराम
कहतजगजेऊ॥ होततरनतारननरतेऊ॥ भरतरामप्रि
यपुनिलघुभ्राता॥ कससनहोइमगमंगलदाता॥ सिद्धसा
धमुनिवरअसकहही॥ भरतैनिरषहरषहीयलहही॥
देषप्रभाउसुरेसहिसोची॥ जगभलभलेहिपोचकहुपो
ची॥ गुरुसनकहोकरीयप्रभुसोई॥ रामहिभरतहिभेट
नहोई॥ दोहरा॥ रामसकोचीप्रेमवससभरतसुप्रेमपयोध
वनीवातविगारनवहुतकरीयजतनछलसोधि॥२१॥ चौ
वचनसुनतसुरगुरुसमकाने॥ सहसनयनविनलोचा।
नजाने॥ कहगुरुवादिछोभछलछाडहु॥ इहांकपटक २०१

रिहोइअकाजहू॥ मायापतिसेवकसनमाया॥ करीयततउ
लटिपरैसुरराया॥ तवकछुकीन्हरामरुषजानी॥ अवकु।
चालकरिहोइहहानी॥ सुनसुरेसरघुनाथसुभाऊ॥ निज
अपराधिरिसाहिनकाऊ॥ जोअपराधभगतकरकरई॥।
रामरोषपावकसोजरई॥ लोकहुवेदाविदतिइतिहासा॥।
इहमहिमाजानेदुरवासा॥ भरतसरिसकोरामसनेही॥।
जगजपरामरामजपजेही॥ भरतरिदैरामैकरध्याना॥ रा
मसदाभरतहिसनमाना॥ दोहरा॥ मनहुनआनीयेअम
रपति॥ रघुवरभगतअकाज॥ अजसलोकपरलोकदु।
षदिनदिनशोकसमाज॥ २२॥ चौपई॥ सुनसुरेसउपदेस।
हमारा॥ रामहिशेवकपरमपियारा॥ मानतसुषशेवकशि
वकाई॥ शेवकवैरवैरअधिकाई॥ यद्यपिसमनहिरागन।
रोस॥ गहैनपापपुंन्यगुनदोस॥ कर्मप्रधानविश्वकरिरा।
षा॥ जोजसकरैसोतसफलचाषा॥ तदपिकरहिसमविष।
मविहारा॥ भगतअभगतिहदैअनुसारा॥ अगुनअले

॥तु॥रा चक्षमानएकरस॥रामसगुनभएभगतप्रेमवसि॥रामसदा
॥अय शेवकरुचिराषी॥वेदपुरानसाधुसुरसाषी॥असजीयजा।
॥२०२ नितजहुकुटिलाई॥करहुभगतपदप्रीतसुहाई॥दोहरा॥
रामभगतपरहितनिरतिपरदुषदुषीदयाल॥भगतसिरो
मणिभरततें॥जनिडरपहुसुरपाल॥२३॥चौपई॥सतसंध
प्रभसुरहितकारी॥भरतरामआयसुअनुसारी॥स्वारथ
विवसविकलतुम्हहोहु॥भरतदोसनहिराउरमोहु॥सुन
सुरवरसुरगुरुवरवानी॥भाप्रमोदमनमिटीगिलानी॥व
रषिप्रसूनहरषिसुरराऊ॥लगेसराहनभरतसुभाऊ॥इ
हविधभरतचलेमगजाहीं॥दसादेषमुनिसिद्धसिहाहीं
जवहिरामकहिलेहिउसासा॥उमगतप्रेममनहुचहुंपा
सा॥द्रवहिवचनसुनकुलिशपषाना॥पुरजनप्रेमनजा
इवषाना॥वीचवासकरिजमुनहिआए॥निरषनीरुलो
चनजलछाए॥दोहरा॥रघुवरवरनविलोकिवरवारिसमे
तसमाज॥होतमगनवारधिविरहिचढेविवेकजहाज॥ २०२

२४॥चौपई॥जमनतीरतिहदिनकरवास॥भयोसमयसम
सबहिसुपास॥रातहिघाटघाटकीतरनी॥आईअगनित
जाहिनवरनी॥प्रातपारभयेएकहिषेवा॥तोषेरामसषा
कीसेवा॥चलेनहाइनदिहिसिरनाई॥साथनिषादना
थदोऊभाई॥आगेमुनिवरवाहनआछे॥राजसमाजजाइ
सबपाछे॥तिहिपाछेदोऊबंधुपयादे॥भूषनबसनबेषसु
ठसादे॥सेवकसुहृदसचिवसुतसाथा॥सुमिरतलषन
सीयरघुनाथा॥जिहंजिहंरामवासविश्रामा॥तहंतहंक
रहिसप्रेमप्रनामा॥दोहरा॥मगवासीनरनारसुनि॥धाम
कामतजिधाइ॥देषसरूपसनेहवस॥मुदितजनमफ
लपाइ॥२५॥चौपई॥कहहिसप्रेमएकइकपाही॥रामल
षनसषिहोहिकिनांही॥वयवपुवरनरूपसोईआली॥
सीलसनेहसरससमचाली॥वेषनसोसषिसीयानसं
गा॥आगेअनीचलीचतुरंगा॥नहिप्रसंनमुषमानसषे
दा॥सषिसंदेहहोइइहभेदा॥तासुतरकतीयगनमनमानी

॥तु॥रा॥ कहहिसकलतु हिसमनमयानी॥ तिहिसराहिवानी इ
॥अयु॥ फुरहजी॥ वोलीमधुरवचनतीयइजी॥ कहिमप्रेमसव।
॥१०३॥ कथाप्रसंग॥ जिहिविधरामराजरसभंग॥।॥।॥।॥ भरत।
हिवहुरसराहनलागी॥ शीलसनेहसुभायसुभागी॥ दो
वलततपयादेषातफल॥ पितादीन्हतजिराज॥ जातमना
वनरघुवरहि॥ भरतसरसकोआज॥ चौपई॥ २६६॥ भायप
भरतभगतआचरन॥ कहतसुनतदुषदूषनहरन॥ जो
कछुकहववोरिसषिसोई॥ रामवंधुअसकाहिनहोई॥।
हमसवमानुजभरतहिदेषे॥ भईधमजवतीतनलेषे॥।
सुनगुनदेषदशापछितांही॥ कैकेइजननिजोगसुतनां
ही॥ कोउकहइषनरानिहिनाहिन॥ विधसवकीन्हहम
हिजोदाहिन॥ कहहमलोकवेदविधिहीनी॥ लघुतीय
कुलकरततमलीनी॥ वसहिकुदेसकुगाउकुवामा॥ क
हंयहदरसपुन्यपरनामा॥ असअनंदअचरजुप्रतिग्रा।
मा॥ जनुमरुभूमिकल्पतरुजामा। दोहरा भरतदर्श। १०३

देखतखेलो॥मगलोगन्हकरभाग॥जनुसिंघलवासिन्ह
भयोविधिवससुलभप्रयाग॥२७॥चौपई॥निजगुनसहि
तरामगुनगाथा॥सुनतजाहिंसुमिरतरघुनाथा॥तीरथमु
निआश्रमसुरधामा॥निरषनिमज्जहिंकरहिंप्रनामा॥म
नहीमनमागहिंवरुएहू॥सीयरामपदपद्मसनेहू॥मिल
हिंकिरातकोलवनवासी॥वैषानसवटजतीउदासी॥क
रप्रनामपूछहिंजिहतेही॥किहवनरामलषनवैदेही॥ते
प्रभुसमाचारुसभकहही॥भरतहिदेषजनमफललह
ही॥जेजनकहहिंकुशलहमदेषे॥तेप्रियरामलषनसम
लेषे॥एहविधिवूझतसवहिसुवानी॥सुनतरामवनवास
कहानी॥दोहरा॥तिहिवासरवसिप्रातही॥चलेसिमररघु
नाथ॥रामदरसकीलालसा॥भरतसरिससवसाथ॥२८॥
चौपई॥मंगलसगुनहोहिंसवकाहू॥फरकहिंसुदषवि
लोचनवाहू॥भरतहिसहितसमाजउछाहू॥मिलहहिरा
ममिटहिदुषदाहू॥करतमनोरथजसजीयजाके॥जा

॥नु॥रा हिसनेहसुरसमवच्छाके॥ मिथलसग्रगपगमगडगडोलहि
॥ऋयु॥ विहवलवचनप्रेमवससवोलहि॥रामससषातिहिसमयदि
॥२०८ षावा॥शैलसिरोमणिसहजसुहावा॥तासुसमीपसरँपय त
तीरा॥सीयसमेतवसहीदोऊवीरा॥देषकरहिसवदंड
प्रनामा॥कहिजयजानकिजीवनरामा॥प्रेमसमगनअ
सराजसमाज॥जनुफिरअवधचलेरघुराज॥दोहरा॥
भरतप्रेमतिहसमयजस॥तसकहिसकैनसेषु॥कवि
हिअगमजिमब्रह्मसुषअहममलिनजनेषु॥२४८॥
चौपई॥सकलसनेहसिथलरघुवरके॥गएकोससइइदि
नकरहरके॥जलथलदेषवसेनिसिवीते॥कीन्हगवन
रघुनाथपरीते॥उहांरामरजनीअवसेषा॥जागेसीयस
पनअसदेषा॥सहतसमाजभरतजनुआए॥नाथवि
योगतापतनताए॥सकलमलिनतनदीनदुषारी॥
देषीसासुआननअनुहारी॥सुनिसीयसपनभरेजलले
चन॥भएसोचवससोचविमोचन॥लषनसपनयह २०८

नीकन होई ॥ कवनकुचालसुनाइहिकोई ॥ असकहिबं
धुसमेतनहाने ॥ पूजिपुरारिसाधुसनमाने ॥ छेद ॥ सनमा
निसुरमुनिबंदिबैठेउतरदिसिदेखतभए ॥ नभधूरिखगमृग ॥ सदे३
भूरिभागेबिकलप्रभुआश्रमगए ॥ तुलसीउठेअवलोक
कारनकाहचितचकृतरहे ॥ सबसमाचारकिरातकोल
न्हआइतेहिअवसरकहे ॥ सोरठा ॥ सुनतसुमंगलबैन ॥
मनप्रमोदतनपुलकभर ॥ सरदसरोरुहनैन ॥ तुल ॥
सीभरेसनेहजल ॥ ३० ॥ चौपई ॥ बहुरसोचबसिभेसीय
रमनू ॥ कारनकवनभरतआगमनू ॥ एकआइअस
कहाबहोरी ॥ सेनसंगचतुरंगनथोरी ॥ सोसुनिरामहि
भाअतिसोचू ॥ इतपितुवचनउतबंधुसकोचू ॥ भरत ॥
सुभाउसमुझमनमाही ॥ प्रभुचितहितथितिपावतना ॥
ही ॥ समाधानतबभाइहुजाने ॥ भरतकहेअससाधु ॥
सयाने ॥ लषनलषेउप्रभुहृदयषभारू ॥ कहतसमैस
मनीतिविचारू ॥ बिनुपूछेकछुकहौंगुसाई ॥ सेवकस ॥

॥नु॥रा नमुषढीगहिठाई॥ तुसमवेज्ञशिरोमणिस्वामी॥ आप।
॥अय नसमुझिकहैअनुगामी॥ दोहरा॥ नाथसुहृदसुठिसर
॥२०५ लचितशीलसनेहनिधान॥ सवपरप्रीतिप्रतीतिजीय।
जानीयआपुसमान॥ ३२॥ चौपई॥ विषईजीवपाईप्रभु
ताई॥ मूढमोहवसिहोहिनजाई॥ भरतनीतिरतिसाधु।
सुजाना॥ प्रभुपदप्रेमसकलजगजाना॥ तेऊआजरा।
जपदपाई॥ चलेधरममरजादमिटाई॥ कुटिलकुवंधु
कुअवसरताकी॥ जानरामवनवासएकाकी॥ करकु।
मंत्रमनसाजिसमाजु॥ आएकरणअकंटकराजु॥ को
टिप्रकारकलुषकुटिलाई॥ आएदलवटोरिदोऊभाई
जोजीयहोतनकपटकुचाली॥ किहिसुहातरथवाज।
गजाली॥ भरतहोसदेईकोजाए॥ जगवोरायराजुपद
पाए॥ दोहरा॥ सिसुगुरुतीयगामीनहुषचढेउभूमिसु
रजान॥ लोकवेदतेविमुषभाअधमनवेनुसमान॥ ३३
चौपई॥ सहसवाहुसुरनाथत्रिशंकु॥ किहिनराजमद २०५

कीन्हकलंकू ॥ भरतकीन्हयहउचितउपाऊ ॥ रिपुरिनरंच
नराखिवकाऊ ॥ एककीन्हनहिभरतभलाई ॥ निदरेरा
मजानिअसहाई ॥ समुझपरैसोउआजविशेषी ॥ समरसरो
षराममुखपेषी ॥ इतनाकहतनीतिरसभूला ॥ रनरसवि
टपपुलकमिसफूला ॥ प्रभुपदवंदसीसरजराषी ॥ बोले
सत्यसहजबलभाषी ॥ अनुचितनाथनमानवमोरा ॥
भरतहमहिउपचारनथोरा ॥ कहंलगसहिअरहिमन
मारे ॥ नाथसाथधनहाथहमारे ॥ दोहा ॥ छत्रिजातरघु
कुलजनम ॥ रामअनुजजगजान ॥ लातहुमारेचढत
सिरनीचकोधूरिसमान ॥ ३३ ॥ चौपई ॥ उठकरजोररजाय
सुमागा ॥ मनहुवीररससोवतजागा ॥ वांधजटासिरकस
कटिभाथा ॥ साजिसरासनसायकहाथा ॥ आजुराम
शेवकजसुलेऊं ॥ भरतहिसमरसिषावनदेऊं ॥ रामनि
रादरकरिफलपाई ॥ सोवहुसमरसेजदोउभाई ॥ आई
बनाभलसकलसमाजू ॥ प्रगटकरौरिसपाछलिआजू

॥रा॥ रा जिमकरिनिकरदलैमृगराजू॥लेइलपेटलवाजिमबाजू॥
॥अयो तैसेहिभरतहिसेनसमेता॥सानुजनिदरनिपातौंषेता॥
॥२०५ जौसहाइकारशंकरआई॥तौमारौरनरामदुहाई॥दोहरा
अतिसरोषमाषेलषनलषिसुनसपथप्रमान॥सभय
लोकसवलोकपतिचाहतभैरिभगान॥२४॥चौपई॥ज
गभैमगनगगनभईवानी॥लषनवाहुवलविपुलवषा
नी॥तातप्रतापप्रभाउतुम्हारा॥कोकहिसकैकोजानन
हारा॥अनुचितउचितकाजुकछुहोई॥समुझिकरीयभ
लकहसवकोई॥सहसाकरियाछेपछिताही॥कहहि
वेदवुधितेवुधनाही॥सुनिसुरवचनलषनसकुचाने॥
राममीयसादरसनमाने॥कहितातततुम्हनीतिसुहाई॥स
वतेकठिनराजमदभाई॥जोअचवतनृपमातहितेई॥
नाहिनसाधुसभाजिहिसेई॥सुनहुलषनभलभरतस
रीसा॥विधप्रपंचमहिसुनानदीसा॥दोहरा॥भरतहि
होइनराजमद॥विधिहरिहरपदपाइ॥कवहुककांजी २०५

सीकरनि॥ छीरसिंधुविलगाइ॥ ३५॥ चौपई॥ तिमरतरुनत
रुनहिहिमगलई॥ गगनमगनवरुमेघहिमिलई॥ गोप
दजलवूडहिघटजोनी॥ सहजछमावरुछाडैछोनी॥ म
सकफूकवरुमेरुउडाही॥ होइननृपमदुभरतहिभाई॥
लषनतुह्मारसपथपितुआना॥ सुचिसुवंधुनहिभरत
समाना॥ सगुनषीरअवगुनजलताता॥ मिलैरचैपरपं
चविधाता॥ भरतहंसरविवंसतडागा॥ जनमकीन्हगुन
दोषविभागा॥ गहिगुनपयतजिअवगुनवारी॥ निजज
सजगतिकीन्हउजियारी॥ कहतभरतगुनशीलसुभाऊ॥
प्रेमपयोधमगनरघुराऊ॥ दोहरा॥ सुनरघुवरवानीविवुध
देषभरतपरहेत॥ सकलसराहतरामको॥ कोप्रभकृपानि
केत॥ ३६॥ चौपई॥ जौनहोतजगजनमभरतको॥ सकल
धरमधुरिधरनिधरतको॥ कविकुलअगमभरतगुनगा
था॥ कोजानैतुह्मविनरघुनाथा॥ लषनरामसीयसुन
सुरवानी॥ अतिसुषलह्योनजाइवषानी॥ ईहांभरतस

॥तु॥रा वसहितसहाए॥मंदाकिनीपुनीतनहाए॥सरितसमीप
॥अयु॥ राषिसबलोगा॥मागिमातगुरुसचिवनियोगा॥चलेभ
॥२०७ रतजहसीयरघुराई॥साथनिषादनाथलघुभाई॥समुझि
मातकरतवसकुचाही॥करतकुतर्ककोटिमनमाही॥।
रामलषनसीयसुनिममनाऊ॥उठिजनअनतजाहित
जिगाऊ॥दोहरा॥मातमतेमहुमानिमुहि॥जोकछुकर।
हिसोथोर॥अघअवगुनछमिआदरहि॥समुझिआप।
नीओर॥३७॥चौपई॥जौपरिहरहिमलिनमनजानी॥तौ
सनमानहिसेवकमानी॥मोरेसिरनरामकेपनही॥राम
सुस्वामिदोषसबजनही॥जगजसभांजनचातकमीना॥।
नेमप्रेमनिजनिपुननवीना॥असमनगुनतचलेमगजा
ता॥सकुचसनेहसिथलसबगाता॥फेरतमनहिमातु।
कृतिषोरी॥चलतभगतवलधीरजधोरी॥जवसमुझति
रघुनाथसुभाऊ॥तवपथपरतउताइलपाऊ॥भरतदशा
तिहअवसरकेसी॥जलप्रवाहजलअलिगतिजैसी॥। २०७

देषभरतकरसोचसनेहू॥ भानिषादतिहिसमयविदेहू॥ दो
लगेहोनमंगलसगुन॥ सुनमनकहतनिषाद॥ मिटहिसो
चहोइहहरष॥ पुनपरनामविषाद॥ ३८॥ चौपई॥ शेवक
वचनसतसवजाने॥ आश्रमनिकटजाइनियराने॥ भरा
तदीषवनशैलसमाजू॥ मुदितछुधतजनुपाइअनाजू॥
ईतभीतजनुप्रजाइषारी॥ त्रिविधतापपीडितग्रहमारी॥
जाइसुराजसुदेससुषारी॥ होहिभरतगतितिहेंअनुहारी
रामवासवनसंपतिभ्राजा॥ सुषीप्रजाजनुपाइसुराजा॥ स
चिवविरागविवेकनरेस॥ विपनसुहावनपावनदेस॥ भ
टयमनियमशैलरजधानी॥ शांतिसुमतिसुचिसुंदररानी
सकलअंगसंपन्नसुराऊ॥ रामचरनआश्रितचितचाऊ
दोहरा॥ जीतमोहिमहिपालदल॥ सहतविवेकभुआल
करतअकंटकराजुपुर॥ सुषसंपदासुकाल॥ ३९॥ चोपई॥
वनप्रदेसमुनिवासघनेरे॥ जनुपुरनगरगाउगनषेरे॥ वि
पुलविचित्रविहगमृगनाना॥ प्रजासमाजुनजाइवषाना॥ ना

॥तु॥रा षगमृगकरिकेहरिबाघबराही॥मेषमहिषवृषभसाषमराही
॥अयु॥ बैरुबिहाइचरहिंइकसंगा॥जहँतहँमनहुँसेनचतुरंगा।
॥२०८॥ झरनाझरहिंमत्तगजगाजहिं॥मनहुँनिशानविविधवि
धवाजहिं॥चकचकोरचातकसुकपिकगन॥कूजतमंजु
मरालमुदितमन॥अलिगनगावतनाचतमोरा॥जनुसु
राजमंगलचहुँओरा॥बेलिबिटपतृणसफलसफूला॥
सबसमाजमुदमंगलमूला॥दोहा॥रामशैलसोभानिर
षभरतहृदैअतिप्रेम॥तापसतपफलपाइजिम॥सुषसि
रानेनेम॥४०॥चौपई॥तबकेवटऊंचेचढिधाई॥कहेउभ
रतसनभुजाउठाई॥नाथदेषीयहिबिटपबिशाला॥पा
करिजंबुरसालतमाला॥तिन्हतरवरन्हमध्यबटुसोहा॥
मंजुबिशालदेषमनमोहा॥नीलसघनपल्लवफलला
ला॥अविचलछांहसदासबकाला॥मानहुँतिमिरअरु
नमयरासी॥बिरचीबिधिसकेलसुषमासी॥एतरुसरि
तसमीपगुसाईं॥रघुबरपरनकुटीजहँछाई॥तुलसीत २०८

रुवरविवधसुहाए॥कतहसीयकहलषनलगाए॥वटछाया
वेदकावनाई॥सीयनिजपानसरोजसुहाई॥दोहरा॥जहवैठे
मुनिगणसहित॥नितसीयरामसुजान॥सुनहिकथाइति
हाससव॥आगमनिगमपुरान॥४१॥चौपई॥सषावचनसु
नविटपनिहारी॥उमगेभरतविलोचनवारी॥करतप्रनाम
चलेदोऊभाई॥कहतप्रीतिसारदसकुचाई॥हरषहिनिरष
रामपदअंका॥मानहुपारसुपायोरंका॥रजसिरधरहीयेनै
नन्हलावहि॥रघुवरमिलनसरिससुषपावहि॥देषभरत
गतिअकथअतीवा॥प्रेममगनषगमृगजडजीवा॥सष
हिसनेहविवसमगभूला॥कहसुपंथसुरवरषहिफूला॥
निरषिसिद्धसाधकअनुरागे॥सहजसनेहसराहनलागे॥
होतनभूतलभावभरतको॥अचरसचरचरअचरकरतको
॥दोहरा॥प्रेमअमीयमंदरविरह॥भरतपयोधगंभीर॥
मथ्यप्रगटेसुरसाधहित॥कृपासिंधुरघुवीर॥४२॥चौपई
सषासमेतमनोहरजोटा॥लष्योलषनसंघनवनओटा॥

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥२०९॥

भरतदीषप्रभुआश्रमपावन॥ सकलसुमंगलसदनसुहाव।
न॥ करतप्रवेसमिटेदुषदावा॥ जनुयोगीपरमारथपावा॥ दे
षेभरतलषनप्रभुआगे॥ पूछेवचनकहतअनुरागे॥ सीस
जटाकटिमुनिपटवांधे॥ तूंनकसेकरसरधनुकांधे॥ वेदी
परमुनिसाधुसमाजू॥ सीयसहतराजतरघुराजू॥ वलक।
लवसनजटिलतनुस्यामा॥ जनुमुनिवेषकीन्हरतिकामा।
करकमलनधनुसायकफेरत॥ जीयकीजरनहरतहसि।
हेरत॥ दोहरा॥ लसतमंजमुनिमंडलीमध्यसीयरघुचंद॥
ज्ञानसभाजनुतनुधरे॥ भगतसच्चिदानंद॥४३॥ चौपई॥ सा
नुजसषासमेतमगनमन॥ विसरेहरषशोकदुषसुषगन
पाहिनाथकहिपाहिगुसाई॥ भूतलपरेलकुटिकीनाई।
वचनसप्रेमलषनपहिचाने॥ करतप्रनामभरतजीयजा।
ने॥ वंधुसनेहसरसइहओरा॥ उतसाहिवसेवावरजोरा॥।
मिलनजाइनहिगुदरतवनई॥ सुकविलषनमनकीग।
तिभनई॥ रहेराषसेवापरभारू॥ चढीचंगजनुषैचषिलारू २०९

कहतसप्रेमनाइमहीमाथा॥भरतप्रनामकरतरघुनाथा॥
उठेरामसुनप्रेमअधीरा॥कहुंपटकहुंनिषंगधनधीरा॥दो॥
वरवसलीयेउठाइ।उरलाएकृपानिधान॥भरतरामकोमि
लनलखि॥विसरेसवहिअपान॥४८॥चौपई॥मिलनप्री
तिकिमजाइवखानी॥कविकुलअगमकरममनवानी॥
परमप्रेमपूरनदोऊभाई॥मनवुधचितअहमितविसराई॥
कहहुसप्रेमप्रगटकोकरई॥किहछायाकविमतिअनुह
रई॥कवहिअरथआखरवलसाचा॥अनुहरितालगति
हनटुनाचा॥अगमसनेहभरतरघुवरको॥जहनजाइम
नविधिहरिहरको॥सोमैकुमतिकहोकिहभांती॥वाजसु
रागकीगाडरताती॥मिलिनविलोकभरतरघुवरकी॥सु
रगनसभयधकधकीधरकी॥समुझाएसुरगुरजडजागे
वरषप्रसूनप्रसंसनलागे॥दोहरा॥मिलसप्रेमरिपुसूदन
हि॥केवटुभेटेउराम॥भूरभागभेटेभरत॥लछमनकरत
प्रनाम॥४९॥चौपई॥भेटेउलषनललकिलघभाई॥वहु

॥नु॥रा॥ रनिषादलीन्हउरलाई॥ पुनिमुनिगनदुहूंभाइयनिबंदे॥ अ
॥अयु॥ भिमतिआशिषपाइअनंदे॥ सानुजभरतउमंगअनुरागा॥
॥२१०॥ धरिसिरसीयपदपदमपरागा॥ पुनपुनकरतप्रनामउठाए॥
सिरकरकमलपरसबैठाए॥ सीयअसीसदीन्हमनमाही॥
मगनसनेहदेहसुधनाही॥ सबबिधिसानुकूललखिसी
ता॥ भेनिशोचउरअपडरबीता॥ कोउकिछुकहैनकोउ
कछुपूछा॥ प्रेमभरामनुनिजगतिछूछा॥ तिहिअवसर
केवटधीरजुधरि॥ जोरपानविनवतप्रनामकर॥ दोहरा॥
नाथसाथमुनिनाथके॥ मातुसकलपुरलोग॥ सेवकसे
नपसचिवसब॥ आएविकलवियोग॥ ४६॥ चौपई॥ सील
सिंधुसुनगुरुआगमनु॥ सीयसमीपराखेरिपुदमनु॥ चा
लेसबेगरामतिहिकाला॥ धीरधरमधुरदीनदयाला॥ गु
रहिदेखसानुजअनुरागे॥ दंडप्रनामकरनप्रभुलागे॥ मु
निबरधाइलीयेउरलाई॥ प्रेमउमंगभेटेदोउभाई॥ प्रेमपु
लकेवटकहिनामु॥ कीन्हदूरतेदंडप्रनामु॥ राममखारि २१०

षवरवसभेटा॥जनुमहिलुटतसनेहसमेटा॥रघुपतिभगतसुमं।
गलमूला॥नभसराहिसुरवरषहिफूला॥एहिसमनिपटनीचको
ऊनाही॥वडवशिष्टसमकोजगनाही॥दोहा॥जिहिलषिलषन
हुतेअधक॥मिलेमुदितमुनिराउ॥सोसीतापतिभजनकोप्रगट
प्रतापप्रभाउ॥४७॥चौपई॥आरतलोकरामसवजाना॥करुना
करसुजानभगवाना॥जोजिहिभायरहाअभिलाषी॥तिहतिहे
केतसतसरुषराषी॥विपुलवेषविरंचरघुनाथा॥कौतकनिध
लछमनसीयसाथा॥सानुजमिलपलमहुसवकाहु॥कीन्हदूर
दुषदारुणदाहु॥एहिवडिवातरामकेनाही॥जिमघटकोटरास
रविछाही॥मिलकेवटहिउमंगअनुरागा॥पुरजनसकलसरा
हहिभागा॥देषीरामदुषितमहितारी॥जिमसुवेलअवलीहिम
मारी॥प्रथमरामभेटेकेकेई॥सरलसुभाइभगतिमतिभेई॥प
गपरकीन्हप्रवोधवहोरी॥कालकरमविधसिरधरिषोरी॥दोहा
भेटीरघुवरमातसव॥करप्रवोधपरतोष॥अंवईसआधीनज।
गकाहुनदेइदोष॥४८॥चौपई॥गुरुतीयपदवंदेदुहुंभाई॥सव

॥तु॥रा॥
॥अयो॥
॥२११॥

तबिप्रतीयजेसंगआई॥ गंगगौरिसमसबसनमानी॥ देहिअसी।
समुदितमृदुवानी॥ गहिपदलगेसुमित्राअंका॥ जनुभेटीसंपत्त
अतिरंका॥ पुनजननीचरनन्हदोउभ्राता॥ परेप्रेमब्याकुलसब।
गाता॥ अतिअनुरागअंबउरलाए॥ नैनसनेहसलिलअन्हवा
ए॥ तिहिअवसरकरहरषबिषादु॥ किमकबिकहैमूकजिमस्वा
दु॥ मिलजननिहिसानुजरघुराऊ॥ गुरुसनकह्योकिधारीयपा
ऊ॥ पुरजनपाइमुनीसनियोगू॥ जलथलतकितकिउतरलोगू
दोहा॥ महिसुरमंत्रीमातगुरुगनेलोगलीयेसाथ॥ पावनआ
श्रमगवनकीय॥ भरतलषनरघुनाथ॥ ४८॥ चौपई॥ आइसीय
मुनिवरपगलागी॥ उचतअसीसलहीमनमांगी॥ गुरुपतनि।
हिमुनतीयन्हसमेता॥ मिलीप्रेमकहिजाइनजेता॥ बंदबंदप
गसीयसबहीके॥ आशिरबचनलहेप्रियजीके॥ सासुसकल
जबदुखितनिहारी॥ मूंदेनयनसहमिसुकुमारी॥ परीबधिक
बसमनहुमराली॥ काहकीन्हकरतारकुचाली॥ तिन्हसीय
निरखनिपटदुखपावा॥ सोसबसहीयजोदेवसहावा॥ जनक २११

सुतातवउरधरधीरा॥ नीलनलिनलोयनभरिनीरा॥ मिलीसकल।
मासुन्हसीयजाई॥ तिहिअवसरकरुनामहिछाई॥ दोहरा॥ लाग
लागपगसवनिसीय॥ भेटतअतिअनुराग॥ हृदयअसीसहिंप्रे।
मवस॥ रहीयहुभरीसुहाग॥ ४९॥ चौपई॥ विकलसनेहसीयसव
रानी॥ वैठनसवहिकह्योगुरुज्ञानी॥ कहिजगगतिनायकमुनि
नाथा॥ कहेकछुकपरमारथगाथा॥ नृपकरसुरपुरगावनसुनावा
सुनरघुनाथदुसहदुषपावा॥ मरनहेतुनिजनेहुविचारी॥ भेअ
तिविकलधीरधुरधारी॥ कुलिशकठोरसुनतकटुवानी॥ विलप
तलषनसीयसवरानी॥ शोकविकलअतिसकलसमाज॥ मान
हुराजअकाज्योआज॥ मुनिवरवहुररामसमझाए॥ सहितसमा
जसुरसरितनहाए॥ व्रतनिरंवुतिहिदिनप्रभकीन्हा॥ मुनहिक
ह्योजलकाहुनलीन्हा॥ दोहरा॥ भोरभयेरघुनंदनहि॥ जोगुरु।
आयसुदीन्ह॥ श्रद्धाभगतिसमेतप्रभु॥ सोसवसादरकीन्ह॥ ५०॥।
चौपई॥ करिपितुक्रियावेदजसवरनी॥ भेपुनीतपातकतमतर
नी॥ जासुनामपावकअघतूला॥ सुमिरतसकलसुमंगलमूला

॥न॥रा सुहसोभयोसाधुसंमतश्रम॥तीरथश्रावाहनसुरसरिजस॥सुहभ
॥अयु॥ एउईवासरवीते॥वोलेगरुसनरामपिरीते॥नाथलोगसववनिपट
॥२२२॥ दुषारी॥कंदमूलफलअंवुअहारी॥सानुजभरतसचिवअरुमाता
देषिमोहिपलजिमजुगजाता॥सवसमेतपुरधारीयपाऊ॥आप
ईहांअमरावतिराऊ॥वहुतकहेअुतिहोतदिठाई॥उचितहोइसो
करियगुसाई॥दोहरा॥धरमसेतुकरुनायतनु॥कसनकहहुअ
सराम॥लोगदुषितदिनदुइदरसदेषलहहिविश्राम॥५॥चौपई॥
रामवचनसुभसभयसमाजु॥जनुजलनिधमहुविकलजहाजु॥
सुनगुरुगिरासुमंगलमूला॥भयोमनहुमारुतअनुकूला॥पा
वनपयतिहुकालनहाही॥जोविलोकअघओघनसाही॥मंग
लमूरतिलोचनभरभार॥निरषहिहरषदंडवतकरकर॥रामशै
लवनदेषनजाही॥जहसुषसकलसकलदुषनाही॥झरनाझ
रहिसुधासमवारी॥त्रिविधतापहरित्रिविधवयारी॥विटपवेल
त्रनअगनितजाती॥फलप्रसनपल्लववहुभाती॥सुंदरशिला
सुषदतरुछाही॥जायवरनवनछविकिहिपाही॥दोहरा॥० ॥२२२॥

मरनमरोरुहजलविहगकूजतगुंजतभृंग॥ वैरविगतविहरतविप
न॥ म्रगविहंगवहुरंग॥५२॥ चौपई॥ कोलकिरातभिल्लवनवासी॥
मधुशुचिसुंदरस्वादसुधासी॥ भरिभरिपरनपुटीरचिरूरी॥ कंदमू
लफलअंकुरजूरी॥ सवैदेहिकरविनयप्रनामा॥ कहिकहिस्वाद
भेदगुननाना॥ देहलोगवहुमोलनलेही॥ फेरतरामदुहाईदेही
कहहिसनेहमगनमृदुवानी॥ मानतसाधुप्रेमपहिचानी॥ तु
म्हसुकृतीहमनीचनिषादा॥ पावादरसनरामप्रसादा॥ हमहिअ
गमअतिदरसतुम्हारा॥ जसमरुधरनिदेवसरिधारा॥ रामकृपा
लनिषादनिवाजा॥ परिजनप्रजौचहियजसराजा॥ दोहरा॥ यह
जीयजानिसकोचतजि॥ करियछोहलखिनेहु॥ हमहिकृतारथ
करणलगि॥ फलतृणअंकुरलेहु॥५३॥ चौपई॥ तुमप्रियपाहुन
वनपगुधारे॥ सेवायोगनभागहमारे॥ देवकाहहमतुमहिगुसा
ई॥ ईंधनपातकिरातमिताई॥ यहहमारिअतिवडिसेवकाई॥ ले
हनवासनवसनचुराई॥ हमजडजीवजीवगनघाती॥ कुटलकु
चालीकुमतिकुजाती॥ पापकरतनिशिवासरजाही॥ नहिपट

॥तु॥रा
॥अयु॥
॥२१३॥

करनहिंपेटसम्रघाही ॥ सपनेहुधर्मबुद्धिकसकाऊ ॥ यहरघुनंदन।
दरसप्रभाऊ ॥ जवतेंप्रभुपदपदमनिहारे ॥ मिटेदुसहदुषदोषहमा
मारे ॥ वचनसुतपुरजननअनुरागे ॥ तिन्हकेभागसराहनलागे ॥
छंद लागेसराहनभागसवअनुरागवचनसुनावही ॥ बो
लनिमिलनिसीयरामचरनसनेहुलपसुषपावही ॥ नरनारिनि
दरहिनेहुनिजसुनकोलेभिल्लनकीगिरा ॥ तुलसीकृपारघुवंश
मनिकीलोहलेनोकातरा ॥ सोरठा ॥ विहरहिंवनचहुंओर ॥ प्रति
दिनप्रमुदितलोगसव ॥ जलज्युंदादुरमोर ॥ भरेपीनपावससप्रथ
म ॥ ५४ ॥ चौपई ॥ पुरनरनारिमगनअतिप्रीती ॥ वासरजाहिंपल
कसमवीती ॥ सीयासासुप्रतिवेषवनाई ॥ सादरकरैसासुसेवका
ई ॥ लषानमरमरामविनकाहू ॥ मायासवसीयमायानाहू ॥ सी
यसासुसेवावसिकीन्ही ॥ तिन्हलहिसुषसिषआशिषदीन्ही ॥
लषिसीयसहितसरलदोउभाई ॥ कुटिलरानिपछितानिअ
घाई ॥ अवनिजमहिजाचतकेकेई ॥ महिनवीचविधिमीचनदे
ई ॥ लोकहिवेदविदतिकविकहही ॥ रामविमुषथलनरकन २१३

लहही॥यहसंशयसवकेमनमाही॥रामगवनविधिअवधकिना
ही॥दोहरा॥निशननींदनहिभूषदिन॥भरतविकलसुठसोच॥।
नीचकीचविचमगनजस॥मीनहिसलिलसकोच॥५५॥चौपई।
कीन्हमातमिसुचालकुचाली॥ईतभीतजसपाकतसाली॥किहि
विधहोइरामअभिषेकू॥मोहिअवकलतउपाइनएकू॥अवस
फिरहिगुरुआयसुमानी॥मुनपुनकहिवरामरुचिजानी॥।
क मातंहहुवहुरहिरघुराऊ॥रामजननिहठकरवकिकाऊ॥मु
हिअनुचरकरकेतिकवाता॥तिहमैकुसमोवामविधाता॥जो
हठकरौतोनिपटकुकरमू॥हैगिरतेगुरुशेवकधरमू॥एकौजु
गतनमनठहिरानी॥सोचतभरतहिरैनविहानी॥प्रातनहा
इप्रभहिसिरनाई॥वैठतपठएरिषीयवुलाई॥दोहरा॥गुरुपद
कमलप्रनामकरि॥वैठेआयसुपाइ॥विप्रमहाजनसचिवस
व॥जुरेसभासदआइ॥५६॥चौपई॥वोलेमुनिवरसमयसमा
ना॥सुनहुसभाशदभरतसुजाना॥धर्मधुरीनभानुकुलभा।
नू॥राजारामस्ववशभगवानू॥सत्यसंधपालकश्रुतिसेतू॥।

।नु।रा रामजन्मजगमंगलहेतू। गुरुपितुमातुवचनअनुसारी। खलद
।अयु लदलनदेवहितकारी। नीतप्रीतिपरमारथस्वारथ। कोउनरा।
।२१८ मसमजानजथारथ। विधिहरिहरशशिरविदिशिपाला। माया।
जीवकरमकुलकाला। अहिपमहिपजहलगिप्रभुताई। योग
सिद्धनिगमागमगाई। करविचारजीयदेषहुनीके। रामरजाइ
सीससबहीके। दोहरा। राखेरामरजाइरुष। हमसबकरसुषहो
इ। समुजिसयानेकरहुअब। सबमिलसंमतसोइ।५७ चौपई।
सबकहुसुषदरामअभिषेकू। मंगलमोदमूलमगएकू। किह
विधअवधचलहिरघुराऊ। कहहुसमजिसोईकरीयउपाऊ।
।सु सबसादरसुनिमुनिवरवानी। नयपरमारथस्वारथसानी। उत्त।
रुनआवलोगभएभोरे। तबसिरुनायभरथकरजोरे। भानुबं
।।एकतेँ सभएभूपघनेरे। अधिकएकवडेरे। जनमहेतुसबकहिपितु
माता। करमसुभासुभदेईविधाता। दलिदुषसजइसकलक
ल्याना। असिअसीसराउरजगजाना। सोगुसाइविधगतजि।
हिछेकी। सकेकोटारिटेकजोटेकी। दोहरा। वूझीयमोहिउ। २१८

पाइअव॥ सोमयमोरअभाग॥ सुनसनेहमयवचनगुरु॥ उरउम
ग्योअनुराग॥ ५८॥ चौपई॥ तातबातफुररामकृपाही॥ रामविमु
षसिधसपनेहुनाही॥ सकुचौतातकहतइकवाता॥ अरधतज
हिवुधसरवसुजाता॥ तुह्मकाननगवनेहुदोउभाई॥ फेरहिअ
हिलषसीयरघुराई॥ सुनसुभवचनहरषिदोउभ्राता॥ भेप्रमो
दपरिपूरनगाता॥ मनप्रसंन्नतनतेजविराजा॥ जनुजीयेराउ
रामभएराजा॥ वहुतलाभलोकनलघुहानी॥ समदुषसुषसम
वरावहिरानी॥ कहहिभरतमुनिकहासुकीन्हे॥ फलजगजी
वनअभिमतदीन्हे॥ काननकरौजनमभरवासू॥ इहतेअधि
कनमोरसुपासू॥ दोहरा॥ अंतरजामीरामसीय॥ तुह्मसर्वज्ञसु
जान॥ जौफुरकहततौनाथनिज॥ कीजीयवचनप्रमान॥ ५९॥
चौपई॥ भरतवचनसुनदेषसनेह॥ सभासहितमुनभयोवि
देह॥ भरतमहामहिमाजलरासी॥ मुनिमतिठाढतीरअवला
सी॥ गाचहपारजतनहीयहेरा॥ पावतनावनवोहितवेरा॥ ।
औरकरहिकोभरतवडाई॥ सरतसीपकिससिंधुसमाई॥ ।॥

॥तु॥रा॥ भरतसुनहिमनभीतरभाए॥सहितसमाजरामपहिंआए॥प्रभ
॥अ्रय॥ प्रनामकरदीन्हसुआसन॥बैठेसबसुनिमुनिअनुसासन॥बो
॥२२५॥ लेमुनिवरवचनविचारी॥देसकालअवसरअनुहारी॥सुन
हुरामसर्वज्ञसुजाना॥धर्मनीतिगुनज्ञाननिधाना॥दोहरा॥
सवकेउरअंतरवसहु॥जानहुभाउकुभाउ॥पुरजनजननीभ
रतहितहोइसोकहीयउपाउ॥६०॥चौपई॥आरतकहहिविचा
रनकाऊ॥सूझजुआरहिआपनदाऊ॥सुनमुनिवचनकह
तरघुराऊ॥नाथतुम्हारेहाथउपाऊ॥सवकरहितरुषराउररा
षे॥आयसुकीयेमुदतफुरभाषे॥प्रथमजुआयसुमोकोहोई
माथेमानकरोसिषसोई॥पुनिजेहिकहजसकरवगुसाई॥सो
सवभांतघटहिसेवकाई॥कहिमुनिरामसत्तसभाषा॥भ
॥से३ रतसनेहविचारनराषा॥तिहिंकसोवहोरिवहोरी॥भरतभ
गतवसभइमतिमोरी॥मोरेजानभरतरुचराषी॥जोकीजीय
सोसुभशिवशाषी॥दोहरा॥भरतविनयसादरसुनय।करैवि
चारवहोरि॥करवसाधमतिलोकमति॥नृपनयनिगमनिचो २२५

२॥ ६१॥ चौपई॥ गुरुअनुरागभरतपरदेषी॥ रामहृदयआनंदविशे
षी॥ भरतहिधर्मधुरंधरजानी॥ निजशेवकतनमानसवानी॥ बो
लेगुरुआयसअनुकूला॥ वचनमंजुमृदुमंगलमूला॥ नाथ।
सपथपितुचरनदुहाई॥ भयोनभुअनभरतसमभाई॥ जोगुरु
पदअंबुजअनुरागी॥ तेलोकहुवेदहुवडभागी॥ राउरजापर।
असअनुरागू॥ कोकहिसकैभरतकरभागू॥ लषलघुवंधुवु।
द्धिसकुचाई॥ करतवदनपरभरतवडाई॥ भरतकहहिंसोकी।
येभलाई॥ असकहिरामरहेअरगाई॥ दोहरा॥ तवमुनवोलेभ
रतसन॥ सवसकोचतजितात॥ कृपासिंधुप्रियवंधुसव॥ कहो
हृदयकीवात॥ ६२॥ चौपई॥ सुनमुनिवचनरामरुषपाई॥ गुरु
साहिवअनुकूलअघाई॥ लषिअपनेसिरसवछिलभारू॥ क
हिनसकहिकछुकरहिविचारू॥ पुलकिशरीरसभाभएठाढे॥
नीरजनयननेहजलवाढे॥ कहवमोरमुनिनाथनिवाहा॥।
इहतेअधिककहौमैकाहा॥ मैजानोनिजनाथसुभाऊ॥ अ
पराधिहुपरकोहनकाऊ॥ मोपरकृपासनेहविशेषी॥ षेलत

॥त॥रा॥ षुनसनकबहूपेषी॥सिसुपनतेपरिहरेउनसंग॥कबहुनकी।
॥अयु॥ न्ह्योमोरमनभंग॥मैप्रभुकृपारीतिजीयेजोही॥हारेहुषेलजि।
॥२१६॥ तावहिमोही॥दोहरा॥मैहूसकोचसनेहवस॥सनमुखकहेउन।
वैन॥दरसनतृपतिनआजलगि॥प्रेमपियासेनैन॥६४॥चौ॥
विधनसकेउसहिमोरदुलारा॥नीचवीचजननीमिसुपारा॥य
हेकहतमुहिआजनशोभा॥अपनीसमसमुझिसाधुसुचिकोभा॥।
मातमंदमईसाधुसुचाली॥उरअसआनतकोटकुचाली॥फ
रइककोदवबालिसुसाली॥मुकतापसवकिसंवककाली॥।
सपनेदोसुकलेसुनकाहू॥मोरअभागउदधिअवगाहू॥विनु
समझेनिजअघपरपाकू॥जारेउजायजननिकहिकाकू॥ह
देहेरहारेउसवउरा॥एकहिभांतभलहिसभमोरा॥गुरुगु।
साइसाहिवसीयरामू॥लागतमोहिनीकपरनामू॥दोहरा॥।
साधुसभागुरुप्रभुनिकट॥कहेउसुथॅलसतिभाउ॥प्रेमप्रपंचकि ल॥
झूठफुर॥जानहिमुनिरघुराउ॥६५॥चौपई॥भूपतिमरनप्रेम
पनराषी॥जननीकुमतिजगतसवसाषी॥देषिनजाइविक २१६

लमहितारी॥ जरहिहुसहदुसहनरनारी॥ मेटीसवअनरथकर
मूला॥ सोसुनिसमुझिसहौसवसूला॥ सुनवनगवनकीन्हर
घुनाथा॥ करमुनिवेषलषनसीयसाथा॥ विनुपन्हहीनपयादे
हिपाए॥ शंकरसाषिरह्योअहिघाए॥ वहुरनिहारनिषादसने
हू॥ कुलिशकठनउरभयोनवेहू॥ अवसवआंषिनदेषोआई
जीयतजीवजडसवइसहाई॥ जिन्हहिनिरषमगसांपिनवीछी
तजहिविषमविषतापसितीछी॥ दोहरा॥ तेरघुनंदनलषनसी
य॥ अनहितलागेजाह॥ तासुतनयतजिदुसहदुषदैवसहावै
काह॥ २६१॥ चौपई॥ सुनअतिविकलभरतवरवानी॥ आरतप्री
तविनयनयसानी॥ शोकमगनसवसभाषभारू॥ मनहुका
मलवनपरयोतुषारू॥ कहिअनेकविधकथापुरानी॥ भरतप्र
वोधकीन्हमुनिज्ञानी॥ वोलेउचितवचनरघुनंदू॥ दिनकरकु
लकैरववनचंदू॥ तातजाइजनकरहुगिलानी॥ ईसअधीन
जीवगतिजानी॥ तीनकालत्रिभअनमतमोरे॥ पुंन्यशलोक
ताततरतोरे॥ उरआनततमपरकुटिलाई॥ जायलोकपरलोक

॥तु॥रा
॥अयु॥
॥२१२॥

नसाई॥दोसदेहिजननिजडजतेई॥जिन्हगुरुसाधसभानहिसेई
॥दोहरा॥मिटिहैपापप्रपंचसबअखिलअमंगलभार॥लोकसुज
सपरलोकसुष॥सुमिरतनामतुह्मार॥९७॥चौपई॥कहौसुभाउ
सत्यसिवसाषी॥भरतभूमिरहराउरराषी॥तातकुतर्ककरहुज
निजाए॥वैरप्रेमनहिदुरैदुराए॥मुनिगननिकटविहगमृगजा
जाहीं॥बाधिकबधिकबिलोकपराहीं॥हितअनहितपसुपंछी
योजाना॥मानुषतनगुनज्ञाननिधाना॥ताततुह्महिमैजानौ
नीके॥करौकाहअसमंजसजीके॥राष्योराउसत्यमोहित्यागी
तनपरिहरयोप्रेमपनलागी॥तासुवचनमेटतमनसोचू॥तिह
तेअधिकतुह्मारसंकोचू॥तापरगुरुमोहिआयसुदीन्हा॥अव
सजुकहौचहौसोइकीन्हा॥दोहरा॥मनप्रसंनकरिसकुचतज
कहहुकरौसोइआजु॥सत्यसंधरघुवरवचनसुनिभासुषीसमा
माजु॥९८॥चौपई॥सुरगनसहितसभयसुरराजू॥सोचहिचा
हतहोनअकाजू॥करतउपाउवनतकछुनाहीं॥रामसरनसब
गेमनमाहीं॥वहुरविचारपरसपरकहहीं॥रघुपतिभगतिभ ॥२१२

गतिबसमनअहही ॥ सुधकरिअंबरीबदुरवामा ॥ भेसुरसुरपतिनिय
टनिरामा ॥ मन्हेसुरनबहुकालबिषादा ॥ नरहरकीयेप्रगटप्रहि
लादा ॥ लगिलगिकानकहहिधुनमाथा ॥ अवसुरकाजभरत
केहाथा ॥ आनउपावनदेषीयेदेवा ॥ मानतरामसुशेवकसेवा ।
हियेसुप्रेमसुमिरहुसवभरतहि ॥ निजगुणशीलरामवसिकरत ।
हि ॥ दोहरा ॥ सुनिसुरमतिसुरगुरुकह्यो ॥ भलतसारवडभाग ॥
सकलसुमंगलमूलजग ॥ भरतचरनअनुराग ॥ २६४ ॥ चौपई ।
सीतापतिशेवकशेवकाई ॥ कामधेनुसमसरससुहाई ॥ भरतभ
गततुसेरेमनआई ॥ तजहुसोचविधवातवनाई ॥ देषदेवपति ।
भरतप्रभाऊ ॥ सहजसुभाइविवसिरघुराऊ ॥ मनथिरकरहुदे
वडरनाही ॥ भरतजानरामपरिछाही ॥ सुनसुरगुरुसुरसंमत ।
सोच ॥ अंतरजामीप्रभहिसंकोच ॥ निजसिरभारभरतजीयजा
ना ॥ करतकोटिविधउरअनुमाना ॥ करविचारमनकीनीठी ।
का ॥ रामरजायसुआपननीका ॥ निजपनतजिराष्योपनमोरा
छोहसनेहकीन्हनहिथोरा ॥ दोहरा ॥ कीन्हअनुग्रहअमितअत ।

॥तु॥रा॥
॥अयो॥
॥२१८॥

सबविधिसीतानाथ॥करप्रनामबोलेभरत॥जोरजलजजुगहाथ।
७०॥चौपई॥कहौंकहावौंकाअवस्वामी॥कृपाअंवुनिधिअंत
रजामी॥गुरप्रसंनसाहिवअनुकूला॥मिटीमलिनमनकल्पि
तसूला॥अपडरडरयोनसोचसमूला॥रविहिनदोसुदेवदिग
भूला॥मोरअभागमातकुटिलाई॥विधिगतिविषमकाल
कठनाई॥पांउरोपसवमिलमुहिघाला॥प्रणतपालप्रणआ
पनपाला॥यहनइरीतिनराउरहोई॥लोकहुवेदविदतनहि
गोई॥जगअनभलभलएकगुसाई॥कहियहोइभलकासु
भलाई॥देषिदेवतरुसरिससुभाऊ॥सनमुषविमुषनकाहु
हिकाऊ॥दोहरा॥जाइनिकटपहिचानतरु॥छाहसमनसव
सोच॥मांगतअभिमतपावजग॥राउरंकभलपोच॥७१॥चौ॥
लषसवविधगुरस्वामिसनेहू॥मिट्योछोभनहिमनसंदेहू
अवकरुनाकरकीजीयसोई॥जनहितप्रभचितछोभनहोई
जोसेवकसाहिवहिसकोची॥निजहितचहैतासुमतिपोची॥
सेवकहितसाहिवसेवकाई॥करैसकलसुषलोभविहाई॥स्वा

॥ छ्१॥

थेनाँफिरेसवहीका॥कीयरजाइकोटिविधिनीका॥इहस्वारथप
रमारथसारू॥सकलसुकृतफलसुगतिसिंगारू॥देवएकविन
तीसुनमोरी॥उचितहोइतसकरववहोरी॥तिलकसमाजसाज
सवआना॥करीयसुफलप्रभुजौमनमाना॥दोहरा॥सानुजप
ठीयमोहिवनकीजीयसवहिसनाथ॥नतरफेरीयहवंधुदोउ॥
नाथचलौमैसाथ॥७२॥चौपई॥नतरुजायवनतीनिउभाई॥
वहुरीयसीयसहितरघुराई॥जिहविधिप्रभप्रसंनमनहोई॥
करुनासागरकीजीयसोई॥देवदीनससभसुहियरभारू॥मोरे
नीतिनधरमविचारू॥कहौंवचनसवस्वारथहेतू॥रहततनआ
रतकेचितचेतू॥उतरदेइसुनस्वामिरजाई॥सोशेवकलषला
जलजाई॥असमैअवगुनउदधिअगाधू॥स्वामिसनेहसराह
तसाधू॥अवकृपालमोहिसोमतिभावा॥सकचिस्वामिमन
जाहिनपावा॥प्रभपदसपदकहौंसतिभाऊ॥जगमंगलहित
एकउपाऊ॥दोहरा॥प्रभप्रसंनमनसकचतज॥जोजिहिआ
यसुदेव॥सोसिरधरिधरिकरहिसव॥मिटहिअगनअवरेव

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥२२९॥

७३॥ चौपई॥ भरथवचनसुनिसुनसवहरषे॥साधुसराहिसुमन।
सुरवरषे॥ असमंजसवसअवधनिवासी॥प्रमुदितमुनतापस
वनवासी॥ चुपहिरहेरघुनाथसंकोची॥प्रभुगतिदेषसभासवसो
ची॥ जनकदूततिहिअवसरआए॥मुनिवशिष्टसुनवेगवुला
ए॥ करप्रनामतिन्हरामनिहारे॥वेषुदेषभएनिपटदुषारे॥दूत
न्हमुनिवरवूझीवाता॥कहहुविदेहभूपकुसलाता॥सुनस।
कुचाइनाइमहिमाथा॥वोलेचरवरजोरेहाथा॥वूझवराउरशा
दरसाई॥कुशलहेतुसोभयोगुसाई॥दोहरा॥नाहितकोसल।
नाथकेसाथकुसलगईनाथ॥मिथलाअवधविशेषतेजगस
वभयोअनाथ॥७४॥चौपई॥कोशलपतिगतिसुनजनकोरा
भेसवलोगसोगवसवोरा॥जिन्हिदेषेतिहिसमयविदेहू॥ना
मसत्यअसलागनकेहू॥रानिकुचालसुनततनरपालहि॥सू
ऊनकछुजसमनिविनव्यालहि॥भरतराजरघुवरवनवास
भामिथलेसहिहृदेहरास॥नृपवूझेवुधसचिवसमाजू॥क
हहुविचारउचितकाआजू॥समुझिअवधअसमंजसदोऊ

चलीयकिरहीयनकहकछुकोऊ॥नृपहिधीरधरहृदेविचारी॥।
पठएअवधचतुरचरचारी॥वूझिभरतमतभाउकभाऊ॥आवहु
वेगनहोयलषाऊ॥दोहरा॥गएअवधचरभरतगतवूझिदेषइ
करतूत॥चलेचित्रकूटहिभरतचारचलेतिरहूत॥७५॥चौपई॥।
हृतन्हआयभरतकैकरनी॥जनकसमाजजथामतिवरनी॥।
सुनगुनगुरजनसचिवमहीपति॥भेसवसोचसनेहविकल।
अति॥धरधीरजकरभरतवडाई॥लीयेसुभटसाहनीवुलाई
घरपुरदेसराषरषवारे॥हयगयरथवहुजानसवारे॥दुघरीसा
धसाधचलेततकाला॥कियेविश्रामनमगमहिपाला॥भोरे
हिआजनहाइप्रियागा॥चलेजमुनउतरनसवलागा॥षवरले।
नहमपठएनाथा॥असकहतिन्हमहिनायोमाथा॥साथकि
रातछसातकदीन्हे॥मुनिवरतुरतविदाचरकीन्हे॥दोहरा॥सु
नतजनककआगमनसवहरषोअवधसमाज॥रघुनंदनहिस
कोचवड।सोचविवससुरराज॥७६॥चौपई॥गरैगिलानकुट
लकैकेई॥काहिकहोकिहिदूषनदेई॥असमनआनमुदित

॥तु॥रा॥
॥अय॥
॥२२०॥

नरनारी॥ भयोवहोरिरहहिवदिनचारी॥ इहप्रकारगतवासरसोऊ
प्रातनहानलाभसवकोऊ॥ करिमज्जनपूजहनरनारी॥ गनपति।
गोरपुरारतमारी॥ रमारमनपदवंदवहोरी॥ विनवहिअंजलि
अंचरजोरी॥ आराजारामजानकीरानी॥ आनंदअवधअवध
रजधानी॥ सुवसवसहिफिरसहितसमाजा॥ भरतहिरामक
रहिजुवराजा॥ यहसुषसुधासिंचसवकाहू॥ देवदेहुजगजीव
नलाहू॥ दोहरा॥ गुरुसमाजभाइन्हसहित॥ रामराजुपुरहोइ
अछितरामराजाअवधमरीयमांगसवकोइ॥११॥ चौपई॥ सुन
सनेहमयपुरजनवानी॥ निंदहियोगविरतमनिग्यानी॥ एहवि
धिनिसकरमकरपुरजन॥ रामहिकरहिप्रनामपुलकतन॥ उ
च्चनीचमध्यमनरनारी॥ लहहिदर्सनिजनिजअनुहारी॥ साव
धानसवहीसनमानहि॥ सकलसराहतकृपानिधानहि॥ ल
रकाईहीतेरघुवरवानी॥ पालतनीतिप्रीतिपहिचानी॥ सीलस
कोचसिंधुरघुराऊ॥ सुमुषसुलोचनसरलसुभाऊ॥ कहतराम
गुनगनअनुरागे॥ सवनिजभागसराहनलागे॥ हमसवपुं। २२०

सबुजगथोरे॥ जिन्हहिरामजानतकरमोरे॥ दोहा॥ प्रेममग
नतिन्हिसमैसबमुनिआवतमिथिलेस॥ सहितसभासंभ्रमउठे॥ र
बिकुलकमलदिनेस॥७८॥ चौपाई॥ भाइसचिवगुरुपुरजनसा
था॥ आगेगवनकीन्हरघुनाथा॥ गिरिबरदीषजनकपतिजब
ही॥ करिप्रनामरथत्यागेतबही॥ रामदरसलालसाउछाहू॥
पथश्रमलेसकलेसनकाहू॥ मनजहतहरघुबरबैदेही॥ बिनु
मनतनदुषसुषसुधिकेही॥ आवतजनकचलेएहभाती॥ स
हितसमाजप्रेममतिमाती॥ आँनिकटदेषअनुरागे॥ सादरमि रा॰॥
लनपरसपरलागे॥ लगेजनकमुनिजनपदबंदन॥ ऋषन्हप्र
नामकीन्हरघुनंदन॥ भाइयनसहितराममिलिराजहि॥ चलेल
वाइसमेतसमाजहि॥ दोहा॥ आश्रमसागरशांतरसपूरनपाव
नपाथ॥ सेनमनहुकरुनासरितलीयेजातरघुनाथ॥७९॥ चौ
बोरतज्ञानबिरागकनारे॥ बचनससोकमिलतनदनारे॥ सोच
॥२ उसाससमीरतरंगा॥ धीरजतटतरवरकरभंगा॥ बिषमबिषाद
तरावतधारा॥ भयभ्रमभवरअवर्तअपारा॥ केवटबुधबिद्या॥

॥तु॥रा॥ वडनावा॥ सकैनषेडएकनहिपावा॥ वनचरकोलकिरातविचारे।
॥अयो॥ थकेविलोकपथिकहीयहारे॥ आश्रमउदधमिलीजवआई॥ म
॥२२१॥ नहुउठेअंवुधअकुलाई॥ शोकविकलदोउराजसमाजा॥ रहान
ज्ञाननधीरजलाजा॥ भूपरूपगुनशीलसराही॥ रोवहिशोक।
सिंधुअवगाही ॥छंद॥ अवगाहशोकसमुद्रसोचहिना
रनरव्याकुलमहा॥ देदोषसकलसरोषवोलहिवामविधिकी
न्होकहा॥ सुरसिद्धतापसजोगजनमुनिदेषिदशाविदेहकी॥
तुलसीनसमरथकोऊजोतरिसकैसरितसनेहकी॥ सोरठा॥
कीयेअमितउपदेस॥ जहंतहंलोगन्हमुनिवरन्ह॥ धीरजधरी
यनरेस॥ कह्योवशिष्टविदेहसन॥ ८०॥ चौपई॥ जासुज्ञानरवि
भवनिशनासा॥ वचनकिरनमुनिकमलविकाशा॥ तिहिकिमो
हममतानियराई॥ यहसीयरामसनेहवडाई॥ विषईसाधकसि
द्धसयाने॥ त्रिविधजीवजगवेदवषाने॥ रामसनेहसरसमनजा
सू॥ साधुसभावडआदरतासू॥ सोहनरामप्रेमविनुज्ञानू॥ कर
णधारविनजिमजलजानू॥ मुनिवहुविधिविदेहसमुझाए॥ २२

रामघाटसवलोगनहाए॥सकलशोकसंकुलनरनारी॥सोवास।
रुवीतेउविनुवारी॥पसुषगमृगन्हनकीन्हअहारु॥प्रियपरिजन
करकौनविचारु॥दोहरा॥दोउसमाजमुनिराजमिलरामनहानेप्रा
त॥वैठेसववटविटपतरमनमलीनकृसगात॥८२॥चौपाई॥जे।
महिसुरदसरथपुरवासी॥जेमिथिलापतिनगरनिवासी॥हंस
वंसगुरुजनकपुरोधा॥जिन्हजगमगपरमारथसोधा॥लगेक
हनउपदेसअनेका॥सहितधर्मनयविरतिविवेका॥कौशिक।
कहिकहिकथापुरानी॥समुझाईसवसभासुवानी॥तवरघुना
थकौशिकहिकहेउ॥नाथकालजलविनुसवरहेउ॥मुनिक।
हिउचितकहतरघुराई॥गयोवीतदिनपहरअढाई॥रिषिरुष।
लषिकहितिरहुतराजू॥इहांउचितनहिअसनअनाजू॥क।
हाभूपभलसवहिसोहाना॥पाईरजायसुचलेनहाना॥दोहा॥
तिहिअवसरफलफूलदलमूलअनेकप्रकार॥लेआएवन।
चरविपुल॥भरभरकांवरभार॥८२॥चौपाई॥कामदभेगिरराम
प्रसादा॥अवलोकितअपहरतविषादा॥सरसरितावनभूम।

॥तु॥रा॥
॥अयो॥
॥२२२॥

विभागा॥ जनु उमगत आनंद अनुरागा॥ बेलि बिटप सब सफल
स फूला॥ बोलत खग मृग अलि अनुकूला॥ तिहि अवसर बन अ
धिक उछाहू॥ त्रिविध समीर सुषद सब काहू॥ जाइ न बरनि मनो
हरताई॥ जनु महि करत जनक पहुनाई॥ तब सब लोग नहा
इ नहाई॥ राम जनक मुनि आयसु पाई॥ देषि देषि तरबर अनुरा
गे॥ जहँ तहँ पुरजन उतरन लागे॥ दल फल फूल कंद बिधि ना
ना॥ पावन सुंदर सुधा समाना॥ दोहरा॥ सादर सब कहँ राम गुरु
पठए भरि भरि भार॥ पूजि पितर सुर अतिथि गुरु॥ लगे करन फल
हार॥ ८३॥ चौपई॥ इहि बिधि बासर बीते चारी॥ राम निरषि नर नारि
सुषारी॥ दुहु समाज अस रुचि मन माही॥ बिनु सिय राम फिरब
भल नाही॥ सीता राम संग बनवासू॥ कोटि अमरपुर सरिस सु
पासू॥ परिहरि लषन राम बैदेही॥ जिहि घर भाव बाम बिधि तेही
दाहिन दैव होइ जब सबही॥ राम समीप बसिय बन तबही॥ मं
दाकिनि मज्जन तिहु काला॥ राम दरस मुद मंगल माला॥ अट
न राम गिरि बन तापस थल॥ असन अमी सम कंद मूल फल २२२

सुषसमेतसंवतदुइसाता॥ पलसमहोहिंनजानीहजाता॥ दोहा॥
इहसुषजोगनलोगसवकहहिंकहांअसभाग॥ सहजसुभाइस
माजदुइ॥ रामचरनअनुराग॥८४॥ चौपई॥ इहिविधसकलमनो
रथकरही॥ वचनसप्रेमसुनतमनहरही॥ सीयमातुतिहसमय
पठाई॥ दासीदेषसुअवसरआई॥ सावकाससुनिसवसीयसा
सू॥ आयोजनकराजरनवासू॥ कोशल्यासादरसनमानी॥ आस
नदीयेसमयसमआनी॥ शीलसनेहविकलदुहुओरा॥ द्रवहि
देषसुनिकुलशककठोरा॥ पुलकशिथलतनवारविलोचन॥ म
हीलिषनलागीसवसोचन॥ सवसीयरामप्रीतिकीमूरति॥ जनु
करुनावहुवेषविसूरति॥ सीयमातकहिविधिवुधवाकी॥ जोप
यफेनफोरपविटाकी॥ दोहा॥ सुनीयसुधादेषीयगरलसवक
रतूतकराल॥ जहंतहंकाकउलकवकमानससुकृतमराल॥
८५॥ चौपई॥ सुनससोचकहिदेविसुमित्रा॥ विधिगतिवडिवि
परीतविचित्रा॥ जोसजपालयहरैवहोरी॥ कालकेलसमविधि
मतिभोरी॥ कोशल्याकहदोसनकाहू॥ करमविवसदुषसुषछ

॥तु॥रा॥ तिलाहू॥ कठनकरमगतिजानविधाता॥ जोसुभअसुभसकलफ
॥अयु॥ लदाता॥ ईसरजाइसीससवहीके॥ उतपतिथितिलयविषहुअ
॥२२३॥ मीके॥ देवीमोहिवससोचीयवादी॥ विधिप्रपंचअसअचलअना
दी॥ भूपतिजीयवमरनउरआनी॥ सोचियसषिलषिनिजहित
हानी॥ सीयमातकहसससुवानी॥ सुकृतीअवधअवधपतिरा
नी॥ दोहरा॥ लषनरामसीयजाहुवन॥ भलपरनामनयोच॥ ग
हिवरकहिकोशलियामोहिभरतकरसोच॥ २८२॥ चौपई॥ ईशप्र
सादअसीसतुह्मारी॥ सुतसुतवधूविबुधसरवारी॥ रामसपथ
मैकीन्हनकाऊ॥ सोकरिकहौसषीसतभाऊ॥ भरतशीलगुन
विनयवडाई॥ भायपभगतिभरोससभलाई॥ कहतसारदाहुम
तिहीचे॥ सागरसीपकिजाहिउलीचे॥ जानहुसदाभरतकुल
दीपा॥ वारवारमुहिकहोमहीपा॥ कसेकनकमनिपारषिपा
हइ ए॥ पुरुषपरिषियैंसमयसुभाए॥ अनुचितआजुकहवअस
मोरा॥ शोकसनेहसयानपथोरा॥ सुनिसुरसरिससपावनवा
नी॥ भईसनेहविकलसवरानी॥ दोहरा॥ कोशल्याकहिधीर २२३

धरिसुनहुदेविमिथुलेश॥कोविवेकनिधिवल्लभहि॥तुम्हहिस।
कहिउपदेस॥८७॥चौपई॥एनिरायमनअवसरपाई॥आपनी।
भांतिकहिवसमुझाई॥रषीयहिलषनभरतगवनहिवन॥जो
यहिमतिमानेमहीपमन॥तौभलवचनकहवसुविचारी॥मो
रेसोचभरतकारभारी॥गूढसनेहभरतमनमाही॥रहेनीकमो
हिलागतिनाही॥लषिसुभाउसुनिसरलसुवानी॥सवभईम
गनकरुनरसरानी॥नभप्रसूनकरिधन्नधन्नधुन॥सिथलस
नेहसिहयोगीमुन॥सवरनवासथकितलषिरहो॥तवधरि।
धीरसुमित्राकहो॥देविदंडजुगजामिनिवीती॥रामसातसुनि
उठीसप्रीती॥दोहरा॥वेगपांउधारीयथलहि॥कहसनेहसतभा
य॥हमरेतोअवईसगत॥कैमिथुलेससहाय॥८८॥चौपई॥।
लषसनेहसुनवचनविनीता॥जनकप्रियागहिपायपुनीता॥
देविउचितअसविनयतुम्हारी॥दसरथघरनिरामसहितारी॥।
प्रभअपुनेनीचहुआदरही॥अगनिधूमगिरसिरतृनधरही॥।
श्रीवकराउकरममनवानी॥सदासहाइमहेससभवानी॥रोरेअं

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥२२४॥

गयोगजगकोहै॥दीपमहाइकिदिनकरसोहै॥रामजाइवनकर।
सुरकाजू॥अचलअवधपुरकरहहिराजू॥अमरनागनररामवा।
हुवल॥सुषवसिहहिअपनेअपनेथल॥एहसभजागवलक
कहराषा॥देविनहोइसुधामुनिभाषा॥दोहरा॥असकहिपग
परप्रेमअति॥सीयहितविनयसुनाय॥सीयसमेतसीयमात।
त॥चलीसुआयसुपाय॥८५॥चौपई॥प्रियपरिजनहिमिलीवै
देही॥जोजिहिजोगभांततिहतेही॥तापसवेषजानकीदेषी॥।
भासवविकलविषादविशेषी॥जनकरामगुरुआयसुपाई॥च
लेथलहिसीयदेषीआई॥कुससरीरमुनवेषवनाई॥मनहुत
पसातनधरआई॥लीन्हलाइउरजनकजानकी॥पाहुनपाव
नप्रेमप्रानकी॥उरउमग्योअंबुधअनुरागू॥भयोभूपमनमन
हुप्रयागू॥सीयसनेहवटुवाढतजोहा॥तापररामप्रेमसिसुसे
हा॥चिरंजीवमुनज्ञानविकलजनु॥बूडतलह्योवालअवलंव
नु॥मोहमगनमतिनहिविदेहकी॥महिमासीयरघुवरसनेह।
की॥दोहरा॥सीयपितमातसनेहवस॥विकलनसकीसंभार २२४

धरनिसुताधीरजुधरेउ॥ समैसुधरमविचार॥ ५० ॥ चौपई॥ तापस
वेषजनकसीयदेषी॥ भयोप्रेमपरितापविशेषी॥ पुत्रपवित्रकीये
कलदोऊ॥ सुजसुधववलजगकहसवकोऊ॥ जिमसुरसरिकीर
तसरितोरी॥ गमनकीन्हविधिअंककरोरी॥ गंगअवनिथलतीनि
बडेरे॥ इहकीयेसाधुसमाजघनेरे॥ पितकहसत्यसनेहसुवा
नी॥ सीयसकुचमहिमनहुसमानी॥ पुनपितमातलीन्हउरला
ई॥ शिषिआशिषहितदीन्हसुहाई॥ कहतसीयसकुचतमनमा
ही॥ ईहांवसवरजनीभलनाही॥ लषिरुषरानिजनायोराऊ॥
हृदयसराहतसीयसुभाऊ॥ दोहरा॥ वारवारमिलभेटसीय॥ वि
दाकीन्हसनमान॥ कहीसमयसिरभरतगति॥ रानिसुवानिस
यान॥ ५१ ॥ चौपई॥ सुनभूपालभरतबवहारु॥ सोनसुगंधसु
धाससिसारु॥ मूंदेसजलनयनपुलकेतन॥ सुजससराहनल
गेमुदितमन॥ सावधानसुनसुमषिसुलोचन॥ भरतकथाभव
वंधविमोचन॥ धरमराजनयब्रह्मविचारु॥ इहांजथामतिमोर
प्रचारु॥ सोमतमोरिभरतमहिमाही॥ कहैकाछिमकछुअ।

॥तु॥रा
॥अयु॥
॥२२५॥

तिनछाही॥ विधिगणपतिअहिपतिशिवसारद॥ कविकोविदवु
धवुद्धिविशारद॥ भरतचरतकीरतिकरतूती॥ धरमशीलगुनवि
मलविभूती॥ समुझतसुनतसुषदसवकाहू॥ सुचिसुरसरिरुचि
निदरसुधाहू॥ दोहरा॥ निरावंधनिरुपमपुरुषभरतभरतस
मजान॥ कहियसुमेरकिसेरसम॥ कविकुलमतिसकुचान॥
८२॥ चौपई॥ अगमसवहिवरनतवरवरनी॥ जिमजलहीनमी
नगमुधरनी॥ भरतअमितमहिमासुनरानी॥ जानहिरामनस
कहिवषानी॥ वरनसप्रेमभरतअनभाऊ॥ तीयजीयकीरुचि
लषकहिराऊ॥ वहुरहिलषनभरतवनजाही॥ सवकरभल
सभकेमनमाही॥ देविपरंतभरतरघुवरकी॥ प्रीतिप्रतीतिजा
इनहितरकी॥ भरतअवधसनेहममताकी॥ यद्यपिरामसीव
समताकी॥ परमारथस्वारथसुषसारे॥ भरतनसपनेहुमनहु
निहारे॥ साधनसिद्धरामपगनेहू॥ मोहिलषिपरतभरतमति
एह॥ दोहरा॥ भोरेहुभरतनपेलहहि॥ मनसहुरामरजाइ॥
करियनशोचसनेहवस॥ कहोभूपविलषाइ॥ ८३॥ चौपई॥ २२५

रामभरतगुनगनतसप्रीती॥निसदंपतहिपलकसमबीती॥राज।
समाजप्रातजुगजागे॥न्हाइन्हाइसुरपूजनलागे॥गेनहाइगुरप
हिंरघुराई॥बंदचरनबोलेरुषपाई॥नाथभरतपुरजनमहतारी॥।
शोकविकलवनवासदुषारी॥सहितसमाजराउमिथलेसू॥बहु
तदिवसभएसहतकलेसू॥उचितहोइसोकीजीयनाथा॥हितस
वहीकररौरेहाथा॥असकहिअतिसकुचेरघुराऊ॥मुनिपुलके
लषशीलसुभाऊ॥तुम्हविनरामसकलसुषसाजा॥नरकसरि
सदुहुराजसमाजा॥दोहरा॥प्रानप्रानकेजीवकेजीवनकेसुष।
राम॥तुम्हततजग्रहभावतजिन्हहितिन्हहिविधातावाम॥२४
चौपई॥सोसुषकरमधरमजरिजाऊ॥जिहिनरामपदपंकज।
भाऊ॥योगकुयोगज्ञानअज्ञानू॥जिहिनरामपदप्रेमप्रधानू॥
तुम्हविनदुषीसुषीतुम्हतेही॥तुम्हजानहुजीयजोजिहकेही॥।
राउरआयसुसिरसवहीके॥विदितकृपालहिगतिसवनीके॥।
आपआश्रमहिधारियपाऊ॥भयोसनेहसिथलमुनराऊ॥क
रप्रनामतवरामसिधाए॥रिषधरिधीरजनकपहिआए॥राम।

॥तु॥रा॥ वचनगुरुनृपहिसुनाए॥शीलसनेहसुभायसुहाए॥महाराजअ
॥अयु॥ वकीजीयेसोई॥सवकरधरमसहितहितहोई॥दोहरा॥ज्ञाननि
॥२२६॥ धानसुजानसुचि।धरमधीरनरपाल॥तुह्मविनुअसमंजससम
न॥कोसमरथइहकाल॥९५॥चौपई॥सुनमुनिवचनजनक
अनुरागे॥लषिगतिज्ञानविरागविरागे॥सिथलसनेहगुनतम
नमाही॥आएईहांकीन्हभलनाही॥रामहिरायकहेयावनजा
ना॥कीन्हआपप्रियप्रेमपयाना॥हमअववनतेवनहिपठाई
प्रमुदितफिरववेवेकवडाई॥तापसमुनिमहिसुररिषदेषी॥भ
एप्रेमवसविकलविशेषी॥समौसमुझधरिधीरजुराजा॥चलेभ
रतपहिसहितसमाजा॥भरतआइआगेभयलीन्हे॥अवसर
सरिससुआसनदीन्हे॥तातभरतकहितिरहुतराऊ॥तुह्मेविद
तरघुवीरसुभाऊ॥दोहरा॥रामसत्यव्रतधरमरति॥सवकरसी
लसनेहु॥संकटसहितसकोचवसकहीयजुआयसुदेहु॥९६॥
चौपई॥सुनतनपुलकनयनभरिवारी॥वोलेभरतधीरधरि।
भारी॥प्रभुप्रियपूज्यपितासमआप॥कुलगुरुसमहितमायन २२६

वाष॥ कौशिकादिमुनिसचिवसमाजू॥ ग्यानअंबुनिधिआपन।
आजू॥ शिशुशेवकआयसअनुगामी॥ जानमोहिसिषदेइयेस्वा।
मी॥ यहसमाजथलवूझवराउर॥ मनमलीनमैवोलववाउर॥ छो।
टेवदनकहौवडिवाता॥ छमवतातलषवामविधाता॥ आगम।
निगमप्रसिद्धपुराना॥ शेवकधरमकठनजगजाना॥ दोहरा॥।
राषरामरुषधरमव्रत॥ पराधीनमोहिजान॥ सवकेसंमतसरव
हित॥ करीयप्रेमपहिचान॥ ९७॥ चौपई॥ भरतवचनसुनदेषसु
भाऊ॥ सहितसमाजसराहतराऊ॥ सुगमअगममृदुमंजुकठोरे
अरथअमितअतिआषरथोरे॥ ज्यौंमुषमुकरदेषनिजपानी॥।
गहिनजायअसअदभुतवानी॥ भूपभरतमुनिसाधुसमाजू॥।
गेजहविवुधकुमदद्विजराजू॥ सुनिसुधिसोचविकलसवलो।
का॥ मनहुमीनगननवजलजोका॥ देवप्रथमकुलगुरुगत
देषी॥ निरषविदेहसनेहविशेषी॥ रामभगतमयभरतनिहा
रे॥ सुरस्वारथीहेरहीयेहारे॥ सवकोउरामप्रेममयपेषा॥ भये
अलेषसोचवससेषा॥ दोहरा॥ रामसकोचवसनेहवस॥ कहस

तु॰ रा ॥ कोचसुरराज ॥ रचहु प्रपंचहि पंच मिलि ॥ नाहित भयो अकाज ॥ ५८

अयो ॥ चौपई ॥ सुरन्ह सुमिर सारदा सराही ॥ देवि देव सरनागत पाही ॥ फे

२२० ॥ र भरत मति करि निज माया ॥ पाल विवुध कुल करि छल छाया ॥

विवुध विनय सुनि देवि सयानी ॥ बोली सुर स्वारथ जड जानी ॥ मो

सन कहहु भरत मति फेरू ॥ लोचन सहस न सूझ सुमेरू ॥ विधि

हरि हर माया वड भारी ॥ सोन भरत मति सकै निहारी ॥ सो मति

मोहि कहत करु भोरी ॥ चंदनि कर कि चंद्र कर चोरी ॥ भरत हृदय

सीय राम निवासू ॥ तहँ कि तिमिर जहँ तरुन प्रकासू ॥ अस कहि

सारद गइ विधि लोका ॥ विवुध विकल निशि मानहु कोका ॥ दोहा

सुर स्वारथी मलीन मन ॥ कीन्ह कुमंत्र कुठाट ॥ रचि प्रपंच माया

प्रवल भय भ्रम अरति उचाट ॥ ५९ ॥ चौपई ॥ करि कुचालि सोचत सुररा

ज ॥ भरत हाथ सव काज अकाज ॥ गए जनक रघुनाथ समीपा ॥ स

नमाने सव रघुकुल दीपा ॥ समय समाज धरम अविरोधा ॥ बोले त

व रघुवंस पुरोधा ॥ जनक भरत संवाद सुनाई ॥ भरत कहि उते कहे

सुहाई ॥ तात राम जस आयसु देहू ॥ सो सव करइ मोर मत एहू ॥ २२०

सुनरघुनाथजोरजगपानी॥ वोलेससमरलमृदुवानी॥ विद्यमान।
आपुनमिथलेसु॥ मोरकहवसवभांतभदेसु॥ राउररायरजायसु
होई॥ राउरसपथसहीसिरसोई॥ दोहरा॥ रामसपथसुनमुनिज
नक॥ सकुचेसभासमेत॥ सकलविलोकतभरतमुष॥ वनइन
उतरदेत॥ ३००॥ चौपई॥ सभासकुचवसभरतनिहारी॥ रामवंधु
धरिधीरजुभारी॥ कुसमयदेषसनेहसभारा॥ वढतविंधिजिम
घटजनिवारा॥ सोचकनकलोचनमतिछोनी॥ हरीविमलगुन
गनजगजोनी॥ भरतविवेकवराहविशाला॥ अनायासउधरी
तिहिकाला॥ करप्रनामसवकहुकरजोरे॥ रामराउगुनसाधनि
होरे॥ छमवआजअतिअनुचितमोरा॥ कहोंवदनमृदुवचनक
ठोरा॥ हीयेसुमिरसारदासुहाई॥ मानसतेमुषपंकजआई॥ वि
मलविवेकधरमनयशाली॥ भरतभारतीमंजुमराली॥ दोहरा॥
निरषविवेकविलोचनहि॥ सिथलसनेहसमाज॥ करिप्रनाम
वोलेभरत॥ सुमिरसीयरघुराज॥ १॥ चौपई॥ प्रभुपितुमातसुहृद
गुरुस्वामी॥ पूजसरमहितअंतरजामी॥ सरलसुसाहिवशीलनि

॥तु॰॥रा॰॥ धान॥ प्रणतपालसरवज्ञसुजानू॥ समरथसरनागतहितकारी॥ गु
॥अयो॰॥ नगाहकअवगुनअघहारी॥ स्वामिगुसाइहिसरिसगुसाईं॥ मुहि
॥२२८॥ समानमइसाइदुहाईं॥ प्रभुपितवचनमोहवसपेली॥ आयोईहां
समाजसकेली॥ जगभलपोचऊचअरुनीचू॥ अमियअमरपद
दुमाहुरमीचू॥ रामरजायमेटमनमाहीं॥ देषासुनाकतहुकोऊ।
नाहीं॥ सोमैसवविधिकीन्हढिठाई॥ प्रभुमानीसनेहसेवकाई
॥दोहरा॥ कृपाभलाइआपनीनाथकीन्हभलमोर॥ दूषणभये
भूषणसरिस॥ सुजसचारुचहुओर॥२॥ चौपई॥ राउररीतसुवान
वडाई॥ जगतविदितनिगमागमगाई॥ कूरकुटिलषलकुमति
कलंकी॥ नीचनिशीलनिरीसनिशंकी॥ तेऊसुनिसरनसामुहि।
आए॥ सुकृतप्रनामकीयेअपुनाए॥ देषदोषकवहुनउरआने॥
सुनगुनसाधसमाजवषाने॥ कोसाहिवशेवकहिनिवाजा॥ आ
पसमाजसाजसवसाजा॥ निजकरततनिसमुझियसपने॥ शे
वकसकुचसोचउरअपने॥ सोगुसाइनहिदूसरकोपी॥ भुजाउ
ठाइकहौपनरोपी॥ पशुनचातशुकपाठप्रवीना॥ गुनगतिन।

रुपाठकआधीना॥ दोहरा॥ योसुधारिमनमानजन॥ कीयेमाधमि
रमोर॥ कोकृपालविनुपालहै॥ विरदावलिवरजोर॥ ३॥ चौपई॥॥।
श्रोकसनेहकिवालसुभाए॥ आयोलाइरजाइसुपाए॥ तवकृ
पालहेरनिजओरा॥ सवहिभांतभलमानहुमोरा॥ देषोपाइसुमं
गलमूला॥ जान्योस्वामिसहजअनुकूला॥ वडेसमाजविलोकेउ
भागू॥ वडीचूकमाहिनअनुरागू॥ कृपाअनुग्रहअंगुअघाई॥ की
न्हकृपानिधसभअधिकाई॥ राषामोरदुलारगुसाई॥ अपनेशील
सुभाइभालाई॥ नाथनिपटमैकीन्हढिठाई॥ स्वामिसमाजसंको
चविहाई॥ अवनयविनययथारुचवानी॥ छमहिदेवअतिआ
रतिजानी॥ दोहरा॥ सुहृदसुजानसुसाहिवहि॥ वहुतकहववडि
षोर॥ आयसुदेइयेदेवअव॥ सवसुधारीयेमोर॥ ४॥ चौपई॥ प्रभु
पदपदमपरागदुहाई॥ ससुकृतसवसीवसुहाई॥ सोकरिक
होंहीयेअपनेकी॥ रुचजाग्रतसोवतसपनेकी॥ सहजसनेह
स्वामिसेवकाई॥ स्वारथछलफलचारविहाई॥ आज्ञासमनसुसा
हिवसेवा॥ सोप्रसादजनुपावोदेवा॥ असकहिप्रेमविवसभयो

॥ तु ॥ रा ॥ भारी॥ पुलकशरीरविलोचनवारी॥ प्रभपदकमलगहिअकुलाई
॥ अयु ॥ समेसनेहनसोकहिजाई॥ कृपासिंधुसनमानसुवानी॥ वैठाएस
॥ २२५ ॥ मीपगहिपानी॥ भरतविनैसुनदेषसुभाऊ॥ सिथलसनेहसभा
रघुराऊ ✿ ॥ छंद ॥ ✿ ॥ रघुराउसिथलसनेहसाधुसमाजमुनि
मिथुलाधनी॥ मनमहुसराहतभरतभायपभगतिकीमहिमा
घनी॥ भरतहिप्रसंसतविवुधवरषतसुमनमानसमलिनसे॥ तु
लसीविकलसवलोकसुनसकुचेनिशागमनलिनसे॥ सोरठा॥
देषदुषारीदीनदुहुसमाजनरनारसव॥ मघवामहामलीन॥ मू
एमारमंगलचहत॥ ५ ॥ चौपई॥ कपटकुचालसीवसुरराजू॥ प
रअकाजप्रियआपनकाजू॥ काकसमानपाकरिपुरीती॥ छल।
मलीनकतहूंनप्रतीती॥ प्रथमकुमतिकरिकपटसकेला॥ सो
उचाटसवकेसिरमेला॥ सुरमायासवलोगविमोहे॥ रामप्रेमअ
तिशैनविछोहे॥ भयउचाटसवमनथिरनाही॥ छिनवनरुचि
छिनसदनसुहाही॥ दुविधमनोगतिप्रजादुषारी॥ सरितसिंधु
संगमजनुवारी॥ दुचितकतहुपरितोषनलहही॥ एकएकसन २२५

भरमुनककहही॥ लषिहीयहसककहकृपानिधानू॥ सरिससखानम।
घवानिजजान॥ दोहरा॥ भरतजनकमुनिगनसचिवसाधुसचेत
बिहाइ॥ लागिदेवमायासबहि॥ जथाजोगजनुपाई॥ ३०१॥ चौपई
कृपासिंधुलषिलोगदुषारे॥ निजसनेहसुरपतिछलभारे॥ सभा
राउगुरुमहिसुरमंत्री॥ भरतभगतसबकैमतिजंत्री॥ रामहिचि।
तवतचित्रलिषेसे॥ सकुचितबोलतवचनसिषेसे॥ भरतप्रीत।
नयविनयवडाई॥ सुनतसुषदवरनतकठिनाई॥ जासुविलो।
कभगतलवलेसू॥ प्रेममगनमुनिगनमिथुलेसू॥ महिमाता।
सुकहैकिमतुलसी॥ भगतिसुभायसुमतिहीयहुलसी॥ आप
छोटमहिमावडिजानी॥ कविकुलकानमानसकुचानी॥ कहि
नसकतिगुनरुचिअधिकाई॥ मतिगतिवालवचनकीनाई॥ दो
भरतविमलजसुविमलविधु॥ सुमतिचकोरकुमारि॥ उदितविम
लजनुहृदयनभ॥ इकटकरहीनिहार॥ ३०२॥ चौपई॥ भरतसु।
भाउनसुगमनिगमहू॥ लघुमतिचापलताकविछमहू॥ कह।
तसुनतसतिभाउभरतको॥ सीयारामपदहोइनरतको॥ सिमर

॥नु॥रा॥ तभरतहिप्रेमरामको॥ जिह्नसुलभतिहिसरिसबामको॥ देषद
॥अयु॥ यालदशासबहीकी॥ रामसुजानजानिजनजीकी॥ धर्मधुरीनधी
॥२३०॥ रनयनागर॥ सखसनेहशीलसुषसागर॥ देसकाललषिसमै।
समाज॥ नीतप्रीतिपालकरघुराज॥ बोलेबचनबानिसरबसुके॥
हितपरनामसुनतससिरसके॥ तातभरततुमधरमधुरीना॥ लो
कबेदबिदपरमप्रबीना॥ दोहरा॥ कर्मबचनमनऋसबिमल॥।
तुमसमानतुमतात॥ गुरुसमाजलघुबंधुगुन॥ कुसमयकिम
कहिजात॥ ८॥ चोपई॥ जानहुताततरुनकुलरीती॥ सत्यसंध
पितकीरतिप्रीती॥ समैसमाजलाजगुरुजनकी॥ उदासीनहि
तअनहितमनकी॥ तुमहिबिदितसबहीकरकरमू॥ आपन
मोरपरमहितधरमू॥ मुहिसबभांतभरोसतुम्हारा॥ तदपिक।
होअवसरअनुसारा॥ ताततातबिनुबातहमारी॥ केवलकुल
गुरुकृपासंभारी॥ नतरप्रजापरजनपरवारू॥ हमहिसहितस
बहोहिषआरू॥ जौबिनअवसरअथबदिनेस॥ जगकिहिक
दहुनहोइकलेस॥ तसउतपाततातबिधकीन्हा॥ मुनिमिथि। २३

लेसराषसबलीन्हा ॥ दोहरा ॥ राजकाजसबलाजपत्त ॥ धर्मधरनि ।
धनधाम ॥ गुरुप्रभाउपालहिसबहि ॥ भलेहोइपरनाम ॥ ९ ॥ चौ ॥
सहितसमाजतुम्हारहमारा ॥ घरबनगुरुप्रसादरषवारा ॥ मातपि
तागुरुस्वामिनिदेसू ॥ सकलधरमधरनीधरसेसू ॥ सोतुमकरहु ।
करावहुमोहु ॥ ताततरुनकुलपालकहोहु ॥ साधकएकसकल
सिधिदेनी ॥ कीरतसुगतिभूतमयबेनी ॥ सोबिचारसहिसंकटभा
री ॥ करहुप्रजापरिवारसुषारी ॥ बाटीबिपितसबहिमोहिभाई ॥ ।
तुम्हहिअवधभरिबडिकठनाई ॥ जानितुम्हहिमृदुकहौंकठोरा
कुसमयतातनअनुचितमोरा ॥ होहिकुठायसुबंधुसहाये ॥ ओ ।
ढियहाथअसनिकेघाए ॥ दोहरा ॥ शेवककरपदनयनसेमुष ।
सोसाहिबहोइ ॥ तुलसीप्रीतिकीरीतिसुन ॥ सुकबिसराहहिसो ।
इ ॥ १० ॥ चौपई ॥ सभासकलसुनिरघुबरबानी ॥ प्रेमपयोधिअमि
यजनुसानी ॥ सिथलसमाजसनेहसमाधी ॥ देषदसाचुपसारद ।
साधी ॥ भरतहिभयोपरमसंतोष ॥ सनमुषस्वामिबिमुषदुषदोष
मुषप्रसंनमननमिटाविषादू ॥ भाजनुगंगेगिराप्रसादू ॥ कीन्हस

॥तु॥रा॥
॥अयु॥
॥२३१॥

प्रेमप्रनामसवहोरी॥ बोलेपानिपंकरुहजोरी॥ नाथभयेसुषसाथ
गएको॥ लहेउंलाहुजगजन्मभएको॥ अवकृपालजसआयसुहो
ई॥ करौंसीसधरसादरसोई॥ सोअवलंबदेहुप्रभुमेई॥ अवधपार
षावोजिहिमेई॥ दोहरा॥ देवदेवअभिषेकहित॥ गुरुअनुसासन
पाइ॥ आन्योसवतीरथसलिल॥ तिहिकहुकाहिरजाइ॥११॥ चौ
एकमनोरथवडमनमाहीं॥ सभयसकोचजातकहिनाही॥ क
हहुतातप्रभआयसुपाई॥ बोलेवचनसनेहसुहाई॥ चित्रकूट॥
मुनिथलतीरथवन॥ षगमृगसरिसरनिरझरगिरवन॥ प्रभुप
दअंकितअवनिविशेषी॥ आयसुहोइतात्राउवंदेषी॥ अवसि
अत्रआयसुसउरधरहूं॥ तातविगतभयकाननचरहू॥ मुनिप्रसा
दवनमंगलदाता॥ पावनपरमसुहावनभ्राता॥ रिषनायक॥
जहआयसुदेही॥ राषहुंतीरथजलथलतेही॥ सुनप्रभवचन॥
भरतसुषपावा॥ मुनिपदकमलमुदितसिरुनावा॥ दोहरा॥
भरतरामसंवादसुनि॥ सकलसुमंगलमूल॥ सुरस्वारथीसरा॥
हिकुलवरषतसुरतरफूल॥१२॥ चौपई॥ ॥ ॥ ॥ चौपई॥ ॥

धन्यभरतजयरामगुसाई॥कहतविदेहहरषतवरिखिआई॥मुनिमिथि
लेससभासबकाहू॥भरतवचनसुनभयोउछाहू॥भरतरामगुन
ग्रामसनेहू॥पुलकप्रसंसतराउविदेहू॥सेवकस्वामिसुभावसु।
हावन॥नेमप्रेमअतिपावनपावन॥मतिअनुसारसराहनला।
गे॥सचिवसभासदसबअनुरागे॥सुनसुनरामभरतसंबादू॥दु।
हुंसमाजहीयहरषविषादू॥राममातदुषसुषसमजानी॥कहि।
गुनदोषप्रबोधीरानी॥एककहहिरघुबीरबडाई॥सकलसराह
तभरतभलाई॥दोहा॥अत्रकहेउतबभरतसन॥सैलसमीपसु।
कूप॥राषीयतीर्थतोयतहू॥पावनअमियअनूप॥२॥चौपाई॥
भरतअत्रअनुसासनपाई॥जलभाजनसबदीनचलाई॥सानु
जआपअत्रमुनिसाधू॥सहितगएजहकूपअगाधू॥पावनपा
थपुन्यथलराषा॥प्रमुदितप्रेमअत्रअसभाषा॥तातअनादि।
सिद्धथलएहू॥लोपेउकालविदितनहिकेहू॥सोसेवकन्हसर
वथलदेषा॥कीन्हसुजलहितकूपविशेषा॥विधिबसभयोवि।
स्वउपकारू॥सुगमअगमअतिधरमविचारू॥भरतकूपअब।

॥न॥रा॥ ॥अयु॥ ॥२३२॥

कहहहिलोगा॥ अतिपावनतीरथजलजोगा॥ प्रेमसनेहनिमग्न
नप्रानी॥ होइहहिबिमलकरममनबानी॥ दोहरा॥ कहहितकूप
महिमासकलगएजहारघुराउ॥ अत्रमुनायोरघुबरहि॥ तीरथ
पुंन्यप्रभाउ॥२४॥ चौपई॥ कहितधरमइतिहाससप्रीती॥ भयोभो
रनिशिसोसुषबीती॥ नितनिबाहिभरतदोऊभाई॥ रामअत्रगु
रुआयसुपाई॥ सहितसमाजसाजसबसादे॥ चलेरामबनअ
टनपियादे॥ कोमलचरनचलतबिनुपनही॥ भैम्रदुभूमिस
कुचमनमनही॥ कुशकंटककांकरीकुराई॥ कटुककठोरकुबस
दुराई॥ महिमंजलमृदुमारगकीन्हे॥ बहतसमीरत्रिबिधसुष
लीन्हे॥ सुमनबरषसुरघनकरछाही॥ बिटपफूलफलत्रण
मृदुताही॥ मृगबिलोकषगबोलिसुबानी॥ सेवहिसकलरा
मप्रियजानी॥ दोहरा॥ सुलभसिद्धसबप्राकृतहु॥ रामकहत
समहात॥ रामप्रानप्रियभरतकहु॥ इहनहोइबडबात॥२५
चौपई॥ इहबिधिभरतफिरतबनमाही॥ नेमप्रेमलषिमुनि
सकुचाही॥ पुन्यजलाश्रयभूमिबिभागा॥ षगमृगतरुत्रिन॥ २३२

गिरवनवागा॥ चारुविचित्रपवित्रविशेषी॥ बूझतभरतदिव्यसबदे
षी॥ सुनमनमुदितकहतरिषराऊ॥ हेतुनामगुनपुन्यप्रभाऊ॥ क
तहुनिमज्जनकतहुप्रनामा॥ कतहुविलोकतमनअभिरामा॥ क
तहुबैठमुनिआयसुपाई॥ सुमिरतसीयसहितदोउभाई॥ देषसु
भाउसनेहसुसेवा॥ देहिअसीसमुदितमनदेवा॥ फिरहिगएदि
नपहरअढाई॥ प्रभुपदकमलविलोकहिआई॥ दोहरा॥ देषेथ
लतीरथसकल॥ भरतपांचदिनमांक॥ कहतसुनतहरिहरसु
जसु॥ गयोदिवसभईसांक॥ ६६॥ चोपई॥ भोरन्हाइसभजुरासमा
जू॥ भरतभूमिसुरतिरहुतराजू॥ भलदिनआजजानमनमाही॥ रा
मकृपालकहतसकुचाही॥ गुरुनृपभरतसभाअवलोकी॥ स
कुचरामफिरअवनिविलोकी॥ सीलसराहिसभासबसोची॥ क
हूनरामसमस्वामिसंकोची॥ भरतसुजानरामरुषदेषी॥ उठिस
प्रेमधरधीरविशेषी॥ करिदंडवतकहितकरजोरी॥ राषीनाथस
कलरुचिमोरी॥ मुहिलगसहेसबहिंसंताप॥ बहुतभांतदुषपा
वाआप॥ अवगुसाईमुहिदेहुरजाई॥ सेवहुअवधअवधभरजाई

॥तु॥रा
॥अयु॥
॥२३३॥

दोहरा॥जिन्हउपाइपुनपाइजनु॥देषहुदीनदयाल॥सोमिसिदेइयै
अवधलगि॥कोशलराउकृपाल॥२७॥चौपई॥पुरजनपरजनप्रजा
गुसाई॥सबसुचिसरससनेहसुसाई॥राउरबदिभलभवदुषदाहू
प्रभुबिनुबादपरमपदलाहू॥स्वामिसुजानजानसबहीकी॥रु
चिलालसारहनिजनजीकी॥प्रनतपालपालहिसबकाहू॥दे
वदुहूंदिशिओरनिवाहू॥असमुहिसबविधिसूरभरोसो॥कीये
विचारनसोचधरोसो॥आरतमोरनाथकरछोहू॥दुहूमिलकीह्न
ढीठहठिमोहू॥यहबडिदोषदूरकरस्वामी॥तजिसंकोचसिषये
अनुगामी॥भरतविनयसुनिसबहिप्रसंसी॥षीरनीरविवरन
गतहंसी॥दोहरा॥दीनबंधुसुनबंधुकेवचनदीनछलहीन॥दे
सकालअवसरुसरिस॥बोलेरामप्रवीन॥२८॥चौपई॥ताततु
म्हारमोरपरिजनकी॥चिंतागुरुहिन्पहिघरवनकी॥माथेप
रगुरुमुनिमिथुलेसू॥हमहितुमहिसुपनेहुनकलेसू॥मोर
तुम्हारपरमपुरुषारथ॥स्वारथसुजसधरमपरमारथ॥पितु
आयसुपालेहुदोउभाई॥लोकवेदभलभूपभलाई॥गुरुपितु २३३

मातमखामिथिलाबसाले॥ चलेहकमगपगपरहिनछाले॥ असवि
चारसवसोचविहाई॥ पालहुअवधअवधभरजाई॥ देसकोशपुर
जनपरिवारू॥ गुरुपदरजहिलागछरभारू॥ तअमुनिमातसचि
वसिषमानी॥ पालेहुपुहमप्रजारजधानी॥ दोहरा॥ मुषअामुष
सोचाहीये॥ षानपानकोएक॥ पालेपोषेसकलअंग॥ तुलसी
सहितविवेक॥ २९॥ चौपई॥ राजधरमसरवसएतनोई॥ जिमममन
माहिमनोरथगोई॥ वंधप्रवोधकीन्हवहुभाती॥ विनुअधारम
नतोषनसाती॥ भरतशीलगुरुसचिवसमाजू॥ सकुचसनेहवि
वसरघुराजू॥ प्रभुकरकृपापांवरीदीन्ही॥ सादरभरतसीसधरलीन्ही
न्ही॥ चरनपीठकरुनानिधानके॥ जनुयुगजामिकप्रजाप्रानके
संपुटभरतसनेहरतनके॥ आषरजुगजनुजीवजतनके॥ कल
क्याएकरकुसलकरमके॥ विमलनयनसेवासुधरमके॥ भर
तमुदितअवलंवलहेते॥ असमुषजससीयरामरहेते॥ दोहरा॥
मांगपोविदाप्रनामकर॥ रामलीयोउरलाइ॥ लोगउचाटेअमर
पति॥ कुटिलकुअवसरपाइ॥ ३०॥ चौपई॥ सोकुचालसवकह

भइनीकी॥ अवधआमसबजीवनजीकी॥ नतरलषनसीयरामवि
योगी॥ हहरिमरतसबलोगकुरोगी॥ रामकृपाअवरेबसुधारी॥ वि
बुधधारभयगुनदगुहारी॥ भेटतभुजभरिभाइभरतसो॥ रामप्रेम
सुकहीनपरतसो॥ तनमनवचनउमगअनुरागा॥ धीरधुरंधरधी
रजुत्यागा॥ वारिजलोचनमोचितवारी॥ देषदशासुरसभादुषारी॥
मुनिगनगुरुधरधीरजनिकसे॥ ग्यानअनलमनकसेकनकसे
जेविरंचनिरलेपउपाए॥ पद्मपत्रजिमजगजलजाए॥ दोहरा॥
तेविलोकरघुवरभरत॥ प्रीतिअनूपअपार॥ भएमगनमनतन
वचन॥ सहितविरागविचार॥२२॥ चौपई॥ जहांजनकगुरुगति
मतिभोरी॥ प्राकृतप्रीतकहतवडुषोरी॥ वरनतरघुवरभरतवि
योग॥ सुनकठोरकविजानहिलोग॥ सोसकोचरसअकथसुवा
नी॥ समासनेहसुमिरसकुचानी॥ भेटभरतरघुवरसमुझाए॥
पुनरिपुदवनहरषहियलाए॥ सेवकसचिवभरतरुषपाई॥ नि
जनिजकाजलगेसवजाई॥ सुनदारुनदुषदुहूंसमाजा॥ लगेचल
नकेसाजनसाजा॥ प्रभपदपदमवंदिदोऊभाई॥ चलेसीसधरि

रामरजाई॥ मुनितापसिवनदेवनिहोरी॥ सवसनमानवहोरिव।
होरी॥ दोहरा॥ लषनहिभेटप्रनामकर॥ सिरधरसीयपदधूर॥ च
लेसप्रेमअसीससुनि॥ सकलसुमंगलमूर॥२२॥ चौपई॥ सानु।
जरामनृपहिसिरुनाई॥ कीन्हीवहुविधिविनयवडाई॥ देवद
यावसवडदुषपायो॥ सहितसमाजकाननहिआयो॥ पुरपग
धारीयदेइअसीसा॥ कीन्हधीरधरिगमनमहीसा॥ मुनिमहिदे
वसाधुसनमाने॥ विदाकीयेहरिहरसमजाने॥ सासुसमीपग
एदोउभाई॥ फिरेवंदिपदआसिषपाई॥ कौशिकवामदेवजा
वाली॥ पुरजनपरिजनसचिवसुचाली॥ जथाजोगकरिविन।
यप्रनामा॥ विदाकीयेसवसानुजरामा॥ नारिपुरुषलघुमध्य।
वडेरे॥ सवसनमानकृपानिधिफेरे॥ दोहरा॥ भरतमातपदवं
दिप्रभु॥ सुचिसनेहमिलभेटि॥ विदाकीन्हसजिपालकी॥ स
कुचसोचसवमेटि॥२३॥ चौपई॥ परजनमातपितहिमिलसी।
ता॥ फिरीप्रानप्रियप्रेमपुनीता॥ करिप्रनामभेटीसवसासू॥ प्री
तकहतकविहीयनहुलासु॥ मुनिसियअभिमतआसिषपाई

॥न॥रा॥ रहीसीयकहुप्रीतिसमाई॥ रघुपतिपटपालकीमगाई॥ करिप्र
॥अयु॥ बोधसबमातुचढाई॥ बारहिबारमिलेदोउभाई॥ समसनेहज
॥२३५॥ ननीपहुचाई॥ साजिबाजिगजबाहननाना॥ भूपभरतदलकी
न्हपयाना॥ हृदयरामसीयलषनसमेता॥ चलेजाहिसबलो
गअचेता॥ बसहिबाजिगजपसुहीयहारे॥ चलेजाहिपरबससम
नमारे॥ दोहरा॥ गुरुगुरुतीयपदबंदिप्रभुसीतालषनसमेत॥
फिरेहरषबिसमयसहित॥ आएपरननिकेत॥ २८॥ चौपई॥
बि दाकीन्हसनमाननिषादु॥ चलोहृदयबडबिरहबिषादु॥
कोलकिरातभिल्लबनचारी॥ फेरेफिरेजोहारजुहारी॥ प्रभुसी
यलषनबैठबटछाही॥ प्रियपरजनबियोगबिलषाही॥ भर
तसनेहसुभाउसुबानी॥ प्रियाअनुजसनकहतबषानी॥ प्रीत
प्रतीतबचनमनकरनी॥ श्रीमुषरामप्रेमबसबरनी॥ तिहिअ
वसरषगमृगजलमीना॥ चित्रकूटचरअचरमलीना॥ बिबुध
बिलोकिदशारघुबरकी॥ बरषिसुमनकहिगतिघरघरकी॥ प्र
भुप्रनामकरिदीनभरोसो॥ चलेमुदितमनडरुनषरोसो॥ दो २३५

सानुजसीयसमेतप्रभु॥राजतपरनकुटीर॥भगतिज्ञानवैराग्य
जनु॥सोहतधरेंसरीर॥२५॥चौपई॥मुनमहिसुरगुरुभरतभु।
आलू॥रामविरहसबसाजविहालू॥प्रभगुनग्रामगनतमन
माही॥सबचुपचानचलेमगजाही॥जमुनाउतरिपारसबभ।
यो॥सोवासरविनभोजनगयो॥उतरिदेवसरिदूसरवासू॥रा
मसषासबकीन्हसुपासू॥सइउतरगोमतीनहाए॥चौथेदि
वसअवधपुरआए॥जनकरहेपुरवासरचारी॥राजकाजसब
साजसवारी॥सोपिसचिवगुरुभरतहिराजू॥तिरहुतिचलेसा
जिसबसाजू॥नगरनारिनरगुरुसिषमानी॥वसेसुषेनराम
रजधानी॥दोहरा॥रामदरसलगिलोगसब॥करतनेमउपवा।
स॥तजितजिभूषनभोगसुष॥जीयतअवधकीआस॥२६॥
चौपई॥सचिवसुसेवकभरतप्रवोधे॥निजनिजकाजपाइसि
षसोधे॥पुनसिषदीन्हवोलिलघुभाई॥सोपीसकलमातुसे।
वकाई॥भूसुरवोलभरतकरजोरे॥करिप्रनामवरविनयनि
होरे॥ऊचनीचकारजभलपोचू॥आयसुदेवनकरवसकोच

॥ता॥रा
॥अयु॥
॥२३६॥

परिजनपुरजनप्रजाबुलाए॥ समाधानकरिसुवसवसाए॥ सानुज।
गेगुरुगेहवहोरी॥ करदंडवतकहतकरजोरी॥ आयसुहोइतारहों
सनेमा॥ वोलेमुनितनपुलिकसप्रेमा॥ समुझवकहवकरवतु
मजोई॥ धर्मसारुजगहोइहसोई॥ दोहरा॥ सुनिसिषपाइआसी
सवड॥ गनकवोलदिनुसाध॥ सिंघासनप्रभपादका॥ वैठारेनि
रुपाध॥२०॥ चौपई॥ राममातगुरुपदसिरुनाई॥ प्रभुपदपीठ।
रजायसुपाई॥ नंदिगांवकरिपरनकुटीरा॥ कीन्हनिवासधरम
धुरिधीरा॥ जटाजूटसिरमुनिपटधारी॥ महिषनकुशसाथरी
सवारी॥ असनवसनवासनव्रतनेमा॥ करतकठनरिषधरम।
सप्रेमा॥ भूषनवसनभोगसुषभूरी॥ मनतनवचनतजेत्रिन
तूरी॥ अवधराजुसुरराजुसिहाई॥ दसरथधनसोधनदलजाई
तिहपुरवसतभरतविनरागा॥ चंचरीकजिमचंपकवागा॥ रा।
मांविलासरामअनुरागी॥ तजितवमनजिमजनवडभागी॥
दोहरा॥ रामप्रेमभांजनभरत॥ वडेनईहकरतूति॥ चातकहं
ससराहीयत॥ टेकविवेकविभूति॥२८॥ चौपई॥ देहिदिनहु २३६

दिनहूबरषगोसाईं॥घटततेजबलमुषछबिसोईं॥नितनवरामप्रेम।
पनपीना॥बढ़तधरमदलमनुनमलीना॥जिमजलनिघटत
सरदप्रकासे॥बिलसतबेतसबनजबिकासे॥समदमसंयम।
नियमउपासा॥नषतभरतहीयबिमलअकासा॥ध्रुवबिस्वास।
अवधराकासी॥स्वामसुरतसुरबीथिबिकासी॥रामप्रेमबिधु
अचलअदोषा॥सहतसमाजसोहिनितचोषा॥भरतरहनसम।
मुझनकरतूती॥भगतिबिरतिगुणबिमलबिभूति॥बरनतस
कलसुकबिसकुचाहीं॥सेसगनेसगिरागमुनाहीं॥दोहरा॥
नितपूजतप्रभपांवरी॥प्रीतिनहृदयसमात॥मांगमांगिआ।
यसुकरित॥राजकाजबहुभांति॥३२५॥चौपई॥पुलकगातहि।
यहीयसीयरघुबीरू॥जीहनामजपलोचननीरू॥लषनरामसी
यकाननबसही॥भरतभवनबसितपतनकसही॥दोउदि।
ससमुझिकहितसबलोगू॥सबबिधिभरतसराहनयोगू॥सुन
ब्रतनेमसाधुसकुचाही॥देषदसामुनिराजलजाही॥परमपुनी
तभरतआचरनू॥मधुरमंजुमुदमंगलकरनू॥हरनकठिन।

न रा
अयु
२३०

कलिकलुषकलेस॥ महामोहनिसिदलन
दिनेस॥ पापपुंजकुंजरमृगराज॥ शमनम।
कलसंतापसमाज॥ जनरंजनभंजनभवभा
रु॥ राममनेहसुधाकरसारु॥ छंद॥
सीयरामप्रेमपियूषपूरनहोतजनुमनभर
को॥ मुनिमनअगमयमनियमशमदमवि
षमव्रतआचरको॥ दुषदाहदारिददंभदूष
नसुजममिसअपहरतको॥ कलिकालतुल
सीसेसठहिहठराममनमुषकरतको॥ सो॥
भरतचरितकरनेम॥ तुलसीजेसादरसुनहि
सीयरामपदप्रेम॥ अवसिहोयभवरसविरत
३३०॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलि
कलुषविध्वंसनेविमलवैराग्यसंपादनीना

म सप्तमो सोपानः। समाप्तः। शुभं।

॥स्वस्तिश्रीगणेशायनमः॥श्लोक॥श्रीरामचंद्र॥
मूलंधर्मतरोर्विवेकजलधेःपूर्णेंदुमानंददं॥।
वैराग्यांबुजभास्करंह्यघघनध्वांतापहंतापहं।
मोहांभोधरपूगपाटनविधौस्वःसंभवंशंकरं
वंदेब्रह्मकुलंकलंकशमनंश्रीरामभूपप्रियं
सांद्रानंदपयोदसौभगतनुंपीतांबरंसुंदरं॥।
पाणौबाणशरासनंकटिलसत्तूणीरभारंव
रं॥राजीवायतलोचनंधृतजटाजूटेनसंशो
भितं॥सीतालक्ष्मणसंयुतंपथिगतंरामा
भिरामंभजे॥२॥सोरठा॥उमारामगुनगूढ
पंडितमुनिपावहिंबिरति॥पावहिंमोहबि।

॥तु॥रा॥ मूढ॥ जेहरिविमुखनधर्मरति॥२॥ चौपई॥ पुरनरभरतप्रीतमैगाई
॥अरण्य मतिअनुरूपअनूपसुहाई॥ अवप्रभुचरितसुनहुअतिपावन
॥२३८ करतिसुबसुरनरमुनिभावन॥ एकवारचुनकुसमसुहाए॥
निजकरभूषनरामबनाए॥ सीतहिपहिराएप्रभुसादर॥ वैठे।
फटकशिलापरभाधर॥ सुरपतिसुतधरिवायसवेषा॥ सठचा
हतरघुपतिबलदेषा॥ जिमपपीलकासागरथाहा॥ महामंद
मतिपावनचाहा॥ सीताचरनचोंचहतभागा॥ मूढमंदमति।
कारणकागा॥ चलारुधररघुनायकजाना॥ सीकधनुषसा॥
यकसंधाना॥ दोहरा॥ अतिकृपालरघुवंसमणि॥ सदादीनप
रनेह॥ तासनआइजुकीन्हछल॥ मूरखअवगुणगेह॥१॥
चौपई॥ बिनअपराधप्रभहतेनकाहू॥ अवसरपरेग्रसेशशि
राहू॥ जवप्रभलीन्हसीकधनुवाना॥ क्रोधजानभाअनलसमा।
ना॥ प्रेरलमंत्रब्रह्मसरधावा॥ चलाभाजवायसभयपावा॥
धरनिजरूपगयोपितुपाही॥ रामविमुषराषातिहनाही॥ भा
निराशउपजीमनत्रासा॥ जथाचक्रभयरिषदुरवासा॥ ब्रह्मधा

मशिवपुरसवलोका॥फिराश्रमितब्याकुलभयशोका॥काहूवैठन।
कहानओही॥राषिकोसकैरामकरद्रोही॥मातुमृत्युपितुसमनस
माना॥सुधाहोयविषुसुनहरिजाना॥मित्रकरैशतरिपुकेकरणी
ताकहुविवुधनदीवैतरणी॥सवजगताहिअनलतेताता॥जोरघु
वीरविमुषसुनभ्राता॥दोहरा॥जिमजिमभाजतशक्रसुत॥व्या
कुलअतिदुषदीन॥तिमतिमधावतरामसर॥पाछेपरमप्रवीन।
२॥चौपई॥ववहिउरगावरुप्रेमषगेमा॥रघुपतिमरघुटववनम्र
देमा॥नारदंदेषाविकलजयंता॥लागिदयाकोमलचितसंता॥।
इरहितेकहिप्रभुप्रभुताई॥भजेजातवहुविधसमुझाई॥पठवा
तुरतरामपहिताही॥कहिसपुकारप्रणतहितपाही॥आतुरस
भयगहिसापदजाई॥त्राहित्राहिदयालरघुराई॥अतुलतवलअ
तुलितप्रभुताई॥मैमतिमंदजानिनहिपाई॥निजकृतकर्मजा।
नितफलपायो॥अवप्रभपाहिशरणतकआयो॥सुनकृपाल
अतिआरतवानी॥एकनयनकरतजाभवानी॥सोरठा॥कीन्ह
मोहिवसद्रोह॥यद्यपितिहकरवधउचित॥प्रभछाडेउकरछोह

॥नु॥रा॥ कोकृपालरघुवीरसम॥३॥चौपई॥रघुपतिचित्रकूटवसनाना॥च
अरि रितकीयेश्रुतिसुधासमाना॥वहुरिरामअसमनअनुमाना॥होइ
२३९ हिभीरसवहिमोहिजाना॥सकलमुनिनसनविदाकराई॥सीता
सहितचलेदोउभाई॥अत्रकेआश्रमजवप्रभगयो॥सुनतमहा
मुनिहरखतभयो॥पुलकतगातअत्रिउठिधाए॥देखरामआतु
रचलआए॥करतदंडवतमुनिउरलाए॥प्रेमवारिदोऊजनअन्हु
वाए॥देखराममुखनयनजुडाने॥सादरनिजआश्रमतवआने
करिपूजाकहिवचनसुनाए॥दीयेमूलफलप्रभुमनभाए॥सो॰
प्रभुआसनआसीन॥भरलोचनशोभानिरख॥मुनिवरपरमप्र
वीन॥जोरपाणिविनतीकरत॥४॥ ॥छंद॥ ॥नमामिभ
क्तवत्सलं॥कृपालशीलकोमलं॥भजामितेपदांवुजं॥अका
मनास्वधामदं॥निःकामश्यामसुंदरं॥भवांवुनाथमंदरं॥प्रफु
ल्लकंजलोचनं॥मदादिदोषमोचनं॥प्रलंववाहुविक्रमं॥प्रभो
प्रमेयवैभवं॥निषंगचापसायकं॥धरत्रिलोकनायकं॥दिने
शवंशमंडनं॥महेशचापखंडनं॥मुनींद्रसंतरंजनं॥सुरारिवृंद २३९

भेजनं॥ मनोजवैरिवंदितं॥ अजादिदेवसेवितं॥ विशुद्धबोधविग्रहं
समस्तदूषणापहं॥ नमामिइंदिरापतिं॥ सुखाकरंसतांगतिं॥ भ
जेसशक्तिसानुजं॥ सचीपतिप्रियानुजं॥ त्वदंघ्रिमूलयेनरा॥ भजं
तिहीनमत्सरा॥ पतंतिनोभवार्णवे॥ वितर्कवीचिसंकुले॥ विवि
क्तवासिनःसदा॥ भजंतिमुक्तयेमुदा॥ निरस्यइंद्रियादिकं॥ प्रयां
तितेगतिंस्वकं॥ त्वमेकमद्भुतंप्रभु॥ निरीहमीश्वरंविभुं॥ जगद्गुरुंच ग॥
शाश्वतं॥ तुरीयमेवकेवलं॥ भजामिरामवल्लभं॥ कुयोगिनांसु
दुर्लभं॥ स्वभक्तिकल्पपादपं॥ समस्तसेव्यमन्वहं॥ अनूपरूप
भूपतिं॥ नतोहमुर्विजापतिं॥ प्रसीदमेनमामिते॥ पदाब्जभक्ति
देहमे॥ पठंतियस्तवंइदं॥ नरादरेणतेपदं॥ व्रजंतिनात्रसंशयं
त्वदीयभक्तिसंयुतं॥ दोहा॥ विनतीकरिमुनीनायसिर॥ कहकर
जोरिबहोरि॥ चरणसरोरुहनाथजनि॥ कबहुतजैमतिमोरि॥ ५
॥ चौपई॥ जन्मजन्मतवपदसुखकंदा॥ बढेप्रेमचकोरजिमचंदा
देखिरामसुनिविनयप्रनामा॥ विबुधभांतपायोविश्रामा॥ अनु
सूयाकेपदगहिसीता॥ मिलीबहोरिसुशीलविनीता॥ जोसीय

सकललोकसुषदाता॥ अषिलकोटिब्रंह्मडकीमाता॥ तेउपायप
रिमुनिवरभामिनि॥ सुषीभईकुमुदिनजिमजामिनि॥ रिषपति
नीमनसुषअधिकाई॥ आशिषदेइनिकटबैठाई॥ दिब्यबसन
भूषनपहिराए॥ जेनितनूतनअमलसुहाए॥ जाहिनिरषदुष
दूरपराही॥ गरुडजानजिमपन्नगजाही॥ दोहरा॥ ऐसेबसन
बिचित्रसुठ॥ दीयेसीयकहुंआनि॥ मनमानीप्रियबचनकहि
प्रीतिनजाइबषानि॥ ६॥ चौपई॥ कहिरिषबधूसरसमृदुबानी
नारिधर्मकछुब्याजबषानी॥ मातपिताभ्राताहितकारी॥ मि
तसुषप्रदसुनराजकुमारी॥ अमितदानपतिसुनिबैदेही॥ अ
धमसोनारिजेनसेवतेही॥ धीरजधर्ममित्रअरुनारी॥ आपत
कालपरषियहिचारी॥ बृद्धरोगबसजडधनहीना॥ अंधबधिर
क्रोधीअतदीना॥ ऐसेहुपतिकरिकीयअपमाना॥ नारिपाव
जमपुरदुषनाना॥ एकैधर्मएकब्रतनेमा॥ कायबचनमनप
तिपदप्रेमा॥ जगपतिब्रताचारबिधअहही॥ बेदपुरानसंत
सबकहही॥ दोहरा॥ उत्तममधममनीचलघु॥ सकलकहोंसम २८

मुझाइ॥ आगेसुनेतेभवतरहि॥ सुनहुसीयचितलाइ॥७॥ चौपई
उत्तमकेअसबसमनमाही॥ सपनेहुआनपुरुषजगनाही॥ म
ध्यमपरपतिदेषैकैसे॥ भ्रातापितापुत्रनिजजैसे॥ धर्मविचारस
मुझिकुलरहई॥ सोनिकिष्टत्रीयश्रुतिअसकहई॥ विनुअवस
रनरहतेरहेजोई॥ जानेहुअधमनारिजगसोई॥ पतिवंचकपरप
तिरतिकरै॥ रौरवनरककल्पसतपरै॥ छिनसुषलागिजन्मश
तकोटी॥ दुषनसमुझतिहिसमकोषोटी॥ विनुश्रमनारिपरम
गतिलहही॥ पतिव्रतधर्मछाडिछलगहही॥ पतिप्रतिकूलज
न्महोजाई॥ विधवाहोयपायतरुनाई॥ सोरठा॥ सहिजअपाव
ननारि॥ पतिसेवतशुभगतिलहै॥ जसुगावतश्रुतिचार॥ अ
जहुतुलसिकाहरिप्रिया॥८॥ सुनसीतातवनामसुमिरनारिप
तिव्रतकरहि॥ तोहिप्रानप्रियराम॥ कहेउकथासंसारहित॥८
॥ चौपई॥ सुनजानकीपरमसुषपावा॥ सादरतासुचरनसिरु
नावा॥ तवमुनिसनकहकृपानिधाना॥ आयसुहोइजाँवबनआ २॥
ना॥ संततमोपरकृपाकरेहू॥ सेवकजानतजहुजनिनेहू॥ धर्म

तु॰ रा॰ धुरंधरप्रभुकेवानी॥ सुनिसप्रेमबोलेमुनिज्ञानी॥ जासुकृपाअज
अरि॰ शिवसनकादी॥ चहतसकलपरमारथबादी॥ तेतुम्हरामअका
२८१ मपिआरे॥ दीनबंधुमृदुबचनउचारे॥ अबजानीमैंश्रीचतुराई॥
भजीयतुम्हैसबदेवबिहाई॥ जिहसमानअतिशयनहिंकोई॥
ताकरशीलकसनअसहोई॥ किहंबिधकहोंजाहुअबस्वामी॥
कहहुनाथतुम्हअंतरजामी॥ असिकहिप्रभबिलोकमुनधी
रा॥ लोचनजलबहपुलकसरीरा॥ छंद॥ तनपुलकजलभरप्रे
मपूरणनयनमुखपंकजदीये॥ मनज्ञानगुणगोतीतप्रभमैदीख गो
जपतपकाकीये॥ जपयोगधर्मसमूहतेनरभक्तिअनुपमपा
वही॥ रघुबीरचरितपुनीतनिशिदिनदासतुलसीगावही॥ सो॥
कलिनकालकलंकोम॥ धर्मनज्ञाननयोगजप॥ परिहरसक
लभरोस॥ रामभजहितेचतुरनर॥ दोहरा॥ मुनहूकीअस्तुति
कीन्हप्रभदीन्हप्रभुभगावरदान॥ सुमनबृष्टनभसुरकरत॥ जै
जैकृपानिधान॥ ५॥ चौपई॥ मुनिपदकमलनाइकरसीसा॥
चलेबनहिसुरनरमुनईसा॥ आगेरामअनुजपुनिपाछे॥ मु २८१

निबरखेषबनेअतिकाछे॥उभयबीचसीयसोहतकैसी॥ब्रह्मजी
वबिचमायाजैसी॥सरितावनगिरिअवघटघाटा॥पतिपहिचान
देहिवरवाटा॥जहजहजाहिदेवरघुराया॥करहिमेघतहतहनभ
छाया॥आश्रमदीषविपुलवनमाही॥देषसदनतिहिपटतर
नाही॥वहुतडागसुंदरअमराई॥भांतभांतवहुमुनिन्हलगाई॥
दिव्यविटपफलवहुदिशिसोहे॥देषतसकलसुरन्हमनमोहे॥।
दोहा॥निजनिजआश्रमवेदिका॥तिहिपरतुलसिविराज॥अ
नुजजानकीसहिततह॥राजतभेरघुराज॥१०॥आनसुआमिन
मुदितमन॥पूजिपहुनईकीन्ह॥कंदमूलफलआमीसम॥आ
नएसकहुदीन्ह॥११॥चौपई॥अनुजसीयसहभोजनकीन्हा॥
जोजिहिभावसुभगवरुदीन्हा॥तिहिदिनतहप्रभकीन्हनिवा
सा॥सकलमुनिन्हमिलकरीसुपासा॥होतप्रभातमुनिन्हसिरु
नावा॥आशीरवादसवन्हसनपावा॥सुमिरउमाशिवसिद्धगणे
शा॥चलिप्रभुचलेसुनहुउरगेशा॥वनअनेकसुंदरगिरनाना॥
सोधतचलेजाहिभगवाना॥मिलाअसुरविराधसगजाता॥गरज

॥लं॥ रा॥
॥श्रुरि॥
॥२५२॥

तघोरकठोररिसाता॥ रूपभयंकरमानहुकाला॥ वेगवंतधायोजि
मग्राला॥ गगनदेवमुनिकिन्नरनाना॥ नाछिनहृदयहारकछु
माना॥ तरततहिसोसीतहिलेनचलो॥ रामहृदैकछुविस्मैभयो॥ म
मुक्तिहृदैकैकेईकरणी॥ कहीश्रवनजसमनवहुविधवरणी॥ वहु
रलषनरघुवरहृप्रवोधा॥ पांचवानछाडेकरक्रोधा॥ छंद॥ भए
कुधलषनसंधानधनुसरमारतिहृव्याकुलकीयो॥ पुनउगनि
शाचररापसीतहिश्रूललैछाडतभयो॥ जनुकालदंडकरालधा
वाविकलसवपगामगमए॥ धनुतानिश्रीरघुवंसमणिपुनवा
हितिहरजममकरा॥ दोहा॥ वहुरोमाराएकसर॥ पराधरनधु
नमाथ॥ उठोप्रवलपुनगर्जियो॥ चलोजहारघुनाथ॥ २२ चौ॥
श्रेसेकहततनिशाचरधावा॥ श्रवनहीवचहुतसहिसेषावा॥
श्रावप्रवलउहविधजनुभूधर॥ होइहैकहाकहैव्याकलसुर॥
तासुतेजतेमरुतउडाना॥ टूटहितरुउडाहिपाषाना॥ जीवजंतु
जहलगारहेजेते॥ व्याकुलभाजिचलेतहतेते॥ उगेसमानजोरि
सरमाला॥ श्रावतहीरघुवीरनिपाता॥ तुरततहिरुचिररूपतिह॥ २५२

पावा॥ देखदुषीनिजधामपठावा॥ तासुअस्थगाडेप्रभधरनी॥ देव
नमुदितदुंधवीहनी॥ सीताआइचरणलपटानी॥ अनुजसहित
तवचलेभवानी॥ ईहांसक्रजहमुनिसरभंगा॥ आयोसकलदे
वनिजसंगा॥ गएकहिनप्रभदेनसिषावन॥ दिसवहुभेदवसत
जहरावन॥ दोहरा॥ सुरपतिसंशयतिमरसम॥ रघुपतितेजदि
नेस॥ रावणजीवननिशासम॥ बीतेछुटहिकलेस॥ १३ चौपई॥
सुनासीरप्रभुतिहछिनदेषा॥ तेजनिधानसुभ्रअतिरेषा॥ तरग
वारवलमरुतसमाना॥ रथरविससमनहिजाइवषाना॥ छितन
हिपरसिअंतरहहिरहई॥ खेतछत्रचामरसिरढरई॥ अनुजहिप्रिय
हिकहासमुझाई॥ सुरपतिमहिमागुणप्रभताई॥ जिन्हिकारणवा
सवतहआए॥ सोकछुवचनकहैनहिपाए॥ बीचहिसुनआइप्रभस
प्रभुकेरा॥ कहिसारथहितरतरथकेरा॥ दूरहितेकरिप्रभहिप्र
नामा॥ हरषिसुरेसगएनिजधामा॥ प्रभुआएजहमुनिसरभंगा
सुंदरअनुजजानकीसंगा॥ दोहरा॥ देषराममुषपंकजहि॥ मुन
वरलोचनभृंग॥ सादरपानसुकरतअति॥ धन्यजनमसरभंग॥

२४ ॥ चौपई ॥ कहमुनिसुनरघुवीरकृपाला॥ शंकरमानसराजम
राला॥ जातरह्योविरंचिकेधामा॥ सुन्योश्रवनवनऐहहिरामा॥।
चितवतपंथरह्योदिनराती॥ अवप्रभदेषिजुडानीछाती॥ नाथ
सकलसाधनमैहीना॥ कीनीकृपाजानजनदीना॥ सोकछुदेव
नमोहिनिहोरा॥ निजपनराष्योजनमनचोरा॥ तवलगिरहहु
दीनहितलागी॥ जवलगिमिलहुतुमहितनत्यागी॥ योगयज्ञ
जपतपजतकीन्हा॥ प्रभकहिंदेइभक्तिवरलीन्हा॥ इहविधउ
ररुचिमुनिसरभंगा॥ वेठेहृदयछाडिसवसंगा॥ दोहरा ॥ सीताअ
नुजसमेतप्रभनीलजलदतनस्याम॥ ममहीयवसहुनिरंतरस
गुणरूपश्रीराम॥ २५ ॥ चौपई ॥ असकहियोगअगनितनुजा
रा॥ रामकृपावैकुंठसिधारा॥ तातेमुनिहरिलीननभयो॥ प्रथ
महिभेदभक्तिवरलयो॥ रिषनकीयमुनिवरगतिदेषी॥ सुषी
भयेनिजहृदयविशेषी॥ अस्तुतिकरहिसकलमुनिवृंदा॥ ज
यतिप्रनतहितकरुनाकंदा॥ पुनरघुनाथचलेवनआगे॥ मु
निवरवृंदविपुलसंगलागे॥ अस्थिसमूहदेषिरघुराया॥ पूछा २४३

मुनिन्हलागिअस्तुतिदाया॥ जानतहौंरछोकसस्वामी॥ समदरसी।
नहिअंतरजामी॥ निसिचरनिकरसकलमुनिषाए॥ सुनिरघुवीरन
यनजलछाए॥ दोहा॥ निसिचरहीनकरौंमहीभुजउठायप्रणकी
न॥ सकलमुनिन्हकेआश्रमन्ह॥ जाइजाइसुषदीन॥ २९॥ चौ॥
मुनिअगस्तकरसिष्यसुजाना॥ नामसुतीछनरतिभगवाना॥।
मनक्रमवचनरामपदसेवक॥ सपनेहुआनभरोसनदेवक॥ प्र
भुआगमनश्रवनसुनपावा॥ करतमनोरथआतुरधावा॥ हेवि
धदीनबंधुरघुराया॥ मोसेसठपरकरिहहिदाया॥ सहितअनुज
मोहिरामगुसाई॥ मिलहहिनिजसेवककीन्याई॥ मोरजीयभरो।
सदृढनाही॥ भक्तीविरतज्ञानमननाही॥ नहिसतसंगयोगजप
जागा॥ नहिदृढचरनकमलअनुरागा॥ एकबानकरुनानिधा।
नकी॥ सोप्रियजाकेगतिनआनकी॥ छंद॥ सोरूप्रियअति।
पातकीजिनकबहुंनप्रियसिमरणकरयो॥ तेआजुमेनिजनयन
नदिषिहोपूरवलकिहीयोभरयो॥ जेपदसरोजकमुनिकरिध्या अनेक॥
नकबहुंकआवही॥ तेउरामश्रीरघुवंशमणिप्रभप्रेमतेसुषपावही

नु॥रा॥
आरि॥
२५८॥

।दोहा। पन्नगारिसुनप्रेमसम। भजननहरसत्रान॥ महविचारसुम
पुनहिपुन॥ करतरामगुणगान॥ १०॥ चौपई॥ होइहहिसुफल।
आजुममलोचन॥ देषवदनपंकजभवमोचन॥ उरभरप्रेममगा।
नमुनिज्ञानी॥ कहिनजाइसोदशाभवानी॥ दिशिअरुविदिशपं
थनहिसूझा॥ कोमैचल्योकहानहीबूझा॥ कबहुंकचलिपाछे
पुनजाई॥ कबहुंकनृतकरेगुणगाई॥ अबिरलप्रेमभक्तिमुनि
पाई॥ प्रभुदेषैंतरुओटलुकाई॥ अतिशैप्रीतिदेषरघुबीरा॥ प्रगटे
हृदयहरनभवभीरा॥ मुनिमगमांझअचलहोईबैसा॥ पुलक।
सरीरपनसफलजैसा॥ तबरघुनाथनिकटचलिआए॥ देषिद
शानिजजनेनजुडाए॥ सोरठा॥ रामसुस्वामीधाइ॥ शेवकदुषदार
ददमन॥ मुनिमनप्रभकहिआइ॥ उठउठहिजनममप्रानसम॥ १९
।चौपई। मुनहिरामबहुभांतजगावा॥ जागनध्यानजनितसुषा।
पावा॥ भूपरूपतबरामदुरावा॥ हृदयचतुर्भुजरूपदिषावा॥ मु
निअकुलाइउठातबकैसे॥ विकलहीनमणिविनुफणिजैसे॥ आ
गेदेषरामतनश्यामा॥ सीताअनुजसहितसुषधामा॥ परेउल २५८

कुटिइवचरनन्हलागी॥प्रेममगनमुनवरवडभागी॥भुजविशालग
हिलीयेउठाई॥रामप्रीतिराषेउरलाई॥मुनहिमिलतअससोहकृपाला
कनकतरुहिजनुभेटतमाला॥रामवदनविलोकमुनिठाढा॥मानहु
चित्रमांझलिषकाढा॥दोहा॥तवमुनहृदयधीरधरगहिपदवारहि
वार॥निजआश्रमप्रभआनकरपूजाविवधप्रकार॥१९॥चौपई॥कहि
मुनिप्रभसुनिविनतीमोरी॥अस्तुतिकरौकवनविधितोरी॥महिमा
अमितमोरमतथोरी॥रविसनमुषषद्योतअंजोरी॥स्यामतामरसदा
मसरीरं॥जटामुकटपरिधनमुनिचीरं॥पांनचापसरकटितूनीरं॥नौ
मिनिरंतरश्रीरघुवीरं॥मोहविपिनघनदहनकृसानु॥संतसरोरुह
काननभानु॥निसचरनिकरकरिनमृगराजं॥त्रातसदानोभवषग
वाजं॥अरुननयनराजीवसुवेसं॥सीतानयनचकोरनिसेसं॥हरउ
रमानसवालमराला॥नोमीरामउरवाहुविशाला॥संसयसर्पग्रसन
उरगादं॥शमनसकर्कशतर्कविषादं॥भयभंजनरंजनसुरयूथं॥त्रा
तुसदानोकृपावरूथं॥निरगुणसगुणविषमसमरूपं॥ज्ञानगिरागो
तीतमरूपं॥अमलअषिलमनविद्यमपारं॥नोमीरामभंजनमहिभारं

॥तु॥रा॥
॥अरि॥
॥२४५॥

भक्तकल्पपादपआरामं॥ तर्जनक्रोधलोभमदकामं॥ अतिनागरभव।
सागरसेतू॥ त्रातुसदादिनकरकुलकेतू॥ अतुलितभुजप्रतापबल।
धामं॥ कलिमलविपुलविभंजननामं॥ धर्मवर्मनर्मदगुनग्रामं॥ सं
ततसंतनोतुममरामं॥ जदपिविरजव्यापकअविनाशी॥ सबकेहृदय
निरंतरवासी॥ तदपिअनुजश्रीसहितखरारी॥ वसहुमनसिममकान
नचारी॥ जेजानेहितेजानहुस्वामी॥ सगुनअगुनउरअंतरजामी॥ जोको
सलपतिराजीवनयना॥ करौसोरामहृदयममअयना॥ सोरठा॥ मा।
यावसजगजीय॥ रहहिसदासंततसगन॥ रामलगहुत्तिमिप्रीय॥ क
रुणाकरसुंदरसुषद॥ २०॥ चौपई॥ असअभिमानजायजनभोरे॥ मै
सेवकरघुपतिपतिमोरे॥ रामभक्तितजिचहकल्याना॥ सोनरअधम
सृगालसमाना॥ सुनिमुनिवचनराममनभाए॥ वहुरिहरषिमुनि।
वरउरलाए॥ परमप्रसन्नजानमुनिसोही॥ जोवरमागहुदेउँसोतोही
कहेमुनिसवरुकवहूंनजाचा॥ समुझिनपरेझूठकासाचा॥ तुमहि।
नीकलागेरघुराई॥ सोमोहिदेहुदासमुषदाई॥ अविरलभक्तिविरति।
विज्ञाना॥ होहुसकलगुनज्ञाननिधाना॥ प्रभुजोदीन्हसोवरुमैपावा २४५

अबसोदेहुमोहिजोभावा ॥ दोहा ॥ अनुजजानकीसहितप्रभु ॥ चाप
बानधरराम ॥ ममहियगगनइंदुइव ॥ बसहुसदायहकाम ॥ २१ ॥ चौ
एवमस्तुकहिरमानिवासा ॥ हरषिचलेकुंभजरिषिपासा ॥ मुनिप्र।
नामकरिजुगकरजोरी ॥ सुनहुनाथकछुबिनतीमोरी ॥ बहुतदिव।
सगुरुदरसनपाए ॥ भएमोहिईहिआश्रमआए ॥ अबप्रभुसंगजा
उंगुरुपाही ॥ तुम्हकहुनाथनहोरानाही ॥ चलेउजातमगतवपदकं
जा ॥ देखिहौंजोबिराधमदगंजा ॥ देखिकृपानिधिमुनिचतुराई ॥ ली
येसंगबिहसेदोउभाई ॥ पंथकहतनिजभक्तिअनूपा ॥ मुनिआश्र
मपहुचेसुरभूपा ॥ आश्रमदेखिमहासुचिसुंदर ॥ सरितसरोवररहरबि
तभूधर ॥ बनचरजलचरजीवजहीते ॥ बैरनकरहिप्रीतिसमहीते ॥
। ॥ दोहा ॥ तरुबहुबिधिबिहंगमृग ॥ बोलतबिबिधप्रकार ॥ बसहिदिसि
ठमुनितपकरहि ॥ महिमागुनआगार ॥ २२ ॥ चौपई ॥ तुरतसुतीछ।
नगुरपहिगएउ ॥ करिदंडवतकहतअसभएउ ॥ नाथकोशलाधी।
सकुमारा ॥ आएमिलनजगतआधारा ॥ रामअनुजसमेतबैदेही ॥ ।
निसदिनदेवजपतहैजेही ॥ सुनतअगस्ततुरतउठधाए ॥ हरिबिलो

ल

॥तु॥ ए॥ कलोचनजलछाए॥ मुनिपदकमलपरेदोउभाई॥ रिषिअतिप्रीतिलिए
॥अरि॥ उरलाई॥ सादरकुसलपूछिमुनिज्ञानी॥ आसनपरबैठारेआनी॥।
॥२४६॥ पुनकरिवहुप्रकारप्रभुपूजा॥ मोसमभाग्यवंतनहिंदूजा॥ जहँल
गरहेअपरमुनिबृंदा॥ हरषेसबविलोकिसुषकंदा॥ दोहरा॥ मुनि
समूहमहिवैठेसन्मुषसबकीओर॥ सादरइंदुतनचितवमानहुनि
करचकोर॥२३॥ चौपई॥ पाइसुथलजलहरषतमीना॥ पारसपाइ
सुषीजिमिदीना॥ प्रभहिनिरषिसुषभाएहिभांति॥ चातकजिमपा
एजलस्वाती॥ तवरघुवीरकहामुनिपाही॥ तुह्मसनप्रभुदुरावकछु
नाही॥ तुह्मजानहुजेहिकारनआएउ॥ तातेतातनकहिसमुझाएउ
अबसोमंत्रदेहुप्रभुमोही॥ जेहिप्रकारमारौंमुनिद्रोही॥ द्विजद्रोहीन
वचहिमुनिराई॥ जिमपंकजवनहिमरितुपाई॥ मुनिमुसकानेसु
निप्रभुवानी॥ पूछेउनाथमोहिकाजानी॥ तुह्मरेभजनप्रभावअघा
री॥ जानौमहिमाकछुकतुह्मारी॥ सोरठा॥ भृकुटीनिरषतनाथ॥।
रहतसदापदकमलरत॥ जिन्हडारेनिजहाथ॥ विविधविधातासि
हहर॥२४॥ चौपई॥ अतिकरालसबपरजगजाना॥ अबरौकहौंसु २४६

निजभगवाना॥ अमरतरुविशालतवमाया॥ फलब्रह्मांडअ
नेकनिकाया॥ जीवचराचरजंतुसमाना॥ भीतरबसहिनजानहि
आना॥ तेफलभक्षककठिनकराला॥ तवभयडरतसदासोउका
ला॥ तेतुम्हसकललोकपतिसांई॥ पूछेहुमोहिमनुजकीन्याई॥
यहवरमांगोकृपानिकेता॥ वसहुहृदयश्रीअनुजसमेता॥ अ
विरलभक्तिविरतिसतसंगा॥ चरनसरोरुहप्रीतिअभंगा॥ जद्य
पिब्रह्मअखंडअनंता॥ अनुभवगम्यभजहिजेहिसंता॥ अस
तवरूपवखानोजानो॥ फिरिफिरिसगुणब्रह्मरतमानो॥ दोहा॥
जाहिजीवपरतवकृपासंततरहतहुलास॥ तिन्हकीमहिमाको
कहैजेअनन्यप्रियदास॥ २५॥ चौपई॥ संततदासन्हदेतवडाई॥
तातेमोहिपूछेउरघुराई॥ हेप्रभुपरममनोहरगाऊं॥ पावनपंचव
टीतेहिनाऊं॥ गोदावरीनदीतहंवहई॥ चारिउजुगप्रसिद्धसोअ
हई॥ दंडकवनपुनीतप्रभुकरहू॥ उग्रश्रापमुनिवरकेहरहू॥ वा
सकरहुतहरघुकुलराया॥ कीजेसकलमुनिन्हपरदाया॥ च
लेराममुनिआयसुपाई॥ तुरतहिपंचवटीनियराई॥ दिमल।

॥ नु॥ रा तासु मस प्रभु मन भाए॥ निरखि राम मत उभय सुहाए॥ लषन राम सीय।
॥ अरि॥ चरन निहारी॥ कानन अघ भागा सुष भारी॥ दोहरा॥ गीधराज सैं।
॥२८०॥ भेट भई॥ बहु विधि प्रीति बढाइ॥ गोदावरी निकट प्रभु॥ रहे परन
ग्रह छाइ॥ २५॥ चौपई॥ जब ते राम कीन्ह तह वासा॥ सुषी भए मु।
नि वीती त्रासा॥ गिरि बन नदी ताल छबि छाए॥ दिन दिन प्रति अ।
ति होत सुहाए॥ षग मृग वृंद अनंदित रहही॥ मधुर मधुप गुंजत
छवि लहही॥ सो बन बरन न सक अहिराजा॥ जहा प्रगट रघुबी।
र विराजा॥ एक बार प्रभु सुष आसीना॥ लछमन वचन कहे छल
हीना॥ सुर नर मुनि सचराचर सांई॥ मै पूछौं निज प्रभु की न्याई॥ मु
हि समुझाइ कहो सोइ देवा॥ सब तज करौ चरन रज सेवा॥ कहहु।
ज्ञान वैराग्य अरु माया॥ कहहु सो भक्ति करहु जे हि दाया॥ दोहा॥।
ईश्वर जीव हि भेद प्रभु॥ सकल कहहु समुझाइ॥ जातें होव हि चर।
न रति॥ सोक मोह भ्रम जाइ॥ २७॥ चौपई॥ थोरे महँ सब कहौं स।
मुझाई॥ सुनहु तात अति मन चित लाई॥ ॥ ॥ ॥ ॥

मैअरुमोरतोरतैमाया॥जिहवसकीन्हेजीवनिकाया॥गोगोचरज
हलगिमनुजाई॥सोसवमायाजानेहुभाई॥तिहकरभेदसुनहुतु
मसोऊ॥विद्याअपरअविद्यादोऊ॥एकेदुष्टअतिशयदुषरूपा॥
जावसजीवपराभवकूपा॥एकरचैजगगुनवसजाके॥प्रभप्रेरत
नहिनिजबलताके॥ज्ञानमानजहाएकेनाही॥देषतब्रह्मसमान
सवमाही॥कहीयेतातसोपरमविरागी॥त्रणसमसिद्धतीनगुण
त्यागी॥दोहरा॥मायाईशनआपकहुज्ञानकहीयसोजीव॥बंधमोक्ष
प्रदसभीपरमायाप्रेरतसीव॥२८॥चौपई॥धर्मतेविरतियोगतेज्ञा
ना॥ज्ञानमोक्षप्रदवेदवषाना॥जातेवेगद्रवौमेभाई॥सोममभक्ति
भक्तसुषदाई॥सोसुतंत्रअवलंवनआना॥तिहिआधीनज्ञानवि
ज्ञाना॥भक्तितातअनुपमसुषमूला॥मिलजोसंतहोइअनुकूला॥
भक्तिकेसाधनकहोवषानी॥सुगमपंथमहिपावहिप्रानी॥प्रथ
महिविप्रचरनअतिप्रीती॥निजनिजकर्मकरेश्रुतिरीति॥एहक
रफलपुनविषैविरागा॥तवममचरणउपजअनुरागा॥श्रवणादि
कनवभक्तिदृढाई॥ममलीलारतिअतिमनमाही॥संतचरनपं

॥तु॥रा॥
॥अरि॥
॥२४८॥

कज्ञअतिप्रेमा॥ मनक्रमवचनभजनहढनेमा॥ गुरुपितुमातवंधु
पतिदेवा॥ सवमुहिकहिजानेहढसेवा॥ ममगुणगावतपुलकश।
रीरा॥ गदगदगिरानयनवहनीरा॥ कामआदिमदढंभनजाके॥।
तातनिरंतरवसिमैताके॥ दोहरा॥ वचनकरममममोरिगति॥ भ
जनकरहिनिहकाम॥ तिन्हकेहृदयकमलमहु॥ करौसदाविश्रा
म॥ २९॥ चौपई॥ भक्तियोगसुनअतिसुषपावा॥ लछमनप्रभ।
चरननसिरुनावा॥ नाथसुनोगतममसंदेहा॥ भयोज्ञानउपजे।
नवनेहा॥ अनुजवचनसुनिप्रभुमनभाए॥ हरषराममनिजहृद।
यलगाए॥ इहविधगएकछुकदिनवीती॥ कहतविरागज्ञानगु
णनीती॥ सूपनषारावणकेवहिनी॥ दुष्टहृदयजिमदारुनअ।
हिनी॥ पंचवटीसोगईइकवारा॥ देषविकलभईजुगलकुमारा॥।
भ्रातापितापुत्रउरगारी॥ पुरुषमनोहरनिरषतनारी॥ होइविक।
लमकमनहिनरोकी॥ जिमरविमणिद्रवैरविहिविलोकी॥ दो॥।
अधमनिशाचरिकुटिलअति॥ वसीकरनउपहास॥ सुनखगेश
भावीप्रवल॥ होयचहेनिशाचरनाश॥ ३०॥ चौपई॥ रुचिररूपध २४६

रिपुभुपहिनिआई॥ बोलीवचनबहुतमुसकाई॥ तुम्हसमपुरुषन
मोसमनारी॥ यहसंयोगविधिरचोविचारी॥ ममअनुरूपपुरुष
जगमाही॥ देखोखोजलोकतिहुमाही॥ तातेअवलगरहीकुमा
री॥ मनमानाकछुतुमहिनिहारी॥ सीतहिचितइकहीप्रभुवा
ता॥ अहैकुमारमोरलघुभ्राता॥ गईलछमनरिपुभगनीजानी
प्रभुविलोकवोलेमृदुवानी॥ सुंदरसुनमैउन्हकरदासा॥ परा
धीननहितोरसुपासा॥ प्रभुसमर्थकौशलपुरराजा॥ जोकछु
करहिउन्हहिसभछाजा॥ दोहरा॥ केहरसमनहिकरीवल॥
लवाकिवाजसमान॥ प्रभशेवकइमजानहो॥ मानहुवचनप्र
मान॥३१॥ चौपई॥ शेवकसुखचहिमानभिखारी॥ व्यसनीधन
शुभगतिविभचारी॥ लोभीजसचहचारगुनमानी॥ नभदुहि
दूधचहतएप्रानी॥ पुनफिररामनिकटसोआई॥ प्रभलछम
नपहिफेरपठाई॥ लछमनकहातोहिसोवरै॥ जोत्रणतोरला
जपरिहरै॥ तवखिसयानरामपहिआई॥ रूपभयंकरप्रगटन

क

त ए भई विप्ररेकेशरसमनविंराला भृगुटीकुटिलकरनलगसाला।
अरि सीतहिमसभयदेषरघुराई कहाअनुजसोंसयनबुझाई अनुजरा
२५५ ममनकीगतिजानी उठरसायतवसुनहुभवानी ल
छमनअतिलाघवहिसो नाककानविनुकीन्ह ताकेकरराव।
नकहुंमनोचिन्होतीदीन्ह ३२ सकललोकनाइकप्रभु चरत
करतइहभांत तिहमनआइनुकीन्हछल ठाढिभईपछुताता।
३४ नाककानविनुभइविकरारा जनुस्रवशैलगेरू।
केधारा सामघटादेषतघनकेरी तहवामवधनुमनहुउजेरी
परदूषणपहगइविलपाता धगधगतवपौरषवलभ्राता ति
हिएछासवकहसिबुझाई जातधानेसुनवुलाई धोवहसहस सुन
सुभटसंगलीन्हे जिन्हसपनेहुरणपीठनदीन्हे धाएनिशिच
रनिकरवरूथा जनुसपक्षकज्जलगिरजूथा नानावाहनना
नाकारा नानायुधधरघोरकठारा सपनषाआगेकरलीनी।
अशुभरूपश्रुततनाशाहीनी निजनिजवलसबवसि। २५५

लकहहि ॥ एककहइ एकसुनाइ ॥ बाजनलगेजुझकाउतव ॥ हरषनहृदय
समाइ ॥ ३३ ॥ दोहरा ॥ अमगुणअमितहोहिभयकारी ॥ गनहि ।
नमत्तुविवसमवकारी ॥ गर्जेहितर्जेहिगगनउडाही ॥ देषकट
कभटअतिहरषाही ॥ कोउकहइजीयतधरहुदोउभाई ॥ धरिमा ।
रहुतीयलेहुछडाई ॥ कोइकहइसुनीयमसहमकहही ॥ कान ।
नफिरहिबीरदोउअसहही ॥ एकेकहामषभयरहहुं ॥ परकेआ
गेअसजनिकहहु ॥ बहुविधकहतवचननरनधीरा ॥ आएम ।
कलजहारघुवीरा ॥ धूरिपूरनभमंडलरहा ॥ रामबुलाइअनुजसम
नकहा ॥ लेजानकिहिजाहुगिरकंदर ॥ आवानिशिचरकटक
भयंकर ॥ रहेहुसजगसुनिप्रभुकेवानी ॥ चलेसहितश्रीधरध
नुपानी ॥ देषरामरिपुदलचलिआवा ॥ विहसिकठनकोदंड ।
चढावा ॥ छंद ॥ कोदंडकठनचढाइसिरजटाजूटबांधतसोह
कैसें ॥ मरकतसैलपरलसतदामिनिकोटसेंजुगभुजगजेसें ॥ ।
कटिकसिनिषंगविशालभुजगहिचापविशिषसुधारिके ॥ ।

न रा चितवतमनहुंमृगराजप्रभगजराजघटानिहारके आ
आरि इगयेवगमेल धरहुधरहुवहुशुभटकहह जथ्याविलोकअके
२५० ल वालरवहिघेरहिदनुज ३५ घेररहेनिशिचरसम।
मुदाई दंडकपगमृगचलिपराई प्रभुविलोकसरसकहिन।
डारी थकितभईरजनीचरधारी सचिववोलवोलेषरदूषण।
यहकोऊनृपवालकनरभूषण नागअसुरसुरनरमुनिजेते
देषेजितेहतेहमकेते हमभरजन्मसुनहुसवभाई देषिनही
असमसुंदरताई यद्यपिभगनीकीन्हकुरूपा वधलायकनहि
पुरुषअनूपा देहुतुरतनिजनारिदुराई जीवतभुवनजाहु
दोउभाई मोरकहातमताहिसुनावहु तासुवचनसुनआतुर
आवहु भएकालवसमसवै नहहजौहिरघुवीर । न
मसकरूकजिमसेरउडि सुनहुगरूडमतिधीर ३५ ।
इतनकहाराससमनजाई सुनतरामवोलेमुसकाई आजभ
योवडभागहमारा तमरेप्रभुअसकीन्हविचारा हमतत्रीमृ २५०

गयावनकरहीं तुमसेषलमृगषोजतफिरहीं रिपुबलवंतदेष
नहिडरहीं एकवारकालहुसनलरहीं यद्यपिमनुजदनुजकुल
घालक मुनिपालकषलसालकबालक जौनहोइबलघर।
फिरजाहु समरविमुषमैंहतौंनकाहू रनचढिकरियकपट।
चतुराई रिपुपरकृपापरमकदराई दूतन्हजायतुरतसबक।
सौं सुनषरदूषणउरअतिदहेउ उरदहेउकह्योकिधर।
हुधावहुविकटभटरजनीचरा सरचापतोमरशक्तिशूलकृपा।
नपरिघपरसधरा प्रभुकीन्हधनुषटकोरप्रथमकठोर।
घोरभयावहा भएवधिरव्याकुलजातुधाननज्ञानतिहअवस
ररहा सावधानहोइकरधरेजानिसबलआराति लागे
वरषनरामपर अस्त्रशस्त्रवहुभांत ३९ तिनकेआयुधतिलहि
समकरिकाटेरघुवीर तानिसरासनश्रवणलग पुनछाडेनि
जतीर ३२ तबचलेवानकराल फुंकरतजनु।
नुवहुव्याल कोप्योसमरश्रीराम चलेविशिषनिसितनिकाम

अवलोकिषरतरतीर॥ मुरचलेनिशाचरवीर॥ इकएककोनसंभार
करतातभ्रातप्रकार॥ कोअकहैषरकहाकीन्ह॥ सोयहइवमनली
न्ह॥ जाकेवानअतिहिकराल॥ ग्रसेंआइमानहुव्याल॥ भएक्रुद्ध
तीनोभाइ॥ जोभाजिरनतेजाइ॥ तिन्हवधवहमनिजपान॥ फिरे
मरनमनमहुठान॥ दोहरा॥ उमाएकनिजप्रभहिवस॥ पुनउन
केवहुभाग॥ तरनचहसिप्रभसरलगे॥ विनायोगजपजाग॥ ३८
आयुधअनेकप्रकार॥ सन्मुखतेकरहिप्रहार॥ रिपुपरमकोपे।
जान॥ प्रभुधनुषकरसंधान॥ छाडेविपुलनाराच॥ लगेकटन।
विकटपिशाच॥ उरसीसकरभुजचरण॥ जहतहलगेमहिपरण
चिक्करतलागेवान॥ धरपरतकुधरसमान॥ भटकटततनघात
षंड॥ पुनिउठतिकरिपाषंड॥ नभउडतवहुभुजमुंड॥ विनुमौलि
धावतरुंड॥ षगकंककाकशृगाल॥ कटकटहिकठिनकराल।
।छंद॥ कटकटहिजंबुकभूतप्रेतपिशाचषप्परसंचही॥ वेता
लवीरकपालतालवजाइयोगिननचही॥ रघुवीरवानप्रचंडका २५१

टहिभटनकेउरभुजशिरा ।। जहंतहंपरहिउठिलरहिधरधरकरहिअ
तिभयकरगिरा ।। अंतावरीगहिउडतगीधपिशाचकरगहिधावही
संग्रामपुरवासीमनहुबहुवालगुडीउडावही ।। मारेपछारेउरविदा
रेविपुलभटकहरनापरे ।। अवलोकनिजदलविकलभटतिसरादि
षरदूषणफिरे ।। सरशक्तितोमरपरशुशूलकृपानएकहिवारही ।।
करिकोपश्रीरघुवीरपरअगनितनिशाचरडारही ।। प्रभुनिमिष।
महिरिपुसरनिवारपचारडारेसायका ।। दसदसविशिषउरमांझमा
रेसकलनिशिचरनायका ।। महिपरतउठिभटभिरतमरतनकर
तमायाअतिघनी ।। सुरडरतचौदहसहसप्रेतअविलोकिएक।
अवधधनी ।। सुरमुनिसभयप्रभुदेषमायानाथअतिकौतककरयो ।।
देषहिपरस्पररामकरिसंग्रामरिपुदललरिमरयो ।। दोहा ।। राम।
रामकहततनुतजहि ।। पावहिपदनिर्वान ।। करिउपाइरिपुरनहने
छिनमहिकृपानिधान ।। ३९ ।। हर्षितवरषतसुमनसुरवाजहिगग
ननिशान ।। अस्तुतिकरकरसवचलेसोभितविविधविवान ।। ४०

त रा । जवरघुनाथसमररिपुजीते सुरनरमुनिसवकेभयवीते
अरि २५२ तवलछमनसीतहिलैआए प्रभुपदपरतहरषउरलाए सीताचि
तवस्याममृदुगाता परमप्रेमलोचननअघाता पंचवटीवसि।
श्रीरघुनायक करतचरतसुरमुनसुषदायक मरनदेषिषरदू।
षणकेरा जाइसुपनखारावनप्रेरा वोलीवचनक्रोधकरिभारी
देसकोशकीसुरतिविसारी करिसिपानसोवतदिनराती सुध।
नहितवसिरपरआराति राजनीतविनुधनुविनुधर्मा हरहिस
मर्पेविनुसतकर्मा विद्याविनुविवेकउपजाए श्रमफलपढेकी
येअरुपाए संगतेजतीकुमंत्रतेराजा मानतेज्ञानपापतेलाजा
प्रीतिप्रणयविनुमदतेगुनी नासहिवेगनीतिअससुनी ।
रिपुरुजपावकपाय प्रभुअहिगनीयनछोटकर असिकहि।
विवधविलाप फिरलागीरोदनकरन ४१ सभामाझ
नारजीयसर पाकधरामो रकिअसगा तिरोइ २ व्याकुलपरी वहुप्रकारकहैरोइ ४२ सुनतसभासद
उठेअकुलाई समुझाईगहिवाहिउठाई कहिलंकेशकहसि। २५२

निजवाता ॥ केहत्तवनामाकाननिपात्ता ॥ अवधनृपतिदसरथके ।
जाए ॥ पुरुषसिंघवनवेलनआए ॥ समुझपरीमुहिउन्हकीकरनी
रहितनिशाचरकरिहहिधरनी ॥ जिन्हकरभुजवलपाइदसानन
अभयभएविचरतमुनिकानन ॥ देषीयवालककालसमाना ॥
परमधीरधन्वीगुननाना ॥ अतुलितवलप्रतापदोऊभ्राता ॥ ष
लवधरतसुरमुनिसुषदाता ॥ शोभाधामरामअसनामा ॥ तिन्ह
केसंगसुभगइकवामा ॥ सोरठा ॥ अतिसुकुमारपिआर ॥ पटत
रयोगपआहिको ॥ समनदीषविचार ॥ जहरहतीयममआनन
हि ॥ ८३ ॥ चौपई ॥ अजहुजाइदेषवतसजवही ॥ होयहुविकल ।
तासुवसतवही ॥ जीवनमुक्तिलोकवसताके ॥ दसैषसुनसुंदर
अतिजाके ॥ रूपरासविधिनारिसवारी ॥ रतिशतकोटतासुवलि
हारी ॥ तासुअनुजकाटीश्रुतनाशा ॥ सुनतवभगनीकरिपरि ।
हासा ॥ विनुअपराधअसहालहमारी ॥ अपराधीकिसवचहि
सुरारी ॥ षरदूषणसुनिलगेगुहारा ॥ छिनमहसकलकटकउन

रा रा मारा षरदूषनतिसराकरघाता सुनदसमीसजेरेसभगाता भये
आरि सोचमननहिविश्रामा वीतहिपलकमनहुशतजामा ।
२५३ सपनषहसमसुजाइकरि बलवोलमबहुभांत गयोभवनअति
शोकवसनीदपरैनहिरात ४८ सुरनरअसुरनागजग।
माही मोरेअनुचरकहकोऊनाही षरदूषणमोहिसमबलवं
ता तिन्हहिकोमारेविनुभगवंता सुररंजनभंजनमहिभारा ।
जोभगवंतलीन्हअवतारा तोमेजाइवेरहठकरहं प्रभुसरप्रा
णतजेभवतरहं होयहिभजननतामसदेहा मनक्रमवचन
मंत्रदृढएहा जोनररूपभूपसुतकोऊ हरिहोंनारिजीतरन।
दोऊ चलाअकेलजानचढितहवा वसेमरीचसिंधुतटजहा।
वा रथअनूपजोरेषरचारी वेगवंतइमजिमउरगारी ।
उरगारिसमअतिवेगवरननजाइनहिशोभाकही सिरछत्रशो
भतस्यामघनजनुचमरसेतविराजही इहभांतनोघतमारिता।
शैलअनेकवापीसोहही वनवागउपवनवाटिकाशुचिनगर २५३

मुनिमनमोहही बहुतडागरुचविहगमृग बोलतविव
धप्रकार इहविधग्राचोमिंधतट शतयोजनविस्तार ४५ ।
सुंदरजीवविविधविधजाती करहिकलाहलदिनग्ररुराती कू
रहितेतजेहिघनग्राई महावलीवलवरननजाई कनकवासु
सुंदरसुषदाई वैठेसकलजंतुतहजाई तिहिपरदिमलताद्रुम
लागे जिह्वदेषतमुनिमनग्रनुरागे गुहाविवधविधरहहिवना
ई वरनतसारदमनसकुचाई वहियेजहांरिषन्हकरवासा त
होंनिशाचरकरहिनिवासा दससुषदेषसकलसकुचाने जेज
हजीवसजीवपराने इहारामजसजगतिवनाई सुनहुउमासो
कथासुहाई लछमनवनहिगएँव लेनमूलफलकं ज
द जनकसुतहिवोलेविहस कृपानाथसुरवंद ४६ ।
सुनहुप्रियाव्रतरुचिरसुशीला मेकछुकरवललतनरलीला ।
तुमपावकमहुकरहुनिवासा जवलगकरोनिशाचरनासा ।
जवहिरामसभकहावषानी प्रभुपदधरहीयग्रनलसमानी ।

॥त॥रा॥
॥अरि॥
॥२५८॥

निजप्रतिबिंबराषितहाँसीता॥ तैसेहिशीलरूपसुविनीता॥ लछुम।
नहूँयहमरमुनजाना॥ जोकछुचरितरचाभगवाना॥ दशमुषग।
योजहाँमारीचा॥ नाइमाथस्वारथरतनीचा॥ नवननीचकैअतिदु
षदाई॥ जिमिअंकुशधनुउरगविलाई॥ भयदायकषलकैप्रियवा।
नी॥ जिमिअकालकेकुसुमभवानी॥ दोहरा॥ करिपूजामारीचतब
सादरपूछीबात॥ कवनहेतमनव्यग्रअतिअकसरआएउता
त॥४७॥ चौपई॥ दसमुषसकलकथातिहआगे॥ कहीसहितअ
भिमानअभागे॥ होहुकपटमृगतुमछलकारी॥ जिहँविधिहरि
॥कहा५ आनौंनृपनारी॥ तिहिपुनिकहासुनहुदससीसा॥ तेनररूपचराचरई
शा॥ तासोंतातवैरनहिकीजे॥ मारेमरियजियाएजीजे॥ मुनिम।
षराषनगयोकुमारा॥ बिनुफरसररघुपतिमोहिमारा॥ शतजो।
जनआयोछिनमाही॥ तिन्हसनवैरुकीयेभलनाही॥ भ्रमतन
कीटभृंगकीन्याई॥ जहँतहँमैदेषोदोऊभाई॥ जोनरताततदपि।
अतिसूरा॥ तिन्हहिविरोधनआइहिपूरा॥ दोहरा॥ जिहताडि। २५८

कासुवाहुहति षंडेउहरकोदंड॰ षरदूषणतिसिरावध्यो मनुजकिं
रामनामअससुनदसकंधर रहितश
असवरषंड ४८
जाहुभवनकुलकुशलविचारी सुनतजरा
णनहिममउरअंतर
दीन्हसिवहुगारी गुरुजिमिमूढकरिसिममबोधा कहुमठमुहि
समानजगजोधा तबमारीचहृदयअनुमाना नवहिविरोधेन
हिकल्याना शास्त्रीमर्मीप्रभुहितधनी वैदवंदकविमानसगुनी
उभयभांतदेषानिजमरना तवताकिसरघुनायकसरना उत्तर
देतमुहिवधतअभागे कसनमरौंरघुपतिसरलागे असजीय
जानदसाननसंगा चलारामपदप्रेमअभंगा मनअतिहरषा
वनावनतेही आजुदेषहौपरमसनेही निजपरमप्रीत
मदेषलोचनसुफलकरसुषपाईहौ श्रीसहितअनुजसमेतकृ
पानिकेतपदमनलाइहौ निर्वाणदायकक्रोधजाकरभगतअव
सहिवसिकरी निजपानसरसंधानसोमुहिवधहिसुषसागर।
हरी ममपाछेधरधावतव धरेसरासनवान फिरफिर

॥त॥ रा ॥अरि॥ ॥२५५॥

प्रभहिविलोकहो॥ धमनमोममञ्चान॥ ४९॥ चौपई॥ सीतालषन
सहितरघुराई॥ जिहवनवसहिमुनिन्हसुषदाई॥ तिहिवननिकट
दसाननगयो॥ तवमारीचकपटम्रगभयो॥ अतिविचित्रकछुवर
ननजाई॥ कनकदेहमनिरचितवनाई॥ सीतापरमरुचिरम्रगदे
॥२ षा॥ अंगअंगसुमनोहरवेषा॥ सुनहुदेवरघवीरक्रपाला॥ इहम्र
गकरअतिसुंदरछाला॥ सत्यसिंधप्रभवधिकरएही॥ आनहुचर्म
कहतवैदेही॥ तवरघुपतिजानतसबकारन॥ उठेहरषिसवकाज
सवारन॥ म्रगविलोककटिपरकरवांधा॥ करतलचापरुचिरस
रसांधा॥ प्रभलछमनहिकहासमुझाई॥ फिरतविपननिशिचर
वहुभाई॥ सीताकेरिकरहुरषवारी॥ वुधिविवेकवलसमयविचा
री॥ दोहरा॥ असिकहिचलेतहांप्रभू॥ जहांकपटम्रगनीच॥ दे
वहरषविसमयविवस॥ जिमचातकवर्षावीच॥ ५०॥ चौपई॥ प्र
भहिविलोकिचलाम्रगभाजी॥ धाएरामसरासनसाजी॥ निगम
नेतशिवध्यानन्नावा॥ मायाम्रगपाछेसोइधावा॥ कवहुनिक २५५

देखनिहरिपराई ॥ कबहुकप्रगटैकबहुछपाई ॥ प्रगटतछिपतकरत
छलभूरी ॥ इहविधिप्रभहिगयोलैदूरी ॥ तबतकिरामकठिनसरमा
रा ॥ धरनपर्योकरघोरपुकारा ॥ लछमनकोप्रथमहिलैनामा ॥ पा
छेसिमरसिमनमहुरामा ॥ प्रानतजतप्रगटिसिनिजदेहा ॥ सुम
रसिरामसमेतसनेहा ॥ अंतरप्रेमतासुपहिचाना ॥ मुनिदुर्लभग
गतिदीनसुजाना ॥ दोहरा ॥ बिपुलसुमनसुरबर्षही ॥ गावहिप्र
भगुनगाथ ॥ निजपददीन्हाअसुरकहु ॥ दीनबंधुरघुनाथ ॥ ५१ ॥
खलबधतुरतफिरेरघुबीरा ॥ सोहचापकरकटितूनीरा ॥ आरत
गिरासुनीजबसीता ॥ कहिलछमनसनपरमसभीता ॥ जाहुबे
गसंकटअतिभ्राता ॥ लछमनबिहसकहासुनमाता ॥ भ्रगुटीबि
लासस्रष्टलयहोई ॥ सपनेहुसंकटपरैकिसोई ॥ सौंपगएमुहिर
घुपतिथाती ॥ जौतजितजाउतौबनहिछाती ॥ यहजीयजानसुनहु
ममभाता ॥ एछबकहवकबनमैबाता ॥ मरमबचनजबसीता
बोली ॥ हरिप्रेरतलछमनमनडोली ॥ बहुदिसरेखखचाइअसीमा

तु रा वारंवारनाइपदसीसा वनदिसदेवसोंपसवकाहू चलेजहांरावण
अरि २५६ ससिराहू चितवहलषनसीयहिफिरकैसे तजनतवन्ससनिजमात
हिजैसे इकडरपतडररामके इमरसीयाअकेल लष
नतेजतनहतभयो जिमादाडीदउवेल ५२ सूनवीच
दसकंधरदेषा आवानिकटजतीकेभेषा जाकेडरसुरअसुरड
राही निशननीददिनअन्ननषाही सोदससीसस्वानकीना
ई इतउतचितइचलाभडिहाई इमकुपंथपगदेतषगेसा रहन
तेजवलवुधलवलेसा करिअनेकविधछलचतुराई मांगीभीष
दसाननजाई अतिथजानसीयकंदमूलफल देनलागितिन्ह
कीन्हवहुरिछल कहदससुषसुनसुंदरवानी वांधीभीषनले
उसयानी विधगतिवामकालकठिनाई रेषनाघसीयवाहरआ
ई विस्वभरनअघदलदलनकरनसकलसुरकाज जा
नानहितिहिसमयमहू दससिर्कषटकिमाज ५३ ।
नानाविधिकहकथासुहाई राजनीतिभयप्रीतिदिषाई कहा। २५६

सीतासुनतजतीगुसाई बोलहुवचनदुष्टकीनांई तवरावननिज
रूपदिषावा भईसभयजवनामसुनावा कहसीताधरिधीरजु
गाढा आइगएप्रभरहुषलठाढा जिमहरवधूछुद्रससचाहा
भयसिकालवसनिशिचरनाहा वायसकरचहुषगपतिसमता
सिंघसमानहोहिकिमससता षरकिहोइसुरधेनसमाना जा
हुभवननिजसुनअज्ञाना सुनतवचनदससीसलजाना म
नमहुचरनवंदिसुषमाना क्रोधवंततवरावनहि ।
लीन्हसरथवैठाइ चलागगनपथआतुरहि भयरथहाकि
नजाइ ८४ विसमभईतवअवनिकुमारी नलनन।
यनभरकरतपुकारी हाजगदेववीररघुराया किहिअपराध।
विसारोदाया आरतहरनसरनसुषदायक हारघुकुलसरोज
दिननायक हालछमनतुम्हारनहिदोसा सोफलपायोकीन्हि
योरोसा कैकैईमनमोजोकछुरहा सोविधिआतमोहिदुष।
दयो पंचवटीकेषगम्रगजाती डुवीभएजलचरवहुभांती ।

॥ तु॰ ॥ रा॰ ॥ अरि ॥ २५७ ॥

बिबधबिलापकरतबैदेही॥ भूरिकृपाप्रभदूरसनेही॥ बिपतमोरि।
कोप्रभुहिसुनावा॥ पुरोडासचहरासभषावा॥ सीताकेबिलापसु।
निभारी॥ भएचराचरजीवदुषारी॥ दोहरा॥ बहुबिधकरतबिला।
पनभलीयेजातदससीस॥ डरतनबलबरषाइभलजोदीन्हेन्ह्र।
जईस॥ ५५॥ चौपई॥ गीधराजसुनिआरतबानी॥ रघुकुलतिल
कनारिपहिचानी॥ अधमनिशाचरलीन्हेजाई॥ जिमम्लेछबस।
कपिलागाई॥ अहहप्रथमतनममबलनाही॥ तदपिजाइब
लदेषोताही॥ सीताप्त्रकरिसिजिनत्राता॥ करिहोजातुधानक
रिनासा॥ धावाक्रोधवंतषगकैसें॥ छूटतपबिपरबतपरजैसें॥।
रेरेदुष्टडाटकिनहोही॥ निर्भयचलसिनजानेमोही॥ आवतदे।
षकृतांतसमाना॥ फिरदसकंधरकरअनुमाना॥ कीमैनाककि
षगपतिहोई॥ ममबलजानसहितपतिसोई॥ जानाजठरजटा।
युएहा॥ ममकरतीरथछाडहि॥ दोहरा॥ ममभजबलनहिजा
नतबआवततपन्हसहाइ॥ ममरथहैतोहहहतो॥ जीयतननि २५७

सुनतगीधक्रोधातुरधावा कहसुनरा।
जेयलजाइ ५६
वनमोरसिषावा तजजानकिहकुशलग्रहजाहु नाहितअजस।
होइवहुवाहु रामरोषपावकअतिघोरा होइहसकलसलभ
कलतोरा उत्तरनदेत्तदसाननयोधा तवैगीधधावाकरक्रोधा।
धरिकचविरथकीन्हमहिगिरा सीतहिराषगीधपुनफिरा दम
मुषउठकुत्तसरसंधाना गीधअआइकाटेयोधनुवाना चोंचिन्ह
मारविदारसिदेही दंडएकईमूर्छातेही , जिहरावन।
निजवसकीये मुनगनसिद्धसुरेस तिहरावनैंममरअति । सन
सुस्तभरापुनिउठिसोधावा मार
धीरवीरगीधेश ५७
गीधमन्मुषनहिआवा कीन्हसिवहुजवयुद्धषगेसा थकित
भयोतवजरठगीधेसा तवक्रोधमनिशिचरखिसिआना काट
सपरमकरालकृपाना काटिसपंषपराषगधरनी सुमिर।
रामकरअदभुतकरनी मनमहुगीधपरमसुषमाना राम।
काजममलागेप्राना सीतहिजानचढाइवहोरी चलाउताइ।

लत्रासनयोारी ॥ करतविलापजातिनभसीता ॥ आधविवसजनुमृ
गीसभीता ॥ गिरपरवैठेकपिन्हनिहोरी ॥ आसन्नधकजीयचला
बहोरी ॥ कहिहरिनामदीन्हपटडारी ॥ रामरामकहिरामपुका।
री ॥ इहविधिसीतहिलेसोगयो ॥ बनअसोकमहराषतभयो ॥।
॥ दोहरा ॥ हारपराषलवहुतविधि ॥ भयअरुप्रीतदिषाय ॥ त
बअशोकपादपतरे ॥ राषसिजतनकराय ॥ ५८ ॥ चौपई ॥ ॥ उहां।
विधातामनअनुमाना ॥ सुरपतिवोलमंत्रअसठाना ॥ तातज
नकतनयापहिंजाहू ॥ सुधिनपावजिमनिशिचरनाहू ॥ अस
कहिविधसुंदरहविआनी ॥ सौंपवहुरवोलामृदुवानी ॥ इहना।
तानकरसुधानप्यासा ॥ वरषसहसएहसंशयनाशा ॥ सोप्रसा।
दलैआयसुपाई ॥ चल्योहृदयसुमिरतरघुराई ॥ कछुवासववमा
यानिजमोई ॥ रहाकरहेगएसोसोई ॥ तदपिडरतसीतापहिंआ
यो ॥ करिप्रनामनिजनामसुनायो ॥ निश्चयजानसुरेससुजा।
ना ॥ पिताजनकदसरथसमसाना ॥ करिपरितोषवहुरकरशो।

का हविज्ञुबवाइगयोनिजलोका जिहिविधकपटकुरं
गसंगधाइचलेश्रीराम सोछविसीताराबिउररटतरहितहरिनाम।
५९ रघुपतिअनुजहिआवतदेषा वाहिजचिंताकीन्हा
विशेषा जनकसुतापरिहरहुअकेली आयहुतातवचनममपे
ली निशिचरनिकरफिरहिवनमाही ममनसीताआश्रमना
ही अहहुतातभलकीन्हेउनाही सीयाविनाममजीवननाही।
इहतेकवनविपतवडिभाई षोएउशीयकाननहिआई गहिपद
कमलअनुजकरजोरी कह्योनाथकछुमोहिनषोरी अनुजस
मेतगयोप्रभुतहवा गोदावरीतटआश्रमजहवा आश्रमदेषजा
नकीहीना भयोविकलजमप्राकृतदीना काननरसे
तडागइव चकवकईसीयराम रावननिशिविछुरनभयो सुष
वीतेमभजाम ६० परडुषहरनशोकदुषनाही भावि
षादतिनकेमनमाही हागुनषानजानकीसीता रूपशीलव्रत
नेमपुनीता लछमनसमुझाएउबहुभाती पछतचलेलतातरु

तु रा पांती हे षगमृगहेमधुकरश्रेनी तुमदेषीसीतामृगनैनी षंजन।
अरि शुककपोतमृगमीना मधुपनिकरकोकिलाप्रवीना कुंदकली
२५५ दाडिमदामिनी कमलसरदशशिअहिभामिनी वरुणपाशम।
नोजधनुहंसा गजकेहरनिजसुनतप्रसंसा श्रीफलकनकक
दलिहरषाही नेकुनशंकसकुचमनमाही सुनजानकीतोहि
विनुआजू हरषेसकलपाइजनुराजू किमसहिजातअनषतो
हिपाही प्रियावेगप्रगटसिकसनाही फनमनहीन
नदीनजिममीनहीनजिमवार तिमव्याकुलभएलैंषनतहं रघु।
वरदशानिहार ६। धरउरधीरतजावहुरामहि तजहि
नशोकअधकसुषधामहि इहविधषोजतविलतस्वामी मनहु
महाविरहीअतिकामी ऋरनकामरामसुषरासी मनुजचरित्त
करिअजअवनासी सरवरअमितनदीगिरषोहा वहुविधरा।
मलषनतहजोहा सोचहृदयकछुकहिनहिआवा दृटधनुष
सरआगेपावा कहूंकहूंश्यागनतदेवीयेकेसे सावनजलभर २५५

डावरजैसें कहतरामलछमनहिबुझाई काहुकीन्हयहइहगाई
आगेपरागीधपतिदेखा सुमिरतरामचरणतिन्हरेखा ।
करसरोजसिरपरसियो कृपासिंधरघुवीर निरखरामछविधाम
मुष विगतभईसवपीर ६२ तवकहगीधवचनधरि
धीरा सुनहुरामभंजनभवभीरा नाथदशाननयहगतिकी।
न्ही तिहिषलजनकसुताहरिलीन्ही लैदछिनदिशगयोगु।
साई विलपतअतिकुररीकीनाई दरसनलगराष्योप्रभप्रा।
ना चलनचहतअवकृपानिधाना रामकहातनराषहुताता
मुषमुसकाइकहीतिहवाता जाकरनाममरतमुषआवा अ
धमोमुक्तिहोइश्रुतिगावा सोममलोचनगोचरआगे राषोंदे
हनाथकिहिलागे जलभरनयनकहहिरघुराई तातकर्मनि
जतेगतिपाई परहितवसजिन्हकेमनमाही तिन्हकहुजग।
दुर्लभकछुनाही तनतजतातजाहुममधामा देउकहातुम।
पूरनकामा सीयहरनमोसोतजनकहुतातसनजाइ

त रा जोमैंरामतौकुलसहित कहहिदसाननआइ ३२ गीध
अरि देहतजिधरहरिरूपा भूषनबहुपटपीतअनूपा स्यामगातबि
२६० शालभुजचारी अस्तुतिकरतनयनभरवारी ॥छं॥ ॥छं॥
जयरामरूपअनूपनिर्गुणसगुणगुणप्रेरकसही दससीसबाहु
प्रचंडखंडनचंडसरमंडनमही पाथोदगातसरोजमुखराजीव।
आयतलोचनं नितनौमिरामकृपालबाहुविशालभवभयमो
चनं बलमप्रमेयमनादिमजमव्यक्तमेकमगोचरं गोविंदगोप
परद्वंदहरिविज्ञानघरघरनीधरं जेराममंत्रजपंतसंतअनंतज
नमनरंजनं नितनौमिरामअकामप्रियकामादिखलदलगंज
नं जिहिश्रुतिनिरंजनब्रह्मव्यापकविरजअजकहिगावही।
करज्ञानध्यानविरागयोगअनेकमुनिजिहिध्यावही सोप्रग।
टकरुणाकंदशोभावृंदअगजगमोहई ममहृदयपंकजभृंग
अंगअनंगबहुछविमोहई जोअगमसुगमसुभावनिर्मलअ
ससमसमसीतलसदा पश्यंतियंयोगीयजतनकरकरतमनगो। २६

वशमदा सोरामरमानिवासमंततदासवमतत्रिभुवनधनी सोव।
सोउरममशमन संस्ततज्ञानकीरतपावनी अविरलभक्त
सुमागिवरगीधगयोहरिधाम तिहकीक्रियाउचितयथा निज
कारकीन्हीराम ६४ कोमँचितअतिदीनदयाला का
रनविनुरघुनाथकृपाला गीधअधमषगआमिषभोगी गति
दीन्हीजोजाचतजोगी सुनहुउमातेलोगअभागी हरितजिहोहि
विषयअनुरागी पुनिसीतहिषोजतदोऊभाई चलेविलोकत
वनवहुताई संकुललतविटपघनकानन वहुषगमृगतहँ।
गजपंचानन आवतपथहिकवंधनिपाता तिहिसवकहीश्री।
यकेवाता दुरवासामोहिदीन्हीश्रापा प्रभपदपेषमिटासोपापा
सुनगंधर्वकहोंमैतोही मुहिनसुहाइब्रह्मकुलद्रोही ।
मनक्रमवचनजुकपटतजि जोकरभूसुरसेव मोहिसमेतविरं
चिशिव सवताकेवसिदेव ६५ आपततांडतपरुषा।
कहंता विप्रपूज्यअसगावहिसंता पूजीयविप्रशीलगुणहीना

त रा
आरि
२६१

सूद्रनगुणगणज्ञानप्रवीना कहिनिजधर्मताहिसमुझावा नि
जपदप्रीतिदेषमनभावा रघुपतिचरनकमलसिरुनाई गयो
गगनआपनगतिपाई ताहिदेइगतिरामउदारा शिवरीकेआ
श्रमपगुधारा शिवरीदेषरामग्रहआए मुनिकेवचनसमुझि
जीयभाए सरसिजलोचनवाहुविशाला जटामुकटसिरउरव
नमाला स्यामगौरसुंदरदोउभाई शिवरीपरीचरनलपटाई ।
प्रेममगनमुषवचननआवा पुनपुनपदसरोजसिरुनावा ।
सादरजललेचरनपषारे पुनसुंदरआसनवैठारे ।
कंदमूलफलसरसअति दीयेरामकहुआन प्रेमसहितप्र।
भषाइयो वारंवारवषान ६६ पानजोरआगेभईठा
ढी प्रभहिविलोकप्रीतिअतिवाढी किहिविधअस्तुतिकरो
नसारी अधमजातमेजडमतिभारी अधमतेअधमअधम
अतिनारी तिन्हमहिमैअतिमंदअघारी कहरघुपतिसुनि
भामिनवाता मानोएकभगतकरनाता जातपातकुलधर्म २६१

बडाई धनवलपरजनगुणचतुराई भक्तहीननरसोहेकैसे बि
नुजलवारिददेषवजैसे नवधाभक्तकहौंतुहिपाही सावधान।
सुनधरुमनमाही प्रथमभक्तसंतनकरसंगा- दूसररतिममक
थाप्रसंगा गुरुपदपंकजसेवकर तीसरभक्तअमा।
नि चौथिभक्तिममगुणगणकरैकपटतजिगान ६७ ।
मंत्रजापममदृढविश्वासा पंचमभजनसोवेदप्रकासा छठदि
सुशीलविरतिवहुकर्मा निरतनिरंतरसज्जनसुधर्मा सातमस
ममुहिमयजगदेषा मुहितेसंतअधिककरिलेषा आठमज।
थालाभसंतोषा सपनेहुनहिदेषैपरदोषा नवमसरलसव।
सोंछलहीना ममभरोसजीयहरषनदीना नवमहुएकोजिन्ह
केहोई नारिपुरुषसचराचरकोई सोअतिशयप्रियभामिनि।
मोरे सकलप्रकारभक्तिदृढतोरे योगिवृंददुर्लभगतिजोई तो
कहुआजसुलभभइसोई ममदरसनफलपरमअनूपा जीव
पावनिजसहजस्वरूपा सवप्रकारतवभागवड मम

तु रा चरनन्हअनुराग तवमहिमाजिन्हउरवसहि तासुपरमवडभाग।
अरि २६२ २८ सुनप्रभुवचनहर्षवहुपाई पुनिवोलेप्रभुगिरासु।
होई जनकसुताकीसुधभामिनी जानहिकहुकरिवरगामिनी।
पंपासरहिजाहुरघुराई मुनिवरविपुलरहैंजहछाई रिषमतंग।
महिमागुनभारी जीवचराचररहतसुखारी वैरनकरकाहूसन।
कोई जासुनवैरप्रीतकरसोई शिषरसुहावनकाननफूले षग
मृगजीवजंतअनुकूले करहुसफलआश्रमसवजाई तहांहोइ
सुग्रीवमिताई सोसवकहहिदेवरघुवीरा जानैंहोएछहुमतिधी त
रा वारवारप्रभपदसिरुनाई प्रेमसहितसवकथासुनाई।
कहिकथासकलविलोकहरिमुषहृदयपदपंकजधरे तजयोग
पावकदेहहरिपदलीनभैजहांनहिफिरे नरविविधकर्मअधर्म
वहुमतशोकप्रदसवत्यागहूं विश्वासकरिकहिदासतुलसीराम
पदअनुरागहूं जातहीनअघजन्ममह मुक्तकीन्हअ
सनार महामंदमनसुषचहसि ऐसेप्रभहिविसारि २९।

चलेरामसागावनसोऊ अतुलितबलनरकेहरदोऊ विरहीइव
प्रभकरतविषादा कहतकथाअनेकसंवादा लछमनदेषवि।
पनकीसोभा देषतकिहिकरमननहिलोभा नारिसहितस।
वषगमृगाबृंदा मानहुमोरिकरतहहिनिंदा हमहिदेषमृगने
करपराही मृगीकहततुमकहिभयनाही आनंदकरहुमृग। तुम
ज्याए कंचनमृगषोजनएआए संगलाइकरनीकरलेही मा
नहुमोहिसिषावनदेही शास्त्रसुचिंतवतपुनपुनदेषीय भूप
सुसेवतवसनहिलेषीय राषीयेनारियदिपउरमाही जुवतीशा
स्त्रनृपतिवसिनाही देषहुतातवसंतसोहावा प्रियाहीनमोहि
भयउपजावा ।विरहविकलबलहीनमोहिजानसिनि
पटअकेल सहितविपनमधुकरषगाहि मदनकीन्हवगमे
ल १० देषगएभ्रातासहित तासुदूतसुनिवात डेराकीन्होम
नहुतिन्हकटकनभटकहिजात ११ विटपविशाल
लताउरझानी विविधवितानदीयेजनुतानी कदलीतरुवरध

अरि
त रा
२६३

जापतीका देखतमोहधीरमनजाका। विविधभांतफूलेतरुना।
ना जनुवानैतवनेवहुवाना कहुंकहुंसुंदरविटपसुहाए ज
नुभटविलगविलगहोइछाए कूजतपिकमानहुगजमाते भे
कमहोषऊंटविसराते मोरचकोरकीरवरवाजी पारावतमरा
लससजाती तीतरलावकपदचरजूथा वरनिनजाइमनोजवि
रूथा रथगिरसिलादुंदभीझरना चातकवंदीगुणगणवरना
मधुकरमुषरभेरसहनाई त्रिविधवयारवसीठीआई चतुरंगि
नीसेनसंगलीन्हे विचरतसवहिचिनौतीदीन्हे लछमनदेष
तकामअनीका रहहिधीरतिन्हकेजगलीका इहकेएकप
रमवलनारी तिहतेउवरसुभटसोभारी तात तीन।
अतिप्रवलषल कामक्रोधअरुलोभ मुनिविज्ञाननिधानम
न करहिनिमषमहिछोभ ३२ लोभकेइछादंभवल काम।
केकेवलनारि क्रोधकेपोरुषवचनवल मुनिवरकहहिविचा।
रि ३३ गुणातीतसचराचरस्वामी रामउमासवअंत २६३

रज्ञामी कामिन्हकेदीनताशिषाई धीरन्हकेमनविरतहटाई क्रो
धमनोजलोभमदमाया छूटहिसकलरामकीदाया सोनरइंद्र
जालनहिभूला जापरहोइसोभटअनुकूला उमाकहौंमेअनु
भवअपना सतहरिभजनजगतसबसपना पुनप्रभगयेसर
रोवरतीरा पंपानामसुभगगंभीरा संतहृदयजससनिर्मलवा।
री बांधेघाटमनोहरचारी जहतहपीयहिविविधमृगनीरा।
जनुउदारग्रहजाचकभीरा पुरईनसघनओटजलवेग
नपाइयेमरम मायाछन्ननदेषीयेजैसेनिर्गुणब्रह्म १४ सुषी
मीनसबएकरसअतिअगाधजलमाहि यथाधर्मशीलन्हके
दिनसुषसुतसंयुतजाहि १५ बिगसेसरसिजनाना।
रंगा मधुकरसुषरगुंजवहुभृंगा बोलटजलकुरकटजलहंा
सा प्रभहिदेषजनुकरतप्रसंसा चक्रवाकवकषगसमुदाई।
देषतवनेवरनिनहिजाई सुंदरषगगनगिरासुहाई जातप।
थकजनुलेतवुलाई तालसमीपमुनिन्हगृहछाए चहुदिशि

त रा
स्तुरि
२६४

कानननविटपसुहाए चंपकवकुलकदंवतमाला पाटलपनसप
पलासरसाला नवपल्लवकुसुमिततरुनाना चंचरीकपटली।
करगाना सीतलमंदसुगंधसुभाऊ संततवहैमनोहरवाऊ।
कहूंकहूंकोकिलधुनिकरही सुनरवसरसध्यानमुनिटरही।
। फलभरननम्रसविटपसवरहेभूमिनियराइ परउप
कारीसुरुषजिम नवयसुसंपतिपाइ २६ देषराम।
अतिरुचिरतलावा मज्जनकीन्हपरमसुषपावा देषीसुंदरतर
वरछाया वैठेअनुजसहितरघुराया तहपुनसकलदेवमुनि।
आए उस्तुतिकरनिजधामसिधाए वैठेपरमप्रसन्नकृपाला।
कहितअनुजसनकथारसाला विरहवंतभगवंतहिदेषी ना
रदमनभाशोचविशेषी मोरश्रापकरिअंगीकारा सहतराम।
नानादुषभारा एसेप्रभुहिविलोकौंजाई पुनिनवनहिअस
अवसरआई इहविचारनारदकरवीना गएजहांप्रभुसुषआ
सीना गावतरामचरितमृदुवानी प्रेमसहतवहुभातवषानी २६४

करतदंडवतलीयेउठाई राखेवहुतवारउरलाई स्वागतिपूछिनिक
टबैठारे लछमनसादरचरनपखारे नानाविधविनती
करी प्रभप्रसन्नजीयजान नारदवोलेवचनतव जोरसरोरुह
पान ११ सुनहुउदारपरमरघुनायक सुंदरअगमसु
गमवरदायक देहुएकवरमांगोस्वामी यद्यपिजानतअंतरजा
मी जानहुतुममुनिमोरसुभाऊ जनसनकवहुकिकरोंदुरा
ऊ कवनवस्तुअसिप्रियमुहिलागी जोमुनवरनसकहुतुम
मागी जनकहुकछुअदेयनहिमोरे असविस्वासतजहुनहि
भोरे तवनारदवोलेहरषाई असवरमागोकरौंढिठाई यद्य।
पिप्रभकेनामअनेका श्रुतिकहिअधिकएकतेएका राम।
सकलनामन्हतेअधिका होउनाथअघखगगनवधिका ।
राकारजनीभक्तितव रामनामसोइसोम अपरनामउडगन।
विमल वसहुभक्तउरव्योम १८ एवमस्तुमुनिसनक ५
हेउकृपासिंधुरघुनाथ तवनारदमनहरषअतिप्रभपदनायो।

रा रा माथ ७९ अतिप्रसन्नरघुनाथहिजानी पुनिनारदबो
अरि लेमृदुबानी रामजबहिप्रेरहुनिजमाया मोहउमोहसुनहुरघुरा
२६५ या तबबिवाहिमैचाहौंकीन्हो प्रभुकिहिकारनकरैनदीन्हा ।
सुनिमुनितोहिकहौंसहरोसा भजहिजेमोतजसकलभरोसा ।
करौंसदातिनकीरषवारी जिमबालकहिराषमहितारी गहि
सिसुवछअनलअहिधाई तहिराषजननीअरगाई प्रौढभये
तिहिसुतपरमाता प्रीतिकरैनहिपाछलिवाता मोरेप्रौढतनेस
मज्ञानी वालकसुनसमदासअमानी जनहिमोरवलनिज
वलताही दुहंकेकामक्रोधरिपुआही एहिविचारपंडतमो
हिभजही पाएहुज्ञानभक्तनहितजही ८० काम
क्रोधलोभादिमदप्रवलमोहिकैधारि तिन्हमेअतिदारुनदु
षदमायारूपीनारि ८१ सुनमुनिकहपुरानश्रुतिसं
ता मोहिविपनिकेनारिवसंता जपतपनेमजलाश्रयझारी
होइग्रीषमसोषसवनारी कामक्रोधमदमत्सरभेका इन २६५

हिहरषप्रदवरखाएका दुरवासनाकुमदसमुदाई तिन्हकेसर
दसदासुषदाई धर्मसकलसरसीरुहवृंदा होइहिमतिनहि।
देतदुषमंदा पुनममताजवासवहुताई पलुहइनारिसिसिर
रितुपाई पापउलूकनिकरसुषकारी नारिनिविडरजनीअं।
धियारी वुद्दिवलसीलसत्यसवमीना वनसीसमत्रियकहह
हिप्रवीना ८२ अवगुनमूलसूलप्रदप्रमदासव
दुषषान तातेकीन्हनिवारनमुनिमैयहजियजान ८३ ।
सुनिरघुपतिकेवचनसुहाए मुनितनपुलककनैनजलछाए
कहहुकवनप्रभुकेअसिरीती सेवकपरममताअरुप्रीती
जेनभजहिंअसप्रभुभ्रमत्यागी ज्ञानरंकनरमंदअभागी ।
पुनसादरवोलेमुनिनारद सुनहुरामविज्ञानविसारद संत
नकेलछनरघुवीरा कहहुनाथभवभंजनभीरा सुनमुन
संतन्हकेगुनकहऊं जिन्हतेमैउनकेवसरहऊं षटविका।
रजितअनघअकामा अचलअकिंचनसुचिसुषधामा अ

त रा
आरि
२६६

मितबोधअनीहमितभोगी सत्यसारकबिकोबिदजोगी साव
धानमायामदहीना धीरधरमगतिपरमप्रवीना ८४ ।
गुनागारसंसारदुषरहितबिगतसंदेह तजिममचरनसरोज।
प्रियतिन्हकहुदेहनगेह ८५ निजगुनस्रुनतसुनतसकुचाहीं परगुनसुनतअधिकहरषाहीं समसीतलनहि
त्यागहिनीती सरलसुभावसबहिसनप्रीती जपतपब्रतद
मसंजमनेमा गुरुगोबिंदबिप्रपदप्रेमा श्रद्धाछमामैत्रीअ
तिदाया मुदितामभपदप्रीतअमाया बिरतिबिबेकबिनैबि
ज्ञाना बोधजथारथबेदपुराना दंभमानमदकैंहिनकाऊ। २
भूलनदेहिकुमारगपांऊ गावहिसुनहिसदाममलीला ।
हेतरहितपरहितरतसीला मुनिसुनसाधनकेगुनजेते क
हिनसकहिसारदश्रुतितेते ८६ कहिसकनसार।
दसेसनारदसुनतपदपंकजगहे अमदीनबंधुकृपालअप।
नेभक्तगुननिजमुषकहे सिरुनाइबारहिबारचरनन्हब्रह्म २६६

सुरनारदगाये तेधन्यतुलसीदासआ
सविहायजेहरिरंगरये ८७ ।
रावनारिजसुपावनह गावहिसुनेजे
लोग रामभक्तदृढपावही विनुवि
रागजपजोग ८८ दीपसिखा
समजुवतिरसमनजनहोसिपतंग ।
भजहिरामतजिकाममदकरहिसदा
सतसंग ८९

ॐस्वस्तिश्रीगणेशायनमः॥श्रीमतेरामानुजायनमः॥कुंदेंदीवरसुंदरावतिब
लौविज्ञानधामविभौ॥सोभाढ्यौवरधन्विनौश्रुतिनुतौ॥गोविप्रवृंदप्रियौ॥मायाम
नुषरूपिणौरघुवरौ॥सद्धर्मवर्मौहितौ॥सीतान्वेषणतत्परौपथिगतौ॥भक्तिप्रदौ
तौहिनः॥१॥ब्रह्मांभोधिसमुद्भवंकलिमलप्रध्वंसनंचाव्ययं॥श्रीमच्छंभुमुखेंदुसुं
दरवरेसंशोभितंसर्वदा॥संसारामयभेषजंसुखकरंश्रीजानुकीजीवनं॥धन्यास्ते
कृतिनःपिबंतिसततं॥श्रीरामनामामृतं॥२॥सोरठा॥मुक्तिजन्ममहिजानिज्ञा
नषानिअघहानिकरि॥जिहिवससंभभवानसोकासीसेईयकसन॥३॥सोरठ
जरतसकलसुरवृंदविषमगरलजेहिपानकिय॥तेहिनभजसिमतिमंदकोकृ
पालसंकरसरिस॥४॥चौपई॥आगेचलेवहुररघुराया॥रिषिमूकपरवतनिय
राया॥तहारहेसचिवसहितसुग्रीवा॥आवतदेषिअतुलवलसींवा॥अति
सभीतकहेसुनुहनुमाना॥पुरुषजुगलवलरूपनिधाना॥धरिवटरूपदेषि
तेजाई॥कहिसजायनिजसैनवुझाई॥पठयेवालहोहिमनमैला॥भागहो॥
तुरततजौयहसैला॥विप्ररूपधरिकपितहांगयऊ॥माथनायपूछतअस
भयऊ॥कोतुमस्यामलगौरसरीरा॥छत्रीरूपफिरहोवनवीरा॥कठिनभूमिको
मलपदगामी॥कवनहेतविचरहोवनस्वामी॥मदुलमनोहरसुंदरगाता॥
सहतदुसहवनआतपवाता॥कैतुमतीनदेवमेकोऊ॥नरनारायनकीतुम
दोऊ॥५॥दोहरा॥जगकारनतारनभवभंजनधरनीभार॥कैतुमअखिलभुवनप
तिलीनमनुजअवतार॥६॥चौपई॥सुनिबोल्लेरघुवंसकुमारा॥विधिकरलि

॥किस॥
॥२॥

याकोमेटनहारा॥ कोसलेसदसरथकेजाये॥ हमपितवचनमानिवनआये॥ ना
मरामलछिमनदोउभाई॥ संगनारिसुकुमारसुहाई॥ इहांहरीनिसिचरवैदेही
विप्रफिरतहमखोजततेही॥ आपनचरितकहाहमगाई॥ कहहोविप्रनिजक
थाबुझाई॥ प्रभपहचानिपरेउगहिचरना॥ सोसुषउमाजायनहीवरना॥ पुल
कततनमुषआवनवचना॥ देषतरुचरुवेषकीरचना॥ पुनिधरिधीरजअस्तु
तिकीन्ही॥ हरषिहृदयनिजनाथहिचीन्ही॥ मोरनामममैपूछेोसांई॥ तुमपूछ
हौकसनरकीनाई॥ तवमायावसफिरउभुलाना॥ ताते मैनहिप्रभपहचा
ना॥७॥ दोहरा॥ एकमैमंदमोहवसकुटिलहृदयअज्ञान॥ पुनिप्रभमो
हिविसारेउदीनवंधुभगवान॥८॥ चोपई॥ जदपिनाथवहोअवगुनमोरे॥ सेव
कप्रभुहिपरहरजिनिभोरे॥ नाथजीवतवमायामोहा॥ सोनिस्तरहितुम्हारेछोहा
तापरमैरघुवीरदुहाई॥ जानोनहीकछुभजनउपाई॥ सेवकसुतपतिमातभरो
से॥ रहैअसोचवनैप्रभपोसे॥ असकहिचरनपरेउअकुलाई॥ निजतनप्र
टप्रीतिउरछाई॥ तवरघुपतिउठायउरलावा॥ निजलोचनजलसींचिजुडावा
सुनिकपिमनआनिमनजिनिऊना॥ तैप्रियममलछिमनतेदूना॥ समदरसी
मोहिकहैसवकोउ॥ सेवकप्रियअनन्यगतिसोउ॥९॥ दोहरा॥ सोअननसजा
केअससमतटनाहिटरहनुमंत॥ मैसेवकसचराचररूपस्वामिभगवंत
१०॥ चोपई॥ देषपवनसुतपतिअनुकूला॥ हृदयहरषवीतीसवसूला॥
नाथसैलपरकपिपतिरहई॥ सोसुग्रीवदासतवअहई॥ तासोंं नाथमैत्रीकीजे॥

पस

दीनजानितिहिअभयकरीजै॥सोसीताकरषोजकराइही।जहांतहांमरकट
कोटिपठाइही॥यहिविधिसकलकथासमझाई।लीनेदोउनिजुपीठिच।
ढाई।जवसुग्रीवरामकहोदेषा॥अतिसयजन्मधंमकरिलेषा।सादरमिले
उनायपदमाथा॥भेटेउअनुजसहतिरघुनाथा॥कपिकरिमनविचारयहि
रीती।करिहहेविधिमोसनएप्रीती॥११॥दोहरा॥तवहनूमंतउभयदिसह॥
कहिसवकथाउझाय।पावकसाषीदेईकरिजोरीप्रीतिदिढाय।१२।चौपई
कीन्हप्रीतिकछुवीचनराषा॥लछमनरामचरितसवभाषा॥कहिसुग्रीव।
नयनभरिवारी॥मिलहीनाथमिथुलेसकुमारी॥मंत्रनसहतिईहांएकवा।
रा॥वैठिरहेउमेकरंविचारा॥गगनपंथदेषामैजाती॥परवसपरीवहु तविलषा
ती॥रामरामहारामपुकारी॥हमहेदेषिदीनेउपटडारी॥मांगारामतुरततिं।
निदीन्हा॥पटउरलायसोचअतिकीन्हा॥कहेसुग्रीवसनहोरघुवीरा॥तज
होसोचमनआनहोधीरा॥सवप्रकारिकरिहोसिवकाई॥जिहिविधिमिल।
हेजानुकीआई॥१३॥दोहरा॥सषावचनसुनिहरषेउ।कृपासिंधुवलसीव
न कारंकवनसुवसहोवन॥मोहिकहहुसुग्रीव॥१४॥चौपई॥नाथवालिअरु
मेदोउभाई॥प्रीतिरहीकछुवरननजाई॥दुंधविदेसमहावलवाना॥वधयो
वालतेहिकृपानिधाना॥मयसुतमायातहिवलनाउ॥आवामोप्रभहम।
रेगाउ॥अर्धरात्रपुरद्वारपुकारा॥वालीरिपुवलसहैउनपारा॥धावावालिदे
षिसोभागा॥तवमेगयउवंधसनलागा॥गिरिवरगुहापैठिसोजाई॥तव।

अस कहि भीतर पैठ सो जाई। विविधि भांति तहां भई लराई २

किस। वाली मुहि कहा बुझाई। परखिस मोहि एक पषवारा। नहीं आवो तै जानि सम
रा। मास दिवस तहां रहेउ षरारी। निसरी रुधिर धार तहां भारी। तव मै मन मै की
२ न्ह विचारा। बल वल दनुज वंधु तिहि मारा। वालि हतत मम मोहि मारसि आई।
सिला दई तहां चलेउ पराई। मंत्रन पुर देषा विन सांई। दीह्नेउ राज मोहि वरि
आई। वाली ताहि मारि ग्रह आवा। देखि मोहि जीय भेद वढावा। रिपु सम मोहि
मारस अति भारी। हरलीन समसरवस अरु नारी। ताके भय रघुवीर कृपाला।
सकल भवन मै फिरेउ विहाला। इहां श्राप वस आवत नाही। तदपि सभीत रह
हो मन मांही। सुनि सेवक दुष दीन दयाला। फरकि उठे उदो भुजा विसाला।
२५। दोहरा। सुनि सुग्रीव समारहो। वाली एक ही वान। ब्रह्म रुद्र सरनागत ह्व
गये न उवरहे प्रान। २६। चौपई। जे न मित्र दुष होहि दुषारी। तिन्हें विलोकत
पातिक भारी। निज दुष गिरि सम रज करि जाना। मित्र क दुष रज मेरु समाना।
६ जिन्हके असमति सहज न आई। ते सठ हठ कित करत मिताई। कुपंथ निवारि
सुपंथ चलावा। गुन प्रगटे अवगुन हि दुरावा। देत लेत मन संक न धरई।
वल अनुमान सदा हित करई। विपति काल कर सत गुन नेहा। श्रुति कहे सं
त मित्र गुन एहा। आगे कहे मृदु वचन वनाई। पाछे अनहित मन कुटिला
ई। जा कर मन अहि गति सम भाई। अस कुमित्र परहरई भलाई। सेवक सठ
नृप कृपन कनारी। कपटी मित्र सूल सम चारी। २७। दोहरा। मित्र मित्र सन
प्रीति करि। हृदय आन मुष आन। जाके मनि विच प्रेम नहि। दुरहि रायन जान

ए॥ चौपई॥ हसिबोले कृपाल मृदु बानी॥ कहि सुग्रीव मोह[illegible]रत मानी॥ कारनक
वन ईहां नही आवत॥ तव कपेंद्र नाथ हमसु फावत॥ एक बार एक निसाचर भारी॥
नाथ दुंदुभी बल अधिकारी॥ सो पुनि बैरु बालि सन माना॥ एक दिवस दारुन
युद्ध ठाना॥ लरत जुगल बल तेज प्रचंडा॥ वज्र प्रहार परत भुजदंडा॥ करि बहु ज
तन बालि रिस आई॥ गहि सबर निदो उभ जाउ ठाई॥ ऊपकि मही धर फेकि वला
वा॥ बल विलोकि निज बहो सुष पावा॥ रिषि मतंग करे आश्रम जहां ही॥ रा
स जाय परा पुनि तहां ही॥ फूटे सीस सु रुधर संचारा॥ ध्यान मग्न भय मुनि रिसपर ३
हारा॥ निरषत नयन क्रोध बहु बाढा॥ बाहिर निकस भयो रिषि ठाढा॥ करतेउ
ध्यान मरम सब जाना॥ इंद्र के सुत लीन सय हि प्राना॥ १९॥ दोहरा॥ क्रोध का
तां तरकरे चक्षु रिषि हीय भयो अकुलाय॥ कारन नाथ कि भागि मम दियो उ
बालि कों श्राप॥ २०॥ चौपई॥ जानेउ मरम सुन हो रघुनाथा॥ रहेउ ईहां हम तेले
य साथा॥ यह हेतु तात बाली जब जाना॥ ईहां न आवत कृपानिधाना॥ सुनि सु
ग्रीव बचन भगवाना॥ बोले बिहसि धरे धनुबाना॥ सषा सोच त्यागहो बल
मोरे॥ सब विधि करब काज मै तोरे॥ कहे सुग्रीव सुन हो रघुवीरा॥ बालि महा
बल अरु रन धीरा॥ सात ताड यह कृपानिधाना॥ बेधहि प्रभ सब एकही बाना
पाशि मंडन अकार सो आही॥ मारे उ एक बान मही माही॥ ताके हाथ बालि प्र
भ मरई॥ नात रु श्रम सब बिरथा करई॥ हसि बोले प्रभु सीतल बानी॥ कपी च
तुर तातु बमै जानी॥ इह मिस मम बल लैरहो परेषा॥ कहहो ताड कर चरत विसेषा

॥किस॥ सुनिसुग्रीवहीयहरखाना॥ताडविरछकरचरनवखाना॥एकदिवसकपीसवन
॥३॥ गयउ॥विरछफूलफलपोषतभयउ॥मनहरखायमातफललीने॥जलमज्जन
करिसुरितसकीन्हे॥२१॥दोहरा॥लेन्मातुरवलिन्मायउ॥पंपासरजगदीस
करिसनानसोध्यानधरि॥नायउदिनकरसीस॥२२॥चौपई॥राखेफलजि
हिठाहरदरषा॥प्रभतापरवैठाएकमरषा॥ससिमंडलसमानिफननकाही॥
निरषतकपहिमहारिसवाढी॥न्मातुरवलिन्माएयोतिनपासा॥क्रोधन्मनल
समलेतउसासा॥दुष्टात्मभषमोरनसावा॥जमघरन्माजुसदनतेछावा॥पा
पीन्मापलेसकिनिमोरा॥विरछफूटिनिसरेउतनतोरा॥जान्मकारवैठेउक
रिवेदी॥निकसेतरवरसोतनछेदी॥क्रोधनिवारिवालिग्रहन्मावा॥समाचार
यहतदकपावा॥२३॥दोहरा॥पुत्रवधनकोसोककरि॥मनभयभयोन्मपा
र॥निहिछेमारेवालिकहो॥जोयहवेधहेतार॥२४॥चौपई॥सोसवसमाचा
रमेजानो॥न्मसतिनकहोनाथमनमानो॥चौदहभवनजोएकरजाना॥न्मा
परह्योसवजीवसमाना॥सोईप्रभसुनतदासमुषवानी॥निरषवदनवोले
धनुपानी॥न्मवधिचंदजवतारविलोके॥कंपे द्रुमजवहीप्रभकोपे॥सजत
सरासनवानचलायो॥विनप्रियासरघुनाथगिरायो॥२५॥दोहरा॥छूटेउ
चापतेवानजव॥विरछभयोसतखंड॥महीपरतविषधरचला॥जयभुजन्म
तिपरचंड॥२६॥चौपई॥करिन्मस्तुतिजवसरपसिधावा॥निरखिहरखिप्रभु
हियसुषपावा॥दुंदभिन्मसतताड्डुदिषराये॥विनुप्रियासरघुनाथढहाये

देषिअमितबलवाढीप्रीती॥वालिवधनकीभईपरतीती॥वारवारनायउपद
सीसा॥प्रभुहिजानमनहरषिकपीसा॥निकटजायचरननसिरुनावा॥चारे
उविधितिन्हिकहिसमझावा॥सुनिसुग्रीवपरमभयमाना॥विषयेमोहहरि
लीनेउग्याना॥उपजाग्यानहृदयतववोला॥नाथकृपामनभयेउअडोला॥
सुषसंपतिपरवारवडाई॥सवपरहरिकरिहौसेवकाई॥एसवरामभगति
केवाधिक॥कहहिसंततुवपदआराधिक॥सत्रुमित्रसुषदुषजगमांही॥
मायाकृतपरमारथनाही॥वालिपरमहितजासुप्रसादा॥मिलहुरामतु
मसमनविषादा॥सपनेजिहिसनहोयलराई॥जागेसमुझतमनसकु
चाई॥अवप्रभकृपाकरहोयहभांती॥सवतजिभजनकरहोदिनराती॥सु
निविरागसंजुतकपिवानी॥वोलेविहसिरामधनपानी॥जोकछुकहिय॥
सत्यसवहोई॥सषावचनममम्रषानहोई॥नटमरकटइवसवहिनचाव
त॥रामषगेसवेदगुनगावत॥लेसुग्रीवसंगरघुनाथा॥चलेचापसायक॥
वरहाथा॥तवरघुपतिसुग्रीवपठावा॥गरजसिजायनिकटवलपावा॥सु
नतवालक्रोधातुरधावा॥गहिकरिचरननारिसमझावा॥सुनपतिजिन॥
हेमिलेउसुग्रीवा॥तेदोउवंधतेजवलसींवा॥कोसलेससुतलछिमनरा
मा॥कालहूंजितिनसकहिसंग्रामा॥सोरघुवीरहृदयमहिआनहु॥मम
ताछाडिकहाममानहु॥२७॥दोहरा॥कहेवालीसुनिभोरीतिय॥सम
दरसीरघुनाथ॥जोकदाचिमोहिमारहे॥तोपुनिहोहूंसनाथ॥२८॥चौपई

असकहिचलामहाअभिमानी॥त्रिनसममानिसुग्रीवहिजानी॥वालिदेखिसु
ग्रीवहिठाढा॥हृदयक्रोधपुनिवढ़ाविधिवाढा॥भिरेउउभयवालिअतितरजा
मुष्टकमारिमहाधुनिगरजा॥तवसुग्रीवविकलहोयभागा॥मुष्टप्रहार
वज्रसमलागा॥मैजुकहारघुवीरकृपाला॥वंधुनहोयमोरयहकाला॥तव
रघुवीरकहासमफाई॥लषनपरोलरतेदोउभाई॥एकरूपतमभ्रातादोउ
तिहिभ्रमतेनहिमारेउसोउ॥करपरसासुग्रीवसरीरा॥तनुभाकुलिसगईस
वपीरा॥मेलीकंठसुमनकीमाला॥पठवापुनिवलदेयउविसाला॥पुनि
नानाविधिभ[illegible]ईलराई॥विटपओटदेषहिरघुराई॥२९॥दोहरा॥वहोछ
लवलसुग्रीवकरि॥हियहारे[illegible]भयमानि॥मारावालहिरामतव॥हृदयमां
ऊसरतानि॥३०॥चौपई॥पराविकलमहीसरकेलागे॥पुनिउठिवैठिदेषि
प्रभुआगे॥स्यामगातसिरजटावनाए॥अरुननैनसरचापचढ़ाए॥पुनिपु
निचितचरननमेदीन्हा॥सुफलजन्ममानिसिप्रभुचीन्हा॥हृदयप्रीतिमु
षवचनकठोरा॥वोलाचितेरामकीओरा॥धरमहेतअवतरेउगुसांई॥मारेउ
मोहिव्याधिकीन्याई॥मैवैरीसुग्रीवपियारा॥किहिअपराधनाथमोहिमा
रा॥सुनयपलतैमतकीयेउकुकरमा॥परहरिलोकवेदकुलधरमा॥अनु
जवधूभगनीसुतनारी॥सुनिसठएकंन्यासमचारी॥इनहि कुदिष्टिविलो
कहैजोई॥ताहिवधेकछुपापनहोई॥मूढ़तोहिअतिसेअभिमाना॥नार
सिषावनकरेसिनकाना॥ममभुज[illegible]वलआश्रितहि जानी॥माराच
न

॥५॥

हिसिअधमअभिमानी॥३१॥दोहरा॥सुनहोरामस्वामीवचन॥चलनचातुरीमे
र॥प्रभुअजहूंपापीरहेउ॥अंतिकालगतितोर॥३२॥चौपई॥सुनतरामअति।
कोमलवानी॥वालिसीसपरसेउनिजपानी॥अचलकरहुंतनराषहुप्राना।
वालिकहासुनिकृपानिधाना॥जन्मजन्ममुनिजतनकरांही॥अंतरामक
हिआवतनांही॥जासुनामवलसंकरकाशी॥देतसवनसुभगतिअविना
सी॥ममलोचनगोचरसोईआवा॥वहु रिकिप्रभुअसवनहिवनावा॥३३॥
छंद॥सोईनयनगोचरजासुगुननितनेतकहिश्रुतिगावही॥जितिपवनम
२ नगोजाँकरमुनिध्यानकवहूंकिपावही॥मोहिजानिअतिअभिमानवस
प्रभुकहयोराषिसरीरही॥असकवनसठहठकाटिसुरतरवारिकरहिवहू।
रही॥अवनाथकरिकरुणाविलोकहुदेहुजोवरुमांगहो॥जिहिजोनिज
न्मोकर्मवसतहांरामपदअनुरागहो॥यहतनयममसमविनयवलक।
ल्यानपदप्रभुदीजीये॥गहिवांहिसुरनरनाहआपनदासअंगदकीजिये॥
३४॥दोहरा॥रामचरनदृढप्रीतिकरि॥वालकीन्हतनत्याग॥सुमनमालजि।
मिकंठते॥गिरतनजानहिनाग॥३५॥चौपई॥रामवालिनिजधामपठावा॥न
गरलोगसवव्याकुलधावा॥नानाविधिविलापकरतारा॥छूटेकेशनदेहसं
भारा॥तुनिकुनिपातसीसउरधरई॥वदनविलोकिहृदयमहिगुनई॥मेपति
तमहिवहु तुममझावा॥कालविवसकछुउरमहीआवा॥अंगदकहेकछक
हननपावा॥वीचहीसरउरप्रानपठावा॥ताराविकलदेषिरघुराया॥दीनज्ञा

॥किस॥ नहरिलीनीन्हिमाया॥ छितिजलपावकगगनसमीरा॥ पंचरचितअतिअधम
॥५॥ सरीरा॥ प्रगटसोतनतवअगेसोवा॥ जीवनिसतमकिहिलगिरोवा॥ उपजा
ज्ञानचरनतवलागी॥ लीनसपरमभक्तिवरुमांगी॥ उमादारुजोषतकीना
ई॥ सवहिनचावतरामगुसांई॥ तवसुग्रीवहिंआयसदीना॥ मृतककरमविधि
वतसवकीना॥ रामकहाअनुजहिसमझाई॥ राजुदेहुसुग्रीवहिजाई॥ रघुपति
चरननायकरिमाथा॥ चलेसकलप्रेरतरघुनाथा॥ ३६॥ दोहरा॥ लछिमनतु
रतवुलायउ॥ पुरजनविप्रसमाज॥ राजदीन्हसुग्रीवकहि॥ अंगदकहिजुवरा
ज॥ ३७॥ चौपई॥ उमारामसमहितजगमांहीं॥ गुरुपितुमातवंधुकोउनाहीं॥
सुरनरमुनिसवकैयहरीती॥ स्वारथलागिकरहिंसवप्रीती॥ वालित्राससका
कुलदिनराती॥ तन [illegible] वि वरनचिंतजरछाती॥ सोसुग्रीवकीन्हकपिराऊ॥
अतिकृपालरघुवीरसुभाऊ॥ जानतहैंअस [illegible] प्रभुपरहरहीं॥ काहेनवि
पतिजालनरपरहीं॥ पुनिसुग्रीवहिलीनवुलाई॥ वहुप्रकारनृपनीतिसि
हरीसा खाई॥ कहैप्रभुसुनिसुग्रीवकपीसा॥ पुरनजाउंदसचारिवरीसा॥ गतिग्रीषम
वरषारितुआई॥ रहिहौंनिकटसैलपरछाई॥ अंगदसहितकरहुतुमराजू॥
संततहृदैधरेहुममकाजू॥ जवसुग्रीवभवनफिरआये॥ रामप्रवरषनगि
रिपरछाये॥ ३८॥ दोहरा॥ प्रथमहिंदेवनगिरिगुहा॥ राखेउरुचिरवनाई॥ राम
कृपानिधिकछुकदिन॥ वासकरहिंगेआय॥ ३९॥ चौपई॥ सुंदरवनकुसु
मतिअतिसोभा॥ गुंजतमधुपमधुरमनलोभा॥ कंदमूलफलपत्रसुहाय॥ ॥५॥

भयउवैहोतजवतेप्रभुआय॥देखिमनोहरसैलअनूपा॥रहेतहांअनुजसहि।
तिसुरभूपा॥मधुकरखगमृगतनुधरिदेवा॥करहैसिधमुनिप्रभुकीसेवा॥।
मंगलमूलभयोवनजवते॥कीह्निवासरमापतितवते॥फटकसिलाअ
तिसुभगसुहाई॥सुखआसीनतहांदोउभाई॥कहतअनुजसनकथाअ
नेका॥भक्तिविरतिन्सपनीतिविवेका॥वरखाकालमेघनभछाय॥गरजत
लागतपरमसुहाय॥४०॥दोहरा॥लछिमनदेखहोमोरगन॥नाचतवार।
धदेखि॥ग्रेहीविरतिअतिहरखजिमि॥विस्नुभक्तिकहैदेखि॥४१॥चोपई॥।
घनघमंडनभगरजतघोरा॥प्रियाहीनडरपतमनमोरा॥दामिनिदमकिर
हतिघनमाही॥खलकीप्रीतियथाथिरनाही॥वरखहिजलदभूमिनिरेराए य
यथानिवहिवुधिविद्यापाय॥वूंदअघाततसहहिगिरिकेसे॥खलकेवचन
संतसहेजैसे॥छुद्रनदीभरिचलीतराई॥जसथोरेधनखलईतराई॥भूमि।
परतभाडावारपानी॥जनुजीवहिमायालपटानी॥सिमिटिसिमिटिजल
भरहितलावा॥जिमिसदगुनसजुनपहेआवा॥सलताजलजलनिधिम
हिजाई॥होयअचलजिमिजीवहरिपाई॥४२॥दोहरा॥हरतभूमितृनसं
कुलत॥समझिपरहेनहींपंथ॥जिमिपाखंडीवादते॥गुपतरहेहैसदग्रंथ
४३॥चोपई॥दादुरधुनिचहूंदिसासुहाई॥वेदपढहेजनुवटसमुदाई॥नव
पल्लवभयविटपअनेका॥साधकमनजसमिलेविवेका॥आकजवास
पातविनभयउ॥जसमुराजखलउद्यमगयउ॥खोजतकितहुंमिले[illegible]न

॥किस॥ ह्रीधूरी।करहिक्रोधजिमिधरमहिदूरी॥ससिसंपंन्नसोहमहीकैसी॥उपकारीके
॥६॥ संपतिजैसी॥निसतमघनखद्योतबिराजा।जनुदंभनुकरमिलयोसमाजा॥
महाबृष्टचलफूटकियारी॥जिमिसुतंत्रभयबिगरहेनारी॥कृषीसुधारहिच
तुरकिसाना॥जिमिबुधितजहैमोहिमदमाना॥देखतचक्रवाकखगनाही
कलहिपायजिमिधरमपराही॥ऊसरबरषहेत्रनजामा॥जिमिहरिज
नमनउपजनकामा॥विविधिजातिसंकुलमहिभ्राजा॥प्रजावढेयजिमि
पायसुराजा॥जहांतहांरहेपथिकथकिनाना॥जिमिइंद्रीगनउपजैग्याना॥
८४॥दोहरा॥कवहुंप्रवलमारुतवहे।जहांतहांमेघविलाहि।जिमिकपूतके
सट उपजते।कुलकेधरमनसाहि॥८५॥कवहुंदिवसमहिनिवडतम।कवहुंप्रग
टपतंग।उपजैविनसैग्यानजिमि।पायसुसंगकुसंग॥८६॥चौपई॥वरषा
विगतिसरदरितुआई॥लछिमनदेखहुपरमसुहाई॥फूलहेकांससक
लमहिछाई॥जनुवरषाकृतिप्रगटबुढाई॥उदितअगस्तपंथजलसोषा॥
जिमिलोभहसोषहैसंतोषा॥सरतासरनिरमलजलसोहा॥संतहृदयज
सगतमदमोहा॥रसरससूखसरतसरपानी॥ममतात्यागकरहिजिमिग्या
नी॥जानिसरदरितुखंजनआय॥पायसमयजिमिसुकृतसुहाय॥पंक
नरेनुसोहअसिधरनी॥नीतिनिपुननृपकेजसकरनी॥जलसंकोचवि
कलभईमीना॥अबुधकुटंबीजिमिधनहीना॥विनुघननिरमलसोहि
अकासा॥हरिजनइमिपरहरिसवआसा॥कहुंकहुंवृष्टिसरदरितुथोरे ॥६॥

कोउइककपावभगतिजिमिमोरी॥४७॥दोहरा॥चलेहरिखत्तजिनगारनृप॥ताप
क सवनिंभिखारि॥जिमिहरिभगतहेपायश्रम॥तजहेत्राश्रमीचार॥४८॥चौपई
सुषीमीनजिमिनीरअगाधा॥जिमिहरिसरननयेकोबाधा॥फूलहेकमल
लसोहहेसरकैसे॥निरगुनब्रह्मसगुनभयजैसें॥गुंजतमधुकरमुखरअनू
पा॥सुंदरखगवननानारूपा॥चक्रवाकमनोदुखनिसपेखी॥जिमिदुरजनप
रसंपतिदेखी॥चात्रकरटततृषाअतिउही॥जिमिसुषलहेनसंकरद्रोही॥
सरदातपनिसिससिअपहरई॥संतदरसजिमिपातिकटरई॥देखेइंदुचको
रसमुदाई॥चितवहेजिमिहरिजनहरिपाई॥मसकदंसवीतहेजिमित्रासा॥
जिमिद्रुजद्रोहकियेकुलनासा॥४९॥चौपई॥दोहरा॥भूमिजीवसंकुलर
हेगयेसरदरितुपाय॥सतगुरमिलेसुजाहिजिमि॥संसेभ्रमसदाय॥५०॥
चौपई॥वरखागतिनिरमलरितुआई॥सुधिनतातसीताकरपाई॥एकवार
केसहुंसुधिजानो॥कालहुंजीतिनिखमहिआनो॥कितहुंरहोजोजीवतिहोई॥
तातजतनकरिआनोसोई॥सुग्रीवहिसुधिमोरविसारी॥पावाराजुकोसपुर
नारी॥जिहिसायकमारामैवाली॥तिहिसरहतोमूढकहोकाली॥जासुकृपा
छूटहेमदमोहा॥उमाताहिकसमसपनेउकोहा॥जानेयहचरित्रमुनिज्ञानी॥
जिनिरघुवीरचरितरतमानी॥लछिमनक्रोधवंतप्रभजाना॥धनखचढाय
गहेकरवाना॥५१॥दोहरा॥तवअनुजहिसमझायउ॥रघुपतिकरुणासी
व॥भयदिखायलैआवहु॥तातसखासुग्रीव॥५२॥चौपई॥ईहांपवनसुत॥

॥किस॥ हृदयविचारा॥ रामकाजसुग्रीवविसारा॥ निकटजायचरननसिरनावा॥ चारहु
॥७॥ बिधितिकहि(हि)समझावा॥ सुनिसुग्रीवपरमभयमाना॥ विषयमोरहरिलीने
उत्राना॥ अवमारुतसुतदूतसमूथा॥ पठवहोजहांतहांवानरजूथा॥ कह
हुपाषमहंआवनजोई॥ मोरेकरताकरवधहोई॥ तवहनूमंतबुलायेदूता
सवकरकरिसनमानवहूता॥ भयअरुप्रीतिनीतिदिषराई॥ चलेसकल
चरननसिरनाई॥ दिसअरुविदिसदेषगिरकंदर॥ त्यावहोवालिजूथस
पित भवंदर॥ सुनिकपिवचनचलेजुवराजा॥ बिनुहनूमंतहोयनहींकाजा॥॥
जानतहैगिरिकंदरसागर॥ चतुरविचित्रवुधिवलिआगर॥ केसरीपुत्रपवन
करअंसा॥ पठवतनायकरहोपरसंसा॥ तवसुग्रीवमारुतहीहंकारा॥ रा
मकाजजिनलावहोवारा॥ पतिअज्ञाधरिसीससिधाये॥ मारुफलंगपर्व।
आव दिसआये॥ सुनिहनूमंतमिलनअवसवहे॥ माथनायतववचनसुनावहे
कारनकवनकीन्हश्रमभारी॥ तुमकिसकिंदापतिअधिकारी॥ हमलाय
यजोकारजहोई॥ नाथसीसधरिमानवसोई॥ सुनिकपिकहानलावहोवा।
रा॥ तुम्हहिवालिलघुअनुनैहंकारा॥ आतुरजाहिविलंबनकरहो॥ पेरउकाजभा
रीमनधरहो॥ सुनतवचनमनचलेउतुरंता॥ जयसुग्रीवकहिगंवहंता।
५३॥ दोहरा॥ असीलापअरुसातसेय॥ कपिदलरोवरवंड॥ नभमारगकू
दतचले॥ नामगवाछिल्लदंद॥ ५४॥ चौपई॥ पठयताहितरकेउहनूमाना॥
रोहतिपरवतजायतुलाना॥ दुरधरसनसववातजनाई॥ चलावीरकरदल्ली ॥७॥

वनजाई॥ गजसनकह्यासुनाहोराजा॥ पराकठिनसुग्रीवहेकाजा॥ निजदलसंग।
लायसवलेहं॥ धीरजतारापतिकहिदेहू॥ भलहेनाथकहिसवउठिचलेई॥ वसु
धाहल्लीसेसकलमलेई॥ पद्मसातदलग्रसीकिरोरा॥ चलेदूरधसजिगवयउ
ग्रंघोरा॥ हनुमतवहोरिहरीसायरग्रावा॥ पाठरम॰ तवलवीरवुलावा॥ तीसल
षदलसाठिहाँरा॥ पवनपुत्रकहिकीनजुहारा॥ कारजहोयसोग्रायसदीजय
एतनाश्रमकिहिलागिकरीजय॥ ग्राज्ञाहोयजावतुमकाजा॥ कुसलग्राहि
किसकंदाराजा॥ कपिपतिरघुपतिकथासुनाई॥ चलेउपवनसुतविदाकराई
धुंधमालपरवतनियराना॥ कहतसिषंडीकीनपियाना॥ छपनकोटिवनच
रलीयसाथा॥ करियरनामचलेकपिनाथा॥ हनुमतग्रंजनीपरवतग्रावा॥
कंमदसोनामकपीसवुलावा॥ पद्मसातग्ररुलाषसतासी॥ धायोवीरमहांवल
रासी॥ गगनपंथजायरामकहंता॥ ग्रानीलगिरीहनुमंता॥ तहांसुनीलरासि
कपिभारी॥ ग्रग्निपुत्रवुधिवलग्रधिकारी॥ मारुतसुतकपिसवनिवुकावा॥
मेघसवदगरजतकपिधावा॥ ग्ररवुधचारिचारिसतकारा॥ समरवीरसवसुभ
टगुझारा॥ गहेविरछग्रायधुवनचारी॥ चलतभयउजयरामपुकारी॥ पवनपु
त्रउत्तरदिसगयउ॥ वद्रिकाग्राश्रमपरसतभयउ॥ ग्रातुरगंधमादनपरवहयेउ
ऊ जलयुतडागदेषिसुषवहयेउ॥ ५५॥ दोहरा॥ गदकदाछकहमिलेउपुनि॥ वा
होप्रकारसमझाय॥ माथनायग्रस्तुतिकरत॥ चलेबीरहरखाय॥ ५६॥ चोपई॥
हनुमतग्ररजुनगिरिपरग्रावा॥ तारवीररहतातिहिठाबा॥ नामसुषेनमहा॥

॥किस॥ बलबंडा॥ बुधिबलतेजसमरपरचंडा॥ समाचारपुनिताहिसुनावा॥ चलिहनूमं
॥८॥ तसुमेरहैआवा॥ कनकवरनदीषतसबकाया॥ नेत्रलालवपुसोनसुहाया॥
पवनप्रसंगगगंनतेपरसत॥ एकसेएककालसमगरजत॥ उठेलंगूरसीसपर।
ल्याय॥ मानहुमघवाधन-षसुहाय॥ एकएकसनवचनसुहावा॥ हनूमत
चरनसीसतिननावा॥ कायाकष्टकीनकिहिकाजा॥ आहेकुसलपंपापुर
राजा॥ कपितिहिसमाचारसवभाषा॥ चलेदसमकारनअभिलाषा॥ ५७॥ दो
हसकरोरिनवलाषवर॥ वीससहससतएक॥ चल्योकेशरीसंगलेकरतेचर
त्रअनेक॥ ५८॥ चौपई॥ ताकहैविदाकीह्नसुतपवना॥ महारुद्रकैलासहैग
वना॥ कपिबलसीलषुलंदतेहिनाउ॥ रषवाराअलकापुरगाउ॥ महांतेजबल
दुरगमकाया॥ परमचतुरज्ञानतवहोमाया॥ सुनिसुचाहमारुतसुतआवा॥
लैसंगसेनसीसतिहिनावा॥ पूछोकवनकाजयहनाथा॥ दीनदरससैभय
उसनाथा॥ नृपसुग्रीवकेतुमपरधाना॥ आज्ञादेवंवेगिहनूमाना॥ कहापव
नसुतविलमुनलावहु॥ लैनिजसेनपंपापुरआवहु॥ जयतवविजईवंधअ
तिबलई॥ सजिदलचल्लतमेदिनीहल्लई॥ सिंघसवद [illegible] लंगूरउठाये॥ दस
उछाहसकलउठिधाये॥ रहानकोऊपवनसुतप्रेरे॥ मैनागिरिहिमाचलहेरे॥
प्रेमसहतिकपिसकलबुलाये॥ आसपासनाकरतपठाये॥ अंडकनाम।
महाबल कीसा॥ चलेउरामलछिमनजहांईसा॥ ताहिविदाकरिपवनकु
मारा॥ विंध्याचलपरसवदसंचारा॥ नामवसंतमहाबलवामा॥ सेनिजुदल

कपिनिकटतुलाना॥ जोरेहाथहकीकतियाई॥ चलेयोलैसैनधराअकुलाई॥॥
वारहकोटितीनसैवंदर॥ चलेसकलसागेगिरिकंदर॥ हनूमंतवीरजगिरिसु
कथाना॥ ननमुखवांदरआयतुलाना॥ इंद्रकीलकेवननयजेते॥ हनूमंतचर
नगहेसवतेते॥ आठपद्मदलसहंसअठासी॥ चलेसकलजहांहरिअवना
सी॥ रामकाजहनूमंतहीयधारी॥ कसपपरवतजायपुकारी॥ नाममयंद॥
महावलवीरा॥ तेजपुंजअतिदुरगसरीरा॥ एकसठिकोटिवनचरलेसाथा
पवनकुमारहेनायउमाथा॥ कवनकाजप्रभुमोहिकहीजे ॥ कायाकष्टअ
बकसकीजे ॥ कहापवनसुतजानहूतोही॥ धमभागिदरसनभामोही॥॥
करहेनागहरूमहावलसीवा॥ वोले का उवेगितुमहेसुग्रीवा॥ ५५॥ दोहरा॥ सुन
तमयंदसुगरजेउ॥ फलंगगगयउआस॥ अट्टहासगंभीरकरि॥ सेनवुलाय
उपास॥ ६०॥ चौपई॥ टीडीसमसेनाउरलीनी॥ चकितभयउदिगपालभवानी॥
आतुरचलेउगगनकरछांही॥ उठीलंगूरपतिंगछिपांही॥ एकनीलदसतीसकि
६ एक रोरा॥ धावतएककवरजोरा॥ जयजयसवदकरतवलदापा॥ देवनहाथपेटमहि
चापा॥ रामसरूपहियेमहेआना॥ करिदलविदाचलेउहनूमाना॥ रसनाज
पेरामकरनामा॥ धवलसुगिरिहेकीनपरनामा॥ दुग्धनामवंदरवडजोधा
ताहिवुलायदीन्हवहोवोधा॥ आठलाषसतघारगनाई॥ संगसेन[illegible]चंपापुर
जाई॥ हनूमंतउदियागिरिपरआवा॥ कमदवीरवांदरजहांठावा॥ सरवरेसवे
लेरोसुरनिधावे॥ पद्मकोटिवांदरलेआये॥ विरछसैलवनभूमिसुहाई॥॥

॥किस॥ जहांतहांरहेवनिचरछाई॥सवदकिलकि दा अकासपरतरकहै॥वनसरा।
॥५९॥ सयलधरहेहियहरषहै॥६१॥दोहरा॥रामकाजकरिपवनसुत॥आयोज
हांसुग्रीव॥मिलेउहरषअस्तुतिककरी॥धन्यधन्यवलसीव॥६२॥चौ
दोहरा॥सामलालधमरधवल॥हरतपी तसववरन॥हाथजोरिठाढेभये
सीसनायसवचरन॥६३॥दोहरा॥धनषचढायेकहासुतव॥जारिकरौपुर
छार॥व्याकुलनगरसुदेषितव॥आयोवालिकुमार॥६४॥चौपई॥जिहिअ
वसरलछिमनपुरआये॥क्रोधदेषजहांतहांकपिधाये॥चरननायसिरु
विनतीकीन्ही॥लछिमनअभेयवाहतिहिदीन्ही॥क्रोधवंतलछिमनसु
निकाना॥कहिकपीसअतिभयअकुलाना॥सुनिहनूमंगासंगलेतारा
करिविनतीसमझायकुमारा॥तारासहतिजायहनूमाना॥चरनवंदिप्रभु
सुजसुवषाना॥करिविनतीमंदरलेआये॥चरनपषारिपलंगवैठाय॥तव
कपीसचरननसिरुनावा॥गहिभुजलछिमनकंठलगावा॥नाथविषैस
ममदकछुनाही॥मुनिमनछोभकरैछिनमाही॥सुनतिविनीतवचनसु
षपावा॥लछिमनतिहिवहोविधिसमझावा॥पवनतनयसवकथासु
नाई॥ जिहिविधिगयोदूतसमुदाई॥६५॥दोहरा॥हरषिचलेसुग्रीवत
व॥अंगदादिकपिसाथ॥रामअनुजअगेकरस॥आयजहांरघुनाथ॥
६६॥चौपई॥नायचरनसिरकहेकरजोरी॥नाथमोहिकछुनाहिनषोरी
अतिसयप्रवलदेवतवमाया॥जिहिनमोहअसकोजगजाया॥विषया ॥५९॥

वससुरनरमुनिस्वामी॥ मैपावरपसुकपिअतिकामी॥ नारिनयनसरजाहि
नलागा॥ घोरक्रोधतमनिससोजागा॥ लोभफांसजिहिगरनवधाया॥ सोन
रतुमससमानरघुराया॥ यहगुनसाधनतेनहीहोई॥ तुम्हरीकृपापावकोइ
कोई॥ तवरघुपतिवोलेमुसिकाई॥ तुमप्रियमोहिभरथजिमिभाई॥ अवसो
ईजतनकरहोमनलाई॥ जिहिविधिसीताकरसुधिपाई॥ ६७॥ दोहरा॥ एहि
विधिहोतनहीवाततव॥ आयेवानरजूथ॥ नानावरनसुसकलदिस॥ देषेउ
कीसविरूथ॥ ६८॥ चौपई॥ जूथजूथसवआयतुलाने॥ देषतरामसहीयह
रषांने॥ कहेलछिमनसनकरुनासीवा॥ वंधुवलीहम्हहैसुग्रीवा॥ वानर
कटकउमामैदेषा॥ सोईमूरषजोकरचहेलेषा॥ आयरामपदनावहिमा
था॥ निरषिवदनसवहोहिसनाथा॥ असकपिएकनसेनामांही॥ रामकुस
लजेहिपूछीनांही॥ यहनहिकछुप्रभकेअधिकाई॥ विश्वरूपव्यापकरघु
राई॥ ठाढेजहांतहांआयसुपाई॥ कहेसुग्रीवसवहिसमझाई॥ रामकाज
अरुमोहिनिहोरा॥ वानरजूथजाहुचहुंओरा॥ जनकसुताकहंखोजहोजा
इ॥ मासदिवसमहुआयोभाई॥ अवधिमेटिजोविनसुधिपायउ॥ आव
विनहुसोमोहिमरायउ॥ ६९॥ दोहरा॥ वचनसुनतसववानरहे॥ जहांत
हांचलेतुरंत॥ तवसुग्रीववुलायउ॥ अंगदनलहनूमंत॥ ७०॥ चौपई॥ त
वकपीसदोइदूतवुलाये॥ गजगवादआतुरचलिआये॥ करिप्रनामधी
रजधरिठाढे॥ सीतासोधहियसुषवाढे॥ मनवुधिगुनरामकरिगतिजानी

बोलेकपिंद्रसुधासमबानी॥सीयषोजनपूरबदिसधावो॥रामकाजगहिबिलमनलावो॥समुद्रसैलसरतागिरिझरना॥बृहसुग्रीवआत्तीवरना॥सरवायीगिरिकंदरजेते॥देवनगररिषियानसमेते॥जोकोउतुमैमिलैमगमांही॥सीतासुधिपूछेउतिनपांही॥७१॥**दोहरा**॥रामचरनपरनामकरि॥उरधरिगुगलसरूप॥सातकोटिवनचरबली॥चलेप्राचिदिसभूप॥७२॥**चौपई**॥बालिअनुजसुषेनबुलावा॥करिसनमाननिकटबैठावा॥तुमसयंदउत्तरदिसजाहू॥सीतासुधिपूछोसबकाहू॥गंधमादनिसुमेरमहीधर॥अर्जुनसैलनीलगिरकंदर॥शिवकैलासअलकापुरथानी॥जछिगंधरवसनकहिमृदुबानी॥सीतासुधिकोउजानतअहही॥देहुबतायससकिनिकहही॥उनदेपूछिआगेधरुपांउं॥जायउदिसिसरोवरठांउं॥अंमृतफलतरुपातसुहावा॥हरतभूमिसबघाटबंधावा॥लहरतनीरजलासनभरेउ॥लताबिसालफूलफलफरेउ॥सारसहंसचकोरकेकबग॥रमनेकसमनिहरषभरेताडग॥सपतरंगअरुबिंदसुहावन॥सदाकालधनपतिमनभावन॥पुसपभारभरिबिटपसुहाय॥परसतहेअवनीछितिभाय॥अमितबारकछुकरहोअहारा॥हियधरिरामलषनभयभारा॥बंदेउसैलसोताकहेहेरी॥गंधमादनिसबयानगहेरी॥७३॥**दोहरा**॥रिषिबितसनकहेपूछिके॥करेउबलीछिपियान॥सेतभूमिउत्तरदिसा॥अंतधराकोजानि॥७४॥**चौपई**॥शिषिरिसुमेरुहेरुकेलास॥गादाभूमिसउत्तरवास॥कुंडराकजहांमोतीचूरा॥पानीअमृता॥

के

नहि
कीन्हकेपूरा॥ जामुनिवृंदअ्राहितिहिठांउ॥ चांवुदीपरामिसोनांउ॥ गजसमानि
लागहेफलताहीं॥ अमृतरसकहिनिगमसराहीं॥ पाकतफलधरतीपरपर
हीं॥ तिहिकेस्वातकुंडवहांभरहीं॥ दिव्यरूपचढिदेवविमाना॥ हरषतनीरक
रहेअस्नाना॥ वहांसुभनीरसरतिहोयवहई॥ अधमसमायप्रसिद्धिसोईअ
हिई॥ जहांमज्जनकीनेवरवीरा॥ सुकलपापदुषहरहेसरीरा॥ फलभोजन
सोपानकरेउ॥ रामकाजहितहीयधरेउ॥ सूरमैनिकरमंडपजांहा॥ सुमिरिरा
मजायउपुनितांहां॥ लोमसरिषिकरिदरसनकरहा॥ वहांतेरुद्रकैलासअ
नुसरहा॥ ७५॥ दोहरा॥ रनवनघनजनसोधिके॥ सीताहितसीराम॥ सासदि
वससहेसीघ्रतम॥ फिरहोलहोविश्राम॥ ७६॥ चौपई॥ अपनेपतिकीमा
निहितिवानी॥ सीसधरेउप्रभचरननआनी॥ पवनपछिजुगमेउठिचाले॥
एकदिसपवसोवनवरभाले॥ पुनिसुग्रीवमोरमुषदेषी॥ विरसतवलही
कहाहेविसेषी॥ सुनहोवीरप्रीतिहितिकारी॥ रामकाजहियधरहोसंभारी॥
तववसंतपछिमदिसगवना॥ सीतासुधिएछेउसववनअवना॥ प्रातकालपर
वतनअनहेरा॥ फलभोजनकरिस्रमहेमिवेरो॥ अवरछिमेयलउपरचलि
जायउ॥ अगिनिदेवकरजोरमनायउ॥ षोजेउसवताकेरस्थाना॥ रामका
जहितिकरेउपियाना॥ रंगभूमिजायउपुनिभाई॥ सीतासुधिएछेयउसव
ठांई॥ सरतिसैलिगिरमंडपजेते॥ षोज होहितिधरिमातहितेते॥ जोकोउमि
लेमहामुनिज्ञानी॥ एछहोसमाचारहितिवानी॥ तुम्हरेवलगरजतुमेभाई

मिलवहोवेगिजानकीआई॥७७॥दोहरा॥पछिमदिसाविसालअतिजहांधरा
कोअंतु॥एकमासमेसीयसुधि॥लेफिरिहोवलवंत॥७८॥चौपई॥चरनकम
लसवकरिपरनामा॥पछिमदिसाचलेउवलवाना॥दसवहलावहरीहरखो
लत॥चलेजाहिवनपरवतडोलत॥सुषश्रीरामहृदयधरिरूपा॥चलेवसं
तवलीसतभूपा॥पुनिसुग्रीवअंगदहेवुलावा॥हनूमतसाथउत्तरचलिआ
वा॥जामवंतनीलादिसुहाय॥करगहिसवहेनिकटवैठाय॥जूथवलीस
ववांदरजेते॥वैठेमंडलराजेहितेते॥घेरिवहंदिसप्रभकूरहेही॥उनकेभागि
कहाकविकहंही॥रामरूपनयननभरिदेषहे॥श्रुतिमारगप्रतिगिराविसे
षहे॥तामहिवंधुसहतिरघुवीरा॥सोहतचापवानसुभधीरा॥देवसभावांदर
सवराजे॥लछिमनरामसमध्यदुतिभ्राजे॥कोटियतंगदेषिछविमोहे॥वाये
पानकीसपतिसोहे॥जामवंतलेअंगदसाथा॥कपिपतिसीवदेतमहिहा
था॥मारुतसुतप्रभसनमुषठाढा॥अतिआनंदहियमहेवाढा॥वैठेउस
भाएरिसुग्रीवा॥एकएकवलअतुलतसीवा॥वहोरिकीसपतिदिष्टिचला
वा॥इरदनामतिहिनिकटवुलावा॥वायवअग्निनैरतईसाना॥पठवहो
निजसैनावलवाना॥७९॥दोहरा॥यहिविधिकहिसमझायउ॥जूथपती
संगजूथ॥नानावरनदिसासुधे॥धायेकीसविरूथ॥८०॥चौपई॥ लंपुलं
दाकेवांदरआवा॥कंठमदनतिहिनामसुहावा॥असीकोटदसचारगनी
जे॥ताकीसेनकोअंतनलीजे॥सुनहोनीलअंगदहनूमानां॥जामवं

तमतधीरसुजाना॥ सकलसुभटमिलिदछिनजाहू॥ सीतासुधिएछेहुसवका
हू॥ मनक्रमवचनसुजतनविचारेहो॥ रामचंद्रकरकाजसधारेहो॥ देहधरेकर
यहफलभाई॥ भजयरामसवकामविहाई॥ भानपीठिसेयैउरआगी॥ स्वा
महिसरवभावछलसागी॥ जिमिमायातजिहरिपदसेई॥ तिमिपरलोकसे
धकरलेई॥ तजमायासेईयपरलोका॥ मिटहेसकलसंभवभयसोका॥ सो
ईगुनज्ञानसोईवडभागी॥ जोरघुवीरचरनअनुरागी॥ आयसुमांगिचरन
सिरुनाई॥ चलेहरखिसुमिरतरघुराई॥ पाछेपवनतनयसिरुनावा॥ जानि
काजप्रभनिकटवुलावा॥ परसासीससरोरुहपानी॥ करमुंद्रकादीन्हजनु
जानी॥ वहुप्रकारसीतहेसमझाईहो॥ कहिवलवीरवेगितुमआईहो॥ ह
नुमततजनमसुफलकरिमाना॥ चलेहृदयधरिकृपानिधाना॥ जदिपप्र
भुजानतसववाता॥ राजनीतिराषतसुरत्राता॥ ८॥ दोहरा॥ चलेसकलव
नषोजते॥ सरतासरगिरिषोह॥ रामकाजलयलीनमनविसरातनकर
छोह॥ ८४॥ चोपई॥ कहूंहोयनिसिचरसनभेटा॥ प्रानलेहेराकराकचपेटा
वज्रदंडराकराकसआवा॥ देषतकपिनमहाभयपावा॥ गगनसीमसउनि
पांउयताला॥ रक्तनेत्रधावाजसकाला॥ देषततासिकोपिजुवराजा॥ स
नमुषजायताहिसनवाजा॥ मल्लयुद्धवहुहोतअपारा॥ सववानरमिलि
करहिविचारा॥ प्रथमपियानकालचलिआवा॥ सीयकीषवरनप्रभहेसु
नावा॥ षुरनतालधरतीहोयगाई॥ व्याकुलवज्रप्रहारनभाई॥ वालसुव

||किस|| नतवहृदयविचारा||मुष्टकराकलासंसिरमारा||रामरूपहृदयमहँआनी||
||२२|| अरिउरपगधरिचीरभवानी||जयजयसवदभयउतिहिठाई||पवनसुवन
लेहृदयलगाई||वहोप्रकारगिरकाननहेरहि||कोउमुनिमिलहेताहि
सवघेरहे||लागत्रिषाअतिसैअकुलाने||मिलईनजलवनगहनभु
लाने||मनहनूमानकीन्हअनुमाना||मरनचहतसवविनजलपाना||च
ढिगिरसिषिरचहूँदिसदेषा||भूमिविवरएककौतिकपेषा||चक्रवाकवग
हंसउडाहीं||वहोतकषगप्रवेसतिहिमांही||गिरतेउतरिपवनसुतआवा||
सवकहोलेसोविवरदिषावा||आगेकरिहनूमंतहेलीन्हा||पैठेविवरविलं
वनकीन्हा||स्वयंप्रभावनामयहठांउ||हेमप्रभालघुनांमसुनांउ||विस्सुले
कसोप्रथमसिधाई||रामहूतेतिहिमाहिसुनाई||२३||दोहरा||दीषजायउप
वनसरस||विगसवहोविधिकंज||मंदरएकरुचरतहां||वैठिनारितपपुंज
||२४||चौपई||दूरतेताहिसवनसिरनावा||पूछिसनिजविरतंतसुनावा|||
तिहितवकहेउकरहोजलपाना||षाहुसरससुंदर फलनाना||मज्जनकी
नमधुरफलषाय||तासुनिकटपुनिसवचलिआय||तिहिसँआपनीक
थासुनाई||मैअववजाउजहांरघुराई||मूंदहोनयनविवरतजिजाहू||पैह
होसीतहेजिनिपछिताहू||नयनमूंदिपुनिदेषहेवीरा||ठाढेसकलसिंधुकेती नि३
रा||सोपुनगईजहांरघुनाथा||जायजुगलपदनायउमाथा||नानाभां
तिविनयतिहिकीन्ही||अनुपायनीभगतिप्रभुदीन्ही||२५||दोहरा||३

||२२||

वद्रीवनकहैसोगई॥प्रभुअग्याधरिसीस॥उरधरिरामचरनजुगलपद॥जि
हिवंदतअजईस॥८६॥चौपई॥इहांविचारहिकपिमनमांही॥वीतीअव
धिकाजकछुनाही॥सवमिलकहहिपरसपरवाता॥विनसुधिलीयकरहि
कहाभ्राता॥पुनिपुनिअंगदकहेसवयाही॥मरनभयउकछुसंसयनाही॥
अंगदवचनसुनतकपिवीरा॥वोलिनसकहिनयनवहेनीरा॥छिनएकसो
चमगनहोयरहे॥पुनिअससवचनकहतसवभय॥हमसीताकीसुधिलि
नलीन्हे॥नहीजयहैजुवराजप्रवीन्हे॥कहेअंगदलोचनभरिवारी॥दुहुं
प्रकारभामरनहमारी॥इहांनसुधिसीताकरपाई॥उहांगयउमारहिकपि
राई॥पितावधेपरमारतमोही॥राषारामनिहोरेउोही॥अससकहिवचनसिं
धुतटजाई॥वैठेसवकपिदरभडसाई॥जामवंतअंगददुषदेषी॥कहेउकथ
उपदेसविसेषी॥तातरामकहेौनरजिनिमानहो॥निरगुनव्रह्मअगमअ
जजानहो॥हमसवसेवकअतिवडभागी॥संततसगुनव्रह्मअनुरागी॥
८७॥दोहरा॥निजइछाअवतरेउप्रभु॥सुरमहिगोद्विजलागि॥सगुनउपा
सिकसंगतहो॥रहहेंमोछिसवसागि॥८८॥चौपई॥यहिविधिकथा
कहिसवहोभांती॥गिरिकंदरासुनेउसंपाती॥वाहिरहोयदेषवहोकीस
मोहिअहारदीनजगदीसा॥आजुसवनकहिभछिनकरहों॥दिनव
होगयेअहारविनमरहों॥कवहुनमिलेउभरिउदरअहारा॥आजुदीना
विधिएकहीवारा॥डरपेगीधवचनसुनिकाना॥अवभामरनसत्यहम

॥किस॥ जाना॥कपिसवडरेउगीधकहिंदेषी॥जामवंतमनसोचविसेषी॥कहैअंगद
॥२३॥ विचारुमनमांही॥धन्यजटायसुसमकोउनांही॥रामकाजकारनतनत्यागी
हरिपुरगउपरमवड़भागी॥जोरघुपतिहैचरनचितलावै॥तिन्हिसमधन्यन।
अवरकहावै॥सुनिषगहरषसोकजुतवानी॥आवानिकटकपिनुभय
मानी॥तिन्हिदेषतसवचलेहैपराई॥ठाढकीन्हतिन्हिसपतदिवाई॥तिन
हैप्रेमसोंपूछसजाई॥कथासकलतिनिजाहिसुनाई॥सुनिसंपातवंधकी
करनी॥रघुपतिमहिमांवहोविधिवरनी॥८९॥दोहरा॥मोहिजाहुलेसिं।
धुतट॥देहुंतिलंजलताहि॥वचनसहायकरवमैंपैहोषोजहोजाहि॥९०
चौपई॥अनुजक्रियाकरिसागरतीरा॥कहैनिजकथासुनहोकपिवीरा॥
अमदोउवंधप्रथमतरुनाई॥गगनगयोरविनिकटउडाई॥तेजुनसहि
सकसोफिरआवा॥मैअभिमानीरविनियरावा॥जिमिजिमिमैरविनि
कटउडाऊ॥तिमितिमिसोकविकलहोयजाऊ॥जरेउपंषअतितेजअ
पारा॥परेउभूमिकरिघोरपुकारा॥मुनिएकनामचंद्रमासोही॥लागी।
दयादेषकरमोही॥वहोप्रकारतिन्हिज्ञानसिषावा॥देहजनितअभि
मानछुडावा॥त्रेताब्रह्ममनुजधनुधरही॥तासुनारिनिसिचरपतिहरही॥तासु
षोजपठइहेदूता॥तिनहेमिलेतुमहोयवपुनीता॥जमिहैपंषकरसजि
निचिंता॥तिनहेदिषायदेहतैंसीता॥यहकहिमुनिनिजआश्रमगयउ॥
तिन्हिछिनहृदयज्ञानकछुभयउ॥सदारामकरसुमिरनकरहूं॥यहविधि। ॥२३॥

मगजोवतहियधरहूं॥ मुनिकीगिरासससभईआजू॥ सुनममवचनकरहोप्र।
भुकाजू॥ वहोरिससंर्पतिवचनउचारी॥ सुनहोवातममहोहितिकारी॥ पुत्र
न मोरसुरैनतिहिनाउ॥ सेवतमोहिसदायहिठाउ॥ ९१॥ दोहरा॥ छुधावंतइक
दिनभयउ॥ कहेउपुत्रसुनिवात॥ वेगिभछिलेआवहो॥ नतोप्रानममजा
त॥ ९२॥ चौपई॥ लेआग्यासुत [illegible] सीघ्रसिधावा॥ मोहिधीरजदेवहोसम।
झावा॥ गगनमार्गहोयमहावनगयउ॥ गजम्रगरोझहनतवहोभयउ॥ अ
स्तपासिंगवहोरिघरआवा॥ छुधाकवससैक्रोधवढावा॥ ज्ञानरंकमैअध
मअभागा॥ सुतकहेआपदेनतवलागा॥ गहिममचरनकहासमझाई।
सुनहोतातमोहिवचनसुहाई॥ जवमैगयउअरन्नमैताता॥ तहांजुगएकभ
योउतपाता॥ वीसभुजादसमस्तकताही॥ आतुरचलेउजातमगमाही॥
संगनारिएकदिमअनूपा॥ वरननकोउपटतरै[illegible]रूपा॥ कोटिसुधाकर
नषवलहारी॥ रंभारति[illegible]सचीछविहारी॥ सावित्रीनषिवातदेतोला॥ रो।
मावचनपुत्रमोहिवोला॥ जंतजानितिहिधरएपचारी॥ दीन्हेउछाडिनिरषि
सोईनारी॥ करिमोहिविनयदछिनदिसगयउ॥ यहिकारनविलंवमोहि
भयउ॥ सुनतवचनमोहिलागअंगारा॥ आपनगतिविचारिहियहारा॥ मो।
हितनपंषहीनकहाकरेउ॥ आतुरजायताहिअवधरउ॥ ९३॥ दोहरा॥ पंष
हीनअवसरगयो॥ सुतवलकीनछिकार॥ गहिमोनिकटनआनेउ॥ हू
तीरामकीनारि॥ ९४॥ चौपई॥ मुनिसुतवचनसरतिमैकीन्ही॥ वहोविधि।

ओ

॥किस॥ धीरजीवककहुदीन्ही॥ यहिमिससरामजुहृत्तंपठेहे॥ सीयसुधिलेनअरनयहि
॥२५॥ ले हे॥ देषतदरसहोयवडभागी॥ तुमममगदेषतमनअनुरागी॥ मैईहां।
क रामकरसुमिरनेरऊ॥ पायोदरससवैगिनिस्तरऊ॥ गिरत्रिकूटऊपरगढलंका॥
तहांरहेरावनसहजअसंका॥ तहांअसोकउपवनजहांरहई॥ सीतावे।
ठीसोचतिअसहई॥ २४॥ दोहरा॥ मैदेषोंतुमदीषनहीं॥ गीधहेदिष्टअपार॥
विरधभयोनतकरतेउ॥ कछुकसहायतुम्हार॥ २६॥ चौपई॥ तिहिसमीपउप
मराकवागा॥ मधिनीरभरसरतडागा॥ वांधाघाटमनोहरचारी॥ कनिकसि
टीमनिजटतिसचारी॥ हीरामिलिमयभूमिसुदेषी॥ परवालनकीपालि
विसेषी॥ नीलमनिनधरिरचीकिनारी॥ मोहेनिरषिदेवतानारी॥ लहरत
विरछभूमिचहूंपासा॥ दिष्टिविलोकिनसकेअकासा॥ इरिसोकवहुवा।
गअसोगा॥ सीचिससचीपतिसदासंजोगा॥ तिहिडासतकेनिकटसुहाई॥
सरितविटपसीतलसुषदाई॥ जोनांघेसतजोजनसागर॥ करैसुरामकाज
राम मतिआगर॥ जोकोकरैकरकाजू॥ तिहिसमधनअवरनहिआजू॥ सोहि
विलोकिधरहोमनधीरा॥ रामकृपाकसभयोसरीरा॥ पावी[illegible]जाकरना।
मसुमिरिहीं॥ अतिअपारभवसागरतरहीं॥ तासहृततुमजिनकदराई॥ रा
महृदयधरिकरहोउपाई॥ असकहिउमागीधतवगयऊ॥ तिनकेमनअति
संसयभयऊ॥ कपिदलवेठिसकलएकाठांउ॥ निजनिजवलसवकरहेप
सांउ॥ देषिसमुद्रकीवाढअपारा॥ जणपपतिमिलिकरहेविचारा॥ कोअ

सवीरजोनांघपयोधी॥आयनमिरतस्त्रापुहमसोधी॥उमगिमसंद्रगगनलैता।
का॥जिन्हिविँर कुम्हारकरखाका॥जायपतालस्वर्गलगिवाढा॥सातसंद्रभ।
यउमनोगाढा॥७॥तीरतरंगसवदकरजैसे॥प्रलकालकेजलधरतैसे॥दुरगा।
मगहिरनदेवतरेनी॥उमगवहोरिजोजनलवसेनी॥मछकछभरजीवआ।
पारा॥सेयलसमानदेषितहिकरारा॥हलहरिनकेधावतपानी॥निरखे
हैनयनमूंदिमुषवानी॥जनुविनुप्रानचित्रकापुत्री॥तिन्हिविधिएकतरहे
सवउत्तरी॥९७॥दोहरा घेरिअंगदहिसवकहे॥अवकछुकरहोउपाय॥हेको
इसुभटप्रवीनअति॥समुद्रउलंघेराय॥९८॥चौपई॥वोलेउविकटसुनहो।
जवराजु॥जोजनवीसउलंघेउआजु॥नीलकहेवालिसहोंजाउ॥आगेन।
हिनपरहिममपांउ॥नीलवचनसुनिदुरधसकहई॥जोजनपचाससोहिव
लअहई॥वोलेनलदोउभुजाउठाई॥जोजनसाठिमोहिगतिभाई॥दधिमुषक
हेअसीउपरंता॥जोजनसातजावववलवंता॥सुनहोवचनसवसुभटप्रवी।
ना॥आगेहोयमोरवलहीना॥सुनिसववचनवोलेउजुवराजा॥यहिवल
होयनप्रभको काजा॥वहोदुषकरसतवअंगददेषी॥जामवंततवकहा।
विशेषी॥निरखिसकलमुषकहसिरिछेसा॥मोहिंरहेउवलप्रथमलवलेस
विरधभयोवलगयोसिराई॥मोंघतपलमहेजलनिधिभाई॥निजवलस
वहेकहेंअनुमांनी॥मानहोसपकरससनवानी॥जवदेत्रविक्रमभयउ
वरारी॥तवमेतरुनरहोवलभारी॥एकदिनवद्रकआश्रमगेयउ॥स्वरच

॥किष्॥ बिलोकिमनहरषुभयऊ॥फलभक्षनकरिपीयउपांनी॥बैठेउएकसिलासुषमा
॥२५॥ नी॥ब्रह्मज्ञानएकविप्रसुजाना॥बैठेयउतराधनभगवाना॥ताहिविधिबएक।
दानवआवा॥देषेउनेत्रक्रोधमोहिछावा॥मुनिभयदेषगयउतिहिसामू॥ब
डकुसलरकीनसकसकाम॥तीसजोजनएकअद्रुउठाई॥मारससोरगोदस
हेआई॥लागतगिरितनसहिपरहारा॥भयउक्रोधतिहिअवनिपछारा॥।
चीरेउदोउचरनकरिरीसा॥सुषपायउद्विजदीनअसीसा॥सोनहिबलअ
बतसदेवषान्यौं॥सुनतबातसबअचरजमान्यौं॥९९॥दोहरा॥बलिबांधत
प्रभवढभयउ॥सोतनवरननजाय॥उभयघरीमैहिदीन्हेउ॥सातप्रदछिना
धाय॥१००॥चौपई॥सुनतरिछिपतिमुषकीबानी॥भयउसोकाजमको।
होजानी॥यहिसमनदिनकोउसमरथा॥एजहेआजुसबनकोअरथा॥।
बांदरजूथअनंदतभारी॥वहोरिरिछपतिगिराउचारी॥अंगदकहैजांउमैं
पारा॥जीयसंसयकछुफिरतीबारा॥जामवंतकहेतुमसबलायक॥पठयउकि
मिसबहीकरनायक॥कहेउरिछपतिसुनिहनुमांनां॥कहाचुपसाधिरहेउ
बलवांनां॥पवनतनयबलपवनसमांनां॥बुधिबिवेकविज्ञाननिधांनां॥।
कवनसुकाजकठिनजगमांही॥सोनहीहोहितातपोहियांही॥रामकाज
लगितुमअवतारा॥सुनतहीभा[illegible]परवतआकारा॥कनिकवरनतनते
जविराजा॥मानहोअपरगिरिनकरराजा॥हरनसोकहितकरनसुवांनी
बोलेउहनूमानसुषमांनी॥रामकाजमैजीवप्रछेवो॥जनकसुतनसुधि
सहितदिजलधसयदक्षायेउ॥दसमुषबांधसुरतलेआंयेउ ३ ॥२५॥

देषप्रभुसेवा॥ निजउतपतिकबकहैहोसंकेता॥ सुनहोसकलबैठेयहिहेरा॥ हेमा
चलपरवतकेपासा॥ कस्यपरिषितपंतेजप्रकासा॥ दिग्गजएकऐरापतिहीस
म॥ आयोरिषिसनमुषदूरधरजिमि॥ निरषिरिषि [illegible] सकलसकाने॥ चले
नसिथलचरनभयमाने॥ तातमोररतिहिवनकोराजा॥ केसरीनामतेजबा
लसाजा॥ मुनिगजदेषितकेयोतिहिडोरा॥ हेकपिसकलसरनिहसतोरा
रिषिदुषदेषिरिस्यामनमांही॥ धायोतुरततातबलवांही॥ उभरेउताहिमुष्ट
कामारा॥ दोउदसनधरिभूमिपछारा॥ गजरत्यानगजहिगहिमारा॥ पंरे
उभूमिकरिघोरचिंकारा॥ २०॥ दोहरा॥ पितबलदेषिविसेषपुनि॥ मुनिव
रदीनअसीस॥ मांगुमांगवरुभावमन॥ होहिजपालवनीस॥ २०॥ चौपई
सानकुलकस्यपकहिजानी॥ बोलेउतातजोरकरिपानी॥ जोप्रसंन्नमोपर
भगवाना॥ पुत्रदेहुबलपवनसमाना॥ एवमस्तुकहिरिषिबनगयऊ॥ अ
गिलाचरितसुनहोजसभयऊ॥ मातामोरअंजनीसती॥ रूपअपारहोहिय
रती॥ नवसतसजेसिंगारबनाई॥ बैठीसैलसिषिरपरजाई॥ त्रिविधिसमीर
बहतसुषदाई॥ निरषतवनसोभाअधिकाई॥ चीरउडानपवनसुसरसा॥
भुजदीरघधरिचाहतपरसा॥ निरषतिमातक्रोधकरिदेही॥ लागीस्रापदेन
पुनितेही॥ मारुतमधुरवचनतवकहही॥ स्रापनदेहुवचनसुनिलहही।
तुवपतिरिषिमनसुभवरमांगा॥ तातेंमरसअंगतोहिलागा॥ निजुकोयो
धरिमिलेउनतोही॥ काहेस्रापदेतितेमोही॥ यहकरिवचनगुपतहोयरा।

॥किस॥ हेउ॥मासान्त्रानिपितामनकहेउ॥सुनिविरतंतहरखदोउभयउ॥उत्रनिमिहि
॥२६॥ ध्यानमनठयउ॥अवनिजजनमकहोउहितिताही॥सुनोसकलवनदी
पविनोही॥सुभनिछत्रसभघरीसुहाई॥जनमततभयउउठेईवरखाई॥मु
निवरदीनपवनकहुपरसा॥वीरजम्बोहिपिताकरपरसा॥उदितभयउदं
पतिहरखाने॥करिहितिकेवलमनसुमाने॥एकदिवसमाताकीगोदा॥का
रतरहेउपैयपानविनोदा॥देषेउअरुनवंधुछविलाला॥तडफिअकासगय
उतिहिकाला॥सुरयगहनजवहाथपसारा॥क्रोधतईद्रवज्रमोहिमारा॥२०३
दोहरा॥सविप्रहारमनक्रोधकरि॥धायपतंगहेलीन॥वालअवस्थ[illegible]ल
अमदि[illegible]उ॥सुरअजविसमैकीन॥२०४॥चौपई॥अंधकारवारोदिसभयउ
जपतपदानधर्मरहिगयउ॥पारवतीपतिपेसवगयउ॥निजसंतापहतसु
निभयउ॥अस्तुतिसुरनकीन्हिनिजदेत॥वोलेशिवगुनज्ञाननिकेत॥ध
रहोधीरनहोहुउदासा॥सभमिलिचलोकेसरीपासा॥शिवविरंचसुरईद्र
समेता॥आयउसवकेशरीनिकेता॥कहेसुततोरसूरजगहिलीना॥खा
समभेततिरोकिहुवदीना॥तजहोप्रानरहैप्रानभलाई॥तुमकहसुजसहो
यजगभाई॥जोमनभावलेहुवरदाना॥तजहोयतिगहोहिकल्याना॥देव
गिरासुनिसुंदरवानी॥वोल्योतातजोरजुगपानी॥अमरअजीतसकलगु
नआगार॥सुतहैदेहुवरदेवकृपाकरि॥रामभक्तिअरुनिकटनिवासी॥
यहवरदानदेहुवलरासी॥एवमस्तुसवदेवनकीनां॥सूरजसमीरछाडि।
॥२६॥

तवहसिवोलेकृपानिकेतू॥ वालिहियेआपभयोकिहिहेत
तवहिकपीसकहेसिरुनाई॥ इंद्रभीअसुरमहावलदाई॥
मनुष्ययुधकीगतिसवजानत॥ आनवलीकोमननहीलाव
त॥ एकसमैजलनिधितवगएउ॥ करिअभिमांनथाहाव
तभएउ॥ मथ्यतसिंधुव्याकुलभयेगाता॥ जीवजंतसवभ
येनिपाता॥ तवअकुलायसिंधुचलिआवा॥ वचनविचा
रताहिसमुझावा॥ तुम्हरेवलसमानमैनांही॥ वचनवि
चारकहेतुम्हपांही॥ तेहिमनतवइंद्रभीअसकहहिं॥
मोसमवलीअपरकोउअहही॥ तवसिंधुवोलेउसिरना
ई॥ हैएकदुर्गमहावलदाई॥ हिमगिरिवलकछुवरनि
नजाई॥ तेहिजीतहुकरिजायउपाई॥ सुनिसुखपाई॥
तहांचलिआवा॥ देखितहिमगिरिमनअतिभावा॥
तालेठोकगिरिलीन्हउठाई॥ तवहिमगिरिवहुकीन्ह
वडाई॥ तुम्हरेवलसमअोरनकोई॥ वचनविचारिक
हामैसोई॥ तवइंद्रभिरछतअभिमांनी॥ अोरवली

॥कि॰ तुम्हरीवलजानी॥ तिनसनजुद्धकरौंमैंजाई॥ कहोवे
गिमोहिवचनसुनाई॥ पंपापुरहितुरितचलिजाहू॥
वालिमहांवलनिधिअवगाहू॥ सुनतहिवचनतहां
चलिआवा॥ वालिवालिकहितेहिगुहरावा॥ दोहा
भेषजुकीन्हामहिषकर॥ गर्वसहितमनमांहि॥ आ
वानिकटसुनग्रके॥ नैकोनभैमनमाहि॥ चौपई
अवनीमेरुमकरनिपाता॥ गर्जेउघोरमनहुपविपाता॥
ठोकेउतालवज्रजनुपरही॥ कठिनवचनसुनिकेम
वडरही॥ पंपापुरव्याकुलसवभएउ॥ चंद्रहिग्रसनरा
हुजनुगएउ॥ सुनतवालिधावातनकाला॥ देषिअ
सुरभुजदंडकराला॥ भिरेदोऊअतिबलकरिआई॥
मल्लयुधकछुवरनिनजाई॥ उभयघरीसवकौतुक
भयेउ॥ मुष्टिप्रहारकरतकपिभयेउ॥ निसराकुधिर
धारमुषमांहीं॥ व्याकुलगातगिराेमहिमांहीं॥ त
वहिंअसुरउठनहिपावा॥ चरनपकरिकैतुरितफि

रावा॥ निजबलसोफैंकतभुनिदयेऊ॥ रिष्यमूकगि
रऊपरपरेऊ॥ गिरोआइतंहमैलसमाना॥ दानवजं
तुटूटेतरुनाना॥ तेहिगिरिपरमुनिकुटीसुहाई॥ रु
धिरप्रवाहभयेउतंहजाई॥ सूनसदनकोकरैनिवा
रन॥ मुनिजुगएमंजनकेकारन॥ मंजनकरिमतंग
ऋषिआयेउ॥ देषिकुटीजियसोचवढायेउ॥ तबऋ
षिमनवहुतेअकुलाई॥ देषिचरित्तकछुवरनिन
जाई॥ तवहिविचारकरतमनमांही॥ जलुएकचलि
आवातहांही॥ तेहितवकहीसकलइतिहासा॥ ऋ
षिमतंगभएक्रोधनिवासा॥ दीन्हक्रोधकरिश्रापा
मतंगा॥ आवैइहिगिरितोरिपुतनभंगा तहिडरतै
वालीनहिआवत॥ ऋषिकेवचनजानि नियपा
वत॥ ऋषिभारोसतैंगिरिपररहऊ॥ वालिकिजत
नविचारतरहऊ॥

तवदीना॥ देवरदानदैवसवगायउ॥ विवर उवनदैमहासुषभयउ॥ मातता
तकरब्रांसमाना॥ सुक्रजो हितानामहनूंमाना॥ तजहोमोवभ्रानहुमनधी
रा॥ मैसेवकनिश्चैरघुवीरा॥ सिंघनादकरिवारहिवारा॥ लीलहिनांघैंज
लनिधिषारा॥ सहितिसहायरावनहिमारी॥ भ्रानोईहांत्रिकूटउपारी॥
जांवंतमेपूछोतोही॥ उचितसिषावनदीजेमोही॥ इतनाकरहोमाततुम
जाई॥ सीतहिदेषिकहहोसुधिभ्राई॥ यहितेभ्रधिकसिषावननांही॥ वे
गिकरहोतुमधरिमनमांही॥ तुवनिजुभुजवलराजीवनयना॥ कौंतिक
लागिसंगसभसयना॥ १०५॥ छंद॥ कपिसेनसंगसंघारिनिश्चररामसीत
हेभ्रानिहै॥ त्रैलोकपावनसुजससुरमुनिनारदादिवषानिहै॥ जोसुनत
गावतकहतसमुझतपरमपदतेपावही॥ रघुवीरपदपाथोदमधुकरदा
सतुलसीगावही॥ १०६॥ दोहरा॥ भवभेषजरघुनाथजस॥ सुनहिजेनर
भ्ररुनार॥ तिनकरसकलमनोरथ॥ सिधिकरहेत्रिपुरारि॥ १०७॥ सोरठा॥ नी
लोसलतनस्याम॥ कामकोटिसोभाभ्रधिक॥ सुनईतासुगुनग्राम॥ जा
सुनामभ्रघषलवधिक॥ १०८॥ इतिश्रीरामचरतमानसेसकलकलि
कलुषविध्वंसनेसिधिसंतोषसंपादनीनामचतुर्थोसोपान॥ किसकिंधा॥
दोहरा॥ जांमवंतकहैपवनसुत॥ तुमगुनवलजोभ्रनंत॥ तुम
सीतासुधिलांहो॥ भ्ररुभ्राइहोतुरंत॥ ४॥
(व)

॥सुंदर॥ ॐ स्वस्ति श्री गणेशाय नमः॥ ॐ श्री मते रामानुजाय नमः॥ श्लोक॥ श्री राम
ॐ सामांसुतंत्रेमवचनदानिर्वनः॥ ख्यातीप्रदत्रह्मसिंभफुनिद्धससससमेवी
॥१७॥ सविभुरामरामथंजगदीसस्वरंमुरगुरुंमायामानुषं॥ हरिवंदेहंकरुणाक
रंरघुवरंभूपालचूडामणि॥ १॥ नानास्पृहीयंहारघुपतिहृदयं॥ सेसहिमि
ववित॥ चभवाम्मालीनरायं॥ भक्तिप्रियारघुपुगवानि॥ र्भिरमेंकमदी
दोषरहिताकरमामामंवा॥ २॥ अतुलितवलधामसखरनेंसलाभदेहं॥ द
नुजवनकृसांज्ञाननामाग्रगम्यं॥ सकलगुननिधानंवानरानामधीसं॥
रघुपतिवरिइतंवातजातंनमामि॥ ३॥ चौपई॥ जामवंतकेवचनसुहाये॥ सुन
हनूमानहृदयअतिभायें॥ तवलगमोहिपरषेतुमभाई॥ सहदुषकंदमू
लफलषाई॥ जवलगआवोंसीतहिदेषी॥ होइहिकाजमोहिहरषविसेषी॥
अमकहिनाइसभनकहिमाथा॥ चलेपाहरषहियधरिरघुनाथा॥ सिंधु
तीरएकभूधरसुंदर॥ कौतककूदचढोताऊपर॥ वारवाररघुवीरसंभारी
तरकेपवनतनयवलभारी॥ जिहिगिरचरनधरेसोहनुमंता॥ चलेसा
पमि सोगिरिपातालतुरंता॥ जिमिअमोघरघुकरबाना॥ ऐसीभांतचलेसोह
नुमाना॥ जलनिधरघुपतिदूतविचारी॥ कहिमेनाककरहुश्रमहारी
४॥ सोरठा॥ सिंधुवचनउरआन॥ तुरतउठोमेनाकतव॥ कपिकहुकीन्ह
प्रनाम॥ पुलकिततनकरजोरकह॥ ५॥ दोहरा॥ हनूमानतिहिपरसा
करपुनतिहिकीनप्रनाम॥ रामकाजकीनेविनामोहिकहांविश्रांम॥ ॥१७॥

६॥ चौपई। जातपवनसुतदेवनदेषा॥ जानेंकहावलवुधविसेषा॥ सुरसा
नामअहिनकीमाता॥ पठईआइकहीतिहिवाता॥ आजुसुरनमोहिदी
नअहारा॥ सुनतवचनकहिपवनकुमारा॥ रामकाजकरफिरमैंआऊं
सीताकीसुधिप्रभुहिसुनाऊं॥ तवतववदनपैठिहौंआई॥ सत्यकहौंमो
हिजानदेमाई॥ कौनेहूंजतनदेहनहिंजाना॥ ग्रससिनमोंहिकहेउहनुं
माना॥ जोजनभरतिहिवदनपसारा॥ कपितनकीनदुगनविस्तारा॥
शोरहजोजनमुषतेंहिठऊ॥ तुरतपवनसुतवतीसभएऊ॥ जसजससुर
सावदनवढावा॥ तासुदुगुनकपिरूपदिषावा॥ सतजोजनतिहआन
नकीन्हा॥ अतिलघुरूपपवनसुतलीन्हा॥ वदनपइठपुनवाहिरआ
वा॥ मांगीविदातासुसिरनावा॥ मोहिसुरनजिहिलागपठायौं॥ वुधि
वलमरमतोरमेंपायौं॥७॥ दोहा॥ रामकाजसवकरहुतुमहौंवलवुध
निधान॥ आसिषदेसुरसागईहरषचलेहनूमान॥८॥ चौपई॥ निशच
रिएकसिंधमेंरहई॥ करिमायानभकेषगगहई॥ जीवजंतजेगगनउडां
हीं॥ जलविलोकतिनकीपरछांहीं॥ गहैछाहसकसोनउडाई॥ यह
विधिसदागगनचरषाई॥ शोछलहनूमानसोंकीन्हा॥ तासुकपटक
पितुरतहीचीन्हा॥ ताहिमारिमारुतसुतवीरा॥ वारिधपारगयोमतधी
रा॥ तहांजाइदेषीवनसोभा॥ गुंजतचंचरीकमधुलोभा॥ नानातरुफ
लफूलसुहाये॥ षगमृगवृंददेषिमनभाये॥ सैलविशालदेषिइक

॥सुंदर॥ अागे॥ तापरधाइचढ़ेउभयसागे॥ उमांनकछुकपिकेअधिकाई॥ प्र
॥२८॥ भुप्रतापजेकालहिषाई॥ गिरियरचढ़ितिहिलंकादेषी॥ कहिनजाइअ
तिदुरगविसेषी॥ अतिउतंगजलनिधिचहुंपासा॥ कनककोटकरपर
मप्रकासा॥ ९॥ छंद॥ कनककोटविचित्रमनकृतसुंदराइतिअतिघना॥
चौहिसकंगूरनलालवीथिनचारपुरवहुविधिवना॥ गजवाजषच्चर॥
निकरपदचररथविरूथनकोगनै॥ वहुरूपनिसिचरजूथअतिवलसैन
वरनतनहिंवनै॥ १०॥ छंद॥ वहुवागउपवनवाटकासरकूपवापीसोह
ई॥ नरनागसुरगंधर्वकंन्यारूपमुनमनमोहई॥ कहुंमल्लदेहिविसा॥
लसैलसमानअतिवलगरजही॥ नानाअषारेनभिरहिवहुविधिए
कएकनतर्जही॥ ११॥ छंद॥ करजतनभटकोटिनविकटतननगरवहु
विधिरछही॥ कहुंमहिषमांनषधेनुषरअजषलनिशाचरभछही॥
इहिलागितुलसीदासइनकीकथाकछुइककहीही॥ रघुवीरसरतीर
थसरीरतजिसागगतिपैहैसही॥ १२॥ दोहरा॥ पुररषवारेदेषिकैकपि
मनकीन्हविचार॥ अतिलघुरूपधरौंनिसिनगरकीयोपैसार॥
चौप १३॥ चोपई॥ मसकसमानंदेहिकंधरी॥ लंकहिचल्योसुमरनरहरी॥
नामलंकनीएकनिसचरी॥ सोकहिचल्योमोहिनिदरी॥ जान॥
हिनहीमरमसठमोरा॥ मोरअहारजहांलगिचोरा॥ मुष्टिकाएकमहा
कपिहनी॥ रुधिरवमनधरनीढनमनी॥ पुनसंभारउठीसोलंका॥

जोरपानकरविनयससंका॥ जवरावनहिब्रह्मवरदीन्हा॥ चलतविरंचिक।
मल
हामोहिचीन्हा॥ त्रेतारावनअवतरहीं॥ भगतहेतमानुषतनधरहीं॥ ता
सुनारिनिसचरपतिहारिहै॥ सोइकअपनाइतपठैहै॥ विकलहोंससितिहि
कपिकेमारे॥ तवजानिसनिसचरसंघारे॥ तातमोरअतिपुन्यवहूता॥
देषेंनैनरामकरदूता॥ २४॥ दोहरा॥ तातस्वरगअपवरगसुषधरेतुला।
एकअंग॥ तुल्लनताहिसकलमिलजोसुषलवसतसंग॥ २५॥ चौपई॥
प्रवेसनगरकीजैसवकाजा॥ हिरदैयराषिकोसलपुरराजा॥ गरलसुधारि
पुकरहिमिताई॥ गोपदसिंधुअनलसितलाई॥ गिरअसमेरुरेनसम।
ताही॥ रामकृपाकरचितवैजाही॥ अतिलघुरूपधरेउहनूमाना॥ पैठो।
नगरसुमरभगवाना॥ मंदरमंदरप्रतकरसोधा॥ देषेजहांसहांअगनि
तजोधा॥ गएउदसांननमंदरमांही॥ अतिविचित्रकहजातसोनांही॥।
सयनकीयेदेषाकपीतेही॥ मंदरमहुनदीषवैदेही॥ भवररूपतवकाननसागा॥ दे
भईदुर्गंधदूरतेभागा॥ मंदप्राणआएउकपितहां॥ सोवतकुंभकरणरहेजहां
अतिअकायतनवरननजाई॥ चौतिसयोजनकीचकराई॥ योजनतीनतीन
करकाना॥ वाईसयोजनवाहुवषानी॥ नाभिगंभीरकूपजनकेरा॥ योजनवी
सपीसकरफेरा॥ योजनदोइमूछरहेठाढी॥ योजनचारताहिकीदाढी॥ योज
नएकनाकिभयदाई॥ सत्रहयोजनजांघलमाई॥ उदरकीरष्याकहीनहीजाई
मानहुकालदेहिधरिआई॥ दोहरा॥ षटमासकीनींदसोसिसोवेसदजनअसंक
वाजनवाजनजुझाउवहुअतिनिसंकवलवंक॥ चौपई॥ देषिवीरतवअचरजमाना

॥कसुताकोइदेइदेषाई॥फिरेउचितनवइपवनकुमारा॥
॥ग्रहग्रहप्रतसोधावइसारा॥

निसचरस्कालरूपसमनाना॥सोचेलागकहोंअवजाऊं॥काहुद्रससीताकेपाऊं॥वि
नुदेषसीतहिजोजांऊ॥केसेप्रभुकोमुषदिषराऊं॥सवकपिकरहिमोरउपहासा
लछिमनमोहिदिषावहिंत्रासा॥जामवंतपूछहिंकुसलाता॥नीकेअहहीजा
नकीमाता॥कवनउतरदेहोतिनजाई॥मनमहिपवनतनयपछताई॥निसिचर
घोरभयंकररहई॥सीतासुधिकोऊनहिकरुई॥पूछौंकाहुदेइपनहाई॥जन
भवनएकपुनदीषसुहावा॥हरिमंदरतहांभिन्नवनावा॥२६॥दोहरा॥
रामायुधअंकृतगृहसोभावरननजाइ॥नवतुलसीकावृंदतहांदेषि
हरषकपिराइ॥२७॥चौपई॥लंकानिसचरनिकरनिवासा॥इहांका
हांसज्जनकरवासा॥मनमहितरककरनकपिलागा॥तेहीसमैविभी
षनजागा॥रामरामकरसुमरनकीन्हा॥हिरदयहरषकपिसज्जनची
न्हा॥इहिसनहठकरहोंपहिचानी॥साधतेहोइनकारजहानी॥विप्र
रूपधरिवचनसुनाये॥सुनतविभीषनउठितहांधाये॥करप्रनामपूछी
कुशलाई॥विप्रकहोनिजकथावुझाई॥केतुम्हहरिदासनमेंकोऊ॥मो
रेहिरदेंप्रीतअमंहोऊ॥कतुमरामदीनअनुरागी॥आएमोहिकरनव
डभागी॥२८॥दोहरा॥तवहनूमांनकहीसुसवरामकथानिजनांम॥
सुनतजुगलमनपुलकतनसुमरमगनगुनग्राम॥२९॥चौपई॥लंका
निसअरवसहिंअगाधा॥तुमकसवसहुविभीषनसाधा॥सुनहुपवनसु
तरहनहमारी॥जिमदसननमेजीभविचारी॥तातकवहुंमोहिजानिअ
नाथा॥करहेंक्रिपाभानकुलनाथा॥तांमसतनकछुसाधननांही॥

प्रीतनपदसरोजमनमांही॥ अवमोहिभाभरोसहनमंता॥ विनहरिकृपामि
लहिनहीसंता॥ जोरघुवीरअनुग्रहकीनो॥ तौतुमहिहठिदरसनदीनों॥
सुनहुविभीषनप्रभुकीरीती॥ करहिसदासेवकपरप्रीती॥ कहहुकवनमै
परमकुलीना॥ कपिचंचलसवहीविधिहीना॥ प्रातलेइजोनामहमारा॥
तादिनताहिनमिलैअहारा॥२०॥ दोहरा॥ असमैअधमसखासुनमो॥
हिपररघुवीर॥ कीनसुकृपाजुसुमरगुनभरेविलोचननीर॥२१॥ चौपई॥
जानतहूअसस्वामिविसारी॥ तेफिरकाहेनहोहिदुखारी॥ इहिविधिकहे
रामगुनग्रांमां॥ पायोअमितवासविश्रांमां॥ पुनसवकथाविभीषनक
हही॥ जिहिविधिजनकसुताजहरहही॥ तवहनुमंतकहीसुनभ्राता॥ दे
षनचहोजानकीमाता॥ जुगतविभीषनसकलसुनाई॥ चलोपवनसु
तविदाकराई॥ करसोईरूपगयोपुनजहंवा॥ वनअसोकसीरहितहंवा॥ ता॥
देषिमनहिमनकीन्हप्रनामा॥ वैठहिवीतगईनिसजामा॥ तनकृससी
सजटाइकवेनी॥ जपतहृदयरघुपतिगुनश्रेनी॥२२॥ दोहरा॥ निजपद
नैनसुहृदयमनरामचरणमहलीन॥ परमदुषतभायवनसुतदेषजा
नकीदीन॥२३॥ चौपई॥ तरुपल्लवमेरहालुकाई॥ करैविचारकरौंकहा
भाई॥ तिहिअवसररावनतहांआवा॥ संगनारिवहुकियेवनावा॥ वहुवि ना॥
धिषलसीतहिसमझाई॥ सामदामभैभेददिषाई॥ कहरावनसुनसुमु
षसयानी॥ मंदोदरीआदसवरानी॥ तवअनुचरीकरोंपनमोरा॥ एकवि

वारविलोकममओरा॥ त्रिनधरिओटकहतवैदेही॥सुमरुअवधपतिपर
ममसनेही॥सुनदसमुषषद्योतप्रकासा॥कवहुंकिनलनीकरहिविगासा
असमनसमझकहतहेजानकी॥षलसुधनहिंरघुवीरवानकी॥सठसू
नेहरिआनैमोही॥ अधमनिलजलाजनहितोही॥२८॥दोहरा॥आप
हिसुनषद्योतसमरामहिभानसमान॥सीयावचनसुनकाढिअसवो
लोअतिषिसयान॥२५॥चोपई॥सीतातैममकृतअपमाना॥कटिहोत
वसिरकठनकृपाना॥ नाहितोसपदिमानममवानी॥सुमुषहोततनतजी
वनहानी॥ सामसरोजदांमसमसुंदर॥प्रभुभुजकरसमदसकंदर॥तव। नद॥
सिस्काटसकलकुलतोरा॥ सुनसठअसप्रवानपनमोरा॥चंद्रहाससहरि
ममपरतापं॥रघुपतिविरहिअनलसंतापं॥सीतलनिसतवअसवल।
धारा॥ कहिसीताहरिममदुषभारा॥सुनतवचनतवमारनधायो॥मय।
तनयाकहिनीतवुझायो॥कहिससकलनिसचरनवुलाई॥सीतहिव।
हुविधित्रासहुजाई॥ मासदिवसमहुकह्योनमाना॥तोमेमारवकठनकृ
पाना॥२६॥दोहरा॥भवनगयोदसकंधतवइहांपिसाचनवृंद॥सीतहित्रा
सदिषावहीधरहिरूपवहुमंद॥२७॥चोपई॥त्रिजटानामराछसीएका॥रा
मचरनरतिनिपुनविवेका॥सवहुनवोलसुनायससुपना॥सीतहिसेइ
करहुहितअपना॥सपनेंहुवांनरलंकाजारी॥जातधानसेनासवमारी
षरआरूढनगनदससीसा॥ मुंडितसिरषंडितभजवीसा॥ इहिविधि।

सोदछ्छिनदिसिजाई॥ लंकामनहुबिभीषनपाई॥ नगरफिरीरघुबीरदुहाई॥
तवप्रभुसीतावोलपठाई॥ यहसुपनामैंकहोंपुकारी॥ होइहैसत्यगएदिन
चारी॥ तासुवचनसुनतेसवडरी॥ जनकसुताकेपाइनपरी॥ १०॥ दोहरा॥
जहंतहंगईसकलतवसीताकरमनसोच॥ मासदिवसवीतेमोहिमारहिनि
शिचरपोच॥ ११॥ चौपई॥ त्रिजटासनवोलीकरजोरी॥ मातविपतिसंगनि
तैंमोरी॥ तजौंदेहकरवेगिउपाई॥ दुसहविरहअवसहिंजाई॥ आनका। न॥
ठरचिचितावनाई॥ मातअनलपुनदेहुलगाई॥ सतकरहुममप्रीतसया
नी॥ सुनैकोश्रवनशूलसमवानी॥ सुनतवचनपदगहिसमुझाई॥ प्रभु
प्रतापवलसुजससुनाई॥ निसनहींअनलमिलेसुकुमारी॥ असकहि
सोनिजभवनसिधारी॥ कहिसीताविधिभाप्रतिकूला॥ मिलेनपावक।
मिटैनसूला॥ देखियतप्रगटगगनअंगारा॥ अवनिनआवैएकोतारा॥
पावकमयससिश्रवतनआगी॥ जांनतजासोमोहिअभागी॥ सुनससवि
नयममविटपअसोका॥ सत्यनामकरहरममसोका॥ नूतनकिसल
यअनलसमाना॥ देहिअगनमुहिकरहिनिदाना॥ देषतकपिविरहा
कुलसीता॥ सोछिनकपिहिकलपसमवीता॥ १०॥ सोरठा॥ कपिकरहि
दयविचार॥ दीन्हमुद्रिकाडारतव॥ जानअसोकअंगार॥ दीनहरषकर
उठिगह्यो॥ १२॥ चौपई॥ तवदेषामुद्रिकामनोहर॥ राममनामअंकितअति
सुंदर॥ चकृतचितवमुद्रिकापहिचानी॥ हरषविषाददिहैअकुलानी॥

॥सुंदर॥

जीतकेंासकैंअजैरघुराई॥ मायातेअसिरचीनजाई॥सीतामनविचारकरना
नां॥ मधुरवचनवोलहनुमांना॥रामचंद्रगुनवरननलागा॥सुनतहिसी
ताकरदुषभागा॥ लागीसुननश्रवनमनलाई॥अवनांमतजिहिकथासु
नाई॥कहिनप्रगटिहोसकैनभाई॥आदहूंतेसवकथासुनाई॥तवहनु।
मंतनिकटचलगयो॥ फिरवैठीमनविसमैभयो॥रामदूतमैंमातजान
की॥ससमपतकरुनानिधानकी॥यहमुद्रकामातमैंआंनी॥दीन्हरा
मतुम्हकहसिनिसांनी॥नरवांनरहिसंगकहुकैसे॥कहीकथासंगत।
भईजैसे॥३२॥दोहरा॥कपिकेवचनसुमसमुनउपज्योमनविस्वास॥जाना
मनक्रमवचमयहकृपासिंधुकरदास॥३३॥चौपई॥हरिजनजानप्रीत।
अतिवाढी॥सजलनयनपुलकावलिठाढी॥वूडतविरहजलधहनूं।
माना॥भयोतातमोकोंजलजाना॥अवकहुकुसलजांऊंवलिहारी॥।
अनुजसहितसुषभवनषरारी॥कोमलचितकृपालरघुराई॥कपिक
हिंहेतधरीनिठराई॥सहजवानसेवकसुषदाई॥कवहुकसुरतकरत।
रघुराई॥कवहूंनैनममसीतलताता॥हदैनिरषस्यामम्रदुगाता॥वच।
ननआवनैनभरवारी॥अहोनाथमैंनिपटविसारी॥देषिपरमविरहा
कुलसीता॥वोल्योकपिम्रदुवचनविनीता॥मातकुसलप्रभअनुज।
॥६२ समेता॥ तवदुषदुषीसोकृपानिकेता॥जनजननीमानसजियऊना॥।
तुम्हतेप्रेमरामकहिंदूना॥३४॥दोहरा॥रघुपतिकरसंदेसअवसुनज

ननीधरिधीर॥असकहिकपिगदगदगिराभरेविलोचननीर॥३५॥दोहरा॥
निसवासुरसोचतरहैंरामचंद्रहियेसीय॥तुमतोनेकनआगहअरोकठंकीये नर॥
तमहीय॥३५॥दोहरा॥रामवंसभोमनवसतमैजवसततमनराम॥यहीप्रा।
कमसरुषकोंकोंऊहिनततहांजन्मएम॥३५॥चौपई॥कहियोरांमवियो।
गतवसीता॥मोकहिसकलभयोविपरीता॥नूतनकिसलैमनहुकृ।
सानू॥कालनिसासमनिससिभानू॥कुवलयेविपनकंटवनसरसा।
वारधतपित्ततेलजनुवरसा॥जिहितरुरहितकरततेईपीरा॥उरगस्वा।
ससमत्रिविधिसमीरा॥कहितेदुषकछुघटनहिजोई॥कहाकहियेदु
षजाननकोई॥ससप्रेमकरममअरुतोरा॥जानतप्रियाएकमनमोरा।
सोमनरहितसदातवपाही॥जानप्रीतिरसुएतनहिमांही॥प्रभुसंदे
ससुनतवैदेही॥मगनप्रेमतनसुधिनहीतेही॥कहिकपिहृदयधीरध
रमाता॥सुमररामसेवकसुषदाता॥उरआनहुरघुपतिप्रभुताई॥सुन
ममवचनतजहुकदराई॥३६॥दोहरा॥निसचरनिकरपतंगसमरघुप।
तिवानकृसान॥जननीहृदयसुधीरधरिजरेनिसाचरजान॥३७॥चौपई
जोरघुवीरहोतसुधिपाई॥करतेनहीविलंवरघुराई॥रामवानरवउदेउ
जांनकी॥तमवरुथकोजातधांनकी॥अवहिमातमैजांउलिवाई॥।
प्रभुआयुसनहीरांमदुहाई॥कछुकदिवसजननीधरधीरा॥कपिन
सहितअैहेरघुवीरा॥निसचरमारतोहिलेजेहे॥तिहुंपुरनारदादिज

॥सुंदर॥ मेगेहै॥ हेसुतकपिसबतुमहसमाना॥ जातधानअतिभटबलवाना॥
मेरेहृदयपरमसंदेहा॥ सुनकपिप्रगटकीननिजदेहा॥ कनकभूधराका
रसरीरा॥ समरभयंकरअतिबलबीरा॥ सीतामनभरोसतबभयो॥ पुन
व लघुरूपपवनसुतलयो॥३८॥दोहरा॥ सुनमातासाखामृगनहीबल॥
बुधविसाल॥ प्रभुप्रतापतेगरुडकोखाइपरमलघुमाल॥३९॥चौपई॥
मनसंतोषसुनतकपिबानी॥ भक्तिप्रतापतेजबलसानी॥ आसिषदी
नरामप्रियजाना॥ होहुतातबलसीलनिधाना॥ अजरअमरगुननि
धिसुतहोहू॥ करहिंबहुतरघुनायकछोहू॥ करहकृपाप्रभुअससुनका
ना॥ निरभयप्रेममगनहनुमाना॥ बारबारपदनायेउसीसा॥ बोल्योबच
नजोरकरकीसा॥ अबकृतकृतभयोमैमाता॥ आसिषदईअमोघविख्या
ता॥ सुनहुमातमैअतिसैभूखा॥ लागिदेखसुंदरफलरूखा॥ सीतानिस
पांचफलपावै॥ सोसीताहनुमंतखबावै॥ तेफलहनमतपायेजबही॥
व लालचलागेहुतकोतबही॥ तबसीताकहुपूछतआही॥ एकबिटपके
आही एफल॥ सुनसुतबिपनकरहिरखवारी॥ परमसुभटरजनीचरभारी॥ ति
नकरभयमातामोहिनांही॥ जोतुमसुखपावहुमनमांही॥४०॥दोहरा॥
देखिबुधबलनिपुनकपिकहोजानकीजाहु॥ रघुपतचरनहृदैधर
तातमधुरफलखाहु॥४१॥चौपई॥ चल्योनाइसिरपैठ्योबागा॥ फल
खाइमतरूतोरनलागा॥ रहैतहांबहुभटरखवारे॥ कछुमारेकछुजाइपु

कारे॥नाथएकआवाकपीभारी॥तेहिंअसोकवाटकाउजारी॥षायेसिफल
अरुबिटपउपारे॥रछकमरदमरदमहिडारे॥सुनतबचनपठएभटनाना॥
तिनहिदेखिगरजाहनुमांना॥सबरजनीचरकपीसंघारे॥गयेपुकारतक
छुअधमारे॥पुनपठयेतिहिअछकुमारा॥चलासंगलेसुभटअपारा॥
आवततेदेखिबिटपगहितरजा॥ताहिनिपातमहाधुनगरजा॥४३॥दोहा॥
कछुमारेकछुमरदेसेकछुमिलायधरिधूर॥कछुपुनजाइपुकारहेप्रभु
मरकटबलभूर॥४३॥चौपई॥सुनसुतबधलंकेसरिसाना॥पठएसिमेघ घ॥
नादबलवाना॥मारसजिनसुतबांधिसताही॥देषोंकपिहिकहाकर।
आही॥चलाइंद्रजितअतुलजोधा॥बंधुबधनसुनउपज्योक्रोधा॥क
पिदेष्योदारुनभटआवा॥कटकटायगरज्योअतिधावा॥अतिबिसाल
तरुएकउपारा॥बिरथकीन्हलंकेसकुमारा॥रहेमहाभटताकेसंगा॥
गहिगहिकपिमरदेनिजअंगा॥तिनहिंपातिताहिसनबाजा॥भिरेजुग
लमांनोगजराजा॥मुष्टकामारचढ़ोतरुजाई॥ताहिएकछिनमूर्छा।
आई॥उठबहोरकीनसबहुमाया॥जीतनजाइप्रभंजनजाया॥४४॥दो
हरा॥ब्रह्मअस्त्रतिहिसांधयोकपिमनकीनबिचार॥जोनब्रह्मसरमांन
होमहिमांमिटैअपार॥४५॥चौपई॥ब्रह्मबचननहीमानेजोऊ॥रामच
रनतेबेमुषसोऊ॥ब्रह्मबानकपिकहितिहिमारा॥परतिहिबारकटक
संघारा॥तिहिदेषाकपिमूर्छितभयो॥नागफांससबांधिसलेगयो॥जा।

॥सुंदर॥ सुनामजपसुनहुभवानी॥ भववंधनकाटहिमुनिज्ञानी॥ तासुदूतकिम
वंधनआवा॥ प्रभुकारजलगिआपुवंधावा॥ कपीवंधनसुननिसिचर
धारे॥ कौंतकलागिसभामहसारे॥ दसमुखसभादीखकपीजाई॥ क
हिनजायकछुअतिप्रभताई॥ करजोरेसुरदिसपविनीता॥ भृकुटवि
लोकहिसकलसभीता॥ देखप्रतापनकपिमनसंका॥ जिमअहगण
महिगरुडअसंका॥४६॥ दोहरा॥ कपिहिदेखिदसकंधतवविहिसक
हादुरवाद॥ सुतवधसुधिकीनसतवहिउपजाहदैविषाद॥४७॥ चौपई॥
कहिलंकेसकवनतैकीसा॥ किंहिकेवलघालिसवनषीसा॥ कहिते
श्रवनसुन्योनहीमोही॥ देखोंअतिअसंकसठतोही॥ मारेनिसचरकि
हिअपराधा॥ सुनसठतोहिनप्रानकीवाधा॥ सुनरावनब्रसंडनिका
या॥ पाइजासबलविरचितमाया॥ जाकेवलविरंचहरिईसा॥ पालत
श्रजतहरतदससीसा॥ जावलसीसधरतसहसानन॥ अंडजकोस
सहितगिरकानन॥ धरैजुविविधिदेहसुरत्राता॥ तुमसेअधमसिषा
वनदाता॥ हरिकोदंडकठिनजिहिभंज्यौ॥ तवसमेतनृपदलवलगं
ज्यो॥ षरदूषनत्रिसराअरुवाली॥ वधेसकलअतुलतिवलसाली॥
४८॥ दोहरा॥ जाकेवललवलेसतेजितेचराचरझार॥ तासुदूतमेजा
हिकरहरिआनीप्रियनार॥४९॥ चौपई॥ जानतमैतुम्हारप्रभताई॥
सहसवाहुसनपरीलराई॥ समरवालसनकरजसपायो॥ सुनक

पिवचनविहसिबवहरायो॥ षायेफलप्रभूलागीभूषा॥कपिसुभावतें
तोरेरूषा॥सवकेदेहपरमप्रियस्वामी॥मारहिमोहिकुमारगगामी॥जो
मोहिमारैंतेमैमारे॥तिहिपरबांधेतनयतुम्हारे॥मोहिनकछुबांधेकी
लाजा॥कीनचहौंनिजिप्रभुकोकाज्जा॥विनतीकरौजोरकररावन॥
सुनहुमानुतजमोरसिषावन॥देषहुतुम्हनिजकुलहिविचारी॥भ्र
मतजभजहुभक्तभयहारी॥जांकेडरअतिकालडराई॥सोसुरअसु
रचराचरषाई॥तासोंकवहूंवैरनहीकीजे॥मोरेकहेजांनकीदीजे॥५०
दोहरा॥प्रणपालनरघुवंसमनकरुनासिंधुषरार॥गयेसरनप्रभुरा
षिहै॥सवअपराधविसार॥५१॥चौपई॥रामचरनपंकजउरधरहू॥
लंकाराजुअचलतुमकरहू॥रिषपुलस्तजसविमलमयंका॥तिहि
ससिमहुजनहोहुकलंका॥रामनामविनगिरानसोहा॥देषिविचा
रत्यागमदमोहा॥वसनहीननहीसोहसुरारी॥सुभभूषनभूषित
वरनारी॥रामविमुषसंपतिप्रभुताई॥जाइरहीपाईजिनपाई॥स
जलभूमजहिसरतनभाई॥वरषागयेपुनितवहीसुकाई॥सुनद
सकंठकहौपनरोपी॥विमुषरामत्रातानहीकोपी॥संकरसहस
विस्नुअजतोही॥राषनसकैरामकरद्रोही॥५२॥दोहरा॥मोहमूल
वहुसूलप्रिदत्यागहुतमअभिमान॥भजहुरामरघुनाइककहिकृ
रुणासिंधुभगवान॥५३॥चौपई॥जदपिकपिकहिहितवांनी॥भ प्रिय

॥सुंदर॥ त्रिविवेकत्तेजवलसानी॥वोल्योविहसमहाअभिमांनी॥मिल्योहमहि
पि कँवडगुरुग्यानी॥मृत्युनिकटआईषलतोही॥लागेयाअधमसिषा।
वनमोही॥उलटाहोइकहैहनुमांनां॥मतिभ्रमप्रगटतोरमैंजाना॥।
सुनकपिवचनवहुतषिसआना॥वेगनहुनहुमूढकरप्राना॥सुनत
निसाचरमारनधाऐ॥सचवनसहितविभीषनआऐ॥नायसीसकरवि
नयवहूता॥नीतविरोधनमारियेदूता॥आवरदंडकछुकरीयेगुसांई
सवहीकहामंत्रभलभाई॥सुनतवचनवोल्योदसकंधर॥अंगभंगक
रपठवहुवंदर॥५४॥दोहरा॥कपिकेममताऐंछपरसवहिकहोसम
झाइ॥तेलवोरपटवांधिपुनपावकदेहुलगाइ॥५५॥चौपई॥पूंछही
नवांदरतहांजैहै॥तवसठनिजनाथहिलैआहै॥जिनकीन्हसवहुतव। की॥
डाई॥देखोमैतिनकीप्रभताई॥वचनसुनतकपिमनमुसकाना॥भई।
सहायसारदमैजाना॥जातुधानसुनरावनवचना॥लागेकरनमूढ।
सोरचना॥रह्योननगरवसनघृततेला॥वाढीपूछकीन्हकपिषेला।
कोतककहआयेपुरवासी॥मारहिचरनकरहिवहुहासी॥वाजहिढो
लदेहसभतारी॥नगरफेरपुनपूछप्रजारी॥पावकदेषिजरतहनुमं
ता॥भयोपरमलघुरूपतुरंता॥निवगचढ्योकपिकनकअटारी॥भ
येसभीतनिसाचरनारी॥५६॥दोहरा॥हरिप्रेरततिहिअवसरचलेम
रुतउनचास॥अट्टहासकरगरजकपी॥वढगातुरतआकास॥५७॥

चौपई॥ देहविसालपरमहरुवाई॥ मंदरतेमंदरचलिजाई॥ जरैनगरभये
लोगविहाला॥ झपटलपटबहुकोटकराला॥ तातमातहासुनियेपु।
कारी॥ इहअवसरकोऊहमहिउवारी॥ हमजोकहोयहकपिनहि।
होई॥ वांनररूपधरेसुरकोई॥ साधअवग्याकरफलऐसा॥ जरैनगर
अनाथकरजैसा॥ जाहोनगरनिमषइकमांही॥ एकविभीषनको
घरनांही॥ प्रवलअनलमिवहहनूनजरेऊ॥ अमविचारजियसंसयध
रेऊ॥ ताकरभगतअनलजहिसिरजा॥ जरांसोतिहिकारनगिरजा॥।
उलटपलटलंकासवजारी॥ कूदपरयोकपिसिंधमंझारी॥ ५८॥ दोह
पूछबुझाईषोयश्रमधरलघुरूपवहोर॥ जनकसुताआगेतवैठाट।
रहोकरजोर॥ ५९॥ चौपई॥ मातकछुकदीजेमोहिचीन्ही॥ जैसैरघुना
यकतोहिदीन्ही॥ चूडामनउतारतवदीयो॥ हरषसमेतपवनसुत
लीयो॥ कहहुतातअसमोरप्रनामा॥ सवप्रकारप्रभपूरनकामा॥।
दीनदियालविरदसंभारी॥ हरहुनाथममसंकटभारी॥ तातसक्रसु
तकथासुनायहु॥ वानप्रतापसुजससमझायहु॥ मासदिवसमहु।
प्रभहिनआवहि॥ तोपुनमोहिजीयतनहीपावहि॥ कहिकपिकि
हिविधिराषोंप्रानां॥ तुमहूंतातकहतअववजाना॥ तोहिदेषतसीत
लभईछाती॥ पुनमोकोसोईदिनसोईराती॥ ६०॥ दोहरा॥ जनकसुत
हिसमझाइकपिवहुविधिधीरजदीन॥ चरनकमलसिरनाइकर॥

॥सुंदर॥ गवनरामपहिकीन॥६१॥चौपई॥चलतमहांधुनगरजससभारी॥गरभ
स्रवहिसुननिसचरनारी॥नांघसिंधुइहिपारहिआवा॥सवदकिलकि
किलाकपनिसुनावा॥हरषेसवविलोकहनुमांनां॥नौतनजन्मक
पिनतवजाना॥मुषप्रसंन्नतनतेजविराजा॥कीन्हसरामचंद्रकरका
जा॥मिलेसाकपिनसवभरासुषारी॥तलफतमीनपराजनुवारी॥च
लेहरषरघुनायकपासा॥पूछतकहतनवलइतिहासा॥तवमधु
वनभीतरसवलिआये॥अंगदसहितमधुरफलषाये॥रषवारेजवव
रजनलागे॥मुष्टप्रहारहनतसवभागे॥६२॥दोहरा॥जाइपुकारेतेस
वहिवनउजारजवराज॥सुनसुग्रीवहरषकपिकरिआयेप्रभका
ज॥६३॥चौपई॥जोनहोतसीतासुधपाई॥मधुवनकेफलसकहिनषा
ई॥इहिविधिमनविचारकरराजा॥आयगयेकपिसहितसमाजा॥आ
इसवनपदनायोसीसा॥मिलेसासवन्हअतिप्रेमकपीसा॥पूछीकुस
लकुसलपददेषी॥रामकृपाभयोकाजविसेषी॥नाथकाजकीन्हेउ
हनुमांनां॥राषेसकलकपिनकेप्रांनां॥सुनसुग्रीववहुरतिहिमिले
ऊ॥कपिनसहितरघुपतिपहिचलेऊ॥रामकपिनजवआवतदेषा॥
कियेकाजमनहरषविसेषा॥फटिकसिलावैठेदोऊभाई॥परेसक
लकपिचरननआई॥६४॥दोहरा॥प्रीतसहितसवभेटहेरघुपतिक
रुनापुंज॥पूछीकुसलसुनाथअतिकुसलदेषपदकंज॥६५॥

चौपई॥ जामवंत कहि सुनु रघुराया॥ जापर नाथ करो तुम्ह दाया॥ ताहि
सदा सुभ कुसल निरंतर॥ सुर नर मुनि प्रसन्न ता ऊपर॥ सोई विजई वि र॥
नई गुन सागर॥ तासु सुजस तिहुं लोक उजागर॥ प्रभु की कृपा भयो स
व काजू॥ जन्म हमार सुफल भयो आजू॥ नाथ पवनसुत कीन जो
करनी॥ सहसहु मुष सो जात न वरनी॥ पवनतनय के चरित सुहाये
जा जामवंत रघुपतिहि सुनाये॥ सुनत कृपानिधि के मन भाये॥ पुनि हनुमं
त हरष हियं लाये॥ कहि प्रिय वचन निकट वैठाये॥ पूछत सीय स
देस उर छाये॥ कहहु तात किंभांत जानकी॥ करत रहति रछा सो प्रान
की॥ ६६॥ दोहरा॥ नाम पाहरू दिवस निसि ध्यान तुम्हार कपाट॥ लो
चन निज पद जंत्रता प्रान जाय किहि वाट॥ ६७॥ वार वार खुर वार के उत्त
रा वार गंभीर॥ जनकसुता द्रग वार के पार उलंघन धीर॥ ६८॥ वन उजा
र वुर जार के उत्त सो जलध गंभीर॥ जनकसुता पद वंद के आयो श्री र
घुवीर॥ ६९॥ चौपई॥ चलत मोहि चूडामन दीनी॥ रघुपति हिदे लाइ
सोई लीनी॥ नाथ जुगल लोचन भरि वारी॥ वचन कहे कछु जनक
कुमारी॥ अनुज सहित गहियो प्रभु चरना॥ दीनवंधु प्रणतारत हर
ना॥ मन क्रम वचन चरन अनुरागी॥ किहि अपराध नाथ मोहि त्या
गी॥ औगुन एक मोर मे जाना॥ विछुरत प्रान न कीन पयाना॥ ना
थ सो नैनन्ह कर अपराधा॥ निसरत प्रान करहि हठ वाधा॥ विरह अ

॥सुंदर॥ गनतनतूलसमीरा॥ वेगिजरहिछिनमाहिसरीरा॥ नैनस्रवहिजल
निजहितलागी॥ जरननिपावदेहविरहागी॥ सीताकैअतिविपति
विसाला॥ विनोकहेभलदीनदयाला॥ चलतीवारकहामोहिटेरी॥
सुधिकराएहोशक्रसुतकेरी॥ ३०॥ दोहरा॥ निमषनिमषकरुनानि
धीजातकलपसमवीत॥ वेगचलोप्रभुआनियेभुजवलषलदल
जीत॥ ३१॥ चोपई॥ सुनसीताडुषप्रभुसुषअैना॥ भरिआएजलरा
जिवनैना॥ जासुनामछूटेभममोहा॥ ताकोंउमाकिहमसपनेहूंभी
कोहा॥ छिनइकसोकमगनहोइगयेउ॥ पुनप्रभुवचनकहितअस
भयेउ॥ जोमोहिभजेसदामनलाही॥ सपनेउवूझियविपतिकित
ही॥ कहिहनमंतविपतसयसोई॥ जयतपसाधनभजननहोई॥
कितकवातप्रभुजातधानकी॥ रिपुहिजीतआनवआनेजानकी॥ ।
सुनकपीतोहिसमानहितकारी॥ नहिकोऊसुरनरमुनतनुधारी
प्रतिउपकारकरोकातोरा॥ सनमुषहोनसकतमनमोरा॥ सुनक
पीतोहिउरिनमैनांही॥ करविचारदेषेउमनमांही॥ पुनपुनकपैं
चितैसुरत्राता॥ लोचननीरपुलकअतिगाता॥ ३२॥ दोहरा॥ सुन
प्रभुवचनविलोकमुष॥ गातहरषहनुमंत॥ परेउचरनप्रेमाकु
लह॥ त्राहित्राहिभगवंत॥ ३३॥ चोपई॥ वारवारप्रभचहतउठावा॥
प्रेममगननितिहिउठतनभावा॥ प्रभुकरपंकजकपिंकेसीसा॥ सुमिर

को

सोऽस्हामभगनगोरीसा॥ सावधानमनपुनकरसंकर॥ लागेकहिनकथा
अतिसुंदर॥ कपिउठायप्रभुहिदेलगायो॥ करगहिप्रेमनिकटवैठायो॥
कहुकपिरावनपालीतलंका॥ किहिविधिदहेउदुरगगढवंका॥ प्रभुप्र
संन्नजांन्योहनुमांनां॥ वोल्योवचनविगतअभिमाना॥ शाषामृगकीव
डमनुसाई॥ साषातेशाषाचढिजाई॥ नांघसिंधहाटकपुरजारा॥ निस्चि
रगनवधिविपनउजारा॥ सोसवतवप्रतापरघुराई॥ नाथनकछुमोरम
नुसाई॥२४॥ दोहा॥ ताकहुप्रभुकछुअगमनहिजापरतुम्हअनुकूल
प्रभप्रतापवडवानलहि॥ जारकरेषलतूल॥२५॥ चौपई॥ सुनतवच
नप्रभुवहुसुषमाना॥ मनक्रमवचनदासप्रभुजाना॥ मांगपवनसुत
वरअनुकूला॥ देहुआजतुम्हकहिसुषमूला॥ नाथभगतिअतिस
यअनुपाइनी॥ देहुकृपाकरआनंददायनी॥ सुनकपिप्रेमसरलमृ
दुवांनी॥ एवमस्तुतवकह्योभवानी॥ उमासुभावरामजिनजाना॥ ता
हिभजनतजभावनआमा॥ यहसंवादजासउरआवा॥ रघुपतिचरन
भक्तसोईपावा॥ सुनप्रभवचनविलोककपिंदा॥ जैजैजैकृपालसुष
कंदा॥ तवरघुपतिकपिपतहिवुलावा॥ कहांचलनकरकरहुवनावा॥
अवविलंवकिहिकारनकीजे॥ तुरतकपिनकहिआग्यासुमदीजे॥ कौंत
कदेषिसुमनसुरवरषे॥ नभतेभवनचलेसुरहरषे॥२६॥ दोहरा॥ क
पिपतिवेगिवुलाइयो॥ आएवानरजूथ॥ नानावरनअतुलवल

॥सुंदर॥ बानरभालुबिरूथ॥११॥चौपई॥प्रभुपदपंकजनावहिंसीसा॥गरज
हिंभालुमहाबलकीसा॥ देषीरामसकलकपिसेना॥चितैकृपा
करिराजीवनैना॥ रामकृपाबलपाइकपिंदा॥ भयेपंषजुतमनहुं
गिरिंदा॥ हरषरामतबकीनपयाना॥सगुनभयेसुंदरसुभनाना॥
जासुसकलमंगलमयकीरती॥तासुपयानसगुनयहनीती॥प्र
भुपयानजान्योवैदेहीं॥ फरकेबांमअंगजनुकहिदेहीं॥ जोईजोईस
न गुनजानकिहिहोई॥असगुनहोतरावनहिसोई॥चल्योकटककोे
बरनहिपारा॥ गरजहिंमरकटभालुअपारा॥नषआयुधगिरिबि
॥न टपधारी॥ चलेगगंमहिइछाचारी॥केहरनादभालुकपिक
पिकरई॥ डगमगायदिग्गजचिकरई॥१८॥छंद॥चिकरहिदिग्गज
डोलमहिगिरलोलसागरषरभरे॥मनहरषिदिनकरसोमसुरन
रनागकिंनरदुषटरे॥कटकटहिमरकटभालबहुभटकोटकोट
नधावही॥ जयरामप्रबलप्रतापकोसलनाथगुनगनगावही
सहिसकनभारउदारअहिपतिबारबारविमोहही॥गहिदसन
पुनपुनकमठपीठकठोरसोकिमसोहई॥रघुवीररुचिरपयान
प्रस्थितजानपरमसुहावनी॥जनुकमठषप्परसरपराजसोलि
षतअविचलपावनी॥१५॥दोहरा॥इहिविधिजाइसुकृपानिधि
उतरेसागरतीर॥जहं तहंलागेषानफल॥भालुवलीकपिधीर

८०॥चौपई॥उहांनिसाचररहहिससंका॥जवतेजारगयोकपिलंका॥
निजनिजग्रहिसवकरहिविचारा॥नहिनिसचरकुलकेउवारा॥जास
दूतवलवरननजाई॥तिहिआयेपुरकोनभलाई॥दूतनिसनसुनिपु
रजनवानी॥मंदोदरीहिदयअकुलानी॥हाथजोरकरपतिपदला
॥त गी॥वोलीवचननीरसपागी॥कंतकरखहरिसनपरहरहू॥मोरक
हाअतिहितचितधरहू॥समझतजासदूतकीकरनी॥गरभश्रव
हिरजनीचरघरनी॥तासुनारनिजसचिवबुलाई॥पठवहुकंतजो
चहहुभलाई॥तवकुलकमलविपनदुखदाई॥सीतासीतनिसास
मआई॥सुनहुनाथसीताविनदीने॥हितनतुम्हारसंभुअजकीने
८१॥दोहरा॥रामवानअहिगनसरसनिकरनिसाचरभेक॥जवल
गिग्रसतनतवलगिजतनकरोतजटेक॥८२॥चौपई॥श्रवनसुनी
सठताकरवानी॥विहसाजगतविदतअभिमानी॥सभैसुभावना
रिकरसाचो॥मंगलमैअतिभैमनकाचो॥जोआवैमरकटकटका
च ई॥जीवविचारेनिसचरखाई॥कंपहिलोकपतिजाकेत्रासा॥तासना
रिसभीतवडहासा॥असकहिविहसतसोउरलाई॥चलासभाम
मताअधिकाई॥मंदोदरीहदेअसचीता॥भयोकंतपरविधिवि
परीता॥वैठोसभाखवरअसपाई॥सिंधुपारसेनासभआई॥वूझि
ससचिवउचितममकहहू॥तेसवकहेमदितकेरहहू॥जितेसुरा

॥सुंदर॥ सुरतवसमनांही॥ करवानरकिपिलेषैमांही॥८३॥दोहरा॥सचवबैद
गुरुतीनजेप्रियबोलैभयआस॥राजधरमहृतनतीनकरहोइहैवेग।
हीनास॥८४॥चौपई॥सोरावनकोवनीसुहाई॥अस्तुतकरहिसुन
इसुनाई॥अवसरजानविभीषनआए॥भ्राताचरनसीसतिनना
ए॥पुनसिरनाइवैठिनिजआसन॥बोलावचनपाइअनुसासन
जोकृपालपूछहुमोहवाता॥मतिअनुरूपकहौहितताता॥जो
आपनचहियेकल्याना॥सुजससुमतिसुभगतिसुषनाना॥सो
परनारलिलारगुसाईं॥तजौचौथकेचंदकीनांई॥गुनसागरनाग
रनरसोऊ॥अलपलोभभलकहैनकोऊ॥चौदहिभवनएकयति
होई॥रामद्रोहतिष्टतनहिसोई॥सोसर्वज्ञत्तानक्रिनहोई॥अप
जसमत्तवरावरदोई॥श्रुतपुरानवेदकहहुजोई॥८५॥दोहरा॥का
मक्रोधमदलोभसभनाथनरककेपंथ॥सवपरहरहुरघुवीरपदभ
जहुभजहिजेहसंत॥८६॥चौपई॥तातरामनहिनरभूपाला॥भुव
नेस्वरकालहुकरकाला॥व्रह्मअनामयअजभगवंता॥व्यापक
अजितअनादअनंता॥गोद्विजधेनदेवहितकारी॥कृपासिंधुमा
नुषतनुधारी॥जनरंजनभंजनषलव्राता॥वेदधर्मरक्षकसुनभ्रा
ता॥ताहिवैरतजिनाइयेमाथा॥प्रणतारतभंजनरघुनाथा॥देहु
नाथप्रभुकहिवेदेही॥भजहुकृपानिधपरमसनेही॥सरनगये

प्रभुताहिनसागा॥विश्वद्रोहकृतअघजिहिलागा॥जासनामत्रैतापा
नसावन॥सोईप्रभुप्रगटसमझुजीयरावन॥८७॥दोहरा॥वारवारप
दलागऊंविनैकरौंदससीस॥परिहरिमोहिसमानमदभजहुकोस
लाधीस॥८८॥दोहरा॥मुनिपुलस्तनिजसिषसनकहिपठईयहा
वात॥तुरतसुमैप्रभसनकहीपाइसुअवसरतात॥८९॥चौपई॥मा
लवंतअतिसचवसियाना॥तासवचनसुनअतिसुषमाना॥तात
अनुजतवनीतविभूषन॥सोईउरधरहजुकहततविभीषन॥रिपुउत
करषकहतसठदोऊ॥दूरनकरहुइहांहैकोऊ॥मालवंतगृहगयो
वहोरी॥कहीविभीषनपुनकरजोरी॥सुमतिकुमतसवकेउररहई
सक
नाथपुराननिगमअसकहई॥जहांसुमततहांसंपतिनांनां॥जहांकु
मततहांविपतनिदाना॥तवउरकुमतिवसीविपरीती॥हितअन।
हितमानहुरिपुप्रीती॥कालरातनिसचरकुलकेरी॥तिहिसीताप
रप्रीतघनेरी॥९०॥दोहरा॥नाथवरनगहिमांगहुंराषहुमोरदुलार
सीतादीजैरामकहुंअतहितहोइतुम्हार॥९१॥चौपई॥वुधपुरानश्रु
तिसिंमतवानी॥कहीविभीषननीतवषानी॥सुनतदशाननउठौ
रिसाई॥षलतवमतनिकटअवआई॥जियतसदासठमोरजिआवा
रिपुकरपछमूढतोहिभावा॥कहिसिनषलअसकोजगमांही॥भु
जवलजाहिजीतमैंनांही॥ममपुरवसततपसिनसोंप्रीती॥सठमि

॥सुंदर॥ लजाइतिन्हैअसनीती॥ असकहिकीनसचरनप्रहारा॥ अनुजगहे।
पदबारहिवारा॥ उमासंतकीयहीवडाई॥ मंदकरततेकरतभलाई॥ तु
मपितसरसचरननलहिमोहिमारा॥ रामभजिनहितनाहितुम्हारा॥
सचिवसंगलैनभपथगयेउ॥ सवहिसुनायकहितअसभयेउ॥ ४२
दोहरा॥ रामसत्सवकलपभरसभाकालवसतोर॥ मैरघुनंदनसर।
नअव॥ जाइदेहुजिनषोर॥ ४३॥ चौपई॥ असकहिचलेविभीषनज
वही॥ आयुहीनभयेंनिस्चरतवही॥ साधअवग्यातुरतभवानी॥ क
रनकल्यानअषलंकैहानी॥ रावनजवहीविभीषनत्यागा॥ भयोवि
भोविनुतवहीअभागा॥ चलेोहरषरघुनायकपाहीं॥ करतमनोरथ
बहुमनमांहीं॥ देषोजाइचरनजलजाता॥ अरुनमृदुलसेवकसुष
दाता॥ जेपदजनकसुताउरलाये॥ कपटीकुरंगसंगसोईधाये॥ जेप
दपरसतरीरिषनारी॥ दंडकवनपावनसुषकारी॥ हरउरसरसरोज
पदजेई॥ अहोभाग्यमैपेषोतेई॥ ४४॥ दोहरा॥ जिनपाइनकीपर्दिक।
नभरथरहेउरलाइ॥ तेपदआजविलोकहौइननैनिनअवजाइ॥ ४५॥
चौपई॥ इहिविधिसोचतकरविचारा॥ आयोनांघसिंधुकेपारा॥ कपि
नविभीषनआवतदेषा॥ जान्योकोऊरिपुदूतविसेषा॥ तहिराषकु
पिपतिपहिआयें॥ समाचारसवताहिसुनायें॥ कहीकपीससुनो।
रघुराई॥ आवामिलनदसाननभाई॥ कहिसुप्रभुसषाबूझियेका।

हा॥ कहिसुग्रीवसुनहुनरनाहा॥ जानिनजाइनिसाचरमाया॥ कामरू
पकिहिकारनआया॥ भेदहमारलेनसठआयो॥ राखीयेबांधमोहिअ
सभायो॥ सखानीततुमनीकविचारी॥ ममप्रनसरनागतभयहारी॥
सुनप्रभुवचनहरखहनुमांनां॥ सरनागतवछलभगवानां॥ ५६॥ दोहरा
सरनागतकहुजेतजहिनिजअनहितअनुमांन॥ तेनरपावरपापम
यतिनहिविलोकतहांन॥ ५७॥ चौपई॥ कोटविप्रबधलागेताहू॥ आ। व॥
येसरनतजेजोजाहू॥ सनमुखहोइजीवममजवही॥ जनमकोटअ
घनासहितवही॥ पापवंतकरसहिजसुभाऊ॥ भजनमोरतिहिभा
२ वनकाऊ॥ जोपैदुष्टहृदयसोंहोई॥ मोरेसनमुखआवकिसोंई॥ निरम
लमनजनसोंमोहिपावा॥ मोहिकपटछलछिद्रनभावा॥ भेदलेन
पठयोदससीसा॥ तउनहीभयकछुहांनकपीसा॥ जगमेसखानिसा
चरजेते॥ लछमनहनेनिमषमहुतेते॥ जोसभीतआयोसरनाई॥
राषोताहिप्रानकीनाई॥ ५८॥ दोहरा॥ उभैभांततिहिआनहुहंसक
हीकृपानिकेत॥ जयकृपालकहिकपिचलेअंगदहनूसमेत॥ ५
चौपई॥ सादरतिहिआगेकरवानर॥ चलेजहांरघुपतिकरुणाक
र॥ दूरहीतेदेखेदोऊभ्राता॥ नैनअनंददानकेदाता॥ वहुरराममछ
विधामविलोकी॥ रह्योएकटकदृगपलरोकी॥ भुजप्रलंवकंजा
रनलोचन॥ स्यामगातप्रनतभयमोचन॥ सोहतकंधउचउरसो

३०

॥सुंदर॥ हा॥ आनन अमित मदन छवि मोहा॥ नैन नीर पुलकित अति गाता
मन धरि धीर कहित मृदु बाता॥ नाथ दसानन को मै भ्राता॥ निसिचर
वंस जन्म सुरत्राता॥ सहज पापप्रिय तामस देही॥ जथा उलूके तम प
र नेही॥१००॥ दोहरा॥ श्रवन सुजस सुन आयउ प्रभ भंजन भय भीर॥
त्राहि त्राहि आरत हरन सरन सुषद रघुवीर॥१०१॥ चौपई॥ अस कहि
करत दंडवत देषा॥ तुरत उठे प्रभु हरष विसेषा॥ दीन वचन सुन प्र
भ मन भाये॥ भुज विसाल गहि हृदै लगाये॥ अनुज सहित मिल
ढिग वैठारी॥ वोले वचन भक्त भय हारी॥ कहु लंकेस सहित परिवा
रा॥ कुसल कुठाहर वास तुम्हारा॥ षल मंडली वसहु दिन राती॥
सषा धरम निभहै केहि भांती॥ मै जानौ तुमरी सव रीती॥ अति नै नि
पुन न भाव अनीती॥ वर भल वास नरक कर ताता॥ दुष्ट संग जिन
देइ विधाता॥ अव पद देषि कुसल रघुराया॥ जो तुम्ह कीन जान ज
न दाया॥१०२॥ दोहरा॥ तो लगि कुसल न जीव कहु सपनेहु नहि
विश्राम॥ जव लगि भजत न राम कहु सोक धाम तजि काम॥१०३॥
चौपई॥ तव लगि हृदय वसत षल नाना॥ लोभ मोह मत्सर मद मा
ना॥ जव लगि उर न वसत रघुनाथा॥ धरे चाप सायक कटि भाथा॥
ममता तरुन तिमर अंधियारी॥ राग द्वेष अलूक सुषकारी॥ तव
लग वसत जीव मन मांही॥ जव लग प्रभ प्रताप रव नाही॥ अव मै

कुशलमिटेभैभोरे॥देषिरामपदकमलतुम्हारे॥तुम्हकृपालजापरअनु।
कूला॥ताहिनव्यापत्रिविधभवसूला॥मैनिसचरअतिअधमसुभाऊ॥।
सुभआचरनकीन्हनहीकाऊ॥जासरूपमुनिध्याननपावा॥तिहिप्रभ।
हरषहृदैमहिलावा॥अतिहीप्रीतकरप्रेमवढायो॥निजजनजानमो।
हिअपनायो॥१०४॥छंद॥निजपरमप्रीतमजानअउननाथमोहिअ
यसदियो॥करुनानिधानसुजानसुंदरहृदयमोहिआपनकियो॥अ
तमोहसारभ्रमतअतअवलोकमोहिकृतारथकियो॥हूडतविरहवा
रीसकृपानिधानमोहिकरगहिलियो॥१०५॥दोहरा॥अहोभाग्यमम
अमितअतिरामकृपासुषपुंज॥देष्योनैनविरंचसिवसेव्यजुगलपद
कंज॥१०६॥चौपई॥सुनहुसषानिजकहौसुभाउ॥जानभुसुंडसंभुगि
रजाउ॥जोनरहोइचराचरद्रोही॥आवैसभयसरनतकमोही॥तजमद
मोहकपटछलनाना॥करौंदासतिहिसाधुसमाना॥जननीजनकवं
धसुतदारा॥तनधनसवसहिदेपरवारा॥सवकीममतातागवहोरी।
ममपदलागवांधवरडोरी॥समदरसीइछाकछुनांही॥हरषसोकभै
नहिमनमांही॥अससज्जनममउरवसकैसे॥लोभीहिदैवसैधनजै।
से॥तुम्हसारषेसंतप्रियमोरे॥धरौंदेहिनहिआननिहोरै॥१०७॥दोहरा
सगुनउपासकपरमहित॥जिनकैद्विजव्रतनेम॥तेनरप्रांनसमांन।
ममजिनकैद्विजपदप्रेम॥१०८॥चौपई॥सनलंकेससकलगुनतेरे॥॥

॥सुंदर॥ जानततुमश्रतिसैप्रियमेरे॥ रांमवचनसुनवानरजूथा॥ सकलकहैंजय
कृपाविरूथा॥ सुनतविभीषनप्रभकीवांनी॥ नहिंश्रघातश्रवणामृत
स्मानी॥ पदश्रंवुजगहिवारंवारा॥ हृदयसमातनप्रेमश्रपारा॥ सुनहु
देवसचराचरस्वामी॥ प्रनतपालउरश्रंतरजांमी॥ उरकछुप्रथमवासना
नांहीं॥ प्रभपदप्रीतिसरतिसोवाही॥ श्रवकृपालमोहिभक्तिपावनी॥
देहुसदाशिवमनहिभावनी॥ रावमस्तकहिप्रभुरनधीरा॥ मांग्यातु
रतसिंधुकोनीरा॥ जदिपसषातवइछानांही॥ ममदरसनश्रमोघजा
गमांही॥ श्रसिकहिरामतिलककतिहिसारा॥ सुमनवृष्टनभभईश्र
पारा॥१०५॥दोहरा॥जोसंपतिशिवरावनहिदीन्हदियेदसमाथ॥सोसं
पतिविभीषनहि॥सकुचदीनरघुनाथ॥१०२॥दोहरा॥रावनक्रोधश्र
नलसमस्वाससमीरप्रचंड॥जरतविभीषनराषयोंदीनोंराजश्रषंड॥२२
चोपई॥ श्रसप्रभुछाडिभजैजेश्राना॥ तेनरपसुविनुपूंछविषाना॥ नि
जजनजानताहिश्रपनावा॥ प्रभुसुभावकपिकुलमनभावा॥ पुनस
रवज्ञसरवउरवासी॥ सरवरूपसवरहितउदासी॥ वोलेवचननीतप्रत
॥जथ पालक॥ कारनमनुंदनजकुलघालक॥ सुनकपीसलंकापतिवीरा
किहिविधिउतरीयेजलधगंभीरा॥ संकुलमकरउरगऊषजाता॥ श्रति
श्रगाधदुस्तरसभभांता॥ कहिलंकेससुनहुरघुनाइक॥ कोटसिंधसो
षकतवसाइक॥ जदिपतदिपनीतश्रसगाई॥ विनयकरीयेसागरस

नजाई॥२२२॥दोहरा प्रभतुम्हारकुलगुरुजलधिकहैउपाइविचार॥विन
प्रयाससागरतरहिंसकलभालकपिधार॥२२३॥चौपई॥सखाकहीतुम
नीकउपाई॥करीयेदेवजोहोयसहाई॥मंत्रनयहलछमनमनभावा॥
रामवचनसुनअतिदुखपावा॥नाथदैवकरकौनभरोसा॥सोषीयेसिंधु॥
करीयेमनरोषा॥कादरमनकरएकअधारा॥दैवदैवआलसीपुकारा॥
सुनसुवचनलछमनरघुवीरा॥ऐसैकरवधरहुमनधीरा॥असकहिप्र
भुअनुजहिसमझाई॥सिंधुसमीपगएरघुराई॥प्रथमप्रनामकीनसि
रनाई॥वैठेप्रभुपुनदरभडसाई॥जवहीविभीषनप्रभुपहिआए॥पाछे
रावनदूतपठाए॥२२४॥दोहरा॥सकलचरिततिनदेषयोधारकपटक॥
पिदेह॥प्रभुगुनहृदैसराहितेसरनागतपरनेह॥२२५॥चौपई॥प्रगटव॥
षानहिरामसुभाऊ॥अतिसप्रेमगाविसिरउराऊ॥रिपकेदूतकपिनय
हिचांनें॥सकलवांधिकपिपतिपहिआंनें॥कहिकपिईससुनहुसव
॥ग वानर॥अंगभंगकरपठीयेनिसाचर॥सुनसुग्रीववचनकपिधाए॥वांध
कटककचहुंपासफिराए॥वहुप्रकारकपिमारनलागे॥दीनपुकाररतत
दिपनसागे॥जोहमारहरनासाकाना॥तिहिकोशलाधीसकीआना
सुनलछमनतिहिनिकटवुलाए॥दयालागहसितुरतछुडाए॥राव॥
नकरदीजेयहिपाती॥लछमनवैनवांचकुलघाती॥२२६॥दोहरा॥राम
कहोमुषागरमूढसनममसंदेसउदार॥सीतांदेमिलिरामकहुनत॥

आवाकालतुम्हार॥२७॥चौपई॥तुरतनायलछमनपदमाथा॥चलेइ
तवरनतगुनगाथा॥कहितरामजसलंकाआये॥रावनचरनसीसतिं
न्हनाये॥विहसदसाननपूछीवाता॥कहोनकसआपनकुसलाता॥
पुनकहुखवरविभीषनकेरी॥जांहिंमसुआईअतिनेरी॥करतराज॥
लंकासठत्यागी॥होईहैजमकरकीटअभागी॥पुनकहुकीसभालु
कटकाई॥कठिनकालप्रेरतचलआई॥जीवनकरजिनकेरखवारा॥
भयोमृदुलचितसिंधविचारा॥कहितपसिनकीवातवहोरी॥जिना॥
केहिदेत्रासअतिमोरी॥२८॥दोहरा॥कैभईभेटकैफिरगयोश्रवनन
जससुनमोर॥कहसनकपिदलतेजवलवहुतचकितचिततोर॥२९॥
चौपई॥नाथकृपाकरपूछहुजैसे॥मानहुकहाक्रोधतजतैसे॥मिले
जाइजवअनुजतुम्हारा॥मिलतहिरामतिलकतिंहिंसारा॥रावनदू
तहमहिसुनकानां॥कपिनवांधदीनेदुखनाना॥श्रवननासकाका
टनलागे॥रामसपथदीन्हीहमत्यागे॥पूछहुनाथरामकटकाई॥वदनको
टसतवरननजाई॥नानावरनभालकपिधारी॥विकटाननविसालभ
यकारी॥जिहिपुरदहेउवधेउसुततोरा॥सकलकपिनमेंतिहिवलथो
रा॥अमितनामवलविपुलविशाला॥देषीयेमानहुकालकराला
॥३०॥दोहरा॥छंद॥वहुरूपवनचरजूथअतिवलसैनवरनतनहिं।
वनै॥स्यामादिमुषअर्यादिमुषगोरादिवरनहुकोगनै॥अतिका॥

यद्देही मुष्टकानषद्दंतकरधरभूधरा॥ इतिभालप्रवलप्रतापरघुपतिदे।
वहोवरवंदरा॥ २२१॥ दोहरा॥ दुविदमयंदसुनीलनलअंगदादिविकटा
सि॥ दधिमुखकेहरिकुंमदगज॥ जामवंतवलरासि॥ २२२॥ चोपई॥ राम
रासवकपिसुग्रीवसमाना॥ इनसमकोटिगनैकोनाना॥ रामकृपाअ
तुलितवलतिनहीं॥ त्रिनसमानत्रैलोकहिगिनहीं॥ असमैश्रवनसु
म नोदसकंधर॥ पदअठारहिजूथपवंदर॥ नाथकटकमहिअसकपि।
नांहीं॥ जिहितम्हजीतसकोरनमांही॥ परमक्रोधमीजहिसवहाथा॥
आयसपैनदेहरघुनाथा॥ सोषहिसिंधुसहितझषव्याला॥ पुरवहि
सिंधुकुधरसुविसाला॥ मरदगरदमेलहिदससीसा॥ ऐसैवचनकह
हिसवकीसा॥ गरजहिसर्जेहिसहजअसंका॥ मानहुग्रसनचहततेहि
लंका॥ २२३॥ दोहरा॥ सहजअसंकितभालकपिगुनसिरपरप्रभुराम
रावनकोटनकालसम॥ जीतसकैसंग्राम॥ २२३॥ चोपई॥ रामतेजव।
लवुधविपुलाई॥ सेससहंससतसकैनगाई॥ सकसरएकसोषसत
सागर॥ तुवभ्रातहिपूछ्योवनरनागर॥ तासवचनसुनसागरपांही॥ मां
गतपंथकृपामनमांही॥ सुनतवचनविहसादससीसा॥ जोअससमत
सहाइकृतकीसा॥ सागरसनठानामचलाई॥ मूढमृषाजनकरसिव
डाई॥ सहजभीतकरवचनदिढाई॥ रिपुवलचुधथाहमैंपाई॥ सचिव
सभीतविभीषनजाके॥ विजैविभूतकहावलतांके॥ सुनतवचनदू।

॥सुंदर॥ तनरिसवाही॥ समैविचारपत्रकाकाढी॥ रामअनुजदीनीयहपाती॥ ना
थवचाइजुडावहुछाती॥ विहसिवामकरलीनीरावन॥ सचववोलिस
ठलागवचावन॥ २५॥ दोहरा॥ वातनमनहिरिझाइसठजिनघालसिकु
लषीस॥ रामविरोधनउवरसी॥ सरनविस्नुअजईस॥ २६॥ दोहरा॥ राम
कहतअनुजमोइमानअव॥ प्रभपदकंजजगहुभृंग॥ होइकिरामसरअ
नलसम॥ वलकुलसहितपतंग॥ २७॥ चौपई॥ सुनतसभामधमन
मुसकाई॥ कहितदशाननसभहिसुनाई॥ भूंमपरतकोगहितअकासा
५ लघुतापसकरवागविलासा॥ कहिसुकिनाथसत्यसभवानी॥ समझहु
छाडप्रकृतअभिमाना॥ सुनहुवचनममपरिहरक्रोधा॥ नाथरामसन
तजहुविरोधा॥ अतिकोमलरघुवीरसुभाऊ॥ जद्दिपअखिललोकके
राऊ॥ मिलतकृपाप्रभतुम्हपरकरही॥ उरअपराधनएकोधरही॥ जन
कसुतारघुनाथहिदीजै॥ इतनाकहामोरप्रभकीजै॥ जवतिनकहीदे
नवैदेही॥ चरनप्रहारकीनसठतेही॥ नाइचरनसिरचल्योसुह्यांवा॥ कृ ल॥
पासिंधुरघुनाइकजहंवा॥ करप्रनामनिजकथासुनाई॥ रामकृपा
आपनगतिपाई॥ रिषपुलस्तकोश्रापभवानी॥ राछसभयोरहैमुन
ग्यानी॥ वंदरामपदवारहिवारा॥ मुननिजआश्रमकोंपगधारा॥ २८॥
दोहरा॥ विनैनमानतजलधजडगएतीनदिनवीत॥ वोलेरामसको
पभोभयविनहोतनप्रीत॥ २९॥ चौपई॥ लछमनवांनसरासनआ

न्ह॥सोबीयेवारधविसषकमाच॥सठसोविनयकुटलसोप्रीती॥सहज
कृपनसनसुंदरनीती॥ममतारतसनग्यानकहानी॥अतिलोभीसन
विरतवषानी॥क्रोधहिसमकामहिहरिकथा॥ऊसरवीजवुयेगुनज।
था॥असकहिरघुपतिचापचढावा॥यहमतलछमनकेमनभावा॥
संधानेोप्रभुविसषकराला॥उठीउदधिउरअंतरज्वाला॥मकरउरग
ऊषगनअकुलाने॥जरतजंतजलनिधतवजाने॥कनकथारभरम
नगननाना॥विप्ररूपआयोतजमाना॥५०॥दोहरा॥कांटैबेकेदल
फलैकोटजतनकरसींच॥विनैनमानषगेससुनडांटेमानेनीच॥५१
चौपई॥सभैसिंधगहिपदप्रभुकेरे॥छमहुनाथसबअवगुनमेरे॥गग
नसमीरअनलजलधरनी॥इनकीनाथसहजजडकरनी॥तमप्रेरत
मायाउपजाए॥सृष्टहेतसवग्रंथनगाए॥प्रभुआयसजिहिसहजसु
हाई॥सोतिहिभांतलहैसुषसाई॥प्रभुभलकीनमोहिसिषदीनी॥म
रजादापुनतुम्हरीकीनी॥ढोलगवारखालपसुनारी॥एपांचोताडना।
अधिकारी॥प्रभुप्रतापमेजाउसुषाई॥उतरैकटकनमोरवडाई॥प्र
भआज्ञाअलेपश्रुतिगाई॥करहुसुवेगजोतुमहिसुहाई॥५२॥दो
हरा॥सुनतहीवचनविनीतअति॥कहिकृपालमुसकाइ॥जिहिविध
उतरैकपिकटकतातसुकरहुउपाइ॥५३॥चौपई॥नाथनीलनल
कपिदोऊभाई॥लरकाईरिषआसिषपाई॥तिनकेपरसकीयेगि

ल

रभारे॥ तरहहि जलधि प्रताप तुम्हारे॥ मैं पुनि उर धरि प्रभु प्रभताई॥ करिहौं
बल अनुमान सहाई॥ इहि विधि नाथ पयोधि बंधायो॥ तो यह सुजस लो
क तिहु गायो॥ इहि सर मम उत्तर तट वासी॥ हतहु नाथ षल नर अघ
रासी॥ सुन कृपाल सागर उर पीरा॥ तुरतहि हरी राम रनधीरा॥ देखि
राम बल पौरष भारा॥ हरष पयोधि भयो सुषकारा॥ सकल चरित क
हि प्रभुहि सुनाये॥ चरन वंद सु पयोधि सिधाये॥ ५४॥ छंद॥ निज भ
वन गवन्यो सिंधु श्रीरघुवीर यहि मत भाइयो॥ यह चरित कलमल
हरन जथामत दास तुलसी गाइयो॥ सुष भवन संसै समन दमन
विषाद रघुपति गुन गना॥ तजि सकल आस भरोस गावहि सुनहि
संतत सुष मना॥ ५५॥ दोहरा॥ सकल सुमंगल दाइक रघुना
इक गुन गान॥ सादर सुनिहि ते तरहि भव सिंधु विना जलजान॥
५६॥ दोहरा॥ राम चरित कलमल दहन गावहि सुनहि प्रवीन॥ ति
न्ह कहि प्रन मत प्रेम जुत निसदिन रामाधीन॥ ५७॥ इति श्रीरामच
रितमानसे सकल कलुष विध्वंसने सुंदरकांडे संपूर्णं॥ शुभं म

71

ॐ स्वस्तिश्रीगणेशायनमः॥ श्रीरामचंद्रायनमः॥ श्रीगुरुचरणेनमस्तुभ्यम्
केकीकंठाभनीलंसुरवरविलसद्विप्रपादाब्जचिन्हं॥ सोभाढ्यंपीतवस्त्रंसुर
सिजनयनंसर्वदासुप्रसन्नं॥ पाणौनाराचचापंकपिनिकरयुतंबंधुनासेव्य
मानं॥ नौमीड्यंजानकीशंरघुवरमनिशंपुष्पकारूढरामं॥१॥ कोशलेंद्रपदपं
कजमंगलौ॥ कोमलावजमहेशवंदितौ॥ जानकीकरसरोजलालितौ॥ चिंत
कस्यमनभृंगसंगिणौ॥२॥ कुंदइंदुदरगौरसुंदरम्॥ अंविकापतिमभीष्टसं
द्धिदं॥ कारुणीककरकंजलोचनं॥ नौमीशंकरमनंगमोचनम्॥३॥ दोहरा॥
रहाएकदिनअवधिकरअति आरतिपुरलोग॥ जहंतहंसोचतिनारिनर
कृशतनरामवियोग॥१॥ सगुनहोहिंसुंदरसकलमनप्रसन्नसवकेर॥ प्रभु
आगवनजनावजनुनगररम्यचहुफेर॥२॥ कोशल्यादिकमातुसवमन
अनंदअसहोइ॥ आयेप्रभुश्रीअनुजजुतकहनचहतअवकोइ॥३॥ भर
तनयनभुजदक्षणफरकतवारहिंवार॥ जानसगुनमनहरषअतिलागे
करनविचार॥४॥ चौपई॥ रहाएकदिनअवधिअधारा॥ समुझतमनदुष
भयोअपारा॥ कारनकवननाथनहिंआये॥ जानिकुटिलकिधोमोहिंवि
सराये॥ अहहेंधन्यलछमनवडभागी॥ रामपदारविंदुअनुरागी॥ कपटी
कुटिलमोहिंप्रभुचीन्हा॥ ताते नाथसंगनहिंलीन्हा॥ जोकरनीसमुझैप्रभु
मोरी॥ नहिंनिस्तारकलपशतकोरी॥ जनअवगुनप्रभुमाननकाऊ॥ दीन
वंधुअतिम्रदुलसुभाऊ॥ मोरेजीयभरोसदृढसोई॥ मिलहहिंरामसगु

उत्तर.

राम्नुभहोई॥ दीनेअवधिरहहिजवप्राना॥ अधमकवनजगमोहिसमाना॥
दोहरा॥ रामविरहसागरमहाभरतमगनमनहोत॥ विप्ररूपधरिपवन
सुतआइगयोजनुपोत॥५॥ वैठेदेषिकुशासनजटामुकटकृशगात॥
रामरामरघुपतिजपतश्रवतनैनजलजात॥६॥ चौपई॥ देषतहनूमा
नअतिहरषे॥ पुलकगातलोचनजलवरषे॥ मनमहुंवहुतभांतिसु
षमानी॥ वोलेश्रवनसुधासमवानी॥ जासुविरहुसोचहुदिनरानी॥ रट
हुनिरंतनगुनगनयानी॥ रघुकुलतिलकसुजनसुषदाता॥ आयो
कुशलदेवमुनित्राता॥ रिपुरनजीतसुजससुरगावत॥ सीताअनुज
सहितपुरआवत॥ सुनतवचनविसरेसभदूषा॥ त्रिषावंतजिमिपा॥
यपीऊषा॥ कोतुम्हतातकहांतेआये॥ मोहिपरमप्रियवचनसुनाये॥
मारुतसुतमैकपिहनूमाना॥ नाममोरसुनकृपानिधाना॥ दीनवंधुर॥
घुपतिकरकिंकर॥ सुनतभरतभेटोउठिसादर॥ मिलतप्रेमनहिंह्र
दयसमाता॥ नैनश्रवतजलपुलकतगाता॥ कपितवदरससकलदु
ते षवीं॥ मिलेआजमोहिरामपरीते॥ वारवारवूझीकुशलाता॥ तोकउ॥
काहदेहुंसुनभ्राता॥ यहसंदेसुसरसजगमाहीं॥ करविचारदेषाकछु
नाहीं॥ होतितनातउरिनमैतोहीं॥ अवप्रभुचरितसुनावहुमोहीं॥ तव
हनुमंतनायपदमाथा॥ कहेसकलरघुपतिगुनगाथा॥ क[illegible]हकपिक
वहुकृपालगुसांई॥ सिमरहिंमोहिदासकीनाईं॥ छंद॥ निजदासजोरघु

वंशभूषनकबहुसमसिमरनकरयो॥सुनिभरतबचनबिनीतअति
कपिपुलकतनचरननपरयो॥रघुवीरनिजमुषजासुगुनगन।क
हतअगजगनाथुसो॥काहेनहोतबिनीतपरमपुनीतगुनसिंधुसो॥ सद
दोहरा॥रामप्रानप्रियनाथतम्हसत्यबचनममतात॥पुनिपुनिमि
लतभरतसुनिहरषनहृदयसमात॥६॥सोरठा॥भरतचरनसिरु
नाइतुरतगयोकपिरामपहि॥कहीकुशलसभजाइहरषिचलेप्रभु
जानचढि॥७॥चौपई॥हरषभरतकौशलपुरआये॥समाचारसभगु
रुहिसुनाये॥पुनिमंदिरमहुवातजनाई॥आवतनगरकुशलरघु
राई॥सुनतसकलजननीउठिधाई॥कहिप्रभुकुशलभरतसमु
झाई॥समाचारपुरवासिनपाए॥नरअरुनारिहरषसभधाए॥द
धिरोचनदूर्वाफलफूला॥नवतुलसीदलमंगलमूला॥भरिभरि
हेमथारभामनी॥गावतचलीसिंधुरगामनी॥जोजैसेतैसेउठिधाव
हि॥बालबृद्धकहुसंगनलावहि॥एकएककोबूझेंभाई॥तुम्हदेषेद
यालरघुराई॥अवधिपुरीप्रभुआवतजानी॥भयेसकलसोभाके
षानी॥भैसरयूअतिनिर्मलनीरा॥वहेसुहावनत्रिविधसमीरा॥
दोहरा॥हरषितगुरजनअनुजभूसुरबृंदसमेत॥चलेभरतअ
तिप्रेममनसनमुषकृपानिकेत॥८॥बहुतकचडीअटारनिनि
रषहिगगनविमान॥देषिमधुरसुरहरषितकरहिसुमंगलगा

उ॰ न॥१४॥राकाशशिरघुपतिपुरीसिंधुदेषिहरषान॥बढ्योकुलाहलकरतजन
नुनारितरंगसमान॥१५॥चौपई॥इहांभानुकुलकमलदिवाकर॥कपिन्ह
नगर देषावतनगरमनोहर॥सुनकपीसअंगदलंकेशा॥पावनपुरीरुचिरयहदेशा॥ स
जद्यपिश्रुतिवैकुंठवषाना॥वेदपुराननविदितजगजाना॥अवधिसरि
मप्रियमोहिनसोऊ॥एहप्रभावजानतकोऊकोऊ॥जन्मभूमिममपु
रीसुहावन॥उत्तरदिशिसरजूवहिपावन॥जामज्जनतेविनहिप्रिया
सा॥ममसमीपनरपावहिवासा॥अतिप्रियमोहिईहांकेवासी॥ममधा
मदापुरीसुषरासी॥हरषेकपिसभसुनिप्रभुवानी॥धन्यअवधिजो
रामवषानी॥दोहरा॥आवतदेषेलोकसभकृपासिंधुभगवान॥नग
रनिकटिप्रभुप्रेरियोउतरेभूमिविमान॥१६॥उतरिकह्योप्रभुपुष्पक
हुतुमकुवेरपहिजाहु॥प्रेरतरामचल्योसोहरषविरहअतिदाहु॥
१७॥चौपई॥आयेभरतसंगसभलोगा॥कृशतनुश्रीरघुवीरवियोगा॥
वामदेववशिष्टमुनिनाइक॥देषेप्रभुमहिधनुधरिसाइक॥धाइगहेगुरु
चरनसरोरुह॥अनुजसहितअतिपुलकतनोरुह॥भेटेकुसलवू
रि झिमुनिराया॥हमरेकुशलतुम्हारैदाया॥सकलद्विजननमिलिनायो
माथा॥धर्मधुरंधररघुकुलनाथा॥गहेभरतपुनिप्रभुपदपंकज॥
नमितजिन्हेसुरमुनिशंकरअज॥परेभूमिनहिउठतउठाये॥वरक
रिकृपासिंधुउरलाये॥स्यामलगातरोमभयेठाढे॥नवराजीवनयन

जलवाढे १८ राजीवलोचनस्रवनजलतनललितपुलकावलि
वनी अतिप्रेमहृदयलगाइअनुजहिमिलेप्रभुत्रिभुवनधंनी प्रभुमि
लनवूझैंनैअनुजहिसोहमोपहिजातनहिउपमाकही जनुप्रेमअरु
सिंगारतनुधरिमिलेवरउपमालही ५ वूझतकृपानिधिकुशलभर
तहिवचनवेगनआवही सुनशिवासोसुषवचनमनतेंभिन्नजानजे
पावही अवकुशलकोशलनाथआरतजानिजनदर्शनदियो वूडा
तविरहवारीसकृपानिधानमोहिकरगहेलियो २ पुनिप्रभु
हरषिसत्रुमित्रसभेटेहृदयलगाय लछिमनभरतहिमिलेतवपरम
प्रेमदोउभाय ११ भरतानुजलछिमनपुनिभेटे दुसहविरह
संभवदुखमेटे सीताचरनभरतसिरुनावा अनुजसमेतपरमसुषपा
वा प्रभुविलोकिहरषेपुरवासी जनितवियोगविपतसभनासी प्रेमा
तुरसवलोगनिहारी कौतुककीन्हकृपालषरारी अमितरूपप्रगटे
तिहिंकाला जथाजोगमिलिसवहिकृपाला कृपादिष्टरघुवीरविलो
की कियेसकलनरनारिविसोकी छिनमहिसवहिमिलेभगवाना उ
मामरमयहकाहुनजाना इहिविधिसवहिसुषीकररामा आगेचले
सीलगुनधामा कौशल्यादिमातसवधाई निरषवछजनुधेनुलवाई
२२ जनुधेनुवालकवछतजगृहचरनवनपरवसगई दिनअं

सुष

उ॰ नगररूषम्रवनथनहुंकारकरधावनभई अनिप्रेमप्रभुसवमानभेटी।
३ वचनम्टदुवहुविधकहे गईविषमविगनिवियोगभवनिनहरषं अग
निनलहे २३ भेटेननयसुमित्रारामचरनरतिजानि रामहि
मिलनसुकैकईहृदयवहुतसकुचानि २४ लछिमनसवा
माननमिलेहरषेआसिषपाइ कैकईकहपुनपुनिमिलेमनकर
छोभनजाइ २५ सासुनसवनमिलीवैदेही चरननिलागि
हरषअतिनेही देहिअसीसवूझिकुसलाता होहुअचलतुम्हारि
अहिवाता सवरघुपतिमुषकमलविलोकहि मंगलजानननय
नजलरोकहि कनकथारआरनिउतारहि वारवारप्रभुगातनि
हारहि नानाभांतिनिछावरिकरहीं परमानंदहरषउरभरहीं
कोशल्यापुनिपुनरघुवीरहि चितवनकृपासिंधुरनधीरहि हृ
दयविचारनवारहिवारा कवनभांतिलंकापतिमारा अतिसु॰
वीर कुमारजुगलमेरे निसचरसुभटमहावलभारे २६ लछि
मनअरुसीतासहितप्रभुहिविलोकतमात परमानंदमगनमन
पुनपुनपुलकनगात २७ लंकापतिकपीसनलनीला।
जामवंतअंगदसुभसीला हनुमदादिसववानरवीरा धरेमनोह
रमनुजसरीरा भरतसनेहसीलव्रतनेमा सादरसववरनहिअ

तिप्रेम देषिनगरवासिन्हकैरीती सकलसराहहिंप्रभुपदप्रीती पु
निरघुपतिसवसषावुलाये मनिपदलागहुसकलसिषाये गुरु
वसिष्टकुलपूजहमारे इन्हकीकृपादनुजरनमारे एसवसषासुन
हुमुनिमेरे भयेसमरसागरकहंवेरे ममहितलागिजन्मइन्हिधा
रे भरतहुंतेमुहिंअधिकपियारे सुनप्रभुमगनसवभयेउ निमष
निमषउपजितसुषनयेउ २८ कौशल्याकेचरनन्हिपुनि।
तिन्हनायोमाथ आसिषदीन्हेउहरषतुम्हप्रियममजिमरघुना
थ २९ सुमनवृष्टनभनेभईभवनचलेसुषकंद चढीअटा
रन्हिदेषहींनगरनारिनरवृंद ३० कंचनकलसविचित्रसं
वारे सवहिंधरेनिजनिजसजिद्वारे वंदनवारपताकाकेतू सव।
हिंवनायेमंगलहेतू वीथीसकलसुगंधसिंचाई मनिगनरचिवहु
चौकपुराई नानाभांतिसुमंगलसाजे हरषिनगरनिसानवहुवाजे
जहांतहांनारिनिछावरिकरहीं देहिंअसीसहरषिउरभरहीं कंच
नथारआरतीनाना जुवतीसजहिंकरहिंसुभगाना करहिंआरती
आरतिहरकी रघुकुलकमलविपनदिनकरकी पुरसोभासंप।
तिकल्याना निगमसेससारदावषाना जेउचरितदेषिठगरहिहीं
उमातासुगुननरकिमकहहीं ३१ नारिकुमदनीअवधसर

७. रघुपतिविरहदिनेस अस्तभयेविगसतभईनिरषिरामराकेस ३२।
होहिंसगुनसुभविविधिविधिवाजहिगगननिसान पुरनरनारिसु।
नाथकरिभवनचलेभगवान ३३ प्रभुजानाकैकेईलजानी।
प्रथमतासुग्रहगयेभवानी जाहिप्रवोधिवहुतसुषदीन्हा पुनिनि
जभवनगवनहरिकीन्हा कृपासिंधुनवमंदिरगयेउ पुरनरना
रिसुषीसवभयेउ गुरुवसिष्टद्विजलियेवुलाई आजसुघरीसुदिन
सुभदाई सवद्विजदेहहरषिअनुसासन वैठहिरामचंद्रसिंहास
न मुनिवसिष्टकेवचनसुहाये सुननसकलविप्रन्हमनभाये
कहहिंवचनम्रदुविप्रअनेका जगअभिरामकरहुअभिषेका।
अवमुनिवरविलंवनहिंकीजे महाराजकहितिलककरीजे ३३
तवमुनिकहेउसुमंतसनसुननचलेउसिरुनाइ रथअ
नेकवहुवाजिगजनरनसवारेउजाइ ३४ जहांतहांधावन।
पठेपुनिमंगलद्रव्यमगाइ हरषिसमेतवसिष्टपदपुनिसिरुना।
योन्हाइ ३६ अवधपुरीअतिरुचिरवनाई देवन्हसुमन।
वृष्टिझरलाई रामकहासेवकनवोलाई प्रथमसषाअन्हवाव
हुनाई सुननवचनजहांतहांसवधाये सुग्रीवादितुरनअन्हवा
ये पुनिकरुनानिधिभरतहंकारे निजकररामजटानिरवारे।

776